भारतीय कुण्डली विज्ञान

मीठालाल हिंमतराम ओझा

भारतीय-कुण्डली-विज्ञान

कुण्डली विज्ञान पर प्राचीनतम प्रामाणिक हिन्दी ज्यौतिषशास्त्र

वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय-वाराणसी, बड़ौदा विश्वविद्यालय बड़ौदा, हिन्दी विश्वविद्यालय-प्रयाग, लालबहादुर संस्कृत विद्यापीठ दिल्ली, भारतीय विद्या भवन-बम्बई, त्रिभुवन विश्वविद्यालय-काठमांडु नेपाल, प्रभृति शिक्षा संस्थाओं की आचार्यादि परीक्षाओं के लिए स्वीकृत

लेखक

स्व० (श्री) मीठालाल हिंमतराम ओझा

सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिषाचार्य, साहित्यरत्न गणकरत्न, पुराणतीर्थ, काव्यतीर्थ, ज्योतिषतीर्थ (सम्मान में) पोस्टाचार्य (रीसर्च स्कालर) एम. ए.-संस्कृत

भू० पू० प्राध्यापक

वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

संपादन :

दर्शन ओझा, देवर्षि प्रकाशन

डी० ३/४०, मीरघाट, वाराणसी

प्रकाशक व पुस्तक प्राप्ति स्थान
देवर्षि प्रकाशन
डी. ३/४०, मीरघाट
वाराणसी-२२१००१, उ० प्र०

नकली किताबों से बचें
लेखक का कवर पर फोटो देखकर ही किताब खरीदें

सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

महाशिवरात्री पर्व
सम्वत् - २०६०
ई० सन्-२००४

द्वादशावृत्ति-

Rs 210.00

मुद्रक :
मयंक प्रेस
बुलानाला, वाराणसी

संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

कुछ कहना है -

वर्षों से भारतीय वाङ्मय के विकास की परम्परा लुप्तप्राय: होती जा रही है। "विनाश्रया न शोभन्ते पण्डिता वनिता लता:" इस सूक्ति का प्रत्यक्ष स्वरूप सामने आने पर इसकी सत्यता का पूरा अनुभव भारत की वाग्देवता के वरद पुत्रों को होता गया । सहस्त्रों वर्षों की अवाध गति से प्रचलित वाङ्मय की परम्परा को भारतीय पराधीनता ने विछिन्न कर दिया।

उसी वाङ्मय के एक अंशभूत ज्यौतिष शास्त्र की भी यही दशा हुई। जिस समय संसार इस शास्त्र के प्रकाश से दूर था, उस समय भारत ने ही इनकी ज्योति को सर्वत्र प्रसारित किया था और तदुपरान्त आर्यभट्ट प्रभृति महाभिज्ञों ने उसी प्रसारित ज्योति को अपने अन्तस्तल में प्रतिबिम्बित करके चन्द्र के समान आह्लादक ज्ञान–ज्योत्सना को सर्वत्र फैलाया। आज से डेढ़ हजार वर्ष पहले इन्होंने 'भूचला' Aberration का सिद्धांत संसार के सामने स्थापित किया था। बड़े दु:ख की बात है कि आज उस अमूल्य निधि का रक्षण करके हम उसे आगे नहीं बढ़ा सके और पश्चिम का मुँह देखते रहे और "कालक्रमेण जगत: परिवर्तमाना चक्रारपक्तिरिव गच्छति भाष्यपक्ति:" से आश्वासन लेते रहे। परन्तु आज ऐसी बात नहीं है। देश स्वतंत्र हुआ है। इस शास्त्र के प्रति देशवासियों की सहानुभूति भी बढ़ती जा रही है। हमारे प्रांतीय शासन ने भी इस ओर दृष्टि डाली है और माननीय श्री सम्पूर्णानन्द जी इसे प्रगति की ओर ले जाने में पूरे प्रयत्नशील हैं। अत: आशा है कि हमारा प्रदेश पुन: अपनी प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल होगा।

यह पुस्तक इसी दिशा में एक क्षुद्र प्रयास है। विदेश तो दूर रहा देश में भी एक स्थान से दूसरे स्थान की कुण्डली बनाने के लिये पूरे साधन उपलब्ध नहीं होते थे। किसी–किसी पंञ्चाग में देशान्तर मिल गया तो लग्न सारिणी नहीं मिली। इस तरह की अनेक बाधायें ज्यौतिषियों के सामने आती थी और वे उपयुक्त साधन के बिना स्थूलता का आश्रय लेते थे। अत: इस असुविधा को दूर करने के लिये जहाँ तक मानव का विस्तार है उस देश तक की लग्न सारिणियाँ इस ग्रन्थ में निहित हैं। तत्तस्थानीय स्पष्ट सूर्योदयास्त दिनमान एवं इष्टकाल साधन के नियम तथा उदाहरण देकर इस विषय को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है। एक स्थान से दूसरे स्थान का स्पष्ट देशान्तर साधन का क्रम और उदाहरण भी दिये गये है। देशान्तर साधन की उपयुक्त रेखांश, अक्षांश स्टैंडर्ड तथा स्थानीय समय का अन्तर आदि सामग्री पर्याप्त

मात्रा में रखी गई है। समय–विवेचन भी पूर्णरूप से दिया गया है। जातक सम्बन्धी प्रत्येक गणित को सरल करने के लिये कोष्ठक तथा सारिणियाँ दी गई हैं, जिनके द्वारा सारा गणित बिना गुणा–भाग के स्वल्पकाल में सरलता से हो सकेगा। साथ ही इस विषय की पाश्चात्य पद्धति भी दिखलाई गयी है। इसके अतिरिक्त अनेक नवीन विषयों का संकलन कर इस ग्रन्थ को व्यवहार के लिये परमोपयोगी बनाने का भरसक प्रयास किया गया है।

इस ग्रन्थ के निर्माण में अनेक भारतीय पूर्वाधुनिक ग्रन्थों से तथा चेम्बर, राफेल्स प्रभृति पाश्चात्य विद्वानों के ग्रन्थों से सहायता ली गई है। इन महापुरुषों के अपरिमित उपकार के प्रति कृतज्ञता से नतशिर हूँ। मेरे प्रिय शिष्य श्री विष्णुप्रसाद पण्ड्या ज्यौतिषाचार्य तथा श्री बिहारी लाल द्विवेदी ज्यौतिषाचार्य ने मुद्रण सम्पादन में अथक परिश्रम किया है। लग्नादि सारिणी निर्माण में उपरोक्त दोनों विद्वान छात्रों ने तथा श्री सुरेन्द्र शंकर जोशी ज्यौतिषाचार्य बी०ए०, श्री सूर्य प्रसाद पुरोहित ज्यौतिष शास्त्री, श्री मुनीश्वर पाण्डेय ज्यौतिषशास्त्री, श्री चिन्तामणि मुरारी, श्री चतुर्भुज शिवलाल दवे आदि सुयोग्य प्रिय छात्रों ने जो सहयोग दिया है, उसके लिये मैं साभार हूँ और विश्वेश्वर से इनके अभ्युदय का प्रार्थी हूँ।

काशी राजकीय वेधशाला के संचालक श्रीयुत् शंभू दयाल सिंहल (Ph.D.) तथा श्री महावीर प्रसाद माथुर एस्ट्रोलोजर महाशय ने इस कार्य के उपयुक्त साधन देकर अनुगृहीत किया है। अतः यह सभी मेरे धन्यवादार्ह हैं।

मेरी चिरकाल से इस प्रकार का ग्रन्थ निर्माण करने की कामना थी। कई वर्ष पूर्व मैंने यह कार्यारम्भ कर दिया था। परन्तु समयाभाव के कारण उसे शीघ्रता से पूर्ण न कर सका। इसके लिये दुःख है।

भगवान की असीम अनुकम्पा से आज यह ग्रन्थ आप के सामने प्रस्तुत है। यह ग्रन्थ कैसा बना है, इसमें क्या गुण–दोष हैं, यह सब निर्णय विज्ञजन ही करेंगे।

मैं तो केवल इतने मात्र से आत्म–तुष्ट हूँ कि ज्ञान के जिस अपरिसीम मार्ग में, जो हजारों वर्षों से बनता चला आ रहा है, जिसमें अनेक महापुरुषों की तपस्या चरितार्थ हुई है, जिससे भारत का मुख उज्जवल हुआ है, उसी महान पथ में मुझ अकिंचन प्राणी की यह एक छोटी सी ईंट एक किनारे से लग रही है। यह क्या कम सौभाग्य की बात है ?

शारदोत्सव–

सं० २०११ **मीठालाल ओझा**

दृष्टिकोण

सभापति शर्मोपाध्यायः

एम० एल० सी० (प्रिंसिपल) बिरला संस्कृत कालेज, बनारस

निखिल देशानतिशयानस्यभारतस्य चिरायानेहः पर्यन्तं परतन्त्रताश्रृङ्खला-निगडिततया, अर्थेषु, जडविज्ञानेषु गवागोचरार्थप्रतिपादनशक्तिशालिमहर्षिप्रणीत-शास्त्रमूलकशाब्दप्रपञ्चेषु चोन्नतेरवनतेरेव साम्राज्यमासीत्। यद्यपि भाग्यवशाद्दैवबल-शालिन्या स्वतन्त्रतया विप्रकृष्टं नीतायामपि परतन्त्रताजातुधान्यां चम्पकपुष्प-वासितन्यायमनुसरन्तीपरतन्त्रताऽद्यापि भारतं तत्त्वातत्वावधारणसामर्थ्य- राहित्येन भ्रमयन्तीव दृश्यते। तथापि स्वतन्त्रतया दत्तबलं भारतं शनैश्शनैः,

"एतद्देशप्रसूतस्य सकाशादग्रजन्मनः।
स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्यां सर्वमानवाः॥"

इति प्रख्यातं प्राक्तनगौरवमानेतुं प्रयतेतेति सम्भाव्यते।

साम्प्रतं सर्वतोन्नतिमार्गोविवृत इवालोक्यते विहायैहिकामुष्मिकोन्नति सम्पादिका दैववान्देवीम्। न जाने साम्प्रतिकशिक्षासंचालकान्तःकरणेषु संस्कृतवाङ्मयोदासीन्यं किं हेतुकं पदमादधाति।

अयमिदानीं हर्षास्पदं यत् सम्प्रत्युत्तरप्रदेशमुख्यमन्त्रीपदमुद्वहन्तः प्राच्य-प्रतीच्यगणित-दर्शनयोर्विशेषज्ञतामलं कुर्वाणा गीर्वाणवाण्युद्धरणाय सततं यतमाना राजकीयानेकविधकृतिव्यापृता अपि संस्कृतवाचान्तद्विदुषांच सम्पूर्णानन्दविधानाय सम्पूर्णानन्दमहोदया एव मातृभूताया भारतीयभारत्यास्तनुजतल्लजा भवेयुः।

अस्तु, दैववाक्समुपासकैः वाक्कायमनःप्रयत्नात्तदुन्नतये न विरन्तव्यम्। भारतेन देशान्तरलिप्स्यमानोन्नतिस्तदैवसम्पादिता स्याद्यदा दैव्यावाचोऽत्र साम्राज्यं भवेत्।

पुरा, देशान्तरेषु ज्यौतिषश्शास्त्रप्रकाशो यदा नासीत् तदा भारतीय ज्यौतिषश्शास्त्रेणैव भूगोलखगोलयोः स्वरुपाणि ज्ञप्तिपथं नीतानि अतः सार्धसहस्रवर्षात् पूर्वम् ''आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त, वराह, लल्ल, भास्कराचार्य, गणेश, कमलाकरभट्ट'' प्रभृतिमहानुभावैः ज्यौतिषशास्त्रज्योत्स्नया निखिलदेशान्तरं प्रकाशमयमकारि। अल्पोयांस्येव वर्षाण्यतीतानि। तदानी महामहोपाध्याय बापूदेव शास्त्रि, महामहोपाध्याय सुधाकर द्विवेदी प्रभृतिभिरमि नवनया विषया उपस्थाप्य

सर्वत्र प्राथिता:।

कुण्डलीनिर्माणे भारत एव दूरातिदूरदेशभेदेन पूर्णतया साधनानुपलम्भात् कस्मिंश्चित्पञ्चाङ्गे देशान्तरोपलब्धावपि सारिण्या: सरण्या अभावाच्च नानाविद्या–बाधा उपस्थिता आसन् ते ज्योतिर्विद: स्थूलताश्रयतयैव कुण्डली निर्ममु:। अतस्तत्कष्ट निराकरणाय यावद्देशर्यन्तं मानवानां निवसतिस्तावद्देशीयलग्नसारिणीनाम्, तत्तद्देशीय सूर्योदयास्तयो:, स्पष्टीकरणस्य, इष्टकालसाधनस्य, एकस्मात् स्थानादन्यस्थान–सम्बन्धिस्पष्टान्तरसाधनस्य च नियमा: प्रकाराश्च देशान्तरसाधनोपयुक्तरेखांशा अक्षांशा, सिद्वान्तसमय (Standard Time) स्थानीयसमयोरन्तरादि सामग्र्य: जातक सम्बन्धी प्रत्येक गणितस्य सरतलायै सारिण्य: कोष्ठकानि, एतद्विषयिका: पाश्चात्यपद्धतयोऽनेके नवीनविषयाश्च ज्योतिषाचार्येण श्रीमता मीठालाल शर्मणा निर्मिते "भारतीय कुण्डली विज्ञान" नामधेयेऽत्र ग्रन्थे ज्योतिषश्शास्त्राध्यायिनां तद्विदुषांचानायासती ज्ञानाय वर्णिता: सन्ति।

यावन्तो विषया अत्र प्रतिपादितास्तावतां ज्ञानं ग्रन्थान्तरान्न संभवेदिति मन्ये। एतत् ग्रन्थनिर्माणं ग्रन्थकर्तुरन्यातिशायि पाण्डित्यं प्रकाशयतीति वक्तुं शक्नुम:।

एतद्विदुष: महत: प्रयासस्य साफल्यन्तदैव स्यात् यदा ज्यौतिषश्शास्त्रविशेषज्ञा उपर्युक्तविषयजिज्ञासयश्च स्वस्बाभीष्टं साधयेयुरिति निवेश्यते:–

भारत राष्ट्रपति-चिकित्सक

पं० सत्यनारायण शास्त्री वैद्य

(भिषक् शिरोमणि, भू०पू० प्रिंसिपल)
आयुर्वेदिक कालेज, डीन ऑफ दि फेकल्टी
ऑफ आयुर्वेद तथा यूनिवर्सिटी प्रोफेसर
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

ज्योतिषशास्त्रविचक्षणभरणसद्रत्नेन भास्वत्त्विषा ।
मीठालाल पदाभिधेन विदुषा ज्योतिर्विदा निर्मितः ॥
ग्रन्थो लोकहिताय राजतितरामत्युत्तया साम्प्रत ।
मल्पज्ञाखिल भूसुरैकाहितकृत्सत्कुण्डली निर्मितौ ॥१॥
ज्योतिश्शास्त्रविशिष्ट पण्डितजनानामप्ययं सौकरं ।
नूनं सम्प्रविधास्यतीह रचने स्वल्पश्रमाधायकः ॥
स्तुत्योऽतोऽस्य श्रमस्त्विवति प्रयदति स्थालीपूलाकेक्षणा ।
दायस्त्याश्रमवासिवैद्यपदभाक् श्रीसत्यनारायणः ॥२॥

कुबेरनाथ शुक्ल

एम०ए० व्याकरणाचार्य
प्रिंसिपल राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, बनारस।

पं० मीठालाल कृत भारतीय कुण्डली विज्ञान नामक पुस्तक चार प्रकरणों में विभक्त है। फलित ज्यौतिष के ग्रन्थों का संग्रह कर उनमें प्रतिपादित लग्न, दशा, देशान्तरादि व्यवहारोपयोगी विषयों का उल्लेख सरल एवं स्पष्ट रूप में किया गया है। अनेक देश विदेशों के अक्षांश देशान्तर सारणी तथा लग्न सारणी आदि के द्वारा फलित ज्यौतिष विषयों का ज्ञान सरलता से हो जाया करे, इसके लिये ग्रन्थकर्ता का सफल प्रयास है और एतदर्थ वह ज्यौतिष प्रेमियों के धन्यवाद के पात्र हैं।

DR. MANGAL DEVA SHASTRI

M.A.D. Phill. (Oxon)

***Principal* (Retd.) Govt. Sanskrit College, Banaras.**

Bhartiya Kundali Vigyana. written by Shri Mithalal Ojha, is very useful and rather a unique book of its kind in Hindi.

Besides, it is a vivid testi mony of his practical and sound knowledge of Phalita Jyautisha.

कविकुल गुरु

साहित्याचार्य, साहित्यवाचस्पति

महामहोपाध्याय पं० नारायण शास्त्री खिस्ते

भूतपूर्व प्रिंसिपल, ग० संस्कृत कालेज, बनारस

श्रीयुत् पं० मीठालाल ओझा ज्यौतिषाचार्य जी का "भारतीय कुण्डली विज्ञान" नामक ग्रन्थ मैनें अच्छी तरह देखा है। यह ग्रन्थ अत्यन्त उपयोगी है।

इस एक ही ग्रन्थ का अच्छी तरह अभ्यास करने से पंञ्चाग प्रकरण से लेकर जन्मकुंडली, वर्षकुंडली, दशा, अन्तर्दशा आदि प्रकरणों का परिज्ञान हो सकता है।

विभिन्न सारणियाँ, भारत के विभिन्न प्रान्तों के अक्षांश, रेखांश तथा अन्तर आदि के समावेश से इस ग्रन्थ की उपयोगिता बढ़ गयी है।

मेरे विचार में हिन्दी में अभी तक इतना सुन्दर, बहुविषयपूर्ण दूसरा ग्रन्थ प्रकाशित नहीं हुआ है।

जन्मकुण्डली, वर्षकुण्डली आदि बनाने वाले ज्यौतिषी आदि इस ग्रन्थ की सहायता लेकर अपना कार्य करें तो वह बहुत शुद्ध और विश्वासार्ह हो सकेगा।

मै "भारतीय कुण्डली विज्ञान" की पूर्ण सफलता चाहता हूँ।

पं० रामव्यास पाण्डेय

ज्यौतिष विभागाध्यक्ष, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

श्रीमत: पण्डित मीठालाल महोदयस्य परिच्छेद चतुष्टयात्मकं "भारतीय कुण्डली विज्ञान" नामकं पुस्तकं मयाऽवलोकितम्, तत्र च फलित ज्यौतिषशास्त्रीयानेक विषय: राष्ट्रभाषया प्रकाशिता: सन्ति। एवमनेक देशीयाक्षांश देशान्तर सारिणी न्यासादिना प्राचीन परम्परया लग्नादि साधनं सौलभ्यञ्च प्रदर्शितम्। मन्ये यदनेन ज्योतिर्विदां छात्राणां च महानुपकारो भविष्यतीत्ययमनुष्य प्रचुर प्रचारं कामये येनास्मादपि विशिष्ट ग्रन्थोल्लेखन प्रकाशनयो सोत्साहो ग्रन्थलेखकोभवेदिति ।

पं० बलदेव मिश्र

के. पी. जायसवाल रिसर्च इन्स्टिट्यूट, पटना

पं० श्री मीठालाल ओझा ज्यौतिषाचार्य प्रोफेसर गवर्नमेन्ट संस्कृत कालेज बनारस का लिखा हुआ ''भारतीय कुण्डली विज्ञान'' नामक ग्रन्थ देखने को मिला। मुझे प्रथमत: प्रसन्नता इस बात से है कि संस्कृत के अधिकारी विद्वान ने हिन्दी भाषा में ज्योतिष के ग्रन्थ को लिखा। दूसरी प्रसन्नता इसलिये है कि लेखक ने पाश्चात्य पद्धति को अपनाया है सायन गणना की सुविधा दी है जो पुरानी रीति से भिन्न है। मैं चाहता था कि विद्वान लेखक इस पुस्तक की भूमिका में सायन गणना अथवा अयनांश संस्कृत सायन ग्रह तथा नवीन पद्धति अपनाने का पूरा विवरण देते। साथ ही जैसे चार भागों में यह पुस्तक लिखी गई है इसमें एक और पाँचवाँ भाग देकर फल कथन के सम्बन्ध में थोड़ा दिग्दर्शन कराते तो बहुत सुन्दर होता क्योंकि इस प्रकार शुद्ध सम्पन्न कुण्डली का फल ही तो लोगों के लिये अपेक्षित विषय है।

यद्यपि इस पुस्तक की कुछ रीति प्राचीन रीति से भिन्न है तथापि आधुनिक नवयुग में यह पुस्तक लोगों को प्रीतिप्रद होगी ऐसा मैं समझता हूँ।

मैं आशा करता हूँ कि उत्साही विद्वान् लेखक अपनी कृतियों से लोगों का उपकार करेंगे। इस पुस्तक में बहुत सी नई बातें हैं जो देखने से ही विदित हो सकती हैं।

पं० श्री सीताराम झा

प्र० अध्यापक संन्यासी संस्कृत कालेज, बनारस ।

ज्यौतिष शास्त्र में काल की ही विश्वोत्पत्ति स्थिति प्रलय कारक परमेश्वर कहा गया है, क्योंकि श्रुति और पुराण में परमेश्वर का जो लक्षण कहा गया है वह पूर्ण रूप से काल ही में घटता है, काल निराकार होता हुआ भी साकार है, निर्गुण होते हुए भी सगुण है। साकार, सगुण काल को ही समय कहते हैं। जिस काल में जैसा गुण रहता है, वह उसी प्रकार के गुणों से युक्त जन्तुओं का उत्पादन करता है। अतः यदि मनुष्य को किसी के जन्म समय का ठीक ज्ञान हो जाय तथा उसके गुणों (प्रकृति) का ज्ञान हो जाय तो उस मनुष्य के गुण (प्रकृति) को भी समझ सकता है।

हमारे भारतीय महर्षियों (ज्यौतिष शास्त्र प्रवर्तकों) ने आकाशस्थग्रह नक्षत्रों के आधार पर काल के समान गुणों का ज्ञान किया जो कालतन्त्र तथा (आकाशस्थ ज्यौतिष्पिण्ड के आधार से ज्ञान होने के कारण) ज्यौतिष शास्त्र कहलाता है।

इसलिये जन्म समय का जितना ही सूक्ष्म समय और ग्रह नक्षत्रों का जितनी ही सूक्ष्मता का ज्ञान होगा, उतनी ही उस मनुष्य की जीवन घटना का सूक्ष्म ज्ञान हो सकता है। इसीलिये कहा भी है—

यन्त्रैः स्पष्टतरोऽत्र जन्मसमयो वेद्योऽथ खेटाः स्फुटाः।।

पूर्व समय में ऐसा ही किया जाता था, जिससे मनुष्य को अपने जीवन की समस्त घटना ज्ञात हो जाती थी, तथा ज्यौतिष शास्त्र की प्रतिष्ठा विश्व में व्याप्त थी।

किन्तु सम्प्रति ज्यौतिषी लोग उस प्रकार स्पष्ट समय या ग्रह को नहीं जान कर अत्यन्त स्थूल समय और ग्रह के द्वारा जन्मपत्र बनाकर फलादेश करते हैं जो १० प्रतिशत भी सत्य नहीं होता है।

वास्तव में इसका कारण यह है कि साधारण ज्यौतिषियों को किसी के जन्म स्थान के स्पष्ट समय का या उस समय के स्थानीय स्पष्ट ग्रहों का ज्ञान ही नहीं रहता है। इसलिये वे कहीं के पंचांग से बिना देशान्तर संस्कारादि क्रिया के ही ग्रह और भाव बनाते हैं फिर उसमें सत्यता कैसे हो सकती है।

अतः—जन्मस्थानीय—सूक्ष्म समय तथा उस समय के स्पष्ट ग्रह और भावों तथा षड्वर्गों—दशा , अन्तर्दशाओं के सूक्ष्म भेदों को जानकर ही जन्मपत्र बनाना उचित है। जो कोई इन क्रियाओं को नहीं जानते वे जन्मपत्र बनाने और फल कहने के अधिकारी नहीं हैं।

बड़े ही हर्ष की बात है कि—जन्मपत्र लिखने में जितने विषयों की आवश्यकता होती है— उन सब विषयों के साधन उदाहरण सहित एक छोटी सी, "भारतीय कुण्डली विज्ञान" नामक पुस्तक में उनके सुयोग्य लेखक पं० श्री मीठालाल ओझा जी ज्यौ० आ० ने अत्यन्त सरलता से दिखलाया है जो कि साधारण गणित जानने वाला बालक भी जिस स्थान का, जिस समय का जन्मपत्र, वर्षपत्र आदि बनाना चाहेगा, किसी भी पंञ्चाग से बना सकेगा।

इस पुस्तक में विशेष प्रशंसनीय विषय यह है कि प्रत्येक विषयों की सारिणी अत्यन्त शुद्ध और सूक्ष्म मान से लिखी गई है। जिससे बिना गणित के भी अत्यन्त आसानी (शीघ्रता) से ही सब विषयों का ज्ञान हो सकता है।

वस्तुतः लग्नकुण्डली लिखने में उपयुक्त इस प्रकार की पुस्तक आज तक कोई भी प्रकाशित नहीं हुई है। हम आशा करते हैं कि इस पुस्तक से सकल साधारण जन उपकृत होंगे।

पं० श्री रामनिहोर द्विवेदी

ज्यौतिषाध्यापक मारवाड़ी संस्कृत कालेज, काशी

मैने पं० श्री मीठालाल ओझा कृत "भारतीय कुण्डली विज्ञान" को देखा इसमें पंञ्चाङ्ग ज्ञान से लेकर कुण्डली (जन्मपत्र) साधन की सभी सामग्री दी गई है। भारत के प्रधान सभी स्थानों का अक्षांश, देशान्तरादि तथा विदेश के भी कतिपय प्रधान नगरों का अक्षांशादि तथा स्पष्ट लग्नसारणी जिससे भाव साधन में लग्न की राशि, अंश, कला, विकलादि तक का ज्ञान बहुत ही अल्प समय में निकाल सकते हैं। थोड़ा भी ज्यौतिष का ज्ञान रखने वाले इस पुस्तक के अध्ययन से कुण्डली विज्ञान में पूर्ण प्रौढ़ता प्राप्त कर सकते हैं।

पं० श्री सरयू उपाध्याय

ज्यौतिषाध्यापक जी० टी० संस्कृत कालेज
गोवालिया टेंक, मुम्बई ७।

निरूपादान संभार मभित्तावेव तन्वते।
जगच्चित्रं नमस्तस्मै कलाश्लाध्याय शूलिने।।

भारतीय कुण्डली विज्ञान--

इस ग्रन्थ में कुशलता के साथ सरल सुसंस्कृत प्राञ्जल राष्ट्रभाषा द्वारा कुण्डली विषयक–प्राचीन–अर्वाचीन भारतीय उपकरणों का समावेश किया गया है।

आवश्यक विषयों का क्रम–सन्निवेश तथा अनावश्यक विस्तार का अभाव सम्पादन कला–वैशिष्ट्य को द्योतित करता है।

उपादेयता के सम्बन्ध में यह ग्रन्थ अज्ञों के लिये पठनीय, सुज्ञों के लिये स्पृहणीय, तज्ज्ञों के लिये संग्रहणीय और अतज्ज्ञों के लिये अवश्य दर्शनीय है।

इसी से यह ग्रन्थ जगत् में अपने वैचित्र्य का चित्रण करता हुआ अपने प्रौढ़ लेखक आचार्य पं० मीठालाल ओझा की कलम को सफल कर इस तरह लोकोपकारी कार्य के लिये उत्साहित किया करें यही ईश्वर से प्रार्थना है।

श्री पण्डित अवधविहारी त्रिपाठी

प्र० ज्योतिषाध्यापक, गवर्नमेन्ट संस्कृत कालेज, बनारस

श्रीमत: पं० मीठालाल ओझा महाशयस्य कमनीय कृति–स्वरूपं भाग चतुष्टयात्मकं देश–विदेशीयानेक विषय प्रकाराञ्चितं "भारतीय कुण्डली विज्ञान" नामकं पुस्तकमालोक्य कमप्यमन्दमानन्दमनुभवामि। ज्यौतिष शास्त्रस्य दुरवगमानां नियमानामति सरलतया प्रतिपादनेन फलादेश विधौ परै: प्रक्षिप्यमाण: काठिन्यकलंकपंक: सम्यक् प्रक्षालितोऽनेन। सरणिश्चैतस्य एवं सरसा समुल्लसति या बलादावर्जयति मानसमध्ययने फलित ज्यौतिषशास्त्रस्य। अस्य साहाय्येन ज्योतिर्विदां महनुपकारो भविष्यतोत्यत्र न संदेहावसर:। एतै: किल कारणै:

फलितशास्त्रसरसः नीलकण्ठी–बृहज्जातकादि सरितश्च सुगमसोपानतावचने न भवति मनागपि गन्धोऽत्युक्तेः। अहमतोऽध्यापकान् विद्यार्थिनश्च सादरं निवेदयामि यत्ते अस्माद् ग्रन्थरत्नात् पूर्णलाभप्राप्तये दत्तचित्ता भवन्तु। येन सुविज्ञो ग्रन्थ–लेखकोऽन्येषामप्यनेकेषामिदृशग्रन्थरत्नानां लेखन प्रकाशनाभ्यां ज्यौतिष शास्त्र विकाश प्रचारणे महतोत्साहेन तत्परो भवेदिति।

सदाचार ज्योतिष संघ

अध्यक्ष

पण्डित भूषण श्री जनार्दन शास्त्री खुण्टे

ज्योतिषाचार्य, न्यायरत्न

श्री पं० मीठालाल जी ओझा ज्यौतिषाचार्य का भारतीय कुण्डली विज्ञान साद्यन्त देखा। इस वैज्ञानिक युग में आधिभौतिक साधनों द्वारा अमेरिका जैसे अन्य गोलार्ध का अति दूर का देश भी अति निकट सा जैसा हो जाने से ज्योतिष द्वारा भविष्य का शुभाशुभ जानने की इच्छा तथा भारतीय ज्योतिष के चमत्कार देखने की इच्छा, अमेरिका, यूरोप, अफ्रिका जैसे देशवासियों को होती है। यह मैं अनुभव से कहता हूँ। एतदर्थ दक्षिण अक्षांशादि आकाश की ग्रहस्थिति के अनुसार सोचकर गणित करना होता है। भारतीय प्राचीन गणित से आसानी से यह कार्य नहीं होने पाता। आसानी से वे सब कार्य होने के लिये एक ग्रन्थ की आवश्यकता थी, लेखक ने लग्नपत्रिका, वर्षफलादि, नित्योपयोगी कामों के लिये भारतीय सब प्रान्तों के गणित के साथ अति दूर तक के अमेरिका आदि देशों के लिये नित्योपयोगी आवश्यक लग्नपत्रिका, वर्षफलादि का गणित सारिणी–वगैरह देकर एक त्रुटि की पूर्णता करने का सफल प्रयत्न किया है।

इस ग्रन्थ को देखने से लेखक प्राचीन, नवीन, आधुनिक सब गणितों का वेत्ता, सिद्धांत तथा फलित का भी अच्छा विद्वान हो सकता है।

ज्योतिषियों के अति उपयोगी इस ग्रन्थ का संग्रह करके लेखक का उत्साह बढ़ाने से और भी अद्यतीन ग्रन्थरत्न लेखक द्वारा हम लोग प्राप्त कर सकेंगे ऐसी आशा है।

मैं श्री विश्वनाथ से पं० मीठालाल ओझा भारतीय कुण्डली विज्ञान के लेखक, के दीर्घायु के लिये तथा उन्नति के लिये प्रार्थना करता हूँ।

अग्निहोत्री गौरीशंकर कृष्णाराम व्यास

साहित्यरत्न ज्यौतिषाचार्य दैवज्ञभूषण (फलित), नडीआद (गुजरात)

''वेदस्य निर्मलं चक्षुर्ज्योतिः शास्त्रमकल्मषम्''

विश्वस्य ज्योतिर्ज्यौतिषं भूतभविष्यद्वर्तमानकालिकातीन्द्रियपदार्थानां करामलकवत् आदर्श इव दर्शकं गणितफलितेति विभागद्वयेन विराजते। तत्र—गणितस्य दुर्ज्ञेयत्वं दुखगाहत्वञ्च नाबिदितं तद्विदां विदुषाम्। अतोऽत्र सुकुमार मतीनामपि दैवज्ञानां सुलभप्रवेशाय एवं विधस्य ग्रन्थस्यावश्यकता ह्यासीत्।

अद्य पौर्वात्य पाश्चात्य गणितपद्धति समन्वयं समाश्रित्य भाग चतुष्टयेनावगुम्फितं भारतीयकुण्डलीविज्ञानाभिधं रत्नाकराद्रत्नमिव ग्रन्थ रत्नं विविध गणित ग्रन्थान् आलोड्य आलोच्य हिन्दी भाषायां सोदाहरणं अनन्वायासेन तन्वायाम प्रवेशाय संपादयद्भिः श्रीमद्भिः मीठालाल महोदयैः संपादितम्।

विविध प्रान्तीय प्रधान नगराणां भारत बहिर्भूत देशानाञ्च अक्षांश रेखांश—लग्न सारिणी इष्टकालादि साधन प्रदर्शको विभाग विशेषोऽत्र सुवर्णे सौरभं संपादयति। समेषां ज्योतिर्विदामतीवोपकारकोऽयं ग्रन्थ इत्यतिरोहितं प्रेक्षावता। ग्रन्थमिमं विरच्य बहूपकृतं ज्यौतिषं जगदिति नास्ति शंकाकलंकावकाशः अध्ययने—अध्यापने जन्म पत्रिकादि निर्माण कर्मणि च सुज्ञा विज्ञा ज्योतिर्विदो महानुभावाः स्वीकृत्येमं ग्रन्थं सफलयिष्यन्ति प्रयत्नं ग्रन्थं कर्तुरित्याशसे।

जोषी गिरिजाशंकर हरिशंकर

ज्यौतिषाचार्य, ज्यौतिर्विद्भूषण, राजज्योतिषी, पंचांगकर्ता, अहमदाबाद

श्रीमान् वे.शा.सं. मीठालालजी ओझा,

वि. आपश्री ए वनावेलुं ''भारतीय कुण्डली विज्ञान'' में जोवुं तेमां आपे जे झीणवट साथे गणित विषयनुं संपादन कर्युं छे. तेमां घणोज परिश्रम लीघोछे अने आ पुस्तक ज्यौतिष शास्त्रना अभ्यासीओ माटे घणुज उपयोगी निवडधे, एवी मारी खात्री छे आवा शास्त्रीय विषयनो ग्रन्थ करवो ते बहुज परिश्रम अने समय मागोले छे. आपनुं पुस्तक सारी रीते उपयोगी थाय एबी मारों शुभेच्छा दर्शावुं छुं.

पं० श्री लक्ष्मीकान्त झा

ज्यौतिष गणित फलित आचार्य, का.ती. साहित्यरत्न
ज्यौतिष प्रधानाध्यापक श्री. वि. ठा. हिन्दू गुरुकुल, सूरत

"भारतीय कुण्डली विज्ञान" को देखकर मुझे विशेष आनन्द इसलिये हुआ कि प्राच्य प्रतीच्योभय सम्मेलन से विशाल ज्ञान मंथन द्वारा—दुरुह शास्त्र वारिधि से आधुनिकोपयोगी अमूल्य रत्न का आविष्कार हुआ है।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि साधारण पढ़ा लिखा भी केवल इसी एक ग्रन्थ को साङ्गोपाङ्ग समझकर पढ़ लेने से ज्यौतिष शास्त्र को सम्पूर्णतया लोकोपयोगी बनाने में समर्थ हो सकता है।

राष्ट्रभाषा में इस अभूतपूर्व ग्रन्थ को लिखकर समर्थ विद्वान् लेखक ज्यौतिषाचार्य पं० श्री मीठालाल जी ने राष्ट्र के साथ साथ समस्त ज्यौतिष जिज्ञासुओं के लिये बड़ा ही उपकार किया है।

इनकी लेखनी इसी प्रकार अनेक ग्रन्थरत्नों को लिखकर प्रकाशित करती रहे यही ईश प्रार्थना।

स्व० पं० मीठालाल हिम्मतराम ओझा

भूतल के मेरे ईश्वर, पूज्य पिता के पुनीत चरणों में

समर्पित

जिनके तपःपूत जीवनादर्श ने

मुझे सरस्वती की आराधना के लिये प्रस्तुत किया।

स्व.ज्योर्तिविद प.हिम्मतराम नन्दराम ओझा

पुज्य पिता जी

ना संक्षिप्तं न च बहु वृथा विस्तरं शास्त्रतत्त्वम्

"ग्रन्थकार का परिचय"

पण्डित श्री मीठालालजी ओझा का जन्म अपने क्षेत्र के सुप्रसिद्ध सनातन–धर्मी, धर्मशास्त्र मर्मज्ञ योगीजी के कुल में दिनांक १२ दिसम्बर, सन् १९१९ ई० तदनुसार शुभ मिति पौष कृष्ण पंचमी गुरुवार को इष्टकाल २१ घटी ० पल पर अश्लेषा नक्षत्र मेष लग्न में ग्राम–रोहीड़ा, जिला–सिरोही, राजस्थान में सहस्त्रौदीच्च ब्राम्हण परिवार में श्री पण्डित हिम्मतराम नन्दराम ओझाजी की धर्मपत्नी सौ० सुन्दरबाई के तृतीय पुत्र रत्न के रूप में हुआ था। आपके पिता श्री पं० हिम्मतरामजी देवी के परम उपासक एवं ज्योतिष शास्त्र तथा शुक्ल यजुर्वेद के लब्ध प्रतिष्ठ विद्वान थे। शास्त्रों के गम्भीर अध्ययन की परम्परा इस परिवार में पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है। आपकी प्रारम्भिक शिक्षा जन्म–भूमि रोहीड़ा, ग्राम में हुई। तत्पश्चात् सम्पूर्ण अध्ययन पिता श्री के सान्निध्य में बम्बई में हुआ। विद्या का व्यसन बाल्यकाल से ही रहा। ये स्वभाव से मृदु मिलनसार और परम दयालु प्रकृति के थे। अपने पुत्रवत् विद्यार्थियों को विद्या के अलावा अन्न, वस्त्र, धन और आवास इत्यादि की सभी समस्याओं का अपनी तरफ से ही निवारण करते थे।

शिक्षा– आपने राजकीय महाविद्यालय वाराणसी (अब वर्तमान समय में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय हो गया है) की प्रथमा परीक्षा १९३५ ई० में, मध्यमा १९३९ ई० में, शास्त्री परीक्षा १९४२ ई० में एवं आचार्य परीक्षा १९४५ ई० में उत्तीर्ण की। इन्टरमीडिएट एजुकेशन उत्तरप्रदेश की हाईस्कूल परीक्षा १९५० ई० में पास की। आगरा विश्वविद्यालय से संस्कृत भाषा में एम०ए० की उपाधि १९५७ ई० में प्राप्त की। पोस्टाचार्य (रिसर्च स्कॉलर) १९४६ ई० में, ज्योतिषतीर्थ १९४१ ई० में, काव्यतीर्थ १९३९ ई०, पुराणतीर्थ १९४७ ई० एवं ज्योतिषरत्न १९४५ ई०। दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास की मध्यमा परीक्षा १९३६ ई० तथा राष्ट्रभाषा परीक्षा १९३७ ई. में पास की।

आपके गुरुजनों में पं० श्री मिकुदेव शास्त्री, श्री पं० राजपति शुक्ल, पं० श्री सरयू प्रसाद उपाध्याय, पं० श्री उमाकान्त झा महोदय थे। जो अपने समय के बम्बई में अच्छे विद्वानों की श्रेणी में आते थे। आप अपने समय के गोकुल दास

तेजपाल संस्कृत पाठशाला, अगस्त क्रान्ति मैदान, गोवालिया टैंक, ग्रांट रोड, बम्बई के मेधावी छात्रों में थे।

आपमें विद्याभ्यास एवं विद्या-दान की प्रवृत्ति बाल्यकाल से ही थी। जिस कक्षा में अध्ययन करते थे, उसी कक्षा का पाठ गुरुदेव से ग्रहण करके शाम को अपनी ही कक्षा के अन्य विद्यार्थियों को पुनः पढ़ाते थे।

विद्या-दान की इसी बलवती इच्छा ने इनको महानगरी से खींच कर विद्या-केन्द्र काशी में स्थिर किया, क्योंकि काशी सदा से विद्या व्यसनियों का प्रबलतम गढ़ मानी जाती है।

इसी कारण इन्होंने उदासीन संस्कृत विद्यालय, काशी में १९४० ई० से ४५ तक अध्यापन कार्य किया। तत्पश्चात् गोयनका संस्कृत महाविद्यालय, काशी में १९४५ ई० में ज्योतिष प्रधानाध्यापक के पद पर कार्य किया, फिर रायबहादुर हजारीमल सोहनलाल दुधवेवाला संस्कृत महाविद्यालय, रामापुरा, काशी में १९४६ से १९५० तक अध्यापन कार्य किया। जब यह संस्था बन्द हो गयी, तब मारवाड़ी संस्कृत कालेज, काशी में १९५० से १९५३ तक ज्योतिष शास्त्र, हिन्दी साहित्य एवं अन्य विषयों का अध्यापन कार्य किया। सन् १९५४ से राजकीय संस्कृत महाविद्यालय काशी में जो बाद में रूपान्तरित होकर वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय, फिर रूपान्तरित होकर वर्तमान समय में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय हो गया, ज्योतिष विभाग में प्राध्यापक पद पर अपने जीवन के अन्तिम क्षण (ता० २९ जून १९७६ ई०) तक विद्या-दान करते हुए ही महाश्मशान तीर्थक्षेत्र काशी में मोक्ष पद को प्राप्त किया। अन्त समय तक आपने रुग्णावस्था में भी धैर्यपूर्वक नित्य के धार्मिक कृत्य व विद्या-दान का परित्याग नहीं किया।

(क) निबन्ध

१. अनाम

२. अनाम

३. अरिष्टविचार विचार :

४. ज्यौतिषे भूगोल वर्णनम्

५. फलानुभवकालविचार–डॉ. आदित्यनाथ झा महोदयानामभिनन्दन ग्रन्थे प्रकाशित २–४–६९ ता०
६. सायनाचार्य–उषाकाल:
दै० गौरीशंकरकृष्णारामव्यासमहोदयानामभिनन्दनग्रन्थे नड़ियादनगरत: (गुजरात)
७. पंचांग तथा कुम्भपर्व विचार–सिद्धांत पत्रिका में प्रकाशित
८. वृष्टि विचार–सूर्योदय पत्रिका में
९. ज्योतिष के कर्णधार–दैनिक 'आज' में
१०. स्वतंत्रता सेनानी स्व० पारेश्वर भूरालाल ओझा का संक्षिप्त जीवन चरित्र
११. तिथिभास्करस्य प्रस्तावलेख–सरस्वती सुषमा में विशिष्ट टिप्पणी पूर्वक।

(ख) सम्पादित पुस्तकें

१. सिद्धांतचूड़ामणि– पंगनाथ विरचित
२. मंगीविभंगीकरणम्–पंगनाथ विरचित
३. लोहगोलखण्डनम्–पंगनाथ विरचित
४. लोहगोलसमर्थनम्–पंगनाथ विरचित
५. पलभागखण्डनम्–पंगनाथ विरचित

(ग) रचित एवं व्याख्यात पुस्तकें

१. सिंघलताजिकोक्तषोडशयोग: नृसिंहविरचित: प्रश्नसारश्च।
२. सिद्धांत सार्वभौम–मुनीश्वर विरचिता। विशेष टिप्पणी के साथ विवेचनात्मक सम्पादन सं०सं०वि०वि० का प्रकाशन।
३. सिद्धांतशिरोमणित–सिद्धान्ततत्वविवेक, वास्तवचन्द्रश्रृंगोन्नति आदि ग्रन्थों के कतिपय स्थल पर समालोचना।
४. गोलीयरेखागणितम्–व्याख्या सहित।
५. रेखागणितके ११–१२ अध्यायों की व्याख्या, उपपत्ति सहित।
६. सुगमज्यौतिष–देवदत्त जोशीकृत तृतीय संस्करण का संशोधन एवं सम्पादन।
७. ग्रहलाघवस्य पूर्वोधोपपति–डा० मुद्रित।
८. सवानन्दकरणस्य कतिपयस्थलानांमुपपति:।

९. चाक्षुषोपनिषत्।
१०. हरिस्मरणम्—स्तोत्रसंग्रह।
११. धमक्रलोपयोगितिथिनिर्णय—कुम्भपर्वनिर्णयश्च
१२. भारतीयकुण्डलीविज्ञानम्।
१३. लक्ष्मीपूजापद्धति।
१४. बृहज्ज्यौतिषसार—निर्देशन में सम्पादन
१५. भारतीय—कुण्डली—विज्ञान

फलित खण्ड—प्रकाशन की प्रतीक्षा में

(घ) प्राप्त पुरस्कार

आपको देश की विभिन्न संस्थाओं द्वारा समय—समय पर सम्मान दिया गया था, उनमें से कुछ—

१.ज्यौतिषरत्न— गोयनका संस्कृत महाविद्यालय, काशी।

२.गणकरत्न— अखिल भारतीय पंडित महापरिषद्, वाराणसी।

(ङ) संदेश

३.दैवज्ञ शिरोमणि— अहमदाबाद के श्रीमद्बल्लभ सम्प्रदायाचार्य द्वारा आपके असामयिक निधन से ज्योतिष जगत् की अपूरणीय क्षति हुई है। एक बार भी आपके सम्पर्क में जो व्यक्ति आया, वह अपने हृदय में आपके व्यक्तितत्व के प्रति श्रद्धा से अवश्य ही नतमस्तक हुआ।

।। इति शुभम्।।

अनुक्रमणिका

भारतीय कुण्डली विज्ञान, भाग-१

पञ्चाङ्ग प्रकरण

विषय	पृष्ठ
पञ्चाङ्ग महात्म्य	१
पाँच अङ्ग	१
तिथि	१
तिथि की क्षय तथा वृद्धि	१
नक्षत्र	२
योग	२
करण	३
करण जानने के लिये कोष्ठक	३
भद्रा विचार	३
राशि	४
जन्मनाम का विचार	४
जन्म नक्षत्र के अनुसार योनिगणादि का कोष्ठक	५
मेषादि राशियों के वर्णादि के साथ घातचक्र	६
वर्ग-विचार	७
संवत्सर	८
अयन	९
गोल	९
ऋतु	९
मास	९
पक्ष	९
शक संवत्	१०
ख्रिष्टीय सन्	१०
हिजरी सन्	११
पारसी सन्	११
राशियों के विदेशी भाषा में नाम	१२
ग्रहों के विभिन्न भाषा में नाम	१२
पञ्चाङ्ग का एक पृष्ठ	१३
अश्विनी आदि नक्षत्रों के चरणान्त में स्पष्ट चन्द्र	१४

कुण्डली विधान प्रकरण

विषय	पृष्ठ
स्पष्ट ग्रह प्रयोजन	१५
चालन	१५
इष्टकाल साधन	१६
इष्टकालिक ग्रह साधन	१७
सूर्यादि ग्रह साधन के उदाहरण	१८
भयातभयोगानयन	२४
चन्द्र साधन	२५
चन्द्र स्पष्ट करने की भिन्न रीति	२५
जन्म समय के स्पष्ट ग्रह	२६
अयनांश	२६
चरखण्डानयन	२८
लङ्कोदयमान एवं स्वोदयसाधन	२९
लग्नानयन	३०
लग्न साधन में विशेषता	३२
नतसाधन	३४
दशम लग्न साधन	३४
ससंधि द्वादशभाव	३७

विषय	पृष्ठ
जन्माङ्गचक्रम्	३७
राशिचक्रम्	३७
चलित चक्रविचार	३७
विशोपक बलानयन	३८
षड्वर्ग विचार	३९
होरा	३९
द्रेष्काण	३९
सप्तमांश	४०
नवमांश	४०
द्वादशांश	४१
त्रिशांश	४१
षड्वर्ग चक्र	४२
षड्वर्ग साधक कोष्ठक	४३
दशवर्ग	४४
दशांश	४४
षोडशांश	४५
षष्ठ्यंश	४५
दशांश–षोडशांश चक्र	४६
षष्ट्यंश चक्र	४७
षड्वर्ग कोष्ठक	४९
नैसर्गिक मैत्री	५३
पंचधा मैत्री	५३
पंचधा मैत्री चक्र	५४
सप्तक वर्ग बल विचार	५४
सप्तक वर्ग बल बोधक चक्र	५५
रेखाष्टक विचार	५७
अवस्थात्रय विचार	५७
सूर्यादि ग्रहों के अष्टकवर्ग चक्र	५८
ग्रहों की रेखाष्टक सारिणी	६०
मध्यमायु: साधन	६१

विषय	पृष्ठ
मध्यमायु: कोष्ठक	६२
स्पष्टायुर्दायसाधन	६४
स्वराशिस्वोच्चादिस्थे ग्रहे विशेष:	६४
शत्रुनीचास्तंगतग्रहस्यायुर्दायहानि:	६४
चक्रार्धहानि:	६५
स्पष्टायुचक्रम्	६६
ग्रहाणमुच्चनीचविभाग:	६७
उच्चनीचविभागकोष्ठक	६७
ग्रहाणामुच्चरश्मिसाधनम्	६७
उच्चरश्मिचक्रम्	६८

दशासाधन

विषय	पृष्ठ
दशा विचार	६९
दशा का मुक्त तथा भोग्य काल साधन	६९
अन्तर्दशा का साधन	७०
विंशोत्तरी महादशा संकलिता	७१
विंशोत्तरी दशा चक्र	७२
अन्तर्दशासंकलन	७३
अष्टोत्तरीदशासाधन	७४
अष्टोत्तरी अन्तर्दशा का साधन	७४
अभिजित् दशा साधन	७४
अष्टोत्तरीदशा चक्र	७६
योगिनी दशा साधन	७६
योगिनी दशा कोष्ठक	७७
विंशोत्तरीमहादशा के अन्तर में प्रत्यन्तर	७८

१—इस श्लोक की टीका की प्रथम पंक्ति में नीच शब्द के स्थान पर लघु शब्द का प्रयोग करें।

विषय	पृष्ठ
अष्टोत्तरी महादशा के अन्तर में प्रत्यन्तर	८७

मिश्रप्रकरण

विषय	पृष्ठ
प्राणपद साधन	९५
प्रकारान्तर से जन्म लग्न विचार	९६
गुलिकेष्ट साधन	९६
होरालग्न साधन	९६
स्थिरकारक	९७
चरकारक	९७
कारकांश लग्न विचार	९७
ग्रहों की बालादि अवस्था	९७
दीप्तादि अवस्था	९८
पारिजातादि वर्ग	९८
दक्षिण गोलार्ध का लग्न साधन	९९
सारिणी द्वारा स्पष्ट लग्न साधन	९९
सारिणी द्वारा स्पष्ट दशम लग्न साधन	१००
आबू की लग्न सारिणी	१०१
बम्बई ,, ,,	१०५
अहमदाबाद ,, ,,	११०
सूरत ,, ,,	११३
काशी ,, ,,	११७
जयपुर ,, ,,	१२१
मद्रास ,, ,,	१२६
सब देशों की स्पष्ट दशमलग्न साधक सारिणी	१२९
तारीख से वार साधन	१३२
तारीख से तिथि साधन	१३२
तिथि से तारीख साधन	१३३

भारतीय कुण्डली विज्ञान, भाग-२

विषय	पृष्ठ
सारिणी द्वारा लग्नसाधन का प्रकार	१
दशमलग्न साधन	३
अक्षांश ० से ६० तक का निरयन लग्न सारिणीयां ४ से	१०१
क्रान्तिसारिणी	१०२
चर सारिणी	१०३
वेलान्तर सारिणी	१०८
भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांश रेखांश एवं रेखान्तर समय	१०९
विदेशों के प्रमुख नगरों के अक्षांश रेखांश एवं रेखान्तर	११८
पश्चिमी पाकिस्तान	११८
पूर्वी पाकिस्तान	११८
तिब्बत	११९
भूटान राज्य	११०
बलुचिस्तान	११९
मलाया (सिंगापुर)	११९
अफगानिस्तान	११९
लंका	११९
ब्रह्मदेश	११९
पूर्वी अफ्रीका	१२०
दक्षिणी अफ्रीका	१२०
इनके अतिरिक्त विश्व के प्रमुख देशों के अक्षांश रेखांश—रेखान्तर समय आदि पूर्वरेखा	१२१
पश्चिम रेखांश	१२६
विश्व के विभिन्न देशों के समय परिवर्तन का परिचय	१२८

विषय	पृष्ठ
भारत में स्टैंडर्ड समय के परिवर्तन	१३०
पाकिस्तान में समय परिवर्तन	१३०
स्थानिक समय	१३१
स्टैंडर्ड समय	१३१
स्थानिक तथा स्टैंडर्ड समय का अन्तर	१३२
रेखांश	१३२
अक्षांश	१३३
क्रान्ति सारिणी परिचय	१३३
चरसारिणी परिचय	१३३
वेलान्तर सारिणी परिचय	१३४
इष्ट स्थान के स्पष्ट सूर्योदय साधन के लिए कोष्ठक	१३५
बम्बई के स्पष्ट सूर्योदयास्तसाधन का उदाहरण	१३५
कलकत्तां के स्पष्ट सूर्योदयास्त साधन का उदाहरण	१३६
रंगून के स्पष्ट सूर्योदयास्त साधन का उदाहरण	१३६
डरबन के स्पष्ट सूर्योदयास्त साधन का उदाहरण	१३६
दिनमान साधन	१३७
प्रकारान्तर से दिनमान साधन	१३७
दिनमान परसे सूर्योदयास्त सा०	१३८
देशान्तर साधन	१३८
स्पष्ट देशान्तर द्वारा अभीष्ट नगर का इष्टकाल साधन	१३९
विदेश का देशान्तर साधन	१४०
अपने स्थान से इष्टस्थान तिथ्यादि साधन	१४१
ग्रह चालन	१४१

विदेश की कुण्डली का गणित

विषय	पृष्ठ
लंदन का चरसाधन	१४२
सूर्योदय इष्टकाल एवं लग्न सा०	१४३
स्पष्ट देशान्तर	१४३
काशी का चरसाधन	१४४
पूर्वापर देशांन्तर संस्कार का साधन	१४४
स्पष्ट देशान्तर साधन	१४४
पंचाङ्ग साधन	१४५
भयातभयोगसाधन	१४५
ग्रहसाधन	१४५
इष्टकाल लग्न तथा सूर्यादि स्पष्ट ग्रह	१४६
जन्माङ्ग चक्रम	१४६
विदेश की कुण्डली का दूसरा उदाहरण	१४६
जन्मपत्रिका लेखन क्रम	१४९

भारतीय कुण्डली विज्ञान, भाग-३

वर्ष गणित साधन प्रकरण

विषय	पृष्ठ
वर्षप्रवेश गणित	१
दूसरी विधि	२
वर्षप्रवेश सारिणी	३
वर्ष प्रवेश तिथि साधन	४
वर्ष प्रवेश कालिक स्पष्ट ग्रह	५
मुंथा विचार	५
ग्रहों का बल विचार	६
हर्ष बल	६
ग्रह मैत्री	६

विषय	पृष्ठ
मित्रामित्र का चक्र	७
पंचवर्गी बल	७
पंचवर्गी बल कोष्ठक	८
ग्रहों का उच्चनीच चक्र	८
हद्दाचक्र	९
द्रेष्काण बल	९
पंचवर्गी बलबोधक चक्र	१०
दृष्टि चक्र	११
त्रिराशिपति	११
त्रिराशिपति का कोष्ठक	१२
पंचेश विचार	१२
वर्षेश निर्णय	१३
दीप्तांश विचार	१३
दीप्तांश चक्र	१३
इत्थशाल योग	१४
मूसरिक योग	१४
नक्त योग	१४
नक्त योग का उदाहरण	१४
सहम विचार	१४
सहम चक्र	१५
त्रिवताकी चक्र	१६
मुद्दादशा	१७
मुद्दादशा चक्र	१७
मुद्दादशा का संकलन	१८
पात्यायिनी दशा	१८
मास प्रवेश	२१
दिन प्रवेश	२२
भारतीय कुण्डली विज्ञान, भाग-४	
आधुनिक लग्न सारिणी	२४
लघुरित्य कोष्ठक	४४
लग्न साधन की आधुनिक रीति	५०
सांपातिक काल	५१
लग्नसाधन	५१
दशम लग्न साधन	५१
इष्ट सांपातिक काल एवं लग्न साधन	५२
दशम लग्न साधन	५३
दक्षिण गोलार्ध का लग्न साधन	५३
सांपातिक काल कोष्टक १—६	५४
सारिणी द्वारा विशोत्तरी दशासाधन	५६
सारिणी द्वारा अष्टोत्तरी दशासाधन	५७
अष्टोत्तरी शनिदशा साधन	५८
विंशोत्तरी दशा सारिणी	५९
अष्टोत्तरी दशा सारिणी	६५
पाश्चात्य मत में दशा तथा वर्य विचार	७०
अथ परिशिष्टे स्पष्टायुर्दाविचार:	७२

**नोट : त्रुटि सुधार लें - भाग-२ का पेज नं० ३३ भाग-४ का है
भाग-४ का पेज नं० ३३ भाग-२ का है**

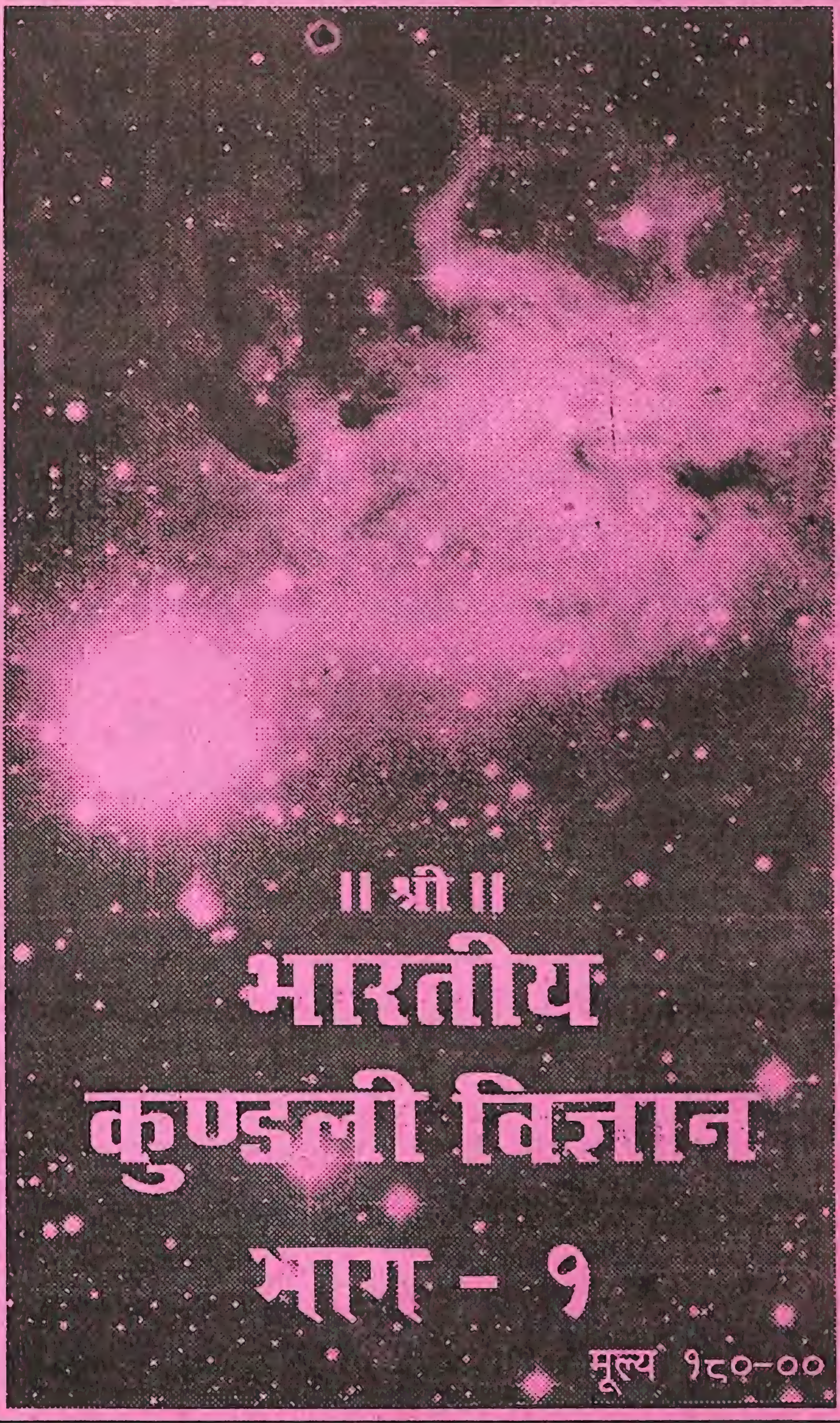

॥ श्री ॥

भारतीय कुण्डली विज्ञान

भाग - १

मूल्य १८०-००

• श्रीः •

भारतीय कुण्डली विज्ञान

भाग-१

पञ्चांग प्रकरण

पञ्चांग

चतुरंगबलो राजा जगतीं वशमानयेत्।
अहं पंचांगबलवानाकाशं वशमानये।।

इस प्रकरण में केवल जन्मादि कुंडलियों के उपयुक्त सामग्री का विवेचन किया जायेगा। विस्तार के भय से विशेष विवेचन नहीं दिया गया है।

तिथिर्वासिरनक्षत्रे योगः करणमेव च।
इति पञ्चाङ्गमाख्यातं व्रतपर्वनिदर्शकम्।।

पंचांग के तिथि, वार, नक्षत्र, योग तथा करण ये पांच अंग मुख्य होते हैं।

तिथि

तिथियां १५ होती हैं। जिनका नाम, प्रतिपद् १, द्वितीया २, तृतीया ३, चतुर्थी ४, पंचमी ५, षष्टी ६, सप्तमी ७, अष्टमी ८, नवमी ९, दशमी १०, एकादशी ११, द्वादशी १२, त्रयोदशी १३, चतुर्दशी १४, पूर्णिमा १५। शुक्लपक्ष की ये तिथियां हैं। और कृष्ण पक्ष में भी यही नाम रहता है। केवल अन्तिम तिथि का नाम अमावास्या रहता है। जिसका संकेत पञ्चांग में ३० से किया जाता है।

तिथि का क्षय तथा वृद्धि

सूर्योदय के बाद किसी तिथि का प्रारंभ हो तथा दूसरे सूर्योदय के पहले उसका अन्त हो जाये, उसे क्षयतिथि कहते हैं। जैसे आगे दिये हुए पञ्चाङ्ग में

श्रावणकृष्ण ६ शनि घ. १।२५/५४।४४ इस प्रकार है। यहाँ यह ध्यान रखना चाहिये कि घ. १।२५ तक ६ तिथि है और उसके बाद अर्थात् घ. १।२५ के बाद घ. ५४।४४ तक सप्तमी उसी दिन रही। सप्तमी सूर्योदय से कितने समय तक रही इसका ज्ञान अभीष्ट हो तो उस दिन के दोनों १।२५/५४।४४ मानों का योग करने से घ. ५६।९ तक सप्तमी समाप्त होगी और उसके बाद उसी दिन अष्टमी का प्रारंभ घ. ५६।९ पर हुआ। अतः सप्तमी में सूर्योदय न होने के कारण सप्तमी क्षयतिथि हुई। वृद्धितिथि का उदाहरण पुस्तक में दिये हुए पञ्चाङ्ग में नहीं है। अतः कल्पना कर लिया गया है। जैसे तिथि का क्षय तथा वृद्धि होती है, वैसे ही नक्षत्र तथा योग का भी क्षय एवं वृद्धि होती है। पुस्तक में दिये हुए पञ्चाङ्ग में श्रावण कृष्ण १० मंगलवार के दिन भरणी ०।२१/५५।४७ है। इसका अर्थ हुआ कि उस दिन भरणी सूर्योदय से घ. ०।२१ तक रहेगी। और कृत्तिका दोनों ०।२१/५५।४७ मानों के योग ५६।८ तक रहेगी। इसके बाद रोहिणी का प्रारंभ उसी दिन हो जाता है। अतः कृत्तिका का क्षय माना जायेगा और नक्षत्र वृद्धि की कल्पना तिथि–वृद्धि की तरह मान लेनी चाहिये।

इसी प्रकार योग का क्षय नवमी सोमवार के दिन हुआ है। उस दिन धृति योग घ. ०।३५/५२।२७ है। अतः शूलयोग का क्षय पूर्ववत् जानना चाहिए। नक्षत्र एवं योग का विवेचन आगे दिया गया है।

दो सूर्योदय में एक तिथि रहे तो वह तिथि वृद्धितिथि कहलाती है। जैसे सोम के सूर्योदय के समय प्रतिपदा तथा मंगल के सूर्योदय में भी यदि प्रतिपदा ही हो तो उसे वृद्धितिथि कहते हैं।

नक्षत्र

नक्षत्र २७ होते हैं। जिनके नाम तथा योनि इत्यादि कोष्ठक में दिये गये हैं। सत्ताईस के अतिरिक्त अभिजित् नाम का नक्षत्र एक और रहता है। वह उत्तराषाढा की अन्तिम १५ घटी तथा श्रवण के आरंभ की ४ घटी के योग १९ घटी भोग का माना जाता है।

योग

योग २७ होते हैं। जिनका नाम नीचे दिया गया है–

१ विष्कुंभ	२ प्रीति	३ आयुष्मान्	४ सौभाग्य
५ शोभन	६ अतिगण्ड	७ सुकर्मा	८ धृति
९ शूल	१० गंड	११ वृद्धि	१२ ध्रुव

१३ व्याघात	१४ हर्षण	१५ वज्र	१६ सिद्धि
१७ व्यतिपात	१८ वरीयान्	१९ परिघ	२० शिव
२१ सिद्ध	२२ साध्य	२३ शुभ	२४ शुक्ल
२५ ब्रह्म	२६ ऐन्द्र	२७ वैधृति	

करण

एक तिथि में दो करण रहते हैं। करण चर तथा स्थिर दो प्रकार के होते हैं। चर करण सात हैं—बव १, वालव २, कौलव ३, तैतिल ४, गर ५, वणिज ६, विष्टि ७। इनका प्रारंभ शुक्ल प्रतिपदा के उत्तरार्द्ध से होता है। और एक मास में इनकी ८ आवृत्तियां होती हैं। शकुनी, चतुष्पाद, नाग तथा किंस्तुघ्न ये चार स्थिर करण हैं। इनका प्रारंभ कृष्णपक्ष की १४ के उत्तरार्ध से होता है। अर्थात् चतुर्दशी के उत्तरार्ध में शकुनी, अमावास्या के पूर्वार्ध में चतुष्पाद, उत्तरार्ध में नाग तथा शुक्लपक्ष की प्रतिपदा के पूर्वार्ध में किंस्तुघ्न करण सदा नियत रहते हैं। अत: इनकी स्थिर संज्ञा है।

करण जानने के लिये कोष्टक

	तिथि	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	३०
शुक्लपक्ष	पूर्वार्ध	किं.	वा.	तै.	व.	व.	कौ.	ग.	वि.	या.	तै.	व.	व.	कौ.	ग.	वि.	०
	उत्तरार्ध	व.	कौ.	ग.	वि.	वा.	तै.	व.	व.	कौ.	ग.	वि.	वा.	तै.	व.	व.	०
कृष्णपक्ष	पूर्वार्ध	वा.	तै.	व.	व.	कौ.	ग.	वि.	वा.	तै.	व.	व.	कौ.	ग.	वि.	०	च.
	उत्तरार्ध	कौ.	ग.	वि.	वा.	तै.	व.	व.	कौ.	ग.	वि.	वा.	तै.	व.	श.	०	ना.

भद्राविचार

इस कोष्टक में जहाँ जहाँ विष्टि शब्द आया है। उससे उस तिथि के निर्दिष्ट भाग को भद्रा कहते हैं। जैसे शुक्ल पक्ष में ४, ११ और कृष्णपक्ष में ३, १० तिथियों के उत्तरार्ध में भद्रा रहती है और शुक्ल पक्ष में ८, १५ कृष्ण पक्ष में ७, १४ तिथियों के पूर्वार्ध में भद्रा रहती है। चन्द्रस्पष्टीकरण में भयात भभोग साधन का जैसा क्रम दिखाया है, वैसे ही तिथि का मान भी निकाला जा सकता है। जैसे पुस्तक में दिये हुए पञ्चाङ्ग में कृष्णपक्ष की तृतीया के उत्तरार्ध में भद्रा रहती है। उसका प्रारंभ कब होगा ? उसे जानना है। अत: द्वितीया के मान

घ. १४।४ को ६० में घटाकर शेष घ. ४५।५६ को तृतीया के मान घ. १२।३१ में जोड़ने से तृतीया का भोगकाल घ. ५८।२७ हुआ। इसके आधे घ. २९। १३।३० को द्वितीया के मान घ. १४।४ में जोड़ने से तृतीया का उत्तरार्ध घ. ४३।१७ के बाद प्रारंभ होता है। और उसी समय से भद्रा प्रारंभ होकर तृतीया की समाप्ति पर्यन्त रहेगी। इसी प्रकार अन्य भद्राओं को भी समझना चाहिए।

राशि

मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धन, मकर, कुंभ, मीन ये १२ राशियाँ होती हैं। प्रत्येक नक्षत्र के चार चरण होते हैं। वैसे ९ चरणों की एक राशि मानी जाती है। तद्नुसार कोष्टक में निर्देश किया गया है।

जन्मनाम का विचार

नक्षत्र के चरणों के अक्षर कोष्ठक में दिये गये हैं। जातक का जन्म, नक्षत्र के जिस चरण में हो उस चरण का अक्षर जातक के नाम का प्रथम अक्षर मानकर नाम रखा जाता है। नक्षत्र के चरण का विचार चन्द्रस्पष्टीकरण में दिये गये भयात भभोग पर से समझना चाहिये। भभोग के चार भाग करने से एक चरण का मान होगा। उस पर से जन्म समय के नक्षत्र के चरण का ज्ञान हो जायेगा। भयात में भभोग का चतुर्थांश जितनी बार घट जाये उतने चरण व्यतीत हुए। शेष से वर्तमान चरण समझना चाहिए। यथा प्रकृत उदाहरण में मृगशिर भोग घ. ५६।२० है। भयात घ. २५।४५ इसमें भभोग घ. ५६।२० का चतुर्थांश घ. १४।५ एक बार घटा। अत: मृगशिर नक्षत्र के दूसरे चरण में जन्म हुआ। मृगशिर नक्षत्र के दूसरे चरण का अक्षर 'वो' आता है। अत: जन्मनाम 'वो' अक्षर पर रखना चाहिये।

यदि किसी के जन्मनक्षत्रानुसार नाम का आदि अक्षर ङ, ञ, ण आता हो तो उनके स्थान पर क्रमश: ग, ज, ड अक्षर मानकर नाम रखना चाहिये। जैसे आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में ङ अक्षर आता है। अत: आर्द्रा के तृतीय चरण में जन्म लेने वाले का नाम गणेश रखा जा सकता है।

जन्म नक्षत्र के अनुसार योनि गणादि का कोष्टक

चरणानुसार नक्षत्र के अक्षर	नक्षत्र	योनि	गण	युंजा	नाडी	राशि	स्वामी
चु.चे.चो.ला.	अश्विनी	अश्व	देव	पूर्व	आद्य	मेष	मं.
ली.लू.ले.लो.	भरणी	गज	मनुष्य	पूर्व	मध्य	मेष	मं.
आ.इ.उ.ए.	कृत्तिका	मेष	राक्षस	पूर्व	अंत्य	मेष १ वृ.३	मं.१ शु.३
ओ.वा.वि.वु.	रोहिणी	सर्प	मनुष्य	पूर्व	अंत्य	वृषभ	शु.
वे.वो.का.की	मृगशीर्ष	सर्प	देव	पूर्व	मध्य	वृ.२ मिथुन २	शु.२ बु.२
कु.घ.ङ.छ.	आर्द्रा	श्वान	मनुष्य	मध्य	आद्य	मिथुन	बु.
के.को.हा.ही.	पुनर्वसु	मार्जार	देव	मध्य	आद्य	मि.३ क. १	बु. ३ चं. १
हु.हे.हो.डा.	पुष्य	मेष	देव	मध्य	मध्य	कर्क	चन्द्र
डी.डू.डे.डो.	आश्लेषा	मार्जार	राक्षस	मध्य	अंत्य	कर्क	चन्द्र
मा.मी.मु.मे.	मघा	मूषक	राक्षस	मध्य	अंत्य	सिंह	सूर्य
मो.टा.टी.टु.	पू. फा.	मूषक	मनुष्य	मध्य	मध्य	सिंह	सूर्य
टे.टो.पा.पी.	उ.फा.	गौ.	मनुष्य	मध्य	आद्य	सि. १ कन्या ३	सू. १ बु. ३
पू.ष.ण.ठ.	हस्त	महिषी	देव	मध्य	आद्य	कन्या	बु.
पे.पो.रा.री.	चित्रा	व्याघ्र	राक्षस	मध्य	मध्य	क. २ तुला २	बु. २ शु. २
रु.रे.रो.ता.	स्वाती	महिषी	देव	मध्य	अंत्य	तुला	शुक्र
ती.तू.ते.तो.	विशाखा	व्याघ्र	राक्षस	मध्य	अंत्य	तु.३ वृश्चिक १	शुक्र ३ मं. १
ना.नी.नू.ने.	अनुराधा	मृग	देव	मध्य	मध्य	वृश्चिक	मंगल
नो.या.यी.यु.	ज्येष्ठा	मृग	राक्षस	अंत्य	आद्य	वृश्चिक	मंगल
ये.यो.भा.भी.	मूल	श्वान	राक्षस	अंत्य	आद्य	धन	गुरु
भू.धा.फ.ढा.	पू. षा.	कपि	मनुष्य	अंत्य	मध्य	धन	गुरु
भे.जो.जा.जी.	उ. षा.	नकुल	मनुष्य	अंत्य	अंत्य	धन १ मकर ३	गुरु १ श. ३
जू.जे.जो.खा.	अभिजित	नकुल	मनुष्य	अंत्य	अंत्य		
खी.खू.खे.खा.	श्रवण	कपि	देव	अंत्य	अंत्य	मकर	शनि
गा.गी.गू.गे.	धनिष्ठा	सिंह	राक्षस	अंत्य	मध्य	म. २ कुं. २	शनि
गो.सा.सी.सू.	शतभिषा	अश्व	राक्षस	अंत्य	आद्य	कुंभ	शनि
से.सो.दा.दि.	पू. भा.	सिंह	मनुष्य	अंत्य	आद्य	कु. ३ मी. १	श. ३ गु. १
दु.थ.झ.ञ.	उ. भा.	गौ	मनुष्य	अंत्य	मध्य	मीन	गुरु
दे.दो.चा.ची.	रेवती	गज	देव	पूर्व	अंत्य	मीन	गुरु

मेषादि राशियों के वर्णादि के साथ घातचक्र

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुंभ	मीन
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र	विप्र	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र	विप्र	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र	विप्र
वश्य	चतुष्पद	चतुष्पद	मानव	जलचर कीट	चतुष्पद	मानव	मानव	कीट सरीसृप	मानव.१५ चतु. १५	चतु. १५ जल. १५	मनुष्य	जलचर
हंसक (तत्त्व)	अग्नि	भूमि	वायु	वारि	अग्नि	भूमि	वायु	वारि	अग्नि	भूमि	वायु	वारि
मास	कार्तिक	मार्ग	आषाढ़	पौष	ज्येष्ठ	भाद्रपद	माघ	आश्विन	श्रावण	वैशाख	चैत्र	फाल्गुन
तिथि	१-६-११	५-१०-१५	२-७-१२	२-७-१२	३-८-१३	५-१०-१५	४-९-१४	१-६-११	३-८-१३	४-९-१४	३-८-१३	५-१०-१५
वार	रवि	शनि	सोम	बुध	शनि	शनि	गुरु	शुक्र	शुक्र	भौम	गुरु	शुक्र
नक्षत्र	मघा	हस्त	स्वाति	अनु.	मूल	श्रवण	शतमिषा	रेवती	भरणी	रोहि.	आर्द्रा	आश्लेषा
योग	विष्कुम्भ	सुकर्मा	परिध	व्याघात	धृति	शुभ	शुक्ल	व्यति.	वज्र	वैधृति	गंड	वज्र

मेषादि राशियों के वर्णादि के साथ घातचक्र

करण	बब	शकुनी	चतुष्पाद	नाग	बब	कौलव	तैतिल	गर	तैतिल	शकुनी	वणिज	विष्टि
प्रहर	१	४	३	१	१	१	४	१	१	४	३	४
पु. घा. चं.	१	५	९	२	६	१०	३	७	४	८	११	१२
स्त्री. घ. चं.	१	८	७	९	४	३	६	२	१०	११	५	१२
संज्ञा	चर	स्थिर	द्वि स्व.	चर	स्थिर	द्वि स्व.	चर	स्थिर	द्विस्व	चर	स्थिर	द्विस्व
पु. स्त्री	पुं.	स्त्री.	पुं	स्त्री	पुं.	स्त्री	पुं	स्त्री	पुं	स्त्री	पुं	स्त्री

अ	क	च	ट	त	प	य	श	वर्गाक्षर
गरुड	मार्जार	सिंह	श्वान	सर्प	मूषक	मृग	मेष	वर्गस्वामी

वर्गविचार

जन्म का अक्षर जिस अकारादि वर्ग में पड़े उस पर से उसका स्वामी समझना चाहिए। यदि च अक्षर पर जन्म नाम है तो वर्गस्वामी सिंह होगा। 'र' अक्षर पर नाम रहने से उसका स्वामी मृग होगा। इसी प्रकार अन्यत्र भी समझना चाहिए। अपने से पंचम का वैर होता है। यथा गरुड सर्प का, मार्जार मूषक का इत्यादि। और अपने से तीसरा सम होता है। यथा गरुड का सिंह सम हैं तथा चतुर्थ मित्र होता है। यथा गरुड का श्वान मित्र है।

संवत्सर[1]

जन्म कुंडली के प्रारंभ में संवत्सर का निर्देश रहता है। एक संवत्सर एक वर्ष का माना जाता है। संहिता के विद्वान् गुरु की मध्यम राशि के भोग काल को संवत्सर कहते हैं। यह काल भी एक वर्ष का माना जाता है। संवत्सर ६० रहते हैं। जिनका नामोल्लेख नीचे किया गया है—

१. प्रभव	१६. चित्रभानु	३१. हेमलंबी	४६. परिधावी
२. विभव	१७. सुभानु	३२. विलंबी	४७. प्रमादी
३. शुक्ल	१८. तारण	३३. विकारी	४८. आनंद
४. प्रमोद	१९. पार्थिव	३४. शार्वरी	४९. राक्षस
५. प्रजापति	२०. व्यय	३५. प्लव	५०. अनल
६. अंगिरा	२१. सर्वजित्	३६. शुभकृत्	५१. पिंगल
७. श्रीमुख	२२. सर्वधारी	३७. शोभकृत्	५२. काल
८. भाव	२३. विरोधी	३८. क्रोधी	५३. सिद्धार्थी
९. युव	२४. विकृति	३९. विश्वावसु	५४. रौद्र
१०. धाता	२५. खर	४०. पराभव	५५. दुर्मति
११. ईश्वर	२६. नंदन	४१. प्लवंग	५६. दुंदुभी
१२. बहुधान्य	२७. विजय	४२. कीलक	५७. रुधिरोद्गारी
१३. प्रमाथि	२८. जय	४३. सौम्य	५८. रक्ताक्षी
१४. विक्रम	२९. मन्मथ	४४. साधारण	५९. क्रोधन
१५. वृष	३० दुर्मुख	४५ विरोधकृत्	६०. क्षय

१. संवत्कालस्त्वङ्कयुतः कृत्वा शून्यरसैर्हृतः।
शेषः संवत्सरो ज्ञेयः प्रभवादिर्बुधैः क्रमात्।।

विक्रम संवत् में ९ जोड़कर ६० से भाग दें। शेष में एक जोड़ने पर प्रभवादि संवत्सर होगा।

यथा वर्तमान संवत् १९७६ में ९ जोडकर योग १९८५ में ६० का भाग देने से शेष ५ रहें। इनमें १ जोड़ने से प्रभवादि छठवाँ संवत्सर अङ्गिरा वर्तमान संवत्सर हुआ।

अयन

उत्तरायण तथा दक्षिणायन ये दो अयन होते हैं। मकरादि छः राशि में सूर्य उत्तरायण तथा कर्कादि छः राशि में सूर्य दक्षिणायन रहता है। अर्थात् मकरादि छः राशि उत्तरायण तथा कर्कादि छः राशि दक्षिणायन कहलाती है।

गोल

सूर्य के मेषादि छः राशि में रहने से उत्तर गोल एवं तुलादि छः राशि में रहने से दक्षिण गोल कहलाता है।

ऋतु

वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद्, हेमन्त तथा शिशिर ये छः ऋतुएँ हैं। मीनादि दो २ राशि की ऋतु मानी जाती है। यथा मीन, मेष = बसंत। वृषभ, मिथुन = ग्रीष्म। कर्क, सिंह = वर्षा। कन्या, तुला = शरद्। वृश्चिक, धन = हेमन्त। मकर, कुम्भ = शिशिर।

मास

मास दो प्रकार के व्यवहार में आते हैं। सौर तथा चान्द्र। उनमें चान्द्र मास ही विशेष प्रचलित हैं। सूर्य की एक राशि के भोग काल को सौर मास कहते हैं और अमावास्या से अमावास्या पर्यन्त के काल को चान्द्रमास कहते हैं। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ, फाल्गुन ये १२ चान्द्रमास प्रसिद्ध हैं। सौर मास बङ्गाल, पंजाब, नेपाल आदि में प्रचलित हैं। और उनकी गणना मेषादि संक्रान्ति से वैशाखादि १२ मास के रूप में होती है। यथा मेष संक्रान्ति वैशाख मास, वृषभ संक्रान्ति ज्येष्ठमास इत्यादि।

पक्ष

पक्ष दो हैं। शुक्ल तथा कृष्ण। विंध्योत्तर प्रदेश में तथा राजस्थान में

कृष्ण पहले तथा बाद में शुक्ल पक्ष रहता है। इनसे भिन्न देशों में पहले शुक्ल और तदनन्तर कृष्ण पक्ष रहता है। अतः कृष्ण पक्ष में दोनों विभाग वालों के मास भिन्न रहते हैं। कृष्ण पक्ष पहले मानने वालों का मासारम्भ पहले होता है और शुक्ल पक्ष पहले मानने वालों का मासारम्भ बाद में होता है।

शक, संवत्

भारत में विक्रम संवत् तथा शालीवाहन शक का विशेष प्रचार है। विक्रमादित्य राजा ने विक्रम संवत् का प्रारम्भ किया। और शालीवाहन ने शक का प्रारम्भ किया। इस समय संवत् २०११ तथा शक १८७६ है। शक से संवत् १३५ वर्ष पुराना है। व्यापारियों का संवत् दीपावली से प्रारम्भ होता है। दक्षिण भारत में प्रायः संवत् का प्रारम्भ कार्तिक से होता है और शेष भारत में प्रायः चैत्र से संवत् का प्रारम्भ होता है। शक का प्रारम्भ सर्वत्र चैत्र से ही होता है। एक वर्ष के सावन दिन ३६५।१५।३०।२२।३० ये हैं।

भारत में विदेशी खिष्टीय सन्, हिजरी सन्, एजदी जर्द इत्यादि अनेक शक प्रचलित हैं।

खिष्टीय सन्

ईशु खिष्ट के जन्म से यह सन् प्रारम्भ होता है। यह संवत् से ५७ वर्ष बाद तथा शक से ७८ वर्ष पहले प्रारम्भ हुआ था। इसका प्रथम मास जनवरी से आरंभ होता है। इसके मास तथा दिन इस प्रकार हैं।

जनवरी ३१	अप्रैल ३०	जुलाई ३१	अक्तूबर ३१
फरवरी २८	मई ३१	अगस्त ३१	नवम्बर ३०
मार्च ३१	जून ३०	सितंबर ३०	दिसंबर ३१

जिस वर्ष सन् की संख्या में ४ का पूरा भाग लग जाये उस वर्ष फरवरी के २९ दिन रहते हैं और उस वर्ष को लीप इयर कहते हैं।

हिजरी सन्

मुहम्मद पैगम्बर ईस्वी सन् ६२२ जुलाई ता० १५ के दिन मक्के से मदीना भाग गये थे। उस दिन से इस सन् का प्रारम्भ हुआ। इसका प्रारम्भ मोहर्रम मास की पहली तारीख से होता है। इनका वर्ष चांद्रमास का माना जाता है। अमावास्या के बाद जिस दिन प्रथम चन्द्र-दर्शन होता है। उस दिन को मास का प्रथम दिन माना जाता है। चन्द्र-दर्शन रात को होता है। अतः वार का प्रारम्भ रात को होता है। अर्थात् हमारी सोम की रात्रि उनकी भौम की रात्रि मानी जाती है। दिन का व्यवहार प्रथम चन्द्र द्वितीय चन्द्र इत्यादि रूप से अथवा तारीख के नाम से किया जाता है। तिथियों के न्यूनाधिक होने पर मास के दिन न्यूनाधिक होते हैं। इनका वर्ष ३५४ दिन का होता है। यह वर्ष चान्द्र दिन का होने के कारण हर तीसरे वर्ष इनका मोहर्रम हमारे मास से एक मास पहले होता है। इस तरह ३२ व ३३ वर्ष पर इनके सन् का एक अंक बढ़ता जाता है। इनके मासों के नाम हैं–

१. मोहर्रम	४. रबिलाखर	७. रज्जब	१०. सवाल
२. सफ्फर	५. जमादिलावर	८. सावान	११. जिल्काद
३. रबिलावल	६. जमादिलाखर	९. रमजान	१२. जिल्हेज

पारसी सन्

एजदी जर्द (पारसी सन्) का प्रारम्भ ईस्वी सन् ६३० के अनन्तर आरंभ हुआ। इनके मास ३० सावन दिन के रहते हैं। अतः सौर वर्ष से सम्बन्ध रखने के लिये प्रति वर्ष के अन्त में ५ दिन अधिक मानते हैं। उनको गाथा गंबर नाम से व्यवहार में लेते हैं। मासों के नाम हैं-

१. फरपर्दिन	४. तीर	७. मेहर	१०. दय
२. आर्दीबेस्त	५. अमरदाद	८. आबान	११. बहमन
३. खोरदाद	६. शेहरेवर	९. आजूर	१२. इस्पिदाद

राशियों के विदेशी भाषा में नाम

हिन्दी	अंग्रेजी	फारसी	अरबी	अंग्रेजी चिह्न
मेष	एरीस	बरे	हमल	♈
वृषभ	टॉर्स	गत्व	सौर	♉
मिथुन	जिमीनी	दोपेकर	बोबझ	♓
कर्क	कॅनसर	खरचंग	सरतान	♋
सिंह	लीओ	शीर	अशद	♌
कन्या	बीर्गो	खुशे	सोमबोल	♍
तुला	लीब्रा	त्राजु	मीजान	♎
वृश्चिक	स्कॉरपीओ	कझादुम	अकरब	♏
धनु	सॅगीटेरीस	कमान	कौश	♐
मकर	कॅपीकॉर्न	बोझ	जध्य	♑
कुंभ	एकवॉर्स	दुल	दलव	♒
मीन	पीसीस	माही	हुत	♓

ग्रहों के विभिन्न भाषा में नाम

हिन्दी	अंग्रेजी चिह्न	अंग्रेजी नाम	फारसी	अरबी
सूर्य	☉	सन्	खोरशेद	शम्स
चन्द्र	☾	मुन	माह	कमर
मंगल	♂	मार्स	बेहराम	मरीक
बुध	☿	मरक्युरी	तीर	ओतारद
गुरु	♃	ज्युपीटर	अहुरमझद	मोशतरी
शुक्र	♀	वीनस	नाहीद	झोहरे
शनि	♄	सैटर्न	केयवान	झोहल
राहु	☊	मुन्सनॉड		
केतु	☋	मुन्सटेल		
वरुण	♆	नेपच्युन		
प्रजापति	♅	हर्शल		
प्लुटो	♇	प्लुटो		

दिनम्	श्रीसंवत् १९७६ शकः १८४१ श्रावण मास कृष्णपक्ष वर्षा ऋतु													सू.	इ.	पा.	फ.	सू. घं.	उ. मि.	सू. घं.	अ. मि.	चन्द्र	
३३ ४८	१	चं	१४	२३	उ	१५	२९	वि	३६	१७	कौ	१४	२३	३०	१४	१५	१	५	१४।	६	४५।।।		
४७	२	मं	१४	४	श्र	१६	५७	प्री	३६	१०	ग	१४	४	३१	१५	१६	२	५	१४।।	६	४५।।	कुं	४७।४३
४५	३	बु	१२	३१	ध	१७	११	आ	३२	३	वि	१२	३१	३२	१६	१७	३	५	१५	६	४५		
४३	४	गु	९	४५	श	१६	१७	सौ	२७	४	वा	९	४५	१	१७	१८	४	५	१५।	६	४४।।।	मी	५१।५३उ
४२	५	शु	६	२	पू	१४	२५	शो	२१	२०	तै	६	२	२	१८	१९	५	५	१५।।	६	४४।।		
४०	६	श	१ ५४	२५ ४४	उ	११	४१	अगं	१४	५५	व	१	२५	३	१९	२०	६	५	१६	६	४४		
३८	८	सु	५०	२२	रे	८	१८	सु	७	५५	बा	२३	१५	४	२०	२१	७	५	१६।	६	४३।।।	मे	८।१८उ
३६	९	चं	४४	१४	अ	४	२७	धृ	० ५२	५६ २७	तै	१७	१८	५	२१	२२	८	५	१६।।।	६	४३।		
३४	१०	मं	३७	५८	भ	० ५५	२१ ४७	गं	४५	२१	व	११	६	६	२२	२३	९	५	१७।	६	४२।।।	वृ	१४।१८उ
३१	११	बु	३१	५३	रो	५२	५	वृ	३७	४९	बब	४	५५	७	२३	२४	१०	५	१७।।।	६	४२।		
२९	१२	गु	२६	१	मृ	४८	२५	ध्रु	३०	३२	तै	२६	१	८	२४	२५	११	५	१८।	६	४१।।।	मि	२०।१५उ
२७	१३	शु	२०	४०	आ	४५	१६	व्या	२३	३५	व	२०	४०	९	२५	२६	१२	५	१८।।।	६	४१।		
२४	१४	श	१५	५७	पु	४२	५६	ह	१७	१४	श	१५	५७	१०	२६	२७	१३	५	१९।	६	४०।।।	क	२८।३१उ
३३ २२	३०	सू	१२	४	पु	४१	२३	व	११	३३	ना	१२	४	११	२७	२८	१४	५	१९।।।	६	४०।		

जुलाई १९१९

१५ पं० ८ रवौ मिश्रमानं ४७।२८

दिनमानम् ३३।३८

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	२	३	३	४	४	७	१
३	१४	२८	४	१८	६	१०	१०
५१	५१	४८	५६	४	१७	२०	२०
५८	१६	३१	३१	५७	४१	२८	२८
५६	४०	३०	१३	४४	६	३	३
५८	२६	२२	५७	५२	५५	११	११

अस्त

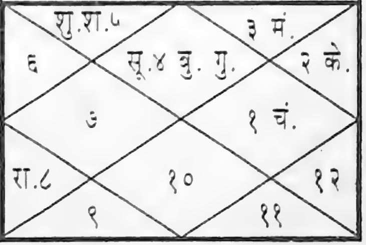

अश्विनी आदि नक्षत्रों के चरणान्त में स्पष्ट चन्द्र

क्रम	नक्षत्र	१ चरण			२ चरण			३ चरण			४ चरण		
		रा.	अं.	क.	रा.	अं.	क.	रा.	अं.	क.	रा.	अं.	क.
१	अश्विनी	०	३	२०	०	६	४०	०	१०	०	०	१३	२०
२	भरणी	०	१६	४०	०	२०	०	०	२३	२०	०	२६	४०
३	कृतिका	१	०	०	१	३	२०	१	६	४०	१	१०	०
४	रोहिणी	१	१३	२०	१	१६	४०	१	२०	०	१	२३	२०
५	मृगशीर्ष	१	२६	४०	२	०	०	२	३	२०	२	६	४०
६	आर्द्रा	२	१०	०	२	१३	२०	२	१६	४०	२	२०	०
७	पुनर्वसु	२	२३	२०	२	२६	४०	३	०	०	३	३	२०
८	पुष्य	३	६	४०	३	१०	०	३	१३	२०	३	१६	४०
९	आश्लेषा	३	२०	०	३	२३	२०	३	२६	४०	४	०	०
१०	मघा	४	३	२०	४	६	४०	४	१०	०	४	१३	२०
११	पू. फा.	४	१६	४०	४	२०	०	४	२३	२०	४	२६	४०
१२	उ. फा.	५	०	०	५	३	२०	५	६	४०	५	१०	०
१३	हस्त	५	१३	२०	५	१६	४०	५	२०	०	५	२३	२०
१४	चित्रा	५	२६	४०	६	०	०	६	३	२०	६	६	४०
१५	स्वाति	६	१०	०	६	१३	२०	६	१६	४०	६	२०	०
१६	विशाखा	६	२३	२०	६	२६	४०	७	०	०	७	३	२०
१७	अनुराधा	७	६	४०	७	१०	०	७	१३	२०	७	१६	४०
१८	ज्येष्ठा	७	२०	०	७	२३	२०	७	२६	४०	८	०	०
१९	मूल	८	३	२०	८	६	४०	८	१०	०	८	१३	२०
२०	पू. षा.	८	१६	४०	८	२०	०	८	२३	२०	८	२६	४०
२१	उ. षा.	९	०	०	९	३	२०	९	६	४०	९	१०	०
२२	श्रवण	९	१३	२०	९	१६	४०	९	२०	०	९	२३	२०
२३	धनिष्ठा	९	२६	४०	१०	०	०	१०	३	२०	१०	६	४०
२४	शतभिषा	१०	१०	०	१०	१३	२०	१०	१६	४०	१०	२०	०
२५	पू. भा.	१०	२३	२०	१०	२६	४०	११	०	०	११	३	२०
२६	उ. भा.	११	६	४०	११	१०	०	११	१३	२०	११	१६	४०
२७	रेवती	११	२०	०	११	२३	२०	११	२६	४०	१२	०	०

कुण्डली विधान प्रकरण

अथ स्पष्टग्रहप्रयोजनम्

ज्योति:शास्त्रफलं पुराणगणकैरार्देश इत्युच्यते ।
नूनं लग्नबलाश्रित: पुनरयं तत्स्पष्टखेटाश्रयम् ॥ १ ॥

पुराण के विद्वान् ज्योति: शास्त्र के फल को आदेश मानते हैं। यह आदेश स्पष्ट ग्रहों से संसाधित तथा सम्मिलित लग्न पर निर्भर है। अत: स्पष्ट ग्रह इस शास्त्र के मूलाधार हैं।

तत्रादौ चालनमाह

पंक्ति: स्वेष्टाद् भवेदग्रे पंक्त्यामिष्टं विशोधयेत् ।
तच्चालनमृणं ज्ञेयं व्यत्यये व्यत्ययं विदु: ।। २ ।।

पंचाङ्ग के स्पष्ट ग्रहों को पंक्ति कहते हैं। जन्म-समय से पंक्ति आगे हो तो पंक्ति के दिनादि (दिन, घटी, पल) में जन्म-समय के दिनादि घटाने से शेष ऋण चालन होगा और जन्म समय के दिनादि में पंक्ति के दिनादि घटाने से शेष धन चालन होगा।

वर्तमान समय में अधिकतर पञ्चांगों में दैनिक स्पष्ट ग्रह रहते हैं। ये सूर्योदय-कालिक या मिश्रमान (अर्ध रात्रि के आसन्न) कालिक होते हैं। जन्मकाल जिस दिन की पंक्ति के समीप हो उस दिन की पंक्ति इष्ट काल के ग्रहसाधन में ग्रहण करनी चाहिये। इष्ट काल में पंक्ति का काल घटाने से धनचालन और पंक्ति के काल में इष्ट काल घटाने से ऋणचालन होता है (जन्म समय से पंक्ति के समय तक के काल को चालन कहते हैं।) यदि पंक्ति के ग्रह साप्ताहिक वा पाक्षिक हैं, तो रव्यादि क्रम से पंक्ति के वार की संख्या तुल्य दिन होंगे। उदयकालिक पंक्ति के लिये यही दिनादि होगा। अन्यथा मिश्रमान के घटी पल, वार संख्या में जोड़ने से पंक्ति का दिनादि होगा। इसमें जन्म समय का दिनादि घटे तो ऋणचालन और जन्म के दिनादि में पंक्ति का दिनादि घटाने से धनचालन होगा।

उदाहरण:— श्रीसंवत् १९७६ शक १८४१ श्रावणमासे कृष्णपक्षे १२ तिथौ गुरुवासरे मध्याह्नसमये स्टॉ. टा. १६ अर्बुदारण्यस्थग्रामे श्रीमतां जन्म।

इष्टकाल साधन[१]

जन्मपत्रिका का गणित करने के पूर्व भारतीय परंपरा में इष्टकाल की प्रथम आवश्यकता पड़ती है। अतः इष्टकाल साधनक्रम प्रथम दिखाया जा रहा है। जन्म-स्थान का सूर्योदय एवं जिस नगर का पंञ्चाङ्ग है, वहाँ से जन्मस्थान तक के स्पष्ट देशान्तर का साधन दूसरे भाग में यथास्थान दिखाया जायेगा। यहाँ केवल सूर्योदय पर से इष्टकाल का साधन किया जायेगा।

सूर्योदय से लेकर जन्म समय तक के घटी पलात्मक समय को इष्टकाल कहते हैं। अतः सूर्योदय से लेकर जन्म समय तक के घण्टे मिनट को २।। से गुणने पर इष्टकाल बनता है। इसके साधन की सरलता के लिये नीचे लिखे कुछ विशेष नियम ध्यान में रखने चाहिये। सूर्योदय का समय स्टॉ. टा. में जान लेना चाहिये। क्योंकि आजकल घड़ियों में स्टॉन्डर्ड समय (रेल्वे) चलता है और लोग उसी समय का प्रयोग करते हैं।

(१) दिन में घं. १२।५९ तक में जन्म हो तो जन्म समय में सूर्योदय का समय घटायें।

१— इष्टकाल साधन एवं ग्रहस्पष्टीकरण के पूर्व इनसे सम्बन्धित परिभाषा जानना आवश्यक है। अतः उनकी परिभाषायें नीचे दी जाती हैं।

समय परिभाषा	राशि अंशादि परिभाषा
६० विपल = १ पल	१ राशि = ३० अंश
६० पल = १ घटी	१ अंश = ६० कला
६० घटी = १ दिन	१ कला = ६० विकला
२४ घंटे = १ दिन	१ विकला = ६० प्रतिविकला
२४ घंटे = ६० घटी	
१ घंटा = २।। घटी	
१ मिनिट = २।। पल	
१ सेकंड = २।। विपल	

यदि राशि स्थान में १२ से अधिक हो तो उसमें १२ घटाकर शेष को राशि समझें। १२ राशि का भगण होता है। उसका उपयोग व्यवहार में नहीं होता है।

(२) दिन के १ बजे से रात के घं. १२।५९ तक में जन्म हो तो जन्म समय में १२ घण्टे और रात के १ बजे से दूसरे दिन के सूर्योदय के पहले जन्म हो तो २४ घण्टे जोड़कर योग में सूर्योदय घटाकर शेष घण्टे मिनिट को २।। से गुणने पर इष्टकाल होगा। यहाँ सूर्योदय तथा जन्म-समय दोनों स्टॉ. टा. में हों अथवा स्थानीय (लोकल) समय के होने चाहिए।

उदाहरण:—हमारा जन्म समय मध्याह्न में स्टॉ. टा. १।६ है। अतः ऊपर लिखे (२) नियमानुसार

घं. १।६	घं.१३।६ ज. स.	घं ६।३६
+ घं १२	—घं. ६।३०सूर्योदय	×२।।
घं.१३।६	घं. ६।३६ शेष	घटी १६।३० इष्टकाल

यदि जन्म समय प्रातः ११।२० माना जाये तब (१) नियमानुसार—

११।२० ज. स.	घं ४।५०
—६।३० सू. उ.	×२।।
४।५० शेष	१२।५ इष्टकाल

यदि जन्म समय रात्रि ९।४५ माना जाये तब (१) नियमानुसार—

९।४५	२१।४५ज. स.	१५।१५
+१२। ०	— ६।३०सू. उ.	×२।।
२१।४५	१५।१५ शेष	३८।७।३० इष्टकाल

यदि जन्म समय रात्रि १।२५ माना जाये तो (२) नियमानुसार—

१।२५	२५।२५ज. स.	१८।५५
+२४। ०	— ६।३०सू. उ.	× २।।
२५।२५	१८।५५ शेष	४७।१७।३० इष्टकाल

अथ इष्टकालिकग्रहसाधनम्

गतैष्यदिवसाद्येन गतिर्निघ्नी खषड्हता।
लब्धमंशादिना शोध्यं योज्यं स्पष्टो भवेद्ग्रहः।।

पूर्वोक्त चालन को दैनिक ग्रहगति से गुणा कर ६० का भाग देने से लब्ध फल अंश कला विकलादि होगा। चालन के दिनादि रहने से लब्ध फल अंशादि होगा। अन्यथा केवल घटी पल रहने से लब्ध फल कला, विकलादि रहेगा। इस लब्ध फल को ऋण चालन हो तो पंक्ति के ग्रह में घटाने से और धन चालन हो

तो जोड़ने से इष्ट काल का स्पष्टग्रह होता है। यह फल संस्कार का क्रम मार्गी ग्रह के लिए है। वक्री ग्रह तथा राहु केतु के लिए पूर्वोक्त फल संस्कार विपरीत करना चाहिये। अर्थात् धन चालन हो तो फल घटाने से तथा ऋण चालन हो तो फल जोड़ने से इष्ट काल के ग्रह स्पष्ट होंगे। राहु से केतु सदा ६ राशि के अन्तर पर रहता है। अत: स्पष्ट राहु में ६ राशि जोड़ने से केतु होता है। चन्द्रसाधन का प्रकार भिन्न है। वह आगे दिया जायेगा।

ग्रहस्पष्टीकरण

इसके लिये पहले चालन का साधन करना आवश्यक रहता है। जिसके साधन का प्रकार पहले दिया गया है। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि ग्रहसाधन के लिये इष्टकाल पंञ्चाङ्ग जिस नगर का है उसी नगर का लेना होगा। इसका विवेचन द्वितीय भाग में किया गया है। यदि पंञ्चाङ्ग जन्म स्थान का ही है, तब इष्टकाल में कोई संस्कार नहीं करना पड़ता। पंचाङ्ग एवं जन्म स्थान भिन्न-भिन्न स्थान के हों तो जन्म स्थान के इष्टकाल को पंचाङ्ग के नगर का (संस्कार द्वारा) बना लेना चाहिये। संस्कार का विवेचन भाग-२ में देखें। पूर्वदर्शित नियमानुसार चालन तथा स्पष्टग्रह साधन:—

चालनसाधन

१६।३० जन्म स्थान का इष्टकाल
\+ १।२० काशी से जन्मस्थान का स्पष्ट देशान्तर

१७।५० काशी का इष्टकाल

५।१७।५० जन्मकाल के वारादि
—१।४७।२८ पंक्ति के वारादि

३।३०।२२ चालन दिनादि

अथ सूर्यसाधन

३।३०।२२ चालन
× ५६।५६ रविगति

१६८।१६८०।१२३२।
१६८।१६८०।१२३२

१६८।१८४८।२९१२।१२३२
\+ ३१
------
६०) १९९ (३
१८०

१९

१८४८
\+ ४८
------
६०)१८९६(३१
१८०

९६
६०

३६

२९१२
\+ २०
------
६०) २९३२(४८
२४०

५३२
४८०

५२

६०)१२३२(२०
१२००

३२

लब्धफल अंशादि ३।१९।३६ यहां चौथा अंक ५२ है। यह ३० से अधिक होने से "अर्धाधिके रूपं ग्राह्यं" नियमानुसार १ अंक लेने से लब्धि ४८ के बदले ४९ लेनी चाहिये। तद्नुसार

लब्ध फल अंशादि ३।१९।३७ को चालन धन रहने से पंक्तिस्थ सूर्य में जोड़ा गया, तब स्पष्टसूर्य हुआ।

३।३।५९।५८ पंक्ति का सूर्य
+ ३।१९।३७ धन चालन फल
३।७।१९।३५ स्पष्ट सूर्य

भौमस्पष्टीकरण

३।३०।२२ चालन
× ४०।२६ भौमगति
१२०।१२००।८८०।
७८।७८०।५७२
१२०।१२७८।१६६०।५७२
२१
६०) १४१ (२
१२०
२१
२।२१।४६ चालनफल अंशादि

१२७८
+ २८
६०)१३०६(२१
१२०
१०६
६०
४६

१६६०
+ ९
३०)१६६९(२७
१२०
४६९
४२०
४९

६०)५७२(२०
५४०
३२

२।१४।५१।१४ पंक्तिस्थ मंगल
+ २।२१।४६ चालन फल
२।१७।१३। ० स्पष्ट भौम

बुधस्पष्टीकरण

३।३०।२२ चालन दिनादि
× ३०।२२ बुधगति
९०।९००।६६०।
६६।६६०।४८४
९०।९६६।१३२०।४८४
१६
६०) १०६ (१
६०
४६
१।४६।२८ अंशादि चालन फल

९६६
+ २२
६०) ९८८(१६
६०
३८८
३६०
२८

१३२०
+ ८
६०)१३२८(२२
१२०
१२८
१२०
८

६०) ४८४(८
४८०
४

३।२९।४८।३१ पंक्तिस्थ मंगल
+ १।४६।२८ चालन फल
४। १।३४।५९ स्पष्ट बुध

गुरुस्पष्टीकरण

३।३०।२२ चालन
+ १३।५७ गुरुगति
३९।३९०।२८६।११४
१७१।१७१०।११४×
३९।५६१।१९९६।१२५४
+ ९
६०) ४८ (०
४८

अंशादि चालन ०।४८।५८

५६१
+ ३४
६०) ५९५(१६
५४०
५५

१९९६
+ २१
६०) २०१७(३३
१८०
२१७
१८०
३७

६०)१२५४(२१
१२०
५४

३।४।५६।३९ पंक्तिस्थ गुरु
+ ०।४८।५५ चालन फल
३।५।४५।३४ स्पष्ट गुरु

शुक्रस्पष्टीकरण

३।३०।२२ चालन
+ ४४।५२ शुक्रगति
१३२।१३२०।९६८। ४४
१५६।१५६०।११०×
१३२।१४७६।२५२८।११४४
+ २५
६०) १५७ (२
१२०
३७

अंशादि चालन २।३७।१८

१४७६
+ ४२
६०)१५१८(२५
१२०
३१८
३००
१८

२५२८
+ १९
६०) २५४७(४२
२४०
१४७
१२०
२७

६०)११४४(१९
६०
५४४
५४०
४

४।१८।४।५७ पंक्तिस्थ शुक्र
+ २।३७।१८ चालन फल
४।२०।४२।१५ स्पष्टशुक्र

शनिस्पष्टीकरण

३।३०।२२ चालन
+ ६।५५ शनिगति
१८।१८०।१३२।
१६५।१६५०।१२१०
१८।३४५।१७८२।१२१०
+ ६
६०) २४ (०
२४

अंशादि चालन २।२४।१५

३४५
+ ३०
६०) ३७५(६
१२०
३१८

१७८२
+ २०
६०)१८०२(३०
१८०
२

६०)१२१०(२०
१२०
१०

४।६।१७।४१ पंक्तिस्थ शनि
+ ०।२४।१५ चालन फल
४।६।४१।५६ स्पष्ट शनि

राहुस्पष्टीकरण

३।३०।२२ चालन	१२३	३९६	६०) २४२(४
× ३।११ राहुगति	+ ७	+ ४	२४०
९।९०। ६६।	६०)१३०(२	६०) ४००(६	२
३३।३३०।२४२	१२०	३६०	
९।१२३।३९६।२४२	१०	४०	
+ २			

६०) ११ (०	अंशादि चालन ०।११।१०	७।१०।२०।२८ पंक्तिस्थ राहु
११	ग्रहों से विपरी राहु में	− ०।११।१० चालन फल
	संस्कार किया जाता है।	७।१०।९।१८ स्पष्टराहु

राहु में ६ राशि जोड़ने से सदा केतु स्पष्ट माना जाता है। राशि स्थान १२ से अधिक होने पर उसमें से १२ राशि घटा देने पर शेष को उस ग्रह की राशि माननी चाहिये।

७।१०।९।१८ स्पष्टराहु
+ ६।
१३।१०।९।१८ स्पष्ट केतु
−१२।
१।१०।९।१८ स्पष्ट केतु

यह धन चालन का ग्रहस्पष्टीकरण का उदाहरण दिखाया गया है। अब ऋण चालन का एक उदाहरण दिखाया जाता है। कल्पना किया कि किसी का जन्म श्रावण कृष्ण ५ गुरुवार के दिन सूर्योदयात् इष्टघटी २७।१८ पर है। पहले लिखे हुए नियमानुसार चालन तथा ग्रह साधन।

१।४७।२८ पंक्ति के वारादि
−५।२७।१८ जन्म के वारादि
३।२०।१० चालन दिनादि

३।२०।१० चालन दिनादि	१२८८	१६८०	६०) ५६०(९
× ५६।५६ रवि गति	+ २८	+ ९	५४०
१६८।११२०।५६० ।	६०)१३१६(२१	६०)१६८९(२८	२०
१६८।११२०।५६०	१२०	१२०	
१६८।१२८८।१६८०।५६०	११६	४८९	
+ २१	६०	४८०	
६०) १८९(३	५६	९	

१८०	अंशादि चालन ३।९।५६	३।३।५९।५८ पंक्ति का रवि
९		− ३। ९।५६ ऋण चालन फल
		३।०।५०। २ स्पष्ट रवि

इस प्रकार अन्य ग्रहों का साधन करना चाहिये। अर्थात् पंक्तिस्थ ग्रह में चालन फल घटाने से स्पष्ट ग्रह होगा। राहु में चालन फल जोड़ने से स्पष्ट राहु होगा।

आजकल प्रतिदिन के स्पष्ट ग्रह पंचाङ्गों में दिये जाते हैं। वे सूर्योदयकालिक, मिश्रमान कालिक एवं प्रातःकाल स्टॉ. टा. ५।३०के दिये जाते हैं। इनके साधन का एक-एक कल्पित उदाहरण नीचे दिया जाता है। कल्पना किया कि श्रावण कृष्णपक्ष ८ रविवार के दिन किसी का जन्म सूर्योदय से इष्टघटी १७।१८ पर है। सूर्योदय कालिक पंक्ति पर से ग्रहस्पष्टीकरण में इसी को चालन मानकर गणित किया। यहाँ यह ध्यान रखना चाहिए कि चालन घट्यादि होने से चालन फल कलादि होगा। पहले चालन वारादि (दिनादि) था। अब घट्यादि है। अतः चालनफल कलादि होगा।

१७।१८ चालन घटी	९५२	१९६०	६०)१००८(१६
×५६।५६ रविगति	+ ३३	+ १७	६०
९५२।१००८।	६०)९८५(१६	६०)१९७७(३२	४०४
९५२।१००८	६०	१८०	३६०
९५२।१९६०।१००८	३८५	१७७	४८
१६।२५ कलादिचालनफल	३६०	१२०	
	२५	५७	

३।३।१३।३० सूर्योदय कालिक कल्पित रवि
+ १६।२५ चालन फल
३।३।२९।५५ स्पष्ट रवि

इसी प्रकार अन्य ग्रहों को स्पष्ट करना चाहिए। राहु में फल ऋण होगा।

मिश्रमान कालिक ग्रह स्पष्टीकरण का उदाहरण :—

४७।२८ मिश्रमान घटी
—१७।१८ इष्ट घटी
३०।१० चालन घटी

३०।१० चालन घटी	१६८०	२२४	६०)५६०(९
×५६।५६ रविगति	+ ३७	+ ९	५४०
१६८०।५६०।	६०)१७१७ (२८	६०)२२४९(३७	२०
१६८०।५६०	१२०	१८०	
१६८०।२२४०।५६०	५१७	४४९	
	४८०	४२०	
	३७	२९	

३।३।५९।५८ मिश्रमानकालिकरवि
– २८।३७ चालन फल कलादि
३।३।३१।२१ स्पष्ट रवि

यहाँ इष्टकाल मिश्रमानकाल से पूर्व का है। अत: ऋणचालन हुआ। यदि इष्टकाल मिश्रमान काल के बाद का हो तो धनचालन होगा। जैसे इष्टघटी ५०।३०। इसमें मिश्रमान ४७।२८ घटाने से चालन घटी ३।२ हुई। इस पर से ग्रह स्पष्टीकरण पहले के जैसा किया :–

३।२ चालन घटी	१६८	२८०	६०)११२(१
×५६।५६ रविगति	+ ५	+ २	६०
१६८।११२।	६०) १७३ (२	६०)२८२(४	५२
१६८।११२	१२०	२४०	
१६८।२८०।११२	५३	४२	
२।५३ चालन फल कलादि			

३।३।५९।५८ मिश्रमान कालिक रवि
+ २।५३ चालन फल
३।४। २।५१ स्पष्ट रवि

यदि प्रतिदिन के ग्रह प्रात:काल स्टॉ. टा. ५।३० के हैं तो जन्म समय में ५।३० घटा कर शेष को २॥ से गुणकर घटी पल बना लें। और उसे चालन घटी मानकर ग्रहस्पष्ट करना चाहिए। जन्म समय दिन में स्टॉ. टा. १।६ है। इसमें ५।३० घटाने से शेष इष्टकाल बनाने के (२) नियमानुसार लिया:–

१।६	७।३६	२८२	६०)१०८०(१८
+ १२	+ २।३०	+ १८	६०
१३।६ जन्म समय	१४। ७२।	६०)३००(५	४८०
–५।३०	।२१०।१०८०	३००	४८०
७।३६	१४।२८२।१०८०	०	०
	+ ५		
	१९	चालन घटी १९।० हुई।	

१९।० चालन घटी		
×५६।५६ रविगति	१०६४	६०) १०६४(१७
११४। ० ।	+ १८	१०२०
९५× । ११४ । ०	६०) १०८२ (१८	४४
। ९५×।	६०	
१०६४।१०६४।०	४८२	
	४८०	
१८।२ चालनफल कलादि	२	

कल्पना किया कि प्रात: स्टॉ. टा. ५।३० का स्पष्ट सूर्य ३।३।९।४० है। इसमें चालन फल जोड़ने से इष्टकालिक स्पष्ट रवि होगा। जैसे :—

३।३।९।४० प्रात: काल का रवि
+ १८।२ चालनफल

३।३।२७।४२ स्पष्ट रवि

ग्रह स्पष्टीकरण में अनेक भिन्न-भिन्न परिस्थितियाँ रहती हैं। परन्तु चन्द्र के स्पष्ट करने में विशेष भेद नहीं है। दो प्रकार इस पुस्तक में दिये जायेंगे। परिस्थिति के अनुसार ग्रह स्पष्ट करना चाहिये।

इसी प्रकार परिस्थिति के अनुसार अन्य ग्रहों को स्पष्ट करना चाहिये। यदि हर्षल नेप्च्यून तथा प्लुटो आदि आधुनिकग्रहों का साधन करना अभीष्ट हो तो भौमादि ग्रहों की तरह करना चाहिये।

चन्द्रसाधनार्थ भयातभभोगानयनमाह

गतर्क्षनाडी खरसेषु शुद्ध्धा सूर्योदयादिष्टघटीषु युक्ता।
भयातसंज्ञा भवतीह तस्य निजर्क्षनाड्यासहितो भभोग:।।४।।

गत नक्षत्र की घटी पल को ६० में घटा कर शेष में इष्ट घटी जोड़ने से भयात होता है। और शेष में जन्म नक्षत्र की घटी फल जोड़ने से भभोग होता है।

१—भयात और भभोग साधन में विशेष—

जिस नक्षत्र में जन्म होता है उसे जन्म नक्षत्र कहते हैं।

जन्म नक्षत्र के आरम्भ काल से जन्म काल तक की गत घटी पल को भयात कहते हैं। और जन्म नक्षत्र के आरंभ काल से अन्त तक की घटी पल को भभोग कहते हैं। यदि सूर्योदय में भिन्न नक्षत्र हो और जन्म समय में भिन्न नक्षत्र हो, तब इष्ट काल में सूर्योदय कालिक नक्षत्र को ६० में घटा कर शेष को दूसरे दिन के नक्षत्र की घटी पल में जोड़ने से भभोग होगा।

यदि इसी दिन इष्ट घ. ५०।० मानी जाये, तब उस दिन के मृगशिर भोग ४८।२५ को नये इष्ट में घटाने से आर्द्रा जन्म का भयात १।३५ हुआ। और आर्द्रा जन्म नक्षत्र माना जायेगा। भभोग साधन के लिये मृगशिर के मान घ. ४८।२५ को घ. ६० में घटाकर शेष घ. ११।३५ को दूसरे दिन के आर्द्रा के मान घ.४५।१६ में जोड़ने से आर्द्रा का भभोग घ. ५६।५१ होगा। नक्षत्र आदि का मान १३ पृष्ठस्थ पंञ्चाङ्ग में देखें।

जन्म नक्षत्र मृगशीर्ष घ. ४८।२५ गत नक्षत्र रोहिणी घ. ५२।५।। ६०–(५२।५) =७।५५। इष्ट घटी (१७।५०) + (७।५५) = २५।४५ भयात हुआ। (७।५५) + (४८।२५) = ५६।२० भभोग हुआ।

अथ चन्द्रसाधनम्

खषड्घ्नं भयातं भभोगोद्धृतं तत्खतर्कघ्नधिष्ण्येषु युक्तं द्विनिघ्नम्।
नवाप्तं शशी भागपूर्वस्तु भुक्तिः खखाभ्राष्टवेदा भभोगेन भक्ताः।।

भयात को ६० से गुणा कर भभोग का भाग देने से लब्ध फल को ६० से गुणित गत नक्षत्र संख्या में जोड़ दें और योगफल को २ से गुणाकर ९ से भाग देने पर लब्ध फल अंशादि स्पष्टचन्द्र होगा। अंश में ३० का भाग देने से लब्ध राशि होगी और शेष अंश रहेंगे। ४८००० में भभोग का भाग देने से चन्द्र की स्पष्टा गति होगी।

भयात २५।४५ इसके पल=२५×६० + ४५ = १५४५।।१५४५ × ६० = ९२७००। भभोग ५६।२० के पल=५६×६० + २०=३३६० + २०=३३८०।। ९२७०० इसमें ३३८० का भाग देने से लब्ध फल = २७।२५। अश्विनी से गत नक्षत्र संख्या =४।। ४×६०=२४०।।२४० + (२७।२५)=२६७।२५।। (२६७।२५) ×२=५३४।५०। इसमें ९ का भाग देने से अंशादि चन्द्र = ५९।२५।३३ अत: १।२९।२५।३३ यह स्पष्ट चन्द्र[१] हुआ।

१—चन्द्रस्पष्ट करने की भिन्न रीति :—

जन्मकालिक नक्षत्र के जितने चरण बीते हों उस पर से १४ पृष्ठस्थ कोष्टक से चन्द्र रख लें। वर्तमान चरण के पलों को २०० से गुणा कर भभोग पल के चतुर्थांश से भाग दें। फल कला विकला को कोष्टक से प्राप्त चन्द्र में जोड़ देने से चन्द्र होगा। मृगशिर भयात पल १५४५ भभोग पल चतुर्थांश=$\frac{३३८०}{४}$=८४५।१५४५–८४५=७००। ७०० × २०० = १४०००० इसमें ८४५ भभोगचतुर्थांश का भाग देने से फल कला १६५।४१ अत: अंशादि फल २।४५।४१ हुआ। यहाँ मृगशिर के भयात पल में भभोग चतुर्थांश एक बार घटने से जन्म नक्षत्र का १ चरण बीता। दूसरे चरण के अंशादि फल २।४५।४१ को मृगशिर के १ चरण से प्राप्त कोष्ठस्थ चन्द्र १।२६।४०।० में जोड़ने से स्पष्ट चन्द्र १।२९।२५।४१ हुआ।

भभोग पलात्मक है। अत: ४८००० संख्या को भी पलात्मक बनाकर भाग देना चाहिये। इसलिये ४८०००×६० = २८८०००० इसमें भभोग का भाग देने से चन्द्र की स्पष्टगति होती है। अत: २८०००० इसमें ३३८० का भाग देने पर लब्ध कलादि स्पष्टचन्द्रगति कला ८५२।४

जन्म समय के स्पष्ट ग्रह

र.	चं.	मं	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	२	४	३	४	४	७	१
७	२९	१७	१	५	२०	६	१०	१०
१९	२५	१३	३४	४५	४२	४१	९	९
३५	४१	०	५९	३४	१५	५६	१८	१८
५६	८५२	४०	३०	१३	४४	६	३	३
५६	४	२६	२२	५७	५२	५६	११	११

अयनांश

लग्न के स्पष्टीकरण में अयनांश तथा स्वदेशीय उदयमान की आवश्यकता रहती है। अत: प्रथम अयनांश साधन किया जाता है।

ग्रह [१]लाघवोक्तायनांशानयनम् :—

वेदाब्ध्यब्ध्यून: स्वरसहत: शकोऽयनांशा:।

१—अयनांश साधन में मतभेद है। नवीन विद्वानों के मतानुसार अयनांश साधन का एक प्रकार यह है। वर्तमान शक में १८०० घटाकर शेष में एक जगह ७० से और दूसरी जगह ५० से भाग देकर अंशादि तथा कलादि क्रमश: दो फलों के अन्तर में २२।८।३३ अंशादि जोड़ने से वर्षारम्भ कालिक अयनांश होंगे। अयनांश की वार्षिक गति ५० विकला है। अत: स्पष्टसूर्य के राश्यादि से अनुपात द्वारा लब्ध फल को उसमें जोड़ने से इष्टकालिक अयनांश होंगे।

जन्म शक १८८१ – १८०० = ४१ इसमें ७० का भाग देने पर लब्ध अंशादि ०।३५।८ और ५० का भाग देने से लब्ध फल कलादि ०।४९।१२।(०।३५।८)-(०।०।४९) = ०।३४।१९।।२२।८।३३ + ०।३४।१९ = २२।४२।५२ वर्षारम्भ कालिक स्पष्टायनांश हुए। सरलता के लिये कोष्टक दिया गया है।

(१) मेषादि संक्रान्ति के आरंभ में अयनांशचालन विकलादि

मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	मासगति
०	४	८	१२	१६	२०	२५	३०	३४	३८	४२	४६	४
०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१०

(२) अथ वर्षारम्भकालिका अयनांशा:

शक	अयनांश			शक	अयनांश			शक	अयनांश		
१८००	२२	८	३३	१८७४	२३	१०	३०	१८९५	२३	२८	६
१८१०	२२	१६	५५	१८७५	२३	११	२०	१८९६	२३	२८	५६
१८२०	२२	२५	१७	१८७६	२३	१२	१०	१८९७	२३	२९	४६
१८३०	२२	३३	४१	१८७७	२३	१३	०	१८९८	२३	३०	३७
१८३५	२२	३७	५०	१८७८	२३	१३	५०	१८९९	२३	३१	२७
१८४०	२२	४२	२	१८७९	२३	१४	५१	१९००	२३	३२	१७
१८४५	२२	४६	१३	१८८०	२३	१५	३१	१९०१	२३	३३	७
१८५०	२२	५०	२५	१८८१	२३	१६	२२	१९०२	२३	३३	५७
१८५२	२२	५२	५	१८८२	२३	१७	१२	१९०३	२३	३४	४७
१८५४	२२	५३	४६	१८८३	२३	१८	२	१९०४	२३	३५	३८
१८५६	२२	५५	२६	१८८४	२३	१८	५३	१९०५	२३	३६	२८
१८५८	२२	५७	६	१८८५	२३	१९	४३	१९०६	२३	३७	१८
१८६०	२२	५८	४७	१८८६	२३	२०	३३	१९०७	२३	३८	८
१८६२	२३	०	२७	१८८७	२३	२१	२३	१९०८	२३	३८	५९
१८६४	२३	२	८	१८८८	२३	२२	१३	१९०९	२३	३९	४९
१८६६	२३	३	४८	१८८९	२३	२३	४	१९१०	२३	४०	३९
१८६८	२३	५	२८	१८९०	२३	२३	५४	१९११	२३	४१	२९
१८७०	२३	७	९	१८९१	२३	२४	४४	१९१२	२३	४२	१९
१८७१	२३	७	५९	१८९२	२३	२५	३५	१९१३	२३	४३	१०
१८७२	२३	८	४९	१८९३	२३	२६	२५	१९१४	२३	४४	०
१८७३	२३	९	३९	१८९४	२३	२७	१५	१९१५	२३	४४	५०

(३) अभीष्ट शक के अयनांश लाने के लिये एकादि

वर्षों की कलादि अयन गति

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२०	३०	४०
०	१	२	३	४	५	५	६	७	८	१६	२५	३३
५०	४०	३१	२१	११	१	५२	४२	३२	२२	४५	७	२९

वर्तमान शक में ४४४ घटाकर ६० का भाग देने से लब्ध फल अयनांश होते हैं। इस अयनांश की वार्षिक गति ६० विकला मानी जाती है। अत: प्रति राशि में ५ विकला के हिसाब से इष्ट सूर्य की गत राशि अंश से लब्ध विकलादि फल को वर्षारम्भकालिक अयनांश में जोड़ने से इष्टकाल के स्पष्टायनांश होंगे।

जन्म शक १८४१–४४४=१३९७ शेष में ६० का भाग देने से लब्ध अंशादि २३।१७। स्पष्ट सूर्य ३।७।। ३×५=१५।। $\frac{५ \times ७}{३०}$ अंश से $\frac{७}{६}$ = १।१ + १५ =१६ विकला प्राप्त हुई। अत: स्पष्टायनांश[1] २३।१७।१६ हुए हैं।

चरखण्डानयनम्

मेषादिगे सायनभागसूर्ये
दिनार्धमा या [1]पलभा भवेत् सा।
त्रिष्ठा हतास्युर्दशभिर्भुजंगै–
र्दिग्भिश्चराधानि गुणोद्धृताऽन्त्या।।

१—आधुनिक मत से स्पष्टायनांश साधन :–

कोष्टक (२) से शक १८४० के अयनांश २२।४२।२ एक वर्ष की प्रति कोष्टक (३) से विकला ५०।स्पष्ट सूर्य ३।७।१९।३५ है। अत: कर्क के आरंभ कालिक चालन कोष्टक (१) से विकला १२।३०। अनुपात से $\frac{(४।१०)\ (७।१९।३५)}{३०}$ = अंशादिसंबंधि फल विकला १। सब फलों का योग स्पष्टायनांश = (२२।४२।२) + (०।०।५०) + (०।०।१२) + (०।०।१)= २२।४३।३ हुए।

१— पलभा साधन सर्वानन्द करण में :–

अक्षांशस्पर्शरिखा को ३ से गुणकर २५०० का भाग देने से पलभा आती है। स्पर्शरिखा की सारिणी उसी ग्रंथ में दी हुई है। उसके अनुसार सिद्ध प्रत्येक अक्षांश की पलभा लग्नसारिणी के साथ दी गयी है।

सायन मेष या तुला के प्रारम्भ के दिन मध्याह्न में १२ अंगुल शंकु की छाया को पलभा कहते हैं। उसे तीन स्थान में रखकर क्रमशः १०,८,१० से गुणकर अन्त्य गुणनफल में ३ का भाग देने से इष्ट चरखण्ड होंगे।

स्वदेशीय पलभा ५।३०।। (५।३०) × १० = ५५।० = प्रथम चरखंड। (५।३०) × ८ = ४०।२४०=४४ द्वितीय चरखण्ड। ५५ में ३ का भाग देने से १८ तृतीय चरखण्ड हुआ। अतः ५५।४४।१८ ये चरखंड सिद्ध हुए।

लंकोदयमानानि तथा तेभ्यः स्वोदयसाधनम्

लंकोदया विघटिका गजभामि गोङ्क—
दसास्त्रिपक्षदहना क्रमगोत्क्रमस्थाः।
हीनान्विताश्चरदलैः क्रमगोत्क्रमस्थै—
र्मेषादितो घटत उत्क्रमतस्त्विमे स्युः।।

मेषादि १२ राशियों के लंकोदयमान[1] २७८।२९९।३२३।३२३।२९९।२७८ २७८।२९९।३२३।२९९।२७८ ये हैं।

इष्ट स्थान की पलभा साधन के लिये आगे पीछे के अक्षांशों की पलभा का अन्तर कर उसको अक्षांश कला से गुणाकर ६० से भाग देने पर फल व्यंगुलादि आयेगा। उसे गत अक्षांश की पलभा में जोड़ने से इष्ट अक्षांश की पलभा होगी।

इष्ट अक्षांश २४।४० हैं। २४ अक्षांश की पलभा ५।२०। अक्षांश २५ की पलभा ५।३५ अतः (५।३५) — (५।२०) = ०।१५।।१५ इसको अक्षांश कला ४० से गुणने पर १५ × ४० = ६००। इसमें ६० का भाग देने से लब्ध व्यंगुल = १०। अतः ५।२० + ०।१० = ५।३० इष्ट पलभा हुई।

१—सर्वानन्दकरण के मत से लंकोदयमान
२७९।२९९।३२२।३२२।२९९।२७९
२७९।२९९।३२२।३२२।२९९।२७९

पूर्वसाधित चरखंड मेषादि तीन राशि में ऋण तथा कर्कादि तीन राशि में उत्क्रम से धन करने पर स्वदेशीय मेषादि ६ राशियों का उदयमान होगा। ये ही ६ राशियाँ विलोम से तुलादि ६ राशियाँ होंगी। यथा--

लंकोदयमान	चरखंड	स्वदेशीय उदयमान
२७८ —	५५ =	मे २२३ मी
२९९ —	४४ =	वृ २५५ कुं
३२३ —	१८ =	मि ३०५ म
३२३ +	१८ =	क ३४१ ध
२९९ +	४४ =	सिं ३४३ वृ
२८८ +	५५ =	क ३३३ तु

लग्नानयनम्

तत्कालार्कः सायनः स्वोदयघ्ना भोग्यांशाः
खज्यु ३० द्धृता भोग्यकालः ।
एवं यातांशै र्भवेद्यातकालो
भोग्यः शोध्योऽभीष्टनाडीपलेभ्यः ।।
तदनु जहीहि ग्रहोदयांश्च शेषं
गगनगुणघ्नमनुशुद्धहल्लवाद्यम् ।
सहितमजादिग्रहैरशुद्धपूर्वैर्भवति
विलग्नमदोऽयनांशहीनम् ।।

इष्ट काल के सायनसूर्य के भोग्यांश वा भुक्तांश को स्वोदयमान से गुणकर ३० का भाग देने से भोग्यकाल वा भुक्तकाल होगा। इष्ट घटी के पल में भोग्यकाल घटाकर यथा संभव अग्रीम राशियों के स्वोदयमान घटाने चाहिये। शेष को ३० से गुणकर अशुद्ध राशि (जो राशि इष्ट घटी के पल में नहीं घट सकी वह राशि) के स्वोदयमान से भाग देने पर लब्ध अंशादि फल होगा। उसे शुद्ध राशि (इष्ट घटी पल में जो राशि घट चुकी है उस राशि) में जोड़कर अयनांश घटा देने से निरयन लग्न होगा। इसको भोग्य प्रकार कहते हैं।

सूर्य ३।७।१९।३५

अयनांश + २३।१७।१६

सायन सूर्य: ४।०।३६।५१

३०

− ०।३६।५१

२९।२३।९ भोग्यांश

× ३४३ सिंह उदय

९९४७।७८८९।३०८७

१३२। ५१।३००

१००७९।७९४०।८७

६० ६०

११४ २७

१८०

१४०

१२०

२० तुलोदय

३०)१००७९।२०।२७

९०

१०७ (३३५

९०

१७९

१५०

२९

× ६०

१७४०

+ २०

३०) १७६०(५८

१५०

२६०

२४०

२०

२०

× ६०

१२००

+ २७

३०) १२२७(४१

१२०

२७

६ अशुद्ध पूर्व राशि

+ २८।५५।१५

६।२८।५५।१५

−२३।१७।१६ अयनांश

६। ५।३७।५९ लग्नम्

इष्ट घ. १६।३०

× ६०

९६०

+ ३०

९९० इष्टपल

−३३५।५८।४१ भोग्यपल

६५४। १।१९

−३३३ कन्या उदय

३२१। १।१९

× ३०

९६३०।३०। ५७०

+ ९ ।−५४०

३३३)९६३०।३९। ३०(२८

६६६

२९७०

२६६४

३०६

× ६०

१८३६०

+ ३९

३३३) १८३९९(५५

१६६५

१७४९

१६६५

८४ ३३३)५०७०(१५

× ६० ३३३

५०४० १७४०

+ ३० १६६५

५०७० ७५

लग्न साधन में विशेषता

१— पूर्वसाधित भोग्यकाल से इष्टकाल अल्प हो, तो इष्टपल को ३० से गुणकर स्वोदय (सायनसूर्य जिस राशि पर है, उस राशि के स्वदेशीय उदयमान) मान से भाग देकर लब्ध अंशादि फल सूर्य में जोड़ने से लग्न होता है।

२— मध्य रात्रि के पहले लग्नसाधन करना हो तो इष्टकाल में दिनमान घटा कर शेष को इष्टकाल और सूर्य में ६ राशि जोड़ कर उसे सूर्य मानकर पूर्व रीति (भोग्यप्रकार) से लग्न साधन करने से लग्न सिद्ध होगा।

३— मध्यरात्रि के बाद के इष्ट काल को ६० में घटाकर शेष को रात्रि शेष का इष्ट मानकर सूर्य के भुक्तांश द्वारा लग्न साधन करना चाहिये। अर्थात् रात्रिशेष घटी पल के पल में सूर्य का भुक्तकाल घटा कर शेष में गत राशियों (सायन सूर्य जिस राशि पर है उससे पिछली राशि) के स्वोदयमान को घटाने पर शेष को ३० से गुणकर अशुद्ध राशि के स्वोदय मान का भाग दें। लब्ध अंशादि मान को अशुद्ध राशि की संख्या में घटाने से सायन लग्न होगा और उसमें अयनांश घटाने से निरयन लग्न होगा। इसको भुक्त प्रकार कहते हैं।

क्रमश: तीनों स्थितियों के उदाहरण

(१) यदि इष्टघटी २।५ है और सूर्य: ३।७।१९।३५ है। अत: सायन सूर्य: ४।०।३६।५१। पूर्व साधित भोग्यकाल: ३३५।५८।४१। इष्टघटी के पल २ × ६० + ५ = १२५ में भोग्य काल नहीं घटता। अत: इष्ट पल १२५ को ३० से गुणाकर स्वोदयमान ३४३ का भाग दिया:—

१२५
× ३०
३७५०

३४३)३७५०(१०
३४३
३२०
×६०
३४३) १९२००(५५
१७१५
२०५०
१७१५
३३५

३३५
× ६०
३४३) २०१००(५८
१७१५
२९५०
२७४४
२०६

सूर्य ३।७।१९।३५
+ १०।५५।५८
३।१८।१५।३३ = लग्न हुआ

(२) यदि इष्ट काल ३५।२० है तब उसमें दिनमान घ. ३३।१६ घटाने पर शेष घ. २।४ रात्रिगत इष्टकाल होगा। इसको (२।४) इष्टघटी मानकर और सूर्य ३।७।१९।३५ में छ राशि मिलाकर उसे सूर्य ९।७।१९।३५ मान कर भोग्य प्रकार से लग्न साधन करना चाहिये। यथा–

सूर्य ९।७।१९।३५ ३०

अयनांश + २३।१७।१६ –०।३६।५१ इष्ट घटी के पल २×६० + ४=

सा. सू. १०।०।३६।५१ २९।२३।९ भोग्यांश १२० + ४=१२४ इनमें सूर्य के

भोग्यांश पर से साधित काल नहीं घटेगा। अतः उसका साधन यहाँ पर नहीं किया गया है। अब यहाँ प्रथम विशेष नियम के आधार पर इष्ट पल को ३० से गुणाकर २५५ कुंभ के स्वोदयमान का भाग देकर लब्ध अंशादि फल सूर्य में जोड़ने से लग्न हो जायेगा।

(३) भुक्त प्रकार से लग्न साधन का उदाहरणः–

कल्पना किया कि इष्टघटी ५५।१० तथा सायन सूर्य ४।०।३६।५१ पर से भुक्तांश ०।३६।५१ हैं।

०।३६।५१ भुक्तांश
× ३४३ सिं. उ.
०।१२३४८।१७४९३
२१०। २९।१२०
२१०।१२६३९।५४९
१२० ५४०
६३ ९३
६० ६०
३९ ३३

३)२१०।३९।३३(७।१।१९ भुक्तकाल
२१०
३०)३९(१
३०
९
×६०
५४०
+३३
३०)५७३(१९
३०
२७३
२७०
३

६०
–५५।१० इष्ट घटी
४।५० रा.शे.इ.
×६०
२४०
+ ५०
२९० इष्ट पल

२९० इष्टपल
–७।१।१९ भुक्तकाल
२८२।५८।४१

इष्टपल में सूर्य का भुक्तकाल घटाने पर शेष में पिछली राशि का स्वोदयमान नहीं घटता। अत: आगे प्रक्रिया की जाती है।

२८२।५८।४१	क.उ. ३४१)८४८९।२०।३०(२४		
×३०	६८२		१४८२०
८४६०।१७४०।१२३०	१६६९	३४१)१८३२०(५३	+३०
२९। २०।१२०	१३६४	१७०५	३४१)१४८५०(४३
८४८९।१७६०।३०	३०५	१२७०	१३६४
१२०	×६०	१०२३	१२१०
५६०	१८३००	२४७	१०२३
५४०	२०	× ६०	१८७
२०	१८३२०	१४८२०	२४।५३।४३=
४।० अशुद्धराशि			लब्धफल

—२४।५३।४३ लब्धफल

३।५।६।१७

—२३।१७।१६ अयनांश

२।११।४९।१ निरयनलग्न

इस तरह परिस्थितिवश अभीष्ट विधि से लग्न साधन करना चाहिये।

दशमलग्नसाधने नतानयनम्

मध्याह्न के पूर्व इष्टकाल को दिनार्ध में घटाने से पूर्वनत तथा मध्याह्न के बाद इष्टकाल में दिनार्ध घटाने से पश्चिमनत होगा और मध्यरात्रि के पूर्व इष्टकाल में दिनार्ध घटाने से पश्चिमनत तथा मध्यरात्रि के बाद के इष्ट को ६० में घटाकर शेष को दिनार्ध में जोड़ने से पूर्वनत होगा।

अथ दशमलग्नानयनमाह

एवं लंकोदयैर्भुक्तं भोग्यं शोध्यं पलीकृतात्।
पूर्वपश्चान्नतादन्यत् प्रागवत्तद्दशमं भवेत्।।

पूर्वनतकाल को इष्ट घटी मानकर लंकोदय के द्वारा भुक्तप्रकार से साधित लग्न दशमलग्न होगा और पश्चिमनतकाल को इष्ट काल मानकर लंकोदयद्वारा भोग्यप्रकार से साधितलग्न दशमलग्न होगा। साधन विधि लग्न की तरह समझनी चाहिए।

उदाहरण—स्वदेशीय इष्टघटी १६।३०। दिनमान का अर्ध घ. १६।३८। (१६।३८)−(१६।३०)=०।८ पूर्वनत हुआ। यहाँ पर भुक्तप्रकार से दशम लग्न साधन करना चाहिए, परन्तु यहाँ पर पूर्वनत घ. ०।८ है। अर्थात् केवल प. ८ होने से सूर्य का भुक्त काल इसमें नहीं घट सकेगा। अतः ८ पल को ३० से गुण कर सायन सूर्य के लंकोदय मान से भागने पर लब्ध अंशादि मान को सूर्य में घटाने से दशम लग्न होगा।

```
        ८
      ×३०
२९९)२४० (०
     ×६०
२९९)१४४०० (४८
    ११९६
    २४४०
    २३९२
      ४८
     ×६०
२९९)२८८०(९
    २६९१
     १८९
```

सायन सूर्य ४।०।३६।५१ है। अतः ५ राशि का लंकोदय मान २९९ होगा।

सूर्यः ३।७।१९।३५
−०।४८।१० लब्धफल अंशादि
३।६।३१।२५ दशम लग्नम्

लग्न में ६ राशि मिलाने से सप्तम भाव होता है और दशम में ६ राशि मिलाने से चतुर्थ भाव होता है। अतः लग्न (६।५।३७।५९) + (६।०।०।०)=०।५।३७।५९ सप्तम भाव हुआ।

(३।६।३१।२५) + ६।०।०।०=९।६।३१।२५ चतुर्थ भाव हुआ।

चतुर्थ भाव में लग्न घटाकर शेष में ६ का भाग देने से लब्ध को लग्न में जोड़ने पर ल   गंधि होगी और संधि में लब्ध को जोड़ने से द्वितीय भाव होगा। ऐसे ही आगे जोड़ने पर चतुर्थ पर्यन्त ससंधिभाव होंगे।

पूर्वोक्त लब्ध को १ में घटा कर शेष को चतुर्थभावादि में जोड़ने से ससंधि चतुर्थ से सप्तम भाव तक भाव होंगे और लग्नादि ससंधि ६ भावों में ६ राशि जोड़ने पर सप्तम भाव से द्वादश भाव ससंधि सिद्ध होंगे।

चतुर्थ भाव ९।६।३१।२५
लग्न — ६।५।३७।५९
३।०।५३।२६
× ३०
६) ९०।५३।२६(१५
९०
६) ५३(८
४८
५
× ६०
३००
+ २६
६) ३२६(५४
३०
२६ लब्ध अंशादि १५।८।५४।२०
२४
२

२
× ६०
६) १२०(२०
१२०
×

लग्न	६।५।३७।५९
	+ १५।८।५४।२०
संधि	६।२०।४६।५३।२०
	+ १५। ८।५४।२०
द्वि. भा.	७। ५।५५।४७।४०
	+ १५। ८।५४।२०
संधि	७।२१। ४।४२। ०
	+ १५। ८।५४।२०
तृ.भा.	८। ६।१३।३६।२०
	+ १५। ८।५४।२०
संधि	८।२१।२२।३०।४०
	+ १५। ८।५४।२०
च. भा.	९। ६।३१।२५। ०

१।
—१५। ८।५४।२०
०।१४।५१।५ ।४०

च. भा.	९। ६।३१।२५
	+ १४।५१। ५।४०
सं.	+ ९।२१।२२।३०।४०
	१४।५१। ५।४०
पं. भा.	१०। ६।१३।३६।२०
	+ १४।५१। ५।४०
सं.	१०।२१। ४।४२। ०
	+ १४।५१। ५।४०
ष. भा.	११। ५।५५।४७।४०
	+ १४।५१। ५।४०
सं.	११।२०।४६।५३।२०
	+ १४।५१। ५।४०
स. भा.	०। ५।३७।५९। ०

ससंधयो द्वादश भावाः

१	०	२	०	३	०	४	०	५	०	६	०
६	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११
५	२०	५	२१	६	२१	६	२१	६	२१	५	२०
३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	२२	१३	४	५५	४६
५९	५३	४७	४२	३६	३०	२५	३०	३६	४२	४७	५३
०	२०	४०	०	२०	४०	०	४०	२०	०	४०	२०
७	०	८	०	९	०	१०	०	११	०	१२	०
०	०	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५
५	२०	५	२१	६	२१	६	२१	६	२१	५	२०
३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	२२	१३	४	५५	४६
५९	५३	४७	४२	३६	३०	२५	३०	३६	४२	४७	५३
०	२०	४०	०	२०	४०	०	४०	२०	०	४०	२०

लग्न को कुंडली में प्रथम स्थान में रखकर तदनन्तर आगे की राशियों को क्रमशः रखकर ग्रहों को तत्तद् राशि में रखने से जन्म कुंडली बनती है।

अथ जन्माङ्गचक्रम्

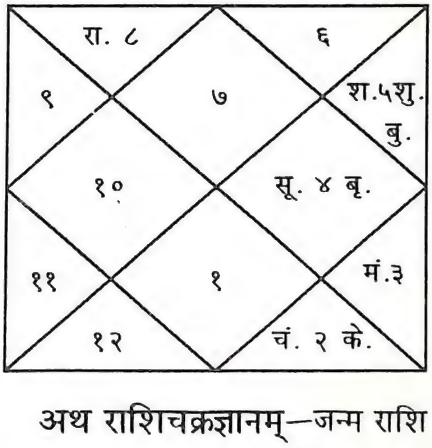

अथ राशि चक्रम्

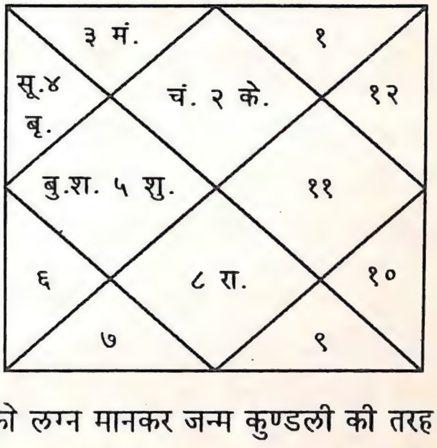

अथ राशिचक्रज्ञानम्—जन्म राशि को लग्न मानकर जन्म कुण्डली की तरह १२ भाव तथा तत्तद् भाव में ग्रह का विन्यास करने से चन्द्र कुण्डली बनती है।

अथ चलितचक्रविचारः—

ग्रह अपने भाव की गत संधि से अधिक तथा एष्य संधि से अल्प हो तो उसी भाव में रहेगा। यदि गत संधि से अल्प हो तो पिछले भाव में ग्रह जायेगा और

एष्य संधि से अधिक हो तो अगले भाव में ग्रह जायेगा। इस तरह ग्रहों का विन्यास करने पर चलित कुण्डली बनती है। यथा सूर्य १० भाव में है। सूर्य ३।७।१९।३५ तथा दशम भाव ३।६।३१।२५ है।[1] सूर्य दोनों (गत तथा एष्य) संधियों के मध्य में है। अतः उसी भाव में रहेगा।

अथ चलितचक्रम्

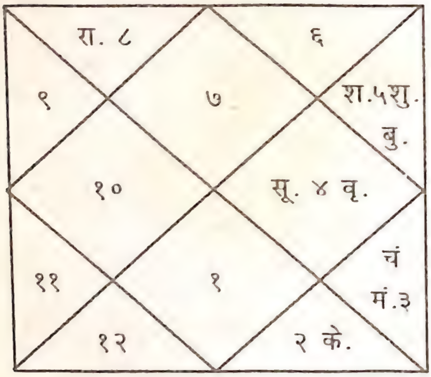

चन्द्र १।२९।२५।४१ अष्टम भाव १।५५।५।४७।४० अष्टभाव की एष्य संधि १।२१।४।४२ यहाँ चन्द्र अष्टम भाव की एष्य संधि से अधिक है। अतः नवम् भाव में जायेगा। इस प्रकार अन्य ग्रहों का भी विचार करना चाहिए।

विंशोपकबलानयनम्:—

ग्रह तथा संधि के अन्तर को २० से गुणाकर भाव तथा संधि के अन्तर से भाग देने से विंशोपक बल मिलता है।

सूर्य ३।७।१९।३५ दशमभाव ३।६।३१।२५ संधि ३।२१।२२।३०॥ (३।२१।२२।३०)–(३।७।१९।३५)=०।१४।२।५५॥ (१४।२।५५)× २०= २८०।५८।२० एक जातीय १०११५००।

(३।२१।२२।३०)–(३।६।३१।२५)=०।१४।५१।५ एक जातीय किया तब ५३४६५ इतना हुआ। पूर्वसाधित एक जातीय राशि में इसका भाग देने से लब्ध १८।५४ सूर्य का विंशोपक हुआ। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी साधन करना चाहिये।

१—भाव के समान ग्रह रहने से पूर्ण फल होगा और संधि के समान रहने से ग्रह निष्फल रहेगा। भाव तथा संधि के बीच में रहने से अनुपात द्वारा उसका विंशोपक बल लाया जाता है।

अथ षड्वर्गविचार:—

गृहं होरा च द्रेष्काणो नवांशो द्वादशांशक:।
त्रिंशांशश्चेति[1] षड्वर्गास्ते सौम्यग्रहजा: शुभा:।।

गृह, होरा, द्रेष्काण, नवमांश, द्वादशांश तथा त्रिंशांश का षड्वर्ग में समावेश होता है। सप्तक वर्ग के लिये सप्तमांश विशेष रहता है।

अथादौ होराविचार:—

त्रिंशद्भागात्मकं लग्नं होरा तस्यार्धमुच्यते।
मार्तण्डेन्द्वोरयुजि समभे चन्द्रभान्वोश्च होरे।।

एक राशि में दो होरा पंद्रह-पंद्रह अंश की होती है। विषम राशि में प्रथम सूर्य तथा द्वितीय चंद्र की होरा रहती है। समराशि में प्रथम चंद्र तथा द्वितीय सूर्य की होरा रहती है।

तुला जन्म लग्न राशि विषम है और १५ अंश से स्वल्प है। अत: लग्न में सूर्य की होरा रहेगी। होरा चक्र में केवल दो ही राशि रहती हैं- सिंह तथा कर्क। अत: सिंह राशि लग्न होगी तब कर्क उसके संमुख रहेगी।

सूर्य कर्क राशि के १५ अंश से अल्प है। अत: समराशि की पहली होरा कर्क राशि में सूर्य रहेगा और चन्द्र वृषभ राशि के उत्तरार्ध में है अत: समराशि की दूसरी होरा सिंह में चन्द्र रहेगा। इस तरह अन्य ग्रहों का भी विन्यास करना चाहिये।

अथ द्रेष्काणविचार:—

दृक्काणा: स्यु: स्वभवनसुतत्रित्रिकोणाधिपानाम्।।

एक राशि के तृतीयांश को द्रेष्काण कहते हैं। अर्थात् एक राशि में ३ द्रेष्काण रहते हैं। एक एक द्रेष्काण दस-दस अंश का रहेगा। उनमें प्रथम द्रेष्काण उसी राशि का दूसरा उससे पंचम राशि का तथा तीसरा दूसरे से पंचम राशि का रहता है। अर्थात् तीनों द्रेष्काण एक से पंचम राशि के रहते हैं।

१--षड्वर्गसाधक कोष्ठक तथा तदनुसार प्रकृत उदाहरण की कुंडलियां आगे दी गयी हैं।

जन्म लग्न तुला राशि के प्रथम दस अंश में है। अतः लग्न का द्रेष्काण तुला राशि रहेगी।

सूर्य ३।७।१९।३५ है। यह प्रथम में है। अतः ४ राशि के द्रेष्काण में सूर्य रहेगा। चन्द्र १।२९।२५।४१ वृषभ के तीसरे द्रेष्काण (वृषभ से नवम राशि) में १० राशि का रहेगा। इसी प्रकार और ग्रहों का भी साधन करना चाहिये।

अथ सप्तमांशविचार:—

ओजे नगांशा: निजराशित: स्यु: युग्मे ततो द्यूनगृहाद्भवन्ति।

३० अंश में ७ का भाग देने से अंशादि ४।१७।८। फल प्राप्त होता है। अतः ४।१७ का एक एक भाग मानकर सात खण्ड किये उनमें विषम राशि में प्रथमादि खण्ड अपनी राशि से प्रारंभ होता है। और समराशि में प्रथमादि खंड अपनी राशि से सप्तम राशि से प्रारंभ होता है।

लग्न ६।५।३७।५९ है। तुला के दूसरे सप्तमांश में आता है। अतः लग्न का सप्तमांश वृश्चिक हुआ। सूर्य: ३।७।१९।३५ है। यह कर्क के दूसरे सप्तमांश में है। अतः सूर्य का सप्तमांश (कर्क से सप्तम मकर राशि और इससे दूसरा सप्तमांश) ११ राशि हुआ। चन्द्र १।२९।२५।४१ है। अतः चन्द्र का सप्तामांश (वृषभ से सप्तम वृश्चिक राशि और उससे सातवाँ सप्तमांश) वृषभ का अन्तिम वृषभ ही हुआ। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी जान लेना चाहिये।

अथ नवांशविचार:—

मेषादिष्वजनक्रतौलिककुलीराद्या नवांशा: क्रमात्।

३० अंश में ९ का भाग देने से अंशादि ३।२० फल प्राप्त होता है। इसी फल तुल्य एक राशि में ९ खण्ड होंगे। मेष, सिंह, धनु राशि में नवमांश का प्रारंभ मेष से होगा। वृषभ, कन्या, मकर राशि में नवमांश का प्रारंभ मकर से मिथुन, तुला, कुंभ, राशि में नवमांश का प्रारंभ तुला से तथा कर्क, वृश्चिक, मीन राशि में नवमांश का प्रारंभ कर्क से होगा।

लग्न ६।५।३७।५९ है। यह तुला के २ नवमांश में पड़ा। अतः लग्न का नवमांश वृश्चिक हुआ। सूर्य ३।७।१९।३५ है। यह कर्क के ३ नवमांश में पड़ा। अतः कन्या के नवमांश में सूर्य है। तथा चन्द्र १।२९।२५।४१ है।

यह वृषभ के अन्तिम नवमांश में है। अतः चन्द्र वृषभ में मकरादि से गिनने पर नवम कन्या के नवमांश में है। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी समझ लेना चाहिये।

अथ द्वादशांशसाधनम्:—

स्युर्द्वादशांशा निजभाद्विचिन्त्या:।

३० अंशों में १२ का भाग देने से अंशादि २।३० फल प्राप्त होता है। अर्थात् एक राशि में २।३० अंशादिफलतुल्य १२ विभाग रहेंगे। उनमें अपनी राशि से ही द्वादशांश का प्रारंभ होता है।

लग्न ६।५।३७।५९ है। यह तुला राशि के ३ रे द्वादशांश में धनु राशि का हुआ। अतः लग्न का द्वादशांश धनु राशि हुई। सूर्य ३।७।३५ कर्क राशि के ३ रे द्वादशांश में कन्या राशि का है। अतः सूर्य कन्या के द्वादशांश का हुआ। चंद्र १।२९।२५।४१ वृषभ राशि के अन्तिम द्वादशांश मेष का है। अतः चंद्र मेष राशि के द्वादशांश में रहेगा। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी समझना चाहिये।

अथ त्रिंशांशविचार:—

कुजयमजीवज्ञसिता: पंचेन्द्रियवसुमुनीन्द्रियांशानाम्।
अयुजि युजि तु भे विपर्ययस्था:।।

विषम राशि में ५, ५, ८, ७, ५ इन अंशों के पांच खण्ड त्रिशांश में होते हैं। इन खण्डों के स्वामी क्रमशः मंगल, शनि, गुरु, बुध तथा शुक्र हैं और सम राशि में इनके विपरीत खण्ड तथा स्वामी रहते हैं। अर्थात् ५।७।८।५।५ इन खण्डों के क्रमशः शुक्र, बुध, गुरु, शनि तथा मंगल स्वामी होते हैं। खण्ड स्वामियों की दो-दो राशियां होती हैं। अतः विषम राशि में उस ग्रह की विषम राशि का त्रिंशांश होगा और सम राशि में उस ग्रह की सम राशि का त्रिंशांश होगा।

लग्न ६।५।३७।५९ विषम राशि के दूसरे खण्ड (शनि) में हैं। अतः शनि की विषम राशि ११ लग्न की त्रिशांश हुई। सूर्य ३।७।१९।३५ सम राशि के दूसरे खण्ड (बुध) में है। अतः बुध की सम राशि ६ सूर्य त्रिशांश हुई। तथा चन्द्र १।२९।२५।४१ सम राशि के अन्तिम खण्ड (मंगल) के त्रिशांश में है। अतः मंगल की सम राशि ८ चन्द्र की त्रिशांश हुई। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी त्रिशांश होगा।

अथ होराचक्रम्

अथ द्रेष्काणचक्रम्

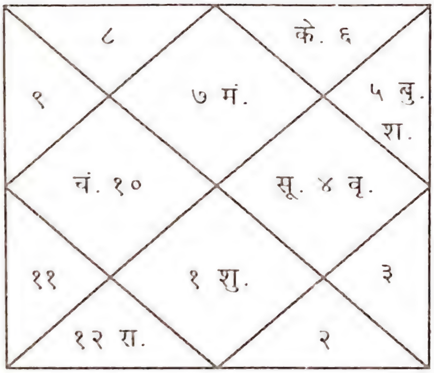

अथ सप्तमांशचक्रम्

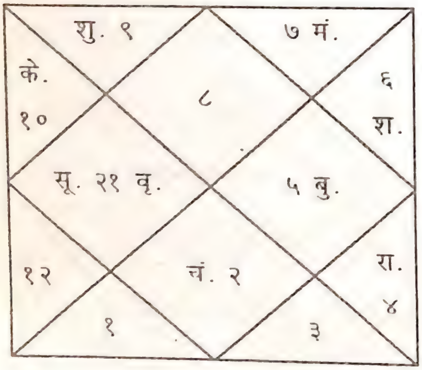

अथ नवमांशचक्रम्

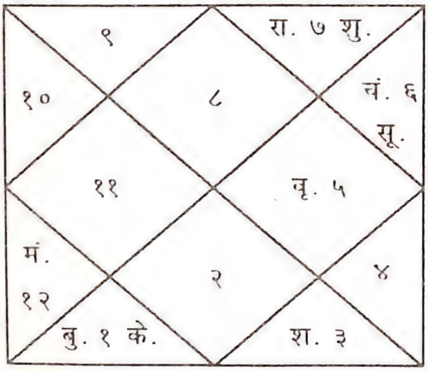

अथ द्वादशांशचक्रम्

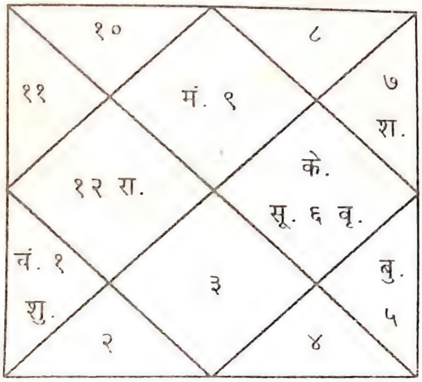

अथ त्रिंशांशचक्रम्

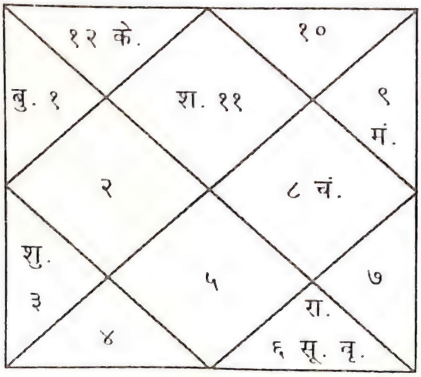

अथ षड्वर्गसाधनकोष्ठकाः

	अंश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
होराचक्रम्	१–१५	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.
	१६–३०	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.
द्रेष्काण चक्रम्	१–१०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
	११–२०	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४
	२१–३०	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८
सप्तमांश चक्रम्	४–१७	१ मं.	२ मं.	३ बु.	१० श.	५ र.	१२ वृ.	७ शु.	२ शु.	९ वृ.	४ चं.	१२ श.	६ बु.
	८–३४	२ शु.	९ वृ.	४ चं.	११ श.	६ बु.	१ मं.	८ मं.	३ बु.	१० श.	५ र.	१२ बु.	७ शु.
	१२–५१	३ बु.	१० श.	५ र.	१२ वृ.	७ शु.	२ शु.	९ वृ.	४ चं.	११ श.	६ बु.	१ मं.	८ मं.
	१७–९	४ चं.	११ श.	६ बु.	१ मं.	८ मं.	३ बु.	१० श.	५ र.	१२ वृ.	७ शु.	२ शु.	९ वृ.
	२१–२६	५ र.	१२ वृ.	७ शु.	२ शु.	९ वृ.	४ चं.	११ श.	६ बु.	१ मं.	८ मं.	३ बु.	१० श.
	२५–४३	६ बु.	१ मं.	८ मं.	३ बु.	१० श.	५ र.	१२ वृ.	७ शु.	२ शु.	९ वृ.	४ चं.	११ श.
	३०–०	७ शु.	२ शु.	९ वृ.	४ चं.	११ श.	६ बु.	१ मं.	८ मं.	३ बु.	१० श.	५ र.	१२ वृ.

नवमांशचक्रम्

राशि	३–२०	६–४०	१०	१३–२०	१६–४०	२०	२३–२०	२६–४०	३०
मेष, सिंह, धनु	१	२	३	४	५	६	७	८	९
वृषभ, कन्या, मकर	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६
मिथुन, तुला, कुंभ	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३
कर्क, वृश्चिक, मीन	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२

ओज त्रिंशांश युग्म त्रिंशांश

त्रिंशांश चक्रम्	ओज	५	५	८	७	५	युग्म	५	७	८	५	५
	अं.	५	१०	१८	२५	३०	अं.	५	१२	२०	२५	३०
	ग्र.	मं.	श.	वृ.	बु.	शु.	ग्र.	शु.	बु.	वृ.	श.	मं.
	रा.	१	११	९	३	७	रा.	२	६	१२	१०	८

द्वादशांशचक्रम्

२—३०	१ मं.	२ शु.	३ बु.	४ चं.	५ र.	६ बु.	७ शु.	८ मं.	९ वृ.	१० श.	११ श.	१२ वृ.
५—०	२ शु.	३ बु.	४ चं.	५ र.	६ बु.	७ शु.	८ मं.	९ वृ.	१० श.	११ श.	१२ वृ.	१ मं.
७—३०	३ बु.	४ चं.	५ र.	६ बु.	७ शु.	८ मं.	९ वृ.	१० श.	११ श.	१२ वृ.	१ मं.	२ शु.
१०—०	४ चं.	५ र.	६ बु.	७ शु.	८ मं.	९ वृ.	१० श.	११ श.	१२ वृ.	१ मं.	२ शु.	३ बु.
१२—३०	५ सू.	६ बु.	७ शु.	८ मं.	९ वृ.	१० श.	११ श.	१२ वृ.	१ मं.	२ शु.	३ बु.	४ चं.
१५—०	६ बु.	७ शु.	८ मं.	९ वृ.	१० श.	११ श.	१२ वृ.	१ मं.	२ शु.	३ बु.	४ चं.	५ र.
१७—३०	७ शु.	८ मं.	९ वृ.	१० श.	११ श.	१२ वृ.	१ मं.	२ शु.	३ बु.	४ चं.	५ र.	६ बु.
२०—०	८ मं.	९ वृ.	१० श.	११ श.	१२ वृ.	१ मं.	२ शु.	३ बु.	४ चं.	५ र.	६ बु.	७ शु.
२२—३०	९ वृ.	१० श.	११ श.	१२ वृ.	१ मं.	२ शु.	३ बु.	४ चं.	५ र.	६ बु.	७ शु.	८ मं.
२५—०	१० श.	११ श.	१२ वृ.	१ मं.	२ शु.	३ बु.	४ चं.	५ र.	६ बु.	७ शु.	८ मं.	९ वृ.
२७—३०	११ श.	१२ वृ.	१ मं.	२ शु.	३ बु.	४ चं.	५ र.	६ बु.	७ शु.	८ मं.	९ वृ.	१० श.
३०—०	१२ वृ.	१ मं.	२ शु.	३ बु.	४ चं.	५ र.	६ बु.	७ शु.	८ मं.	९ वृ.	१० श.	११ श.

दशवर्ग साधन

सप्तक वर्ग में दशांश, षोडशांश तथा षष्ट्यंश जोड़ने से दस वर्ग बनते हैं।

दशांश साधन

विषम राशि में अपनी राशि से तथा सम राशि में अपने से नवमी राशि से दशांश के स्वामी समझना चाहिये। एक दशांश में ३ अंश रहते हैं।

सूर्य ३।७।१९।३५ है। अत: यह कर्क के तीसरे वृषभ के दशांश में है।

षोडशांश

चर राशि में मेष से, स्थिर राशि में सिंह से तथा द्विस्वभाव राशि में धनु से षोडशांश का प्रारंभ होता है। एक षोडशांश १ अंश ५२ कला १६ विकला का रहता है। कोष्ठकानुसार सूर्य ३।७।१९।३५ कर्क के षोडशांश में है।

षष्ट्यंश

३० कला का एक षष्ट्यंश रहता है। अतः ग्रह की राशि को छोड़कर अंश को द्विगुणित करके कला में ३० का भाग देकर लब्धि को उसमें मिला दें। यह लब्ध संख्या गत षष्ट्यंश होगी। उसमें एक मिलाने से वर्तमान षष्ट्यंश होता है। षष्ट्यंश के ६० देवता पठित हैं। विषम राशि के देवता के क्रम को उलट देने से सम राशि के षष्ट्यंश के देवता होते हैं।

अभीष्ट षष्ट्यंश की राशि जानने के लिये १२ से भाग देकर शेष राशि अभीष्ट षष्ट्यंश की होगी। राशि गणना का प्रारंभ स्वराशि से ही होता है।

सूर्य ३।७।१९।३५।।७×२२=१४। कला ३० से कम है। अतः १४ गत षष्ट्यंश हुआ। उसमें १ जोड़ने से वर्तमान १५ या मृद्वंश षष्ट्यंश तथा राशि वृषभ हुई। इसके ज्ञान के लिये कोष्ठक दिया गया है। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का समझना चाहिये।

दशांशचक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	ग.	कुं.	मी.	अंश
१	१०	३	१२	५	२	७	४	९	६	११	८	३
२	११	४	१	६	३	८	५	१०	७	१२	९	६
३	१२	५	२	७	४	९	६	११	८	१	१०	९
४	१	६	३	८	५	१०	७	१२	९	२	११	१२
५	२	७	४	९	६	११	८	१	१०	३	१२	१५
६	३	८	५	१०	७	१२	९	२	११	४	१	१८
७	४	९	६	११	८	१	१०	३	१२	५	२	२१
८	५	१०	७	१२	९	२	११	४	१	६	३	२४
९	६	११	८	१	१०	३	१२	५	२	७	४	२७
१०	७	१२	९	२	११	४	१	६	३	८	५	३०

षोडशांशचक्रम्

	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	ब्र.	वि.	ह.	सू.	ब्र.	वि.	ह.	सू.	ब्र.	वि.	ह.	सू.	ब्र.	वि.	ह.	सू.
	१ ५२ ३०	३ ४५ ०	५ ३७ ३०	७ ३० ०	९ २२ ३०	११ १५ ०	१३ ७ ३०	१५ ० ०	१६ ५२ ३०	१८ ४५ ०	२० ३७ ३०	२२ ३० ०	२४ २२ ३०	२६ १५ ०	२८ ७ ३०	३० ० ०
मे.	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४
वृ.	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८
मि.	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
क.	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४
सिं.	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८
क.	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
तु.	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४
वृ.	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८
ध.	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
ग.	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४
कुं.	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८
मी.	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२

अथ षष्ट्यंशचक्रम्

	मे.	मि.	सिं.	तु.	ध.	कु.	वृ.	क.	क.	वृ.	म.	मी.	
१ घोरांश	१	३	५	७	९	११	२	४	६	८	१०	१२	इन्दुरेखांश
२ राक्षसांश	२	४	६	८	१०	१२	१	३	५	७	९	११	भ्रमणांश
३ देवांश	३	५	७	९	११	१	१२	२	४	६	८	१०	पयोध्यंश
४ कुबेरांश	४	६	८	१०	१२	२	११	१	३	५	७	९	सुधांश
५ यक्षोगणांश	५	७	९	११	१	३	१०	१२	२	४	६	८	शीतलांश
६ किन्नरांश	६	८	१०	१२	२	४	९	११	१	३	५	७	अशोभनांश
७ भ्रष्टांश	७	९	११	१	३	५	८	१०	१२	२	४	१	शुभाकरांश
८ कुलघ्नांश	८	१०	१२	२	४	३	७	९	११	१	३	५	निर्मलांश
९ गरलांश	९	११	१	३	५	७	६	८	१०	१२	२	४	दंडायुधांश
१० अग्न्यांश	१०	१२	२	४	६	८	५	७	९	११	१	६	कालाग्न्यंश
११ मायांश	११	९	३	५	७	९	४	६	८	१०	१२	२	प्रवीणांश
१२ प्रेतपुरीशांश	१२	२	४	६	८	१०	३	५	७	९	११	१	इन्दुमुखांश
१३ वरुणांश	१	३	५	७	९	११	२	४	६	८	१०	१२	द्रंष्ट्राकरालांश
१४ देवगणेशांश	२	४	६	८	१०	१२	१	३	५	७	९	११	शीतलांश
१५ कालांश	३	५	७	९	११	१	१२	२	४	३	८	१०	मृद्वंश
१६ अहिभागांश	४	६	८	१०	१२	२	११	१	३	५	७	९	सौभ्यांश
१७ अमृतांश	५	७	९	११	१	३	१०	१२	२	४	६	८	कालांश
१८ चन्द्रांश	६	८	१०	१२	२	४	९	११	१	३	५	७	पातकांश
१९ मृद्वंश	७	९	११	१	३	५	८	१०	१२	२	४	६	वंशक्षयांश
२० कोमलांश	८	१०	१२	२	४	६	७	९	११	१	३	५	कुलघ्नांश
२१ पद्मभागांश	९	११	१	३	५	७	६	८	१०	१२	२	४	निषयप्रदग्धांश
२२ लक्ष्मीशांश	१०	१२	२	४	६	८	५	७	९	११	१	६	परिपूर्णचंद्रांश
२३ वागीशांश	११	१	३	५	७	९	४	६	८	१०	१२	२	अमृतांश
२४ दिग्वरांश	१२	२	४	६	८	१०	३	५	७	९	११	१	सुधांश
२५ देवांश	१	३	५	७	९	११	२	४	६	८	१०	१२	कंटकांश
२६ आर्द्रांश	२	४	६	८	१०	१२	१	३	५	७	९	११	आमयांश
२७ कलिनाशांश	३	५	७	९	११	१	१२	२	४	६	८	१०	घोरांश
२८ क्षितीश्वरांश	४	६	८	१०	१२	२	११	१	३	५	७	९	दावाग्न्यंश
२९ कमलाकरांश	५	७	९	११	१	३	१०	१२	२	४	६	८	कालांश

अथ षष्ट्यंशचक्रम्

	मे.	मि.	सिं.	तु.	ध.	कु.	वृ.	क.	क.	वृ.	म.	मी.	
३० मंदात्मजांश	६	८	१०	१२	२	४	९	११	१	३	५	७	मृत्युकरांश
३१ मृत्युकरांश	७	९	११	१	३	५	८	१०	१२	२	४	६	मंदात्मजांश
३२ कालांश	८	१०	१२	२	४	६	७	९	११	१	३	५	कमलाकरांश
३३ दावाग्न्यंश	९	११	१	३	५	७	६	८	१०	१२	२	४	क्षितीश्वरांश
३४ घोरांश	१०	१२	२	४	६	८	५	७	९	११	१	३	कलिनाशांश
३५ आमयांश	११	१	३	५	७	९	४	६	८	१०	१२	२	आर्द्रांश
३६ कंटकांश	१२	२	४	६	८	१०	३	५	७	९	११	१	देवांश
३७ सुधांश	१	३	५	७	९	११	२	४	६	८	१०	१२	दिग्वरांश
३८ अमृतांश	२	४	६	८	१०	१२	१	३	५	७	९	११	वागीशांश
३९ परिपूर्णचंद्रांश	३	५	७	९	११	१	१२	२	४	६	८	१०	लक्ष्मीशांश
४० विषप्रदग्धांश	४	६	८	१०	१२	२	११	१	३	५	७	९	पद्मभागांश
४१ कुलघ्नांश	५	७	९	११	१	३	१०	१२	२	४	६	८	कोमलांश
४२ वंशक्षयांश	६	८	१०	१२	२	४	९	११	१	३	५	७	मृद्वंश
४३ पातकांश	७	९	११	१	३	५	८	१०	१२	२	४	६	चन्द्रांश
४४ कालांश	८	१०	१२	२	४	६	७	९	११	१	३	५	अमृतांश
४५ सौम्यांश	९	११	१	३	५	७	६	८	१०	१२	२	४	अहिमागांश
४६ मृद्वंश	१०	१२	२	४	६	८	५	७	९	११	१	३	कालांश
४७ शीतलांश	११	१	३	५	७	९	४	६	८	१०	१२	२	देवगणेशांश
४८ दंष्ट्राकरालांश	१२	२	४	६	८	१०	३	५	७	९	११	१	वरुणांश
४९ इन्दुमुखांश	१	३	५	७	९	११	२	४	६	८	१०	१२	प्रेतपुरीशांश
५० प्रवीणांश	२	४	६	८	१०	१२	१	३	५	७	९	११	मायांश
५१ कालाग्न्यंश	३	५	७	९	११	१	१२	२	४	६	८	१०	अग्न्यंश
५२ दंडायुधांश	४	६	८	१०	१२	२	११	१	३	५	७	९	गरलांश
५३ निर्मलांश	५	७	९	११	१	३	१०	१२	२	४	६	८	कुलघ्नांश
५४ शुभाकरांश	६	८	१०	१२	२	४	९	११	१	३	५	७	भ्रंष्टांश
५५ अशोभनांश	७	९	११	१	३	५	८	१०	१२	२	४	६	किन्नरांश
५६ शीतलांश	८	१०	१२	२	४	६	७	९	११	१	३	५	यक्षोगणांश
५७ सुधांश	९	११	१	३	५	७	६	८	१०	१२	२	४	कुबेरांश
५८ पयोध्यंश	१०	१२	२	४	६	८	५	७	९	११	१	३	देवांश
५९ भ्रमणांश	११	१	३	५	७	९	४	६	८	१०	१२	२	राक्षसांश
६० इन्दुरेखांश	१२	२	४	६	८	१०	३	५	७	९	११	१	घोरांश

षड्वर्गकोष्ठक:

	अंश	२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२५	२५	२६	२७	३०
	कला	३०	३०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
	विकला	०	०	८	०	०	०	१७	०	०	०	२५	०	०	०	३४	०	०	०	४२	०	०	०	५१	०	०	०
० मेष	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	१	१	१	१	१	१	१	१	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	९	९	९	९	९	९	९	९
	स.	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	१	२	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	११	१२
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
१ वृषभ	हो.	४	४	४	४	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	२	२	२	२	२	२	२	२	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०
	स.	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	२	३	३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
२ मिथुन	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	३	३	३	३	३	३	३	३	७	७	७	७	७	७	७	७	७	७	११	११	११	११	११	११	११	११
	स.	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९
	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	१	२
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७

षड्वर्गकोष्ठक:

	अंश	२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	३०
	कला	३०	२०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
	विकला	०	०	८	०	०	०	१७	०	०	०	२५	०	०	०	३४	०	०	०	४२	०	०	०	५१	०	०	०
३ कर्क	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	४	४	४	४	४	४	४	४	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
	स.	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४
	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	४	५	५	५	६	६	७	७	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	२	२	२	३
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
४ सिंह	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	५	५	५	५	५	५	५	५	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	१	१	१	१	१	१	१	१
	स.	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	५	६	६	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१	१	२	२	३	३	३	४
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
५ कन्या	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	६	६	६	६	६	६	६	६	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२	२	२	२	२	२	२	२
	स.	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	६	७	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	२	२	३	३	४	४	४	५
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८

षड्वर्गकोष्ठक:

	अंश	२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२५	२५	२६	२७	३०
	कला	३०	२०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
	विकला	०	०	८	०	०	०	१७	०	०	०	२५	०	०	०	३४	०	०	०	४२	०	०	०	५१	०	०	०
६ तुला	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	७	७	७	७	७	७	७	७	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	३	३	३	३	३	३	३	३
	स.	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१
	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५	५	६
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
७ वृश्चिक	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	८	८	८	८	८	८	८	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	४	४	४	४	४	४	४	४
	स.	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८
	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	८	९	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
८ धनु	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	५	५	५	५	५	५	५	५
	स.	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७

षड्वर्ग कोष्ठक:

	अंश	२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२५	२५	२६	२७	३०
	कला	३०	२०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
	विकला	०	०	८	०	०	०	१७	०	०	०	२५	०	०	०	३४	०	०	०	४२	०	०	०	५१	०	०	०
९ मकर	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	६	६	६	६	६	६	६	६
	स.	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	१०	११	११	११	१२	१२	१	१	२	२	३	३	३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	८	८	८	९
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
१० कुंभ	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	११	११	११	११	११	११	११	११	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	७	७	७	७	७	७	७	७
	स.	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५
	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	११	१२	१२	१२	१	१	२	२	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६	७	७	८	८	९	९	९	१०
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
११ मीन	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	८	८	८	८	८	८	८	८
	स.	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२
	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	१२	१	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	१०	११
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८

अथ नैसर्गिकमित्रामित्रादिकमाह–

शत्रु मन्दसितौ समश्च शशिजो मित्राणि शेषा रवे: ।
तीक्ष्णांशुर्हिमरश्मिजश्च सुहृदौ शेषा: समा: शीतगो: ।
जीवेन्दूष्णकरा: कुजस्य सुह्दो ज्ञोऽरि: सितार्की समौ
मित्रे सूर्यसितौ बुधस्य हिमगु: शत्रु: समाश्चापरे ।।
सूरे: सौम्यसितावरी रविसुतो मध्योऽपरेत्वन्यथा
सौम्यार्की सुहृदौ समौ कुजगुरू शुक्रस्य शेषावरी ।
शुकज्ञौ सुहृदौ सम: सुरगुरु: सौरस्य चान्येऽरय:
तत्काले च दशायबन्धुसहजस्वान्त्येषु मित्रं स्थिता: ।।

मित्र	शत्रु	सम
रवि–गुरु, मंगल, चन्द्र	शनि, शुक्र	बुध,
चन्द्र–सूर्य, बुध,	राहु,	मंगल, गुरु, शुक्र, शनि,
मंगल–रवि, चन्द्र, गुरु,	बुध,	शुक्र, शनि
बुध–रवि, शुक्र	चन्द्र	मंगल, गुरु, शनि
गुरु–रवि, चन्द्र, मंगल	बुध, शुक्र,	शनि,
शुक्र–शनि, बुध	रवि, चन्द्र	मंगल, गुरु,
शनि–शुक्र, बुध	रवि, चन्द्र, मंगल	गुरु,
राहु–शनि, बुध, शुक्र	रवि, चन्द्र, मंगल	गुरु,

केतु के मित्र शत्रु राहु की तरह समझना चाहिये।

नैसर्गिक मैत्री के अतिरिक्त तात्कालिक मैत्री भी होती है। तात्कालिक मैत्री में अपने (ग्रह जिस स्थान में है) स्थान से २, ३, ४, १०, ११, १२ इन स्थान में रहने वाला ग्रह मित्र होता है। और १, ५, ६, ७, ८, ९, इन स्थान में रहने वाला ग्रह शत्रु होता है।

पंचधा मैत्री विचार: :–

नैसर्गिक तथा तात्कालिक मैत्री के संमिश्रण से पंचधा मैत्री बनती है। वह इस प्रकार होगी–

नैसर्गिक	तात्कालिक	पञ्चधामैत्री
मित्र	मित्र	अधिमित्र
सम	मित्र	मित्र
मित्र वा शत्रु	शत्रु वा मित्र	सम
शत्रु	शत्रु	अधिशत्रु
सम	शत्रु	शत्रु

प्रकृत उदाहरण के अनुसार पञ्चधा मैत्री इस प्रकार होगी।

अथ पञ्चधामैत्रीचक्रम्—

र.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	
मं. चं.	र. बु.	र. चं. वृ	र. रा.	चं. मं.	रा.	रा.	श. बु. शु.	अधिमित्र
बु.	मं वृ. शु. श.	शु. श.	मं. वृ.	श.	मं. वृ.	वृ.		मित्र
बृ. शु. श.		बु.	शु. चं.	र. बु. शु.	श. बु. र.चं.	शु.बु. र.चं. मं.		सम
			श.				बृ.	शत्रु
रा.	रा.	रा.		रा.			र. चं. मं.	अधिशत्रु

अथ सप्तवर्गबलविचार:—

अथोच्यते सप्तकवर्गचक्रं खगामिनां तद्बलसाधनार्थम्।
बलं विना खेटफलं न वक्तुं भावादिजातं च नर: क्षम: स्यात्।।

सप्तक वर्ग के बल ज्ञान के बिना ग्रह जनित शुभा-शुभ फल का विवेक नहीं हो सकता। अत: उस बल का साधन किया जाता है।

सप्तक वर्ग के बल साधन के लिये आगे दिये गये प्रकृत उदाहरण के कोष्ठक से सप्तक वर्ग बल साधन का ज्ञान हो जायेगा। पहले कोष्ठक में सप्तक वर्ग गृह, होरा, द्रेष्काण, सप्तमांश, नवमांश, द्वादशांश तथा त्रिंशांश रहेगा। दूसरे में उनकी राशियाँ रहेंगी, तीसरे में राशियों के स्वामी रहेंगे, चौथे में मित्रा-मित्र आदि रहेगा और पांचवें में उससे प्राप्त बल रहेगा। बल ज्ञान के लिये कोष्ठक दिया जाता है।

सप्तकवर्गबलम्					
अधिमित्र	मित्र	सम	शत्रु	अधिशत्रु	स्वगृही
०	०	०	०	०	०
२२	१५	७	३	१	३०
३०	०	३०	४५	५२	०
०	०	०	०	३०	०

अथ सूर्यसप्तकवर्गम्

वर्ग	त्रिं.	द्वा.	न.	स.	द्रे.	हो.	गृ.
राशि	६	६	६	११	४	४	४
स्वामी	बु.	बु.	बु.	श.	चं.	चं.	चं.
मित्रादि	मित्र.	मित्र.	मित्र.	सम.	अमि.	अमि.	अमि
बलयोग २ ० ० ०	० १५ ० ०	० १५ ० ०	० १५ ० ०	० ७ ३० ०	० २२ ३० ०	० २२ ३० ०	० २२ ३० ०

अथ चन्द्रसप्तकवर्गम्

वर्ग	त्रिं.	द्वा.	न.	स.	द्रे.	हो.	गृ.
राशि	८	१	६	२	१०	५	२
स्वामी	मं.	मं.	बु.	शु.	श.	सू.	शु.
मित्रादि	मित्र	मित्र	अमि	मित्र	मित्र	अमि	मित्र.
बलयोग २ ० ० ०	० १५ ० ०	० १५ ० ०	० २२ ३० ०	० १५ ० ०	० १५ ० ०	० २२ ३० ०	० १५ ० ०

अथ भौमसप्तकवर्गम्

वर्ग	त्रिं.	द्वा.	न.	स.	द्रे.	हो.	गृ.
राशि	९	९	१२	७	७	४	३
स्वामी	वृ.	वृ.	वृ.	शु.	शु.	चं.	बु.
मित्रादि	अमि.	अमि.	अमि.	मित्र	मित्र	अमि.	सम
बलयोग २ ७ ३० ०	० २२ ३० ०	० २२ २० ०	० २२ ३० ०	० १५ ० ०	० १५ ० ०	० २२ ३० ०	० ७ ३० ०

अथ बुधसप्तकवर्गम्

वर्ग	त्रिं.	द्वा.	न.	स.	द्रे.	हो.	गृ.
राशि	१	५	१	५	५	५	५
स्वामी	मं.	र.	मं.	र.	र.	र.	र.
मित्रादि	मित्र	अमि	मित्र	अमि	अमि	अमि	अमि
बलयोग २ २२ ३० ०	० १५ ० ०	० २२ ३० ०	० १५ ० ०	० २२ ३० ०	० २२ ३० ०	० २२ ३० ०	० २२ ३० ०

अथ शुक्रसप्तकवर्गम्

वर्ग	त्रिं.	द्वा.	न.	स.	द्रे.	हो.	गृ.
राशि	३	१	७	९	१	४	५
स्वामी	बु.	मं.	शु.	वृ.	मं.	चं.	र.
मित्रादि	सम	मित्र	स्व	मित्र	मित्र	सम	सम
वलयोग १ ३७ ३० ०	० ७ ३० ०	० १५ ० ०	० ३० ० ०	० १५ ० ०	० १५ ० ०	० ७ ३० ०	० ७ ३० ०

अथ गुरुसप्तकवर्गम्

वर्ग	त्रिं.	द्वा.	न.	स.	द्रे.	हो.	गृ.
राशि	६	६	५	११	४	४	४
स्वामी	बु.	बु.	र.	श.	चं.	चं.	चं.
मित्रादि	सम	सम	सम	मित्र	अमि.	अमि.	अमि
वलयोग १ ४५ ० ०	० ७ ३० ०	० ७ ३० ०	० ७ ३० ०	० १५ ० ०	० २२ ३० ०	० २२ ३० ०	० २२ ३० ०

अथ राहुसप्तकवर्गम्

वर्ग	त्रिं.	द्वा.	न.	स.	द्रे.	हो.	गृ.
राशि	६	१२	७	४	१२	४	८
स्वामी	बु.	वृ.	शु.	चं.	वृ.	चं.	मं.
मित्रादि	अमि	शत्रु	अमि	अश	शत्रु	अश	अश
वलयोग ० ५८ ७ ३०	० २२ ३० ०	० ३ ४५ ०	० २२ ३० ०	० १ ५२ ३०	० ३ ४५ ०	० १ ५२ ३०	० १ ५२ ३०

अथ शनिसप्तकवर्गम्

वर्ग	त्रिं.	द्वा.	न.	स.	द्रे.	हो.	गृ.
राशि	११	७	३	६	५	५	५
स्वामी	श.	शु.	बु.	बु.	सू.	सू.	सू.
मित्रादि	स्व	स	स	स	स	स	स
वलयोग १ १५ ० ०	० ३० ० ०	० ७ ३० ०	० ७ ३० ०	० ७ ३० ०	० ७ ३० ०	० ७ ३० ०	० ७ ३० ०

अथ सप्तकवर्गबलैक्यम्—

सू.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	रा.	ग्रहाः
२	२	२	२	१	१	१	०	बलैक्यम्
०	०	७	२२	४५	३७	१५	५८	
०	०	३०	३०	०	३०	०	७	
०	०	०	०	०	०	०	३०	
१	४	०	७	२	३	४	१	पा०यो०
६	३	७	०	५	४	३	६	शु.यो०
श्रे०	म०	श्रे०	म०	म०	म०	नेष्ट	म०	फल

अथ रेखाष्टकविचारः—

अष्टवर्गेण ये शुद्धास्ते शुद्धाः सर्वकर्मसु।
सूक्ष्माष्टवर्गसंशुद्धिः स्थूला शुद्धिस्तु गोचरे॥

प्रत्येक ग्रह का कोष्ठक अलग-अलग आगे दिया है। प्रत्येक ग्रह की रेखाष्टक कुंडली अलग-अलग बनेगी। रेखाष्टक के कोष्ठक में ग्रह के नीचे अंको का विन्यास किया गया है। अतः तत्-तत् ग्रह को लग्न मान कर उन २ स्थानों में रेखा का विन्यास करने से प्रत्येक ग्रह की एक-एक कुंडली बनेगी। सूर्य के रेखाष्टक कोष्ठक में सूर्य के नीचे १, २, ४, ७, ८, ९, १०, ११, ये अंक हैं। अतः सूर्य जिस राशि पर है उस राशि से इन स्थानों में एक-एक रेखा रखनी चाहिये। वैसे चन्द्र से ३, ६, १०, ११, इन स्थानों में रेखा का विन्यास करना चाहिये। इस तरह मंगल प्रभृति ग्रहों से रेखाओं का विन्यास करने से सूर्य की रेखाष्टक कुंडली बनेगी। इसी प्रकार चन्द्रादि की बनाकर अन्त में सूर्यादि आठों कुण्डलियों के लग्नादि १२ भावों की रेखाओं का योग अलग-अलग बारहों भावों में रखने से सर्वरेखैक्य की कुण्डली बनेगी। उस पर से शुभाशुभ का विचार किया जाता है। रेखाष्टक कुण्डली में १, २, ३, ४, ५, ६, ७, वा ८ रेखा ग्रह की मिलने से क्लेश भय, अर्थ हानि, प्रवास कष्ट, समलाभ, शश्वत्सुख, धन प्राप्ति, परमानन्द प्राप्ति तथा सर्वकार्यसिद्धि होती है।

अथ अवस्थात्रयः—

सर्वरेखैक्य कुण्डली में चारों केन्द्रों (१, ४, ७, १०) की रेखाओं का योग प्रथमावस्था, पणफरस्थ (२, ५, ८, ११) रेखाओं का योग द्वितीयावस्था तथा आपोक्लिमस्थ (३, ६, ९, १२) रेखाओं का योग तीसरी अवस्था होती है। जिस अवस्था में रेखा-योग अधिक होगा, वह अवस्था सुखद रहेगी।

अथ सूर्याष्टकवर्गः—४८

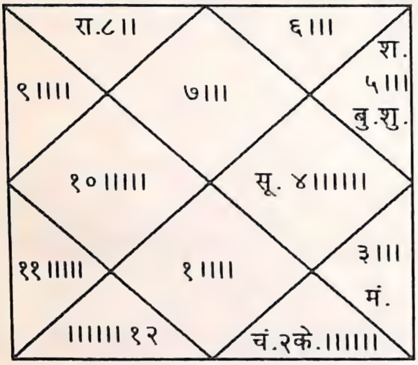

अथ चन्द्राष्टकवर्गः—४९

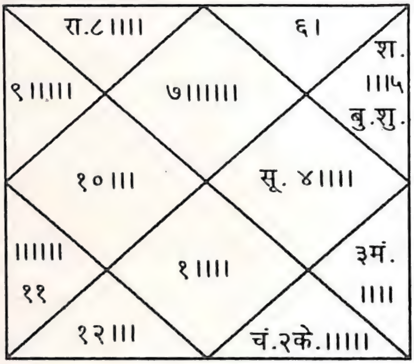

अथ भौमाष्टकवर्गः—३९

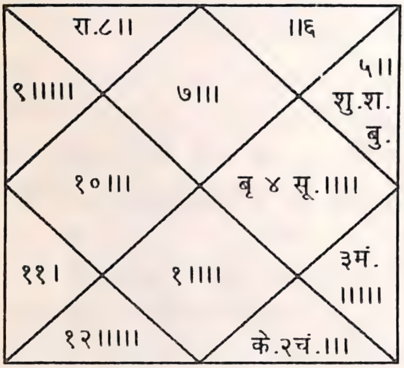

अथ बुधाष्टकवर्गः—५४

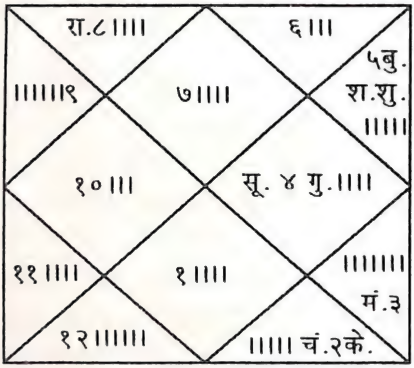

अथ गुर्वष्टकवर्गः—५६

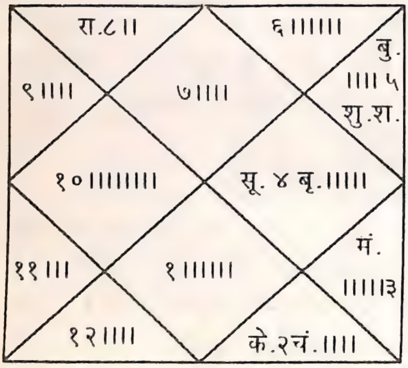

अथ शुक्राष्टकवर्गः—५२

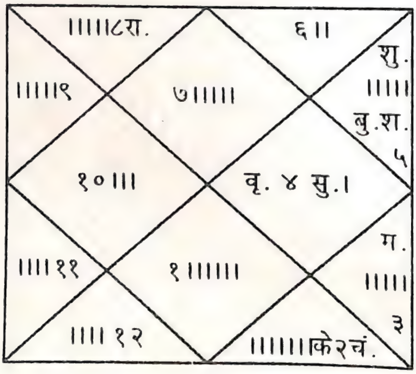

अथ शन्यष्टकवर्गः—३९

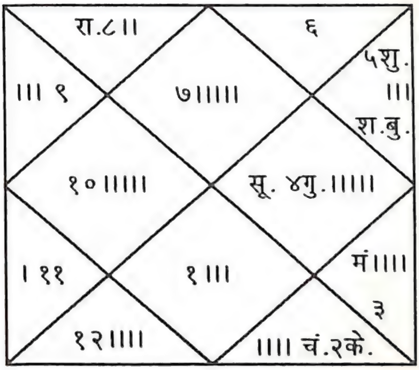

अथ लग्नाष्टकवर्गः—४९

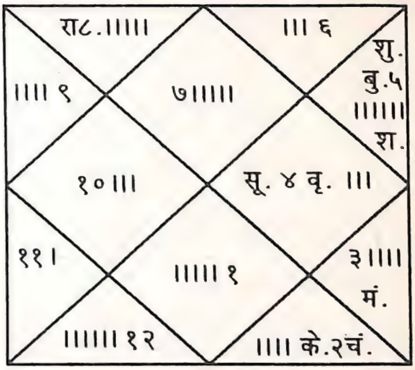

अथ सर्वरेखैक्यचक्रम्

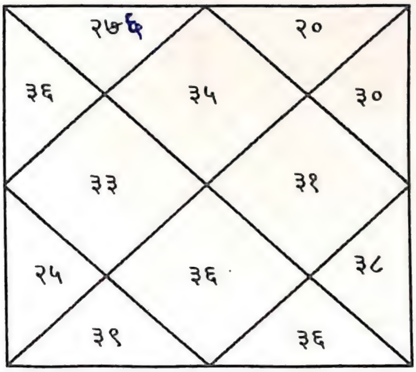

आद्य मध्य अन्त्य

अथ प्रत्येकग्रहस्य रेखाष्टकज्ञानाय सारिणीचक्रमिदम्

अथ सूर्याष्टक वर्गः रेखा ४८

र.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	ल.
१	३	१	३	५	६	१	३
२	६	२	५	६	७	२	४
४	१०	४	६	९	१२	४	६
७	११	७	९	११		७	१०
८		८	१०			८	११
९		९	११			९	१२
१०		१०	१२			१०	
११		११				११	

अथ चन्द्राष्टक वर्गः रेखा ४९

चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	र.	ल.
१	२	१	१	३	३	३	३
३	३	३	४	४	५	६	६
६	५	४	७	५	६	७	१०
७	६	५	८	७	११	८	११
१०	९	७	१०	९		१०	
११	१०	८	११	१०		११	
	११	१०	१२	११			
		११					

अथ भौमाष्टक वर्गः रेखा ३९

मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	र.	चं.	ल.
१	३	६	६	१	३	३	१
२	५	१०	८	४	५	६	३
४	६	११	११	७	६	११	६
७	११	१२	१२	८	१०		१०
८				९	११		११
१०				१०			
११				११			

अथ बुधाष्टक वर्गः रेखा ५४

बु.	वृ.	शु.	श.	र.	चं.	मं.	ल.
१	६	१	१	५	२	१	१
३	८	२	२	६	४	२	२
५	११	३	४	९	६	४	४
६	१२	४	७	११	८	७	६
९		५	८	१२	१०	८	८
१०		८	९		११	९	१०
११		९	१०			१०	११
१२		११	११			११	

अथ गुरोरष्टकवर्गः रेखा ५६

वृ.	शु.	श.	र.	चं.	मं.	बु.	ल.
१	२	३	१	२	१	१	१
२	५	५	२	५	२	२	२
३	६	६	३	७	४	४	४
४	९	१२	४	९	७	५	५
७	१०		७	११	८	६	६
८	११		८		१०	९	७
१०			९		११	१०	९
११			१०			११	१०
			११				११

अथ शुक्राष्टक वर्गः रेखा ५२

शु.	श.	र.	चं.	मं.	बु.	वृ.	ल.
१	३	८	१	३	३	५	१
२	४	११	२	५	५	८	२
३	५	१२	३	६	६	९	३
४	८		४	९	९	१०	४
५	९		५	११	११	११	५
८	१०		८	१२			८
९	११		९				९
१०			११				११
११			१२				

अथ शनेरष्टकवर्ग रेखा ३९

श.	र.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	ल.
३	१	३	३	६	५	६	१
५	२	६	५	८	६	११	३
६	४	११	६	९	११	१२	४
११	७		१०	१०	१२		६
	८		११	११			१०
	१०		१२	१२			११
	११						

अथ लग्नाष्टक वर्ग रेखा ४९

ल.	र.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.
	३	३	१	१	१	१	१
३	४	६	३	२	२	२	३
	६	१०	६	४	४	३	४
६	१०	११	१०	६	५	४	६
	११	१२	११	८	६	५	१०
	१२			१०	७	८	११
१०				११	९	९	
११					१०		
					११		

अथ मध्यमायु:साधनम्—

गजाभ्रभूमिर्निहता ग्रहाणां राश्यंशलिप्ताः खरसैस्तु तष्टाः।
लिप्ता विलिप्तास्तुलवाः खरामैस्तष्टाः फलंचोपरियोजनीयम्।।
ये राशयो भास्करशेषिताश्च भवन्त्यवाप्तं भगणाः पुनस्ते।
अर्कावशिष्टास्तु समाद्यमायुः स्फुटं विधेयंतु भचकहान्या।।

ग्रह की राशि, अंश, कला तथा विकला को १०८ से गुणा कर विकला तथा कला के गुणनफल को ६० से भागकर ऊपर-२ चढ़ाना चाहिये। अंश स्थानीय फल को ३० से भाग देकर राशि स्थानीय में मिलावें और राशि स्थानीय फल में १२ से भाग कर शेष को मास तथा लब्ध को वर्ष मानना चाहिये। यदि वर्ष स्थान में १२ से अधिक हो, तो १२ से भाग देकर शेष को वर्ष मानना चाहिये। इसी तरह वर्ष मासदिवसादि मध्यमायु होगा। यह मध्यमायु सूर्यादि सात ग्रह तथा लग्न का ही साधन करना चाहिये। राहु और केतु का साधन नहीं करना चाहिये।

लग्न ६।५।३७।५९
× १०८

६४८।५४०।३९९६।६३७२
२०। ६८। १०६।६००

४।५५।६६८।६०८।४१०२।३७२
।४८।६६०।६००।३६० ।३६०

७। ८। ८।५०२। १२
। । ।४८०।

२२

लग्न का मध्यमायु ७।८।८।२२।१२ वर्ष, मास, दिवस, घटी तथा पलात्मक आया। इस तरह अन्य ग्रहों का भी जानना चाहिये।

आयु साधन की सुगमता के लिये मध्यमायु की सारिणी दी गयी है। उस पर से मध्यमायु का साधन इस प्रकार करना चाहिये।

ग्रह की राशि संख्या को ३० से गुणा कर उसमें अंश मिला दें, बाद में ४० का भाग देकर शेष अंश तुल्य कोष्ठक से वर्षादि फल ग्रहण करें। तदनन्तर कला के कोष्ठक से वर्षादि फल एवं विकला के कोष्ठक से भी वर्षादि फल लेकर सबका योग करने से उस ग्रह का मध्यमायु होगा।

लग्न ६।५।३७।५९ है। ६ × ३० = १८०।१८० + ५ = १८५ अंश में ४० का भाग देकर शेष २५ रहा। अंश के २५ वे कोष्ठक का वर्षादि फल

= ७।६।०। ०।०

कला कोष्ठक से ३७ कला का फल = ०।२।६।३६।०

विकला कोष्ठक से ५९ विकला का फल = ०।०।१।४६।१२

सर्वयोग वर्षादिलग्नायु = ७।८।८।२२।१२

अथ मध्यमायुचक्रम्

र.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	ल.	यो.	
५	५	११	०	४	६	२	७	४३	व
२	९	७	५	८	२	०	८	३	मा.
११	२८	२९	२०	२२	१६	३	८	१९	दि.
१५	२२	२४	५८	१	३	३	२२	२१	घ.
०	४८	०	१२	१२	०	३६	१२	०	प.

अथ मध्यमायु कोष्ठक अंशादि

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
०	०	०	१	१	१	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६
३	७	१०	२	६	९	१	४	८	०	३	७	१०	२	६	९	१	४	८	०
१८	६	२४	१२	०	१८	६	२४	१२	०	१८	६	२४	१२	०	१८	६	२४	१२	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२
३	७	१०	२	६	९	१	४	८	०	३	७	१०	२	६	९	१	४	८	०
१८	६	२४	१२	०	१८	६	२४	१२	०	१८	६	२४	१२	०	१८	६	२४	१२	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०					
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०					

अथ मध्यमायु: कोष्ठक कलादि

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१
१	३	५	७	९	१०	१२	१४	१६	१८	१९	२१	२३	२५	२७	२८	०	२	४	६
४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
७	९	११	१३	१५	१६	१८	२०	२२	२४	२५	२७	२९	१	३	४	६	८	१०	१२
४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३
१३	१५	१७	१९	२१	२२	२४	२६	२८	०	१	३	५	७	९	१०	१२	१४	१६	१८
४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ मध्यमायु कोष्ठक विकलादि

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१	३	५	७	९	१०	१२	१४	१६	१८	१९	२१	२३	२५	२७	२८	३०	३२	३४	३६
४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०
२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१
३७	३९	४१	४३	४५	४६	४८	५०	५२	५४	५५	५७	५९	१	३	४	६	८	१०	१२
४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०
४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
१३	१५	१७	१९	२१	२२	२४	२६	२८	३०	३१	३३	३५	३७	३९	४०	४२	४४	४६	४८
४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०

अथ स्पष्टायुर्दायसाधनम्

तत्रादौ लग्नायु:साधनम्—

किन्त्वत्र भ्रांशप्रमितं ददाति वीर्यान्विता राशिसमं च होरा।

बलवान लग्न का "होरा स्वामिगुरुज्ञवीक्षितयुता नान्यै:" यह लक्षण शास्त्र में मिलता है। अर्थात लग्न अपने स्वामी, गुरु तथा बुध से दृष्ट अथवा युत हो और अन्य ग्रहों से युत अथवा दृष्ट न हो, तो बलवान माना जाता है। यदि लग्न बलवान हो, तो उसके मध्यमायु में लग्न की राशि संख्या तुल्य वर्ष जोड़ना चाहिये और अंशादि को १२ से गुणा कर ३० से भाग दें। लब्धफल को पूर्व के योग में जोड़ने से लग्न का स्पष्टायु होगा। यदि लग्न बलवान न हो तो पूर्व-साधितमध्यमायु को ही स्पष्टायु मान लेना चाहिये।

अथ स्वराशिस्वोच्चादिस्थे ग्रहे विशेष

स्वतुङ्गवक्रोपगतैस्त्रिसंगुणं द्विरुत्तमस्वांशकभत्रिभागगै:।

ग्रह उच्च अथवा वक्री हो तो पूर्वसाधितमध्यमायु को त्रिगुणित करना चाहिये। एवं ग्रह वर्गोत्तम (जन्म समय ग्रह जिस राशि में हो और नवमांश कुण्डली में भी उसी राशि का हो, तो उसे वर्गोत्तमी ग्रह कहते हैं) स्वनवमांश, स्वराशि अथवा स्वद्रेष्काण में हो, तो पूर्वसाधितमध्यमायु को द्विगुणित करना चाहिये। यदि एक ही ग्रह को द्विगुण तथा त्रिगुण दोनों प्राप्त हो, तो केवल त्रिगुणित ही करना चाहिये।

अथ शत्रुनीचास्तंगतग्रहस्यायुर्दायहानि:

क्षोणीपुत्रं वर्जयित्वा रिपुस्थास्त्र्यंशंनीचस्थानगास्ते तदर्धम्।
अस्तं याता: सर्व एवार्धहानिं कुर्युर्हित्वा शुक्रमार्तण्डपुत्रौ।।

मंगल को छोड़कर अन्य सभी ग्रह यदि नीच राशि में हों, तो अपने आयुर्दाय के तृतीयांश को कम करते हैं। यदि सूर्यादि सभी ग्रह अपनी-अपनी नीच राशि में हों, तो स्वायुर्दाय को आधा कम करते हैं और शुक्र शनि को छोड़ कर यदि अन्य ग्रह अस्तंगत हों, तो स्वायुर्दाय के आधे को कम-कर देते हैं।

अथायुर्दायसाधने चक्रार्धहानिः—

सर्वार्धत्रिचतुर्थेन्द्रियर्तुभागान् व्ययाद्धरन्त्यशुभाः।
सन्तोऽर्धमतो वामं बलवानेकर्क्षगेष्वेकः।।

पाप ग्रह यदि लग्न से द्वादश भाव में हो तो अपने समस्त आयु को, एकादश में हो तो आधे को, दशम में तृतीयांश, नवम में चतुर्थांश, अष्टम में पञ्चमांश और सप्तभाव में हो तो आयुर्दाय के षष्ठांश को नष्ट करते हैं। इन्हीं स्थानों में शुभग्रह हों तो पाप ग्रह की अपेक्षा आधा नाश करते हैं। अर्थात १२ भाव में अर्धांश, ११ भाव में चतुर्थांश, १० भाव में षष्ठांश इत्यादि आगे के स्थानों में भी समझना चाहिये तथा एक ही स्थान में दो या अधिक ग्रह हों तो उनमें सबसे बली जो ग्रह होगा, वही एक अपने आयुर्दाय के उक्त भाग को नष्ट करता है, सब नहीं।

प्रकृत उदाहरण में जन्म लग्न तुला पर स्वामी व गुरु व बुध की पूर्ण दृष्टि नहीं है और उनसे युक्त भी नहीं है। अतः लग्न बलवान न होने से लग्न का मध्यमायु ही स्पष्टायु माना जायेगा।

ग्रहों के स्पष्टायुर्दायसाधन में ऊपर लिखे नियम विशेष रूप से ध्यान में रखने चाहिये। अब उन नियमों के अनुसार ग्रहों का स्पष्टायुर्दायसाधन किया जाता है।

सूर्य जन्मलग्न से १० भाव में है। अतः पूर्वसाधित मध्यायु के तृतीयांश का ह्रास होगा। सूर्य के मध्यमायुवर्षादि ५ । २ । ११ । १५ का तृतीयांश वर्षादि १।८।२३।४५ मध्यमायु में घटाने से सूर्य का स्पष्टायुर्दाय वर्षादि ३।५।१७।३० हुआ।

चन्द्र उच्च राशि में है। अतः साधित आयुर्दाय को त्रिगुणित करना होगा और अष्टम भाव में रहने से दशमांश की हानि भी होगी।

चन्द्र का साधित आयुर्दाय वर्षादि ५।९।२८।१३।४८ के त्रिगुणित १७।५।२४।४१।२४ में इसके दशमांश १।८।२९।२८।८ को घटाने से चन्द्र का स्पष्टायु वर्षादि १५।८।२५।१३।१६ हुआ।

मंगल के लिए ऊपर लिखे नियमों में केवल चक्रार्धहानि नियम काम में आयेगा। नवम भाव में चतुर्थांश का ह्रास होता है। अतः मंगल के मध्यमायु

वर्षादि ११।१।२९।२४ में इसके चतुर्थांश वर्षादि २।९।१४।५१ को घटाने से मंगल का स्पष्टायु वर्षादि ८।४।१४।३३ हुआ।

बुध के स्पष्टायुसाधन में चक्रार्धहानि वाला एक नियम क्रम प्राप्त है। यहाँ बुध पाप युक्त होने से पाप है। तद्नुसार ११ भावस्थ बुध के मध्यमायु वर्षादि ०।५।२०।५८।१२ का आधा बुध का स्पष्टायु वर्षादि ०।२।२५।२९।६ हुआ।

यहाँ यह ज्ञातव्य है कि इस भाव में बुध, शुक्र, शनि ये तीन ग्रह हैं, परन्तु उनमें बुध का सप्तकवर्ग बल अधिक होने से केवल बुध के आयुर्दाय में चक्रार्ध हानि की गयी है।

गुरु अपनी उच्चराशि में है। अत: इसके मध्यमायु वर्षादि ४।८।२२।१।१२ को त्रिगुणित करने से वर्षादि १४।२।६।३।३६ हुआ, परन्तु अस्तंगत होने से आधा आयु नष्ट करता है। तदनुसार गुरु का स्पष्टायु वर्षादि ७।१।३।१।४८ हुआ।

दशम भाव में सूर्य गुरु दो ग्रह हैं। इनमें सूर्य का सप्तक वर्ग बल अधिक होने से उसी के आयुर्दाय में चक्रार्ध हानि की गयी है।

शुक्र शनि सहज मैत्री चक्र, से शत्रु क्षेत्री होते हुए भी तात्कालिक मैत्री में शत्रु क्षेत्री नहीं है। अत: शुक्र शनि का साधित आयु ही स्पष्टायु माना जायेगा, परन्तु शक्र नवांश में स्वराशि का होने से उसके साधित आयु वर्षादि ६।२।१६।३ के द्विगुणित वर्षादि १२।५।२।६ को शुक्र का स्पष्टायु मानना चाहिये।

अथ स्पष्टायुचक्रम्

ल.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	योग
७	३	१५	८	०	७	१२	२	५७
८	५	८	४	२	१	५	०	०
८	१७	२५	१४	२५	३	२	३	८
२२	३	१३	३३	२९	१	६	३	५१
०	०	१६	०	६	४८	०	३६	४६

स्पष्टायु के सम्बन्ध में यह अवश्य ज्ञातव्य है कि जातक इतने ही वर्षादि पर्यन्त जीवित रहेगा, ऐसी बात नहीं है। गणित से इसका निर्णय करना कठिन है। अत: श्री केशवाचार्य[१] ने लिखा है कि जो मनुष्य स्वधर्म एवं सत्कर्म में तत्पर

१—स्याद्धर्मिष्ठसुशीलपथ्यसुभुजां न स्यादिदं पापिनाम्

के. जा. श्लो. २६

रहता हो, जितेन्द्रिय, पथ्य भोजन करने वाला, सत्यवक्ता, देव ब्राह्मण में श्रद्धावान एवं सद्‌गुणी हो उसी के लिये यह है, अन्य के लिए नहीं है। मनुष्य में ये सभी गुण कम पाये जाते हैं। अतः गणित से साधित आयु कम घटित होती है। मैंने केवल जिज्ञासुओं के लिए गणित का क्रम दिखाया है।

अथ ग्रहाणामुच्चनीचविभाग

अजबृषमृगाङ्गनाकर्किमीनवणिजांशकेष्विनाद्युच्चाः।
दशशिख्यष्टाविंशतितिथीन्द्रियत्रिनवविंशेषु।।

उच्चनीच विभाग कोष्ठक

सू.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.	ग्रह
मे.	वृ.	म.	क.	क.	मी.	तु.	वृ.	वृ.	उच्चराशि
१०	३	२८	१५	५	२७	२०	षभ	श्चि	परमोच्चांश
तु.	वृ.	क.	मी.	म.	कं.	मे.	वृ.	वृ.	नीचराशि
१०	३	२८	१५	१५	२७	२०	श्चि	षभ	परमनीचांश

इसका अर्थ कोष्टक से स्पष्ट है। सूर्य मेष राशि के दस अंश तक परमोच्च रहता है। उसके बाद केवल उच्च रहता है और तुला के दस अंश तक परम नीच रहेगा। उसके बाद केवल नीच रहेगा। इसी तरह अन्य ग्रहों का भी समझना चाहिए।

अथ गृहाणामुच्चरश्मिसाधनम्

नीचोनखेटो रसतोऽधिकश्चेत् चक्राद्विशोध्योऽस्य च भे सरूपे।
लवादिका ये द्विगुणा भवेयुरुच्चाभिधाना ग्रहरश्मयस्ते।।

ग्रह में उसका नीच घटा कर यदि शेष ६ से अधिक हो, तो १२ में उसे घटा कर राशि संख्या में १ जोड़ दें। शेष अंशादि को द्विगुण करने से प्रत्येक ग्रह की उच्चरश्मि होती है।

अथ उच्चरश्मिचक्रम्

र.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	यो.
४	६	२	५	६	२	४	३१
५	७	२१	३३	५८	१२	३३	५१
२६	८	३४	९	२८	३५	२३	४७
५०	३८	०	५८	५२	३०	२४	१२

सूर्य ३।७।१९।३५—(६।१०) =
८।२७।१९।३५॥१२—(८।२७।१९।३५)
=३।२।४०।२५॥३ + १=४
(२।४०।२५) × २=५।२०।५०
सूर्य की उच्चरश्मि=४।५।२०।५०।
इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी साधन करें।

दशा साधन

गत, वर्तमान तथा भविष्य का शुभाशुभ जानने के लिए ऋषियों ने दशा का निर्माण किया है। दशा अनेक प्रकार की होती है। उनमें अष्टोत्तरी, विंशोत्तरी तथा योगिनी का प्रचार विशेष है। वर्तमान समय में देश के पूर्वोत्तर प्रदेश तथा राजस्थान में प्राय: विंशोत्तरी दशा का उपयोग विशेष रूप से करते हैं। सिंध पंजाबादि में योगिनी दशा तथा दक्षिण मध्यभारत तथा गुजरात में अष्टोत्तरी दशा को व्यवहार में विशेष लेते हैं। परन्तु शास्त्र के वचन इस विषय में कुछ भिन्न एवं अनेक हैं।

"दशाप्यष्टोत्तरी शुक्ले कृष्णे विंशोत्तरी मता।" (मानसागरी)

शुक्ल पक्ष में जन्म हो तो अष्टोत्तरी दशा तथा कृष्ण पक्ष में जन्म हो तो विंशोत्तरी दशा लेनी चाहिए।

"दशा विंशोत्तरी चात्र ग्राह्या नाष्टोत्तरी मता।" (लघुपाराशरी)

नक्षत्र पर से साधित दशा विंशोत्तरी ही लेनी चाहिए। अष्टोत्तरी दशा नहीं लेनी चाहिए। इसी श्लोक का पाठान्तर प्राचीन विद्वानों के घर में हस्त लिखित ग्रन्थों में निम्न लिखित मिलता है। दशा विंशोत्तरी ग्राह्या मता चाष्टोत्तरी तथा विंशोत्तरी दोनों दशाएँ फलाफल के विचार के लिए उपयुक्त हैं।

कृष्णपक्षे दिवाजात: शुक्लपक्षे यदा निशि।
विंशोत्तरी दशा प्रोक्ताऽन्यत्राप्यष्टोत्तरी स्मृता।।

कृष्ण पक्ष में दिन में तथा शुक्ल पक्ष में रात्रि में जन्म हो तो विंशोत्तरी दशा ग्रहण करनी चाहिए। इसके विपरीत हो तो अष्टोत्तरी दशा ग्रहण करनी चाहिए।

गुर्जरे कच्छसौराष्ट्रे पांचाले सिंधुपर्वते।
एतेष्वष्टोत्तरी श्रेष्ठाऽन्यत्र विंशोत्तरी मता।।

गुजरात, कच्छ, काठियावाड (सौराष्ट्र), पांचाल (पंजाब) तथा सिंधु पर्वत में अष्टोत्तरी दशा ग्रहण करनी चाहिए। अन्यत्र विंशोत्तरी दशा को ग्रहण करें। प्रायः यही नियम वर्तमान में प्रचलित है।

विंशोत्तरी दशा १२० वर्ष की रहती है। इसमें सूर्य, चन्द्र, मंगल, राहु, गुरु, शनि, बुध, केतु तथा शुक्र इनकी क्रमशः दशा रहती है। इन्हीं वारों के क्रम से कृत्तिकादि २७ नक्षत्रों की तीन आवृत्ति हो जाने से एक-एक ग्रह में तीन-तीन नक्षत्र रहते हैं। किस ग्रह में कौन-कौन नक्षत्र तथा उस ग्रह की दशा के वर्ष आदि का विचार दशा कोष्ठक से स्पष्ट हो जायेगा।

जातक का जन्म नक्षत्र जिस ग्रह के कोष्ठक में पड़े, वह उसकी जन्म दशा होगी। उस दशा का जन्म समय में व्यतीत काल नक्षत्र के भयात पर से निकाला जाता है। अर्थात भभोग काल में दशा के पूरे वर्ष मिलते हैं तो भयात काल में कितने ? इस अनुपात द्वारा व्यतीत वर्षादि का मान आ जायेगा। उसको दशा वर्ष में घटाने से दशा का भोग्य मान शेष रहेगा। जन्म के बाद दशा का भोग्य मान भोग लेने के अनन्तर दूसरे ग्रह की (जो पूर्वोक्त क्रम से प्राप्त हो) दशा प्रारंभ होगी। उसके बाद अन्य ग्रहों की दशा चलती रहेगी।

दशा का भुक्त तथा भोग्य काल साधन

भयात (चन्द्र साधन में जो साधित है) के घटी पल के पल बनाकर उन्हें जन्म नक्षत्र से प्राप्त दशा वर्ष संख्या से गुणा करें और गुणनफल में भभोग के घटी पलों के पलों से भाग देने से लब्ध संख्या वर्ष होगी। शेष को १२ से गुणाकर भभोग पलों का भाग देने से लब्ध मास होंगे। शेष को ३० से गुणाकर भभोग पल का भाग देने पर लब्ध संख्या दिन होंगे। पुनः शेष को ६० से गुण कर भभोग पल का भाग देने पर लब्ध संख्या घटी होगी। इसी प्रकार पल भी आयेंगे। यह वर्षादि संख्या दशा का भुक्त मान होगा। उसे दशा वर्ष में घटाने से शेष दशा का भोग्य मान होगा।

जन्म नक्षत्र मृगशिर है। भयात २५।४५ भभोग ५६।२० कृत्तिकादि नक्षत्र क्रम से मङ्गल की दशा में जन्म है। उसके दशा वर्ष ७ हैं।

२५	५६	
× ६०	× ६०	
१५००	३३६०	७
+ ४५	+ २०	भुक्त ३।२।११।५३।३६
१५४५ भयातपल	३३८० भभोगफल	भोग्य ३।९।१८। ६।२४

```
     १५४५ भयातपल
     × ७
३३८०)१०८१५ (३ वर्ष
     १०१४०
       ६७५
     × १२
३३८०) ८१०० (२ मास
      ६७६०
      १३४०
     × ३०
३३८०)४०२०० (११ दिन
      ३३८०
      ६४००
      ३३८०
      ३०२०
     × ६०
३३८०)१८१२०० ( ५३ घटी
      १६९००
      १२२००
      १०१४०
      २०६०
     × ६०
३३८०)१२३६००( ३६ पल
      १०१४०
      २२२००
      २०२८०
      १९२०
```

जन्म के समय मङ्गल की दशा वर्षादि ३।२।११।५३।३६ इतनी भुक्त हो चुकी थी और ३।९।१८।६।२४ इतनी वर्षादि दशा शेष थी। इसके बाद १८ वर्ष राहु की दशा रहेगी एवं क्रमशः गु. श. बु. के इत्यादि की दशा चलेगी।

अन्तर्दशा का साधन

दशा दशाहता कार्या दशभि–
भागमाहरेत्।
यल्लब्धं सो भवेन्मासस्त्रिं–
शन्निघ्नं दिनं भवेत्।।

जिस ग्रह की महादशा में जिस ग्रह की अन्तर्दशा अपेक्षित हो, उन दोनों के दशा वर्षों को गुणाकर दस का भाग देने से लब्धि मास होंगे। शेष को ३० से गुणाकर दस का भाग देने से लब्धि दिन होंगे। इसी प्रकार घट्यादि फल का भी साधन करना चाहिये। प्रत्येक ग्रह में अन्तर्दशा का साधन कर रख दिया गया है। महादशा लिखने का क्रम इस प्रकार है। दशा के भोग्य वर्षादि को जन्म के संवत तथा सूर्य के राश्यादि में जोड़कर भोग्य वर्षादि के नीचे लिखना चाहिए और उसके नीचे पुनः भोग्य वर्षादि लिखें। उसके बाद भोग्यदशा के

संवत् में आगे की दशा के वर्ष जोड़कर उनके नीचे २ रखें एवं सबसे नीचे रखे वर्षादि में भी आगे की दशा के वर्ष जोड़ते जायें।

भोग्य दशा वर्षादि ३			।९।१८। ६।२४
जन्म संवत्	१९७६	सूर्य	३। ७।१९।३५
संवत्	१९८०	सूर्य	०।२५।२५।५९
राहु दशा वर्ष	१८		
संवत्	१९९८	सूर्य	०।२५।२५।५९

अथ विंशोत्तरी महादशा संकलिता

	भौ. भु.	भौ. भु	भौं. भो.	स.	बृ.	बु.
व.	३	३	१८	१६	१९	१७
मा.	२	९				
दि.	११	१८				
घ.	५३	६				
प.	३६	२४				
संवत्	१९७६	१९८०	१९९८	२०१४	२०३३	२०५०
सूर्य	३	०	०	०	०	०
	७	२५	२५	२५	२५	२५
	१९	२५	२५	२५	२५	२५
	३५	५९	५९	५९	५९	५९
	व.	३	२१	३७	५६	७२
	मा.	९	९	९	९	९
	दि.	१८	१८	१८	१८	१८
	घ.	६	६	६	६	६
	प.	२४	२४	२४	२४	२४

इसका अर्थ यह है कि संवत् १९८० सूर्य ०।२५।२५।५९ तक मङ्गल की महादशा रहेगी, उसके बाद सं० १९९८ सूर्य ०।२५।२५।५९ तक राहु की महादशा रहेगी। एवमेव गुरु की। ऊपर में अन्तिम कोष्ठक का उपयोग यह है कि ३।९।१८।६।२४ वर्षादि तक मङ्गल की महादशा उसके बाद २१।९।१८।६।२४ वर्षादि तक राहु की महादशा रहेगी। इसी प्रकार आगे भी।

अन्तर्दशा चक्र लिखने का क्रम महादशा के समान ही है केवल ग्रह के दशा वर्ष के स्थान में उसके अन्तर्दशा के वर्षादि लिखने चाहिए और सब क्रम पूर्ववत ही है। जैसे राहु की अन्तर्दशा को लिखते हैं।

अथ ग्रहाणां विंशोत्तरीमहादशान्तर्दशादिज्ञानाय चक्रमिदम्

सूर्यदशा वर्ष ६
कृ. उ. फा. उषा.

ग्र.	व.	मा.	दि.
सू.	०	३	१८
चं.	०	६	०
मं.	०	४	६
रा.	०	१०	२४
वृ.	०	९	१८
श.	०	११	१२
बु.	०	१०	६
के.	०	४	६
शु.	१	०	०

चंद्रदशावर्ष १०
रोहि. ह. श्रवण

ग्र.	व.	मा.	दि.
चं.	०	१०	०
मं.	०	७	०
रा.	१	६	०
वृ.	१	४	०
श.	१	७	०
बु.	१	५	०
के.	०	७	०
शु.	१	८	०
र.	०	६	०

भौमदशा वर्ष ७
मृ. चि. ध.

ग्र.	व.	मा.	दि.
मं.	०	४	२७
रा.	१	०	१८
वृ	०	११	६
श.	१	१	९
बु.	०	११	२७
के.	०	४	२७
शु.	१	२	०
र.	०	४	६
चं.	०	७	०

राहुदशा वर्ष १८
आर्द्रा. स्वा. शत.

ग्र.	व.	मा.	दि.
रा.	२	८	१२
वृ.	२	४	२४
श.	२	१०	६
बु.	२	६	१८
के.	१	०	१८
शु.	३	०	०
र.	०	१०	२४
चं.	१	६	०
मं.	१	०	१८

गुरुदशा वर्ष १६
पुन. वि. पू. भा.

ग्र.	व.	मा.	दि.
वृ.	२	१	१८
श.	२	६	१२
बु.	२	३	६
के.	०	११	६
शु.	२	८	०
र.	०	९	१८
चं.	१	४	०
मं.	०	११	६
रा.	२	४	२४

शनिदशा वर्ष १९
पुष्य अनु. उ. भा.

ग्र.	व.	मा.	दि.
श.	३	०	३
बु.	२	८	९
के.	१	१	९
शु.	३	२	०
र.	०	११	१२
चं.	१	७	०
मं.	१	१	९
रा.	२	१०	६
वृ.	२	६	१२

बुधदशा वर्ष १७
आश्ले. ज्ये. रेवती

ग्र.	व.	मा.	दि.
बु.	२	४	२७
के.	०	११	२७
शु.	२	१०	०
र.	०	१०	६
चं.	१	५	०
मं.	०	११	२७
रा.	२	६	१८
वृ.	२	३	६
श.	२	८	९

केतुदशा वर्ष ७
मघा. मू. अश्वि.

ग्र.	व.	मा.	दि.
के.	०	४	२७
शु.	१	२	०
र.	०	४	६
चं.	०	७	०
मं.	०	४	२७
रा.	१	०	१८
वृ.	०	११	६
श.	१	१	९
बु.	०	११	२७

शुक्रदशा वर्ष २०
पू. फा. पू. षा. भ.

ग्र.	व.	मा.	दि.
शु.	३	४	०
र.	१	०	०
चं.	१	८	०
मं.	१	२	०
रा.	३	०	०
वृ.	२	८	०
श.	३	२	०
बु.	२	१०	०
के.	१	२	०

अन्तर्दशा के लिए प्रथम गत दशा के संवत् सूर्य में आगामी ग्रह की महादशा में जो प्रथम ग्रह की अन्तर्दशा हो, उसके वर्ष मासादि जोड़ने चाहिये। इसके बाद महादशा की तरह आगे जोड़ते जाने से अन्तर्दशा कोष्ठक बनेगा। यथा राहु की महादशा में अन्तर्दशाओं के संवत् सूर्य जानने हैं। अत: भौम महादशा समाप्ति के संवत् सूर्य में राहु की महादशा में प्रथम राहु के अन्तर्दशा वर्ष मासादि जोड़ने चाहिए। उसके बाद अन्य ग्रहों के अन्तर्दशा के वर्षमासादि जोड़ें। जैसे—

भौम महादशा समाप्ति का संवत्	१९८०	सूर्य	०।२५।२५।५९
राहु अन्तर्दशा वर्षादि	२।		८।१२
राहु अन्तर्दशा समाप्ति का संवत्	१९८२	सूर्य	९। ७।२५।५९

इस प्रकार आगे भी जोड़ने से अन्य ग्रहों की अन्तर्दशा की समाप्ति के संवत् सूर्य आदि आयेंगे। लिखने का क्रम नीचे दिया जाता है।

अथ राहुमहादशायां सर्वेषामन्तराणि

	रा.	गु.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
	२	२	२	२	१	३	०	१	१
	८	४	१०	६	०	०	१०	६	०
	१२	२४	६	१८	१८	०	२४	०	१८
	०	०	०	०	०	०	०	०	०
	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१९८०	१९८२	१९८५	१९८८	१९९०	१९९१	१९९४	१९९५	१९९७	१९९८
०	९	२	०	६	७	७	६	०	०
२५	७	१	७	२५	१३	१३	७	७	२५
२५	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२५
५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९
३	६	८	११	१४	१५	१८	१९	२०	२१
९	६	१०	९	३	४	४	३	९	९
१८	०	२४	०	१८	६	६	०	०	१८
६	६	६	६	६	६	६	६	६	६
२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४

अष्टोत्तरी दशा साधन

अष्टोत्तरी दशा में १०८ वर्ष रहते हैं। इसका क्रम विंशोत्तरी दशा से भिन्न है। इसमें सू. चं. मं. बु. श. गु. रा. शु. इन आठ ग्रहों की दशा रहती है। केतु की नहीं रहती। इन ग्रहों के दशा नक्षत्र विंशोत्तरी से भिन्न हैं, जो कि महादशा कोष्ठक में वर्ष संख्या के साथ दिये गये हैं। इस महादशा में ग्रहों के दशावर्ष नक्षत्रों में विभाजित रहते हैं। यथा सूर्य महादशा वर्ष ६ हैं और इस दशा के नक्षत्र आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य तथा आश्लेषा ये चार हैं। ६ में ४ का भाग देने से एक नक्षत्र का वर्षादिदशामान १।६ यह होगा। दशा का भुक्त भोग्य लाने के लिए यह क्रम है कि नक्षत्र के भयात भभोग पर से उस नक्षत्र का भुक्त भोग्य वर्षादि साधन करें। यदि वह नक्षत्र बीच में पड़े, तब गत नक्षत्रों के वर्षादियोग में वर्तमान दशा नक्षत्र के भुक्तवर्षादि जोड़ने से उस ग्रह की भुक्त दशा होगी और उसको ग्रह दशा वर्ष में घटाने से उस ग्रह की भोग्य दशा शेष रहेगी। यथा जातक का जन्म मृगशिर नक्षत्र में है। यह शुक्र महादशा में तृतीय नक्षत्र है और एक नक्षत्र के वर्ष ७ हैं। इस पर से भयात भभोग द्वारा भुक्त वर्ष (विंशोत्तरी दशा की तरह) साधन करने से लब्ध ३।२।११।५३।३७ हुआ। इसको गत दो नक्षत्रों के वर्षमान १४ में जोड़ा, तब शुक्र की महादशा के भुक्त वर्ष १७।२।११।५३।३७ हुए। अर्थात लब्ध में इस दशा के गत दो नक्षत्रों के सात-सात वर्ष जोड़ने से शुक्र की भुक्तदशा वर्षादि १७।२।११।५३।५७ हुई। इनको २१ वर्ष में घटाने से शेष ३।९।१८।६।२३ से भोग्य वर्ष हुए। इस प्रकार इस दशा का साधन किया जाता है और लेखनादि क्रम विंशोत्तरी दशा के समान ही है।

अष्टोत्तरी अन्तर्दशा का साधन

इसकी अन्तर्दशा का साधन भी विंशोत्तरी के समान ही है। वहाँ पर जिस ग्रह की दशा में जिस ग्रह की अन्तर्दशा का साधन करना रहता है। उन दोनों के दशा वर्षों का गुणा कर दस का भाग देते हैं। यहाँ पर ९ का और शेष विधि सब उसी प्रकार है।

अभिजित् दशा साधन

अष्टोत्तरी शनि की महादशा में चार नक्षत्र (पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, अभिजित् तथा श्रवण) गृहीत हैं। इनमें अभिजित् का मान और नक्षत्रों की अपेक्षा भिन्न

है। उत्तराषाढ़ा की अन्तिम १५ घटी तथा श्रवण की आदि की ४ मिलाकर १९ घटी अभिजित् का भोग हुआ, परन्तु यह मान नक्षत्रों का भोग ६० घटी मान कर लाया गया है। यदि उनका भोग काल न्यूनाधिक हो तो उस अनुपात से अभिजित् का भी भोग काल रहेगा। अतः इसका साधन भिन्न प्रकार से करने में सरलता रहेगी।

पू.अं.	उ.अं.	अ.अं.	श्र.अं.	नक्षत्र
चं.	चं.	चं.	चं.	चन्द्र
८	९	९	९	रा.
२६	६	१०	२३	अं.
४०	४०	५३	२०	क.
०	०	२०	०	वि.
८००	६००	२५३	७४६	भाजक
०	०	२०	२०	
३०	३०	३०	३०	मास

शनि की महादशा में पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र की दशा का साधन पूर्व रीति से करना चाहिए। शेष की दशा का साधन इस प्रकार करने में सरलता रहेगी। यहाँ पर नक्षत्रों के भोग मान न्यूनाधिक होने पर भी दशा वर्षादि मान समान ही रहेगा। अर्थात प्रत्येक नक्षत्र की दशा का मान २।। वर्ष रहेगा। दशा साधन करते समय जन्म के स्पष्टचन्द्र को देख कर किसकी दशा में जन्म है यह समझ लेना चाहिए। अर्थात जन्म का चन्द्र यदि ८।२६।४०।० से कम हो तो उत्तराषाढ़ा की दशा रहेगी (इसकी समझ के लिए कोष्ठक दिया गया है।) और जन्म का चन्द्र ९।६।४०।० से अधिक तथा ९।१०।५३।२० से कम हो तो अभिजित् दशा रहेगी एवं ९।१०।५३।२० से जन्म का चन्द्र अधिक हो तथा ९।२३।२०।० इससे कम हो तो श्रवण की दशा रहेगी। दशा का निर्णय करके जन्म के चन्द्र में गत नक्षत्र के चन्द्र को घटाने से वर्तमान नक्षत्र का राश्यादि शेष रहेगा। उसकी विकला बनाकर तथा ३० से गुणाकर अपनी भोग कला (कोष्ठक में दी गयी है) का भाग देने से उस नक्षत्र का भुक्त मासादि फल आयेगा।

यथा चन्द्र ९।६।५०।१० है। इसमें उत्तराषाढ़ा का चन्द्र घटाया (९।६।५०।१०)−(९।६।४०।०)=०।०।१०।१० शेष अभिजित् का राश्यादि मान रहा। इसकी विकला ६१० को ३० से गुणा करने पर १८३०० हुआ। अभिजित् की भोग कला २५३।२० की विकला २५३×६०+२०=१५१८०+२० = १५२०० का भाग दिया। लब्ध मासादि १।६।७ हुआ। इसको गत दो नक्षत्रों के भोग वर्षादि में जोड़ा (५।०।०।०) + (०।१।६।७) = ५।१।६।७ तब यह शनि की भुक्त दशा हुई। १०−(५।१।६।७)=४।१०।२३।५३ यह भोग्य दशा होगी। इस प्रकार उत्तराषाढ़ा तथा श्रवण की दशा साधन करें।

अथाष्टोत्तरीमहादशाऽन्तर्दशाचक्रमिदम्

		सूर्य दशा वर्ष ६					चंद्र दशा वर्ष १०				
ग्र.	नक्षत्राणि	अं.	व.	मा.	दि.	घ.	अं.	व.	मा.	दि.	घ.
र.	आर्द्रा. पुन. पुष्य आश्लेषा	र.	०	४	०	०	चं.	२	१	०	०
चं.	मधा. पूर्वाफा. उत्तराफा.	चं.	०	१०	०	०	मं.	१	१	१०	०
मं.	हस्त. चित्रा. स्वाति. बिशा.	मं.	०	५	१०	०	बु.	२	४	१०	०
बु.	अनुराधा. ज्येष्ठा, मूल	बु.	०	११	१०	०	श.	१	४	२०	०
श.	पूषा. उषा. अभि. श्रवण	श.	०	६	२०	०	वृ.	२	७	२०	०
वृ.	घनिष्ठा.शतभिषा. पूर्वाभा.	वृ.	१	०	२०	०	रा.	१	८	०	०
रा.	उ.भा. रेवती. अश्वि. भर.	रा.	०	८	०	०	शु.	२	११	०	०
शु.	कृत्तिका. रोहिणी. मृग.	शु.	१	२	०	०	र.	०	१०	०	०

भौम दशा वर्ष 8					बुध दशा वर्ष ~~१७~~ 17					शनि दशा वर्ष १०				
अं.	व.	मा.	दि.	घ.	अं.	व.	मा.	दि.	घ.	अं.	व.	मा.	दि.	घ.
मं.	०	७	३	२०	बु.	२	८	३	२०	श.	०	११	३	२०
बु.	१	३	३	२०	श.	१	६	२६	४०	वृ.	१	९	३	२०
श.	०	८	२६	४०	वृ.	२	११	२६	४०	रा.	१	१	१०	०
वृ.	१	४	२६	४०	रा.	१	१०	२०	०	शु.	१	११	१०	०
रा.	०	१०	२०	०	शु.	३	३	२०	०	र.	०	६	२०	०
शु.	१	६	२०	०	र.	०	११	१०	०	चं.	१	४	२०	०
र.	०	५	१०	०	चं.	२	४	१०	०	मं.	०	८	२६	४०
चं.	१	१	१०	०	मं.	१	३	३	२०	बु.	१	६	२६	४०

गुरु दशा वर्ष १९					राहु दशा वर्ष १२					शुक्र दशा वर्ष २१				
अं.	व.	मा.	दि.	घ.	अं.	व.	मा.	दि.	घ.	अं.	व.	मा.	दि.	घ.
वृ.	३	४	३	२०	रा.	१	४	०	०	शु.	४	१	०	०
रा.	२	१	१०	०	शु.	२	४	०	०	र.	१	२	०	०
शु.	३	८	१०	०	र.	०	८	०	०	चं.	२	११	०	०
र.	१	०	२०	०	चं.	१	८	०	०	मं.	१	६	२०	०
चं.	२	७	२०	०	मं.	०	१०	२०	०	बु.	३	३	२०	०
मं.	१	४	२६	४०	बु.	१	१०	२०	०	श.	१	११	१०	०
बु.	२	११	२६	४०	श.	१	१	१०	०	वृ.	३	८	१०	०
श.	१	९	३	२०	वृ.	२	१	१०	०	रा.	२	४	०	०

अथ योगिनी दशा साधन — मंगला पिंगला धन्या भ्रामरी भद्रिका तथा ।
उल्का सिद्धा संकटा च फलमासां स्वनामवत् ।।

श्लोक में प्रदर्शित मंगला, पिंगला, धन्या , भ्रामरी, भद्रिका, उल्का, सिद्धा तथा संकटा ये आठ दशायें योगिनी दशा में रहती हैं और इनके वर्ष क्रमशः १,२,३,४,५,६,७,८ ये हैं। जन्म नक्षत्र संख्या (अश्विनी से) में ३ जोड़कर ८ का भाग देने से शेष संख्यक योगिनी दशा[१] होगी।

१.— स्वर्क्ष पिनाकिनयनयुक्तं च वसुभिर्हरेत्। शेषेण योगिनी ज्ञेया शून्यपातेन संकटा।।

जातक का जन्म नक्षत्र मृगशीर्ष है। यह पंचम है। इसमें ३ मिलाया तब ८ हुआ। इसमें ८ का भाग देने से यही शेष माना जायेगा। अत: जन्म संकटा में हुआ। इसका भुक्त भोग्य भी विंशोत्तरी दशा की तरह लाना चाहिये और लिखने आदि का क्रम विंशोत्तरी की तरह रहेगा। योगिनी की पूरी वर्ष संख्या ३६ ही है। अत: इस दशा की पुनरावृत्ति करनी चाहिये। जिससे जीवन पर्यन्त की दशा का विचार हो सके।

॥ अथ योगिनीदशाऽन्तर्दशाज्ञानार्थ चक्रमिदम् ॥

मंगला १ चं.	पिंगला २ सू.	धान्या ३ गु.	भ्रामरी ४ मं.	भद्रिका ५ बु.	उल्का ६ श.	सिद्धा ७ शु.	संकटा ८ कें
आर्द्रा चित्रा श्रवण	पुनर्वसु. स्वाती धनिष्ठा	पुष्य विशाखा शतभिषा	अश्विनी आश्लेषा अनुराधा, पूर्वा भाद्रपदा	भरणी, मघा, ज्येष्ठा उत्तराभाद्रपदा	कृतिका पूर्वा– फाल्गुनी, मूल रेवती	रोहिणी, उत्तरा फाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा	मृगशीर्ष, हस्त उत्तराषाढ़ा
मा. दि.	मा. दि.	मा. दि.	मा. दि.	मा. दि.	मा. दि.	मा. दि.	मा. दि.
मं ० १०	पिं. १ १०	धा. ३ ०	भ्रा. ५ १०	भ. ८ १०	उ. १२ ०	सि. १६ १०	सं. २१ १०
पि. ० २०	धा. २ ०	भ्रा. ४ ०	भ. ६ २०	उ. १० ०	सि. १४ ०	सं. १८ २०	मं. २ २०
धा. १ ०	भ्रा. २ २०	भ. ५ ०	उ. ८ ०	सि. ११ २०	सं. १६ ०	मं. २ १०	पिं. ५ १०
भ्रा. १ १०	भ. ३ १०	उ. ६ ०	सिं. ९ १०	सं. १३ १०	मं. २ ०	पिं. ४ २०	धा. ८ ०
भ. १ २०	उ. ४ ०	सिं. ७ ०	सं. १० २०	मं. १ २०	पिं. ४ ०	धा. ७ ०	भ्रा. १० २०
उ. २ ०	सिं. ४ २०	सं. ८ ०	मं. १ १०	पिं. ३ १०	धा. ६ ०	भ्रा. ९ १०	भ. १३ १०
सिं २ १०	सं. ५ १०	मं. १ ०	पिं. २ २०	धा. ५ ०	भ्रा. ८ ०	भ. ११ २०	उ. १६ ०
सं. २ २०	मं. ० २०	पिं. २ ०	धा. ४ ०	भ्रा. ६ २०	भ. १० ०	उ. १४ ०	सिं. १८ २०

अथ विंशोत्तरीसूर्यमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रं.	०	०	५	२४
चं.	०	०	९	०
मं.	०	०	६	१८
रा.	०	०	१६	१२
वृ	०	०	१४	२४
शं.	०	०	१७	६
बु.	०	०	१५	१८
के.	०	०	६	१८
शु.	०	०	१८	०

अथ चंद्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	०	१५	०
मं.	०	०	१०	३०
रा.	०	०	२७	०
वृ.	०	०	२४	०
श.	०	०	२८	३०
बु.	०	०	२५	३०
के.	०	०	१०	३०
शु.	०	१	०	०
र.	०	०	९	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
मं.	०	०	७	२१
रा.	०	०	१८	५४
वृ.	०	०	१६	४८
श.	०	०	१९	५७
बु.	०	०	१७	५०
के.	०	०	७	२१
शु.	०	०	२१	०
र.	०	०	६	१८
चं.	०	०	१०	३०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	१	१८	३६
वृ.	०	१	१३	१२
श.	०	१	२१	१८
बु.	०	१	१५	५४
के.	०	०	१८	५४
शु.	०	१	२४	०
र.	०	०	१६	१२
च.	०	०	२७	०
मं.	०	०	१८	५४

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
वृ.	०	१	८	२४
श.	०	१	१५	३६
बु.	०	१	१०	४८
के.	०	०	१६	४८
शु.	०	१	१८	०
र.	०	०	१४	२४
चं.	०	०	२४	०
मं.	०	०	१६	४८
रा.	०	१	१३	१२

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
श.	०	१	२४	९
बु.	०	१	१८	२७
के.	०	०	१९	५७
शु.	०	१	२७	०
र.	०	०	१७	६
चं.	०	०	२८	३०
मं.	०	०	१९	५७
रा.	०	१	२१	१८
वृ.	०	१	१५	३६

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बु.	०	१	१३	२१
के.	०	०	१७	५१
शु.	०	१	२१	०
र.	०	०	१५	१८
चं.	०	०	२५	३०
मं.	०	०	१७	५१
रा.	०	१	१५	५४
वृ.	०	१	१०	४८
श.	०	१	१८	२७

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
के.	०	०	७	२१
शु.	०	०	२१	०
र.	०	०	६	१८
चं.	०	०	१०	३०
मं.	०	०	७	२१
रा.	०	०	१८	५४
वृ.	०	०	१६	४८
श.	०	०	१९	५७
बु.	०	०	१७	५१

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
शु.	०	२	०	०
र.	०	०	१८	०
चं.	०	१	०	०
मं.	०	०	२१	०
रा.	०	१	२४	०
वृ.	०	१	१८	०
श.	०	१	२७	०
बु.	०	१	२१	०
के.	०	०	२१	०

अथ विंशोत्तरीचन्द्रमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	०	२५	०
मं.	०	०	१७	३०
रा.	०	१	१५	०
वृ.	०	१	१०	०
श.	०	१	१७	३०
बु.	०	१	१२	३०
के.	०	०	१७	३०
शु.	०	१	२०	०
र.	०	०	१५	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
मं.	०	०	१२	१५
रा.	०	१	१	३०
वृ.	०	०	२८	०
श.	०	१	३	१५
बु.	०	०	२९	४५
के.	०	०	१२	१५
शु.	०	१	५	०
र.	०	०	१०	३०
चं.	०	०	१७	३०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	२	२१	०
वृ.	०	२	१२	०
श.	०	२	२५	३०
बु.	०	२	१६	३०
के.	०	१	१	३०
शु.	०	३	०	०
र.	०	०	२७	०
चं.	०	१	१५	०
मं.	०	१	१	३०

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
वृ.	०	२	४	०
श.	०	२	१६	०
बु.	०	२	८	०
के.	०	०	२८	०
शु.	०	२	२०	०
र.	०	०	२४	०
चं.	०	१	१०	०
मं.	०	०	२८	०
रा.	०	२	१२	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
श.	०	३	०	१५
बु.	०	२	२०	४५
के.	०	१	३	१५
शु.	०	३		०
र.	०	०	२८	३०
चं.	०	१	१७	३०
मं.	०	१	३	१५
रा.	०	२	२५	३०
वृ.	०	२	१६	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बु.	०	२	१२	१५
के.	०	०	२९	४५
शु.	०	२	२५	०
र.	०	०	२५	३०
चं.	०	१	१२	३०
मं.	०	०	२९	४५
रा.	०	२	१६	३०
वृ.	०	२	८	०
श.	०	२	२०	४५

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
के.	०	०	१२	१५
शु.	०	१	५	०
र.	०	०	१०	३०
चं.	०	०	१७	३०
मं.	०	०	१२	१५
रा.	०	१	१	३०
वृ.	०	०	२८	०
श.	०	१	३	१५
बु.	०	०	२९	४५

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
शु.	०	३	१०	०
र.	०	१	०	०
चं.	०	१	२०	०
मं.	०	१	५	०
रा.	०	३	०	०
वृ.	०	२	२०	०
श.	०	३	५	०
बु.	०	२	२५	०
के.	०	१	५	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
र.	०	०	९	०
चं.	०	०	१५	०
मं.	०	०	१०	३०
रा.	०	०	२७	०
वृ.	०	०	२४	०
श.	०	०	२८	३०
बु.	०	०	२५	३०
के.	०	०	१०	३०
शु.	०	१	०	०

अथ विंशोत्तरीभौममहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
मं	०	०	८	३५
रा.	०	०	२२	३
वृ.	०	०	१९	३६
श.	०	०	२३	१६
बु.	०	०	२०	५०
के.	०	०	८	३४
शु.	०	०	२४	३०
र.	०	०	७	२१
चं.	०	०	१२	१५

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	१	२६	४२
वृ.	०	१	२०	२४
श.	०	१	२९	५१
बु.	०	१	२३	३३
के.	०	०	२२	३
शु.	०	२	३	०
र.	०	०	१८	५४
चं.	०	१	१	३०
मं.	०	०	२२	३

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
वृ.	०	१	१४	४८
श.	०	१	२३	३२
बु.	०	१	१७	३६
के.	०	०	१९	३६
शु.	०	१	२६	०
र.	०	०	१६	४८
चं.	०	०	२८	०
मं.	०	०	१९	३६
रा.	०	१	२०	२४

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
श.	२	३	१०	३०
बु.	१	२६	३१	३०
के.	०	२३	१६	३०
शु.	२	६	३०	०
र.	०	१९	५७	०
चं.	१	३	१५	०
मं.	०	२३	१६	०
रा.	१	२९	५१	०
वृ.	१	२३	१२	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बु.	१	२०	३४	३०
के.	०	२०	४९	३०
शु.	१	२९	३०	०
र.	०	१७	५१	०
चं.	०	२९	४५	०
मं.	०	२०	४९	३०
रा.	१	२३	३३	०
वृ.	१	१७	३६	०
श.	१	२६	३१	३०

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
के.	०	८	३४	३०
शु.	०	२४	३०	०
र.	०	७	२१	०
चं.	०	१२	१५	०
मं.	०	८	३४	३०
रा.	०	२२	३	०
वृ.	०	१९	३६	०
श.	०	२३	१६	३०
बु.	०	२०	४९	३०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
शु.	०	२	१०	०
र.	०	०	२१	०
चं.	०	१	५	०
मं.	०	०	२४	३०
रा.	०	२	३	०
वृ.	०	१	२६	०
श.	०	२	६	३०
बु.	०	१	२९	३०
के.	०	०	२४	३०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
र.	०	०	६	१८
चं.	०	०	१०	३०
मं.	०	०	७	२१
रा.	०	०	१८	५४
वृ.	०	०	१६	४८
श.	०	०	१९	५७
बु.	०	०	१७	५१
के.	०	०	७	२१
शु.	०	०	२१	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	०	१७	३०
मं.	०	०	१२	१५
रा.	०	१	१	३०
वृ.	०	०	२८	०
श.	०	१	३	१५
बु.	०	०	२९	४५
के.	०	०	१२	१५
शु.	०	१	५	०
र.	०	०	१०	३०

अथ विंशोत्तरीराहुमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	४	२५	४८
वृ.	०	४	९	३६
श.	०	५	३	५४
बु.	०	४	१७	४२
के.	०	१	२६	४२
शु.	०	५	१२	०
र.	०	१	१८	३६
चं.	०	२	२१	०
मं.	०	१	२६	४२

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
वृ.	०	३	२५	१२
श.	०	४	१६	४८
बु.	०	४	२	२४
के.	०	१	२०	२४
शु.	०	४	२४	०
र.	०	१	१३	१२
चं.	०	२	१२	०
मं.	०	१	२०	२४
रा.	०	४	९	३६

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
श.	०	५	१२	२७
बु.	०	४	२५	२१
के.	०	१	२९	५१
शु.	०	५	२१	०
र.	०	१	२१	१८
चं.	०	२	२५	३०
मं.	०	१	२९	५१
रा.	०	५	३	५४
वृ.	०	४	१६	४८

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बु.	०	४	१०	३
के.	०	१	२३	३३
शु.	०	५	३	०
र.	०	१	१५	५४
चं.	०	२	१६	३०
मं.	०	१	२३	३३
रा.	०	४	१७	४२
वृ.	०	४	२	२४
श.	०	४	२५	११

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
के.	०	०	२२	३
शु.	०	२	३	०
र.	०	०	१८	५४
चं.	०	१	१	३०
मं.	०	०	२२	३
रा.	०	१	२६	४२
वृ.	०	१	२०	२४
श.	०	१	२९	५१
बु.	०	१	२३	३३

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
शु.	०	६	०	०
र.	०	१	२४	०
चं.	०	३	०	०
मं.	०	२	३	०
रा.	०	५	१२	०
वृ.	०	४	२४	०
श.	०	५	२१	०
बु.	०	५	३	०
के.	०	२	३	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
र.	०	०	१६	१२
चं.	०	०	२७	०
मं.	०	०	१८	५४
रा.	०	१	१८	३६
वृ.	०	१	१३	१२
श.	०	१	२१	१८
बु	०	१	१५	५४
के.	०	०	१८	५४
शु.	०	१	२४	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	१	१५	०
मं.	०	१	१	३०
रा.	०	२	२१	०
वृ.	०	२	१२	०
श.	०	२	२५	३०
बु.	०	२	१६	३०
के.	०	१	१	३०
शु.	०	३	०	०
र.	०	०	२७	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
मं.	०	०	२२	३
रा.	०	१	२६	४२
वृ.	०	१	२०	२४
श.	०	१	२९	५१
बु.	०	१	२३	३३
के.	०	०	२२	३
शु.	०	२	३	०
र.	०	०	१८	५४
चं.	०	१	१	३०

अथ विंशोत्तरीगुरुमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
वृ.	०	३	१२	२४
श.	०	४	१	३६
बु.	०	३	१८	४८
के.	०	१	१४	४८
शु.	०	४	८	०
र.	०	१	८	२४
चं.	०	२	४	०
मं.	०	१	१४	४८
रा.	०	३	२५	१२

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
श.	०	४	२४	२४
बु.	०	४	९	१२
के.	०	१	२३	१२
शु.	०	५	२	०
र.	०	१	१५	३६
चं.	०	२	१६	०
मं.	०	१	२३	१२
रा.	०	४	१६	४८
वृ.	०	४	१	३६

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बु.	०	३	२५	३६
के.	०	१	१७	३६
शु.	०	४	१६	०
र.	०	१	१०	४६
चं.	०	२	८	०
मं.	०	१	१७	३६
रा.	०	४	२	२४
वृ.	०	३	१८	४८
श.	०	४	९	१२

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
के.	०	०	१९	३६
शु.	०	१	२६	०
र.	०	०	१६	४८
चं.	०	०	२८	०
मं.	०	०	१९	३६
रा.	०	१	२०	२४
वृ.	०	१	१४	४८
श.	०	१	२३	१२
बु.	०	१	१७	३६

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
शु.	०	५	१०	०
र.	०	१	१८	०
चं.	०	२	२०	०
मं.	०	१	२६	०
रा.	०	४	२४	०
वृ.	०	४	८	०
श.	०	५	२	०
बु.	०	४	१६	०
के.	०	१	२६	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
र.	०	०	१४	२४
च.	०	०	२४	०
मं.	०	०	१६	४८
रा.	०	१	१३	१२
वृ.	०	१	८	२४
श.	०	१	१५	३६
बु.	०	१	१०	४८
के.	०	०	१६	४८
शु.	०	१	१८	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	१	१०	०
मं.	०	०	२८	०
रा.	०	२	१२	०
वृ.	०	२	४	०
श.	०	२	१६	०
बु.	०	२	८	०
के.	०	०	२८	०
शु.	०	२	२०	०
र.	०	०	२४	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
मं.	०	०	१९	३६
रा.	०	१	२०	२४
वृ.	०	१	१४	४८
श.	०	१	२३	१२
बु.	०	१	१७	३६
के.	०	०	१९	३६
शु.	०	१	२६	०
र.	०	०	१६	४८
चं.	०	०	२८	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	४	९	३६
वृ.	०	३	२५	१२
श.	०	४	१६	४८
बु.	०	४	२	२४
के.	०	१	२०	२४
शु.	०	४	२४	०
र.	०	१	१३	१२
चं.	०	२	१२	०
मं.	०	१	२०	२४

अथ विंशोत्तरीशनिमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
श.	०	५	२१	२८	३०
बु.	०	५	३	२५	३०
के.	०	२	३	१०	३०
शु.	०	६	०	३०	०
र.	०	१	२४	९	०
चं.	०	३	०	१५	०
मं.	०	२	३	१०	३०
रा.	०	५	१२	२७	०
वृ.	०	४	२४	२४	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
बु.	०	४	१७	१६	३०
के.	०	१	२६	३१	३०
शु.	०	५	११	३०	०
र.	०	१	१८	२७	०
चं.	०	२	२०	४५	०
मं.	०	१	२६	३१	३०
रा.	०	४	२५	३१	०
वृ.	०	४	९	१२	०
श.	०	५	३	२५	३०

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
के.	०	०	२३	१६	३०
शु.	०	२	६	३०	०
र.	०	०	१९	५७	०
चं.	०	१	३	१५	०
मं.	०	०	२३	१६	३०
रा.	०	१	२९	५१	०
वृ.	०	१	२३	१२	०
श.	०	२	३	१०	३०
बु.	०	१	२६	३१	३०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
शु.	०	६	१०	०
र.	०	१	२७	०
चं.	०	३	५	०
मं.	०	२	६	३०
रा.	०	५	२१	०
वृ.	०	५	२	०
श.	०	६	०	३०
बु.	०	५	११	३०
के.	०	२	६	३०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
र.	०	०	१७	६
चं.	०	०	२८	३०
मं.	०	०	१९	५७
रा.	०	१	२१	१८
वृ.	०	१	१५	३६
श.	०	१	२४	९
बु.	०	१	१८	२७
के.	०	०	१९	५७
शु.	०	१	२७	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	१	१७	३०
मं.	०	१	३	१५
रा.	०	२	२५	३०
वृ.	०	२	१६	०
श.	०	३	०	१५
बु.	०	२	२०	४५
के.	०	१	३	१५
शु.	०	३	५	०
र.	०	०	२८	३०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
मं.	०	०	२३	१६	३०
रा.	०	१	२९	५१	०
वृ.	०	१	२३	१२	०
श.	०	२	३	१०	०
बु.	०	१	२६	३१	३०
के.	०	०	२३	१६	३०
शु.	०	२	६	३०	०
र.	०	०	१९	५७	०
चं.	०	१	३	१५	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	५	३	५४
वृ.	०	४	१६	४८
श.	०	५	१२	२७
बु.	०	४	२५	२१
के.	०	१	२९	५१
शु.	०	५	२१	०
र.	०	१	२१	१८
चं.	०	२	२५	३०
मं.	०	१	२९	५१

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
वृ.	०	४	१	३६
श.	०	४	२४	२४
बु.	०	४	९	१२
के.	०	१	२३	१२
शु.	०	५	२	०
र.	०	१	१५	३६
चं.	०	२	१६	०
मं.	०	१	२३	१२
रा.	०	४	१६	४८

अथ विंशोत्तरीबुधमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
बु.	०	४	२	४९	३०
के.	०	१	२०	३४	३०
शु.	०	४	२४	३०	०
र.	०	१	१३	२१	०
चं.	०	२	१२	१५	०
मं.	०	१	२०	३४	३०
रा.	०	४	१०	३	०
वृ.	०	३	२५	३६	०
श.	०	४	१७	१६	३०

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
के.	०	०	२०	४९	३०
शु.	०	१	२९	३०	०
र.	०	०	१७	५१	०
चं.	०	०	२९	४५	०
मं.	०	०	२०	४९	३०
रा.	०	१	२३	३३	०
वृ.	०	१	१७	३६	०
श.	०	१	२६	३१	३०
बु.	०	१	२०	३४	३०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
शु.	०	५	२०	०
र.	०	१	२१	०
चं.	०	२	२५	०
मं.	०	१	२९	३०
रा.	०	५	३	०
वृ.	०	४	१६	०
श.	०	५	११	३०
बु.	०	४	२४	३०
के.	०	१	२९	३०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
र.	०	०	१५	१८
च.	०	०	२५	३०
मं.	०	०	१७	५१
रा.	०	१	१५	५४
वृ.	०	१	१०	४८
श.	०	१	१८	२७
बु.	०	१	१३	२१
के.	०	०	१७	५१
शु.	०	१	२१	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	१	१२	३०
मं.	०	०	२९	४५
रा.	०	२	१६	३०
वृ.	०	२	८	०
श.	०	२	२०	४५
बु.	०	२	१२	१५
के.	०	०	२९	४५
शु.	०	२	२५	०
र.	०	०	२५	३०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
मं.	०	०	२०	४९	३०
रा.	०	१	२३	३३	०
वृ.	०	१	१७	३६	०
श.	०	१	२६	३१	३०
बु.	०	१	२०	३४	३०
के.	०	०	२०	४९	३०
शु.	०	१	२९	३०	०
र.	०	०	१७	५१	०
चं.	०	०	२९	४५	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	४	१७	४२
वृ.	०	४	२	२४
श.	०	४	२५	२१
बु.	०	४	१०	३
के.	०	१	२३	३३
शु.	०	५	३	०
र.	०	१	१५	५४
चं.	०	२	१६	३०
मं.	०	१	२३	३३

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
वृ.	०	३	१८	४८
श.	०	४	९	१२
बु.	०	३	२५	३६
के.	०	१	१७	३६
शु.	०	४	१६	०
र.	०	१	१०	४८
चं.	०	२	८	०
मं.	०	१	१७	३६
रा.	०	४	२	२४

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
श.	०	५	३	२५	३०
बु.	०	४	१७	१६	३०
के.	०	१	२६	३१	३०
शु.	०	५	११	३०	०
र.	०	१	१८	२७	०
चं.	०	२	२०	४५	०
मं.	०	१	२६	३१	३०
रा.	०	४	२५	२१	०
वृ.	०	४	९	१२	०

अथ विंशोत्तरीकेतुमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
के.	०	०	८	३४	३०
शु.	०	०	२४	३०	०
र.	०	०	७	२१	०
चं.	०	०	१२	१५	०
मं.	०	०	८	३४	३०
रा.	०	०	२२	३	०
वृ.	०	०	१९	३६	०
श.	०	०	२३	१६	३०
बु.	०	०	२०	४९	३०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
शु.	०	२	१०	०
र.	०	०	२१	०
चं.	०	१	५	०
मं.	०	०	२४	३०
रा.	०	२	३	०
वृ.	०	१	२६	०
श.	०	२	६	३०
बु.	०	१	२९	३०
के.	०	०	२४	३०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
र.	०	०	६	१८
चं.	०	०	१०	३०
मं.	०	०	७	२१
रा.	०	०	१८	५४
वृ.	०	०	१६	४८
श.	०	०	१९	५७
बु.	०	०	१७	५१
के.	०	०	७	२१
शु.	०	०	२१	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	०	१७	३०
मं.	०	०	१२	१५
रा.	०	१	१	३०
वृ.	०	०	२८	०
श.	०	१	३	१५
बु.	०	०	२९	४५
के.	०	०	१२	१५
शु.	०	१	५	०
र.	०	०	१०	३०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
मं.	०	०	८	३४	३०
रा.	०	०	२२	३	०
वृ.	०	०	१९	३६	०
श.	०	०	२३	१६	३०
बु.	०	०	२०	४९	३०
के.	०	०	८	३४	३०
शु.	०	०	२४	३०	०
र.	०	०	७	२१	०
चं.	०	०	१२	१५	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	१	२६	४२
वृ.	०	१	२०	२४
श.	०	१	२९	५१
बु.	०	१	२३	३३
के.	०	०	२२	३
शु.	०	२	३	०
र.	०	०	१८	५४
चं.	०	१	१	३०
मं.	०	०	२२	३

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
वृ.		१	१४	४८
श.	०	०	३	१२
बु.	०	१	१७	३६
के.	०	०	१९	३६
शु.	०	१	२६	०
र.	०	०	१६	४८
चं.	०	०	२८	०
मं.	०	०	१९	३६
रा.	०	१	२०	२४

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
श.	०	२	३	१०	३०
बु.	०	१	२६	३१	३०
के.	०	०	२३	१६	३०
शु.	०	२	६	३०	०
र.	०	०	१९	५७	०
चं.	०	१	३	१५	०
मं.	०	०	२३	१६	३०
रा.	०	१	२९	५१	०
वृ.	०	१	२३	१२	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
बु.	०	१	२०	३४	३०
के.	०	०	२०	४९	३०
शु.	०	१	२९	३०	०
र.	०	०	१७	५१	०
चं.	०	०	२९	४५	०
मं.	०	०	२०	४९	३०
रा.	०	१	२३	३३	०
वृ.	०	१	१७	३६	०
श.	०	१	२६	३१	३०

अथ विंशोत्तरीशुक्रमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
शु.	०	६	२०	०
र.	०	२	०	०
चं.	०	३	१०	०
मं.	०	२	१०	०
रा.	०	६	०	०
वृ.	०	५	१०	०
श.	०	६	१०	०
बु.	०	५	२०	०
के.	०	२	१०	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
र.	०	०	१८	०
चं.	०	१	०	०
मं.	०	०	२१	०
रा.	०	१	२४	०
वृ.	०	१	१८	०
श.	०	१	२७	०
बु.	०	१	२१	०
के.	०	०	२१	०
शु.	०	२	०	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	१	२०	०
म.	०	१	५	०
रा.	०	३	०	०
वृ.	०	२	२०	०
श.	०	३	५	०
बु.	०	२	२५	०
के.	०	१	५	०
शु.	०	३	१०	०
र.	०	१	०	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
मं.	०	०	२४	३०
रा.	०	२	३	०
वृ.	०	१	२६	०
श.	०	२	६	३०
बु.	०	१	२९	३०
के.	०	०	२४	३०
शु.	०	२	१०	०
र.	०	०	२१	०
चं.	०	१	५	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	५	१२	०
वृ.	०	४	२४	०
श.	०	५	२१	०
बु.	०	५	३	०
के.	०	२	३	०
शु.	०	६	०	०
र.	०	१	२४	०
चं.	०	३	०	०
मं.	०	२	३	०

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
वृ.	०	४	८	०
श.	०	५	२	०
बु.	०	४	१६	०
के.	०	१	२६	०
शु.	०	५	१०	०
र.	०	१	१८	०
चं.	०	२	२०	०
मं.	०	१	२६	०
रा.	०	४	२४	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
श.	०	६	०	३०
बु.	०	५	११	३०
के.	०	२	६	३०
शु.	०	६	१०	०
र.	०	१	२७	०
चं.	०	३	५	०
मं	०	२	६	३०
रा.	०	५	२१	०
वृ.	०	५	२	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बु.	०	४	२४	३०
के.	०	१	२९	३०
शु.	०	५	२०	०
र.	०	१	२१	०
चं.	०	२	२५	०
मं.	०	१	२९	३०
रा.	०	५	३	०
वृ.	०	४	१६	०
श.	०	५	११	३०

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
के.	०	०	२४	३०
शु.	०	२	१०	०
र.	०	०	२१	०
चं.	०	१	५	०
मं.	०	०	२४	३०
रा.	०	२	३	०
वृ.	०	१	२६	०
श.	०	२	६	३०
बु.	०	१	२९	३०

अथाष्टोत्तरी सूर्यमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	०	०	०	०	०	०	०	४
दि.	६	१६	८	१८	११	२१	१३	२३	०
घ.	४०	४०	५३	५३	६	६	२०	२०	०
प.	०	०	२०	२०	४०	४०	०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	१	०	१	०	१	१	१	०	१०
दि.	११	२२	१७	२७	२२	३	२८	१६	०
घ.	४०	१३	१३	४६	४६	२०	२०	४०	०
प.	०	२०	२०	४०	४०	०	०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	च.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	०	०	०	०	१	०	०	५
दि.	११	२५	१४	२८	१७	१	८	२२	१०
घ.	५१	११	४८	८	४६	६	५३	१३	०
प.	६	६	५३	५३	४०	४०	२०	२०	०
वि.	४०	४०	२०	२०	०	०	०	०	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	१	१	१	१	२	०	१	०	११
दि.	२३	१	२९	७	६	१८	१७	२५	१०
घ.	३१	२८	४८	४६	६	५३	१३	११	०
प.	६	५३	५३	४०	४०	२०	२०	६	०
वि.	४०	०	०	०	०	२०	२०	४०	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	०	१	०	०	०	१	६
दि.	१८	५	२२	८	११	२७	१४	१	२०
घ.	३१	११	१३	५३	६	४६	४८	२८	०
प.	६	६	२०	२०	४०	४०	५३	५३	०
वि.	४०	४०	०	०	०	०	२०	२०	०

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	१	२	०	१	०	१	१	०
दि.	६	१२	१३	२१	२२	२८	२९	५	२०
घ.	५१	१३	५३	६	४६	८	४०	११	०
प.	६	२०	२०	४०	४०	५३	५३	६	०
वि.	४०	०	०	०	०	२०	२०	४०	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	०	१	०	१	०	१	८
दि.	२६	१६	१३	३	१७	७	२२	१२	०
घ.	४०	४०	२०	२०	४६	४६	१३	१३	०
प.	०	०	०	०	४०	४०	२०	२०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	०	१	१	२	१	२	१	२
दि.	२१	२३	२८	१	६	८	१३	१६	०
घ.	४०	२०	२०	६	६	५३	५३	४०	०
प.	०	०	०	४०	४०	२०	२०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथाष्टोत्तरी चन्द्रमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	चं	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	३	१	३	२	४	२	४	१	१
दि.	१४	२५	२८	९	११	२३	२५	११	०
घ.	१०	३३	३	२६	५६	२०	५०	४०	०
प.	०	२०	२०	४०	४०	०	०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	०	२	१	२	१	२	०	१	१
दि.	२९	२	७	१०	१४	१७	२२	२५	१०
घ.	३७	५७	२	२२	२६	४६	१३	१३	०
प.	४६	४६	१३	१३	४०	४०	२०	२०	०
वि.	४०	४०	२०	२०	०	०	०	०	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	४	२	४	३	५	१	३	२	४
दि.	१३	१८	२९	४	१५	१७	२८	२	१०
घ.	४७	४२	३२	२६	१६	१३	३	५७	०
प.	४६	१३	१३	४०	४०	२०	२०	४६	०
वि.	४०	२०	२०	०	०	०	०	४०	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	२	१	३	०	२	१	२	४
दि.	१६	२७	२५	७	२७	९	७	१८	२०
घ.	१७	५७	३३	१३	४६	२६	२	४२	०
प.	४६	४६	२०	२०	४०	४०	१३	१३	०
वि.	४०	४०	०	०	०	०	२०	२०	०

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	५	३	६	१	४	२	४	२	७
दि.	१७	१५	४	२२	११	१०	२९	२७	२०
घ.	७	३३	४३	४६	५६	२२	३२	५७	०
प.	४६	२०	२०	४०	४०	१३	१३	४६	०
वि.	४०	०	०	०	०	२०	२०	४०	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	३	१	२	१	३	१	३	८
दि.	६	२६	३	२३	१४	४	२५	१५	०
घ.	४०	४०	२०	२०	२६	२६	३३	३३	०
प.	०	०	०	०	४०	४०	२०	२०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	६	१	४	२	५	३	६	३	११
दि.	४०	२८	२५	१७	१५	७	४	२६	०
घ.	१०	२०	५०	४६	१६	१३	४३	४०	०
प.	०	०	०	४०	४०	२०	२०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	०	१	०	१	१	१	१०
दि.	१६	११	२२	१७	२७	२२	३	२८	०
घ.	४०	४०	१३	१३	४६	४६	२०	२०	०
प.	०	०	२०	२०	४०	४०	०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथाष्टोत्तरी भौममहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	०	१	०	१	०	०	७
दि.	१५	३	१९	७	२३	११	११	२९	३
घ.	४८	३४	४५	३१	४२	२८	५१	३७	२०
प.	८	४८	११	५१	१३	५३	६	४६	०
वि.	५३	५३	७	७	२०	२०	४०	४०	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	१	२	१	२	०	२	१	३
दि.	११	११	१९	२०	२८	२५	२	३	३
घ.	२१	५८	४५	२२	८	११	५७	३४	२०
प.	५८	३१	११	१३	५३	६	४६	४८	०
वि.	५३	७	७	२०	२०	४०	४०	५३	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	०	१	०	१	०	१	८
दि.	२४	१६	२९	२१	१४	७	१९	१२	२६
घ.	४१	५४	३७	५१	४८	२	४५	५८	४०
प.	२८	४८	४६	६	५३	१३	११	३१	०
वि.	५३	५३	४०	४०	२०	२०	७	७	०

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	वृ.	रा.	शु.	र.	च.	मं.	बु.	श.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	१	३	०	२	१	२	१	४
दि.	२९	२६	८	२८	१०	७	१९	१६	२६
घ.	८	१७	३१	८	२२	३१	४५	५४	४०
प.	८	४६	६	५३	१३	५१	११	४८	०
वि.	५३	४०	४०	२०	२०	७	७	५३	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	रा.	शु.	र.	चं	मं.	बु.	श.	वृ.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	१	२	०	१	०	१	०	१	८
दि.	५	२	१७	१४	२३	२०	२९	२६	२०
घ.	३३	१३	४६	२६	४२	२२	३७	१७	०
प.	२०	२०	४०	४०	१३	१३	४६	४६	०
वि.	०	०	०	०	२०	२०	४०	४०	०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	३	१	२	१	२	१	३	२	६
दि.	१८	१	१७	११	२८	२१	८	२	२०
घ.	५३	६	४६	२८	८	५१	३१	१३	०
प.	२०	४०	४०	५३	५३	६	६	२०	०
वि.	०	०	०	२०	२०	४०	४०	०	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	०	०	०	०	०	०	१	५
दि.	८	२२	११	२५	१४	२८	१७	१	१०
घ.	५३	१३	५१	११	४८	८	४६	६	०
प.	२०	२०	६	६	५३	५३	४०	४०	०
वि.	०	०	४०	४०	२०	२०	०	०	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	०	२	१	२	१	०	०	१
दि.	२५	२९	२	७	१०	१४	१७	२२	१०
घ.	३३	३७	५७	२	२२	२६	४६	१३	०
प.	२०	४६	४६	१३	१३	४०	४०	२०	०
वि.	०	४०	४०	२०	२०	०	०	०	०

अथाष्टोत्तरी बुधमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	५	२	५	३	६	१	४	२	८
दि.	१	२९	१९	१७	७	२३	१३	११	३
घ.	३८	११	२८	२	१८	३१	४७	२१	२०
प.	८	५१	३१	१३	५३	६	४६	२८	०
वि.	५३	७	८	२०	२०	४०	४०	५३	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	च.	मं.	बु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	३	२	३	१	२	१	२	६
दि.	२२	९	२	२०	१	१८	११	२९	२६
घ.	२८	४१	५७	११	२८	४२	५८	११	४०
प.	८	२८	४६	६	५३	१३	३१	५१	०
वि.	५३	५३	४०	४०	२०	२०	७	७	०

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	६	३	६	१	४	२	५	३	११
दि.	९	२९	२९	२९	२९	१९	१९	९	२६
घ.	२४	३७	२१	४८	३२	४५	२८	४१	४०
प.	४८	४६	६	५३	१३	११	३१	२८	०
वि.	५३	४०	४०	२०	२०	७	७	५३	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	४	१	३	१	३	२	३	१०
दि.	१५	१२	७	४	२०	१७	२	२९	२०
घ.	३३	१३	४६	२६	२२	२	५७	३७	०
प.	२०	२०	४०	४०	१३	१३	४६	४६	०
वि.	०	०	०	०	२०	२०	४०	४०	०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	३
मा.	७	२	५	२	६	३	६	४	३
दि.	२१	६	१५	२८	७	२०	२९	१२	२०
घ.	२३	६	१६	८	१८	११	२१	१३	०
प.	२०	४०	४३	५३	५३	६	६	२०	०
वि.	०	०	०	२०	२०	४०	४०	०	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
गा.	०	१	०	१	१	१	१	२	११
दि.	१८	१७	२५	२३	१	२९	७	६	१०
घ.	५३	१३	११	३१	२८	४८	४६	६	०
प.	२०	२०	६	६	५३	५३	४०	४०	०
वि.	०	०	४०	४०	२०	२०	०	०	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	३	२	४	२	४	३	५	१	४
दि.	२८	२	१३	२८	२९	४	१५	१७	२०
घ.	३	५७	१७	४२	३२	२६	१६	१३	०
प.	२०	४६	४६	१३	१३	४०	४०	२०	०
वि.	०	४०	४०	२०	२०	०	०	०	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	२	१	२	१	२	०	२	३
दि.	३	११	११	१९	२०	२८	२५	२	३
घ.	३४	२१	५८	४५	२२	८	११	५७	२०
प.	४८	२८	३१	११	१३	५३	६	६	०
वि.	५३	५३	७	७	२०	२०	४०	४०	०

अथाष्टोत्तरी शनिमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	१	१	१	२	०	१	०	१	११
दि.	०	२८	७	४	१८	१६	२४	२२	३
घ.	५१	३८	२	४८	३१	१७	४१	२८	२०
प.	५१	३१	१३	५३	६	४६	२८	८	०
वि.	७	७	२०	२०	४०	४०	५३	५३	०

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	३	२	४	१	२	१	३	१	९
दि.	२१	१०	३	५	२७	१६	९	२८	३
घ.	२५	२२	८	११	५७	५४	४१	३८	२०
प.	११	१३	५३	३	४६	४८	२८	३१	०
वि.	७	२०	२०	४०	४०	५३	५३	७	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	२	०	१	०	२	१	२	१
दि.	१४	१७	२२	२५	२९	२	७	१०	१०
घ.	२६	४६	१३	३३	३७	५७	२	२२	०
प.	४०	४०	२०	२०	४६	४६	१३	१३	०
वि.	०	०	०	०	४०	४०	२०	२०	०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	३	१	३	२	४	२	११
दि.	४	८	७	२१	२०	४	३	१७	१०
घ.	१६	५३	१३	५०	११	४८	८	४६	०
प.	६	२०	२०	६	६	५३	५३	४०	०
वि.	४०	०	०	४०	४०	२०	२०	०	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	०	०	१	०	१	०	१	६
दि.	११	२७	१४	१	२८	५	२२	८	२०
घ.	६	४६	४८	२८	३१	११	१३	५३	०
प.	४०	४०	५३	५३	६	६	२०	२०	०
वि.	०	०	२०	२०	४०	४०	०	०	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	१	२	१	२	१	३	०	४
दि.	९	७	१८	१६	२७	२५	७	२७	२०
घ.	२६	२	४२	१७	५७	३३	१३	४६	०
प.	४०	१३	१३	४६	४६	२०	२०	४०	०
वि.	०	२०	२०	४०	४०	०	०	०	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	०	१	०	१	०	१	८
दि.	१९	११	२४	१६	२९	२१	१४	७	२६
घ.	४५	५८	४१	५४	३७	५१	४८	२	४०
प.	११	३१	२८	४८	४६	६	५३	१३	०
वि.	७	७	५३	५३	४०	४०	२०	२०	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	१	३	२	३	१	२	१	६
दि.	२९	२२	९	२	२०	१	१८	११	२६
घ.	११	२८	४१	५७	११	२८	४२	५८	४०
प.	५१	८	२८	४६	६	५३	१३	३१	०
वि.	७	५३	५३	४०	४०	२०	२०	७	०

अथाष्टोत्तरी गुरुमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	यो.
व.	०	०		०	०	०	०	०	३
मा.	७	४	७	२	५	२	६	३	४
दि.	१	१३	२३	६	१७	२९	९	२१	३
घ.	४१	४२	५८	५१	७	८	२४	२५	२०
प.	५१	१३	५३	६	४६	८	४८	११	०
वि.	७	२०	२०	४०	४०	५३	५३	७	२

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	२	४	१	३	१	३	२	४	१
दि.	२४	२७	१२	१५	२६	२९	१०	१३	१०
घ.	२६	४६	१३	३३	१७	३७	२२	४२	०
प.	४०	४०	२०	२०	४६	४६	१३	१३	०
वि.	०	०	०	०	४०	४०	२०	२०	०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	३
मा.	८	२	६	३	६	४	७	४	८
दि.	१८	१३	४	८	२९	३	२३	२७	१०
घ.	३६	५३	४३	३१	२१	८	५३	४६	०
प.	४०	२०	२०	६	६	५३	५८	४०	०
वि.	०	०	०	४०	४०	२०	२०	०	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	०	१	०	१	१	२	१	२	०
दि.	२१	२२	२८	२९	५	६	१२	१३	२०
घ.	६	४६	८	४८	११	५१	१३	५३	०
प.	४०	४०	५३	५३	६	६	२०	२०	०
वि.	०	०	२०	२०	४०	४०	०	०	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	४	२	४	२	५	३	६	१	७
दि.	११	१०	२९	२७	१७	१५	४	२२	२०
घ.	५६	२२	३२	५७	७	३३	४३	४६	०
प.	४०	१३	१३	४६	४६	२०	२०	४०	०
वि.	०	२०	२०	४०	४०	०	०	०	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	२	१	२	१	३	०	२	४
दि.	७	१९	१६	२९	२६	८	२८	१०	२६
घ.	३१	४५	५४	८	१७	३१	८	२२	४०
प.	५३	११	४८	८	४६	६	५३	१३	०
वि.	७	७	५३	५३	४०	४०	२०	२०	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	५	३	६	३	६	१	४	२	११
दि.	१९	९	९	२९	२९	२९	२९	१९	२६
घ.	२८	४१	२४	३७	२१	४८	३२	४५	४०
प.	३१	२८	४८	४६	६	५३	१३	११	०
वि.	७	५३	५३	४०	४०	२०	२०	७	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	३	२	४	१	२	१	३	९
दि.	२८	२१	१०	३	५	२७	१६	९	३
घ.	३८	२५	२२	८	११	५७	५४	४१	२०
प.	३१	११	१३	५३	६	४६	४८	२८	०
वि.	७	७	२०	२०	४०	४०	५३	५३	०

अथाष्टोत्तरी राहुमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	३	०	२	१	२	१	२	४
दि.	२३	३	२६	६	५	१५	१४	२४	०
घ.	२०	२०	४०	४०	३३	३३	२६	२६	०
प.	०	०	०	०	२०	२०	४०	४०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	५	१	३	२	४	२	४	३	४
दि.	१३	१६	२६	२	१२	१७	२७	३	०
घ.	२०	४०	४०	१३	१३	४६	४६	२०	०
प.	०	०	०	२०	२०	४०	४०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	०	१	२	१	०	१	८
दि.	१३	३	१७	७	२२	१२	२६	१६	०
घ.	१०	२०	४६	४६	१३	१३	४०	४०	०
प.	०	०	४०	४०	२०	२०	०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	१	३	१	३	२	३	१	८
दि.	२३	१४	४	१५	१५	६	२६	३	०
घ.	२०	२६	२६	३३	३३	४०	४०	२०	०
प.	०	४०	४०	२०	२०	०	०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	०	१	१	२	०	१	१०
दि.	२३	२०	२९	२६	५	२	१७	१४	२०
घ.	४२	२२	३७	१७	३३	१३	४६	२६	०
प.	१३	१३	४६	४६	२०	२०	४०	४०	०
वि.	२०	२०	४०	४०	०	०	०	०	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	३	२	३	२	४	१	३	१	१०
दि.	१७	२	२९	१५	१२	७	४	२०	२०
घ.	२	५७	३७	३३	१३	४६	२६	२२	०
प.	१३	४६	४६	२०	२०	४०	४०	१३	०
वि.	२०	४०	४०	०	०	०	०	२०	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	२	१	२	०	१	०	२	१
दि.	७	१०	१४	१७	२२	२५	२९	२	१०
घ.	२	२२	२६	४६	१३	३३	३७	५७	०
प.	१३	१३	४०	४०	२०	२०	४६	४६	०
वि.	२०	२०	०	०	०	०	४०	४०	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	४	२	४	१	३	१	३	२	१
दि.	१३	२४	२७	१२	१५	२६	२९	१०	१०
घ.	४२	२६	४६	१३	३३	१७	३७	२२	०
प.	१३	४०	४०	२०	२०	४६	४६	१३	०
वि.	२०	०	०	०	०	४०	४०	२०	०

अथाष्टोत्तरी शुक्रमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	४
मा.	९	२	६	३	७	४	८	५	१
दि.	१५	२१	२४	१८	२१	१६	१६	१३	०
घ.	५०	४०	१०	५३	२३	६	३८	२०	०
प.	०	०	०	२०	२०	४०	४०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	०	१	१	२	१	२	१	२	२
दि.	२३	२८	१	६	८	१३	१६	२१	०
घ.	२०	२०	६	६	५३	५३	४०	४०	०
प.	०	०	४०	४०	२०	२०	०	०	०
दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ चंद्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	योग
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	४	२	५	३	६	३	६	१	११
दि.	२५	१७	१५	७	४	२६	२४	२८	०
घ.	५०	४६	१६	१३	४३	४०	१०	२०	०
प.	०	४०	४०	२०	२०	०	०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	२	१	३	२	३	१	२	६
दि.	११	२८	२१	८	२	१८	१	१७	२०
घ.	२८	८	५१	३१	१३	५३	६	४६	०
प.	५३	५३	६	६	२०	२०	४०	४०	०
वि.	२०	२०	४०	४०	०	०	०	०	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	३
मा.	६	३	६	३	७	२	५	२	३
दि.	१७	२०	२९	१२	२१	६	१५	२८	२०
घ.	१८	११	२१	१३	२३	६	१६	८	०
प.	५३	६	६	२०	२०	४०	४०	५३	०
वि.	२०	४०	४०	०	०	०	०	२०	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	४	२	४	१	३	१	३	११
दि.	४	३	१७	१६	८	७	२१	२०	१०
घ.	४८	८	४६	६	५३	५३	५१	११	०
प.	५३	५३	४०	४०	२०	२०	६	६	०
वि.	२०	२०	०	०	०	०	४०	४०	०

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	३
मा.	७	४	८	२	६	३	६	४	८
दि.	२३	२७	१८	१३	४	८	२९	३	१०
घ.	५८	४६	३६	५३	४३	४१	२१	८	०
प.	५३	४०	४०	२०	२०	६	६	५३	०
वि.	२०	०	०	०	०	४०	४०	२०	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	३	५	१	३	२	४	२	४	४
दि.	३	१३	१६	२६	२	१२	१७	२७	०
घ.	२०	२०	४०	४०	१३	१३	४६	४६	०
प	०	०	०	०	२०	२०	४०	४०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ मिश्रप्रकरणम्

तत्र प्राणपदसाधनप्रकार:

घटी चतुर्गुणा कार्या तिथ्याप्तैश्च पलैर्युता।
शेषं पलाद्यं द्विगुणं स्पष्टभास्करसंयुतम्।।
सूर्ये चरादिराशिस्थे शून्यनागाब्धिसंयुतम्।
स्पष्टं प्राणपदं ज्ञेयमोजभावेऽङ्गशुद्धता।।

इष्ट काल की घटी को ४ से गुणा कर १५ से विभाजित इष्टपल की लब्धि को गुणनफल में जोड़ दें, शेष पल को द्विगुण कर उसमें सूर्य की राशि तथा अंश क्रमश: जोड़ दें। तदनन्तर यदि सूर्य चर, स्थिर वा द्विस्वभाव राशि का हो तो क्रमश: ०, ८, ४ जोड़ देने से स्पष्ट प्राणपद होगा। यह प्राणपद यदि लग्न से विषम भाव में हो तो जन्म समय शुद्ध समझना चाहिये।

जन्म लग्न के अंश तथा प्राणपद के अंश समान रहने से जन्मलग्न को शुद्ध माना जाता है। अत: यदि प्राणपद तथा लग्न के अंश समान न हों तो दोनों का अन्तर कर अंश का आधा इष्टकाल में (लग्न के अंश से प्राणपद के अंश अधिक या कम हो तो) घटाना या जोड़ना चाहिये। नये इष्ट से साधित जन्म लग्न तथा प्राणपद के अंश समान आ जाये, तब तो यह जन्म लग्न ठीक है। अन्यथा पुन: पूर्व प्रकार से अन्तर (लग्नांश तथा प्राणांशका) कर इष्टकाल में संस्कार कर उस पर से सूर्य लग्न तथा प्राणपद का साधन करें। इस प्रकार बार-बार करने से प्राणपदांश तथा लग्नांश समान होंगे।

इष्टघटी १६।३०सूर्य: ३।७।१९।३५ लग्न ६।५।३७।५९ इष्ट घ. १६।३०।।१६×४=६४ एवं ३० में १५ से भाग देने पर लब्ध २।।६४+२=६६।।६६ + सूर्य = ६६+३।७।१९।३५=६९।७।१९।३५ सूर्य चर राशि का है। अत: और कुछ नहीं जोड़ा गया। राशि स्थान में १२ से अधिक हैं। अत: १२ का भाग देने पर शेष राश्यादि ९।७।१९।३५ स्पष्ट प्राणपद हुआ।

लग्न तथा प्राणपद के अंश की समता के लिये पूर्वोक्त नियमानुसार गणित किया जाता है।

प्राणपद के अंशादि ७।१९।३५। लग्न के अंशादि ५।३७।५९।(७।१९।३५) (५।३७।५९)=१।४१।३६ इसका आधा ०।५०।४८ पलादि हुआ। इष्ट घ. १६।३०—०।०।५०।४८=१६।२९।९।१२ नूतन इष्ट हुआ। इस पर से लग्न

६।५।३३।२५ सूर्य ३।७।१९।३५ प्राणपद ९।५।३७।५९।। (५।३७।५९)–(५।३३।२५)=०।४।३४ इसका आधा ०।२।१७ पलादि १६।२९।९।१२–०।०।२।१७=१६।२९।९।५५ नूतन इष्ट। इस पर से पुनः लग्नादि। लग्न ६।५।३३।१३ सूर्य ३।७।१९।३५ प्राणपद ९।५।३३।२५।। (५।३३।२५)–(५।३३।१३)=०।०।१२ इसका आधा०।०।६ पलादि।

१६।२९।६।५५–०।०।०।६=१६।२९।६।४९ नूतन इष्ट। लग्न ६।५।३३।१३ सूर्य ३।७।१९।३५ प्राणपद ९।५।३३।१३ लग्न तथा प्राणपद के अंशादि समान बनने से यह १६।२९।६।४९ घट्यादि स्पष्ट इष्टकाल सिद्ध हुआ।

प्राणपद लग्न वा चन्द्र से त्रिकोण[१] में रहने से मनुष्य का जन्म माना जाता है, परन्तु यहाँ वैसा नहीं है। तथापि मनुष्य जन्म का इष्टकाल है।

प्राचीनाचार्यों ने लग्न तथा प्राणपद से नवमांश की समता मानी है। उस स्थिति में अंशादि समान रहे या न भी रहे तो भी उसे शुद्ध माना जाता है।

प्रकारान्तर से जन्मलग्न का विचार

चन्द्रराश्याधिपो यत्र तत्त्रिकोणमथापि वा।
तत्सप्तमे त्रिकोणे वा संशये लग्ननिर्णयः।।

जन्म राशि का स्वामी जिस राशि पर हो वह राशि अथवा उससे त्रिकोण (५।९) राशि जन्म लग्न होगी। अथवा जन्मराशीश से सप्तम वा सप्तम से नवम पंचम राशि जन्म लग्न हो सकती है।

गुलिकेष्टसाधन

दिन में सूर्य से तथा रात्रि में गुरु से ७,६,५,४,३,२,१ क्रम से गुलिक के खण्ड समझना चाहिये।

दिन में गुलिक खण्ड

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
७	६	५	४	३	२	१

रात्रि में गुलिक खण्ड

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
३	२	१	७	६	५	४

दिन में दिनमान को दिन के गुलिक खण्ड से तथा रात्रि में रात्रिमान को रात्रि के गुलिक खण्ड से गुणा कर आठ का भाग देने से गुलिक का इष्टकाल होगा। उस पर से लग्न साधन की रीति से लग्न साधन करने पर गुलिक होगा। गुरुवार के दिन इष्ट १६।३० दिनमान ३३।१६ सूर्य ३।७।। (३३।१६) × ३ =९९।४८।।

१ त्रिकोण पद से नवम पंचम लिया जाता है, परन्तु पाराशरी में लग्न भी त्रिकोण माना गया है।

(९९।४८) को ८ से भाग देने पर लब्ध १२।२८ गुलिकेष्ट हुआ। इस पर से लग्न ५।१३ यह गुलिक सिद्ध हुआ।

होरा लग्न साधन

द्विघ्नेष्टनाड्यः पंचाप्ता भं शेषञ्च पलीकृतम्।
दशाप्तमंशास्ते युक्ता रवौ होरोदयो[1] भवेत्॥

इष्ट घटी को २ से गुणा कर ५ का भाग देने से लब्ध राशि होगी। शेष को पलात्मक कर उसमें १० का भाग देने से अंशादि फल होगा। इस राशि अंश को सूर्य में जोड़ने से होरालग्न सिद्ध होता है।

इष्ट घटी १६।३०।।(१६।३०)×२=३३।।३३ इसमें ५ का भाग देने से लब्ध ६ राशि शेष ३ के पल १८० में १० का भाग देने से अंश १८।

(६।१८)+३।७।१९।३५।=९।२५।१९।३५। होरा लग्न हुआ।

अथ स्थिर कारक

लग्नादि द्वादश भावों के स्थिर कारक क्रमशः सूर्य[1]। गुरु[2]। मंगल[3]। चन्द्र[4] तथा बुध। गुरु[5]। शनि[6] तथा मंगल। शुक्र[7]। शनि[8]। सूर्य[9] तथा गुरु। सूर्य गुरु[10] तथा शनि। गुरु[11]। शनि[12]।

अथ चर कारक

स्पष्ट ग्रहों में जिस ग्रह के अंश (राशि रहित) सर्वाधिक होंगे वह आत्मा कारक, इसके बाद उत्तरोत्तर अल्प अंशवाले ग्रह क्रमशः अमात्य, भ्राता, माता तथा पिता, पुत्र, ज्ञाति तथा स्त्री के चरकारक होंगे।

अथ कारकांशलग्न विचार

आत्मा कारक ग्रह जिस नवमांश पर हो वह कारकांश कुण्डली में लग्न होगा। तदनन्तर सर्व ग्रह अपनी–अपनी राशि में रखने से कारकांश कुण्डली तैयार होगी।

कारकांश कुंडली

१ विषमेऽङ्के रवौ योज्यं समऽङ्के लग्नभादिषु।

कुछ आचार्यों का मत है कि ऊपर लिखे श्लोक से प्राप्त फल लग्न विषम राशि का हो तो रवि में जोड़ना और लग्न सम राशि का हो तो लब्ध फल लग्न के राशि अंशादि में जोड़ने से होरा लग्न होगा।

प्रकृत उदाहरण में चरकारकग्रह का चक्र :—

आत्मा,	अमात्य,	भ्राता,	(माता तथा पिता),	पुत्र,	ज्ञाति	स्त्री
चंद्र,	शुक्र,	मंगल,	सूर्य,	शनि,	गुरु,	बुध

चन्द्र कन्या के नवमांश में है। अतः कारकांश लग्न कन्या रहेगा।

ग्रहों की बालादि अवस्था

एक राशि के ३० अंश में बाल, कुमार, युवा, वृद्ध, मृत ये ५ अवस्थाएँ विषम राशि में रहती हैं। अर्थात एक अवस्था में ६ अंश रहते हैं। आरंभ से ६ अंश तक बाल, उसके बाद के ६ अंश तक कुमार इत्यादि अवस्था रहती है। इससे विपरीत समराशि में रहती है। समराशि में मृत, वृद्ध, युवा, कुमार, बाल ये ५ अवस्थाएँ आरंभ से रहती हैं। अंशादि गणना विषम राशि की तरह ही करनी चाहिये। इसका स्पष्टीकरण नीचे कोष्ठक में दिया गया है।

अवस्था संबंधी कोष्ठक

बाल	कुमार	युवा	वृद्ध	मृत	विषम राशि
१—६	७—१२	१३—१८	१९—२४	२५—३०	अंश
मृत	वृद्ध	युवा	कुमार	बाल	सम राशि

दीप्तादि अवस्था

दीप्त, स्वस्थ, हास्ययुक्त, शान्त, शक्त, लुप्त, दीन, पीड़ित ये आठ अवस्थाएँ ग्रहों की रहती हैं। अपनी उच्च राशि में रहा हुआ ग्रह दीप्त १, अपनी राशि में स्वस्थ २, मित्र राशि में हास्य युक्त ३, शुभ ग्रहों के वर्ग में रहा हुआ ग्रह शांत ४, बलवान हो तो शक्त ५, अस्त हो तो लुप्त ६, नीच राशि में हो तो दीन ७ शत्रु राशि अथवा पाप ग्रह की राशि में हो तो पीड़ित ८ कहलाता है।

पारिजातादि वर्ग

पारिजात, उत्तम, गोपुर, सिंहासन, पारावत, देवलोक, अमर लोक, ऐरावत, वैशेषिक ये ग्रहों के ९ वर्ग होते हैं। दशवर्ग साधन में जो ग्रह मूल त्रिकोण, स्वराशि, उच्चराशि तथा वर्गोत्तम इत्यादि शुभ वर्ग में हो और उन शुभ वर्गों का योग २ हो तो पारिजात, ३ हो तो उत्तम, ४ गोपुर, ५ सिंहासन, ६ पारावत,

७ देवलोक, ८ अमरलोक, ९ ऐरावत तथा १० हो तो वैशेषिकांश वर्ग संज्ञा होती है।

दक्षिण गोलार्ध का लग्न साधन

दक्षिण अक्षांश वाले देश के लग्न साधन के लिए सूर्य में ६ राशि जोड़कर उसे सूर्य समझना चाहिये और इस सूर्य तथा इष्ट घटी पर से द्वितीय भाग में दी हुई अपने अभीष्ट स्थान के अक्षांश की लग्न सारिणी द्वारा लग्न साधन करना चाहिये। वह ७ लग्न होगा। उसमें ६ राशि मिलाने से लग्न होगा।

उदाहरण :—डरबन दक्षिण अक्षांश २९।५२ हैं। यदि इष्टकाल १०।५ तथा सूर्य २।१५ माना जाये तो सूर्य में ६ राशि मिलाने से सूर्य ८।१५ हुआ। इस सूर्य का ३० अक्षांश की सारिणी से फल ४८।५० मिला। इसमें इष्ट घ. १०।५ जोड़ने से लग्न फल ५८।५५ हुआ। इस पर से लग्न १०।२७ है। इसमें ६ राशि घटाने से स्पष्ट लग्न ४।२७ सिद्ध हुआ। सारिणी पर से लग्न साधन का क्रम द्वितीय भाग में देंगे।

सारिणी द्वारा स्पष्ट लग्न साधन

भारत के कतिपय नगरों की सायनलग्नसारिणीयां आगे दी जा रही हैं। उनके द्वारा स्पष्ट लग्न का साधन अति सरलता से हो सकेगा। सारिणी के दो भाग हैं। एक से राशि अंश द्वारा फल लिया जाता है और दूसरे भाग से कला-विकला सम्बन्धी फल मिलता है। सायन सूर्य की राशि अंश द्वारा लब्ध फल घट्यादि कला सम्बन्धी फल पलादि तथा कला सारिणी से ही विकला द्वारा लब्ध फल विपलादि रहता है। इन तीनों फलों के योग में इष्ट घटी पल जोड़कर वह फल जिस कोष्ठक में मिले उसके संमुख की राशि के अंश अलग रख देने चाहिये। योग फल के बराबर वा अल्प घटी पल वाला कोष्ठक लेना चाहिये। योगफल में कोष्ठक की घटी पल घटाकर शेष पल पूर्व लब्ध राशि की कला-विकला सारिणी में जिस कोष्ठक में मिले वह कला तथा पर्वूवत शेषफल में कोष्ठक के पल घटाकर शेष विपल होंगे। वह विपल उसी कला सारिणी में जहाँ मिले वह विकला होगी। इस प्रकार राशि अंश कला विकला सायन स्पष्ट लग्न होगा। इसमें अयनांश घटाने से निरयन लग्न होगा।

उदाहरण :—सायन सूर्य ४।०।३६।५१ इष्ट घटी १६।३० पलभा ५।३० की सारिणी से पूर्वोक्त नियमानुसार गणित किया जाता है। सायन सूर्य सिंह राशि के ० अंश पर है।

अत: फल घट्यादि	१८।४४।०
३६ कला संबंधी पलादि	६।५१।३६
५१ विकला संबंधी विपलादि	९।४३।६
तीनों फलों का योग =	१८।५१। १ ।१९।६
इष्ट घटी पल	+ १६।३०
	३५।२१। १ ।१९।६

३५।२१।१।१९।६ यह योग फल ५।३० पलभा की लग्न सारिणी में तुला राशि के २८ अंश के फल ३५।१०।४८ से अधिक है। अत: इसी को योगफल में घटाया; तब शेष पलादि १०।१३।१९।६ इसमें तुला राशि की कला विकला सारिणी की ५५ कला के पलादि १०।१०।३० को घटाया और तब शेष विपलादि २।४९।६ से उसी सारिणी द्वारा १५ विकला लब्ध हुई। अत: सायनलग्न ६।२८।५५।१५ हुआ। इसमें अयनांश २३।१७।१६ घटाने से निरयनलग्न ६।५।३७।५९ प्राप्त हुआ।

सारिणी द्वारा स्पष्ट दशम लग्न साधन

दशम लग्न का साधन लग्न की तरह ही किया जाता है। इसमें इष्ट की जगह पूर्व वा पश्चिम नत लिया जाता है। सायन सूर्य के राशि अंश कला तथा विकला द्वारा लब्ध फल में पर्व नत घटी घटानी चाहिये तथा पश्चिम नत घटी जोड़नी चाहिये। तदनन्तर शेष क्रिया लग्न साधन की तरह करनी चाहिये।

उदाहरण :—सायनसूर्य ४।०।३६।५१ पूर्वनत घटी ०।८ दशम लग्न सारिणी द्वारा सायन सूर्य से लब्ध फल इस प्रकार है।

२०।२३।०	सायन सूर्य की राशि अंश से लब्ध फल घट्यादि।
५।५८।४८	कला ३६ संबंधी फल
८।२८।१८	विकला ५१ संबंधी फल
२०।२९। ७।१६।१८	= तीनों फलों का योग
— । ८।	= पूर्वनत पल

२०।२१ ७।१६।१८ = यह पूर्व नत घटाने से शेष बचा। इसमें कर्क राशि के २९ अंश का फल २०।१२।१४ घटाने से शेष पलादि ८।५३।१६।१८ कर्क राशि की कला सारिणी से ४९ कला सम्बन्धी फल ८।४७।३४ घटाने से शेष विपलादि ५।४२।१८ उसी सारिणी से शेष विपलादि सम्बन्धी विकला ३२ प्राप्त हुई। अत: सायन स्पष्ट दशम लग्न ३।२९।४९।३२ हुआ। इसमें २३।१७।१६ अयनांश घटाने से निरयन स्पष्ट दशम लग्न ३।६।३२।१६ सिद्ध हुआ।

अक्षांश २४।४० पलभा ५।३० आबू, उदयपुर, गया, करांची। स्पष्ट लग्न साधक सारिणी

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	०
	०	७	१४	२२	२९	३७	४४	५२	५९	६	१४	२१	२९	३६	४४	५१	५८	६	१३	२१	२८	३६	४३	५०	५८	५	१३	२०	२८	३५	७
मेष	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
१	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	०
	४३	५१	०	८	१७	२५	३४	४२	५१	५९	८	१६	२५	३३	४२	५०	५९	७	१६	२४	३३	४१	५०	५८	६७	१५	२४	३२	४१	४९	८
वृषभ	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	३०
२	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	०
	५८	८	१८	२८	३८	४८	५९	९	१९	२९	३९	४९	०	१०	२०	३०	४०	५०	१	११	२१	३१	४१	५१	२	१२	२२	३२	४२	५२	१०
मिथुन	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१०
३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	०
	३	१४	२५	३७	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३८	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	११
कर्क	०	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	२२
४	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	०
	४४	५५	६	१८	२९	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	६	१८	२९	४१	५२	४	१५	११
सिंह	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
५	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	०
	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	११
कन्या	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	६

	अक्षांश २४।४० पलभा ५।३० आबू, उदयपुर, गया, करांची । स्पष्ट लग्न साधक सारिणी																														
अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	०
	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	११
तुला	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	६
	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	२७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	०
७	३३	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	११
वृश्चिक	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	०
८	१६	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२१	३२	४३	५५	६	१७	२९	४०	५१	३	१४	२६	३७	४८	०	११	२२	३३	४५	११
धनु	०	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	२२
	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	०
९	५७	७	१७	२७	३७	४७	५८	८	१८	२८	३८	४८	४९	९	१९	२९	३९	४९	०	१०	२०	३०	४०	५०	१	११	२१	३१	४१	५१	१०
मकर	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१०
	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	०
१०	२	१०	१९	२७	३६	४४	५३	१	१०	१८	२७	३५	४४	५२	१	९	१८	२६	३५	४३	५२	०	९	१७	२६	३४	४३	५१	०	८	८
कुम्भ	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	३०
	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५४	०
११	१७	२४	३१	३९	४६	५४	१	९	१६	२३	३१	३८	४६	५३	१	८	१५	२३	३०	३८	४५	५३	०	७	१५	२२	३०	३७	४५	५२	७
मीन	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६

आयु कला विकला साधक सारिणी

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	०
	७	१४	२२	२९	३७	४४	५२	५९	६	१४	२१	२९	३६	४४	५१	५८	६	१३	२१	२८	३६	४३	५०	५८	५	१३	२०	२८	३५	४३	७
मेष	२६	५२	१८	२४	१०	३६	३७	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
११	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	०
	५०	५७	५	१२	२०	२७	३५	४२	४९	५७	४	१२	१९	२७	३४	४१	४९	५६	४	११	१९	२६	३३	४१	४८	५६	३	११	१८	२६	७
मीन	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
१	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	०
	८	१७	२५	३४	४२	५१	५९	८	१६	२५	३३	४२	५०	५९	७	१६	२४	३३	४१	५०	५८	७	१५	२४	३२	४१	४९	५८	६	१५	८
वृषभ	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
१०	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	०
	२३	३२	४०	४९	५७	६	१४	२३	३१	४०	४८	५७	५	१४	२२	३१	३९	४८	५६	५	१३	२२	३०	३९	४७	५६	५	१३	२१	३०	८
कुम्भ	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
२	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	०
	१०	२०	३०	४०	५०	१	११	२१	३१	४१	५१	२	१२	२२	३२	४२	५२	३	१३	२३	३३	४३	५३	४	१४	२४	३४	४५	५५	५	१०
मिथुन	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
९	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	०
	१५	२५	३५	४५	५५	६	१६	२६	३६	४६	५६	७	१७	२७	३७	४७	५७	८	१८	२८	३८	४८	५८	९	१९	२९	३९	४९	५९	१०	१०
मकर	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०

आबू कला-विकला साधक सारिणी

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
३	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	४	०
	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	१०.	२१	३२	४४	५५	६	१८	२९	४१	११
कर्क	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	२२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
८	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	०
	५२	३	१८	२६	३७	४९	१	११	२३	३४	४६	५७	८	१०	३१	४२	५४	५	१६	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२२	११
धनु	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	२२
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
४	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	२	१४	२५	३७	४८	०	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	११
सिंह	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
७	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	०
	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१४	२६	११
वृश्चिक	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
५	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	०
	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३३	११
कन्या	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
६	५	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	०
	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	६	११
तुला	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	५५	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६

अक्षांश १८।५७ पलभा ४।७ बम्बई, पनवेल, अहमदनगर, स्पष्ट लग्न साधक सारिणी

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	०
मेष	०	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	७
	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	५४
१	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	०
वृषभ	५७	५	१४	२३	३२	४१	५०	५९	७	१६	२५	३४	४३	५२	१	१०	१८	२७	३६	४५	५४	२	१२	२०	२९	३८	४७	५६	५	१४	८
	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	३१	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	५२
२	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	०
मिथुन	२३	३३	४३	५३	४	१४	२४	३५	४५	५५	६	१६	२६	३६	४७	५७	७	१८	२८	३८	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	१	११	२१	१०
	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	१८
३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	०
कर्क	३२	४३	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	४६	५८	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	११
	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	१४
४	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	०
सिंह	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	११
	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	४
५	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	०
कन्या	४१	५१	२	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३७	४८	५९	९	२०	३१	४१	५२	३	१३	२४	३४	४५	५६	६	१७	२९	३८	४९	१०
	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	३८

	अक्षांश १८।५७ पलभा ४।७ बम्बई, पनवेल, अहमदनगर स्पष्ट लग्न साधक सारिणी																														
अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	०
६	०	१०	२१	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५६	७	१८	२८	३९	५०	०	११	२२	३२	४३	५३	४	१५	२५	३६	४७	५७	८	१०
तुला	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	३८
	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	०
७	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	५	१६	२७	३८	४९	०	११	१२	२३	४४	५५	६	१७	२८	३९	११
वृश्चिक	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	४
	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	०
८	५१	२०	१३	२४	३५	४७	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१७	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	४६	५८	९	२०	३१	४३	५४	५	१६	११
धनु	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	१४
	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	०
९	२८	३८	४८	५८	९	१९	२९	४०	५०	०	११	२१	३१	४१	५२	२	१२	२३	३३	४३	५४	४	१४	२४	३५	४५	५५	६	१६	२६	१०
मकर	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	१८
	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	०
१०	३७	४५	५४	३	१२	२१	३०	३९	४७	५६	५	१४	२३	३२	४१	५०	५८	७	१६	२५	३४	४३	५२	०	९	१८	२७	३६	४५	५४	८
कुम्भ	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	५२
	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
११	३	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	२४	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	७
मीन	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	५४

बम्बई की कला—विकला साधक सारिणी

कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
० मेष	० ७ ५४	० १५ ४८	० २३ ४२	० ३१ ३६	० ३९ ३०	० ४७ २४	० ५५ १८	१ ३ १२	१ ११ ६	१ १९ ०	१ २६ ५४	१ ३४ ४८	१ ४२ ४२	१ ५० ३६	१ ५८ ३०	२ ६ २४	२ १४ १८	२ २२ १२	२ ३० ६	२ ३८ ०	२ ४५ ५४	२ ५३ ४८	३ १ ४२	३ ९ ३६	३ १७ २४	३ २५ ३०	३ ३३ १८	३ ४१ १२	३ ४९ ६	४ ५७ ०	० ७ ५४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
११ मीन	४ ४ ५४	४ १२ ४८	४ २० ४२	४ २८ ३६	४ ३६ ३०	४ ४४ २४	४ ५२ १८	५ ० १२	५ ८ ६	५ १६ ०	५ २३ ५४	५ ३१ ४८	५ ३९ ४२	५ ४७ ३६	५ ५५ ३०	६ ३ २४	६ ११ १८	६ १९ १२	६ २७ ६	६ ३५ ०	६ ४२ ५४	६ ५० ४८	६ ५८ ४२	७ ६ ३६	७ १४ ३०	७ २२ २४	७ ३० १८	७ ३८ १२	७ ४६ ६	७ ५४ ०	० ७ ५४
कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
१ वृषभ	० ८ ५२	० १७ ४४	० २६ ३६	० ३३ २८	० ४४ २०	० ५३ १२	१ २ ४	१ १० ५६	१ १९ ४८	१ २८ ४०	१ ३७ ३२	१ ४६ २४	१ ५५ १६	२ ४ ८	२ १३ ०	२ २१ ५२	२ ३० ४४	२ ३९ ३६	२ ४८ २८	२ ५७ २०	३ ६ १२	३ १५ ४	३ २३ ५६	३ ३२ ४८	३ ४१ ४०	३ ५० ३२	३ ५९ २४	४ ८ १६	४ १७ ८	४ २६ ०	० ८ ५२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
१० कुम्भ	४ ३४ ५२	४ ४३ ४४	४ ५२ ३६	५ १ २८	५ १० २०	५ १९ १२	५ २८ ४	५ ३६ ५६	५ ४५ ४८	५ ५४ ४०	६ ३ ३२	६ १२ २४	६ २१ १६	६ ३० ८	६ ३९ ०	६ ४७ ५२	६ ५६ ४४	७ ५ ३६	७ १४ २८	७ २३ २०	७ ३२ १२	७ ४१ ४	७ ४९ ५६	७ ५८ ४८	८ ७ ४०	८ १६ ३२	८ २५ २४	८ ३४ १६	८ ४३ ८	८ ५२ ०	० ८ ५२
कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
२ मिथुन	० १० १८	० २० ३६	० ३० ५४	० ४१ १२	० ५१ ३०	१ १ ४८	१ १२ ६	१ २२ २४	१ ३२ ४२	१ ४३ ०	१ ५३ १८	२ ३ ३६	२ १३ ५४	२ २४ १२	२ ३४ ३०	२ ४४ ४८	२ ५५ ६	३ ५ २४	३ १५ ४२	३ २६ ०	३ ३६ १८	३ ४६ ३६	३ ५६ ५४	४ ७ १२	४ १७ ३०	४ २७ ४८	४ ३८ ६	४ ४८ २४	४ ५८ ४२	५ ९ ०	० १० १८
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
९ मकर	५ १९ १८	५ २९ ३६	५ ३९ ५४	५ ५० १२	६ ० ३०	६ १० ४८	६ २१ ६	६ ३१ २४	६ ४१ ४२	६ ५२ ०	७ २ १८	७ १२ ३६	७ २२ ५४	७ ३३ १२	७ ४३ ३०	७ ५३ ४८	८ ४ ६	८ १४ २४	८ २४ ४२	८ ३५ ०	८ ४५ १८	८ ५५ ३६	९ ५ ५४	९ १६ १२	९ २६ ३०	९ ३६ ४७	९ ४७ ६	९ ५७ २४	१० ७ ४२	१० १८ ०	० १० १८

बम्बई की कला–विकला साधक सारिणी

कला–विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
३	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४१	५२	३	१४	२६	३७	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३७	११
कर्क	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
८	५	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	०
	४८	५९	१०	२१	३३	४४	५४	६	१८	२९	४०	५१	३	१४	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१७	२९	४०	५१	२	१४	११
धनु	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४
कला–विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
४	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	०
	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	११	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३२	११
सिंह	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
७	५	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	१
	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	४	११
वृश्चिक	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४
कला–विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
५	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	०
	१०	२१	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५६	७	१८	२८	३९	५०	०	११	२२	३२	४३	५३	४	१५	२५	३६	४७	५७	८	१९	१०
कन्या	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	०	३८
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
६	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	०
	२९	४०	५०	१	१२	२२	३३	४४	५४	५	१५	२६	३७	४७	५८	९	१९	३०	४१	५१	२	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	१०
तुला	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	०	३८

अक्षांश २३।२ पलभा ५।६ अहमदाबाद स्पष्ट लग्न साधक सारिणी

उज्जैन, इन्दौर विरमागाम, मोरवी, मांड्वी, अंजार (कहल) कलकत्ता, जबलपुर, अकोर, दाहोद, धांगध्रा, नडीआद, भोपाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	०
	०	७	१५	२२	३०	३७	४५	५२	०	८	१५	२३	३०	३८	४५	५३	१	८	१६	२३	३१	३८	४६	५४	१	९	१६	२४	३१	३९	७
मेष	०	३४	८	४२	१६	५०	२४	५८	३२	६	४०	१४	४८	२२	५६	३०	४	३८	१२	४६	२०	५४	२८	२	३६	१०	४४	१८	५२	१६	३४
१	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	०
	४७	५५	४	१२	२१	३०	३८	४७	५५	४	१३	२१	३०	३८	४७	५६	४	१३	२१	३०	३८	४७	५६	४	१३	२२	३०	३९	४७	५६	८
वृषभ	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	३६
२	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	७
	५	१५	२५	३५	४५	५६	६	१६	२६	३६	४७	५७	७	१७	२७	३८	४८	५८	८	१८	२९	३९	४९	५९	९	२०	३०	४०	५०	०	१०
मिथुन	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	१२
३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	०
	११	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२३	३५	४६	५७	९	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	३९	११
कर्क	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	२०
४	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	०
	५१	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	२९	४१	५२	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४५	५७	८	१९	११
सिंह	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	२०
५	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	०
	३१	४१	५२	६	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	३९	१०
कन्या	०	५८	५६	५४	५२	५०	४५	४२	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	५८

अक्षांश २३।२ पलभा ५।६ अहमदाबाद स्पष्ट लग्न साधक सारिणी

उज्जैन, इन्दौर विरमागाम, राजकोट, मोरबी, मांडवी, अंजार (कच्छल) कलकत्ता, जबलपुर, अकोर, दाहोद, धांगध्रा, नडीआद, भोपाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	२४	२४	३४	३५	३५	०
	०	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	१०
तुला	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३६	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	५८
७	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	०
	२९	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३७	४८	१	१२	२३	३५	४६	५७	११
वृश्चिक	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	२०
८	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	०
	९	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	२९	४१	५२	३	१५	२६	३७	११
धनु	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	२०
९	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	०
	४९	५९	९	१९	२९	४०	५०	०	१०	२०	३१	४१	५१	१	११	२२	३२	४२	५२	२	१३	२३	३३	४३	५३	४	१४	२४	३४	४४	१०
मकर	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	१२
१०	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	०
	५५	३	१२	२०	२९	३८	४६	५५	३	१२	२१	२९	३८	४६	५५	४	१२	२१	२९	३८	४७	५५	४	१२	२१	३०	३८	४७	५५	४	८
कुम्भ	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	३६
११	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	१३	२०	२८	३५	४३	५०	५८	५	१३	२१	२८	३६	४३	५१	५८	६	१४	२१	२९	३६	४४	५१	५९	७	१४	२२	२९	३७	४४	५२	७
मीन	०	३४	८	४२	१६	५०	२४	५८	३२	६	४०	१४	४८	२२	५६	३०	४	३८	१२	४६	२०	५४	३८	२	३६	१०	४४	१८	५२	२६	३४

अहमदाबाद की कला–विकला साधक सारिणी

कला–विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	०
मेष	७	१५	२२	३०	३७	४५	५२	०	८	१५	२३	३०	३८	४५	५३	१	८	१६	२३	३१	३८	४६	५४	१	९	१६	२४	३१	३९	४७	७
	३४	८	४२	१६	५०	२४	५८	३२	६	४०	१४	४८	२२	५६	३०	४	३८	१२	४६	२०	५४	२८	२	३६	१०	४४	१८	५२	२६	०	३४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
११	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	०
मीन	५४	२	९	१७	२४	३२	३९	४७	५५	२	१०	१७	२५	३२	४०	४८	५५	३	१०	१८	२५	३३	४१	४८	५६	३	११	१८	२६	३४	७
	३४	८	४२	१६	५०	२४	३८	३२	६	४०	१४	४८	२२	५६	३०	४	३८	१२	४६	२०	२४	२८	२	३६	१०	४४	१८	५२	२६	०	३४
कला–विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	०
वृषभ	८	१७	२५	३४	४३	५१	०	८	१७	२६	३४	४३	५१	०	९	१७	२६	३४	४३	५२	०	९	१७	२६	३५	४३	५२	०	९	१८	८
	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
१०	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	०
कुम्भ	२६	३५	४३	५२	१	९	१८	२६	४५	४४	५२	१	९	१८	२७	३५	४४	५२	१	१०	१८	२७	३५	४४	५३	१	१०	१८	२७	३६	८
	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६
कला–विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
२	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	०	०
मिथुन	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३१	४२	५२	२	१२	२२	३३	४३	५३	३	१३	२४	३४	४४	५४	४	१५	२५	३५	४५	५५	६	१०
	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	५	१२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
९	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	०
मकर	१६	२६	३६	४६	५७	७	१७	२७	३७	४८	५८	८	१८	२८	३९	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	१०	२१	३१	४१	५१	१	१२	१०
	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२

अहमदाबाद की कला–विकला साधक सारिणी

कला–विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
३	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
कर्क	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५६	६	१७	२८	४०	११
	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
८	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	०
धनु	५१	२	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	०	१२	२३	३४	४६	५७	८	२०	११
	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०
कला–विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
४	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
सिंह	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५४	६	१७	२८	४०	११
	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
७	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	०
वृश्चिक	५१	२	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	०	१२	२३	३४	४६	५७	८	२०	११
	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०
कला–विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
५	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	०
कन्या	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	१०
	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
६	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	०
तुला	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	१०
	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८

सूरत अक्षांश २१।१२ पलभा ४।३९ स्पष्ट लग्न साधक सारिणी
नागपुर, भुसावल, प्रभासपाटण, जलगाँव, जूनागढ़, अमरावती, नन्दरबार, एलीचपुर, बाँसदा

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	०
	०	७	१५	२३	३०	३८	४६	५३	१	९	१७	२४	३२	४०	४७	५५	३	१०	१८	२६	३४	४१	४९	५७	४	१२	२०	२७	३५	४३	७
मेष	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	४२
१	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	०
	५१	५९	८	१७	२५	३४	४३	५२	०	९	१८	२७	३५	४४	५३	२	१०	१९	२८	३६	४५	५४	३	११	२०	२९	३८	४६	५५	४	८
वृषभ	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	४४
२	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	०
	१३	२०	३३	४३	५३	४	१४	२४	३४	४५	५५	५	१५	२६	३६	४६	५६	६	१७	२७	३७	४७	५८	८	१८	२८	३९	४९	५९	९	१०
मिथुन	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	१४
३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	०
	२०	३१	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४३	५८	९	२०	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	११
कर्क	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	५	२४	४२	१८
४	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	०
	५९	१०	२१	३२	४३	५५	६	२७	२८	३९	५१	२	१३	२४	३५	४७	५८	९	२०	३१	४३	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२३	११
सिंह	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	१२
५	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	०
	३५	४५	५६	७	२८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३४	४५	५५	६	१७	२८	३९	५०	०	११	२२	३३	४४	५५	५	१६	२७	३८	४९	१०
कन्या	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	५०

सूरत अक्षांश २१।१२ पलभा ४।३९ स्पष्ट लग्न साधक सारिणी
नागपुर, भुसावल, प्रभासपाटण, जलगाँव, जूनागढ, अमरावती, नन्दरबार, एलीचपुर, बाँसदा

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	०
	०	१०	२१	३२	४३	५४	५	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	३	१४	१०
तुला	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	५०
७	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	०
	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	५	१७	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	४६	५७	९	२०	३१	४२	५३	५	१६	२७	३८	४९	११
वृश्चिक	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	१२
८	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	०
	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२०	३२	४३	५४	६	१७	२८	११
धनु	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	१८
९	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	०
	४०	५०	०	१०	२०	३१	४१	५१	१	१२	२२	३२	४२	५३	३	१३	२३	३३	४४	५४	४	१४	२५	३५	४५	५५	६	१६	२६	३६	१०
मकर	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	१४
१०	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	०
	४७	५५	४	१३	२१	३०	३९	४८	५६	५	१४	२३	३१	४०	४९	५८	६	१५	२४	३२	४१	५०	५९	७	१६	२५	३४	४२	५१	०	८
कुम्भ	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	४४
११	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	९	१६	२४	३२	३९	४७	५५	२	१०	१८	२६	३३	४१	४९	५६	४	१२	१९	२७	३५	४३	५०	५८	६	१३	२१	२९	३६	४४	५२	७
मीन	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	४२

सूरत की कला—विकला साधक सारिणी

कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	०
	७	१५	२३	३०	३८	४६	५३	१	९	१७	२४	३२	४०	४७	५५	३	१०	१८	२६	३४	४१	४९	५७	४	१२	२०	२७	३५	४३	५१	७
मेष	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
११	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	०
	५८	६	१४	२१	२९	३७	४४	५२	०	८	१५	२३	३१	३८	४६	५४	१	९	१७	२५	३२	४०	४८	५५	३	११	१८	२६	६४	४२	७
मीन	४४	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२
कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	०
	८	१७	२६	३४	४३	५२	१	९	१८	२७	३६	४४	५३	२	११	१९	२८	३७	४५	५४	३	१२	२०	२९	३८	४७	५५	४	१३	२२	८
वृषभ	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
१०	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	०
	३०	३९	४८	५६	५	१४	२३	३१	४०	४९	५८	६	१५	२४	३३	४१	५०	५९	७	१६	२५	३४	४२	५१	०	९	१७	२६	३५	४४	८
कुम्भ	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४
कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
२	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	०
	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३२	४२	५२	२	१३	२३	३३	४३	५३	४	१४	२४	३४	४५	५५	५	१५	२६	३६	४६	५६	७	१०
मिथुन	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
९	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	०
	१७	२७	३७	४७	५८	८	१८	२८	३९	४९	५९	९	२०	३०	४०	५०	०	११	२१	३१	४१	५२	२	१२	२२	३३	४३	५३	४	१४	१०
मकर	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४

सूरत की कला–विकला साधक सारिणी

कला–विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
३	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
	११	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३८	४९	०	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३	४२	५३	५	१६	२	३९	११
कर्क	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४४	०	१८
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
८	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	०
	५०	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४४	५५	६	१८	११
धनु	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८
कला–विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
४	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१७	२८	४०	५१	२	१३	२४	३६	११
सिंह	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
७	५	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	०
	४७	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	८	२०	३१	४२	५३	४	१६	२७	३८	४९	०	१२	११
वृश्चिक	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२
कला–विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
५	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	०
	१०	२१	३२	४३	५४	५	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	३	१४	२५	१०
कन्या	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
६	५	५	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	०
	३५	४६	५७	८	१९	३०	४०	५१	२	१३	२४	३५	४५	५६	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३४	४५	५५	६	१७	२८	३९	५०	१०
तुला	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०

काशी अक्षांश २५।२० पलभा ५।४० स्पष्ट लग्न साधक सारिणी
मुंगेर, मोकामा, मालदा, कोटा, जालोर, तुंदी, इलाहाबाद , झाँसी, मिर्जापुर, जमालपुर, पटना, बक्सर

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	०
	०	७	१४	२२	२९	३६	४४	५१	५८	६	१३	२१	२८	३५	४३	५०	५७	५	१२	१९	२७	३४	४२	४९	५६	४	११	१८	२६	३३	७
मेष	०	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	२२
१	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	०
	४१	४९	५७	६	१४	२३	३१	४०	४८	५६	५	१३	२२	३०	३९	४७	५५	४	१२	२१	२९	३८	४६	५४	३	११	२०	२८	३७	४५	८
वृषभ	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
२	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	०
	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	१०
मिथुन	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	२२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	८
३	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	०
	५८	९	२०	३२	४३	५५	६	१७	२९	४०	५२	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	११
कर्क	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	२४
४	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	०
	४०	५१	३	१४	२६	३७	४९	०	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	११
सिंह	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	३०
५	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	०
	२५	३६	४७	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३७	४८	११
कन्या	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१०

काशी अक्षांश २५।२० पलभा ५।४० स्पष्ट लग्न साधक सारिणी

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	०
६	०	११	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	१२	३२	११
तुला	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१२	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१०
	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	०
७	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	११
वृश्चिक	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	३०
	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	०
८	२०	३१	४२	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१४	२५	३६	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	११
धनु	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	२४
	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	०
९	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२३	३२	४३	५३	३	१३	२३	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	१०
मकर	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	८
	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	०
१०	६	१४	२२	३१	३९	४८	५६	५	१३	२१	३०	३८	४७	५५	४	१२	२०	२९	३७	४६	५४	३	११	१९	२८	३६	४५	५३	२	१०	८
कुम्भ	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
११	१९	२६	३३	४१	४८	५५	३	१०	१७	२५	३२	४०	४७	५४	२	९	१६	२४	३१	३८	४६	५३	१	८	१५	२३	३०	३७	४५	५२	७
मीन	०	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	२२

काशी की कला—विकला साधक सारिणी

कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	०
मेष	७	१४	२२	२९	३६	४४	५१	५८	६	१३	२१	२८	३५	४३	५०	५७	५	१२	१९	२७	३४	४२	४९	५६	४	११	१८	२६	३३	४१	७
	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	२२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
११	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	०
मीन	४८	५५	३	१०	१७	२५	३२	३९	४७	५४	२	९	१६	२४	३१	३८	४६	५३	०	८	१५	२३	३०	३७	४५	५२	५९	७	१४	२२	७
	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	२४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	२२
कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
१	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	०
वृषभ	८	१६	२५	३३	४२	५०	५९	७	१५	२४	३२	४१	४९	५८	६	१४	२३	३१	४०	४८	५७	५	१३	२२	३०	३९	४९	४७	४	१३	८
	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	२८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
१०	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	०
कुम्भ	२१	२९	३८	४६	५५	३	१२	२०	२८	३७	४५	५४	२	११	१९	२७	३६	४४	५३	१	१०	१८	२६	३४	४३	५२	०	९	१७	२६	८
	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	२८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६
कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
२	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	०
मिथुन	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	४	१०
	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
९	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	०
मकर	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	८	१०
	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८

काशी की कला—विकला साधक सारिणी

कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
३	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
कर्क	११	२२	३४	४५	५७	८	१९	३१	४२	५४	५	१६	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४२	११
	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
८	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	०
धनु	५३	४	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२४	११
	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४
कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
४	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
सिंह	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३६	४७	४९	१०	२२	३३	४५	११
	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
७	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	०
वृश्चिक	५६	८	१९	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१४	२६	३७	४९	०	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	११
	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०
कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
५	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
कन्या	११	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	१२	२३	३५	११
	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
६	५	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	०
तुला	४६	५७	८	१९	३०	४२	५३	४	१५	२६	३७	४९	०	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४०	५१	३	१४	२५	३६	४७	५८	१०	११
	१०	२०	३०	४०	५०	२०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०

जयपुर अक्षांश २६।५५ पलभा ६।६ स्पष्ट लग्न साधक सारिणी

इटावा, उन्नाव, कन्नौज, अयोध्या, आगरा, गोरखपुर, लखनऊ, मोतीहारी, सिलिगुरी, जैसलमेर, धौलपुर

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	०
	०	७	१४	२१	२८	३६	४३	५०	५७	५	१२	१९	२६	३४	४१	४८	५५	२	१०	१७	२४	३१	३९	४६	५३	०	८	१५	२२	२९	७
मेष	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	१४
१	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	०
	३७	४५	५३	२	१०	१८	२७	३५	४३	५२	०	८	१७	२५	३३	४२	५०	५८	७	१५	२३	३२	४०	४८	५७	५	१३	२२	३०	३८	८
वृषभ	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	२०
२	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	०
	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	१०
मिथुन	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	६
३	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	०
	५०	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	३१	४२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	११
कर्क	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
४	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	०
	३३	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४	५	१७	२९	४०	५२	३	१५	२७	३८	५०	३	१३	२५	३६	४८	५९	११	२३	३४	४६	५७	९	११
सिंह	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	३६
५	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	०
	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५२	२	१४	२६	३७	४८	११
कन्या	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	१८

जयपुर अक्षांश २६।५५ पलभा ६।६ स्पष्ट लग्न साधक सारिणी
इटावा, उन्नाव, कन्नौज, अयोध्या, आगरा, गोरखपुर, लखनऊ, मोतीहारी, सिलिगुरी, जेसलमेर, धौलपुर

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	०
	०	११	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३८	४९	०	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३१	४२	५३	५	१६	२७	११
तुला	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	२४	३०	४८	६	२४	४२	१८
७	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	०
	३९	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	११	२३	३५	४६	५८	९	२१	३३	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४	५	१७	२९	४०	५२	३	१५	११
वृश्चिक	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	३६
८	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	०
	२७	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	११
धनु	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
९	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	०
	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१०
मकर	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	६
१०	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	०
	१३	२१	२९	३८	४६	५४	३	११	१९	२८	३६	४४	५३	१	९	१८	२६	३४	४३	५१	५९	८	१६	२४	३३	४१	४९	५८	६	१४	८
कुम्भ	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	२०
११	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	२३	३०	३७	४४	५१	५९	६	१३	२०	२८	३५	४२	४९	५७	४	११	१८	२५	३३	४०	४७	५४	२	९	१६	२३	३१	३८	४५	५२	७
मीन	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	१४

जयपुर की कला विकला साधक सारिणी

कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	०
मेष	७	१४	२१	२८	३६	४३	५०	५७	५	१२	१९	२६	३४	४१	४८	५५	२	१०	१७	२४	३१	३९	४६	५३	०	८	१५	२२	२९	३७	७
	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
११	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	०
मीन	४४	५१	५८	५	१३	२०	२७	३४	४२	४९	५६	३	११	१८	२५	३२	३९	४७	५४	१	८	१६	२३	३०	३७	४४	५२	५९	६	१४	७
	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४
कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
१	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	०
वृषभ	८	१६	२५	३३	४१	५०	५८	६	१४	२३	३१	४०	४८	५६	५	१३	२१	३०	३८	४६	५५	३	११	२०	२८	३६	४५	५३	१	१०	८
	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	१२	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
१०	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	०
कुम्भ	१८	२६	३५	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४१	५०	५८	६	१५	२३	३१	४०	४८	५६	५	१३	२१	३०	३८	४६	५५	३	११	२०	८
	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०
कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
२	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	०
मिथुन	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	३	१०
	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
९	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	०
मकर	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	६	१०
	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	२२	१८	२४	३०	३६	४८	४८	५४	०	६

जयपुर की कला–विकला साधक सारिणी

कला-विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
३	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	२	१४	२४	३६	४८	०	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	११
कर्क	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	३	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
८	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	०
	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	१७	३८	४०	५१	३	१४	२६	११
धनु	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	४८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	३	३२	५८	४०	५०	१६	४२	८	३४	०	३६
कला-विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
४	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	०
	११	२३	३४	४६	५८	९	२१	३२	४४	५६	७	१९	३०	४२	५४	५	१७	२८	४०	५२	३	१५	२६	३८	५०	१	१३	२४	३६	४८	११
सिंह	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
९	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	०
	५९	११	२२	३४	४६	५७	९	२०	३२	४४	५५	७	१८	३०	४२	५३	५	१६	२८	४०	५१	३	१४	२६	३८	४९	१	१२	२४	३६	११
वृश्चिक	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६
कला-विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
५	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
	११	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३८	४९	०	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३१	४२	५३	५	१६	२७	३९	११
कन्या	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
६	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	०
	५०	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४४	५५	६	१८	११
तुला	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८

मद्रास अक्षांश १३।६ पलभा २।४७।३० स्पष्ट लग्न साधक सारिणी उदयमानानि २५२।२७७।३१३।३३१।३२१।३०६
बंगलौर, चिकमगालूर, अरकोणम, उडीपी, कांजीवरम्, तिरूवलूर, महाबलीपुरम्, मेंगलोर, बल्लोर

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	०
०	०	८	१६	२५	३३	४२	५०	५८	७	१५	२४	३२	४०	४९	५७	६	१४	२२	३१	३९	४८	५६	४	१३	२१	३०	३८	४६	५५	३	८
मेष	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	२४
	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	०
१	१२	२१	३०	३९	४८	५८	७	१६	२५	३५	४४	५३	२	१२	२१	३०	३९	४८	५८	७	१६	२५	३५	४४	५३	२	१२	२१	३०	३९	९
वृषभ	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	१४
	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	०
२	४९	५९	९	२०	३०	४१	५१	२	१२	२२	३३	४३	५४	४	१५	२५	३५	४६	५६	७	१७	२८	३८	४८	५९	९	२०	३०	४१	५१	१०
मिथुन	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	०
३	२	१३	२४	३५	३६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	२७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	११
कर्क	०	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	२
	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	०
४	३३	४३	५४	५	१५	२६	३७	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	२	१३	२४	३४	४५	५६	७	१७	२८	३९	४९	०	११	२१	३२	४३	१०
सिंह	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	४२
	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	०
५	५४	४	१४	२४	३४	४५	५५	५	१५	२५	३६	४६	५६	६	१६	२७	३७	४७	५७	७	१८	२८	३८	४८	५८	१९	१९	२९	३९	४९	१०
कन्या	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	१२

मद्रास अक्षांश १३।६ पलभा २।४७।३० स्पष्ट लग्न साधक सारिणी उदयमानानि २५२।२७७।३१३।३३१।३२१।३०६
बंगलौर, चिकमगालूर, अरकोणम, उँडीपी, कांजीवरम्, तिरूवलूर, महावलीपुरम्, मेंगलोर, वल्लोर

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	०
	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३१	४२	५२	२	१२	२२	३३	४३	५३	३	१३	२४	३४	४४	५३	४	१५	२५	३५	४५	५५	१०
तुला	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	१२
७	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	०
	६	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५७	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२२	३३	४४	५४	५	१६	१०
वृश्चिक	०	४२	२४	६	४८	३३	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	४२
८	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	०
	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	११
धनु	०	२	४	६	८	१०	१३	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	२
९	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	०
	५८	८	१८	२९	३९	५०	०	११	२१	३१	४२	५२	३	१३	२४	३४	४४	५५	५	१६	२६	३७	४७	५७	८	१८	२९	३९	५०	०	१०
मकर	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
१०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	०
	११	२०	२९	३८	४७	५७	६	१५	२४	३४	४३	५२	१	२१	२०	२९	३८	४७	५७	६	१५	४४	३४	४३	५२	१	११	२०	२९	३८	९
कुम्भ	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	१४
११	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	४८	५६	४	१३	२१	३०	३८	४६	५५	३	१२	२०	२८	३७	४५	५४	२	१०	१९	२७	३६	४४	५२	१	९	१८	२६	३४	४३	५१	८
मीन	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	४४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	२४

मद्रास की कला—विकला साधक सारिणी

कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	०
	८	१६	२५	३३	४२	५०	५८	७	१५	२४	३२	४०	४९	५७	६	१४	२२	३१	३९	४८	५६	४	१३	२१	३०	३८	४६	५५	३	१२	८
मेष	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
११	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	०
	२०	२८	३७	४५	५४	२	१०	१९	२७	३६	४४	५२	१	९	१८	२६	३४	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४२	५०	५८	७	१५	२४	८
मीन	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	३४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४
कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	०
	९	१८	२७	३६	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५०	०	९	१८	२७	३६	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५०	०	९	१८	२७	३७	९
वृषभ	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
१०	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	०
	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५०	०	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५०	०	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१४	९
कुम्भ	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४
कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
२	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	०
	१०	२०	३१	४१	५२	२	१३	२३	३३	४४	५४	५	१५	२६	३६	४६	५७	७	१८	२८	३९	४९	५९	१०	२०	३१	४१	५२	२	१३	१०
मिथुन	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४९	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
९	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	०
	२३	३३	४४	५४	५	१५	२६	३६	४६	५७	७	१८	२८	३९	४९	५८	१०	२०	३१	४१	५२	२	१२	२३	३३	४४	५४	५	१५	२६	१०
मकर	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६

मद्रास की कला—विकला साधक सारिणी

कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
३	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	०
कर्क	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३१	११
	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	०	२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
८	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	०
धनु	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	२	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	२०	२	११
	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	०	२
कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
४	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	०
सिंह	१०	२१	३२	४२	५३	४	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	२९	४०	५१	१	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२१	१०
	४२	१४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
७	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	०
वृश्चिक	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०	५०	१	१२	२२	३३	४४	५५	५	१६	२७	३७	४८	५९	९	२०	३१	४२	१०
	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२
कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
५	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	०
कन्या	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३१	४२	५२	२	१२	२२	३३	४३	५३	३	१३	२४	३४	४४	५४	४	१५	२६	३५	४५	५४	६	१०
	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	४८	३६	०	१२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
६	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	०
तुला	१६	२६	३६	४६	५७	७	१७	२७	३७	४८	५८	८	१८	२८	३९	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	१०	२१	३१	४१	५१	१	१२	१०
	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२

सब देशों की स्पष्ट दशम लग्न साधक सारिणी

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	०
मेष	०	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१४	२३	३२	४१	५१	०	९	१९	२८	३७	४६	५६	५	१४	२३	३३	४२	५१	०	१०	१९	२८	९
	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	१६
१	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	०
वृषभ	३८	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	९
	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	५८
२	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	०
मिथुन	३७	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३३	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	१०
	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	४६
३	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	०
कर्क	०	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	१८	२९	३९	५०	१	१२	१०
	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	४६
४	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	०
सिंह	२३	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	९
	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	५८
५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	०
कन्या	२२	३१	४०	४९	५९	८	१७	२६	३६	४५	५४	३	१३	२२	३१	४१	५०	५९	८	१८	२७	३६	४५	५५	४	१३	२२	३२	४१	५०	९
	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	१६

सब देशों की स्पष्ट दशम लग्न साधक सारिणी

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	०
तुला	०	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१४	२३	३२	४१	५१	०	९	९	२८	३७	४६	५६	५	१४	२३	३३	४२	५१	०	१०	१९	२८	९
	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	१६
७	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	०
वृश्चिक	३८	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	९
	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	५८
८	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	०
धनु	३७	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३३	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	१०
	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	४६
९	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	०
मकर	०	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	१८	२९	३९	५०	१	१२	१०
	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	४६
१०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	०
कुम्भ	२३	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	५२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	९
	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	५८
११	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
मीन	२२	३१	४०	४९	५९	८	१७	२६	३६	४५	५४	३	१३	२२	३१	४१	५०	५९	८	१८	२७	३६	४५	५५	४	१३	२२	३२	४१	५०	९
	०	१६	३२	४८	४	२०	२६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	१६

सब देशों की स्पष्ट दशमलग्न साधक कला-विकला सारिणी

कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	०
मेष	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१४	२३	३२	४१	५१	०	९	१९	२८	३७	४६	५६	५	१४	२३	३३	४२	५१	०	१०	१९	२८	३८	९
कन्या	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
तुला	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	०
मीन	४७	५६	५	१५	२४	३३	४२	५२	१	१०	१९	२९	३८	४६	५७	६	१५	२४	३४	४३	५२	१	११	२०	२९	३८	४८	५७	६	१६	९
	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१
कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
वृषभ	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	०
सिंह	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९
	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
वृश्चिक	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	०
कुम्भ	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	९
	५८	५६	५४	५२	५०	५८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८
कला—विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
मिथुन	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	०
	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	१८	२९	४९	५०	१	१२	२३	१०
कर्क	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	०
धनु	३३	४४	५५	६	६	२७	३८	४९	५९	१०	२१	३२	४२	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	२	१३	२४	३५	४६	१०
मकर	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६

तारीख से वार साधन

ईस्वी सन् के शतक स्थान में रहने वाले अंकों को सवा पाँच से गुणा कर और दश तथा एक स्थानीय संख्या में अपना चतुर्थांश मिलाकर दोनों के योग में जनवरी से वर्तमान दिन तक की संख्या को मिलाने पर सात से भाग कर शेष से रवि प्रभृति वार होते हैं।

उदाहरण:— रविवार ता० २१—११—१९५४ के दिन वार साधन करना है। सन् १९५४ के शतांक स्थानीय अंक १९ एक तथा दश स्थानीय संख्या ५४ है। $१९×५\frac{१}{४}=९९\frac{३}{४}$ यहाँ पर पूरी ९९ संख्या लेकर शेष अवयव छोड़ देना चाहिए और ५४ का चतुर्थांश $१३\frac{१}{२}$ को ५४ में मिलाने से $६७\frac{१}{२}$ हुए। ९९+६७ =१६६। जनवरी से गत दिन संख्या ३२५ को १६६ में मिलाने से ४९१ हुए। इनमें सात का भाग देने पर शेष १ बचा। अत: १ से रविवार लेना चाहिए।

तारीख पर से तिथि साधन

ईस्वी सन् के वर्ष में ७८ घटाने से शेष शक होता है और ईस्वी सन् में ५७ जोड़ने से सम्वत् आता है। जनवरी से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तक शकसाधन के लिए ७९ घटाना चाहिए और सम्वत् लाने के लिए ५६ जोड़ना चाहिए।

ईस्वी सन् के वर्ष संख्या में १९ से भाग कर शेष को ११ से गुणा करें। उस गुणनफल में ३० का भाग देने से शेष को शुभ कहते हैं। शुभ में मार्च से लेकर वर्तमान मास तक की संख्या को मिलाकर उसमें वर्तमान मास की अभीष्ट तारीख तक के दिन भी मिलाने चाहिए । इस योग में ३० का भाग देने से शेष संख्या से शेष संख्या शुक्लादि पक्ष से वर्तमान तिथि की होगी ।

उदाहरण:— शक १८७६ सम्वत् २०११ मार्गशीर्ष कृष्ण (उत्तरी भारत का) ११ रविवार तारीख २१/११/५४ के दिन तिथि साधन करना अभीष्ट है। १९५४—७८= १८७६ वर्तमान शक हुआ। तथा १९५४+५७ =२०११ वर्तमान सम्वत् प्राप्त हुआ। सन् १९५४ को १९ से भागने पर शेष १६ को ११ से गुणा किया तब १७६ हुए । इसमें ३० का भाग देने पर शेष २६ यह शुभ कहलाता है। मार्च से नवम्बर सहित ९ मास होते हैं। २६+९=३५। नवम्बर की तारीख २१ के दिन साधन अभीष्ट है। अत: ३५ + २१ = ५६। इस योग में ३० से भागने

पर शेष २६ से शुक्लादि तिथि क्रम से एकादशी वर्तमान तिथि सिद्ध हुई ।

तिथि से तारीख साधन

सायनमेष संक्राति जिस चान्द्रमास में पड़े उसे चैत्र मानना चाहिए और उस चैत्र से वर्तमान मास सहित गत मास संख्या को पूर्व साधित शुभ में जोड़कर उसे वर्तमान मास की गततिथि संख्या में घटाने से शेष वर्तमान तारीख होती है।

उदाहरण:— पूर्व प्रदर्शित अभीष्ट दिन में तारीख का साधन करना है और पूर्व उदाहरण में शुभ २६ प्राप्त हुआ है। सायनमेष संक्राति संवत् २०१० के चैत्रकृष्ण (दक्षिण भारत में फाल्गुन कृष्ण) में हुई थी । अत: फाल्गुन से कार्तिक कृष्ण (यही उत्तरी भारत का मार्गशीर्ष कृष्ण) तक की मास संख्या ९ हुई। २६+९=३५। यह योग ३० से अधिक है। अत: ३० से भाग देने पर शेष ५ को शुक्लादि गत तिथि २६ में घटाने से शेष २१ वर्तमान तारीख हुई।

===00000===

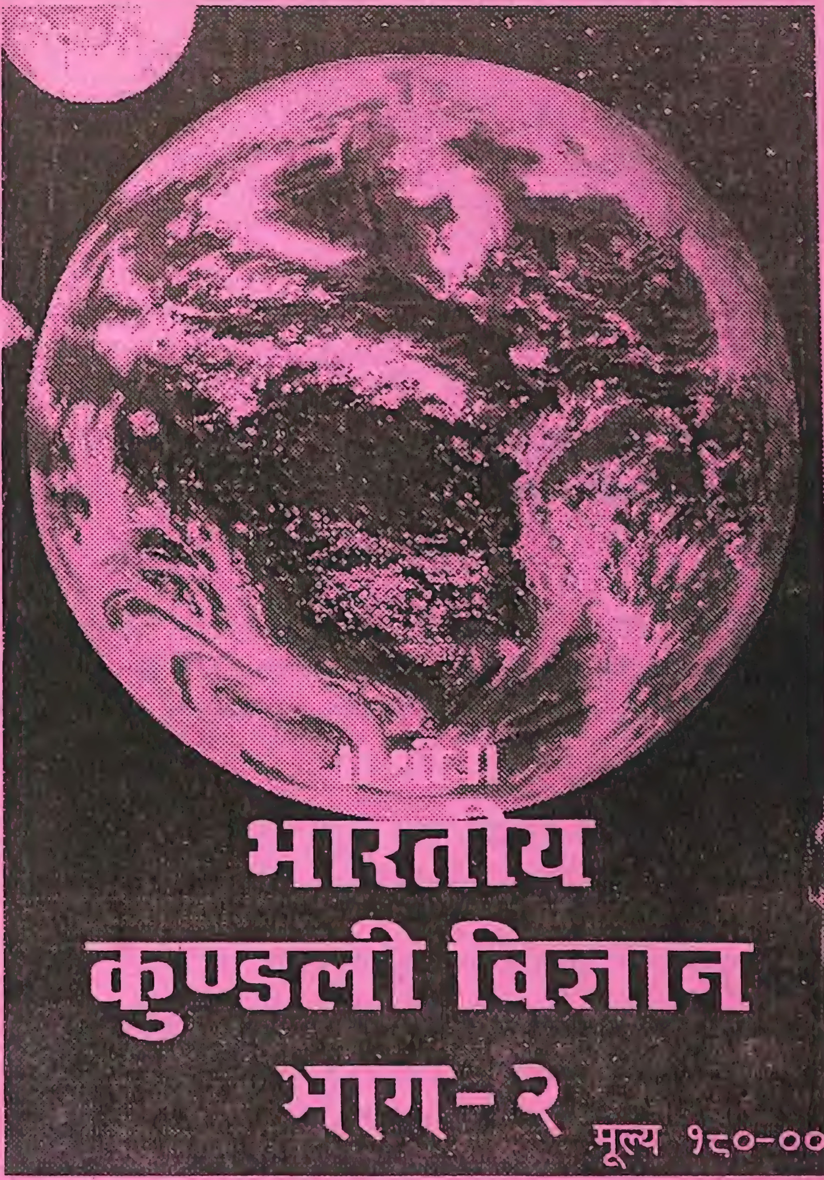

२३।। अयनांश संबंधि अक्षांश ० से ६६ अक्षांश तक की लग्नसारिणियाँ, क्रांन्तिसारिणी, चरसारिणी, वेलान्तरसारिणी भारत तथा विभिन्न देशों के स्टाँडर्ड और स्थानिकसमयों के अन्तर के साथ अक्षांश तथा रेखांश

• श्री: •

भारतीय कुण्डली विज्ञान

भाग-२

भारतीय कुण्डली विज्ञान भाग—२ में अक्षांश ० से ६० तक की लग्नसारिणीयां प्रथम दी गयी हैं। ये सभी निरयन एवं २३।। अयनांश संबंधि हैं। अत: यहाँ अयनांश का उपयोग नहीं रहेगा। इन सारिणीयों के द्वारा लग्न तथा दशम लग्न बनाने का प्रकार दिया जाता है।

सारिणी द्वारा लग्न साधन का प्रकार—

सूर्यराश्यंशकोष्ठाङ्कं स्वेष्टकालेन संयुतम्।
यत्र तत्तिर्यगूर्ध्वाङ्कं लग्नं राश्यादिकं मतम्॥

इष्ट कालीन स्पष्ट सूर्य की राशि के सामने और अंश के नीचे के कोष्ठक में जो घटी पल हों उनमें इष्ट घटी पल जोड़ दें। योगफल के समान या उससे कम घटी पल वाले कोष्ठक के सामने जो राशि तथा ऊपर की ओर जितने अंश होंगे, वे ही इष्ट लग्न के राशि अंश माने जायेंगे।

यहाँ यह ध्यान रखना चाहिये कि अपने अभीष्ट स्थान के अक्षांश अंश कला में हों, तो इस सारिणी प्रकरण में जो अक्षांश अभीष्ट अक्षांश के समीप पड़ते हों उस अक्षांश की सारिणी उपयोग में लेनी चाहिये। जैसे अभीष्ट स्थान काशी के अक्षांश २५।२० हैं। ये २५ अक्षांश के समीप पड़ने से २५ अक्षांश वाली लग्न सारिणी काम में लेनी चाहिये। इसी प्रकार अन्य स्थान के लिये भी समझना चाहिये।

अब ऊपर लिखे नियमानुसार लग्न साधन का प्रकार लिखते हैं। इष्ट काल १०।३० एवं सूर्य ५।५।२०।४० हैं।

१०।३० इष्टकाल
+ २९।४१।२६ सूर्य रा. ५ अं. ५ फल
४०।११।२६ लग्न फल

लग्न फल से कम घटी पल वाले (४०।२।१२) कोष्ठक के सामने ७ राशि और ऊपर ० अंश हैं। अत: अभीष्ट लग्न ७।० हुआ। यह स्थूल है। इससे सूक्ष्म जानना हो तो सूर्य की कला विकला पर से भी फल लेकर लग्न फल में जोड़ना चाहिये। तब वास्तविक लग्न फल होगा और उस वास्तविक लग्न फल पर से भी अनुपात द्वारा लग्न की कला विकला का साधन करना चाहिये।

सूर्य की कला–विकला पर से फल साधन का प्रकार

सूर्य की राशि अंश से प्राप्त कोष्ठक के घटी पलादि को उसके आगे के कोष्ठकस्थ घटी पलादि में घटा दें। शेष पल विपल से सूर्य की कला–विकला को गुणा कर ६० का भाग देने से लब्धि पल विपल आयेगी। इसको लग्न फल में जोड़ देने से वास्तविक लग्न फल होगा।

२९।५२।३४ रा. ५ अं. ६ से प्राप्त फल
२९।४१।२६ रा. ५ अं. ५ से प्राप्त फल
०।११। ८ अन्तर पल विपल

$\frac{(११।८)\ (२०।४०)}{६०}$ = लब्ध प. ३।५०

४०।११।२६ लग्न फल
+ ३।५० लब्धफल
४०।१५।१६ वास्तविक लग्न फल
–४०।१३।४२ रा. ७ अं. १ से प्राप्त फल
०। १।३४ शेष

अर्थात लग्न रा. ७ अं. १ प्राप्त हुआ। शेष प. १।३४ से लग्न की कला–विकला का साधन करना है। इसके लिये ७ राशि २ अंश के फल में ७ राशि १ अंश के फल को घटा कर उस अन्तर से ६० गुणित शेष में भाग दें। लब्ध लग्न की कला–विकला होगी। इसी प्रकार अन्यत्र भी समझना चाहिये।

४०।२५।१२	रा. ७ अं. २ से प्राप्त फल
—४०।१३।४२	रा. ७ अं. १ से प्राप्त फल
०।११।३०	अन्तर

शेष तथा अन्तर के पल विपल के विपल बनाकर गुणा तथा भाग करना चाहिये।

$$\frac{६० (१।३४)}{११।२०} = \frac{६०\times९४}{६९०}$$ = लब्ध क.५।४२ अत: स्पष्ट लग्न ७।१।५।४२ हुआ।

अथ दशम लग्न साधन

इस लग्न के साधन के लिये केवल ० अक्षांश वाली सारिणी काम में लेनी चाहिये और इष्ट काल की जगह नतकाल[१] का उपयोग करना चाहिये। यदि पूर्वनत हो तो इसे सूर्य के फल में घटा दें और पश्चिम नत हो तो सूर्य के फल में जोड़ दें। अन्तर या योग फल दशम लग्न का फल होगा। उस पर से लग्न साधन की तरह दशम लग्न करना चाहिये।

यदि पूर्वनत घ. ६।७ और स्पष्ट सूर्य ५।५।२०।४० है। इस पर से पूर्वदर्शित नियमानुसार दशम लग्न साधन करना है।

२९।४६।६	रा. ५ अं. ५ से प्राप्त फल
— ६। ७।०	पूर्वनत घटी
२३।३९।६	शेष

यह शेष राशि ३ के २६ अंश के फल से अधिक है और २७ अंश के फल से कम है। अत: दशम लग्न ३।२६ हुआ। इसकी सूक्ष्मता का साधन करना अभीष्ट हो तो लग्न की तरह साधन करना चाहिये।

विशेष :— अपने अक्षांश के आसन्न अक्षांश वाली सारिणी का उपयोग लग्न साधन के लिये एवं दशम लग्न साधन के लिये ० अक्षांश की सारिणी का उपयोग करना चाहिये।

==00==00==00==00==

१—नत काल के साधन की रीति दशम लग्न साधन के प्रसङ्ग में बता दी गयी है।

अक्षांश: ० अथ दशम लग्नसारिणी चक्रमिदम् । कंपाला, जजा, निकुरु (पूर्व अफ्रीका)

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	०
	३७	४७	५६	५	१४	२४	३३	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	१	११	२१	९
	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	९	४	२	०	५८	५६	५४	५८
१ वृषभ	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	०
	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५७	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३३	४४	५५	६	१६	२	३८	१०
	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	४६
२ मिथुन	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	०
	४९	०	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	२९	१७	३९	५०	१	१०
	१६	२	४८	२४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	४०
३ कर्क	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	०
	१२	२३	३३	४४	५५	६	१६	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४६	५६	६	९
	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५८
४ सिंह	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	०
	३६	३६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३५	४५	५४	३	१२	२२	३१	४०	५०	५९	८	१७	२७	३६	४५	५४	४	१३	२२	३१	४१	५०	९
	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	१६
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	०
	५९	९	१८	२७	३६	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५०	०	९	१८	२८	३७	४२	५५	५	१४	२३	३२	४२	५१	०	९	१९	२८	९
	४६	२	१८	३४	५०	६	२३	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	४२	१४	५८	३०	१६

अक्षांशः ० — लंकोदयमानानि - २७८।२९९।३२३।३२३।२९९।२७८

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	०
तुला	३७	४७	५६	५	१४	२४	३३	४१	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	१	११	२१	१
	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५८
७	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	०
वृश्चिक	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५७	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३३	४४	५५	६	१६	२७	३८	१०
	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	४६
८	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	०
धनु	४९	०	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	१८	२९	३९	५०	१	१०
	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	४६
९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	०
मकर	१२	२३	३३	४४	५५	६	१६	२६	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४६	५६	६	१
	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५८
१०	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
कुम्भ	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३५	४५	५४	३	१२	२२	३१	४०	५०	५९	८	१७	२७	३६	४५	५४	४	१३	२२	३१	४१	५०	१
	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	१६
११	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	०
मीन	५९	९	१८	२७	३६	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५०	०	९	१८	२८	३७	४६	५५	५	१४	२३	३२	४२	५१	०	९	१९	२८	१
	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	१६

अक्षांशः १   सिंगापुर (द० एशिया) नैरोबी (केनिया)

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	०
मेष	३१	४५	५४	३	१३	२२	३१	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	२९	३९	४२	५९	९	१९	२	२९	४९	५९	९	१९	९
	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	५६
१	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	०
वृषभ	२६	३९	४९	५८	८	१८	२८	३८	४९	०	१०	२१	३२	४२	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	८	१९	३०	४१	५१	२	१३	२४	३४	१०
	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	१४	१८	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	४४
२	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	०
मिथुन	४५	५६	७	१७	२८	३९	४९	०	११	२२	३३	४३	५४	५	१६	२७	३७	४८	५९	१०	२१	३१	४२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५८	१०
	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	४८
३	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	०
कर्क	९	१९	३०	४१	५२	३	१३	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१०
	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	०
४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४३	५२	२	११	२०	३०	३९	४८	५८	७	१६	२६	३५	४४	५४	३	१२	२२	३१	४०	५०	९
	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२०
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५९	८	१८	२७	३६	४६	५५	४	१४	२३	३२	४२	५१	०	१०	१९	४८	३८	४७	५६	६	१५	२४	३४	४३	५२	२	११	२०	३०	९
	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	५२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२०

अक्षांशा: १ पलभा ०।१२।३४ उदयमानानि २७६।२९८।३२२।३२४।३००।२८०

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	०
तुला	३९	४८	५८	७	१६	२६	३५	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	१०
	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	०
७	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	०
वृश्चिक	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५५	६	१७	२७	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५४	५	१५	२६	३८	४८	५९	९	२०	३१	४२	१०
	४२	१२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	४८
८	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	०
धनु	५३	३	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४०	५१	२	१३	२३	३४	४५	५६	६	१७	२८	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५४	४	१०
	६	५४	४२	३०	१८	६	१४	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४९	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	४४
९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	०
मकर	१५	२६	३७	४७	५८	९	१९	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	३९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	९
	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	५६
१०	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
कुम्भ	१९	२९	३९	४८	५८	८	१८	२८	३७	४७	५६	५	१४	२३	३३	४२	५१	०	९	१९	२८	३७	४६	५५	५	१४	३२	३२	४१	५१	९
	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१२
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	०
मीन	०	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५०	५९	९	१८	२७	३६	४५	५५	४	१३	२२	३१	४१	५०	५९	८	१७	२७	९
	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१२

अक्षांश: २ बुगोण्डो, लामूबन्दर, मलाका, म्वान्झा (पू०आ०)

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	०
मेष	३४	४३	५२	२	११	२०	२९	३८	४८	५८	८	१८	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५५	५	१५	९
	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	५२
१	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	०
वृषभ	२५	३५	४५	५५	४	१४	२४	३४	४५	५६	६	१७	२८	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५४	४	१५	२६	३७	४७	५८	९	१९	३०	१०
	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	४४
२	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	०
मिथुन	४१	५२	२	१३	२४	३५	४५	५६	७	१८	२८	३९	५०	१	१२	२२	३५	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	०	१०	२१	३२	४३	५४	१०
	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	४८
३	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	०
कर्क	४	१५	२६	३७	४८	५८	९	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	२	१०
	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	४
४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३१	४१	५०	०	९	१८	२८	३७	४७	५६	५	१५	२४	३४	४३	५२	२	११	२१	३०	३९	४९	९
	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	२४
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५८	८	१७	२६	३६	४५	५५	४	१३	२३	३२	४२	५१	०	१०	१९	२९	३८	४७	५७	६	१६	२५	३४	४४	५३	३	१२	२१	३१	९
	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	२४

अक्षांशाः २ पलभा ०।२५।९ उदयमानानि २७४।२९६।३२२।३०२।२८२

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	०
तुला	४०	५०	५९	८	१८	२७	३७	४६	५५	६	१६	२६	३६	४६	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	३७	५७	७	१७	२८	१०
	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५४	२	६	१०	१०	८	२२	२	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	४
७	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	०
वृश्चिक	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५३	४	१४	२५	३६	४७	५८	८	१९	३०	४१	५२	२	१३	२४	३५	४६	१०
	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	४८
८	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	०
धनु	५६	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३४	४४	५५	६	४६	२७	३८	४९	५९	१०	२१	३२	४२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५७	८	१०
	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	१८	२	४६	२७	१४	५८	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	४४
९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	०
मकर	१९	३०	४०	५१	२	१३	२३	३४	४४	५४	४	१४	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५१	१	११	९
	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	२२	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	५२
१०	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
कुम्भ	२१	३१	४१	५१	०	१०	२०	३०	३९	४८	५७	७	१६	२५	३४	४३	५२	१	११	२०	२९	३८	४७	५६	५	१४	२४	३३	४२	५१	९
	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	४६	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	८
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	०
मीन	०	९	१८	२८	३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	४१	५०	५९	८	१७	२६	३५	४५	५४	३	१२	२१	३०	३९	४८	५८	७	१६	२५	९
	३८	४२	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	८

अक्षांश: ३ — कुआलालुम्पुर (मलाया) मालीन्डी (पू० आ०), मोशी (पू० आ०)

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	०
मेष	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४६	५६	५	१५	२५	३५	४५	५४	४	१४	२४	२४	४३	५३	३	१३	२३	३२	४२	५२	२	१२	९
	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	२०	८	५६	४४	३२	२०	८	५६	४४	३२	२०	८	५६	४४	३२	२०	८	५६	४४	३२	२०	८	४८
१	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	०
वृषभ	२१	३१	१४	५१	१	१०	२०	३०	४१	५१	२	१३	२४	३४	४५	५६	६	१७	२८	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५३	४	१५	२५	१०
	५६	४४	३२	२०	८	५६	४४	३२	१४	५६	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	१४	५६	३२	२	२	४४	२६	८	५०	३२	१४	५६	४२
२	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	०
मिथुन	३६	४७	५८	८	१९	३०	४०	५१	२	१३	२४	३४	४५	५६	७	१८	२९	३९	५०	१	१२	२३	३४	४४	५५	६	१७	२८	३९	४९	१०
	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	२२	१२	२	५२	४२	३२	२२	१२	२	५२	४२	३२	२२	१२	२	५२	४२	३२	२२	१२	२	५२	५०
३	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०
कर्क	०	११	२२	३३	४४	५४	५	१६	२६	३६	४६	५०	७	१७	२७	३७	४७	५७	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२९	३९	४९	५९	१०
	४२	३२	२२	१२	२	५२	४२	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	८
४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	९	१९	२९	४०	५०	०	१०	२०	३०	३९	४८	५८	७	१७	२६	३६	४५	५५	४	१४	२३	३३	४२	५२	१	१०	२०	२९	३९	४८	९
	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	०	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	८	३६	४	३२	०	२८	५६	२४	५२	२०	४८	२८
५	२८	२९	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५८	७	१६	२६	३६	४५	५५	४	१४	२३	३२	४२	५१	१	१०	२०	२९	३९	४८	५८	७	१७	२६	३६	४५	५४	४	१३	२३	३२	९
	१६	४४	१२	४०	८	३६	४	३२	०	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	८	३६	४	३२	०	२८	५६	२४	५२	२	४८	८

अक्षांशा: ३ पलभा ०।३७।४४ उदयमानानि २७२।२९४।३२१।३२५।३०४।२८४

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	०
तुला	४२	५१	१	१०	२०	२९	३९	४८	५८	८	१८	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१	११	२१	३१	१०
	१६	४४	१२	४०	८	३६	४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	८
७	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	०
वृश्चिक	४१	५१	१	१२	२२	३२	४२	५२	३	१४	२५	३५	४६	५७	८	१९	३०	४०	५१	२	१३	२४	३५	४५	५६	७	१८	२९	४०	५०	१०
	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	२२	१२	२	५२	४२	३२	२२	१२	२	५२	४२	३२	२२	१२	२	५२	४२	३२	२२	१२	२	५२	५०
८	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	०
धनु	१	१२	२३	३४	४५	५५	६	१७	२८	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५३	४	१५	२५	३६	४७	५८	८	१९	३०	४०	५१	२	१२	१०
	४२	३२	२२	१२	२	५२	४२	३२	१४	५६	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	१४	५६	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	१४	५६	४२
९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	०
मकर	२३	३४	४५	५५	६	१७	२७	३८	४८	५८	७	१७	२७	३७	४७	५६	६	१६	२६	३६	४५	५५	५	१५	२५	३४	४४	५४	४	१४	९
	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	२०	८	५६	४४	३२	२०	८	५६	४४	३२	२०	८	५६	४४	३२	२०	८	५६	४४	३२	२०	८	४८
१०	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
कुम्भ	२३	३३	४३	५३	३	१२	२२	३२	४१	५०	५९	८	१७	२६	३६	४५	५४	३	१२	२१	३०	३९	४८	५७	६	१५	२४	३३	४२	५२	९
	५६	४४	३२	२०	८	५६	४४	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	०
मीन	१	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	८	१७	२६	३५	४४	५३	२	११	२०	२९	३८	४७	५६	५	१४	२४	९
	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४

अक्षांश: ४ — मोम्बासा (पू० आ०) लीयोपोल्डवील (द० आ०)

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	०
मेष	३१	४०	४९	५८	७	१६	२५	३४	४४	५४	३	१३	३२	३३	४२	५२	२	१२	२१	३१	४१	५१	१	१०	२०	३०	४०	४९	५९	९	९
	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	४६
१	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	०
वृषभ	१९	२८	३८	४८	५८	७	१७	२७	३८	४८	५९	१०	२१	३१	४२	५३	३	४	२५	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०	५०	१	१२	२२	१०
	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	४२
२	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	०
मिथुन	३३	४४	५५	५	१६	२७	३७	४८	५९	१०	२१	३१	४२	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	२०	३१	४१	५२	३	१४	२५	३६	४६	१०
	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	५०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	५०
३	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०
कर्क	५७	८	१९	३०	४१	५१	२	१३	३२	३३	४४	५४	४	१४	२४	३४	४५	५५	५	१५	२५	३५	४६	५६	६	१६	२६	३६	४७	५७	१०
	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	१०
४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	७	१७	२७	३७	४८	५८	८	१८	२८	३७	४७	५६	६	१५	२५	३४	४४	५३	३	१२	२२	३१	४१	५१	०	१०	१९	२९	३८	४८	९
	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	२	३४	६	३८	१०	४२	१४	४६	१८	५०	२२	५४	२६	५८	३०	२	३४	६	३८	१०	४२	१४	३२
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५७	७	१६	२६	३५	४६	५४	४	१४	२३	३३	४२	५२	१	११	२०	३०	३९	४९	५८	८	१७	२७	३७	४६	५६	५	१५	२४	३४	९
	४६	१८	५०	२२	५४	२६	५८	३०	२	३४	६	३८	१०	४२	१४	४६	१८	५०	२२	५४	२६	५८	३०	२	३४	६	३८	१०	४२	१४	३२

अक्षांश: ४ पलभा ०।५०।२१ उदयमानानि २७०।२९३।३२१।३२५।३०५।२८६

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	०
तुला	४३	५३	२	१२	२१	३१	४०	५०	०	१०	२१	३१	४१	५१	१	११	२२	३२	४२	५२	२	१२	२३	३३	४३	५३	३	१३	२४	३४	१०
	४६	१८	५०	२२	५४	२६	५८	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	१०
७	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	०
वृश्चिक	४४	५४	४	१४	२५	३५	४५	५५	६	१७	२८	३८	४९	०	११	२२	३३	४३	५४	५	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५३	१०
	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	५०
८	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	०
धनु	४	३५	२६	३७	४८	५८	९	२०	३१	४१	५२	३	१४	२४	३५	४६	५६	७	१८	२८	३९	५०	१	११	२२	३३	४३	५४	५	१५	१०
	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	१२	५४	३६	१८	१०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	४२
९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	०
मकर	२६	३७	४८	५८	९	२०	३०	४१	५१	१	१०	२०	३०	४०	४९	५९	९	१९	२८	३८	४८	५८	८	१७	२७	३७	४७	५६	६	१६	९
	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	४६
१०	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
कुम्भ	२६	३५	४५	५५	५	१४	२४	३४	४३	५२	१	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१३	३१	२८	४०	४९	५८	७	१६	२५	३४	४३	५२	९
	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	१८	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	०
मीन	१	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१६	२५	३४	४३	५२	१	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१३	२२	९
	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	०

अक्षांश: ५ सोमालिया, जंजीबार, केमरुन (द० आ०) टांगा (पू० आ०)

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	०
मेष	२९	३८	४७	५६	५	१४	२३	३२	४२	५१	१	११	२०	३०	४०	५०	५९	९	१९	२८	३८	४८	५७	७	१७	२७	३६	४६	५६	५	९
	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	४२
१	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	०
वृषभ	१५	२५	३४	४४	५४	४	१३	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५२	३	१४	२४	३५	४६	५६	७	१८	१०
	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४०
२	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	०
मिथुन	२८	३९	५०	०	११	२२	३२	४३	५४	५	१६	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	९	२०	३१	४२	१०
	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	५२
३	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०
कर्क	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	१९	२९	४०	५०	०	१०	२१	३१	४१	५१	२	१२	२२	३२	४२	५३	३	१३	२३	३४	४४	५४	१०
	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	१४
४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	४	१५	२५	३५	४५	५६	६	१६	२६	३५	४५	५४	४	१४	२३	३३	४२	५२	२	११	२१	३०	४०	५०	५९	९	१८	२८	३८	४७	९
	५०	४	१८	३२	४६	०	१४	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	३६
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५७	९	१६	२६	३५	४५	५४	४	१४	२३	३३	४२	५२	२	११	२१	३०	४०	५०	५९	९	१८	२८	३८	४७	५७	६	१६	२६	३५	९
	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	३६

अक्षांशा: ५ पलभा १।३।० उदयमानानि-२६८।२९१।३२०।३२६।३०७।२८८

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	०
तुला	४५	५४	४	१४	२३	३३	४२	५२	२	१२	२३	३३	४३	५३	४	१४	१४	३४	४५	५५	५	१५	२५	३६	४६	५६	६	१७	२७	३७	१०
	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	१४
७	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	०
वृश्चिक	४७	५८	८	१८	२८	३९	४९	५९	१०	२१	३२	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	१०
	५०	४	१८	३२	४६	०	१४	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	५२
८	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	०
धनु	९	२०	३१	४२	५२	३	१४	२५	३६	४६	५७	८	१८	२९	४०	५०	१	१२	२२	३३	४४	५४	५	१६	२६	३७	४८	५८	९	२०	१०
	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४०
९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	०
मकर	३०	४१	५२	२	१३	२४	३४	४५	५५	४	१४	२४	३३	४३	५३	३	१२	२२	३२	४१	५१	१	१०	२०	३०	४०	४९	५९	९	१८	९
	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	४२
१०	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
कुम्भ	२८	३८	४७	५७	७	१७	२६	३६	४५	५४	३	१२	२१	३०	३९	४७	५६	५	१४	२३	३२	४१	५०	५९	८	१७	२६	३५	४४	५३	८
	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	०
मीन	१	१०	१९	२८	३५	४६	५५	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१५	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४५	५४	३	१२	२१	८
	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६

अक्षांश: ६ गोल्ड कोस्ट (प० आ०) जेसल्टन (उ० बोर्नियो)

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	०
मेष	२८	३७	४६	५४	३	१२	२१	३०	४०	४९	५९	८	१८	२८	३७	४७	५७	६	१६	२६	३५	४५	५४	४	१४	२३	३३	४३	५२	२	९
	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	३८
१	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	०
वृषभ	१२	२१	३१	४०	५०	०	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२३	३३	४४	५५	५	१६	२७	३७	४०	५८	९	२०	३०	४१	५२	२	१३	१०
	०	२८	१६	५४	३२	[illegible]	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	३८
२	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	०
मिथुन	२४	३४	४५	५५	६	१७	२७	३८	४९	०	११	२२	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	१०
	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	२०	१४	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	२०	१४	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	२०	१४	५४
३	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०
कर्क	४९	०	१०	२१	३२	४३	५४	५	१५	२६	३६	४६	५६	७	१७	२७	३८	४८	५८	९	१९	२९	३९	५०	०	१०	२१	३१	४१	५२	१०
	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	४४	२	२०	३८	५६	१४	३२	४०	८	२६	४४	२	२०	३८	५६	१४	३२	५०	८	२६	४४	२	१८
४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	२	१२	२२	३३	४३	५३	४	१४	२४	३३	४३	५३	२	१२	२२	३१	४१	५१	०	१०	२०	२९	३९	४९	५८	८	१८	२७	३७	४७	९
	२०	३८	५६	१४	३२	५०	८	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४०
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५६	६	१६	२५	३५	४५	५४	४	१४	२३	३३	४३	५२	२	१२	२१	३१	४१	५०	०	१०	१९	२९	३९	४८	५८	८	१७	२७	३७	९
	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४०

अक्षांशाः ६ पलभा १।१५।४० उदयमानानि २६६।२८९।३१९।३२७।३०१।२९०

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	०
तुला	४६	५६	६	१५	२५	३५	४४	५४	४	१५	२५	३५	४५	५६	६	१६	२७	३७	४७	५८	८	१८	२८	३९	४९	५९	१०	२०	३०	४१	१०
	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	४४	२	२०	३८	५६	१४	३२	५०	८	२६	४४	२	२०	३८	५६	१४	३२	५०	८	२६	४४	२	१८
७	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	०
वृश्चिक	५१	१	११	२२	३२	४२	५३	३	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१०
	२०	३८	५६	१४	३२	५०	८	२६	२०	१४	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	२०	१४	८	२	५६	५०	४४	५०	३२	२६	२०	१४	५४
८	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	०
धनु	१४	२५	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५१	२	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	४८	५९	९	२०	३१	४१	५२	३	१३	२४	१०
	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	३८
९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	०
मकर	३५	४५	५६	६	१७	२८	३८	४९	५९	८	१८	२७	३७	४७	५६	६	१६	२५	३५	४५	५४	४	१३	२३	३३	४२	५२	२	११	२१	९
	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	३८
१०	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
कुम्भ	३१	४०	५०	५९	९	१९	२८	३८	४७	५६	५	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१५	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२६	३५	४४	५३	८
	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	५२
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	०
मीन	२	११	२०	२८	३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	३९	४८	५७	६	१५	२४	३३	४१	५०	५९	८	१७	२६	३५	४४	५२	१	१०	१९	८
	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	३६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	५२

अक्षांश: ७ बांदरावेला, रत्नपुरा, कोलम्बो (लंका) दारेसलाम (पू० आ०), टांगानिका, बेल्जियनकोंगो (पू० आ०) जावा, बाटुण्ग

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	०
मेष	२६	३५	४४	५३	२	१०	१९	२८	३८	४७	५७	६	१६	२६	३५	४५	५४	४	१४	२३	३३	४२	५२	२	११	२१	३०	४०	५०	५९	९
	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	३६
१	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	०
वृषभ	९	१८	२८	३८	४७	५७	६	१६	२७	३७	४८	५८	९	२०	३०	४१	५२	२	१३	२४	३४	४५	५५	६	१७	२७	३८	४९	५९	१०	१०
	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	१२	४०	१८	५६	२४	१२	५०	२८	६	४४	२२	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	३८
२	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	०
मिथुन	२०	३१	४२	५२	३	१४	२४	३५	४६	५७	८	१९	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	१०
	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	२	३६	३०	२४	१८	१२	५४
३	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	०
कर्क	४६	५७	७	१८	२९	४०	५१	२	१२	२३	३३	४३	५४	४	१४	२५	३५	४५	५६	६	१६	२७	३७	४७	५८	८	१८	२९	३९	४९	१०
	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	२०
४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	०	१०	२०	३१	४१	५१	२	१२	२२	३१	४१	५१	१	१०	२०	३०	४०	४९	५९	९	१८	२८	३८	४८	५७	७	१७	२७	३६	४६	९
	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	४४
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५६	६	१५	२५	३५	४४	५४	४	१४	२३	३३	४३	५३	२	१२	२२	३२	४१	५१	१	१०	२०	३०	४०	४९	५९	९	१९	२८	३८	९
	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	४४

अक्षांश: ७ पलभा १।२८।२३ उदयमानानि २६४।२८८।३१९।३२७।३१०।२९२

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	०
	४८	५८	७	१७	२७	३६	४६	५६	६	१७	२७	३७	४८	५८	८	१९	२९	३९	५०	०	१०	२१	३१	४१	५२	२	१२	२३	३३	४३	१०
तुला	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	२०
७	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	०
	५४	४	१४	२५	३५	४५	५६	६	१७	२८	३९	५०	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१०
वृश्चिक	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	५४
८	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	०
	१७	२८	३	४१	०	११	२२	३३	४४	५४	५	१५	२६	३७	४७	५८	९	१९	३०	४१	५१	२	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	१०
धनु	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	३८
९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	०
	३७	४८	५९	९	२०	३१	४१	५२	२	११	२१	३०	४०	५०	५९	९	१८	२८	३८	४७	५७	६	१६	२६	३५	४५	५४	४	१४	२३	९
मकर	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	३६
१०	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	३३	४२	५२	२	११	२१	३०	४०	४९	५८	६	१५	२४	३३	४२	५०	५९	८	१७	२६	३४	४३	५२	१	१०	१८	२७	३६	४५	५४	८
कुंभ	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	२२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	०
	२	११	२०	२९	३८	४६	५५	४	१३	२२	३०	३९	४८	५७	६	१४	२३	३२	४१	५०	५८	७	१६	२५	३४	४२	५१	०	९	१८	८
मीन	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८

अक्षांश: ८ | अनुराधापुर (लंका) जंगवार (पू० आ०) फ्रिटाउन (द० आ०) जोगजाकर्ता त्रिवेन्द्रम नागरकोईल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	०
मेष	२५	३३	४२	५१	०	८	१७	२६	३५	४५	५४	४	१४	२३	३३	४२	५२	१	११	२०	३०	३९	४९	५८	८	१७	२७	३७	४६	५६	९
	१४	५८	४२	३६	१०	५४	३८	२२	५४	२६	५८	३०	२	३४	६	३८	१०	४२	१४	४६	१८	५०	२२	५४	२६	५८	३०	२	३४	६	३२
१	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	०
वृषभ	५	१५	२४	३४	४३	५३	२	१२	२२	३३	४४	५४	५	१५	२६	३७	४७	५८	८	१९	३०	४०	५१	१	१२	२३	३३	४४	५४	५	१०
	३८	१०	४२	१४	४६	१८	५०	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	३६
२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	०
मिथुन	१६	२६	३७	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	१९	३०	१०
	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५६
३	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	०
कर्क	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	८	१९	२९	३९	५०	०	११	२१	३१	४२	५२	३	१३	२३	३४	४४	५५	५	१५	२६	३६	४७	१०
	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	२४
४	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	५७	७	१८	२८	३९	४९	५९	१०	२०	२९	३९	४९	५९	९	१८	२८	३८	४८	५८	७	१७	२७	३७	४७	५६	६	१६	२६	३६	४५	९
	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४८
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५५	५	१५	२५	३४	४४	५४	४	१४	२३	३३	४३	५३	३	१२	२२	३२	४२	५२	१	११	२१	३१	४१	५०	०	१०	२०	३०	३९	९
	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४८

अक्षांशा: ८ पलभा १।४१।१० उदयमानानि २६२।२८६।३१८।३२८।३१२।२९४

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	०
	४९	५९	९	१९	२८	३८	४८	५८	८	१९	२९	३९	५०	०	११	२१	३१	४२	५२	३	१३	२३	३४	४४	५५	५	१५	२६	३६	४७	१०
तुला	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	२४
७	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	०
	५७	७	१८	२८	३९	४९	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	५९	१०	१०
वृश्चिक	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५६
८	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	०
	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२०	३१	४१	५२	३	१३	२४	३४	४५	५६	६	१७	२७	३८	४९	५९	१०	२०	३१	१०
धनु	५०	४	४२	३८	३४	३०	२६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	३६
९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	०
	४२	५२	३	१३	२४	३५	४५	५६	५	१५	२४	३४	४४	५३	३	१२	२२	३१	४१	५०	०	९	१९	२८	३८	४७	५७	७	१६	२६	९
मकर	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५४	२६	५८	३०	२	३४	६	३८	१०	४२	१४	४६	१८	५०	२२	५४	२६	५८	३०	२	३४	६	३२
१०	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	३५	४५	५४	४	१३	२३	३२	४२	५१	५९	८	१७	२६	३४	४३	५२	०	९	१८	२७	३५	४४	५३	२	१०	१९	२८	३७	४५	५४	८
कुम्भ	३८	१०	४२	१४	४६	१८	५०	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	४४,
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	०
	३	११	२०	२९	३८	४६	५५	४	१३	२१	३०	३९	४८	५६	५	१४	२२	३१	४०	४९	५७	६	१५	२४	३२	४१	५०	५९	७	१६	८
मीन	४	५८	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	४४

अक्षांश: ९ त्रिकोमाली (लंका) तूतीकोरिन, तिनेवल्ली, धनुष्कोटि, पालमकोट्टा, पीरमीड, रामेश्वरम्

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	०
मेष	२२	३१	४०	४८	५७	६	१४	२३	३२	४२	५१	१	१०	२०	२९	३९	४८	५७	७	१६	२६	३५	४५	५५	५	१४	२४	३३	४३	५२	९
	५३	३१	९	४७	२५	३	४१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३८
१	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	०
वृषभ	२	१२	२०	३०	३९	४९	५८	७	१७	२८	३९	४९	०	१०	२१	३१	४२	५२	३	१४	२४	३५	४५	५६	६	१७	२८	३८	४९	५९	१०
	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	१७	५२	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३१	५	३९	१३	४७	३४
२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	०
मिथुन	१०	२०	३१	४२	५२	३	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	१०
	२१	५५	२९	३	३७	११	४५	१९	१७	१५	१३	११	९	७	५	३	१	५९	५७	५५	५३	५१	४९	४७	४५	४३	४१	३९	३७	३५	५८
३	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	०
कर्क	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	३	१४	२४	३५	४५	५६	६	१७	२७	३७	४८	५८	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२२	३३	४३	१०
	३३	३१	२९	२७	२५	२३	२१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३३	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	२८
४	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	५४	४	१४	२५	३३	४६	५६	७	१७	२७	३७	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	९
	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	१३	७	१	५५	५९	४३	३७	३१	२५	१९	१३	७	१	५५	४९	४३	३७	३१	२५	१९	१३	७	५४
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५५	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	९
	१	५५	४९	४३	३७	३१	२५	१९	१३	७	१	५५	४९	४३	३७	३१	२५	१९	१३	७	१	५५	४९	४३	३७	३१	२५	१९	१३	७	५४

अक्षांशाः ९ पलभा १।५४ उदयमानानि २५९।२८४।३१७।३२९।३१४।२९७

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	०
	५२	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२२	३२	४३	५३	४	१४	२५	३५	४५	५६	६	१७	२७	३८	४८	५९	९	२०	३०	४१	५१	१०
तुला	१	५५	४९	४३	३७	३१	२५	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	२८
७	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	०
	२	१२	२२	३३	४३	५४	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	१०
वृश्चिक	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	१७	१५	१३	११	९	७	५	३	१	५९	५७	५५	५३	५१	४९	४७	४५	४३	४१	३९	३७	३५	५८
८	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	०
	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५४	५	१६	२६	३७	४७	५८	८	१९	२९	४०	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	५	१५	२६	३६	१०
धनु	३३	३१	२९	२७	२५	२३	२१	१९	४३	२७	१	३५	९	४३	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३१	५	३९	१३	४७	३४
९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	०
	४७	५७	८	१९	२९	४०	५०	१	१०	२०	२९	३९	४८	५८	७	१७	२६	३५	४५	५४	४	१३	२२	३१	४१	५०	०	९	१९	२८	९
मकर	२१	५५	२९	३	३७	११	४५	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	२६
१०	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	३८	४७	५६	६	१५	२५	३५	४५	५३	२	११	१९	२८	३७	४५	५४	३	११	२०	२८	३७	४६	५४	३	१२	२०	२९	३७	४६	५५	८
कुम्भ	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	५७	३५	१३	५१	२९	७	४५	२३	१	३९	१७	५५	३३	११	४९	२७	५	४३	२१	५९	३७	१५	३८
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	०
	३	१२	२१	२९	३८	४७	५५	४	१२	२१	३०	३८	४७	५६	४	१३	२२	३०	३९	४७	५६	४	१२	२१	३०	३८	४७	५६	५	१४	८
मीन	५३	३१	९	४७	२५	३	४१	१९	५७	३५	१३	५१	२९	७	४५	२३	१	३९	१७	५५	३३	११	४९	२७	५	४३	२१	५९	३७	१५	३८

अक्षांश: १० कोडैकानाल, तिरुमंगलम्, पलनी, कोचीन, मदुरा, कंकेशन्तुराई (लंका) एरनाकुलम् कोट्टयम्

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	०
मेष	२१	२९	३८	४६	५५	४	१२	२१	३०	४०	४९	५९	८	१७	२७	३६	४६	५५	५	१४	२३	३३	४२	५२	१	११	२०	२९	३९	४८	९
	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	१७	४३	९	३५	१	२७	५३	१९	४५	११	३७	३	२९	५५	२१	४७	१३	३९	५	३१	५७	२३	४९	२६
१	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	०
वृषभ	५८	७	१७	२६	३५	४५	५४	४	१४	२४	३५	४६	५६	७	१८	२८	३९	४९	०	१०	२१	३१	४२	५२	३	१३	२४	३४	४५	५६	१०
	१५	४१	७	३३	५९	२५	५१	१७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	१	३३	५	३७	९	४१	१३	४५	१७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	१	३२
२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	०
मिथुन	६	१७	२७	३८	४८	५९	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	११
	३३	५	३७	९	४१	१३	४५	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	०
३	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	०
कर्क	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	०	११	२१	३२	४२	५३	३	१४	२४	३५	४५	५६	६	१७	२७	३८	४८	५९	९	२०	३०	४१	१०
	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	३०
४	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	५१	२	१२	२३	३३	४४	५४	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	९
	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	१५	१३	११	९	७	५	३	१	५९	५७	५५	५३	५१	४९	४७	४५	४३	४१	३९	३७	३५	३३	५८
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	९
	३१	२९	२७	२५	२३	२१	१९	१७	१५	१३	११	९	७	५	३	१	५९	५७	५५	५३	५१	४९	४७	४५	४३	४१	३९	३७	३५	३३	५८

अक्षांशाः १० पलभा २।६।५० उदयमानानि २५७।२८३।३१६।३३०।३१५।२९९

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	०
तुला	५३	१३	३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२४	३४	४५	५५	६	१६	२७	३७	४८	५८	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	१०
	३१	२९	२७	२५	२३	२१	१९	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	३०
७	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	०
वृश्चिक	४	१५	२५	३६	४६	५७	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	११
	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	०
८	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	०
धनु	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५८	९	१९	३०	४०	५१	२	१२	२३	३३	४४	५४	५	१५	२६	३६	४७	५७	८	१८	२९	४०	११
	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	१	३३	५	३७	९	४१	१३	४५	७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	१	३२
९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	०
मकर	५०	१	११	२२	३२	४३	५३	४	१३	२३	३२	४२	५१	०	१०	१९	२९	३८	४८	५७	६	१६	२५	३५	४४	५४	३	१२	२२	३१	९
	३३	५	३७	९	४१	१३	४५	१७	४३	९	३५	१	२७	५३	१९	४५	११	३७	३	२९	५५	२१	४७	१३	३९	५	३१	५७	२३	४९	२६
१०	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
कुम्भ	४१	५०	०	९	१८	२८	३७	४७	५५	४	१२	२१	३०	३८	४७	५५	४	१२	२१	३०	३८	४७	५५	४	१२	२१	३०	३८	४७	५५	८
	१५	४१	७	३३	५९	२५	५१	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३१	५	३९	१३	४७	२१	५५	२९	३	३७	११	४५	३४
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	०
मीन	४	१२	२१	३०	३८	४७	५५	४	१२	२१	२९	३८	४७	५५	४	१२	२१	२९	३८	४७	५५	४	१२	२१	२९	३९	४७	५५	४	१२	८
	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३१	५	३९	१३	४७	२१	५५	२९	२९	३७	११	४५	३४

अक्षांश: ११ उटकमंड, उडुमलपेट, काजेरीन, कुम्भकोनम्, कूनूर, कोयंबतूर, चिदम्बरम्, तिरुचिरापल्ली, तंताउर, शंकुबार, नगपट्टणम्, नीलगिरी, मन्नारगुडी, श्री रंगम्

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	०
मेष	१६	२८	३६	४५	४५	२	१०	१९	२८	३७	४७	५६	६	१५	२४	३४	४३	५२	२	११	२१	३०	३९	४९	५८	७	१७	२६	३५	४५	९
	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	११	३३	५५	१७	३९	१	२३	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	१९	२२
१	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१३	०
वृषभ	५४	४	१३	२२	३२	४१	५०	०	१०	२१	३१	४२	५२	३	१३	२४	३५	४५	५६	६	१७	२७	३८	४८	५९	९	२०	३०	४१	५१	१०
	४१	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	४७	१९	५१	२३	५५	२७	५९	३१	३	३५	७	३९	११	४३	१५	४७	१९	५१	२३	५५	२७	५९	३२
२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	०
मिथुन	२	१३	२३	३४	४४	५५	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	११
	३१	३	३५	७	३९	११	४३	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	०
३	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	०
कर्क	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५६	७	१७	२८	३९	४९	०	१०	२१	३१	४२	५३	३	१४	२४	३५	४५	५६	७	१७	२८	३८	१०
	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	४९	२३	५७	३१	५	३९	१३	४७	२१	५५	२९	३	३७	११	४५	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	३४
४	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	४९	५९	१०	२०	३१	४२	५२	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	१०
	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	५९	२
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	१०
	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	५६	२

अक्षांशः ११ पलभा २।२० उदयमानानि २५५।२८१।३१६।३३०।३१७।३०१

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	०
तुला	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२६	३६	४७	५८	८	१९	२९	४०	५०	१	१२	२२	३३	४३	५४	४	१५	२६	३६	४७	५७	१०
	१	३	५	७	९	११	१३	१५	४९	२३	५७	३१	५	३९	१३	४७	२१	५५	२९	३	३७	११	४५	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	३४
७	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	०
वृश्चिक	८	१८	२९	३९	५०	१	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	११
	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	०
८	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	०
धनु	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	२	१३	२३	३४	४४	५५	५	१६	२७	३७	४८	५८	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२२	३३	४३	१०
	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	४७	१९	५१	२३	५५	२७	५९	३१	३	३५	७	३९	११	४३	१५	४७	१९	५१	२३	५५	२७	५९	३२
९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	०
मकर	५४	५	१५	२६	३६	४७	५७	८	१७	२६	३६	४५	५५	४	१३	२३	३२	४१	५१	०	१०	१९	२८	३८	४७	५६	६	१५	२४	३४	९
	३१	३	३०	७	३९	११	४३	१५	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	११	३३	५५	१७	३९	१	२३	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	१९	२२
१०	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
कुम्भ	४३	५३	२	११	२१	३०	३९	४९	५७	६	१४	२३	३१	४०	४८	५७	५	१४	२२	३१	३९	४८	५६	५	१३	२२	३०	३९	४७	५६	८
	४१	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	३०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	०
मीन	४	१३	२१	३०	३८	४७	५५	४	१२	२१	२९	३८	४६	५५	३	१२	२०	२९	३७	४६	५४	३	११	२०	२८	३७	४५	५४	२	११	८
	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	४५	४५	१५	४५	१५	४५	४५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	३०

अक्षांशः १२	कृष्णराजपेठ, मैसूर, श्रीरंगपट्टम, कंणनूर, कर्णाटिक, तिरुवन्नामलाई, तेल्लाचेरी, पांडिचेरी, माहे, सेलम																													
अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	०
मेष	१८	२६	३५	४३	५१	०	८	१७	२६	३५	४५	५४	३	१३	२२	३१	४०	५०	५९	८	१८	२७	३६	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	९
	११	३७	३	२९	५५	२१	४७	३३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	१८
१	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	०
वृषभ	५१	०	९	१९	२८	३७	४६	५६	६	१७	२७	३८	४८	५९	९	२०	३०	४१	५१	२	१२	२३	३३	४४	५४	५	१५	२६	३	४७	१०
	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	३०
२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	०
मिथुन	५७	८	१८	२९	३९	५०	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	११
	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	२
३	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	०
कर्क	२४	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५	३	१४	२४	३५	४६	५६	७	१७	२८	३९	४९	०	११	२१	३२	४२	५३	४	१४	२५	३६	१०
	५९	१	३	५	७	९	११	१३	५१	२९	७	४५	२३	१	३९	१७	५५	३३	११	४९	२७	५	४३	२१	५९	३७	१५	५३	३१	९	३८
४	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	४६	५७	८	१८	२९	३९	५०	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	३	१३	२३	३३	४३	१०
	४७	२५	३	४१	१९	५७	३५	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२०	६
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५३	३	१३	२३	३३	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१५	२५	३५	४५	५५	५	२५	२५	३५	४५	५५	६	१६	२६	३६	४६	१०
	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	६

अक्षांश: १२   पलभा २।३३   उदयमानानि २५३।२७९।३१५।३३१।३१९।३०३

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	०
तुला	५२	६	१६	२६	३६	४७	५७	७	१७	२८	३९	४९	०	११	२१	३२	४२	५३	४	१४	२५	३६	४६	५७	७	१८	२९	३९	५०	१	१०
	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	५१	२९	७	४५	२३	१	३९	१७	५५	३३	११	४९	२७	५	४३	२१	५९	३७	१५	५३	३१	९	३८
७	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	०
वृश्चिक	११	२२	३०	४३	५४	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	११
	४७	२५	३	४१	१९	५७	३५	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	२
८	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४५	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	०
धनु	३९	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	७	१८	२८	३९	४९	०	१०	२१	३१	४२	५२	३	१३	२४	३४	४५	५५	६	१६	२७	३७	४८	१०
	५९	१	३	५	७	९	११	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	४३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	३०
९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	०
मकर	५८	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२२	३०	४०	४९	५८	८	१७	२	३५	४५	५४	३	१३	२२	३१	४१	५०	५९	८	१८	२७	३६	९
	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	१८
१०	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
कुम्भ	४६	५५	४	१४	२३	३२	४१	५१	५९	८	१६	२४	३३	४१	५०	५८	७	१५	२३	३२	४०	४९	५७	६	१४	२३	३१	३९	४८	५६	८
	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३९	५	३१	५७	२३	४९	१५	४१	७	३३	५९	२५	५१	१७	४३	९	३५	१	२७	५३	१९	४५	२६
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	०
मीन	५	१३	२२	३०	३८	४७	५५	४	१२	२१	२९	३७	४६	५४	३	११	२०	२८	३६	४५	५३	२	१०	१९	२७	३६	४४	५२	१	९	८
	११	३७	३	२९	५५	२१	४७	१३	३९	५	३१	५७	२३	४९	१५	४१	७	३३	५९	२५	५१	१७	४३	९	३५	१	२७	५३	१९	४५	२६

अक्षांश: १३ कोलार, टूमकूर, बेंगलोर, हासन, चिक्कमगालूर, अरकोणम्, अर्काट, उडीपी, गन्नूर, कांजीवरम्, चिकलूपट, तिरुवल्लूर, पल्लावरम्, पूलीकट, मद्रास, महाबलीपुरम्, मेंगलोर, बेल्लौर

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
०	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५
मेष	१६	२४	३३	४२	५०	५८	६	१५	२४	३३	४२	५२	१	१०	१९
	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९
१	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०
वृषभ	४७	५६	६	१५	२४	३३	४२	५२	२	१३	२३	३४	४४	५४	५
	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७
२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५
मिथुन	५२	३	१३	२४	४	४५	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३
	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९
३	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०
कर्क	२०	३१	४२	५३	४	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५३
	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	५३	३५	१७	५९	४१	२३	५
४	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६
सिंह	४४	५४	५	१६	२७	३७	४८	५९	९	१९	२९	३९	५०	०	२०
	१७	५९	४१	२३	५	४७	२९	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१
कन्या	५३	३	१३	२३	३३	४३	५४	४	१४	२४	३४	४४	५५	५	१५
	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१

अंश	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	०
मेष	२९	३८	४७	५६	५	१५	२४	३३	४२	५२	१	१०	१९	२९	३८	९
	३	१७	३१	४५	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	१४
१	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	०
वृषभ	१५	२६	३६	४७	५७	८	१८	२९	३९	५०	०	११	२१	३१	४२	१०
	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	२८
२	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	०
मिथुन	३४	४५	५६	७	१८	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	११
	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४
३	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	०
कर्क	३	१४	२५	३५	४६	५७	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२२	३३	१०
	४७	२९	११	५३	३५	१७	५९	४१	२३	५	४७	२९	११	५३	३५	४२
४	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३१	४१	५२	२	१२	२२	३२	४२	१०
	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१०
५	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	२५	३५	४५	५६	६	१६	२६	३६	४६	५७	७	१७	२७	३७	४७	१०
	३२	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१०

अक्षांश: १३ पलभा २।४६।१२ उदयमानानि २५१।२७७।३१४।३३२।३२१।३०५

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	०
	५८	८	१८	२८	३८	४८	५९	९	१९	३०	४१	५१	२	१३	२४	३४	४५	५६	६	१७	२८	३८	४९	०	११	२२	३२	४३	५३	४	१०
तुला	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	५३	३४	१७	५९	४१	२३	५	४७	२९	११	५३	३५	१७	५९	४१	२३	५	४७	२९	११	५३	३५	४२
७	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	०
	१५	२५	३६	४७	५८	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	११
वृश्चिक	१७	५९	४१	२३	५	४७	२९	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	१	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४
८	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	०
	४४	५५	६	१७	२८	४०	५१	२	१२	२३	३३	४४	५४	४	१५	२५	३६	४६	५७	७	१८	२८	३९	४९	०	१०	२१	३१	४१	५२	१०
धनु	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	२८
९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	०
	२	१३	२३	३४	४४	५५	५	१६	२५	३४	४३	५३	२	११	२०	३०	३९	४८	५७	६	१६	२५	३४	४३	५३	२	११	२०	३०	३९	९
मकर	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३०	४१	५	१९	१४
१०	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	४८	५७	७	१६	२५	३४	४३	५३	१	९	१८	२६	३५	४३	५१	०	८	१०	२५	३३	४१	५०	५८	७	१५	२३	३२	४०	४४	४७	८
कुम्भ	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	३३	५५	१७	३९	१	२३	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	१९	४१	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	२२
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	०
	५	१३	२२	३०	३९	४०	५५	४	१२	२०	२९	३७	४६	५४	२	११	१९	२७	३६	४४	५२	१	९	१८	२६	३४	४३	५१	५९	८	८
मीन	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	११	३३	५५	१७	३९	१	२३	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	१९	४१	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	२२

अक्षांश: १४ — **शिकारपुर, शिमोगा, गिरसप्पा, कोल्लुर।**

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	०
मेष	१५	२३	३१	३९	४८	५९	४	१३	२२	३१	४०	४९	५९	८	१७	२६	३५	४५	५४	३	१२	२१	३१	४०	४९	५८	७	१७	२६	३५	९
	३	२१	३९	५७	१५	३३	५१	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	१२
१	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	०
वृषभ	४४	५३	३	१२	२१	३०	३९	४९	५९	१०	२०	३१	४१	५१	२	१२	२३	३३	४४	५४	५	१५	२६	३६	४७	५७	८	१८	२८	३९	१०
	४५	५७	९	२	३३	४५	५७	९	३७	५	३३	१	२९	५७	२५	५३	२१	४९	१७	४५	१३	४१	९	३७	५	३३	१	२९	५७	२५	२८
२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	०
मिथुन	४९	०	१०	२१	३१	४२	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	११
	[illegible]	२१	४९	१७	४५	१३	४१	९	१३	१७	२१	२५	२९	३३	३७	४१	४५	४९	५३	५७	१	५	९	१३	१७	२१	२५	२९	३३	३७	४
३	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	०
कर्क	१७	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	४५	५६	७	१८	२८	३९	५०	१	११	२२	३३	४३	५४	५	१६	२६	३७	४८	५९	९	२०	३१	१०
	४१	४५	४९	५३	५७	१	५	९	४३	३७	२१	५	४९	३३	१७	१	४५	२९	१३	५७	४१	२५	९	५३	३७	२१	५	४९	३३	१७	४४
४	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	४२	५२	३	१४	२४	३५	४६	५७	७	१७	२७	३८	४८	५८	८	१९	२९	३९	४९	५९	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३२	४२	१०
	१	४५	२९	१३	५७	४१	२५	९	२३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	१४
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५२	२	१२	२३	३३	४३	५३	४	१४	२४	३४	४४	५५	५	१५	२६	३६	४६	५६	६	१७	२७	३७	४७	५८	८	१८	२८	३९	४९	१०
	३१	४५	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	१४

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २३ (अयनांश २३।१) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	[illegible]	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	घं.
तुला	४२	४७	५१	५५	०	४	९	१३	१८	२२	२७	३१	३५	४०	४४	४९	५३	५८	२	७	११	१६	२१	२५	३०	३४	३९	४३	४८	५०	मि.
	३८	३	२८	५३	१८	४४	११	३८	६	१३	०	२९	५७	१५	५४	२४	५३	२२	५५	२६	५६	२८	०	३२	४	३३	१०	४७	१६	५०	से.
७	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	घं.
वृश्चिक	५७	१	६	११	१५	२०	२४	२९	३३	३८	४३	४७	५२	५६	१	६	१०	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४२	४६	५१	५५	०	४	९	मि.
	२४	५८	३२	६	४०	१५	४९	२३	४९	३३	८	४३	१७	५१	२४	०	३४	८	४१	१४	४७	१८	५१	२४	५३	२३	५३	२३	५२	१९	से.
८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	घं.
धनु	१३	१८	२२	२७	३१	३५	४०	४४	४८	५३	५७	१	६	१०	१४	१८	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	१५	मि.
	४७	१३	३८	३	२९	५३	१४	३५	५७	१७	३०	५३	१०	१७	४०	५३	५	१७	२५	३४	४१	४६	५२	५८	५७	५९	५९	५९	५४	५०	से.
९	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	घं.
मकर	१९	२३	२७	३१	३५	३८	४२	४६	५०	५३	५७	१	४	९	१२	१५	१९	२३	२६	२९	३३	३६	४०	४३	४७	५०	५३	५७	०	३	मि.
	४४	३७	२९	२१	८	५६	४३	३०	११	५३	३४	१४	५३	४३	७	४१	१४	७	१७	४७	१६	४४	१२	४०	०	२३	४६	९	२६	४५	से.
१०	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	घं.
कुम्भ	७	१०	१३	१६	२०	२६	२६	२९	३२	३६	३९	४२	४५	४८	५१	५४	५७	१	४	७	१०	१३	१६	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३७	मि.
	४	२०	३६	५२	५	१९	३२	४५	५२	६	१५	३	१२	२१	२६	५२	५७	२	७	२	१५	१९	२१	२३	२५	२७	२८	२९	३०	३१	से.
११	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	घं.
मीन	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५८	१	४	७	१०	१३	१६	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५८	२	५	८	मि.
	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३०	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३६	३८	४१	४४	४८	५२	५७	२	७	१३	से.

अक्षांश: १५ अनन्तपुर, रायदुर्ग, विजयनगर, हरिहर, सान्दूर, गोवा, बेल्लारी, गदग, उदयगिरि, धारवार

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	०
मेष	१२	२०	२९	३७	४५	५३	१	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१४	२३	३२	४१	५०	५९	८	१७	२७	३६	४५	५४	३	१२	२१	३१	९
	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	८
१	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	०
वृषभ	४०	४९	५८	७	१६	२५	३४	४४	५४	४	१५	२५	३५	४६	५७	७	१८	२८	३८	४९	५९	१०	२०	३१	४१	५१	२	१२	२३	३३	१०
	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	२६
२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	०
मिथुन	४४	५४	४	१५	२५	३६	४५	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	११
	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	६
३	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	०
कर्क	१२	२३	३४	४५	५६	७	१९	३०	४०	५१	२	१३	२४	३४	४५	५६	७	१८	२८	३९	५०	१	१२	२२	३३	४४	५५	६	१०	२७	१०
	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	५४	४२	३०	१८	५	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	४८
४	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	३८	४९	०	१०	२१	३२	४३	५४	४	१४	२५	३५	४५	५५	६	१६	२७	३७	४७	५८	८	१८	२९	३९	४९	०	१०	२०	३१	४१	१०
	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	२६	४६	६	२६	४५	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	२०
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५१	२	१२	२२	३३	४३	५३	४	१४	२४	३५	४५	५५	६	१६	२६	३७	४७	५७	८	१८	२८	३९	४९	५९	१०	२०	३०	४१	५१	१०
	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	२०

अक्षांश: १५ पलभा ३।१२।५४ उदयमानानि २४६।२७४।३१३।३३३।३२४।३१०

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	०
तुला	१	११	२२	३२	४३	५३	३	१४	२४	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०	५१	२	१२	२३	३४	४५	५	६	१७	२८	३९	५०	०	११	१०
	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	४८
७	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	०
वृश्चिक	२२	३३	४४	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	९	२०	३१	४२	११
	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	६
८	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	०
धनु	५४	४	१५	२६	३७	४८	०	११	२१	३१	४२	५२	३	१३	२४	३४	४५	५५	५	१६	२६	३७	४७	८	८	१८	२९	३९	५०	०	१०
	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६	५२	१८	४४	१०	३०	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	२६
९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	०
मकर	११	२१	३१	४२	५२	३	१३	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२८	३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	४१	५०	५९	८	१७	२६	३५	४५	९
	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	१४	२२	३०	३८	३६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	८
१०	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
कुम्भ	५४	३	१२	२१	३०	३९	४८	५८	६	१४	२२	३०	३९	४७	५५	३	११	२०	२८	३६	४४	५२	१	९	१७	२५	३३	४२	५०	५८	८
	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	१२
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	०
मीन	६	१४	२३	३१	३९	४७	५५	४	१२	२०	२८	३६	४५	५३	१	९	१८	२६	३४	४२	५०	५८	७	१५	२३	३१	३९	४८	५६	४	८
	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	१२

अक्षांश: १६ — कर्णूल, गुंटूर, बागलकोट, मछलीपट्टम, रायचूर, बेलगाँव

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	०
मेष	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	८	१७	२६	३५	४४	५३	६	११	२०	२९	३८	४७	५६	५	१५	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	९
	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	४
१	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	०
वृषभ	३६	४५	५४	३	१२	२१	३१	४०	५०	०	११	२१	३२	४२	५२	३	१३	२४	३४	४४	५५	५	१६	२६	३६	४७	५७	८	१८	२८	१०
	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	२४
२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	०
मिथुन	३९	४	०	१०	२०	३१	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	११
	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८
३	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	०
कर्क	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२६	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	१०
	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	५२
४	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	३६	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	२	१२	२३	३३	४४	५४	४	१५	२५	३६	४६	५६	७	१७	२८	३८	४८	५९	९	२०	३०	४०	१०
	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	२४
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५१	१	१२	२२	३२	४३	५३	४	१४	२४	३५	४५	५६	६	६	२७	३७	४८	५८	८	१९	२९	४०	५१	०	११	२१	३२	४२	५२	१०
	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	२४

अक्षांश: १६ पलभा ३।२६।२४ उदयमानानि २४४।२७२।३१२।३३४।३२६।३१२

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	०
तुला	३	१३	२४	३४	४४	५५	५	१६	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	१०
	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	५२
७	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	०
वृश्चिक	२६	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४७	११
	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८
८	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	०
धनु	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१६	२६	३६	४७	५७	८	१८	२८	३९	४९	०	१०	२०	३१	४१	५२	२	१२	२३	३३	४४	५४	४	१०
	८	१६	२४	३२	४०	४८	५०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	२४
९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	०
मकर	१५	२५	३६	४६	५६	७	१७	२८	३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१६	२५	३५	४४	५३	२	११	२०	२९	३८	४७	९
	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	४
१०	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
कुम्भ	५६	५	१४	२३	३२	४१	५१	०	८	२६	२४	३२	४०	४८	५७	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५९	८
	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	०
मीन	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	६	१४	२२	३०	३८	४२	५४	३	८
	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	२६	४४	५२	०	८

अक्षांश: १७ विजयवाड़ा, गुलबर्गा, नलगोंडा, नारायनपेट, महबूबनगर, सिकन्दराबाद, हैदराबाद, रत्नागिरि, मिरज, सांगली

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	०
मेष	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	६	१५	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४५	५४	३	१२	२१	३	३९	४८	५७	६	१५	२४	९
	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	०
१	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	०
वृषभ	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४६	५६	७	१७	२७	३८	४८	५८	९	१९	३०	४१	५०	१	११	२१	४२	४२	५३	३	१३	२४	१०
	२	२	२	२	२	२	२	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	२२	४४	६	२२
२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	०
मिथुन	३४	४४	५५	५	१५	२६	३६	४७	५८	९	२०	२१	४२	५४	५	१६	२७	३८	४९	१	१२	२३	३४	४५	५९	८	१९	३०	४१	५२	११
	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	१२	२२	३३	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	१०
३	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	०
कर्क	३	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२२	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	१०
	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	५६
४	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	३३	४४	५५	६	१७	२८	१९	५०	०	१०	२१	३१	४२	५२	३	१३	२४	३४	४५	५५	६	१६	२७	३७	४७	५८	८	१९	२९	४०	१०
	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	३०	५८	२६	५४	२२	५०	१८	४६	१४	४५	१०	३८	६	३४	२	३०	५८	२६	५४	२२	५०	१८	२८
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५०	१	११	२२	३२	४३	५३	४	१४	२४	३३	४५	५६	६	१७	२७	३८	४८	५९	९	२०	३०	४१	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	१०
	४६	१४	४२	१०	३८	६	३४	२	३०	५८	२६	५४	२२	५०	१८	४६	१४	४२	१[illegible]	३८	६	३४	२	३०	५८	२६	५४	२२	५०	१८	२८

अक्षांश: १७ पलभा ३।४० उदयमानानि २४२।२७०।३११।३३५।३२८।३१४

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	०
	४	१५	२५	३६	४६	५७	७	१८	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	१०
तुला	४६	१४	४२	१०	३८	६	३४	२	५८	५४	५०	६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	५६
७	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	०
	९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३७	४८	०	११	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५१	११
वृश्चिक	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	१०
८	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	०
	२	१४	२५	३६	४७	५८	९	२१	३१	४१	५२	२	१२	२३	३३	४३	५४	४	१५	२५	३५	४६	५६	६	१७	२७	३८	४८	५८	९	१०
धनु	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	२२	४४	६	२२
९	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	०
	१९	२९	४०	५०	०	११	२१	३२	४१	५०	५९	८	१७	२६	३५	४४	५३	२	११	२०	२९	३८	४७	५६	५	१४	२३	३२	४०	५०	९
मकर	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	०
१०	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	५९	८	१७	२६	३५	४४	५३	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	८
कुम्भ	२	२	२	२	२	२	२	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	४
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	०
	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	८
मीन	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३८	४२	४	५०	५४	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२७	३०	४

अक्षांश: १८ — उस्मानाबाद, विजयानगरम्, विशाखापट्टनम्, खड्का, जंजीरा, पूना, पंढरपुर, वार्शी, महाबलेश्वर, वाई, शोलापुर, सतारा

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	०
मेष	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२१	३०	३९	४८	५७	६	१५	२४	३३	४२	५१	४०	९	१८	२६	३५	४४	५३	२	११	२०	८
	०	०	०	०	०	०	०	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१०	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	५६
१	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	०
वृषभ	२९	३८	४७	५६	५	१४	२३	३२	४२	५२	३	१३	२३	३४	४४	५४	५	१५	२६	३६	४६	५७	७	१७	२८	३८	४८	५९	९	२०	१०
	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	२८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२२
२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	०
मिथुन	३०	४०	५०	१	१०	२२	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	५०	१	१२	२३	३४	४५	५७	८	१९	३०	४१	५२	४	१५	२६	३७	४८	११
	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	१०
३	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	०
कर्क	५९	११	२२	३३	४४	४५	६	१८	२९	४०	५०	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५०	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	११
	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५८	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	४	१५	२६	३६	४७	५७	८	१८	२९	३९	१०
	०	०	०	०	०	०	०	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	३२
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५०	०	११	२१	३२	४२	५३	४	१४	२५	३५	४६	५६	७	१७	२८	३८	४९	५९	१०	२०	३१	४२	५२	३	१३	२४	३४	४५	५५	१०
	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३०	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	३२

अक्षांश: १८ पलभा ३।५३ उदयमानानि २४०।२६८।३११।३३५।३३०।३१६

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	०
तुला	६	१६	२७	३७	४८	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	११
	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	०
वृश्चिक	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५७	८	१९	३०	४१	५२	४	१५	२६	३७	४८	५९	११	२२	३३	४४	५५	११
	०	०	०	०	०	०	०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	१०
८	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	०
धनु	६	१८	२९	४०	५१	२	१३	२५	३५	४५	५६	६	१६	२७	३७	४७	५८	८	१९	२९	३९	५०	०	१०	२१	३१	४१	५२	५२	१३	१०
	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२२
९	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	०
मकर	२३	३३	४४	५४	४	१५	२५	३६	४४	५३	२	११	२०	२९	३८	४७	५६	५	१४	२३	३२	४१	५०	५८	७	१६	२५	३४	४३	५२	८
	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	४२	५६
१०	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
कुम्भ	१	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८
	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	०
मीन	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८
	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अक्षांश: १९ अलीबाग, अहमदनगर, कल्याण, धोंड, बम्बई, माथेरान, श्रीगोंडा, नादड़े, गोपालपुर, बस्तर

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	०
मेष	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	०	९	१८	२७	३६	४५	५४	३	११	२०	२९	३८	४७	५६	५	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१६	८
	३९	३३	२७	२१	१५	९	३	५७	४९	४१	३३	२५	१७	९	१	५३	४५	३७	२९	२१	१३	५	५७	४९	४१	३३	२५	१७	९	१	५२
१	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	०
वृषभ	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२६	३७	४७	५७	८	१८	२८	३९	४९	५९	१०	२०	३०	४१	५१	१	१२	२२	३२	४३	५३	३	१४	१०
	५३	४५	३७	२९	२१	१३	५	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	२०
२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	०
मिथुन	२४	३४	४५	५५	५	१६	२६	३६	४८	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१७	२८	४०	५१	२	१३	२४	३६	५८	४७	९	२०	३२	४३	११
	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२२	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	१२
३	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१८	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	०
कर्क	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	१०	३२	२१	४३	५४	५	१६	११
	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	१	५	९	१३	१७	२१	२५	२९	३३	३७	४१	४५	४६	५३	५७	१	९	५	१३	१७	२१	२५	४
४	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२०	३१	४१	५२	१३	१३	२४	३५	४५	५६	६	१७	२८	३८	१०
	२९	३३	३७	४१	४५	४९	५३	५३	३५	१३	५१	२९	७	४५	२३	१	३९	१७	५५	३३	११	४९	२७	५	४३	२१	५९	३७	१५	५३	३८
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	४९	०	१०	२१	३२	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५७	७	१८	२९	३९	५०	०	११	२२	३२	४३	५४	४	१५	२५	३६	४७	५७	१०
	३१	९	४७	२५	३	४१	१९	५७	३५	१३	५१	२९	७	४५	२३	१	३९	१७	५५	३३	११	४९	२७	५	४३	२१	५९	३७	१५	५३	३८

अक्षांश: १९ पलभा ४।८ उदयमानानि २३७।२६६।३१०।३३६।३३२।३१९

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	०
तुला	८	२९	२९	४०	५१	१	१२	२२	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	४	३५	४६	५७	८	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	११
	३१	९	४७	२५	३	४१	१९	५७	१	५	९	१३	१७	२१	२५	२९	३३	३७	४१	४५	४९	५३	५७	१	५	९	१३	१७	२१	२५	४
७	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	०
वृश्चिक	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५०	२	१३	२४	३५	४६	५८	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३८	५०	१	११
	२९	३३	३७	४१	४५	४९	५३	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	१२
८	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	०
धनु	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३०	४१	५१	१	१२	२२	३२	४२	५३	३	१४	२४	३४	४५	५५	५	१६	२६	३६	४७	५७	७	१८	१०
	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	२०
९	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	०
मकर	२८	३८	४९	५९	९	२०	३०	४०	४९	५८	७	१६	२५	३४	४३	५१	०	९	१८	२७	३६	४४	५३	२	११	२०	२९	३८	४७	५६	८
	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	४९	४१	३३	२५	१७	९	१	५३	४५	३७	२९	२१	१३	५	५७	४९	४१	३३	२५	१७	९	१	५२
१०	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५०
कुम्भ	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४४	५२	५०	७
	५३	४५	३७	२९	२१	१३	५	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	५४
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	०
मीन	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४१	४९	५७	७
	३९	३३	२७	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	५४

अक्षांश: २० कटक, पुरी, टमशर, चालीस गाँव, नाशिक, मनमाड, एलोरा

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	०
मेष	४	११	१९	२७	३५	४३	५५	५८	७	१६	२५	३४	४३	५१	०	९	१८	२७	३६	४४	५३	२	११	२०	२९	३७	४६	५५	४	१५	८
	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५०
१	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	०
वृषभ	२२	३०	३९	४८	५७	६	१५	२३	३४	४४	५४	५	१५	२५	३६	४६	५६	६	१७	२७	३७	४८	५८	८	१९	२९	३९	४९	०	१०	१०
	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	१८
२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	०
मिथुन	२०	३१	४१	५१	२	१२	२२	३२	४४	५५	६	१७	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५५	६	१७	२८	४०	११
	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१४
३	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	०
कर्क	५१	२	१३	२४	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२३	३४	४५	५	७	१८	२९	४०	५१	३	१४	११
	१७	३१	४५	५९	१३	२७	४१	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	६
४	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२५	३६	७	५७	८	१९	२९	४०	५१	२	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	१०
	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	४९	३१	१३	५५	७	१९	१	४३	२५	७	४९	३१	१३	५५	३७	१९	४२
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	४९	५९	१०	२१	३१	४२	५३	३	१४	२५	३६	४०	५७	८	८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३३	४४	५५	५	१६	२७	३७	४८	५९	१०
	१	४३	२५	७	४९	३१	१३	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	४	३१	१३	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	४९	३१	१३	५५	३७	१९	४२

अक्षांशः २० पलभा ४।२२ उदयमानानि २३५।२६५।३०९।३३७।३३३।३२१

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	०
तुला	१०	२०	३१	४२	५२	३	१४	२४	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१८	२९	११
	१	४३	२५	७	४९	३१	१३	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	६
७	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	०
वृश्चिक	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४२	५३	५	११
	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१४
८	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	०
धनु	१६	२७	३८	४९	१	१२	२३	३४	४५	५५	५	१६	२६	३६	४७	५७	७	१७	२८	३८	४८	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	११	२१	१०
	१७	३१	४५	५९	१३	२७	४१	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	१८
९	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	०
मकर	३१	४२	५२	२	१३	२३	३३	४३	५२	१	१०	१९	२८	३६	४५	५४	३	१२	२१	२९	३८	४७	५६	५	१४	२२	३१	४०	४९	५८	८
	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५०
१०	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
कुम्भ	७	१५	२४	३३	४२	५१	०	८	१६	२४	५२	४०	४८	५५	३	११	१९	२७	३५	४२	५०	५८	६	१४	२२	२९	३७	४५	५३	१	७
	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	०
मीन	९	१६	२४	३२	४०	४८	५६	३	११	१९	२७	३५	४३	५०	५८	६	१४	२२	३०	३७	४५	५३	१	९	१७	२४	३२	४०	४८	५६	७
	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५०

अक्षांश: २१ — **सूरत, नागपुर, भुसावल, प्रभासपाटण, जलगाँव, जूनागढ़, अमरावती, एलीचपुर, वांसदा, मांगरोल**

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	०
मेष	१	९	१७	२४	३२	४०	४८	५५	४	१३	२२	३०	३९	४८	५७	६	१४	२३	३२	४१	४९	५८	७	१६	२४	३३	४२	५१	५९	८	८
	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	४६
१	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	०
वृषभ	१७	२६	३५	४३	५२	१	१०	१८	२९	३९	४९	५९	१०	२०	३०	४१	५१	१	११	२२	३२	४२	५२	३	१३	२३	३३	४४	५४	४	१०
	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	१६
२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	०
मिथुन	१५	२५	३५	४५	५६	६	१६	२६	३८	४९	०	११	२३	३४	४५	५७	८	१९	३०	४२	५३	४	१५	२७	३८	४९	०	१२	२३	३४	११
	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	१६
३	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	०
कर्क	४६	५७	८	१९	३१	४२	५३	४	१६	१७	३८	४९	०	११	२३	३४	४५	५६	७	१८	३०	४१	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	१०	११
	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	१०
४	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	२१	३२	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३३	४४	५५	६	१७	२७	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५४	५	१५	२६	३७	१०
	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	४८
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	०
कन्या	४८	५९	९	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४१	५१	२	१३	२४	३५	४५	५६	७	१८	२९	३९	५०	१	१०
	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	४८

अक्षांशाः २१	पलभा ४।३६।२२	उदयमानानि २३२।२६३।३०८।३३८।३३५।३२४																													
अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	०
	१२	२३	३३	४४	५५	६	१७	२७	३९	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३७	४८	०	११	२२	३३	११
तुला	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	१०
७	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	०
	४४	५५	७	१८	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५५	१६	१८	२९	४०	५१	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	११
वृश्चिक	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	१६
८	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	०
	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५१	१	११	२१	३२	४२	५२	३	१३	२३	३३	४४	५४	४	१४	२५	३३	४५	५५	६	१६	२६	१०
धनु	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	१६
९	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	०
	३७	४७	५७	७	१८	२८	३८	४८	५७	६	१५	२३	३२	४१	५०	५९	७	१६	२५	३४	४२	५१	०	९	१४	२६	३४	४४	५२	१	८
मकर	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	३६	१२	५८	४४	४६
१०	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
	१०	१९	२८	३६	४५	५४	३	११	१९	२७	३४	४२	५०	५८	६	१३	२१	२९	३६	४४	५२	०	७	१५	२३	३१	३८	४६	५४	२	७
कुम्भ	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	१४	४८	३२	१६	०	४४
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	०
	९	१७	२५	३२	४०	४८	५६	३	११	१९	२७	३४	४२	५०	५८	५	१३	२१	२८	३६	४४	५२	५९	७	१५	२३	३०	३८	४६	५४	७
मीन	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४

अक्षांशः २२	इटारसी, पंचमढ़ी, बिलासपुर, भरुच, बड़ौदा, पेटलाद, जम्बुसर, पालीताणा, पोरबंदर, भावनगर, घटगाँव, राजकोट, अमरेली																													
अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	०
मेष	०	८	१६	२४	३१	३९	४७	५४	३	१२	२०	२९	३८	४७	५५	४	१३	२१	३०	३९	४७	५६	५	१४	२२	३१	४०	४८	५७	६	८
	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	४२
१	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	०
वृषभ	१४	२३	३२	४१	४९	५८	७	१५	२६	३६	४६	५६	७	१७	२७	३७	४८	५८	८	१९	२९	३९	४९	०	१०	२०	३०	४१	५१	१	१०
	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	७	२३	३९	५	११	२७	४३	५९	१५	३१	४७	३	१९	३५	५१	७	२३	३९	५५	११	२७	४३	१६
२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	०
मिथुन	११	२२	३२	४२	५३	३	१३	२३	३५	४६	५७	८	२०	३१	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	९	२०	३१	११
	५९	१५	३१	४७	३	१९	३५	५१	७	२३	३९	५५	११	२७	४३	५९	१५	३१	४७	३	१९	३५	५१	७	२३	३९	५५	११	२७	४३	१६
३	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	०
कर्क	४२	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	४६	५८	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	८	११
	५९	१५	३१	४७	३	१९	३५	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	४९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	५९	१४
४	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	२०	३१	४२	५३	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४३	५४	५	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३७	१०
	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	५०
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	०
कन्या	४८	५८	९	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३६	४७	५८	८	१९	३०	४२	५२	३	१३	२४	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०	५१	२	१०
	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	५०

अक्षांशः २२ पलभा ४।५०।५३ उदयमानानि २३१।२६१।३०८।३३८।३३७।३२५

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	०
तुला	१३	२३	३४	४५	५६	७	१८	२८	४०	५१	२	१३	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५१	२	१३	२४	३५	११
	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	५९	१४
७	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	०
वृश्चिक	४७	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१७	२८	३९	५०	२	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५१	२	१३	११
	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	'११	७	२३	३९	५५	११	२७	४३	५९	५१	३१	४७	३	१९	३५	५१	७	२३	३९	५५	११	२७	४३	१६
८	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	०
धनु	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५४	४	१४	२४	३५	४५	५५	५	१६	२६	३६	४७	५७	७	१७	२८	३८	४८	५८	९	१९	२९	१०
	५९	१५	३१	४७	३	१९	३५	५१	७	२३	३९	५५	११	२७	४३	५९	१५	३१	४७	३	१९	३५	५१	७	२३	३९	५५	११	२७	४३	१६
९	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	०
मकर	३९	४९	५९	१०	२१	३१	४१	५१	०	९	१७	२६	३५	४४	५२	१	१०	१८	२७	३६	४४	५३	२	११	१९	२८	३७	४५	५४	३	८
	५९	१५	३१	४७	३	१९	३५	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	४२
१०	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
कुम्भ	११	२०	२९	३८	४६	५५	४	१२	२०	२८	३५	४३	५१	५९	६	१४	२२	२९	३७	४५	५२	०	८	१६	२३	३१	३९	४६	५४	२	७
	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	५७	१९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	४२
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	०
मीन	९	१७	२५	३३	४०	४८	५६	३	११	१९	२६	३४	४२	५०	५७	५	१३	२०	२८	३६	४३	५१	५९	७	१४	२२	३०	३७	४५	५३	७
	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३	१५	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	४२

अक्षांश: २३ उज्जैन, इन्दौर, विरमगाम, मोरवी, मांडवी, अंजार, (कच्छ) कलकत्ता, जबलपुर, डाकोर, दाहोद, धागंध्रा, नडीयाद, भोपाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	०
मेष	५८	६	१३	२	२९	३६	४४	५१	०	९	१७	२६	३४	४३	५२	०	९	१८	२६	३५	४४	५२	१	९	१८	२७	३५	४४	५३	१	८
	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	३८
१	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	०
वृषभ	१०	१७	२७	३६	४४	५३	२	१०	२१	३१	४१	५१	२	१२	२२	३२	४३	५३	३	१४	२४	३४	४४	५५	५	१५	२५	३६	४६	५६	१०
	२२	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	१६
२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	०
मिथुन	६	१७	२७	३७	४८	५८	८	१८	३०	४१	५२	३	१५	२६	३७	४८	०	११	३२	३४	४५	५६	७	१९	३०	४१	५२	४	१५	२६	११
	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	१६
३	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	०
कर्क	३७	४९	०	११	२३	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२३	३५	४६	५७	८	२०	३१	४२	५४	५	११
	५६	१२	२८	४४	०	१५	३२	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	१८
४	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	१६	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	४	२५	३६	१०
	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	५६
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३४	०
कन्या	४७	५८	९	२०	३१	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१०
	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	५६

अक्षांशाः २३ पलभा ५।५।३८ उदयमानानि २२८।२५९।३०८।३३८।३३९।३२८

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	०
तुला	१५	३६	३७	४८	५९	९	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	३९	५०	२	१३	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५५	६	१७	२९	४०	११
	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	१८
७	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	०
वृश्चिक	५१	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२६	३७	४८	५९	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	११
	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	१६
८	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	०
धनु	२६	४१	५२	३	१४	२	३७	४८	५९	९	१९	२९	४०	५०	०	१०	२१	३१	४१	५२	२	१२	२२	३३	४३	५३	३	१४	२४	३४	१०
	५६	४२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	१६
९	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	०
मकर	४४	५५	५	१५	२६	३६	४६	५६	०	१४	२२	३१	३९	४८	५७	५	१४	२३	३१	४०	४९	५७	६	१४	२३	३२	४०	४९	५८	६	८
	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	९	४४	३८
१०	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
कुम्भ	१०	२४	३२	४१	४९	५८	७	१५	२३	३१	३८	४६	५३	१	९	१६	२४	३१	३९	४७	५४	२	९	१७	२५	३२	४०	४७	५५	३	७
	२२	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	४८	१२	२४	०	३६
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	०
मीन	१०	१८	२५	३३	४१	४८	५६	३	११	१९	२६	३४	४१	४९	५७	४	१२	१९	२७	३५	४२	५०	५७	५	१३	२०	२८	३५	४३	५१	७
	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६

अक्षांश: २४ — पालनपुर, पाटन, नीमच, रतलाम, मुर्शिदाबाद, गिरीडीह, झरिया, रामगढ़, हजारीबाग, कानपुर, पालामऊ, महेसाणा, ढाका, नारायणगंज

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	०
मेष	५६	३	११	१८	२६	३३	४१	४८	५७	५	१४	२३	३१	४०	४८	५७	५	१४	२२	३१	४०	४८	५७	५	१४	२२	३१	४०	४८	५७	८
	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	११	५३	२७	१	३५	९	४३	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३१	५	३९	१३	३४
१	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	०
वृषभ	५	१४	२२	३१	४०	४८	५७	५	१५	२६	३६	४२	५६	६	१७	२७	३७	४७	५७	८	१८	२८	३८	४८	५९	९	१९	२९	३९	५०	१०
	४७	२१	५५	२९	३	३७	११	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	१२
२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	०
मिथुन	२	१०	२०	३०	४१	५१	१	११	२३	३४	४५	५७	८	१९	३१	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	११
	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२०
३	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	०
कर्क	३२	४३	५५	६	१७	२९	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	५९	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३९	५०	१	११
	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	१९	४१	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	२२
४	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	१३	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	११
	११	३३	५५	१७	३९	१	२३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	५९	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	२
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	०
कन्या	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	११
	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	५९	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	२

अक्षांश: २४ पलभा ५।२०।३१ उदयमानानि २२५।२५७।३०६।३४०।३४१।३३१

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	०
	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४२	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४४	११
तुला	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	१९	४१	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	२२
७	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	०
	५६	७	१८	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२३	३५	४६	५७	९	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	११
वृश्चिक	११	३३	५५	१७	३९	१	२३	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२०
८	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	०
	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५५	५	१६	२६	३६	४६	५६	७	१७	२७	३७	४७	५८	८	१८	२८	३८	४९	५९	९	१९	२९	४०	१०
धनु	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	१२
९	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	०
	५०	०	१०	२०	३१	४१	५१	१	१०	१८	२७	३६	४४	५३	१	१०	१८	२७	३५	४४	५३	१	१०	१८	२७	३५	४४	५३	१	१०	८
मकर	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३१	५	३९	१३	३४
१०	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
	१८	२७	३३	४४	५३	१	१०	१८	२६	३३	४१	४८	५६	३	११	१८	२६	३३	४१	४८	५६	३	११	१८	२९	३३	४१	४८	५६	३	७
कुम्भ	४७	५१	५५	२९	३	३७	११	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	२५	४५	१५	४५	३०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	०
	११	१८	२६	३३	४१	४८	५६	३	११	१८	२६	३३	४१	४८	५६	३	११	१८	२६	३३	४१	४८	५६	३	११	१८	२६	३३	४१	४८	७
मीन	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	३०

अक्षांश: २५ आबू , उदयपुर, करॉंची, काशी, इलाहाबाद, झॉंसी, मिर्जापुर, जमालपुर, मुंगेर, मोकामा, मालदा, कोटा, जालोर, बुंदी, सिलहट

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	०
मेष	५३	१	८	१६	२३	३०	३८	४५	५४	२	११	१९	२७	३६	४४	५३	१	१०	१८	२६	३५	४३	५२	०	९	१७	२५	३४	४२	५१	८
	५४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	८	३४	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	२६
१	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	०
वृषभ	५९	८	१६	२४	३३	४१	५०	५८	९	१९	२९	३९	५०	०	१०	२१	३१	४१	५२	२	१२	२२	३३	४३	५३	४	१४	२४	३५	४५	१०
	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३५	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	१८
२	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	०
मिथुन	५५	५	१६	२६	३६	४७	५७	७	१८	३०	४१	५२	३	१५	२६	३७	४८	०	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४१	५२	३	१४	११
	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	१४
३	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	०
कर्क	२६	३७	४९	०	१२	२३	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३७	४७	०	११	२३	३४	४६	५७	११
	४	१८	३२	४६	०	१४	२८	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	३०
४	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	२९	४०	५१	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	५०	१	१२	२३	३४	११
	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	८
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	०
कन्या	४५	५६	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	८	११
	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	८

अक्षांशः २५ पलभा ५।३५।४२ उदयमानानि २२२।२५३।३०१।३३७।३४५।३३४

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	०
	१९	३०	४२	५३	४	१५	२६	३७	४९	०	१२	२३	३४	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	११
तुला	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	३०
७	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	०
	२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	७	१८	३०	४१	५२	३	१४	२६	३७	४८	५९	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	११
वृश्चिक	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	१४
८	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	०
	४१	५२	३	१४	२६	३७	४८	५९	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२२	३२	४२	५३	३	१३	२३	३४	४४	५४	५	१५	२५	३६	४६	१०
धनु	४	१८	३२	४६	०	१४	२८	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	१८
९	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	०
	५६	६	१७	२७	३७	४८	५८	८	१७	२५	३३	४२	५०	५९	७	१६	२४	३३	४१	४९	५८	६	१४	२३	३२	४०	४८	५७	५	१४	८
मकर	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	८	३४	०	२	५२	१८	४४	१०	६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	२६
१०	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
	२२	३१	३९	४७	५६	४	१३	२१	२९	३६	४३	५१	५८	६	१३	२०	२८	३५	४३	५०	५७	५	१२	२०	२७	२४	४२	४९	५७	४	७
कुम्भ	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	२४
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	०
	११	१९	२६	३४	४१	४८	५६	३	११	१८	२५	३३	४०	४८	५५	२	१०	१७	२५	३२	३९	४७	५४	२	९	१६	२४	३१	३९	४६	७
मीन	५४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	२४

अक्षांश: २६ आजमगढ़, गाजीपुर, फतेहपुर, रायबरेली, दरभंगा, पटना, पूर्निया, बक्सर, कूचबिहार, शिलांग, लश्कर, अजमेर, सवाई माधोपुर, सुलतानपुर

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	०
	५२	५९	७	१४	२१	२९	३६	४३	५२	०	८	१७	२५	३४	४२	५१	५९	८	१६	२४	३३	४१	५०	४८	७	१५	२३	३२	४०	४९	८
मेष	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	२६
१	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	०
	५७	६	१४	२२	३१	३९	४८	५६	६	१६	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५९	९	१९	२९	३९	१०
वृषभ	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	८
२	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	०
	४९	५९	१०	२०	३०	४०	५०	०	१२	२३	३४	४६	५७	९	२०	३१	४३	५४	६	१७	२८	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	०	११	११
मिथुन	४४	५२	२	८	१६	२४	३२	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	२४
३	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	०
	२२	३४	४५	५७	८	१९	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१४	२६	३७	४९	०	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	११
कर्क	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	३०
४	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३८	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३०	४२	५३	४	१५	२६	३८	४९	०	११	२२	३४	११
सिंह	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१२
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	०
	४५	५६	७	१८	३०	४२	५२	३	१४	२६	३७	४८	५९	१०	२	३३	४४	५५	६	१८	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५८	१०	११
कन्या	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१२

अक्षांशाः २६ पलभा ५।५१।७ उदयमानानि २२०।२५३।३०४।३४२।३४५।३३६

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	०
तुला	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५१	२	४	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४५	५६	८	१९	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	११
	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	३०
७	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	०
वृश्चिक	३	१४	२६	३७	४९	०	१२	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३३	४	५५	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२४	३५	११
	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	४	२८	४२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	२४
८	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	०
धनु	४६	५८	९	२१	३२	४३	५५	६	१६	२६	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	९	१९	२९	३९	४९	१०
	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	८
९	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	०
मकर	५९	९	२०	३०	४०	५०	०	१०	१९	२७	३५	४४	५२	१	९	१८	२६	३५	४३	५१	०	८	१७	२५	३४	४२	५०	५९	७	१६	८
	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	२६
१०	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
कुम्भ	२४	३३	४१	४९	५८	६	१५	२३	३१	३८	४४	५३	०	७	१५	२२	२९	३७	४४	५१	५९	६	१३	२१	२८	३५	४३	५०	५७	५	७
	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	०
मीन	१२	१९	२७	३४	४१	४९	५६	३	११	१८	२५	३३	४०	४७	५५	२	९	१७	२४	३१	३९	४६	५३	१	८	१५	२३	३०	३७	४५	७
	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०

अक्षांश: २७ जयपुर, इटावा, उन्नाव, कन्नौज, अयोध्या, आगरा, गोरखपुर, देवरिया, लखनऊ, मोतीहारी, सिलीगुरी, जैसलमेर, धौलपुर, सिक्किम, अमलेखगंज, धनकूटा, मथुरा, डिब्रूगढ़, फिरोजपुर, हरदोई

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	०
मेष	४९	५७	४	११	१८	२६	३३	४०	४८	५७	५	१३	२२	३०	३८	४७	५५	३	१२	२०	२८	३७	४५	५३	२	१०	१८	२७	३३	४३	८
	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	२०
१	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	०
वृषभ	५२	०	८	१७	२५	३३	४२	५०	०	१०	२०	३१	४१	५१	५१	११	२१	३१	४१	५१	१	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	१०
	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	९
२	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	०
मिथुन	४२	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	५	१६	२७	३९	५०	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	११
	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	३	२९	५५	२१	४७	१३	३९	५	३१	५७	२३	४९	१५	४१	७	३३	५९	२५	५१	१७	४३	९	२६
३	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	०
कर्क	१६	२८	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२३	३४	४६	५७	९	२१	३२	४४	५५	७	१९	३०	४२	५३	५	१७	२८	४०	५१	११
	३५	१	२७	५३	१९	४५	११	३७	१३	४९	२५	१	३७	१३	४९	२५	१	३७	१३	४९	२५	१	३७	१३	४९	२५	१	३७	१३	४९	३६
४	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
सिंह	३	१५	२६	३८	४९	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	४३	५५	९	१७	२८	४०	५१	२	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२१	३३	११
	२५	१	३७	१३	४९	२५	१	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	१८
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	०
कन्या	४४	५५	७	१८	२९	४१	५२	३	१४	२६	३७	४८	०	११	२२	३४	४५	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	४९	०	१२	११
	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	१८

अक्षांशाः २७ पलभा ६।७ उदयमानानि २१७।२५०।३०३।३४३।३४८।३३९

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	०
तुला	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४२	५४	५	१७	२९	४०	५२	३	१५	२७	३८	५०	१	१३	२५	३६	४८	५९	११	२३	३४	४६	५७	११
	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	१३	४९	२५	१	३७	१३	४९	२५	१	३७	१३	४९	२५	१	३७	१३	४९	२५	१	३७	१३	४९	३६
७	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	०
वृश्चिक	९	२१	३२	४४	५५	७	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	११
	२५	१	३७	१३	४९	२५	१	३७	३	२९	५५	२१	४७	१३	३९	५	३१	५७	२३	४९	१५	४१	७	३३	५९	२५	५१	१७	४३	९	२६
८	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	०
धनु	५३	५	१६	२७	३९	५०	२	१३	२३	३३	४३	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	१०
	३५	१	२७	५३	१९	४५	११	३७	४३	४९	५८	१	१३	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	६
९	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	०
मकर	५	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२४	३३	४१	४९	५८	६	१४	२३	३१	३९	४८	५६	४	१३	२१	२९	३८	४६	५४	३	११	१९	८
	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	२०
१०	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
कुम्भ	२८	३६	४४	५३	१	९	१८	२६	३३	४१	४८	५५	२	१०	१७	२४	३१	३८	४६	५३	०	७	१५	२२	२९	३६	४४	५१	५८	५	७
	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	१४
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	०
मीन	१२	२०	२७	३४	४१	४९	५६	३	१०	१८	२५	३२	३९	४७	५४	१	८	१५	२३	३०	३७	४४	५२	५९	६	१३	२१	२८	३५	४२	७
	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	१४

अक्षांश: २८ — अलीगढ़, बरेली, बुलन्दशहर, वृन्दावन, हरदोई, लोहारू, पटौदी, पाटण, बीकानेर, रामगढ़, काठमाण्डू, पाटण (नेपाल) पोखरा, गोरखा

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	०
मेष	४८	५५	२	९	१७	२४	३१	३८	४६	५५	३	११	१९	२८	३६	४४	५२	१	९	१७	२६	३४	४२	५०	५९	७	१५	२३	३२	४०	८
	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	५१	७	२३	३९	५५	११	२७	४३	५९	१५	३१	४७	३	१९	३५	५१	७	२३	३९	५५	११	२७	१६
१	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	०
वृषभ	४८	५६	५	१३	२१	३०	३८	४६	५	६	१६	३६	३६	४६	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२८	१०
	४३	५२	१५	३१	४७	३	१९	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	४
२	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	०
मिथुन	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	०	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५२	३	१४	२६	३७	४९	०	११
	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	२८
३	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	०
कर्क	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१९	३०	४२	५४	५	१७	२९	४०	५२	४	१५	२७	३९	५०	२	१४	२५	३७	४९	११
	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	५५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	४०
४	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
सिंह	०	१२	२४	३५	४७	५९	१०	२२	३३	४४	५६	८	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३८	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	११
	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	५७	१९	४१	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	११	३३	५५	१७	३९	२२
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	०
कन्या	४४	५५	६	१८	२९	४०	५२	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४५	५७	८	१९	३१	४२	५४	५	१६	२८	३९	५०	२	१३	११
	२१	२३	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	१९	४१	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	११	३३	५५	१७	३९	२२

अक्षांशः २८ पलभा ६।२२।४८ उदयमानानि २१५।२४८।३०२।३४४।३५०।३४१

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	०
तुला	२५	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४	६	१७	२९	४१	५२	४	१६	२७	३९	५१	२	१४	२६	३७	४९	१	११
	१	२३	४५	७	२९	५१	१३	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	४०
७	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	०
वृश्चिक	१२	२४	३६	४७	५९	११	२२	३४	४६	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५२	३	१५	२६	३८	४९	०	१२	२३	३५	४६	११
	५५	३५	१५	५५	३५	२५	५५	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	२८
८	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	०
धनु	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	०	१०
	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	४
९	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	०
मकर	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	२८	३७	४५	५३	१	१०	१८	२६	३४	४३	५१	५९	८	१६	२४	३२	४१	४९	५७	५	१४	२२	८
	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	५१	७	२३	३९	५५	११	२७	४३	५९	१५	३१	४७	३	१९	३५	५१	७	२३	३९	५५	११	२७	१६
१०	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
कुम्भ	३०	३८	४७	५५	३	१२	२०	२८	३५	४२	५०	५७	४	११	१८	२५	३३	४०	४७	५४	१	८	१६	२३	३०	३७	४४	५१	५९	६	७
	४३	५९	२५	३१	४७	३	१९	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	१०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	०
मीन	२३	२०	२७	३४	४२	४९	५६	३	१०	१७	२५	३२	३९	४६	५३	०	८	१५	२५	२९	३६	४३	५१	५८	५	१२	१९	२६	३४	४१	७
	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	२५	२५	३५	४५	५५	५	१५	१०

अक्षांश: २९ गाजियाबाद, टनकपुर, नैनीताल, पीलीभीत, मुजफ्फरनगर, (उत्तर प्रदेश), मेरठ, गुडगाँव, रोहतक, दिल्ली, जौलागिरी, सिलघडी, मुक्तिनाथ,

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	०
-	४७	५४	१	९	१६	२३	३०	३७	४५	५४	२	१०	१८	२७	३५	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४१	४९	५८	६	१४	२२	३१	३९	८
मेष	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	१६
१	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	०
	४७	५५	४	१२	२०	२९	३७	४७	५५	५	१५	२५	३५	४५	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२७	१०
वृषभ	४२	५८	१४	३०	४६	२	१८	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	४
२	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	०
	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४८	५९	११
मिथुन	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	२	३०	५८	२६	५४	२२	५०	१८	४६	१४	४२	१०	३८	६	३४	२	३०	५८	२६	५४	२२	५०	२८
३	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	०
	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१८	२९	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	३	१४	२६	३८	४९	१	१३	२४	३६	४८	११
कर्क	१८	४६	१४	४२	१०	३८	६	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	४०
४	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
	५९	११	२३	३४	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	२९	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	१	१२	२३	३५	४६	५८	९	२०	३२	११
सिंह	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	२४
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	०
	४३	५५	६	१७	२९	४०	५२	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	४०	५१	२	१४	११
कन्या	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	२४

अक्षांशा: २९ पलभा ६।२९।४ उदयमानानि २१४।२४८।३०२।३४४।३५०।३४२

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	०
तुला	२५	३७	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३२	४३	५५	७	१८	३०	४२	५३	५	१७	२८	४०	५२	३	१५	२७	३८	५०	२	११
	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	४०
७	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	०
वृश्चिक	१३	२५	३७	४८	०	१२	२३	३५	४७	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३६	४७	११
	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	२	३०	५८	२६	५४	२२	५०	१८	४६	१४	४२	१०	३८	६	३४	२	३०	५८	२६	५४	२२	५०	२८
८	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	०
धनु	५९	१०	२२	३३	४५	५६	८	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१	१०
	१८	४६	१४	४२	१०	३८	६	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	४
९	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	०
मकर	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	२९	३८	४६	५४	२	११	१९	२७	३५	४४	५२	०	६	१७	२५	३३	४२	५०	५८	९	१५	२३	८
	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	१६
१०	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
कुम्भ	३१	३९	४८	५६	४	१३	२१	२९	३६	४३	५०	५८	५	१२	२९	२६	३३	४०	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	३७	४४	५२	५९	६	७
	४२	५८	१४	३०	४६	२	१८	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	८
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	०
मीन	१३	२०	२७	३५	४२	४९	५६	३	१०	१७	२४	३२	३९	४६	५३	०	७	१४	२२	२९	३६	४३	५०	५७	४	११	१९	२६	३२	४०	७
	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	८

अक्षांश: ३०	अल्मोड़ा, सहारनपुर, हरिद्वार, पटियाला, फाजिल्का, भटिंडा, शाहाबाद, मुल्तान																													
अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	०
मेष	४३	५०	५७	४	११	१८	२५	३२	४०	४८	५६	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	७	१५	२३	३२	८
	४३	४१	३९	३७	३५	३३	३१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	८
१	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	०
वृषभ	३९	४७	५५	३	१२	२०	२८	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४५	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	१०
	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	०
२	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	०
मिथुन	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	११
	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	१	३३	५	३७	९	४१	१३	४५	१७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	१	३३	५	३७	९	४१	१३	३२
३	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	०
कर्क	१	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३४	४६	५७	९	२१	३३	४४	५६	८	२०	३२	४४	५५	७	१९	३१	४३	५४	६	१८	३०	४२	११
	४५	१७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	१७	५	५३	४१	२९	१७	५	५३	४१	२९	१७	५	५३	४१	२९	१७	५	५३	४१	२९	१७	५	४८
४	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
सिंह	५३	५	१७	२९	४१	५२	४	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३७	४९	०	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३३	४४	५६	[illegible]	१९	३०	११
	५३	४१	२९	१७	५	५३	४१	२९	३	३७	११	४५	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	१७	५२	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३४
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	०
कन्या	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	११
	३१	५	३९	१३	४७	२१	५५	२९	३	३७	११	४५	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३४

अक्षांशः ३० पलभा ६।५५।४१ उदयमानानि २०९।२४४।३००।३४६।३५४।३४७

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	०
तुला	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	२	१४	२५	३७	४९	१	१३	२४	३६	४८	०	१२	२३	३५	४७	५९	११	२२	३४	४६	५८	१०	११
	३१	५	३९	१३	४७	२१	५५	२९	१७	५	५३	४१	२९	१७	५	५३	४१	२९	१७	५	५३	४१	२	०	५	५३	४१	२९	१७	५	४८
७	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	०
वृश्चिक	२१	३३	४५	५७	९	२०	३२	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३७	४९	०	१२	२३	३४	४६	५८	११
	५३	४१	२९	१७	५	५३	४१	२६	१	३३	५	३७	९	४१	१३	४५	१७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	१	३३	५	३७	९	४१	१३	३२
८	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	०
धनु	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	१०
	४५	१७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	०
९	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	०
मकर	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	३८	४६	५४	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	५	१३	२१	२९	८
	२९	२९	३९	२९	२९	२९	२९	२९	३७	४५	४३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	८
१०	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	०
कुम्भ	३७	४५	५३	१	१०	१८	३६	३४	४१	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	३७	४४	५१	५८	५	१२	१८	२५	३२	३९	४६	५३	०	७	६
	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	२७	२५	२३	२१	१९	१७	१५	१३	११	९	७	५	३	१	५९	५७	५५	५३	५१	४९	४७	४५	५८
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	०
मीन	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	३	१०	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५९	६	२१	२०	२७	३४	५९	४७	५४	१	८	१५	२२	२९	३६	६
	४३	४१	३९	३७	३५	३३	३१	२९	२७	२५	२३	२१	१९	१७	१५	१३	११	९	७	५	३	१	५९	५७	५५	५३	५१	४९	४७	४५	५८

अक्षांश: ३१ **फिरोजपुर**

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	०
मेष	४१	४८	५५	१	८	१५	२२	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	९	१०	१८	२६	८
	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	३६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	४
१	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	०
वृषभ	३४	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	९
	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	५८
२	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	०
मिथुन	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	१४	२६	३७	४९	०	१२	२३	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	११
	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	०	३४	८	४२	१६	५०	२४	५८	३२	६	४०	१४	४८	२२	५६	३०	४	३८	१२	४६	२०	५४	३४
३	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२२	२१	२२	२२	२२	२२	०
कर्क	५६	८	२१	३२	४२	५४	५	१७	२९	४१	५३	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	२	१४	२६	३८	११
	२८	२	३६	१०	४४	१८	५२	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	५२
४	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
सिंह	५०	२	१४	२५	३७	४९	१	१३	२५	३६	४८	०	११	२३	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५६	८	२०	३१	४३	५५	६	१८	३०	११
	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४०
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	२३	३४	३४	०
कन्या	४१	५३	५	१६	२८	४०	५१	३	१५	२६	३८	५०	१	१३	२५	३६	४८	०	११	२३	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५६	८	२०	११
	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४०

अक्षांशा: ३१ पलभा ७।१२।१८ उदयमानानि २०६।२४२।२९९।३४७।३५६।३५०

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	०
तुला	३१	४३	५५	६	१८	३०	४१	५३	५	१७	२९	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३८	५०	२	१४	११
	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	५२
७	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	०
वृश्चिक	२६	३८	५०	१	१३	२५	३७	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४५	५६	८	१९	३१	४२	५४	६	१७	२९	४०	५२	३	११
	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	०	३४	८	४२	१६	५०	२४	५८	३२	६	४०	१४	४८	२२	५६	३०	४	३८	१२	४६	२०	५४	३४
८	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	०
धनु	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	९
	२८	२	३६	१०	४४	१८	५२	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	५८
९	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	०
मकर	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४३	५१	५९	७	१५	१३	२१	३९	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	८
	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	४
१०	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	०
कुम्भ	४०	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४४	५१	५८	४	११	१८	२५	३२	३९	४६	५२	५९	६	१३	२०	२७	३४	४१	४७	५४	१	८	६
	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	५२
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	०
मीन	१५	२२	२९	३५	४२	४९	५६	३	१०	१७	२४	३०	३७	४४	५१	५८	५	१२	१८	२५	३२	३९	४६	५३	०	७	१३	२०	२७	३४	६
	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	५२

अक्षांश: ३२ — कांगड़ा, गुरुदासपुर, धर्मशाला, सुल्तानपुर (पंजाब) होशियारपुर, चम्बा, मंडी, गुजरानवाला, डेराइस्माइलखाँ, वजीराबाद, स्यालकोट, लद्दाख

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	०
मेष	३९	४६	५३	०	७	१३	१२	२७	३५	४३	५१	५९	७	५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	८
	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	०
१	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	०
वृषभ	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	६
	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	५८
२	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	०
मिथुन	१६	२६	३६	४६	५६	६	२६	२६	३७	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५६	८	१९	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	११
	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	५८	३२	६	४०	१४	४८	२२	५६	३०	४	३८	१२	४६	२०	५४	२८	२	३६	१०	४४	१८	५२	३४
३	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	०
कर्क	५२	४	१५	२७	३८	५०	२	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३५	११
	२६	०	३४	८	४२	१६	५०	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५६
४	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
सिंह	४७	५९	११	२३	३५	४७	५९	११	२३	३४	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५७	८	२०	३२	४३	५५	७	१९	३०	४२	५४	६	१७	२९	११
	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	४४
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	०
कन्या	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	३	१५	२६	३८	५०	२	१३	२५	३७	४९	०	१२	२४	३५	४७	५९	११	२२	३४	४६	५८	९	२१	११
	१६	०	४४	२८	२२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	.२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	४४

अक्षांश: ३२ पलभा ७।२१।५३ उदयमानानि २०४।२४०।२९१।३४७।३५८।३५२

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	०
तुला	३३	४५	५६	८	२०	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१७	११
	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५६
७	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	०
वृश्चिक	२९	४१	५३	५	१७	२९	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३७	४९	०	१२	२३	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७	११
	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	५८	३२	६	४०	१४	४८	२२	५६	३०	४	३८	१२	४६	२०	५४	२८	२	३६	१०	४४	१८	५२	३४
८	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	०
धनु	१९	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	९
	२६	०	३४	८	४२	१६	५०	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	५८
९	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	०
मकर	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३५	८
	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	०
१०	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	०
कुम्भ	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४६	५३	५९	६	१३	२०	२७	३३	४०	४७	५४	१	७	१४	२१	२८	३५	४१	४८	५५	२	९	६
	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	०
मीन	१५	२२	२९	३६	४३	४९	५६	३	१०	१७	२३	३०	३७	४४	५१	५७	४	११	१८	२५	३१	३८	४५	५२	५९	५	१२	१९	२६	३३	६
	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	१६	२४	१२	०	४८

अक्षांश: ३३ — किश्तवाड, जंस्कर, नवशेरा, मीरपुर, गुजरात (प. पा.)

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	०
मेष	३७	४४	५०	५७	४	१०	१७	२४	३२	४०	४८	५५	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	७
	२७	१	५१	३३	१५	५७	३९	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१५	९	५४
१	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	०
वृषभ	३६	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	३१	४१	५१	१	११	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	४९	५९	९
	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१७	१३	९	५	१	५७	५३	४९	४५	४१	३७	३३	२९	२५	२१	१७	१३	९	५	१	५७	५३	५६
२	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	०
मिथुन	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	३०	४२	५४	५	१७	२८	४०	५२	३	१४	२६	३८	५०	१	१३	२४	३६	४८	५९	११	२२	३४	१०
	४१	४५	४१	३७	३३	२९	२५	२१	५७	३३	९	४५	२१	५७	३३	९	४५	२१	५७	३३	९	४५	२१	५७	३३	९	४५	२१	५७	३३	३६
३	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	०
कर्क	४६	५७	९	२०	३२	४४	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	५९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	८	२०	३२	१२
	९	४५	२१	५७	३३	९	४५	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	५९	१	३	५	२
४	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
सिंह	४४	५६	८	२०	३२	४४	५६	८	२०	३२	४३	५५	७	१९	३	४३	५४	६	१८	३०	४२	५४	५	१७	२९	४१	५३	५	१६	२८	११
	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	५०
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	०
कन्या	४०	५२	४	१६	२७	३९	५१	३	१५	२७	३८	५०	२	१४	२६	३८	४९	१	१३	२५	३७	४९	०	१२	२४	३६	४८	५०	११	२३	११
	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	५०

अक्षांशा: ३२ पलभा ७।४७।३१ उदयमानानि २०१।२३७।२९८।३४८।३६१।३५५

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	०
तुला	३५	४७	५९	११	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५९	११	२३	१२
	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	५९	१	३	५	२
७	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	०
वृश्चिक	३५	४७	५९	११	२३	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४५	५७	८	२०	३२	४३	५५	६	१८	३०	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	२	१४	११
	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	५७	३३	९	४५	२१	५७	३३	९	४५	२१	५७	३३	९	४५	२१	५७	३३	९	४५	२१	५७	३३	३६
८	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	०
धनु	२६	३७	४९	०	१२	२४	३५	४७	५७	७	१७	२७	३७	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१५	२५	९
	९	४५	२१	५७	३३	९	४५	२१	१७	१३	९	५	१	५७	५३	४९	४५	४१	३७	३३	२९	२५	२१	१७	१३	९	५	१	५७	५३	५६
९	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	०
मकर	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५३	१	९	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३४	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	७
	४९	४५	४१	३७	३३	२९	२५	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१५	९	५४
१०	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	०
कुम्भ	४७	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	४९	५५	२	९	१५	२२	२९	३५	४२	४९	५६	२	९	१६	२२	२९	३६	४२	४९	५६	३	९	६
	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	४२
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	०
मीन	२६	२३	२९	३६	४३	४९	५६	३	१०	१६	२३	३०	३६	४३	५०	५६	३	१०	१७	२३	३०	३७	४३	५०	५७	३	१०	१७	२४	३०	६
	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	४२

अक्षांश: ३४ पूंछ, बारामूला, मुजफ्फराबाद, श्रीनगर, (का०) बुलार, रावलपिण्डि, मर्री, तक्षशिला, अटफ, काबुल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	०
मेष	३५	४१	४८	५४	१	८	१४	२१	२९	३६	४४	५२	०	८	१६	२३	३१	३०	४७	५५	३	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५७	५	१३	७
	६	४२	१८	५४	३०	६	४२	१८	८	५८	४८	३८	२८	१८	८	५८	४८	३८	२८	१८	८	५८	४८	३८	२८	१८	८	५८	४८	३८	५०
१	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	०
वृषभ	२०	२९	३७	४४	५०	०	८	१६	२६	३६	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१३	२३	३३	४३	५३	९
	२८	१८	८	५८	४८	३८	२८	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	५२
२	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	०
मिथुन	३	१३	२२	३२	४२	५२	२	१२	२३	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५७	८	२०	३२	४३	५५	७	१८	३०	४२	५३	५	१७	२८	११
	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	५८	४०
३	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	०
कर्क	४०	५२	३	१५	२७	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२८	४०	५२	४	१६	२८	१२
	३८	१८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	६
४	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
सिंह	४०	५२	४	१६	२९	४१	५३	५	१७	२९	४१	५३	४	६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	३	१५	२७	११
	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	५६
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	०
कन्या	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	१	१३	२५	११
	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	५६

अक्षांश: ३४ पलभा ८।५।३८ उदयमानानि १९८।२३५।२९६।३५०।३६३।३५८

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	०
तुला	३७	४९	१	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५	३७	४९	१	१३	२०	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२७	३९	५१	३	१५	२७	१२
	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	२४	३०	३	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	६
७	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	०
वृश्चिक	३९	५१	३	१५	२८	४०	५२	४	१५	२७	३९	५०	२	१४	२५	३७	४९	०	१२	२४	३५	४७	५९	११०	२२	३४	४५	५७	९	२०	११
	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	५८	४०
८	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	०
धनु	३२	४४	५५	७	१९	३०	४२	५४	४	१४	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५१	१	११	२१	३१	९
	३८	८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	१०	२	५०	०	३८	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	५२
९	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	०
मकर	४१	५१	०	१०	२०	३०	४०	५०	५८	५	१३	२१	२९	३७	४५	५२	०	८	१६	२४	३२	३९	४७	५५	३	११	१९	२६	३४	४२	७
	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	८	५८	४८	३८	२८	१८	८	५८	४८	३८	२८	१८	८	५८	४८	३८	२८	१८	८	५८	४८	३८	५०
१०	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	०
कुम्भ	५०	५८	६	१३	२३	२९	३७	४५	५१	५८	५	११	१८	२४	३१	३८	४४	५१	५७	४	११	१७	२४	३०	३७	४४	५०	५७	३	१०	६
	२८	१८	८	५८	४८	३८	२८	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	३६
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	०
मीन	१७	२३	३०	३६	४३	५०	५६	३	९	१६	२३	२९	३६	४२	४९	५६	२	९	१५	२२	२९	३५	४२	४८	५५	२	८	१५	२१	२८	६
	६	४२	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	३६

अक्षांश: ३५ पलभा ८।२४।७ उदयमानानि १९६।२३२।२९५।३५१।३६६।३६० बाल्टिस्तान, नंगा पर्वत, लेह

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	०
मेष	३३	४०	४६	५३	५९	६	१२	१९	२७	३४	४२	५०	५७	५	१३	२१	२८	३६	४४	५२	५९	७	१५	२३	३०	३८	४६	५३	१	९	७
	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	४४
१	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	०
वृषभ	१७	२४	३२	४०	४८	५५	३	११	२१	३०	४०	५०	०	१०	२०	२९	३९	४९	५९	९	१९	२८	३८	४८	५८	८	१८	२७	३७	४७	९
	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	६	५६	४६	३६	२६	१६	६	५६	४६	३६	२६	१६	६	५६	४६	३६	२६	१६	६	५६	४६	३६	५०
२	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	०
मिथुन	५७	७	१७	२६	३६	४६	५६	६	१७	२९	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	३	१४	२६	३८	५०	१	१३	२५	३६	४८	०	११	२३	११
	२६	१६	६	५६	४६	३६	२६	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	४२
३	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	०
कर्क	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५७	९	२१	३३	४६	५८	१०	२२	३४	४७	५९	११	२३	३५	४८	०	१२	२४	३६	४९	१	१३	२५	१२
	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	१२
४	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
सिंह	३७	५०	२	१४	२६	३८	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	१२
	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	०
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	०
कन्या	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	१२
	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	०

अक्षांशः ३५ पलभा ८।२४।७ उदयमानानि १९६।३३२।२९५।३५१।३६६।३६० बाल्टिस्तान, नंगापर्वत, लेह

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	०
तुला	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५२	४	१६	२८	४०	५३	५	१७	२९	४१	५४	६	१८	३०	४२	५५	७	१९	३१	१२
	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	१२
७	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	०
वृश्चिक	४३	५६	८	२०	३२	४४	५७	९	२०	३२	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४	६	१७	२९	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	३	१४	२६	११
	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	४२
८	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	०
धनु	३८	५०	१	१३	२५	३६	४८	०	१०	१९	२९	३९	४९	५९	९	१८	२८	३८	४८	५८	८	१७	२७	३७	४७	५७	७	१६	२६	३६	९
	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	६	५६	४६	३६	२६	१६	६	५६	४६	३६	२६	१६	६	५६	४६	३६	२६	१६	६	५६	४६	३६	५०
९	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	०
मकर	४६	५९	६	१५	२५	३५	४५	५५	३	१०	१८	२६	३३	४१	४९	५७	४	१२	२०	२८	३५	४३	५१	५९	६	१४	२२	२९	३७	४५	७
	२६	१६	६	५६	४६	३६	२६	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	४४
१०	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	०
कुम्भ	५३	०	८	१६	२४	३१	३९	४७	५३	०	६	१३	१९	२६	३३	३९	४६	५२	५९	५	१२	१८	२५	३१	३८	४४	५१	५७	४	११	६
	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	०
मीन	१७	२४	३०	३७	४३	५०	५६	३	९	१६	२२	२९	३५	४२	४९	५५	२	८	१५	२१	२८	३४	४१	४७	५४	०	७	१३	२०	२७	६
	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२

अक्षांशः ३६ पलभा ८।४३।५ उदयमानानि १९३।२२९।२९४।३५२।३६९।३६३

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	०
मेष	३१	३७	४४	५०	५६	३	९	१६	२३	३१	३९	४६	५४	२	९	१७	२४	३२	४०	४७	५५	३	१०	१८	२५	३३	४१	४५	५६	४	७
	११	३७	३	३१	५५	२१	४७	१३	५१	२९	७	४५	२३	१	३९	१७	५५	३३	११	४९	२७	५	४३	२१	५९	३७	१५	५३	३१	९	३८
१	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	०
वृषभ	११	१९	२७	३४	४२	४९	५७	५	१५	२४	३४	४४	५४	४	१३	२३	३३	४३	५३	२	१२	२२	३२	४२	५१	१	११	२१	३१	४०	९
	४७	२५	३	४१	१९	५७	३५	१३	१	४९	३७	२५	१३	१	४९	३७	२५	१३	१	४९	३७	२५	१३	१	४९	३७	२५	१३	१	४९	४८
२	१०	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	०
मिथुन	५०	०	१०	२०	२९	३९	४९	५९	१०	२२	३४	४६	५७	९	२१	३३	४४	५६	८	२०	३१	४३	५५	६	१८	३०	४२	५३	५	१७	११
	३७	२५	१३	१	४९	३७	२५	१३	५७	४१	२५	९	५३	३७	२१	५	४९	३३	१७	१	४५	२९	१३	५७	४१	२५	९	५३	३७	२१	४४
३	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	०
कर्क	२१	४०	५२	४	१६	२७	३९	५१	३	१५	२८	४०	५२	५	१७	२९	४१	५४	६	१८	३१	४३	५५	८	२०	३२	४४	५७	९	२१	१२
	५	४९	३३	१७	१	४५	२९	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	२९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	१८
४	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
सिंह	३४	४६	५८	११	२३	३५	४७	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३७	४९	१	१३	२५	३७	४६	१	१३	२५	३८	५०	२	१४	२६	१२
	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	२३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	६
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	०
कन्या	३८	५०	२	१४	२६	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४१	५३	५	१७	२९	१२
	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	६

अक्षांशा: ३६ पलभा ८।४३।५ उदयमानानि १९३।२२९।२९४।३५२।३६९।३६३

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	०
तुला	४१	५३	५	१७	२९	४२	५४	६	१८	३०	४३	५५	७	२०	३२	४४	५६	९	२१	३३	४६	५८	१०	२३	३५	४७	५९	१२	२४	३६	१२
	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	१८
७	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	०
वृश्चिक	४९	१	१३	२६	३८	५०	२	१५	२६	३८	५०	२	१३	२५	३७	४९	०	१२	२४	३६	४७	५९	११	२२	३४	४६	५८	९	२१	३३	११
	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	५७	४१	२५	९	५३	३७	२१	५	४९	३३	१७	१	४५	२९	१३	५७	४१	२५	९	५३	३७	२१	४४
८	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	०
धनु	४५	५६	८	२०	३२	४३	५५	७	१७	२६	३६	४६	५६	६	१५	२५	३५	४५	५५	४	२४	२४	३४	४४	५३	३	१३	२३	३३	४२	९
	५	४९	३३	१७	१	४५	२९	१३	१	४९	३७	२५	१३	१	४९	३७	२५	१३	१	४९	३७	२५	१३	१	४९	३७	२५	१३	१	४९	४८
९	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	०
मकर	५२	२	१२	२२	३१	४१	५१	१	८	१७	२४	३१	३९	४७	५४	२	९	१७	२५	३२	४०	४८	५५	३	१०	१८	२६	३३	४१	४९	७
	३७	२५	१३	१	४९	३७	२५	१३	५१	२९	७	४५	२३	१	३९	१७	५५	३३	११	४९	२७	५	४३	२१	५९	३७	१५	५३	३१	९	३८
१०	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	०
कुम्भ	५६	४	१२	१९	२७	३४	४२	५०	५६	३	९	१५	२२	२९	३६	४२	४९	५५	१	८	२४	२१	२७	३४	४०	४७	५३	५९	६	१२	६
	४७	२५	३	४१	१९	५७	३५	१३	३९	५	३१	५७	२३	४९	१५	४१	७	३३	५९	२५	५१	१७	४३	९	३५	१	२७	५३	१९	४५	२६
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	०
मीन	१९	२५	३२	३८	४४	५१	५७	३	९	१६	२२	२८	३५	४१	४८	५४	१	७	१३	२०	२६	३३	३९	४६	५२	५९	५	११	१८	२४	६
	११	३७	३	२९	५५	२१	४७	१३	३९	५	३१	५७	२३	४९	१५	४१	३७	३३	५९	२५	५१	१७	४३	९	३५	१	२७	५३	१९	४५	२६

अक्षांशः ३८ पलभा ९।२२।३० उदयमानानि १८७।२२४।२९१।३५५।३७४।३६९

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	०
मेष	२९	३२	३८	४५	५१	५७	३	१०	१७	२५	३२	३९	४७	५४	२	९	१७	२४	३२	३९	४७	५४	२	९	१७	२४	३२	३९	४६	५४	७
	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	२८
१	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	०
वृषभ	१	९	१६	२४	३२	३९	४६	५४	३	१३	२३	३२	४२	५२	२	११	२१	३१	४०	५०	०	९	१९	२९	३९	४८	५८	८	१७	२७	९
	५१	१९	४७	१५	४३	११	९	७	४१	३१	१३	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	४९	३१	१३	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	४९	३१	४२
२	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	०
मिथुन	३७	४६	५६	६	१६	२५	३५	४५	५६	८	२०	३२	४४	५६	७	१९	३१	४३	५५	७	१८	३०	४२	५४	६	१८	२९	४१	५३	५	११
	१३	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	५७	४७	३७	२७	१७	७	५७	४७	३७	२७	१७	७	५७	४७	३७	२७	१७	७	५७	४७	३७	२७	५०
३	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२२	२२	०
कर्क	१७	२९	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	५	१७	२९	४२	५४	७	१९	३२	४४	५७	९	२२	३४	४७	५९	१२	२४	३६	४९	१	१४	१२
	१७	७	५७	४७	३७	२७	१७	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	२५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	२८
४	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
सिंह	२६	३९	५१	४	१६	२९	४१	५४	६	१८	३१	४३	५५	७	२०	३२	४४	५७	९	२१	३४	४६	५८	१०	२३	३५	४७	०	१२	२४	१२
	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१८
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	०
कन्या	३७	४९	१	१३	२६	३८	५०	३	१५	२७	४०	५२	४	१६	२९	४१	५३	६	१८	३०	४३	५५	७	१९	३२	४४	५६	९	२१	३३	१२
	५१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१८

अक्षांशः ३८ पलभा ९।२२।३० उदयमानानि १८७।२२४।२९१।३५५।३७४।३६९

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	०
तुला	४६	५८	१०	२२	३५	४७	५९	१२	२४	३७	४९	१	१४	२६	३९	५१	४	१६	२९	४१	५४	६	१९	३१	४४	५६	८	२१	३३	४६	१२
	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	२८
७	४०	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	०
वृश्चिक	५८	११	२३	३६	४८	१	१३	२६	३७	४९	१	१३	२५	३७	४८	०	१२	२४	३६	४८	५९	११	२३	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४६	११
	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	५७	४७	३७	२७	१७	७	५७	४७	३७	२७	१७	७	५७	४७	३७	२७	१७	७	५७	४७	३७	२७	५०
८	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	०
धनु	५८	१०	२२	३३	४५	५७	९	२१	३०	४०	५०	५९	९	१९	२९	३८	४८	५८	७	२७	२७	३६	४५	५६	६	२५	२५	३५	४४	५४	९
	१७	७	५७	४७	३७	२७	१७	७	४९	३१	१३	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	४९	३१	१३	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	४९	३१	४२
९	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	०
मकर	४	१३	२३	३३	४३	५२	२	१२	१९	२७	३४	४१	४९	५६	४	११	१९	२६	३४	४१	४९	५६	४	११	१९	२६	३३	४१	४८	५६	७
	१३	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	२८
१०	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	०
कुम्भ	३	११	१८	२६	३३	४१	४८	५६	२	८	१४	२१	२७	३३	३९	४५	५२	५८	४	१०	१७	२३	२९	३५	४२	४८	५४	०	७	१३	६
	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	१४
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	०
मीन	१९	२५	३१	३८	४४	५०	५६	३	९	१५	२१	२८	३४	४०	४६	५२	५९	५	११	१७	२४	३०	३६	४२	४९	५५	१	७	१४	२०	६
	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	१४

अक्षांश: ४० पलभा १०।४।९ उदयमानानि १८०।२१८।२८९।३५७।३८०।३७६

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	०
	२१	२७	३३	३९	४५	५१	५७	३	१०	१७	२४	३२	३९	४१	५३	१	८	१५	२२	३०	३७	४४	५२	५९	६	१३	२१	२८	३४	४२	७
मेष	०	०	०	०	०	०	०	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	१६
१	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	०
	५०	५७	४	११	१९	२६	३३	४१	५०	५०	९	१९	९	३८	४८	५८	७	१७	२६	३६	४६	५५	५	१४	२४	३४	४४	५३	३	१३	९
वृषभ	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३८
२	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	०
	२२	३२	४१	५१	१	१०	२०	३०	४१	५३	५	१७	२९	४१	५३	५	१७	२९	४०	५२	४	१९	३८	४०	५२	४	१६	२८	३९	५१	११
मिथुन	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	५४
३	१५	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२२	२२	०
	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५२	५	१७	३०	४३	५५	८	२१	३३	४६	५९	११	२४	३७	४९	२	१५	२७	४०	५३	५	१२
कर्क	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	४०
४	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	०
	१८	३१	४३	५९	९	२१	३४	४७	५९	१२	२४	३७	४९	२	४	२७	३९	५२	४	१७	२९	४२	५५	७	२०	३२	४५	५७	१०	२२	१२
सिंह	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	३२
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	०
	३५	४७	०	१२	२४	३७	५०	३	१५	२८	४०	५३	५	१८	३०	४३	५५	८	२०	३३	४५	५८	११	२३	३६	४८	१	१३	२६	३८	१२
कन्या	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	३२

अक्षांशाः ४० पलभा १०।४।९ उदयमानानि १८०।२१८।२८९।३५७।३८०।३७६

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	०
तुला	५१	२३	१६	२८	४१	५३	६	१९	३१	४४	५७	९	२२	३५	४७	०	१३	२५	३८	५१	३	१६	२९	४१	५४	७	१९	३२	४५	५७	१२
	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	४०
७	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	०
वृश्चिक	१०	२३	३५	४८	१	१३	२६	३९	५०	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	४९	१	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५	३७	४८	०	१३
	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	५४
८	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	०
धनु	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४५	५५	४	१४	२४	३३	४३	५३	२	१२	२१	३१	४१	५०	०	१०	१९	२९	३९	४८	५८	७	९
	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३८
९	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	०
मकर	१७	२७	३६	४६	५६	६	१५	२५	३२	३९	४६	५४	१	८	१५	२३	३०	३७	४४	५२	५९	६	१४	२१	२८	३५	४३	५०	५७	४	७
	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	१६
१०	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	०
कुम्भ	१२	१९	२६	३३	४१	४८	५५	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	५१	५७	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	५१	५७	३	९	१५	६
	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	०
मीन	२१	२७	३३	३९	४५	५१	५७	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	५१	५७	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	५१	५७	३	९	१५	६
	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अक्षांश: ४२ पलभा १०।४८।१८ उदयमानानि १७३।२११।२८६।३६०।३८७।३८३

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	०
मेष	१५	२१	२७	३२	३८	४४	५०	५५	२	९	१६	२४	३१	३८	४५	५२	५९	३	१३	२०	२७	३४	४१	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	७
	३१	१७	३	४९	३५	२१	७	५३	५५	५७	५९	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	२
१	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	०
वृषभ	३७	४४	५१	५८	५	१२	१९	२६	३६	४५	५५	५	१४	२४	३३	४३	५२	२	११	२१	३०	४०	४९	५९	८	१८	२८	३७	४७	५६	९
	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	२५	५७	२९	१	३३	५	३७	९	४१	१३	४५	१७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	१	३३	५	३७	३२
२	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	०
मिथुन	६	१५	२५	३४	४४	५३	३	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	१२
	९	४१	१३	४५	१७	४९	२१	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	०
३	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	०
कर्क	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२५	३८	५१	४	१७	३०	४३	५६	८	२१	३४	४७	०	१३	२६	३९	५२	५	१७	३०	४३	५६	१२
	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	४७	४१	३५	२९	२३	१७	११	५	५९	५३	४७	४१	३५	२९	२३	१७	११	५	५९	५३	४७	४१	५४
४	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	०
सिंह	९	२२	३५	४८	१	१४	२६	३९	५२	५	१८	३०	४२	५६	९	२	३४	४७	०	१३	२५	३८	५१	४	१६	२९	४२	५५	७	२०	१२
	३५	२९	२३	१७	११	५	५९	५३	३९	२५	११	५७	४३	२९	१५	१	४७	३३	१९	५	५१	३७	२३	९	५५	४१	२७	१३	५९	४५	४६
५	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	०
कन्या	३३	४६	५९	११	२४	३७	५०	२	१५	२८	४१	५३	६	१९	३२	४५	५७	१०	२३	३६	४८	१	१४	२७	३९	५२	५	१८	३०	४३	१२
	३१	१७	३	४९	३५	२१	७	५३	३९	२५	११	५७	४३	२९	१५	१	४७	३३	१९	५	५१	३७	२३	९	५५	४१	२७	१३	५९	४५	४६

अक्षांशा: ४२ पलभा १०।४८।१८ उदयमानानि १७३।२११।२८६।३६०।३८७।३८३

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३२	४०	४०	४०	४०	४१	४१	०
तुला	५६	९	२२	३४	४७	०	१३	२५	३८	५१	४	१७	३०	४३	५६	९	२१	३४	४७	०	१३	२६	३९	५२	५	१८	३०	४३	५६	९	१२
	३१	१७	३	४९	३५	२१	७	५३	४७	४१	३५	२९	२३	१७	११	५	५९	५३	४७	४१	३५	२९	२३	१७	११	५	५९	५३	४७	४१	५४
७	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	०
वृश्चिक	२२	३५	४८	१	१४	२७	३९	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	१२
	३५	२९	२३	१७	११	५	५९	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	०
८	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	०
धनु	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	२	११	२१	३१	४०	५०	५९	९	१८	२८	३७	४७	५६	६	१५	२५	३४	४४	५४	३	१३	२२	९
	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	२५	५७	२९	१	३३	५	३७	९	४१	१३	४५	१७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	१	३३	५	३७	३२
९	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	०
मकर	३२	४१	५१	०	१०	१९	२९	३८	४५	५२	५९	७	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	३	१०	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५९	६	१३	७
	१	४१	२३	४५	१७	४९	२१	५३	५५	५७	५९	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	२
१०	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	०
कुम्भ	२०	२७	३४	४१	४८	५५	२	९	१५	२१	२७	३२	३८	४४	५०	५६	१	७	१३	१९	२४	३०	३६	४२	४७	५३	५९	५	१०	१६	५
	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	३९	२५	११	५७	४३	२९	१५	१	४७	३३	१९	५	५१	३७	२३	९	५५	४१	२७	१३	५९	४५	४६
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	०
मीन	२२	२८	३४	३९	४५	५१	५७	२	८	१४	२०	२५	३१	३७	४३	४९	५४	०	६	१२	१७	२३	२९	३५	४०	४६	५२	५८	३	९	५
	३१	१७	३	४९	३५	२१	७	५३	३९	२५	११	५७	४३	२९	१५	१	४७	३३	१९	५	५१	३७	२३	९	५५	४१	२७	१३	५९	४५	४६

अक्षांश: ४४	पलभा ११।३५।२४	उदयमानानि १६५।२०५।२८२।३६४।३९३।३९१																													
अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	०
मेष	९	१४	२०	३५	३१	३६	४२	४७	५४	१	८	१५	२१	२८	३५	४२	४९	५६	२	९	१६	२३	३०	३७	४३	५०	५७	४	११	१८	६
	१५	४५	२५	४५	१५	४५	१५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५०
१	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	०
वृषभ	२४	३१	३८	४५	५२	५९	५	१२	२२	३१	४०	५०	५९	९	१८	२७	३७	४६	५६	५	१४	२४	३३	४३	५२	१	११	२०	३०	३९	९
	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	९	३३	५७	२१	४५	९	३३	५७	२१	४५	९	३३	५७	२१	४५	९	३३	५७	२१	४५	९	३३	२४
२	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	०
मिथुन	४८	५८	७	१७	२६	३५	४५	५४	६	१९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५६	८	२०	३२	४४	५६	८	२१	३३	४५	५७	९	२१	१२
	५७	२१	४५	९	३३	५७	२१	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	८
३	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	०
कर्क	३३	४५	५८	१०	२२	३४	४६	५८	११	२४	३८	५१	४	१७	३०	४३	५६	९	२२	३५	४९	२	१५	२८	४१	५४	७	२०	३३	४६	१३
	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४५	५१	५७	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	५१	५७	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	५१	५७	६
४	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	०
सिंह	०	१३	२६	३९	५२	५	१८	३१	४४	५७	१०	२३	३६	४९	२	१६	२९	४२	५५	८	२१	३४	४७	०	१३	२६	३९	५२	५	१८	१३
	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	५९	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	२
५	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	०
कन्या	३१	४४	५७	१०	२३	३६	४९	२	१५	२८	४१	५४	७	२०	३३	४७	०	१३	२६	३९	५२	५	१८	३१	४४	५७	१०	२३	३६	४९	१३
	३१	३३	३५	३७	३९	४२	४३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	९	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	२

अक्षांश: ४४ पलभा ११।३५।२४ उदयमानानि १६५।२०५।२८२।३६४।३९३।३९१

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	०
तुला	२	१५	२८	४१	५४	७	२०	३३	४६	५९	१३	२६	३९	५२	५	१८	३१	४४	५७	१०	२४	३७	५०	३	१६	२९	४२	५५	८	२१	१३
	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	५१	५७	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	५१	५७	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	५१	५७	६
७	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	०
वृश्चिक	३५	४८	१	१४	२७	४०	५३	६	१८	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	८	२०	३२	४४	५६	८	२०	३३	४५	५७	९	२१	३३	१२
	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	८
८	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	०
धनु	४५	५७	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२०	२९	३८	४८	५७	७	१६	२५	३५	४४	५४	३	१२	२२	३१	४१	५०	५९	९	१८	२८	३७	९
	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४३	९	३५	५७	२१	४५	९	३३	५७	२१	४५	९	३३	५७	२१	४५	९	३३	५७	२१	४५	९	३३	२४
९	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	०
मकर	४६	५६	५	१५	२४	३३	४३	५२	५९	६	१३	२०	२६	३३	४०	४७	५४	१	७	१४	२१	२८	३५	४२	४८	५५	२	९	१६	२३	६
	५७	२१	४५	९	३३	५७	२१	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५०
१०	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	०
कुम्भ	२९	३६	४३	५०	५७	४	१०	२७	२३	२८	३४	३९	४५	५०	५६	१	७	१२	१८	२३	२९	३४	४०	४५	५१	५६	२	७	१३	१८	५
	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	३०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	०
मीन	२४	२९	३५	४०	४६	५१	५७	२	८	१३	१९	२४	३०	३५	४१	४६	५२	५७	३	८	१४	१९	२५	३०	३६	४१	४७	५२	५८	३	५
	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	३०

अक्षांश: ४६ पलभा १२।२५।३७ उदयमानानि १५७।१९७।२७९।३६७।४०१।३९९

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	०
मेष	२	८	१३	१८	२३	२९	३४	३९	४६	५२	५९	५	१२	१९	२५	३२	३८	४५	५१	५८	४	११	१८	२४	३१	३७	४४	५०	५७	४	६
	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	११	४५	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३१	५	३४
१	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	०
वृषभ	१०	१७	२३	३०	३६	४३	५०	५६	५	१५	२४	३३	४३	५२	१	११	२०	२९	३८	४८	५७	६	१६	२५	३४	४४	५३	२	११	२१	२
	३९	१३	४७	२१	५५	२९	३	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	१८
२	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	०
मिथुन	३०	३९	४९	५८	७	१७	२६	३५	४७	०	१२	२४	३६	४९	१	१३	२५	३७	५०	२	१४	२६	३९	५१	३	१५	२८	४०	५२	४	१२
	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	१४
३	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	०
कर्क	१६	२९	४२	५३	५	१८	३०	४२	५५	९	२२	३६	४९	२	१६	२९	४२	५६	९	२३	३६	४९	३	१६	२९	४३	५६	९	२३	३६	१३
	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	११	३३	५५	१७	३९	१	२३	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	११	४१	२२
४	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२८	२८	०
सिंह	५०	३	१६	३०	४३	५६	१०	२३	३६	५०	३	१६	३०	४३	५६	१०	२३	३६	४९	३	१६	२९	४३	५६	९	२३	३६	४९	२	१६	१३
	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	१८
५	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	०
कन्या	२९	४२	५६	९	२२	३६	४९	२	१५	२९	४२	५५	९	२२	३५	४९	२	१५	२८	४२	५५	८	२२	३५	४८	२	१५	२८	४२	५५	१३
	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	१८

अक्षांशा: ४६ पलभा १२।२५।३७ उदयमानानि १५७।१९७।२७१।३६७।४०१।३९१

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	०
	८	२१	३५	४८	१	१५	२८	४१	५५	८	२२	३५	४८	१	१५	२८	४१	५५	८	२२	३५	४८	२	१५	२८	४३	५५	८	२२	३५	१३
	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	११	३३	५५	१७	३९	१	२३	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	१९	४१	२२
७ वृश्चिक	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	०
	४९	२	१५	२९	४२	५५	९	२२	३४	४७	५९	११	२३	३६	४८	०	१२	२४	३७	४९	१	१३	२६	३८	५०	२	१५	२७	३९	५१	१२
	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	१४
८ धनु	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	०
	३	१६	२८	४०	५२	५	१७	२९	३८	४८	५७	६	१६	२५	३४	४४	५३	२	११	२१	३०	३९	४९	५८	७	१७	२६	३५	४४	५४	९
	५९	१३	२७	४२	५५	९	२३	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	१८
९ मकर	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	०
	३	१२	२२	३१	४०	५०	५९	८	१५	२१	२८	३४	४२	४८	५४	१	७	१४	२०	२७	३३	४०	४७	५३	०	६	१३	१९	२६	३३	६
	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	११	४५	१९	४३	२७	१	३५	९	४३	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३१	५	३४
१० कुम्भ	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	०
	३९	४६	५२	५९	५	१२	१९	२५	३०	३६	४१	४६	५१	५७	२	७	१२	१७	२३	२७	३३	३८	४४	४९	५४	५९	५	१०	१५	२०	५
	३९	१३	४७	२१	५५	२९	३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	१४
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०
	२५	३१	३६	४१	४६	५२	५७	२	७	१३	१८	२३	२८	३४	३९	४४	४९	५४	०	५	१०	१५	२१	२६	३१	३६	४२	४७	५२	५७	५
	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	१४

अक्षांश: ४८ पलभा १३।१९।३७ उदयमानानि १४८।१८९।२७६।३७०।४०१।४०८

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	०
	५५	०	५	१०	१५	२०	२५	३०	३६	४३	४९	५५	१	८	१४	२०	२७	३३	३९	४६	५२	५८	४	११	१७	२३	३०	३६	४२	४९	६
	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	६	३४	५२	१०	२८	४६	४	१८
१ वृषभ	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	०
	५५	१	७	१४	२०	२६	३३	३९	४८	५७	७	१६	२५	३४	४३	५३	२	११	२०	२९	३९	४८	५७	६	१५	२५	३४	४३	५२	१	९
	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	१२
२ मिथुन	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	०
	११	२०	२९	३८	४७	५७	६	१५	२७	४०	५२	४	१७	२९	४१	५४	६	१८	३१	४३	५५	८	२०	३२	४५	५७	९	२२	३४	४६	१२
	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	२०
३ कर्क	१४	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	०
	५९	११	२३	३६	४८	०	१३	२५	३९	५२	६	२०	३३	४७	०	१४	२८	४१	५५	९	२२	३६	४९	३	१७	३०	४४	५८	११	२५	१३
	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	६	४४	२२	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	३८
४ सिंह	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२८	२८	०
	३९	५२	६	१९	३३	४७	०	१४	२८	४१	५५	८	२२	३६	४९	३	१६	३०	४४	५७	११	२४	३८	५२	५	१९	३२	४६	०	१३	१३
	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	३६
५ कन्या	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३५	०
	२७	४०	५४	८	२१	३५	४८	२	१६	२९	४३	५६	१०	२४	३७	५१	४	१८	३२	४५	५९	१२	२६	४०	५३	७	२०	३४	४८	१	१३
	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	३६

अक्षांश: ४८ पलभा १३।२।३७ उदयमानानि १४८।१८९।२१६।३१०।४०१।४०८

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	०
	१५	२८	४२	५६	९	२३	३६	५०	४	१७	३१	४५	५८	१२	२५	३९	५३	६	२०	३४	४७	१	१४	२८	४२	२५	९	२३	३६	५०	१३
	१६	५२	२८	४	४०	६	५२	२८	६	४४	२२	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	३८
७ वृश्चिक	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	०
	४	१७	३१	४४	५८	१२	२५	३९	५१	४	१६	२८	४१	५३	५	१८	३०	४२	५५	७	१९	३२	४४	५६	९	२१	३३	४६	५८	१०	१२
	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	२०
८ धनु	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	०
	२३	३५	४७	०	१२	२४	३७	४९	५८	७	१७	२६	३५	४४	५३	३	१२	२१	३०	३९	४९	५८	७	१६	२५	३५	४४	५३	२	११	९
	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	१२
९ मकर	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	०
	२१	३०	३९	४८	५७	७	१६	२५	३२	३८	४४	५०	५६	३	९	१५	२२	२८	३४	४१	४७	५३	५९	६	१२	१८	२५	३१	३७	४४	६
	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	१८
१० कुम्भ	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	०
	५०	५६	२	९	१५	२१	२८	३४	३९	४४	४९	५४	५९	४	९	१३	१८	२३	२८	३३	३८	४३	४८	५३	५८	३	८	१३	१८	२३	४
	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०
	२७	३२	३७	४२	४७	५२	५७	२	७	१२	१७	२२	२७	३२	३७	४१	४६	५१	५६	१	६	११	१६	२१	२६	३१	३६	४१	४६	५१	४
	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६

अक्षांशा: ५० पलभा १४।१८।३ उदयमानानि १४०।१७७।२७०।३७६।४२१।४१६

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	०
	४९	५४	५९	३	८	१३	१७	२२	२८	३४	४०	४५	५१	५७	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४४	५०	५६	२	८	१४	२०	२६	३२	५
	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	१४	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	३६	२०	१४	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	२०	१४	८	५४
१ वृषभ	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	०
	३८	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२८	३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१६	२५	३४	४३	५२	१	१०	१९	२८	३७	९
	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२२	२०	०
२ मिथुन	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	०
	४६	५५	४	१३	२२	३१	४०	४९	१	१४	२६	३९	५२	४	१७	२९	४२	५४	७	१९	३२	४४	५७	९	२२	३४	४७	०	१२	२५	१२
	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३२
३ कर्क	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२१	२१	०
	३७	५०	२	१५	२७	४०	५२	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४६	०	१४	१४
	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	०	२	४	२
४ सिंह	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	०
	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१५	२९	४३	५७	११	१३
	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	५२
५ कन्या	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३५	०
	२५	३९	५३	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	११	२५	३९	५३	७	१३
	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	५२

अक्षांश: ५० पलभा १४।१८।३ उदयमानानि १९३।२२१।२९४।३५२।३६१।३६३

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४२	०
	२१	३५	४९	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३९	५३	७	१४
	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	०	२	४	२
७ वृश्चिक	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	०
	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	५९	११	२४	३६	४९	२	१४	२७	३९	५२	४	१७	२९	४२	५४	७	१९	३२	४४	५७	१०	२२	३५	१२
	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३२
८ धनु	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	०
	४७	०	१२	२५	३७	५०	२	१५	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४५	५४	३	१२	२१	३०	३९	४८	५७	६	१५	२४	३३	९
	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	०
९ मकर	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	०
	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४५	५१	५७	३	८	१४	२०	२६	३२	३८	४४	५०	५६	२	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	५
	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	१४	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	२०	१४	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	२०	१४	८	५४
१० कुम्भ	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	१	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४७	५१	५६	१	५	१०	१५	१९	२४	२९	३३	३८	४३	४७	५२	५७	१	६	११	१५	२०	२५	४
	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०
	२९	३४	३९	४३	४८	५३	५७	२	७	११	१६	२१	२५	३०	३५	३९	४४	४९	५३	५८	३	७	१२	१७	२१	२६	३१	३५	४०	४५	४
	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०

अक्षांशाः ५२ पलभा १५।२१।३२ उदयमानानि ११०।१६१।२६४।३८२।४२१।४२६

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	०
	४१	४६	५०	५४	०	४	८	१२	१७	२३	२९	३४	४०	४५	५१	५७	२	८	१४	१९	२५	३१	३६	४२	४७	५३	५९	४	१०	१६	५
	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	८	५६	३४	१२	५०	२८	६	३८
१ वृषभ	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	०
	२१	२७	३३	३८	४४	४९	५५	१	९	१८	२७	३६	४५	५३	२	११	२०	२९	३७	४६	५५	४	१३	२१	३०	३९	४८	५७	५	१४	८
	४४	२२	०	३८	१६	५४	३२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	४८
२ मिथुन	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	०
	२३	३२	४१	४९	५८	७	१६	२५	३७	५०	३	१६	२८	४१	५४	७	१९	३२	४५	५७	१०	२३	३६	४८	१	१४	२७	३९	५२	५	१२
	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	४४
३ कर्क	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२१	०
	१८	३०	४३	५६	८	२१	३४	४७	१	१५	३०	४४	५८	१२	२७	४१	५५	१०	२४	३८	५३	७	२१	३५	५०	४	१८	३३	४७	१	१४
	२	४६	३०	१४	५८	४२	२६	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	१८
४ सिंह	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२८	०
	१६	३०	४४	५८	१३	२७	४१	५६	१०	२४	३८	५९	७	२१	३५	४९	३	१८	३२	४६	०	१४	२९	४३	५७	११	२५	४०	५४	८	१४
	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	१२
५ कन्या	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३५	३५	०
	२२	३६	५१	५	१९	३३	४७	२	१६	३०	४४	५८	१३	२७	४१	५५	९	२४	३८	५२	६	२०	३४	४९	३	१७	३१	४६	०	१४	१४
	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	१२

अक्षांश: ५२ पलभा १५।२१।२२ उदयमानानि १३०।१६१।२६४।३८२।४२१।४२६

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४२	४२	०
	२८	४२	५७	११	२५	३९	५३	८	२२	३६	५१	५	१९	३३	४८	२	१६	३१	४५	५९	१४	२८	४२	५६	११	२५	३९	५४	८	२२	१४
	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	१८
७ वृश्चिक	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	०
	३७	५१	५	१९	३४	४८	२	१७	२९	४२	५५	८	२०	३३	४६	५९	११	२४	३७	४९	२	१५	२८	४०	५३	६	१९	३१	४४	५७	१२
	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	४४
८ धनु	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	०
	१०	२२	३५	४८	०	१३	२६	३९	४७	५६	५	१४	२३	३१	४०	४९	५८	७	१५	२४	३३	४२	५१	५९	८	१७	२६	३५	४३	५२	८
	२	४६	३०	१४	५८	४२	२६	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	४८
९ मकर	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	०
	१	१०	१९	२७	३६	४५	५४	३	८	१४	२०	२५	३१	३६	४१	४८	५३	५९	५	१०	१६	२२	२७	३३	३८	४४	५०	५५	१	७	५
	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	२२	५०	२८	६	३८
१० कुम्भ	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	१२	१८	२४	२९	३५	४०	४६	५२	५६	०	५	९	१३	१८	२२	२६	३१	३५	३९	४४	४८	५२	५७	१	५	१०	१४	१८	२३	२७	४
	४४	२२	०	३८	१६	५४	३२	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	२०
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	०
	३१	३६	४०	४४	४९	५३	५७	२	६	१०	१५	१९	२३	२८	३२	३४	४१	४५	४९	५४	५८	२	७	११	१५	२०	२४	२८	३३	३७	४
	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	२०

अक्षांश: ५४ पलभा १६।३१।१ उदयमानानि ११८।१५७।२५८।३८८।४४१।४३८

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	०
	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	५९	५	१०	१५	२०	२६	३१	३६	४१	४७	५२	५७	२	८	१३	१८	२३	२८	३४	३९	४४	४९	५५	५
	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	१४
१ वृषभ	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	०
	०	५	१०	१६	२१	२६	३१	३६	४५	५४	२	११	१९	२८	३७	४५	५४	२	११	२०	२८	३७	४७	५४	३	११	२०	२८	३७	४६	८
	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	३६
२ मिथुन	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	०
	५४	३	११	२०	२९	३७	४६	५४	७	२०	३३	४६	५९	१२	२५	३८	५१	५४	१७	३०	४३	५६	८	२१	३४	४७	०	१३	२६	३९	१२
	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	५६
३ कर्क	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	०
	५२	५	१८	३१	४४	५७	१०	२२	३७	५२	७	२१	३६	५१	५	२०	३५	४९	४	१९	३४	४८	३	१८	३२	४७	२	१६	३१	४६	१४
	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४२
४ सिंह	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२८	०
	१	१५	३०	४५	५९	१४	२९	४३	५८	१३	२७	४२	५६	११	२६	४०	५५	९	२४	३९	५३	८	२२	३७	५२	६	२१	३५	५०	५	१४
	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	३६
५ कन्या	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३५	३५	०
	१९	३४	४८	३	१८	३२	४७	१	१६	३१	४५	०	१४	२९	४४	५८	१३	२७	४२	५७	११	२६	४०	५५	१०	२४	३९	५३	८	२३	१४
	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	३६

अक्षांश: ५४ पलभा १६।३१।११ उदयमानानि ११८।१५७।२५८।३८८।४४१।४३८

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	०
	३७	५२	६	२१	३६	५०	५	१९	३४	४९	४	१८	३३	४८	२	१७	३२	४६	१	१६	३१	४५	०	१५	२९	४४	५९	१३	२८	४३	१४
	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४२
७ वृश्चिक	४२	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	०
	५८	१२	२७	४२	५६	११	२६	४०	५३	६	१९	३२	४५	५८	११	२४	३७	५०	३	१६	२९	४२	५४	७	२०	३३	४०	५९	१२	२५	१२
	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	५६
८ धनु	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	०
	३८	५१	४	१७	३०	४३	५६	८	१७	२६	३४	४३	५१	०	९	१७	२६	३४	४३	५२	०	९	१७	२६	३४	४३	५२	०	९	१८	८
	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	३६
९ मकर	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	०
	२६	३४	४३	५२	१	९	१८	२६	३२	३७	४२	४७	५३	५८	३	८	१४	१९	२४	२९	३५	४०	४५	५०	५५	१	६	११	१६	२२	५
	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	१४
१० कुम्भ	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	२७	३२	३७	४३	४८	५३	५८	३	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३
	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	५६
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	०
	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	१	५	९	१३	१७	२१	२५	२९	३३	३७	४१	४५	४९	५३	५७	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३
	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	५६

अक्षांश: ५६ पलभा १७।४७।२८ उदयमानानि १०६।१४४।२४९।३९७।४५४।४५०

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	०
	२३	२६	३०	३३	३७	४०	४४	४७	५२	५७	२	६	११	१६	२१	२६	३०	३५	४०	४५	५०	५४	५९	४	९	१४	१८	२३	२८	३३	४
	२	३४	६	३८	१०	४२	१४	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	४८
१ वृषभ	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	०
	३८	४२	४७	५२	५७	२	६	११	२०	२८	३६	४४	५३	१	९	१८	२६	३४	४३	५१	५९	७	१६	२४	३२	४१	४९	५७	६	१४	८
	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	१८
२ मिथुन	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	०
	२२	३०	३९	४७	५५	४	१२	२०	३४	४७	०	१३	२६	४०	५३	६	१९	३३	४६	५९	१२	२६	३९	५२	५	१८	३२	४५	५८	११	१३
	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	१४
३ कर्क	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	२०	२०	२०	०
	२५	३८	५१	४	१८	३१	४४	५७	१२	२८	४३	५८	१३	२८	४३	४८	१३	२९	४४	५९	१४	२९	४४	५९	१५	३०	४५	०	१५	३०	१५
	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	८
४ सिंह	२०	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२८	०.
	४५	०	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१५
	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	०
५ कन्या	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	०
	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	१५
	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	०

अक्षांश: ५६ पलभा १७।४७।२८ उदयमानानि १०६।१४४।२४१।३१७।४५४।४५०

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३५	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४३	०
	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	२	१७	३२	४७	२	१७	३२	४७	३	१८	३३	४८	३	१८	३३	४९	४	१९	३४	४९	४	१५
	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	८
७ वृश्चिक	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	०
	१९	३४	५०	५	२०	३५	५०	५	१९	३२	४५	५८	११	२५	३८	५१	४	१८	३१	४४	५७	११	२४	३७	५०	३	१७	३०	४३	५६	१३
	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	१४
८ धनु	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	०
	१०	२३	३६	४९	३	१६	२९	४२	५१	५९	७	१५	२४	३२	४०	४९	५७	५	१४	२२	३०	३८	४७	५५	३	१२	२०	२८	३७	४५	८
	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	१८
९ मकर	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	०
	५३	१	१०	१८	२६	३५	४३	५१	५६	१	६	१०	१५	२०	२५	३०	३४	३९	४४	४९	५४	५८	३	८	१३	१८	२३	२७	३२	३७	४
	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	४८
१० कुम्भ	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	४२	४६	५१	५६	१	६	१०	१५	१९	२२	२६	२९	३३	३६	४०	४४	४७	५१	५४	५८	१	५	८	१२	१५	१९	२२	२६	२९	३३	३
	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	१८	५०	२२	५४	२६	५८	३०	२	३४	६	३८	१०	४२	१४	४६	१८	५०	२२	५४	२६	५८	३०	३२
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	०
	३७	४०	४४	४७	५१	५४	५८	१	५	८	१२	१५	१९	५२	२६	३०	३३	३७	४०	४४	४७	५१	५४	५८	१	५	८	१२	१५	१९	३
	२	३४	६	३८	१०	४२	१४	४६	१८	५०	२२	५४	२६	५८	३०	२	३४	६	३८	१०	४२	१४	४६	१८	५०	२२	५४	२६	५८	३०	३२

अक्षांशा: ५८									पलभा ११।१२								उदयमानानि ९२।१२७।२४१।४०५।४७१।४६४														
अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	०
मेष	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३७	४२	४६	५०	५४	५८	३	७	११	१५	२०	२४	२८	३२	३७	४१	४५	४९	५३	५८	२	६	४
	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	४६	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	१४
१	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	०
वृषभ	१०	१५	१९	२३	२७	३२	३६	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	८	८	१६	२४	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	८
	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	०	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	२
२	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	०
मिथुन	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	५५	८	२२	३४	४९	२	१६	२९	४३	५६	१०	२३	३७	५०	४	१७	३१	४४	५८	११	२४	३८	१३
	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	३०
३	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	०
कर्क	५२	५	१९	३२	४६	५९	१३	२६	४२	५७	१३	२९	४५	०	१६	३२	४७	३	१९	३४	५०	६	२२	३७	५३	९	२४	४०	५६	११	१५
	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	१४	४६	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	१४	५६	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	५४	५६	४२
४	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	०
सिंह	२७	४३	५९	१४	३०	४६	१	१७	३३	४८	३	१९	३४	५०	५	२१	३६	५२	७	२३	३८	५४	९	२५	४०	५५	११	२६	४२	५७	१५
	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	०	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	८	३६	४	३२	०	२८	५६	२४	५२	२०	४८	२८
५	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	०
कंन्या	१३	२८	४४	५९	१५	३०	४६	१	१७	३२	४७	३	१८	३४	४९	५	२०	३६	५१	७	२२	३८	५३	९	२४	३९	५५	१०	२६	४१	१५
	१६	४४	१२	४०	८	३६	४	३२	०	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	८	३६	४	३२	०	२८	५६	२४	५२	२०	४८	२८

अक्षांश: ५८	पलभा ११।१२।												उदयमानानि ९२।१२७।२४१।४०५।४७१।४६४																		
अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३५	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४३	४३	०
	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५	१	१६	३२	४८	४	१९	३५	५१	६	२२	३८	५३	९	२५	४१	५६	१२	२८	४३	५९	१५	३०	१५
तुला	१६	४४	१२	४०	८	३६	४	३२	१४	५६	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	१४	५६	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	१४	५६	४२
७	४३	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	०
	४६	२	१८	३३	४९	५	२०	३६	५०	३	१७	३०	४४	५७	११	२४	३८	५१	५	१८	३२	४५	४९	१२	२६	३९	५३	६	२०	३३	१३
वृश्चिक	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	३०
८	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	०
	४७	०	१४	२७	४१	५४	८	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	८
धनु	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	०	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	२
९	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	०
	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	२६	३१	३५	३९	४३	४७	५२	५६	०	४	९	१३	१७	२१	२६	३०	३४	३८	४२	४७	५१	५५	४
मकर	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	४६	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	१४
१०	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	५९	४	८	१२	१६	२१	२५	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५१	५४	५७	०	३	६	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३७	३
कुम्भ	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०
	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५८	१	४	७	१०	१३	१६	१९	२३	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५६	५९	२	५	९	३
मीन	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४

अक्षांशाः ६० पलभा २०।४७ उदयमानानि ७६।१०९।२२८।४१८।४८९।४८०

अंश –	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	०
	५९	२	४	७	९	१२	१४	१७	२०	२४	२८	३१	३५	३९	४२	४६	४९	५३	५७	०	४	८	११	१५	१९	२४	२६	२९	३३	३७	३
	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	३८
१ वृषभ	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	०
	४०	४४	४८	५१	५५	५९	२	६	१३	२१	२९	३६	४४	५१	५९	७	१४	२२	२९	३७	४४	५२	०	७	१५	२३	३०	३८	४५	४३	७
	५०	२८	६	४४	२२	०	३८	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	३६
२ मिथुन	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	०
	१	८	१६	२३	३१	३९	४६	५४	८	२२	३६	५०	३	१७	३०	४५	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	३२	४६	०	१३
	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	१२.	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	५६
३ कर्क	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	०
	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	८	२४	४१	५७	१३	३०	४६	२	१८	३५	५१	७	२४	४०	५६	१३	२९	४५	१	१८	३४	५०	१६
	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१८
४ सिंह	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	०
	७	२३	३९	५६	१२	२८	४४	१	१७	३३	४९	५	२१	३७	५३	९	२५	४१	५७	१३	२९	४५	१	१७	३३	४९	५	२१	३७	५३	१६
	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	०
५ कन्या	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	०
	९	२५	४१	५७	१३	२९	४५	१	१७	३३	४९	५	२१	३७	५३	९	२५	४१	५७	१३	२९	४५	१	१७	३३	४९	५	२१	३७	५३	१६
	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	०

अक्षांश: ६० पलभा २०।४७ उदयमानानि ७६।१०९।२२८।४१८।४८९।४८०

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	०
	९	२५	४१	५७	१३	२९	४५	१	१७	३३	५०	६	२२	३९	५५	११	२७	४४	०	१६	३३	४९	५	२२	३८	५४	१०	२७	४३	५९	१६
	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१८
७ वृश्चिक	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५१	५१	०
	१६	३२	४८	५	२१	३७	५३	१०	२४	३८	५२	६	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४८	२	१६	१३
	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	५६
८ धनु	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	०
	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	१५	२३	३१	३८	४६	५३	१	९	१६	२४	३१	३९	४७	५४	२	९	१७	२५	३२	४०	४७	५५	७
	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	३६
९ मकर	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	०
	३	१०	१८	२५	३३	४१	४८	५६	५९	१३	७	१०	१४	१८	२१	२५	२८	३२	३६	३९	४३	४७	५०	५४	५८	१	५	८	१२	१६	३
	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	३८
१० कुम्भ	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	१९	२३	२७	३०	३४	३८	४१	४५	४७	५०	५२	५५	५७	०	३	५	८	१०	१३	१५	१८	२०	२३	२५	२८	३०	३३	३५	३८	४१	२
	५०	२८	६	४४	२२	०	३८	२६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	७	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
	४३	४६	४८	५१	५३	५६	५८	१	३	६	८	११	१३	१६	१९	२१	२४	२६	२९	३१	३४	३६	३९	४१	४४	४६	४९	५१	५४	५७	२
	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२

अथ क्रान्ति सारिणी २२ मार्च से २३ सितम्बर तक उत्तरा क्रान्ति और २४ सितम्बर से २१ मार्च तक दक्षिणा क्रान्ति रहेगी।

तारीख	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
जनवरी	२३ द ५	२३ १	२२ ५६	२२ ४९	२२ ४४	२२ ३६	२२ ३०	२२ २२	२२ १३	२२ ५	२१ ५८	२१ ४९	२१ ४०	२१ ३०	२१ १८	२१ ७
फरवरी	१७ २४	१७ ३	१६ ४८	१६ ३०	१६ १३	१५ ५५	१५ ३७	१५ २०	१४ ५९	१४ ४५	१४ २१	१४ २	१३ ४१	१३ २१	१३ २	१२ ४०
मार्च	७ ५८	७ ३६	७ १३	६ ४९	६ २५	६ ३	५ ४१	५ १७	४ ५३	४ ३२	४ ८	३ ४३	३ २०	२ ५६	२ ३३	२ ८
अप्रैल	४ १०	४ ३३	४ ५९	५ २४	५ ४८	६ ११	६ [illegible]४	६ ५७	७ १९	७ ४२	८ ४	८ २६	८ ४८	९ १०	९ ३१	९ ५३
मई	१४ ५१	१५ १०	१५ २८	१५ ४५	१६ ३	१६ २०	१६ ३७	१६ ५३	१७ ९	१७ २४	१७ ४०	१७ ५५	१८ १२	१८ २७	१८ ४०	१८ ५६
जून	२१ ५७	२२ ४	२२ १२	२२ २०	२२ ७	२२ ३३	२२ ४०	२२ ४६	२२ ५१	२२ ५७	२३ १	२३ ५	२३ १०	२३ १४	२३ १६	२३ २०
जुलाई	२३ १०	२३ ७	२३ ३	२२ ५८	२२ ५३	२२ ४६	२२ ४०	२२ ३५	२२ २७	२२ २०	२२ १४	२२ ५	२१ ५७	२१ ४९	२१ ४०	२१ ३०
अगस्त	१८ १३	१७ ५९	१७ ४३	१७ २७	१७ १२	१६ ५६	१६ ४०	१६ २३	१६ ५	१५ ४८	१५ ३१	१५ १३	१४ ५५	१४ ३७	१४ १९	१३ ५९
सितम्बर	८ ३४	८ १२	७ ५१	७ २८	७ ६	६ ४३	६ २२	५ ५९	५ ३६	५ १४	४ ५२	४ २९	४ ५	३ ४४	३ २०	२ ५६
अक्टूबर	२ ५३	३ १७	३ ४१	४ ४	४ २७	४ ५१	५ १३	५ ३६	५ ५९	६ २२	६ ४५	७ ७	७ ३०	७ ५२	८ १५	८ ३६
नवम्बर	१४ ११	१४ ३०	१४ ४९	१५ ८	१५ २६	१५ ४४	१६ ३	१६ २२	१६ ४०	१६ ५७	१७ १४	१७ ३१	१७ ४७	१८ ३	१८ १८	१८ ३५
दिसम्बर	२१ ४३	२१ ५१	२२ ३१	२२ ९	२२ १८	२२ २५	२२ ३३	२२ ३९	२२ ४६	२२ ५२	२२ ५६	२३ १	२३ ६	२३ ११	२३ १५	२३ १८

तारीख	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
जनवरी	२० ५७	२० ४३	२० ३२	२० २१	२० ७	१९ ५४	१९ ४१	१९ २५	१९ १२	१८ ५७	१८ ४२	१८ २५	१८ १०	१७ ५७	१७ ४०
फरवरी	१२ १९	११ ५९	११ ४०	११ १६	१० ५५	१० ३३	१० २२	९ ५०	९ २८	९ ६	८ ४४	८ २०			
मार्च	१ ४४	१ २१	० ५५	० ३३	०द ११	०उ १५	० ३८	१ ३	१ २७	१ ५१	२ १७	२ ३८	३ १	३ २४	३ ४७
अप्रैल	१० १४	१० ३५	१० ५५	११ १४	११ ३५	११ ५५	१२ १७	१२ ३७	१२ ५७	१३ १६	१३ ३५	१३ ५६	१४ १५	१४ ३३	
मई	१९ १०	१९ २५	१९ ३६	१९ ५०	२० २	२० १५	२० २७	२० ३९	२० ५०	२१ १	२१ ११	२१ २१	२१ ३१	२१ ४०	२१ ४९
जून	२३ २३	२३ २५	२३ २६	२३ २७	२३ २८	२३ २८	२३ २७	२३ २६	२३ २५	२३ २३	२३ २१	२३ १९	२३ १७	२३ १३	
जुलाई	२१ २०	२१ १०	२१ ०	२० ५०	२० ३९	२० २७	२० १५	२० ३	१९ ५१	१९ ३८	१९ २५	१९ ११	१८ ५७	१८ ४३	१८ २९
अगस्त	१३ ४०	१३ २२	१३ ३	१२ ४३	१२ २४	१२ ४	११ ४४	११ २३	११ ३	१० ४२	१० २१	९ ५९	९ ३९	९ १७	८ ५६
सितम्बर	२ ३२	२ ११	१ ४७	१ २४	१ ०	० ३६	०उ १५	०द ११	० ३३	० ५८	१ २१	१ ४४	२ ८	२ ३१	
अक्टूबर	८ ५७	९ २०	९ ४२	१० ४	१० २६	१० ४६	११ ९	११ २८	११ ४०	१२ ११	१२ ३१	१२ ५१	१३ १०	१३ ३१	१३ ५१
नवम्बर	१८ ५०	१९ ५	१९ १९	१९ ३१	१९ ४७	२० ०	२० ११	२० २४	२० ३६	२० ४८	२१ ०	२१ १२	२१ २३	२१ ३१	
दिसम्बर	२३ २१	२३ २३	२३ २५	२३ २६	२३ २६	२३ २७	२३ २७	२३ २६	२३ २५	२३ २४	२३ २२	२३ २०	२३ १७	२३ १४	२३ १० द

क्रान्त्यंश चरसारिणी

अक्षांश	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
१	० ४	० ८	० १३	० १७	० २१	० २५	० २९	० ३४	० ३८	० ४२	० ४७	० ५१	० ५५	१ ०	१ ४	१ ९	१ १३	१ १८	१ २२	१ २७	१ ३२	१ ३७	१ ४२	१ ४७
२	० ८	० १७	० २५	० ३४	० ४२	० ५०	० ५९	१ ८	१ १६	१ २५	१ ३३	१ ४२	१ ५१	२ ०	२ ९	२ १८	२ २७	२ ३७	२ ४५	२ ५५	३ ४	३ १४	३ २४	३ ३४
३	० १३	० २५	० ३८	० ५०	१ ३	१ १६	१ २८	१ ४१	१ ५४	२ ७	२ २०	२ ३३	२ ४६	३ ०	३ १३	३ २७	३ ४०	३ ५५	४ ८	४ २२	४ ३७	४ ५१	५ ६	५ २१
४	० १७	० ३४	० ५०	१ ७	१ २४	१ ४१	१ ५८	२ १२	२ २९	२ ४८	३ ५	३ २४	३ ४२	४ ०	४ १८	४ ३६	४ ५४	५ १२	५ ३१	५ ५०	६ ९	६ २९	६ ४८	७ ८
५	० २१	० ४२	१ ३	१ २४	१ ४५	२ ७	२ २८	२ ५०	३ १०	३ ३२	३ ५४	४ १६	४ ३८	५ ०	५ २३	५ ४५	६ ७	६ ३१	६ ५४	७ १९	७ ४२	८ ६	८ ३१	८ ५६
६	० २५	० ५०	१ १६	१ ४१	२ ६	२ ३२	२ ५७	३ २३	३ ४९	४ १५	४ ४२	५ ७	५ ३४	६ ०	६ ४७	६ ५४	७ २२	७ ५०	८ १८	८ ४६	९ १५	९ ४४	१० १४	११ ४४
७	० २९	० ५९	१ २८	१ ५८	२ २९	२ ५७	३ २७	३ ५७	४ २७	४ ५८	५ २८	५ ५९	६ ३०	७ १	७ ३२	८ ४	८ ३६	९ ९	९ ४२	१० १५	१० ४८	११ २२	११ ५७	१२ ३२
८	० ३४	१ ७	१ ४१	२ १५	२ ४९	३ २३	३ ५६	४ ३१	५ ६	५ ४१	६ १६	६ ५१	७ २६	८ २	८ ३८	९ १४	९ ५१	१० २८	११ ६	११ ४४	१२ २२	१३ १	१३ ४१	१४ २१
९	० ३८	१ १६	१ ५४	२ ३३	३ ११	३ ४९	४ २७	५ ६	५ ४५	६ २४	७ ४	७ ४३	८ २३	९ ३	९ ४४	१० २५	११ ६	११ ४८	१२ ३०	१३ १३	१३ ५६	१४ ४१	१५ २५	१६ ११
१०	० ४२	१ २५	२ ७	२ ५०	३ ३२	४ १५	४ ५८	५ ४१	६ २४	७ ८	७ ५१	८ ३६	९ २०	१० ५	१० ५०	११ ३६	१२ २३	१३ ८	१३ ५५	१४ ४३	१५ ३१	१६ २०	१७ १०	१८ १
११	० ४७	१ ३४	२ २०	३ ७	३ ५४	४ ४०	५ २८	६ १६	७ ३	७ ५१	८ ४०	९ २१	१० १७	११ ७	११ ५६	१२ ४७	१३ ३८	१४ २९	१५ २७	१६ १४	१७ ७	१८ १	१८ ५६	१९ ५२
१२	० ५१	१ ४२	२ ३३	३ २४	४ १६	५ ९	५ ५९	६ ५०	७ ४३	८ ३६	९ २८	१० २१	११ १५	१२ ९	१३ ३	१३ ५९	१४ ५४	१५ २०	१६ ४७	१७ ४५	१८ ४३	१९ ४२	२० ४२	२१ ४१
१३	० ५५	१ ५१	२ ४६	३ ४२	४ ३८	५ ३४	६ ३०	७ २०	८ २३	९ २०	१० १७	११ १५	१२ १३	१३ १२	१४ ११	१५ ११	१६ ११	१७ १२	१८ १४	१९ १७	२० २०	२१ २५	२२ ३०	२३ ३६
१४	१ ०	२ ०	३ ०	४ ०	५ ०	६ ०	७ १	८ २	९ ३	१० ५	११ ७	१२ ९	१३ १२	१४ १५	१५ १९	१६ २४	१७ २९	१८ ३४	१९ ४२	२० २०	२१ ५८	२३ ८	२४ ८	२५ ३१
१५	१ ४	२ ९	३ १३	४ १७	५ २१	६ २७	७ ३१	८ ३८	९ ४४	१० ५०	११ ५७	१३ ४	१४ १०	१५ २९	१६ २७	१७ ३८	१८ ४८	१९ ५९	२१ १०	२२ २४	२३ ३५	२४ ५२	२६ ७	२७ २९

क्रान्त्यंश	चरसारिणी																						
अक्षांश	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
१६	१	२	३	४	५	६	८	९	१०	११	१२	१३	१५	१६	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२५	२६	२७	२९
	९	१८	२७	३६	४४	५४	४	१४	२५	३६	४७	५९	१०	२४	३६	५२	७	२३	४०	५७	१७	३७	५८	२०
१७	१	२	३	४	६	७	८	९	११	१२	१३	१४	१६	१७	१९	२०	२१	२२	२४	२५	२६	२८	२९	३१
	१३	२७	४०	५४	८	२२	३६	५१	६	२०	३८	५४	११	२९	४८	७	२७	४८	१०	३३	५८	२३	५०	१८
१८	१	२	३	५	६	७	९	१०	११	१३	१४	१५	१७	१८	१८	२१	२२	२४	२५	२७	२८	३०	३१	३३
	१८	३६	५१	१२	३१	५०	९	२८	४८	८	२९	५०	१२	३४	५९	२३	४८	१४	४३	१०	४१	१०	४३	१६
१९	१	२	४	५	६	८	९	११	१२	१३	१५	१६	१८	१९	२१	२२	२४	२५	२७	२८	३०	३१	३३	३५
	२३	४५	८	३१	५४	१८	३७	६	३०	५५	२१	४७	१४	४२	११	४०	१०	४२	१४	४८	२३	५९	३७	१६
२०	१	२	४	५	७	८	१०	११	१३	१४	१६	१७	१९	२०	२२	२३	२५	२७	२८	३०	३२	३३	३५	३७
	२३	५५	२२	५०	१६	४६	१५	४४	१३	४३	१४	४५	१७	५०	२३	५७	३३	१०	४९	२७	८	४९	३३	१८
२१	१	३	४	६	७	९	१०	१२	१३	१५	१७	१८	२०	२१	२३	२५	२६	२८	३०	३२	३३	३५	३७	३९
	३२	४	३६	९	४२	१५	४८	२२	५७	३१	७	४३	२०	५९	३७	१७	५८	१४	२३	८	५४	४१	३१	२२
२२	१	३	४	६	८	९	११	१३	१३	१६	१७	१९	२१	२३	२४	२६	२८	३०	३१	३३	३५	३७	३९	४१
	३७	१४	५१	२९	६	४४	२२	१	४०	२०	५९	४२	२५	८	५२	३७	२३	११	५९	४९	४२	३५	३०	२७
२३	१	३	५	६	८	१०	११	१३	१५	१७	१८	२०	२२	२४	२६	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३
	४२	२४	६	४८	३२	१४	५७	४१	२५	१०	५६	४२	३०	१८	६	५६	५०	४३	३०	३३	३१	३०	४१	३४
२४	१	३	५	७	८	१०	१२	१४	१६	१८	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५
	४७	३४	२१	८	५६	४४	३२	२१	११	१	५२	४३	३६	३०	२४	२०	१८	१६	१६	१८	२२	४७	३४	५४
२५	१	३	५	७	९	११	१३	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३९	४१	४३	४५	४७
	५२	४४	३६	२८	२१	१४	८	५९	५७	५२	४८	४५	४३	४२	४३	४४	४७	५२	५७	५	१५	२६	४०	५६
२६	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४३	४५	४७	५०
	५७	५४	५२	४९	३७	४५	४४	४३	४३	४४	४६	४८	५२	५६	२	९	१८	२८	४०	५४	१३	२८	४८	१०
२७	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२७	२९	३१	३३	३५	३७	४०	४२	४५	४७	४९	५२
	२	५	७	१०	१३	७	२१	२६	३१	३७	४४	५२	२	१२	२३	३६	५१	६	२५	४५	७	३२	५८	२७
२८	२	४	६	८	१०	१२	१४	१७	१९	२१	२३	२५	२८	३०	३२	३५	३७	३९	४२	४४	४७	४९	५२	५४
	८	१२	२३	१३	४०	४९	५८	८	१९	३१	४४	५७	१२	२८	४६	५	२५	४८	१२	३८	६	३८	११	४७
२९	२	४	६	८	११	१३	१५	१७	२०	२२	२४	२७	२९	३१	३४	३६	३९	४१	४४	४६	४९	५१	५४	५७
	१३	२६	४०	५३	७	२२	३७	५२	९	२६	४४	४	२४	४८	१०	३५	२	२७	१	३३	८	४६	२७	९
३०	२	४	६	९	११	१३	१६	१८	२१	२३	२५	२८	३०	३३	३५	३८	४०	४३	४५	४८	५१	५३	५६	५९
	११	३७	५६	१५	३४	५५	१६	३७	०	२२	४६	१२	३९	६	३६	७	४०	१५	५२	३१	१३	५७	४५	३५
३१	२	४	७	९	१२	१४	१६	१९	२१	२४	२६	२९	३१	३४	३७	३९	४२	४५	४७	५०	५३	५६	५९	६२
	२४	५९	१३	३७	२	२९	५५	२३	५०	२१	५०	२१	५४	२७	४	४१	२१	२	४६	२८	२०	१२	६	४
३२	२	५	७	१०	१२	१५	१७	२०	२२	२५	२७	३०	३३	३५	३८	४१	४४	४६	४९	५२	५५	५८	६१	६४
	३०	०	३०	१	३२	४	३६	७	४३	१७	५४	३२	१०	४७	३३	१६	३	५२	४२	३५	३०	३०	३१	३७

क्रान्त्यंश चरसारिणी

अक्षांश	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
३३	२	५	७	१०	१३	१५	१८	२०	२३	२६	२८	३१	३४	३७	४०	४२	४५	४८	५१	५४	५७	६०	६३	६७
	३६	१२	४६	२५	२	३९	१६	५७	३७	१८	५९	४४	२९	१६	५	५६	४८	४४	४०	४१	४४	५१	५७	१३
३४	२	५	८	१०	१३	१६	१९	२१	२४	२७	३०	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५६	६०	६३	६६	६९
	४२	२४	५	४९	३२	१६	१	४५	३२	१९	६	५८	४९	४४	३९	३६	३६	३७	४३	५१	१	१५	३३	५४
३५	२	५	८	११	१४	१६	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५९	६२	६५	६९	७२
	४८	३६	२५	१४	१	५३	४४	३५	२४	२२	१७	१४	१३	१३	१५	१९	२७	३६	४४	४	२२	४४	१०	४०
३६	२	५	८	११	१४	१	२०	२३	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४८	५१	५४	५७	६१	६४	६८	७१	७५
	५४	४९	४४	३५	३५	३१	२८	२७	२६	२७	२९	३२	३७	४५	५०	६	२०	३७	५७	२०	४७	१७	५१	३०
३७	३	६	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३६	४०	४३	४६	४९	५३	५६	६०	६३	६७	७०	७४	७८
	१	२	३	५	६	१०	१४	१९	२५	३३	४१	५२	५	१९	३६	५५	१७	४१	७	४०	१५	५४	३९	२४
३८	३	६	९	१२	१५	१८	२२	२५	२८	३१	३४	३८	४१	४४	४८	५१	५५	५८	६२	६६	६९	७३	७७	८१
	८	१५	२३	३२	४१	४७	१	१३	२६	४१	५६	१४	३४	५४	२०	४७	१७	४९	२५	५	४८	३६	२८	२५
३९	३	६	९	१३	१६	१९	२२	२६	२९	३२	३६	३९	४२	४६	५०	५३	५७	६०	६४	६८	७२	७६	८०	८४
	१४	२९	४४	०	१५	३२	५०	८	२९	५०	१४	३९	५	३६	८	४२	२०	५८	४६	३४	२६	२३	२५	३२
४०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२७	३०	३४	३७	४१	४४	४८	५१	५५	५९	६३	६७	७१	७५	७९	८३	८७
	२१	४३	५	२७	४७	१४	३८	४	३३	२	३३	६	४१	१८	५८	४१	२८	१७	१०	६	१०	१६	२८	४५
४१	३	६	१०	१३	१७	२०	२४	२८	३१	३५	३८	४२	४६	४९	५३	५७	६१	६५	६९	७३	७७	८२	८६	९१
	२९	५९	२५	५६	२७	५६	३०	४	३९	१६	५५	३५	१९	५८	४३	४४	३९	३८	४०	४७	७८	१५	३७	५
४२	३	७	१०	१४	१८	२१	२५	२९	३२	३६	४०	४४	४७	५१	५५	५९	६३	६८	७२	७६	८०	८५	८९	९४
	३६	१२	४९	२६	०	४३	२३	५	४८	३१	१९	६	५९	५४	५१	५१	५५	४	१५	३१	५३	२०	५३	३२
४३	३	७	११	१४	१८	२२	२६	३०	३३	३७	४१	४५	४९	५३	५७	६२	६६	७०	७४	७९	८३	८८	९३	९८
	४४	२८	१२	५७	४३	२७	१८	७	५८	५१	५६	४४	४४	४७	५३	२	१६	३३	५५	२२	५४	३२	१६	७
४४	३	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	६४	६८	७३	७७	८२	८७	९१	९६	[illegible]
	५२	४४	३४	२९	२३	१८	१४	१०	१२	१०	१७	२३	३२	४०	५७	१८	४१	९	४१	१९	२	५२	४८	[illegible]
४५	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४९	५३	५७	६२	६६	७१	७५	८०	८५	९०	९५	[illegible]	[illegible]
	०	०	१	२	५	४	१०	१९	२७	३७	४७	५	२४	४५	१०	४०	१३	५१	३४	२३	१८	१९	[illegible]	[illegible]
४६	४	८	१२	१६	२०	२५	२९	३३	३७	४२	४६	५०	५५	५९	६४	६९	७३	७९	८३	८८	९३	९८	[illegible]	[illegible]
	९	१७	२७	३७	४८	०	१३	२८	४६	५	२७	५२	२१	५०	२६	६	५०	३९	३३	३४	४१	५६	[illegible]	[illegible]
४७	४	८	१२	१७	२१	२५	३०	३४	३९	४३	४८	५२	५७	६२	६६	७१	७६	८१	८६	९१	९७	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	१८	३५	५३	१२	३२	५१	१६	४०	७	३६	८	४२	१७	२	४८	३८	३३	३४	४१	५०	१४	[illegible]	[illegible]	[illegible]
४८	४	८	१३	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४५	४९	५४	५९	६४	६९	७४	७९	८४	८९	९५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	२७	२३	२१	४९	१८	३९	२१	४४	३०	१०	५२	३७	२६	१८	१५	१७	२४	३६	५६	२२	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
४९	४	९	१३	१८	२३	२७	३२	३७	४२	४६	५१	५६	६१	६६	७१	७७	८२	८७	९३	९८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	३६	१३	५०	२७	५	४७	२९	१३	०	४९	४१	३७	३६	४०	४९	३	२०	४८	१०	५८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

क्रान्त्यांश चरसारिणी

अक्षांश	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
५०	४	९	१४	१९	२३	२८	३३	३८	४३	४८	५३	५८
	४६	३२	१९	७	५६	४७	३९	३४	३२	३१	३५	४२
५१	४	९	१४	१९	२४	२९	३४	४०	४५	५०	५५	६०
	५६	५३	५२	४९	४९	५०	५३	०	७	१८	३३	५२
५२	५	१०	१५	२०	२५	३०	३६	४१	४६	५२	५७	६३
	७	२५	२३	३२	४३	५४	१०	२७	४७	७	३७	९
५३	५	१०	१५	२१	२६	३२	३७	४२	४८	५४	५९	६५
	१८	३७	५७	१८	४०	४	३१	५६	३२	८	४८	३२
५४	५	११	१६	२२	२७	३३	३८	४४	५०	५६	६२	६८
	३०	१	३३	४	४०	१६	५५	३७	५२	११	४	२
५५	५	११	१७	२२	२८	३४	४०	४६	५२	५८	६४	७०
	४३	२६	१०	५६	४३	३१	२४	१८	१८	२०	२८	४१
५६	५	११	१७	२३	२९	३५	४१	४८	५४	६०	६७	७३
	५६	५२	५०	४८	४९	५१	५७	७	१९	३५	०	२८
५७	६	१२	१८	२४	३०	३७	४३	५०	५६	६३	६९	७६
	१०	२०	३१	४४	५६	१०	३६	१	२८	१	४०	२५
५८	६	१२	१९	२५	३२	३८	४५	५१	५८	६५	७२	७९
	२४	४९	१५	४२	१२	४४	१७	५१	४४	३४	३०	२६
५९	६	१३	२०	२६	३३	४०	४७	५४	६१	६८	७५	८२
	४०	२०	१	४४	२९	१८	१०	६	६	१६	३०	५२
६०	६	१३	२०	२७	३४	४१	४९	५६	६३	७१	७८	८६
	५६	५२	५०	५०	४६	५७	७	२२	४१	६	४२	२५
६१	७	१४	२१	२८	३६	४३	५१	५८	६६	७४	८२	९०
	१३	२७	४२	५९	१९	४३	११	४५	१९	१२	५	१२
६२	७	१५	२२	३०	३७	४५	५३	६१	६९	७७	८५	९४
	३२	४	३८	१७	५०	३६	२४	१६	१५	२१	४६	७
६३	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	६४	७२	८०	८९	९८
	५१	४३	३७	३३	३२	३७	४७	२	२६	५९	४२	१९
६४	८	१६	२४	३२	४१	४९	५८	६६	७५	८४	९३	१०३
	१२	२५	४०	५८	२०	४६	१९	५९	४८	४६	५५	२१
६५	८	१७	२५	३४	४३	५२	६१	७०	७९	८८	९८	१०८
	३५	११	४९	३०	१५	४	४	१०	२५	५२	३३	२४
६६	८	१८	२७	३६	४५	५४	६४	७३	८३	९३	१०३	११४
	५९	०	२	९	२०	३७	९	३६	२१	१९	३३	४

क्रान्त्यांश						चरसारिणी						
अक्षांश	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
५०	६३	६९	७४	७९	८५	९१	९६	१०२	१०८	११५	१२१	१२८
	५२	९	२९	५६	२८	४	५४	५०	५४	८	३३	११
५१	६६	७१	७७	८२	८८	९४	१००	१०६	११३	११९	१२६	१३३
	२६	४४	१७	५७	४४	३७	३९	४७	११	४३	२७	२५
५२	६८	७४	८०	८६	९२	९८	१०४	१११	११७	१२४	१३१	१३८
	४५	२६	१४	८	६	११	३६	४	४३	३४	३८	५८
५३	७१	७७	८३	८९	९५	१०२	१०८	११५	१२२	१२९	१३७	१४४
	२२	१७	१९	२८	४५	१०	४६	३२	३०	४१	८	५२
५४	७४	८०	८६	९३	९९	१०६	११३	१२०	१२७	१३५	१४३	१५१
	७	१७	३४	०	३२	१६	९	१५	३४	९	०	१०
५५	७६	८३	९०	९६	१०३	११०	११७	१२५	१३२	१४०	१४९	१५७
	५९	३६	०	४२	३३	३५	४९	१७	५९	५८	१६	५६
५६	८०	८६	९३	१००	१०७	११५	१२२	१३०	१३८	१४७	१५६	१६५
	४	४६	३८	३८	३९	११	४७	३८	४५	११	०	१३
५७	८३	९०	९७	१०४	११७	१२०	१२८	१३६	१४४	१५३	१६३	१७३
	१८	१९	२६	४९	१०	५	५	२१	५६	५४	१६	७
५८	८६	९४	१०१	१०९	११७	१२५	१३३	१४२	१५१	१६१	१७१	१८१
	४४	६	३४	१६	१०	१९	४५	३२	३६	८	९	४६
५९	९०	९८	१०५	११३	१२२	१३०	१३९	१४९	१५८	१६९	१७९	१९१
	२३	४	५६	५६	२०	५६	५९	८	५०	९	४७	१५
६०	९४	१०२	११०	११९	१२७	१३७	१४६	१५६	१६६	११७	१८९	२०१
	१७	२०	३७	५	५४	०	२७	१९	४१	३९	१८	५०
६१	९८	१०६	११५	१२४	१३३	१४३	१५३	१६४	१७५	१८७	१९९	२१३
	११	५५	३८	३६	५४	३३	३७	७	१९	१०	५४	४५
६२	१०२	१११	१२१	१३०	१४०	१५०	१६१	१७२	१८४	१९७	२११	२२७
	५६	५१	३	३२	२४	४०	२६	४७	५२	४९	५३	२७
६३	१०७	११७	१२६	१३७	१४७	१५८	१७०	१८२	१९२	२०९	२२५	२४३
	४६	११	५५	०	२९	२९	४	२१	३२	५१	४०	३७
६४	११२	१२२	१३३	१४४	१५५	१६७	१७९	१९३	२०७	२२३	२४१	२६३
	५७	५८	१८	२	१६	६	३८	४	३८	४३	५८	३७
६५	११८	१२९	१४०	१५१	१६३	१७६	१९०	२०५	२२१	२४०	२६२	२८९
	४२	१७	१४	४७	५२	४०	२३	१४	३७	११	११	१९
६६	१२४	१३६	१४७	१६०	१७३	१८७	२०२	२१९	२३८	२६०	२८९	३५४
	५६	१३	५७	३२	२८	२८	३६	१९	१५	३८	४४	४०

वेलान्तर सारिणी (दिसम्बर ता० २६ से अप्रैल ता० १६ तक तथा जून ता० १५ से सितम्बर ता० २ तक फल धन रहेगा, इससे भिन्न समय में ऋण रहेगा।)

तारीख	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
जनवरी	+३ ७	३ ३५	४ ४	४ ३३	४ ५९	५ २५	५ ५३	६ १९	६ ४५	७ ११	७ ३५	७ ५९	८ २३	८ ४५	९ ७	९ २०
फरवरी	+१३ ३१	१३ ४१	१३ ४७	१३ ५३	१४ ०	१४ ६	१४ १०	१४ १३	१४ १७	१४ १८	१४ २१	१४ २०	१४ १९	१४ १९	१४ १७	१४ १३
मार्च	+१२ ३८	१२ २७	१२ १४	१२ ३	११ ५१	११ ३७	११ २३	११ ९	१० ५५	१० ४०	१० २४	१० ७	९ ५२	९ ३७	९ २०	९ ५
अप्रैल	+४ १५	३ ५७	३ ३८	३ २१	३ ४	२ ४४	२ २९	२ १२	१ ५५	१ ४०	१ २२	१ ८	० ५१	० ३३	० २२	+० ५
मई	-२ ४९	२ ५६	३ २	३ १०	३ १७	३ २१	३ २४	३ ३१	३ ३४	३ ३८	३ ४०	३ ४२	३ ४३	३ ४५	३ ४४	३ ४५
जून	-२ २९	२ २०	२ १२	२ १	१ ५२	१ ४०	१ २९	१ १७	१ ८	० ५५	० ४३	० ३१	० २०	-० ७	+० ६	० १८
जुलाई	+३ २९	३ ४१	३ ५२	४ ५	४ १५	४ २६	४ ३६	४ ४६	४ ५५	५ ३	५ १३	५ २२	५ ३१	५ ३७	५ ४३	५ ५०
अगस्त	+६ १८	६ १४	६ ११	६ ५	६ २	५ ५६	५ ५०	५ ४२	५ ३५	५ २८	५ १८	५ ९	४ ५९	४ ४९	४ ३७	४ २६
सितम्बर	+० ९	+० ०	-० १९	० ३८	० ५६	१ १७	१ ३८	१ ५८	२ १८	२ ३९	३ १	३ २१	३ ४१	४ ३	४ २४	४ ४४
अक्टूबर	-९ ५८	१० १७	१० ३६	१० ५४	११ १३	११ ३२	११ ४९	१२ ६	१२ २२	१२ ४०	१२ ५६	१३ १३	१३ २७	१३ ४३	१३ ५६	१४ १०
नवम्बर	-१६ २०	१६ २२	१६ २३	१६ २३	१६ २२	१६ २२	१६ १९	१६ १५	१६ १३	१६ ८	१६ २	१५ ५६	१५ ४९	१५ ४२	१५ ३२	१५ ३३
दिसम्बर	-११ १९	१० ५७	१० ३३	१० १२	९ ४७	९ २२	८ ५६	८ ३३	८ ६	७ ३९	७ १२	६ ४५	६ १७	५ ४९	५ २०	४ ५२

तारीख	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
जनवरी	९ ५०	१० ११	१० २९	१० ४८	११ ६	११ २३	११ ३९	११ ५५	१२ ११	१२ २४	१२ ३७	१२ ४८	१३ १	१३ १२	+१३ २२
फरवरी	१४ ११	१४ ८	१४ २	१३ ५६	१३ ५१	१३ ४३	१३ ३७	१३ २९	१३ २०	१३ १०	१३ ०	+१२ ४९			
मार्च	८ ४९	८ २७	८ ११	७ ५३	७ ३५	७ १७	६ ५८	६ ४१	६ २४	६ ४	५ ४५	५ २८	५ ८	४ ५२	+४ ३३
अप्रैल	-० १०	० २४	० ३७	० ५१	१ ४	१ १८	१ २९	१ ४१	१ ५०	२ ४	२ १४	२ २३	२ ३२	-२ ४१	
मई	३ ४४	३ ४२	३ ४०	३ ३८	३ ३४	३ ३३	३ २८	३ २३	३ १८	३ १२	३ ५	३ १	२ ५३	२ ४५	-२ ३७
जून	० ३०	० ४४	० ५७	१ १०	१ २२	१ ३७	१ ४०	२ १	२ १३	२ २७	२ ४०	२ ५१	३ ६	+३ १७	
जुलाई	५ ५६	६ २	६ ६	६ ९	६ १४	६ १७	६ १९	६ २०	६ २३	६ २४	६ २५	६ २४	६ २३	६ २२	+६ २०
अगस्त	४ १५	४ २	३ ४९	३ ३५	३ २०	३ ६	२ ५१	२ ३६	२ २१	२ ३	१ ४८	१ ३१	१ १२	० ५६	+० ३७
सितम्बर	५ ७	५ २८	५ ४९	६ ११	६ ३०	६ ५४	७ १६	७ ३६	७ ५६	८ १७	८ ३८	८ ५८	९ १८	-९ ३८	
अक्टूबर	१४ २२	१४ ३५	१४ ४७	१४ ५९	१५ ८	१५ १९	१५ २८	१५ ३८	१५ ४५	१५ ५२	१५ ५९	१६ ५	१६ ८	१६ १४	-१६ १७
नवम्बर	१५ १३	१५ १	१४ ५८	१४ ३६	१४ २२	१४ ७	१३ ५२	१३ ३५	१३ १७	१३ १	१२ ४२	१२ २२	१२ २	-११ ४१	
दिसम्बर	४ २२	३ ५४	३ २४	२ ५५	२ २४	१ ५५	१ २५	० ५५	-० २५	+० ५	० ३५	१ ५	१ ३४	२ ४	+२ ३३

भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांश रेखांश एवं रेखान्तर समय

नगर	अक्षांश		रेखांश			रेखांतर	
	अंश	कला	अंश	कला		मि.	से.
अकलकोट	१७	३२	७६	१३	–	२५	८
अंकलेश्वर	२१	३९	७२	५९	–	३८	४
अकोला	२०	४२	७७	२	–	२१	५२
अजमेर२६	२७	७४	४२	–	३१	१२	
अजन्ता (है.)	२०	३३	७५	४८	–	२६	४८
अजन्ता (म.प्र.)	२०	२०	७७	१०	–	२१	२०
अमरावती	२०	५६	७७	४८	–	१८	४८
अमृतसर	३१	३७	७४	५५	–	३०	२०
अयोध्या	२६	४८	८२	१४	–	१	४
अनाइमुडी	१०	२४	७६	४०	–	२३	२०
पहाडियाँ							
अरकोणम्	१३	५	७९	४३	–	११	८
अर्काट	१२	५६	७९	२४	–	१२	२४
अलवर२७	३४	७६	३८	–	२३	२८	
अलीगढ़	२७	५४	७८	६	–	१७	३६
अलीपुर (प.ब.)	२२	३२	८८	२४	+	२३	३६
अलीपुरा (म.)	२५	१०	७९	२२	–	१२	३२
अल्मोड़ा	२९	३७	७९	४०	–	११	२०
असाई (है.)	२०	१५	७५	५८	–	२६	८
अहमद नगर	१९	५	७४	४८	–	३०	४८
अहमदाबाद	२३	२	७२	३७	–	३९	३२
अहरौरा	२४	५९	८२	२	–	१	५२
आगरा	२७	१०	७८	५	–	१७	४०
आजमगढ़	२६	३	८३	१३	+	२	५२
आदिलाबाद	१९	३७	७८	३०	–	१६	०
आबू (राज.)	२४	४०	७२	४५	–	३९	०
आसनसोल	२२	४२	८७	१	+	१८	४
अगरतला (त्रि.)	२३	५०	९१	२३	+	३५	३२

नगर	अक्षांश		रेखांश			रेखांतर	
	अंश	कला	अंश	कला		मि.	से.
अंजार (कच्छ)	२३	७	७०	१	–	४९	५६
अंबाजी (गु.)	२४	२२	७२	५६	–	३८	१६
अनंतपुर (आं.)	१४	४१	७७	३९	–	१९	२४
आनन्द (गु.)	२२	३५	७२	५८	–	३८	८
अमरेली	२१	३६	७१	१२	–	४५	१२
इगतपुरी	१९	४२	७३	३५	–	३५	४०
इटारसी	२२	३०	७७	५५	–	१८	२०
इटावा	२६	४७	७९	२	–	१३	५२
इन्द्रगढ़ (रा.)	२५	४४	७६	१२	–	२५	१२
इन्दौर	२२	४४	७५	५४	–	२६	२४
इंरोड (मद्रास)	११	२०	७७	४६	–	१८	५६
ईडर	२३	५०	७३	२	–	३७	५२
इंफल (आं)	२४	४४	९३	५८	+	४५	५२
इलाहाबाद	२५	२८	८१	५४	–	२	२४
इस्लामाबाद(का.)	३३	४३	७५	१७	–	२८	५२
उज्जैन	२३	९	७५	४३	–	२७	८
उटकमंड	११	२४	७६	४४	–	२३	४
उडमलपेठ	१०	३६	७९	१९	–	१२	४४
उडीपी	१३	१८	७४	४०	–	३१	२०
उदयपुर (त्रि.)	२३	३१	९१	२१	+	३५	२४
उदयपुर (रा.)	२४	४२	७३	३३	–	३५	४८
ऊँझा (उ.गु.)	२३	४७	७२	२४	–	४०	२४
उदयगिरि (आं.)	१४	५२	७९	१९	–	१२	४४
उस्मानाबाद	१८	८	७६	६	–	२५	३६
एकलिंगजी (रा.)	२४	४३	७३	४३	–	२५	८
एन्नुर (मद्रास)	१३	१४	८०	२२	–	८	३२
एलोरा	२०	२	७५	१३	–	२९	८
एल्लोर (आं.)	१६	४२	८१	९	–	५	२४

भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांश रेखांश एवं रेखान्तर समय

नगर	अक्षांश		रेखांश			रेखांतर	
	अंश	कला	अंश	कला		मि.	से.
ओखाबंदर	२२	१५	६९	१०	—	५३	२०
औंध (सता.)	१७	३३	७४	२३	—	३२	२८
औरंगाबाद	१९	५३	७५	२३	—	२८	२८
अंबाला (पंजाब)	३०	२१	७६	५२	—	२२	३२
उन्नाव	२६	४८	८०	४३	—	७	८
कटक (उड़ीसा)	२०	२८	८५	५४	+	१३	३६
कटनो (म.प्र.)	२३	४७	८०	२७	—	८	१२
काण्णनूर (मद्रास)	११	५२	७५	२५	—	२८	२०
कनारक (उड़ीसा)	१९	५३	८६	८	+	१४	३२
कन्नौज (उ.प्र.)	२७	३	७९	५८	—	१०	८
कर्नाटिक (म.)	१२	०	८०	०	—	१०	०
कर्नूल (आंध्र)	१५	५०	७८	५	—	१७	४०
कलकत्ता	२२	३४	८८	२४	+	२३	३६
करनाल (पंजाब)	२९	४२	७७	२	—	२१	५२
कल्याण (महा.)	१९	१४	७३	१०	—	३७	२०
कानपुर (उ.प्र.)	२६	२८	८०	२४	—	८	२४
कामेटशिखर (उ.)	३०	५६	७९	३६	—	११	३६
कालीकट	११	१५	७५	४९	—	२६	४४
केपकामोरीन अंतरीप (मद्रास)	८	४	७७	३६	—	१९	३६
कारवार	१४	४८	७४	८	—	३३	२८
कांजीवरम् (मद्रा.)	१२	५०	७९	४५	—	११	०
किशनगंज (बि.)	२६	१०	८८	०	+	२२	०
किशनगढ़(राज.)	२६	३५	७४	५६	—	३०	१६
कुचबिहार (पं.ब.)	२६	२०	८९	२९	+	२७	५६
कुडप्पा (आंध्रा)	१४	२८	७८	४९	—	१४	४४
कुनुर (मद्रास)	११	२०	७६	५०	—	२२	४०
कुंभकोनम्(मद्रास)	१०	५८	७९	२५	—	१२	२०
कृष्णनगर (पं.ब.)	२३	२४	८८	३३	+	२४	१२
कुशलगढ़ (राज.)	२३	८	७४	२७	—	३२	१२
केसरीआजी(राज.)	२४	५	७३	४०	—	३५	२०
कोकोनाड़ा (आं.)	१६	५७	८२	१५	—	१	०
कोचीन	९	५८	७६	१७	—	२४	५२
कोटा(राज)	२५	१०	७५	५२	—	२६	३२
कोट्टयम (कोचीन)	९	३६	७६	३४	—	२३	४४
कोडेकनाल (मं)	१०	१३	७७	३२	—	१९	५२
कोयंबतूर (मद्रास)	११	०	७७	०	—	२२	०
कोल्हापुर	१६	४२	७४	१६	—	३२	५६
कोल्लूर (मद्रास)	१३	४३	७४	१३	—	३३	८
कोलार (मैसूर)	१३	९	७८	११	—	१७	१६
कांगडा (पंजाब)	३२	५	७६	१८	—	२४	४८
खडकी (पूना)	१८	१३	७३	५४	—	३४	२४
खंडवा (म.प्र.)	२१	५०	७६	२३	—	२४	२८
खड्गपुर (प.ब.)	२२	२०	८७	१९	+	१९	१६
खंभात (गु.)	२२	१९	७२	३८	—	३९	२८
खागधोडा (गु.)	२३	१०	७१	४२	—	४३	१२
खेड़ा (गु.)	२२	४५	७२	४०	—	३९	२०
गया (बिहार)	२४	४९	८५	१	+	१०	४
गदग	१५	२५	७५	४२	—	२७	१२
गढ़वाल	३०	१५	७९	३०	—	१२	०
ग्वालियर	२६	१४	७८	१०	—	१७	२०
गाजीयाबाद	२८	४०	७७	२८	—	२०	८
गाजीपुर (उ.प्र.)	२५	३४	८३	३५	+	४	२०
गंगापुर (रा.)	२६	२९	७६	४५	—	२३	०
गुंटूर (आंध्र)	१६	१८	८०	२९	—	८	४
गिरसप्पाप्रपात	१४	१८	७४	५५	—	३०	२०
गिरीडीह (बिहार)	२४	१०	८६	२१	+	१५	२४

भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांश रेखांश एवं रेखान्तर समय

नगर	अक्षांश अंश	अक्षांश कला	रेखांश अंश	रेखांश कला		रेखांतर मि.	रेखांतर से.
गुड़गाँव (पंजाब)	२८	३७	७७	४	–	२१	४४
गुर्दासपुर (पंजाब)	३२	३	७५	२७	–	२८	१२
गुल्बर्गा (हैदरा.)	१७	१९	७६	५४	–	२२	२४
गूटी (आंध्र)	१५	७	७७	४१	–	१९	१६
गोवा	१५	३०	७३	५७	–	३४	१२
गोधरा	२२	४५	७३	४०	–	३५	२०
गोपालगुर (उडी.)	१९	१६	८४	५७	+	९	४८
गोरखपुर (उ.प्र.)	२६	४५	८३	२४	+	३	३६
गोलपारा (आ.)	२६	११	९०	४१	+	३२	४४
गोंडल (सौराष्ट्र)	२१	५५	७०	५२	–	४६	३२
गोंडा (उ.प्र.)	२७	२८	८२	१	–	१	५६
गोंदिया (म.प्र.)	२१	२८	८०	२९	–	८	४
गोहाटी (आसाम)	२६	११	९१	४७	+	३७	८
गंजम (उड़ीसा)	१९	२२	८५	६	+	१०	२४
घोघरा (उ.प्र.)	२७	३०	८१	२०	–	४	४०
चम्वल	२४	४८	७५	२०	–	२८	४०
चालीस गाँव	२०	३३	७५	१०	–	२९	२०
चांदा (म.प्र.)	१९	५७	७९	२१	–	१२	३६
चंडीगढ़ (पंजाब)	३०	४४	७६	२५	–	२४	२०
चिदम्बरम् (म.)	११	२४	७९	४४	–	११	४
चित्तोड़गढ़ (रा.)	२४	५४	७४	४२	–	३१	१२
चित्तूर (आंध्र)	१३	१३	७९	८	–	१३	२८
चेरापूंजी (आ.)	२५	१७	९१	४७	+	३७	८
छिंदवाडा (म.)	२२	३	७८	५९	–	१४	४
छत्तीसगढ़ (म.)	२१	३०	८२	०	–	२	०
छोटा उदयपुर (गु.)	२२	१८	७४	८	–	३३	२८
छपरा (विहार)	२५	४७	८४	४१	+	८	४४
छोटा नागपुर (वि.)	२३	०	८५	०	+	१०	०
जमशेदपुर (वि)	२२	५०	८६	१०	+	१४	४०
जम्मू (काश्मीर)	३२	४४	७४	५४	–	३०	२४
जवलपुर (म.प्र.)	२३	१०	७९	५९	–	१०	४
जमालपुर (वि)	२५	१९	८६	३२	+	१६	८
जयपुर (आसाम)	२७	१५	९२	२६	+	३९	४४
जयपुर (रा.)	२६	५५	७५	५२	–	२६	३२
जलगाँव	२१	५	७५	४०	–	२७	२०
जलपाईगुरी (वं.)	२६	३२	८८	४६	+	२५	४
जालंधर(पंजाव)	३१	१९	७५	१८	–	२८	४८
जसवंतनगर (उ.)	२६	५१	७८	५५	–	१४	२०
जामनगर (गुज)	२२	२७	७०	५	–	४९	४०
जावरा (म.प्र.)	२३	३८	७५	७	–	२९	३२
जालोर (राज.)	२५	२२	७२	५८	–	३८	८
जूनागढ़ (सौराष्ट्र)	२१	३१	७०	३६	–	४७	३६
जैसलमेर (राज.)	२६	५५	७०	५७	–	४६	१२
जोधपुर (राज.)	२६	१८	७३	४	–	३७	४४
जोगिंदरनगर (पं)	३१	५०	७६	४५	–	२३	०
जौंनपुर (उ.प्र.)	२५	४६	८२	४४	+	०	५६
झरिया (विहार)	२३	५०	८६	३३	+	१६	१२
झालावाड (राज.)	२४	३६	७६	९	–	३३	२४
झालोद (गुज.)	२३	७	७४	८	–	३३	२८
झांसी (उ.प्र.)	२५	२७	७८	३३	–	१५	३२
झाबुआ (म.प्र.)	२२	४५	७४	३८	–	३१	२८
टनकपुर (उ.प्र.)	२९	१०	८०	१८	–	८	४८
टुमकुर (मैसूर)	१३	२०	७७	८	–	२१	२८
टोंक (राज.)	२६	११	७५	५०	–	२६	४०
टुंडला (उ.प्र.)	२७	१३	७८	१३	–	१७	८
टेहरी (टीकमगढ़)	२४	४५	७८	५३	–	१४	२८
डीसा (गुज.)	२४	१४	७२	१३	–	४१	८
डिब्रूगढ़ (आ.)	२७	२९	९४	५८	+	४९	५२

भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांश रेखांश एवं रेखान्तर समय

नगर	अक्षांश		रेखांश			रेखांतर		नगर	अक्षांश		रेखांश			रेखांतर	
	अंश	कला	अंश	कला		मि.	से.		अंश	कला	अंश	कला		मि.	से.
डूँगरपुर (राज.)	२३	५०	७३	५०	–	३४	४०	देवास (म.प्र.)	२२	५८	७६	६	–	२५	३६
डुम्मस (गुज.)	२१	६	७२	४१	–	३९	१६	देहरादून	३०	१९	७८	४	–	१७	४४
डुर्ग (म.प्र.)	२१	११	८१	१७	–	४	५२	दौलताबाद	१९	५७	७५	१५	–	२९	०
डोंगरगढ़ (म.प्र)	२१	१२	८०	५०	–	६	४०	धनबाद (बिहार)	२३	४७	८६	२४	+	१५	३६
तलेगाँव (पूना)	१८	४२	७३			३५	२०	धनुष्कोडि (म.)	९	१०	७९	२८	–	१२	८
तांजोर (मद्रास)	१०	४७	७९			[illegible]	८	धर्मशाला (पंजाब)	३२	१६	७६	२३	–	२४	२८
तिरुचिरापल्ली	१०	५०	७८	४६	–	१४	५६	धार (मं.प्र)	२२	३५	७५	२०	–	२८	४०
तिरुपति (आंध्र			७९	२०	–	१२	४०	धारवार (महा)	१५	२७	७५	५	–	२९	४०
तिरुमं[illegible])	९	४९	७८	१	–	१७	५६	धरमपुर (गुज.)	२०	३२	७३	१३	–	३७	८
तिरुबल्लूर (मं)	१[illegible]	९	[illegible]				१२	धांङ (पूना)	१८	३२	७४	४०	–	३१	२०
तूतीकोरिन (मं)	८	[illegible]			–	[illegible]	१६	धौलपुर (राज.)	२६	४२	७७	५३	–	१८	२८
तेजपुर (आं)	२६	३[illegible]	[illegible]	५०	+	४१	२०	धांगध्रा (सौराष्ट्र)	२२	५९	७१	३१	–	४३	५६
त्रिपुरा (बंगाल)	२३	४५	[illegible]	[illegible]	+	३६	०	नड़ीआद	२२	४१	७२	५५	–	३८	२०
त्रिनेन्द्रम	८	[illegible]				२२	४	नरसिंहपुर (आ.)	२०	३८	८५	७	+	१०	२८
त्रिनेवल्ली	८	४२				१८	१२	नरसिंहगढ़(म.)	२३	४१	७७	५	–	२१	४०
त्रिचूर	१०	३०	७६	१५	–	२५	०	नवसारी (गुज.)	२१	७	७२	५५	–	३८	२०
थाणा (महां)	१९	१२	७३	२	–	३७	५२	नवलगढ़	२७	५१	७५	१६	–	२८	५६
थानेसर (पंजाब)	२९	५८	७६	५६	–	२२	१६	नलीआ (कच्छ)	२३	१६	६८	४९	–	५४	४४
दमण (गुजरात)	२०	२५	७२	५३	–	३८	२८	नसीराबाद (रा.)	२६	१८	७४	४६	–	३०	५६
दरभंगा (बिहार)	२६	१०	८५	५१	+	१३	२४	नागपुर (म.प्र.)	२१	९	७९	९	–	१३	२४
दहाणु (गुज.)	१९	५९	७२	४३	–	३९	८	नागोर (राज.)	२७	११	७३	४२	–	३५	१२
दार्जिलिंग (पं.ब.)	२७	३	८८	१८	+	२३	१२	नाथद्वारा (राज.)	२४	५६	७३	४८	–	३४	४८
दाहोद	२२	५०	७४	१६	–	३२	५६	नागरकोईल	८	११	७७	२९	–	२०	४
दिल्ली	२८	३८	७७	१२	–	२१	१२	नागा पहाडियाँ	२६	०	९४	२०	+	४७	२०
दावनगिरी (मै.)	१४	३१	७५	५८	–	२६	८	नानपारा (उ.प्र.)	२७	५२	८१	३३	–	३	४८
द्वारका (गुज.)	२२	१४	६९	१	–	५३	५६	नालंदा (बिहार)	२५	९	८५	२४	+	११	३६
देवगढ़बारीआ	२२	४२	७३	५३	–	३४	२८	नासिकं	२०	२	७३	५०	–	३४	४०
देवगढ़ (उड़ीसा)	२१	३२	८४	४६	+	९	४	निजामाबाद	१८	४०	७८	१०	–	१७	२०
देवलाली	१९	५६	७३	५०	–	३४	४०	निमच (राज.)	२४	२७	७४	५२	–	३०	३२

भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांश रेखांश एवं रेखान्तर समय

नगर	अक्षांश अंश	कला	रेखांश अंश	कला		रेखांतर मि.	से.
नीलगिरि (आं.)	२१	२७	८६	४९	+	१७	१६
निलगिरि पहा.	११	२४	७६	४७	–	२२	५२
नेल्लोर (आंध्र)	१४	२७	८०	०	–	१०	०
नैनीताल (उ.प्र.)	२९	२३	७९	३०	–	१२	०
नैहाटी (प.ब.)	२२	५४	८८	२८	+	२३	५२
पंचगीनी	१७	५४	७३	४९	–	३४	४४
पंजीम	१५	३०	७३	५५	–	३४	२०
पंचमढी (म.प्र.)	२२	३०	७८	२२	–	१६	३२
पनवेल (कोलाबा)	१९	०	७३	७	–	३७	३२
पन्ना (बि.प्र.)	२४	४३	८०	१२	–	९	१२
पटना (बिहार)	२५	३७	८५	१३	+	१०	५२
पटकई (आसाम)	२७	०	९५	३०	+	५२	०
पठाणकोट (पं.)	३२	१७	७५	४२	–	२७	१२
पंढरपुर	१७	४१	७५	२३	–	२८	२८
प्रतापगढ़ (राज.)	२४	२	७४	४५	–	३१	०
प्रतापगढ़ (उ.प्र.)	२५	५३	८१	५८	–	२	८
पटियाला (पं)	३०	२०	७६	२५	–	२४	२०
पटौडी (पं.)	२८	१८	७६	४८	–	२२	४८
परली (बैजनाथ)	१८	५१	७६	३२	–	२३	५२
पल्लावरम् (म.)	१२	५८	८०	१३	–	९	८
पलनी (म.)	१०	०	७७	०	–	२२	०
पलासी (प.ब.)	२३	४७	८८	१७	+	२३	८
प्रयाग (उ.प्र.)	२५	३०	८१	५६	–	२	१६
पाटण (उ.गु.)	२३	५२	७२	१०	–	४१	२०
पाटण (सतारा)	१७	२२	७३	५३	–	३४	२८
पानीपत (पंजाब)	२९	२३	७७	१	–	२१	५६
प्रांतीज (उ.गु.)	२३	२६	७२	५१	–	३८	३६
पारसनाथ (बि.)	२४	०	८६	११	+	१४	४४
पालनपुर (गुज.)	२४	१२	७२	२८	–	४०	८

नगर	अक्षांश अंश	कला	रेखांश अंश	कला		रेखांतर मि.	से.
पालघाट (म.)	१०	४६	७६	४२	–	२३	१२
पालमकोट्टा (म.)	८	४३	७७	४६	–	१८	५६
पालीताना (गुज.)	२१	३१	७१	५०	–	४२	४०
पालामऊ (बि.)	२३	५२	८४	१७	+	७	८
पाली (राज.)	२५	३६	७३	२५	–	३६	२०
पावागढ़ (गुज.)	२२	३०	७३	३२	–	३५	५२
पांडिचेरी (म.)	११	५६	७९	५३	–	१०	२८
पोशापुरम् (आं.)	१७	४	८२	१२	–	१	१२
पीलानी (राज.)	२८	२२	७५	३५	–	२७	४०
पीरमीड (म.)	९	३०	७७	२	–	२१	५२
पीलीभीत (उ.प्र.)	२८	३८	७५	५१	–	२६	३६
पुरुलिया (बिहार)	२३	२०	८६	२५	+	१५	४०
पुरी जगन्नाथ	१९	४८	८५	५२	+	१३	२८
पूना	१८	३०	७३	५५	–	३४	२०
पूर्निया (बिहार)	२५	४९	८७	३१	+	२०	४
पूलिकट (मद्रास)	१३	२५	८०			८	३६
पेटलाद (गुज.)	२२	२९	७२	५०	–	३	४०
पैठण (हैदरा.)	१९	२९	७५	२६	–	२८	२६
पोन्नानी (म.)	१०	४७	७५	[illegible]	–	२६	८
पोर्टब्लेयर (अंड.)	११	४				४०	५२
पोरबंदर (गुज.)	२१					५०	४४
फतेहगढ़ (उ.प्र.)	२७	२२	७९	४०	–	११	२०
फतेहपुर (उ.प्र.)	२५	५५	८०	५२	–	६	३२
फतेपुर (राज.)	२८	०	७५	२	–	२९	५२
फतेहाबाद (पं.)	२९	३१	७५	२०	–	२८	४०
फर्रुखाबाद (उ.)	२७	२४	७९	३७	–	११	३३
फालना (राज.)		५	७२	५९	–	३८	४
फिरोजाबाद (उ.)	२७	९	७८	२४	–	१६	२४
फिरोजपुर (पं.)	३०	५५	७४	४०	–	३१	२०

भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांश रेखांश एवं रेखान्तर समय

नगर	अक्षांश अंश	अक्षांश कला	रेखांश अंश	रेखांश कला		रेखांतर मि.	रेखांतर से.
फैजाबाद (उ.)	२६	४७	८२	१२	–	१	१२
बक्सर (बिहार)	२५	३४	८४	१	+	६	४
बडनेरा (म.प्र.)	२०	५२	७७	४६	–	१८	५६
बड़ौदा	२२	१८	७३	१६	–	३६	५६
बद्रीनाथ	३०	४४	७९	३२	–	११	५२
बम्बई	१८	५५	७२	५०	–	३८	४०
बर्दवान (प.बं.)	२३	१६	८७	५४	+	२१	३६
बरेली (उ.प्र.)	२८	२२	७९	२७	–	१२	१२
बलरामपुर (उ.प्र.)	२७	२४	८२	१०	–	१	२०
बांकुरा (प.बं.)	२३	२४	८७	५	+	१८	२०
बागलकोट	१६	११	७५	४२	–	२७	१२
बांदा (उ.प्र.)	२५	२८	८०	१२	–	९	१२
बारडोली (सुरत)	२१	७	७३	७	–	३७	३२
बाराबांकी (उ.प्र.)	२६	५५	८१	१०	–	५	२०
बालाघाट (म.प्र.)	२१	४८	८०	१२	–	९	१२
बालासोर (ओ.)	२१	३०	८६	५६	+	१७	४४
ब्यावर (राज.)	२६	६	७४	१९	–	३२	४४
बारामुला (का.)	३४	१०	७४	३०	–	३२	०
बाल्टिस्तान (का.)	३५	३०	७६	०	–	२६	०
बालेश्वर (ओ.)	२१	३०	८६	५४	+	१७	३६
बांकीपुर (बिहार)	२५	४०	८५	१२	+	१०	४८
बांसवाड़ा (राज.)	२३	३०	७४	२४	–	३२	२४
बीकानेर (राज.)	२८	१	७३	२२	–	३६	३२
बिजनौर (उ.प्र.)	२९	२२	७८	३०	–	१६	०
बीजापुर	१६	५०	७५	४७	–	२६	५२
बुद्धगया (बिहार)	२४	४२	८५	२	+	१०	८
बोलोमोरा(गुज.)	२०	४६	७२	५८	–	३८	८
बुडगाम (कां.)	१६	५४	७४	३६	–	३१	३६
बूंदी (राज.)	२५	२७	७५	४१	–	२७	१६
बुन्देलखण्ड	२४	४०	८०	०	–	१०	०
बुरहानपुर (म.)	२१	१७	७६	१६	–	२४	५६
बुलन्दशहर (उ.)	२८	२४	७७	५४	–	१८	२४
बेतूल (म.प्र.)	२१	५१	७७	५८	–	१८	८
बेंगलोर (मैसूर)	१२	५८	७७	३८	–	१९	२८
बेलगाँव	१५	५२	७४	३४	–	३१	४४
बेल्लारी (मैसूर)	१५	९	७६	५७	–	२२	१२
बोरसद (गु.)	२२	२७	७२	५४	–	३८	२४
भंडारा (म.प्र.)	२१	९	७९	३९	–	११	२४
भरतपुर (राज.)	२७	१५	७७	३०	–	२०	०
भड़ौंच (गु.)	२१	४१	७३	०	–	३८	०
भद्रावती (मैसूर)	१३	५२	७५	४०	–	२७	२०
भाटिंडा (पू.पं.)	३०	११	७४	५७	–	३०	१२
भागलपुर (बिहार)	२५	१५	८७	२	+	१८	८
भाटपारा (प.बं.)	२२	५४	८८	२५	+	२३	४०
भावनगर (गुज.)	२१	४६	७२	९	–	४१	२४
भेल्सा (म.प्र.)	२३	३२	७७	५१	–	१८	३६
भीलवाड़ा (राज.)	२५	२१	७४	३८	–	३१	२८
भोलोड़ा (गु.)	२४	१	७२	१	–	४१	५६
भिवंडी (थाणा)	१९	२०	७३	५	–	३७	४०
भिवानी (उ.प्र.)	२८	४८	७६	९	–	२५	२४
भुवनेश्वर (ओ.)	२०	१५	८५	४५	+	१३	०
भुसावल	२१	२	७५	४७	–	२६	५२
भुज (कच्छ)	२३	१५	६९	४०	–	५१	२०
भोपाल (म.प्र.)	२३	१६	७७	३६	–	१९	३६
मऊ (उ.प्र.)	२५	५७	८३	३४	+	४	१६
मंडसौर (राज.)	२४	४	७५	५	–	२९	४०
मंडी (हिमाचल)	३१	४०	७६	५५	–	२२	२०
मछलीपट्टम (आ.)	१६	९	८१	८	–	५	२८

भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांश रेखांश एवं रेखान्तर समय

नगर	उ.अक्षांश अंश	उ.अक्षांश कला	पू.रेखांश अंश	पू.रेखांश कला		रेखांतर मि.	रेखांतर से.
मथुरा (उ.प्र.)	२७	२८	७७	४१	—	१९	१६
मदुरै (मद्रास)	९	५८	७८	१०	—	१७	२०
मद्रास	१३	४	८०	१७	—	८	५२
मनमाड़	२०	१५	७४	२९	—	३२	४
मरकारा (कुर्ग.)	१२	२५	७५	४३	—	२७	८
मन्नारगुडो (मं)	१०	४०	७९	२९	—	१२	४
मर्ता	२६	३९	७४	६	—	३३	३६
मसूरी (उ.प्र.)	३०	२७	७८	६	—	१७	३६
महुवा (गुज.)	२२	४१	७२	५६	—	३८	१६
महबूबनगर	१६	४२	७७	५८	—	१८	८
महाबलेश्वर	१७	५८	७३	४८	—	३४	४८
महेमदावाद (गु.)	२२	५०	७२	४५	—	३९	०
महेसाना (गु.)	२३	३६	७२	२५	—	४०	२०
महू (म.प्र.)	२२	३४	७५	४७	—	२६	५२
मांडवी (कच्छ)	२२	५१	६९	२०	—	५२	४०
मांडल (गुज.)	२३	१७	७१	५८	—	४२	८
माणसो (गुज.)	२३	२६	७२	४०	—	३९	२०
मालवण (कोंकण)	१६	३	७३	३०	—	३६	०
मालेगाँव	२०	३३	७४	३०	—	३२	०
माथेरान	१८	५९	७३	१८	—	३६	४८
मायावरम् (म.)	११	६	७९	४२	—	११	१२
मानगर (नाग.)	२१	२२	७९	१३	—	१२	५२
मारवाड़ (राज.)	२५	३	७३	३६	—	३५	३६
मावल्ी (गज.)							
माल्डा (प.बं.)	२५	३	८८	९	+	२२	३६
मोरत (उ.प्र.)	२९	१	७७	४२	—	१९	१२
मीरज (म.)	१६	४९	७४	३८	—	३१	२८
मिरजापुर (उ.प्र.)	२५	१०	८२	३७	+	०	२८
मीरपुर (कश्मीर)	३३	१२	७३	५१	—	३४	३६
मुधोल (कर्णा.)	१६	२०	७५	१३	—	२८	५२
मुगलसराय (उ.प्र.)	२५	१७	८३	११	+	२	४४
मुजफ्फरनगर	२९	२८	७७	४४	—	१९	४
मुर्शिदाबाद (प.बं.)	२४	११	८८	१८	+	२३	१२
मुरादाबाद (उ.प्र.)	२८	५१	७८	४९	—	१४	४४
मुंगेर (बिहार)	२५	२३	८६	३०	+	१६	०
मुजफ्फराबाद	३४	२४	७३	२२	—	३६	३२
मेंगलोर (द.भा.)	१२	५२	७४	५३	—	३०	२८
मेरठ (उ.प्र.)	२९	१	७७	४५	—	१९	०
मैमनसिंह (बं.)	२४	४६	९०	२७	+	३१	४८
मैसूर	१२	१८	७६	४२	—	२३	१२
मोकामा (बिहार)	२५	२४	८५	५५	+	१३	४०
मैनपुरी (उ.प्र.)	२७	१३	७९	२	—	१३	५२
मोंघीर (बिहार)	२५	२३	८६	२७	+	१५	४८
मोड़ासा (गुज.)	२३	२८	७३	१८	—	३६	४८
मोतीहारी (बिहार)	२६	४०	८४	५७	+	१३	४८
मोरवी (सौराष्ट्र)	२२	५०	७०	५८	—	४६	२४
मोरार (म.प्र.)	२६	१३	७८	१४	—	१७	४
मंडला (म.प्र.)	२२	४३	८०	३५	—	७	४०
मंडी (हिमाचल)	३१	४३	७६	५८	—	२२	८
मंचेरीयल (आ.)	१८	५१	७९	५	—	१३	४०
यरवडा (पूना)	१८	३३	७३	५३	—	३४	२८
यवतमाल (म.प्र.)	२०	२३	७८	११	—	१७	१६
रतलाम (म.प्र.)	२३	२१	७५	३	—	२९	३२
रत्नागिरि	१७	८	७३	१९	—	३६	४४
रांची (बिहार)	२३	२३	८५	२३	+	११	३२
राजमहेन्द्री (आं.)	१७	०	८१	४८	—	२	४८
राजनंदगाँव (मं)	२१	५	८१	५	—	५	४०
राजपीपला (गु.)	२१	५५	७३	२६	—	३६	१६
राजकोट (गुज.)	२२	१८	७०	४९	+	४६	४
रानीखेत (उ.प्र.)	२९	४०	७९	३२	—	११	५२

भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांश रेखांश एवं रेखान्तर समय

नगर	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			रेखांतर	
	अंश	कला	अंश	कला		मि.	से.
रानीगंज (प.बं.)	२३	३७	८७	६	+	१८	२४
रामगढ़ (बिहार)	२३	३८	८५	३४	+	१२	१६
रामटेक (मं.प्र.)	२१	२४	७९	२०	–	१२	४०
रामदुर्ग	१५	५६	७५	१८	–	२८	४८
रामपुर (उ.प्र.)	२८	४८	७९	५	–	१३	४०
रामगिरि–उदयगिरी (म.)	१९	४	८३	५५	+	५	४०
रामेश्वरम् (म.)	९	१७	७९	२२	–	१२	३२
रायगढ़ (म.प्र.)	२१	५४	८३	२६	+	३	४४
रायचूर (हैदरा.)	१६	१२	७७	२१	–	२०	३६
रायपुर (म.प्र.)	२१	१५	८१	४१	–	३	१६
रायबरेली (उ.प्र.)	२६	१४	८१	१६	–	४	५६
रेवाड़ी	२८	१२	७६	३६	–	२३	३६
राधनपुर	२३	५०	७१	३९	–	४३	२४
रोहतक (पं.)	२८	५४	७६	३८	–	२३	२८
रोहिलखंड (उ.प्र.)	२८	३०	७९	०	–	१४	०
रंगपुर (प.बं.)	२५	४५	८९	१८	+	२७	१२
लखनऊ (उ.प्र.)	२६	५५	८०	५९	–	६	४
लखीमपुर (उ.प्र.)	२७	५७	८०	४९	–	६	४४
लछमनगढ़ (रा.)	२७	५०	७५	४	–	२९	४४
लद्दाख (कश्मीर)	३२	०	८०	०	–	१०	०
ललितपुर (उ.प्र.)	२४	२२	७८	२८	–	१६	८
लश्कर (म.प्र.)	२६	१०	७८	१०	–	१७	२०
ल्हासा (तिब्बत)	२९	४०	९१	८	+	३४	३२
लालबाग (प.बं.)	२४	१३	८८	१९	+	२३	१६
लींवडी (सौ.)	२२	३४	७१	५३	–	४२	२८
लुनावाडा (गु.)	२३	८	७३	३७	–	३५	३२
लुधीयाना (पं)	३०	५६	७५	५२	–	२६	३२
लेह (कश्मीर)	३४	१०	७७	४०	–	१९	२०
लोनावाला (पूना)	१८	४४	७३	२४	–	३६	२४

नगर	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			रेखांतर	
	अंश	कला	अंश	कला		मि.	से.
लोहारु (पू.पं.)	२८	१६	७५	४५	–	२७	०
वड़नगर (उ.गु.)	२३	४६	७२	३७	–	३९	३२
वढ़वाण (सौराष्ट्र)	२२	४३	७१	४३	–	४३	८
वृन्दावन (उ.प्र.)	२७	३३	७७	४४	–	१९	४
वर्धा (म.प्र.)	२०	४५	७८	३९	–	१५	२४
वन (म.प्र.)	२३	३	७८	५७	–	१४	१२
वरोरा (म.प्र.)	२०	१४	७९	१	–	१३	५६
वलसाड (गुज.)	२०	३७	७२	५६	–	३८	१६
वाडासीनोर (गु.)	२२	५७	७३	१९	–	३६	४४
बीकानेर (गु.)	२२	३३	७१	०	–	४६	०
वालटेर	१७	४३	८३	२३	+	३	३२
विजयदुर्ग	१६	२६	७३	२६	–	३६	१६
विजयनगर (म.)	१५	२०	७६	३०	–	२४	०
विजयवाडा (आं.)	१६	३१	८०	३९	–	७	२४
विजयानगरम्	१८	७	८३	२७	+	३	४८
बीजापुर (उ.गु.)	२३	३४	७२	४५	–	३९	०
विल्लूपुरम् (म.)	११	५७	७९	३२	–	११	५२
विलासपुर	२२	५	८२	१३	–	१	८
विशाखापट्टनम्	१७	४२	८३	२०	+	३	२०
विरमगाम (गु.)	२३	८	७२	७	–	४१	३२
विसनगर (गु.)	२३	४२	७२	३२	–	३९	५२
वेल्लोर (आं.)	१२	५५	७९	११	–	१३	१६
शाहाबाद (पं.)	३०	१०	७६	५५	–	२२	२०
शाहजहाँपुर (उ.)	२७	५४	७९	५७	–	१०	१२
शाहाबाद	२७	३०	८०	५	–	९	४०
शिकारपुर (मै.)	१४	१६	७५	२४	–	२८	२४
शिलाँग (आ.)	२५	३४	९१	५६	+	३७	४४
शीहोर (गुज.)	२१	४२	७१	५७	–	४२	१२
शिवपुरी (म.प्र.)	२५	२६	७७	३९	–	१९	२४
श्रीकाकुलम् (आं.)	१८	१८	८३	५७	+	५	४८

भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांश रेखांश एवं रेखान्तर समय

नगर	उ.अक्षांश अंश	उ.अक्षांश कला	पू.रेखांश अंश	पू.रेखांश कला		रेखांतर मि.	रेखांतर से.
श्रीगंगानगर (रा.)	२९	५६	७३	५२	–	३४	३२
श्री रंगपट्टम (मै.)	१२	२६	७६	४३	–	२३	८
श्रीनगर (का.)	३४	६	७४	५१	+	३०	३६
श्रीरंगम् (मद्रास)	१०	५२	७८	४४	–	१५	४
सतना	२४	३४	८०	५५	–	६	२०
सतारा (महा.)	१७	४२	७४	२	–	३३	५२
संबलपुर (उडी.)	२१	२८	८३	५९	+	५	५६
सवाईमाधोपुर (रा)	२५	५८	७६	२०	–	२४	४०
सांभर (रा.)	२६	५४	७५	१५	–	२९	०
सागर (म.प्र.)	२३	५०	७८	५०	–	१४	४०
सांगली (महा.)	१६	५२	७४	३६	–	३१	३६
सहारनपुर (उ.प्र.)	२९	५८	७७	२३	–	२०	२८
सालेम (मद्रास)	११	३९	७८	१२	–	१७	१२
सावंतवाडी (मं.)	१५	५४	७३	५२	–	३४	३२
सावरकुंडला (सौ.)	२१	२०	७१	१८	–	४४	४८
सायला (गुज.)	२२	३२	७१	२९	–	४४	४
सिकन्दराबाद	१७	२७	७८	३३	–	१५	४८
सीतापुर (उ.प्र.)	२७	३६	८०	४०	–	७	२०
सीमला (उ.प्र.)	३१	६	७७	१०	–	२१	२०
सिलीगुड़ी (प.बं.)	२६	४२	८८	२५	+	२३	४०
सिरोही (राज.)	२४	५३	७२	५४	–	३८	२४
सिलहट (आ.)	२४	५३	९१	५५	+	३७	४०
सुरत (गुज.)	२१	१२	७२	५२	–	३८	३२
सुलतानपुर (उ.प्र.)	२६	१६	८२	७	–	१	३२
सोनपुर (उडी.)	२०	५१	८३	५५	+	५	४०
सोनगढ़ (सौ.)	२१	४३	७१	५३	–	४२	२८
सोलन (हिमा.)	३०	५५	७७	९	–	२१	२४
सोलापुर (महा.)	१७	४०	७५	५६	–	२६	१६
सोमनाथ (सौ.)	२१	४	७०	२६	–	४८	१६
हरिद्वार (उ.प्र.)	२९	५८	७८	१३	–	१७	८

नगर	उ.अक्षांश अंश	उ.अक्षांश कला	पू.रेखांश अंश	पू.रेखांश कला		रेखांतर मि.	रेखांतर से.
हरदा (म.प्र.)	२२	२१	७७	६	–	२१	३६
हरसुद (म.प्र.)	२२	५	७६	४४	–	२३	४
हजारीबाग (बि.)	२३	५९	८५	२५	+	११	४०
हरदोई (उ.प्र.)	२७	२३	८०	१०	–	९	२०
हरपनहल्ली (मै.)	१४	४७	७५	५८	–	२६	८
हरिहर (मै.)	१४	३१	७५	५२	–	२६	३२
हाजीपुर (उ.प्र.)	२५	४१	८५	१४	+	१०	५६
हाथरस (उ.प्र.)	२७	३६	७८	६	–	१७	३६
हापूर (उ.प्र.)	२८	४५	७७	४६	–	१८	५६
हालोल (गुज.)	२२	३०	७३	२८	–	३६	८
हावड़ा (प.बं.)	२२	३५	८८	२३	+	२३	३२
हासन (मैसूर)	१३	१	७६	१०	–	२५	२०
हीसार (पंजाब)	२९	१०	७५	४६	–	२६	५६
हिंगोली	१९	४३	७७	११	–	२१	१६
हिंमतनगर (गुज.)	२३	३५	७२	५८	–	३८	८
हुबली	१५	२०	७५	१२	–	२९	१२
हैदराबाद	१७	२०	७८	३०	–	१६	०
होंशीयारपुर (पं.)	३१	३२	७५	५७	–	२६	१२
होशंगाबाद (म.प्र)	२२	४६	७७	४५	–	१९	०
नेपाल							
दोलखा	२७	४०	८६	५	+	१४	२०
ओखलदूँगा	२७	२०	८६	३२	+	१६	८
धरान	२६	४६	८७	९	+	१८	३६
विराटनगर	२६	२८	८७	१६	+	१९	४
जनकपुर	२६	४४	८५	५२	+	१३	२८
वीरगंज (रक्सौल)	२७	५	८५	०	+	१०	०
दांग	२८	७	८२	१८	–	०	४८
दलेख	२८	१२	८१	४०	–	३	२०
अछाम	२८	५९	८१	१६	–	४	५६

नगर	उ.अक्षांश अंश	उ.अक्षांश कला	पू.रेखांश अंश	पू.रेखांश कला		रेखांतर मि.	रेखांतर से.
काठमाण्डू	२७	४२	८५	१७	+	११	८
पोखरा	२८	१७	८३	५८	+	५	५२
धौलागिरि	२९	११	८३	०	+	२	००
अमलेखगंज	२७	१५	८५	०	+	१०	००
धानकुटा	२७	००	८७	१९	+	१९	१६
गोरखा	२७	५५	८४	३०	+	८	००
मुक्तिनाथ	२८	५४	८३	४९	+	५	१६
पाटण	२७	३८	८५	१३	+	१०	५२
अमलेखगंज	२७	१५	८५	०	+	१०	०
भाटगाँव	२७	३९	८५	२२	+	११	२८
एवरेस्ट	२८	५	८६	५८	+	१७	५२
पाल्पा	२०	५४	८३	२५	+	३	४०
स्तलियान्त	२८	२४	८२	१५	—	१	०
सिलगड़ो	२९	१२	८१	६	—	५	३६

विदेशों के प्रमुख नगरों के अक्षांश, रेखांश एवं रेखान्तर

प० पाकिस्तान

नगर	उ.अक्षांश अंश	उ.अक्षांश कला	पू.रेखांश अंश	पू.रेखांश कला		रेखांतर मि.	रेखांतर से.
अटक	३३	५३	७२	१७	—	१०	५२
अलिपुर	२९	२३	७०	५७	—	१६	१२
करांची	२४	५१	६७	४	—	३१	४४
कलात	२५	२१	६४	३	—	४३	४८
गुजरात	३२	३६	७४	५	—	३	४०
गुजरानवाला	३२	१०	७४	१४	—	३	४
वियारत	३०	३७	६७	४८	—	२८	४८
डेराइस्माइलखाँ	३१	५१	७०	५६	—	१६	१६
तक्षशिला	३३	४०	७२	५०	—	८	४०
नासिराबाद	२८	२४	६८	२८	—	२६	८
पेशावर	३४	२	७१	३७	—	१३	३२
बहावलपुर	२८	२४	७१	४७	—	१२	५२
बोलनघाटी	२९	४०	६७	३६	—	२९	३६
मरी	३३	५५	७३	२७	—	६	१२
मान्ट मोमरी	३०	५८	७३	२१	—	६	३६
मुल्तान	३०	१२	७१	३१	—	१३	५६
रावलपिंडी	३३	३७	७३	६	—	७	३६
लायलपुर	३१	४४	७३	५	—	७	४०
लाहौर	३१	३७	७४	२६	—	२	१६
वजिराबाद	३२	२७	७४	१०	—	३	२०
शिकारपुर	२७	५७	६८	४०	—	२५	२०
सक्खर	२७	४२	६८	५५	—	२४	२०
सतलज सरधोधा	२८	२५	७२	०	—	१२	०
स्यालकोट	३२	३१	७४	३६	—	१	३६
हड़प्पा	३०	३५	७२	५८	—	८	८
हैदराबाद	२५	२५	६८	३८	—	२५	२८

पूर्वी पाकिस्तान

नगर	उ.अक्षांश अंश	उ.अक्षांश कला	पू.रेखांश अंश	पू.रेखांश कला		रेखांतर मि.	रेखांतर से.
चटगाँव	२२	२१	९१	५३	+	७	३२
ढाका	२३	४३	९०	२६	+	१	४४
नारायणगंज	२३	२७	९७	३२	+	३०	८
नोआखली	२२	४८	९१	६	+	४	२४
फरीदपुर	२३	३६	८९	५३	—	०	२८

नगर	उ.अक्षांश अंश	कला	पू.रेखांश अंश	कला		रेखांतर मि.	से.
वांगरा	२४	५०	८९	२३	–	२	२८
मोमेनसींग	२४	४५	९०	२५	+	१	४०
चितागोंग	२२	२०	८१	५	+	४	२०
खुलना	२२	५०	८९	३५	+	१	२०
कोमील्ला	२३	२८	९१	१२	+	१	४८
सोलहट	२४	५४	९१	५२	+	७	२८
रंगपुर	२५	४५	८९	१५	+	३	०
दिनजपुर	२५	३७	८८	३८	–	५	२८

तिब्बत

नगर	अंश	कला	अंश	कला		मि.	से.
अल्टीनटाघ	३८	४०	९०	०	+	३०	०
काराकोरम्	३६	१०	७५	०	–	३०	०
कुनलुन पहाड़	३६	०	८५	०	+	१०	०
गटोंक	३१	४५	८०	२१	–	८	३६
चंबो	२७	२३	८८	५८	+	२५	५२
लाभा	२९	३०	९१	५	+	३४	२०

भूटान राज्य

नगर	अंश	कला	अंश	कला		मि.	से.
पुनारवा	२७	३२	८९	५३	+	२९	३२
धोरंगजंग	२७	२४	९२	१८	+	३९	१२

बलुचिस्तान

नगर	अंश	कला	अंश	कला		मि.	से.
चमन	३०	५६	६६	२६	–	३४	१६
क्वेटा	३०	१४	६७	१	–	३१	५६

मलाया (सिंगापुर)

नगर	अंश	कला	अंश	कला		मि.	से.
कुआलिलुम्पुर	३	७	१०१	४०	–	४३	२०
मलाका	२	१०	१०२	१५	–	४१	०
सींगापुर	१	१७	१०३	४७	–	३४	५२

अफगानिस्तान

नगर	उ.अक्षांश अंश	कला	पू.रेखांश अंश	कला		रेखांतर मि.	से.
कंदहार	३१	३७	६५	४०	–	७	२०
काबुल	३४	३०	६९	१८	+	७	१२
जलालाबाद	३४	२४	७०	२८	+	११	५२
गजनी	३३	३४	६८	१७	+	३	८

लंका

नगर	अंश	कला	अंश	कला		मि.	से.
अनुराधापुर	८	२२	८०	२३	–	८	२८
कोलम्बो	६	५६	७९	५६	–	१०	१६
कंकेशन्तुराई	९	५१	८०	५	–	९	४०
त्रिंकोमाली	८	३३	८१	१५	–	५	०
बांदराबेला	६	५२	८०	५८	–	६	८
रत्नपुरा	६	४२	८०	२४	–	८	२४

ब्रह्मदेश

नगर	अंश	कला	अंश	कला		मि.	से.
अमरपुरा	२१	५५	९६	४	–	५	४४
आक्याब	२०	८	९२	५२	–	१८	३२
आराकानयोमा	२०	०	९४	२०	–	१२	४०
करेंन्निराज्य	१९	०	९७	३०	–	०	०
चांगीन	१८	१९	९५	१५	–	९	०
जोंगोनचोक	१८	१४	९५	४०	–	७	२०
टोंगु	१८	५६	९६	२७	–	८	१२
शांटन	१६	५३	९५	३१	–	७	५६
निग्रेस	१६	२	९४	१३	–	१३	८
पकोक्कू	२१	४२	९५	७	–	९	३२
पेगू	१७	२०	९६	२९	–	४	४
प्रोम	१८	४७	९५	२०	–	८	४०

नगर	उ.अक्षांश अंश	कला	पू.रेखांश अंश	कला		रेखांतर मि.	से.
मौंगमित	२३	२४	९६	४५	–	३	०
मौलमिन	१६	२५	९७	३८	+	०	३२
मांडले	२१	५९	९६	८	–	५	२८
रंगून	१६	४५	९६	१३	–	५	८
लाशियो	२२	५८	९८	५१	+	५	२४
लेपडान	१७	४८	९५	४८	–	६	४८
बुन्थो	२३	५६	९५	४५	–	७	०
पूर्वी अफ्रिका							
कंपाला(यु.)उ.	०	१८	३२	३५	–	४९	४०
जिंजा(यु.)उ.	०	२५	३३	१३	–	४७	८
बुगोन्डो(यु.) उ.	१	३७	३३	१६	–	४६	५६
किसुमु (के.)द.	०	६	३४	४४	–	४१	४
नैरोबी (के.)द.	१	१८	३६	५२	–	३२	३२
एल्डोरेट (के.)उ.	०	३०	३५	१७	–	३८	५२
नकुए (के.)द.	०	१६	३६	४	–	३५	४४
मोम्बासा(के.)द.	४	०	३९	४०	–	२१	२०
मालीन्डी(के.)द.	३	१३	४०	७	–	१९	३२
लामु(के.)द.	२	१६	४०	५४	–	१६	२४
टांगा(टां.)द.	५	५	३९	६	–	२३	३६
दारेसलाम(टां.)द.	६	५०	३९	१७	–	२२	५२
म्वान्झा (टां.)द.	२	३०	३२	५६	–	४८	१६
मोशी (टां.)द.	३	२१	३७	२०	–	३०	४०
लीन्डी (टां.)द.	१०	०	३९	४१	–	२१	१६
जंगबार(टां.)द.	७	५८	३९	३८	–	२१	२८
दक्षिणी अफ्रिका							
ओरेंज द.	२८	१५	२७	०	–	१२	०
केमरुन उ.	५	३०	१३	०	–	६८	०

नगर		उ.अक्षांश अंश	कला	पू.रेखांश अंश	कला		रेखांतर मि.	से.
केपटाउन	द.	३३	५६	१८	२५	–	४६	२०
केप ओफ गुड होप	द.	३४	२२	१८	२८	–	४६	८
जोहानीसबर्ग	द.	२६	१३	२८	५	–	७	४०
जंजीबारद्वीप	द.	५	०	३८	३०	+	३४	०
ट्रांसवाल	द.	२५	१०	३९	०	–	४	०
टांगानिका	द.	७	०	३०	०	–	०	०
ट्रिपोली	उ.	३२	४५	१३	१५	–	६७	०
डरबन	द.	२९	५२	३१	१	+	४	४
नाताल	द.	२९	०	३०	३०	+	२	०
पीटर्सबर्ग	द.	२३	४०	२९	३०	–	२	०
पिटरमेरिटसबर्ग	द.	२९	३६	३०	२३	+	१	२३
प्रीटोरीआ	द.	२५	४५	२८	१४	–	७	४
पूर्वी लंदन	द.	३३	२	२७	५४	–	८	२४
पोर्टसुडान	द.	१९	३८	३६	८	+	२४	३२
फ्रिटाउन	द.	८	३०	१३	१०	–	६७	२०
बेल्जियनकोंगो	द.	७	०	१३	०	–	६८	०
माड़ागास्कर	द.	२०	०	४६	०	+	६४	०
लीयोपोल्डवील	उ.	४	२०	१५	१८	–	५८	४८
विक्टोरियाझील	उ.	१	०	३३	०	+	१२	२०
सोमालिया	उ.	५	०	४५	०	+	६०	०
स्टेनलेप्रपात	द.	०	०	२५	२०	+	१६	४०
मोंजबिक	द.	१५	२	४०	४८	+	४३	१२

विश्व के प्रमुख देशों के स्टॉडर्ड समय के रेखांश एवं उनके मुख्य नगरों के रेखांश, अक्षांश तथा रेखान्तर समय यहाँ दिये जाते हैं। इनका प्रयोग करने के पूर्व समर टाईम का विचार एवं उसके परिर्वतन के समय का परिचय इसके अन्त में दिया जायेगा उसका ध्यान रखना आवश्यक होगा।

रेखांश० स्टॉ. समयान्तर०

ग्रिनवीच, ग्रेटब्रिटेन, फ्रान्स, स्पेन, जिब्राल्टर, पोर्तुगल, मोरोस्को, अल्जेरिया, स्कॉटलैण्ड, इग्लैण्ड, पश्चिम में वेल्स आदि प्रांत, उत्तरी आयरलैण्ड, रिपब्लिक आयरलैण्ड, दक्षिण आयरलैण्ड, पोर्टुगल, फेंच गीनी, धाना

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			अं.मि.	
लंदन	५५	५७	३	१२	–	१२	४८
मान्चेस्टर	५३	३०	२	१२	–	८	४८
लीवरपुल	५२	२५	२	५९	–	११	५६
केम्ब्रीज	५२	१३	पू.	७	+	०	२८
आक्सफर्ड	५१	४६	१	१५	–	५	०
ग्रिनवीच	५१	३०	०	०		०	०
बर्बिंगहाम	५२	२९	१	५२	–	७	२८
एडीनबर्ग	५५	५७	३	१२	–	१२	४८
ग्लासगो	५५	५२	४	१५	–	१७	०
प्लीमाउथ	५०	२०	४	१०	–	१६	४०
लिस्बन	३८	४०	९	१०	–	३६	४०
पेरीम	४८	५०	पू.२	२०	+	९	२०
डब्लीन	५३	२१	६	१६	–	२५	४
बर्कींगहाम	५२	०	१	०	–	४	०
उर्बी	५२	५८	१	२५	–	५	४०
मारसेल्स	४३	१८	पू.५	२४	+	२१	३६

पूर्व रेखांश १५ स्टॉ. समयान्तर घं. १ मि. ०

नोर्वे, स्वीडन, डेन्मार्क, प्रशिया, नेचरलेन्ड (होलैण्ड) स्पेन, पोलेन्ड, जर्मनी, ऑस्ट्रीया, हंगरी, जेकोस्लेवीया, सिसिली, स्वीट्जरलेण्ड, इटली, ट्यूनिसिया, युगोस्लावीया, पश्चिम लीबीया, नाइजिरीया, लिधुआनीया, बेल्जियम, डान्झींग।

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			अं.मि.	
बर्गन	६०	२५	५	३	–	३९	४८
ओस्लो	५९	५४	१०	५०	–	१६	४०
स्टोकहोम	५९	१५	१८	०	+	१२	०
रीगा (लेटबीया)	५६	५७	२४	९	+	३६	३६
कोपनहैगन	५५	४१	१२	३२	–	९	५२
कोनिरबर्ग	५४	५२	२०	३२	+	२२	८
एम्स्टर्डम	५२	२२	४	५३	–	४०	२८
जिब्राल्टर	३६	८	५	१९	–	३८	४४
माड्रीड	४०	२४	३	४२	–	४५	१२
बिल्ना	५४	४	२५	३	+	४०	१२
पोर्सो	५२	१२	२१	०	+	२४	०
बर्लिन	५२	३२	१३	२५	–	६	२०
लीपझीग	५१	२०	१२	२३	–	१०	२८
म्युनिच	४८	८	११	३५	–	१३	४०
लक्षमबर्ग	४९	३८	६	५	–	३५	४०
हामबर्ग	५३	३५	१०	०	–	२०	०
बुडापेस्ट	४७	२९	१९	३	+	१६	१२
वियेना	४८	१२	१६	२२	+	५	२८

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			अं.मि.	
प्रेम	५०	५	१४	२५	–	२	२०
जिनेवा	४६	१३	६	७	–	३५	३२
बर्न	४६	५५	७	३०	–	३०	०
जिनोआ	४४	२४	८	५७	–	२४	१२
मिलान	४५	२७	९	१०	–	२३	२०
रोम	४१	५५	१२	२८	–	१०	८
नेपल्स	४०	५१	१६	२६	+	५	४४
वेनीस	४५	२६	१२	२०	–	१०	४०
ट्युनीश	३६	४१	१०	१०	–	१९	२०
बेलग्रेड	४५	५०	२०	३०	+	२२	०
ट्रीपोली	३२	४५	१३	१५	–	७	०
काउनास	५४	५४	२३	५४	+	३५	३६
एन्टवर्प	५१	१३	४	२४	–	४२	२४
ब्रसेल्स	५०	५२	४	२२	–	४२	३२
नामुर	५०	२८	४	५३	–	४०	२८
डान्झीग	५४	३०	१८	२०	+	१३	२०

पूर्व रेखांश ३० स्टॉ. समयान्तर
घं.२ मि.०

रूमानिया, बल्गेरिया, टर्की, ग्रीस, इसराइल, (पेलेस्टाईन) सुदान, इजिप्त, इस्तंबुल, साइप्रस, लेबानोन, सीरीया, जोरडन, पूर्व लीबिया, दक्षिण अफ्रिका के प्रदेश, उत्तर दक्षिण रोडेशिया।

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			अं.मि.	
बुकारेस्ट	४४	२५	२६	७	–	१५	३२
सोफिया	४२	४१	२३	४६	–	२४	५६
अंकारा	३९	५७	३२	५४	+	११	३६
इस्तम्बुल (कोन्स्टेन्टीनोपल)	४१	१	२९	०	–	४	०

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			अं.मि.	
गेलो पोली	४०	२५	२९	३९	–	१	२४
एथेन्स	३७	५९	२३	२०	–	२६	४०
क्रीट	३५	१	२५	०	–	२०	०
जाफा	३२	५	३५	०	+	२०	०
जरुसलेम	३१	४६	३५	१२	+	२०	४८
ट्रीपोली	३४	२६	३५	५०	+	२३	२०
दमास्कस	३३	३०	३६	१५	+	२५	०
केरो	३०	१	३१	१५	+	५	०
सुदान	१९	१०	३७	०	+	२८	०
एलेझान्ड्रीया	३६	३९	३६	१	+	२४	४
खार्टुम	१५	३५	३२	३५	+	१०	२०
लेबनोन	३३	५०	३५	२५	+	२१	४०
नोकोशिया	३५	१५	३३	२५	+	१३	४०

पूर्व रेखांश ४५ स्टॉ. समयान्तर
घं.३ मि.०

पश्चिमी एशिया के पूर्व रेखांश ४० से पश्चिमी प्रदेशों, इराक, यमन, अरबस्तान का दक्षिण मार्ग तथा रण प्रदेश, एडन, इथियोपिया सोमालीलेण्ड, पूर्वी अफ्रिका के ब्रिटिश संस्थान केन्य एवं ब्रिटिश द्वीपसमूह, लीथुएनीया, हिन्दमहासागर के द्वीप।

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			अं.मि.	
लेनीनग्रांड	५९	५७	३०	२०	–	५८	४०
मॉस्को	५५	४५	३७	३७	–	२९	३२
नोवागोरोड	५८	३३	३१	२	–	५५	५२
सेवास्टोपोल	४४	३७	३३	३५	–	४५	४०
युक्रेन	५०	२६	३०	३०	–	५८	०
खारकोव	४९	५८	३६	११	–	३५	१६
बगदाद	३३	२०	४४	२७	–	१	५२

मोसूल	३६	२०	४३	५	–	७	४०
बसरा	३०	२८	४७	५१	+	११	२४
करबला	३२	३५	४४	७	–	३	३२
एडन	१२	४५	४५	४	+	०	१६
मक्का	२१	२५	३९	५४	–	२०	२४
मदीना	२४	३३	३९	५३	–	२०	२८
सोकोट्रा	१२	३	५०	०	+	२०	०
कुवैत	२९	२१	४८	०	+	१२	०

पूर्व रेखांश ५२।३० स्टॉ. समयान्तर
घं ३ मि.३०

इरान

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			अं.मि.	
अस्तराबाद	३६	५२	४५	३०	–	२८	०
तेहरान	३५	४१	५१	२५	–	४	२०
इस्पहान	३२	३७	५१	३८	–	३	२८
बुशायर	२८	५९	५०	४६	–	६	५६
सिराझ	२९	३८	५२	३१	+	०	४

पूर्व रेखांश ६० स्टॉ. समयान्तर
घं.४ मि.०

राशया, (पूर्व रेखांश ४० से ५२।३० तक) मारिशस, रियूनियन, एमिरेन्टी, सिसीलीज्, पूर्व अरब–

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			अं.मि.	
स्टेलीनग्रेड	४८	४७	४४	२५	–	६२	२०
ज्योर्जिया	४१	४४	४५	०	–	६०	०
टीफलिस							
बंदर बाटुम	४१	३५	४१	३२	–	७३	५२
अस्तराखान	४६	१५	४८	४	–	४७	४४
गोरकी	५६	१५	४३	५८	–	६४	८
मस्कत बंदर	२३	३०	५७	०	–	१२	०
पोर्टलुई द.	२०	९	५७	२९	–	१०	४

पूर्व रेखांश ६७–३० स्टॉ. समयान्तरं
घं.४ मि.३०

अफगानिस्तान, बलुचिस्तान।

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			अं.मि.	
काबुल	३४	३३	६९	१०	+	६	४०

पूर्व रेखांश ७३–३० स्टॉ. समयान्तर
घं.४ मि.५४

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			अं.मि.	
मालदीव उ.	५	३०	पू.७३	०	–	२	०

पूर्व रेखांश ७५–० स्टॉ. समयान्तर
घं.५ मि.०

सायबेरिया (पूर्व रेखांश ६७।३० से पश्चिम भाग) रशिया (पूर्व रेखांश ५२।३० से पूर्व भाग) चंगोज, आर्किपेलागो, पश्चिम पाकिस्तान, (इसके शहर पहले दिये गये हैं।)

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			अं.मि.	
बुखारा	३९	५२	६४	१०	–	४३	२०
समरकन्द	३९	४०	६७	५	–	३१	४०
आस्खाबाद	३८	१	५७	५२	–	६८	३२
सेन्टपोल द.	३८	४३	७७	३५	+	१०	२०

पूर्व रेखांश ८२–३० स्टॉ. समयान्तर
घं.५ मि.३०

भारत, (काश्मीर, आसाम, बंगाल आदि) नेपाल, सिलोन (लंका), भुतान, सिक्किम, लखदीव इनके नगरों के रेखांश आदि पहले दे दिये हैं।

पूर्व रेखांश ९०–० स्टॉ. समयान्तर
घं.६ मि.०

सायबेरिया (पूर्व रेखांश ६७।३० से ८२।३० पर्यन्त) पूर्व पाकिस्तान, पश्चिम चीन का रण प्रदेश, शिकियांग, तिब्बत।

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			अं.मि.	
ताशकन्द	४१	३०	६९	२०	–	८२४०	
स्टालीनाबाद	३८	४०	६८	५२	–	८४३२	

तिब्बत तथा पूर्व पाकिस्तान के नगरों के रेखांश अक्षाशं पहले दे दिये हैं।

पूर्व रेखांश ९७।३० स्टॉ. समयान्तर

घं.६ मि.३०

ब्रह्मदेश, अण्डमान, निकोबार, कोकोजवेट, उत्तर मलाया, उत्तर सुमात्रा।

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			अं.मि.	
पोर्ट ब्लेयर	११	४१	९२	४३	–	११	८
कार	९	१५	९२	४५	–	११	०

शेष नगर पहले दिये हैं।

पूर्व रेखांश १०५ स्टॉ. समयान्तर

घं.७ मि.०

सायबेरिया (पूर्व रेखांश ८२।३० से ९७।३० तक) हैनान वेट तथा पकोई (चीन) फ्रेंच इण्डोचायना, स्याम, दक्षिण सुमात्रा, बैंगकौक, खिस्टमस्बेट, चीन (चुकींग से शाझे तक यांगशेग्यांग नदी के ऊपर का भाग)

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			अं.मि.	
चुंगकीग	२९	३२	१०६	५०	+	७	२०
बेंगकोक	१३	४२	१००	३०	–	१८	०
हनोई	२१	२	१०५	५२	+	३	२८
साईगोन	१०	४९	१०६	४१	+	६	४४
पेनांग	५	२५	१००	१४	–	१९	४
लाओस	१९	०	१०४	०	–	४	०
पखोई	२१	३०	१०९	५	+	१६	२०
कम्बोडीया	११	३०	१०४	५५	–	०	२०

पूर्व रेखांश ११२।३० स्टॉ. समयान्तर

घं.७ मि.३०

मलाया, सिंगापुर, जावा, मदुरा, डच, बॉर्नियो, लाम्बोक, बाली टापू।

मलाया, सिंगापुर का परिचय पहले दिया गया है।

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			अं.मि.	
मलाका	२	१०	१०२	१४	–	४१	४
जावा	७	३०	११०	०	–	१०	०
जोगजाकर्ता	७	५७	११०	२०	–	८	४०
बाण्डुंग	६	५०	१०७	४०	–	११	२०
सिंगापुर	१	१७	१०३	५१	–	३४	३६

पूर्व रेखांश १२० स्टॉ. समयान्तर

घं ८।०

सायबेरिया (पूर्व रेखांश ९७।३० से ११२।३० तक का प्रदेश), फार्मोसा–चीन फिलीपाईन द्वीप समूह, पश्चिम आस्ट्रेलिया, इण्डोनेशियन द्वीप समूह, पूर्व मोंगोलीया, फ्लोरिस, टिमोर, सेलेबस, सुम्बावा, केलगार्डी, ब्रिटिश, उत्तरी बार्नियो ।

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश			अं.मि.	
पेकींग	३९	५१	११६	२२	–	१४	३२
होंगकोंग	२२	१२	११४	१२	–	२३	१२
शंघाई	३१	१६	१२१	३०	+	६	०
सुलु	६	५	१२१	०	+	४	०
सारवाक–कूचिंग	१	३०	११०	२०	–	३८	४०
मक्काउ	२२	११	११३	३४	–	२५	४४
मनीला	१४	४०	१२१	२	+	४	८
पार्ट आर्थर द.	३८	५०	१२१	१५	+	५	०
पर्थ प.आस्ट्रेलिया द.	३१	५७	११५	५२	–	१६	३२

पूर्व रेखांश १२७।३० स्टॉ. समयान्तर

घं ८।३०

उत्तर दक्षिण कोरिया, 'इण्डोनेशिया द्वीप'।

पूर्व रेखांश १३५ स्टॉ. समयान्तर घं ९।०

सायबेरिया (पूर्व रेखांश ११२।३० से १२७।३०), पूर्व मांचूरिया, जापान, केरोलीन द्वीप, (पू.रे. १४८ के पश्चिम भाग के) क्युरील द्वीप, डचन्युगिनी, सारवालिन (उत्तर अक्षांश ५० से दक्षिण का भाग), कुरील, (उत्तर अक्षाशं ४४ से उत्तर का भाग) मर्यानाज।

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश		अं.मि.	
चागचुन	४३	५२	१२५	१५	−३९	०
टोकीयो	३५	४०	१३९	४५	+१९	०
योकोहामा	३५	२५	१३९	३६	+१८	२४
कोवे	३४	४१	१३५	१२	+ ०	४८
ओसाका	३४	४०	१३५	२५	+ १	४०
कयुसु	३२	३०	१३१	०	−१६	०
नागासाकी	३२	४७	१२९	५२	−२०	३२
होन्सु	३७	०	१३९	०	+१६	०
नागोया	३५	७	१३६	५६	+ ७	४४

पूर्व रेखांश १४२।३० स्टॉ. समयान्तर

घं ९।३०

डच न्यूगिनी, (पश्चिम भाग दक्षिण अक्षांश ० से ९ तक, पूर्व रेखाशं १३१ से १४१ तक), मध्य आस्ट्रेलिया , दक्षिण आस्ट्रेलिया

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश		अं.मि.	
डारवीन	१२	३०	१३१	०	−४६	०
ब्रोकनहील	३२	०	१४१	३०	− ४	०
एडीलेड	३५	५७	१३८	३८	−१५	२८

पूर्व रेखांश १५० स्टॉ. समयान्तर

घं १०।०

सायबेरिया (पूर्व रेखांश १२७।३० से १४२।३० तक) सेरवालीन, रशियन द्वीप, उत्तर अक्षांश ५० से उत्तरी भाग, केरोलीन (१४८ पू. रेखांश से पूर्व के द्वीप समूह) तास्मानिया, व्हिक्टोरिया, न्यू साउथवेल्स (ब्रोकनहिल को छोड़कर) क्वीन्सलेन्ड, ब्रिटिश न्यूगिनी, अर्डमिरल्टी तथा मार्शल द्वीप, बिस्मार्क, पूर्व आस्ट्रेलिया, दक्षिण न्यूगिनी (आस्ट्रेलियन भाग), गवाम ।

	उ.अक्षांश		पू.रेखांश		अं.मि.	
ब्लाडीवोस्टोक	४३	७	१३१	५५	−७२	२०
गवाम	१३	२७	१४४	४५	−२१	०

	द.अक्षांश		पू.रेखांश		अं.मि.	
ब्रिसमेन	२७	३०	१५३	०	+१२	०
सिडनी	३३	५२	१५१	१२	+ ४	४८
केनबेरा	३५	१७	१४९	१८	− २	४८
मेलबॉर्न	३७	५०	१४४	५९	−२०	४
पोर्टएलिजबेथ	२	५७	१४७	०	−१२	०
पोर्टमोरेस्त्री	९	२४	१४७	१७	−१०	५२

पूर्व रेखांश १६५ स्टॉ. समयान्तर

घं ११।०

सायबेरिया (पूर्व रेखाशं १४२।३० से १५७।३० तक) न्यू कैलेडोनिया, शान्ताक्रूज द्वीपें, सोलोमन द्वीपें, न्यू हाब्रायडिज।

पूर्व रेखांश १७२।३० स्टॉ. समयान्तर

घं ११।३०

नॉरफोक तथा नौरू द्वीपें।

पूर्व रेखांश १८० स्टॉ. समयान्तर

घं १२

सायबेरिया (पू. रेखांश १५७।३० से १७२।३०) कामचाटका द्वीप कल्प, फिजी द्वीप गिल्बर्ट तथा एलिस् द्वीपें, उत्तर दक्षिण न्यूजीलैण्ड।

वेलिंग्टन द. ४१।१६ पू.रे. १४१।४७ अं.धं. २।३२।५२ ऋ.

पूर्व रेखांश १८३।४५ स्टॉ. समयान्तर

घं १२।१५

चाथाम द्वीप (ब्रि.)

पूर्व रेखांश १८५ स्टॉ. समयान्तर

घं १२।२०

टोंगा–फ्रेन्डली द्वीप।

पूर्व रेखांश १९५ स्टॉ. समयान्तर

घं १३

सायबेरिया (पूर्व रेखाशं १७२।३० से पूर्व भाग) रेंगल द्वीप ।

ग्रिनवीच से पश्चिम रेखांश वाले प्रमुख देश–नगरों के अक्षांश, रेखांश, समयान्तर एवं रेखान्तर समय– पश्चिम रेखांश वाले नगरों के रेखांतर मिनट धन को ऋण तथा ऋण को धन समझें ।

समयान्तर घं. मि.	
०।२३	सेंट हेलेना।
०।४०	सिएरा लेऑन (ब्रिटिश पश्चिम अफ्रिका)
०।४५	लायबेरिया, निग्रो रिपब्लिक।
०।५७	एसेन्सियन द्वीप।
१।०	आइसलैन्ड, स्पेनीश द्वीप समूह, पश्चिम अफ्रिका के आटलांटिक द्वीप समूह, पोर्टुगीज तथा फ्रेंच गिनी, केनरी द्वीप समूह, गँबिया।
१।३०	दक्षिण ज्योर्जिया, सेन्डवीच (ब्रि.) द्वीप।
२।०	स्कोरेस्बी साउंड प्रांत (ग्रीनलैण्ड) फर्नान्डो, नोरोन्हा द्वीप , ट्रिनीडाड द्वीप (दक्षिण आटलांटिक)।
३।०	पूर्व ब्राजील, ग्रीन लैण्ड (स्कोरेस्बी साउंड प्रान्त के अतिरिक्त), ब्राजील रीओडीजनीरो द.अ. २२।५५ पू.रे. ४३।३० अं.मि. ६ ऋ. ब्युनोस एरीस (आर्जेन्टीना) द.अ. ३४।३५ प.रे. ५८।१५ अं.मि. ५३ घन।
३।३०	उरुग्वे, लेब्रेडोर, न्युफाउन्डलेन्ड।
३।४५	ब्रिटिश गियाना ज्योर्जटाउन उ.अ. ६।५० प.रे. ५८।१२ अं.मि. ७।४८ धन।
४।०	केनेडा का भाग (कीबेक तथा उत्तर टेरीटरीज पश्चिम रेखांश ६८ के पूर्व का भाग), ग्रीनलैण्ड (केनेडा के तरफ का उत्तर भाग), न्यू बुन्सविक, नोव्हा स्कोशिया, प्रिन्स एडवर्ड द्वीप, पोर्टारिको, बर्म्यूडा, बाबाडोज, ग्रेनेडा, टिनिडाड फ्रेन्च गियाना, ब्राजील मध्यभाग, अर्जेटिना, चीलि (सेन्टीआगो द. अ. ३५।२५ प.रे. ७०।३० रे. अं. मि. ४२ धन फॉकलेन्ड द्वीप, पाराग्वे) बोलिवीया, पुएरटोरीको ।
४।३०	वेनेजुएला, कुराको द्वीप, काराकास उ.अ. १०।३० प.रे. ६६।५२ अं. मि. २।३२ ऋण ।

५। केनेडा का पूर्व भाग (क्वीबेक तथा ओंटारीयो पश्चिम रेखांश ६८ से ९०, उत्तर पश्चिम टेरीटरीज पश्चिम रेखांश ६८ से ८५) ओटावा उ. अक्षांश ४५।२७ प.रे. ७५।४२ रे.अ.मि. २।४८ धन। मोन्ट्रीअल उ.अ. ४५।३१ प. रे. ७३।३४ रे.अं.मि. ५।४४ ऋ. संयुक्त राज्य अमेरिका का पूर्व भाग माइन, बेरमोन्ट, कोनेकटीकट, डेलावेर, फ्लोरीडा, ज्योर्जिया, मेसेच्युसेटस्, न्यू हेम्सायर, न्यूजर्सी, न्यूयोर्क प्रांत (नगर उ.अ. ४०।४३ प.रे. ७४।० रे. अं. मि. ४ ऋण) देलवारे, मिचीगन–डिट्राइट उ.अ. ४२।२१ प.रे. ८३।३ अ.मि. ३२।१२ धन। ओहियो–कलीवलैन्ड उ.अ. ४१।३२ प.रे. ८१।३० अं.मि. २६ धन। उत्तर केरोलीना, पेन्सीलेनीया–फीलाडेल्फिया उ. अ. ३९।५७ प.रे. ७५।१० अ.मि. ०।४० धन। रोड द्वीप, दक्षिण केरोलीना, वर्मोट।

समयान्तर–

घं. मि.

५।० वर्जिनीया, पश्चिम वर्जिया, मेरीलैन्ड–कोलम्बिया (वोशिंगटन उ.अ. ३८।५५ प. रे. ७७।४ अं.मि. ८।१६ धन, वॉल्टि मोर उ.अ. ३९।१८ पं.रे ७६।३७ अं.मि.६।२८ धन ज्योर्ज टाउन उ.अ. ३८।५४ पं.रे. ७७।० अं.मि. ८।० धन) बहामा, क्यूबा, हायटी, कोलंबिया, जमेका, पनामा, नहर, (उ.अ. ९ से ९।३० प.रे. ७९।३० से ८०) पोरु ब्राजील का पश्चिम भाग, चीली।

६।० केनेडा मध्यभाग (ओटारियो पश्चिम रेखांश ९० के पश्चिम, मैनिटोवा, उत्तर पश्चिम टेरीटरीज प. रेखांश ८५ से १०२) सास्का, चेवानका अग्निकोण भाग संयुक्तराज्य अमेरिका का मध्यभाग , आलाबामा, खारकांसार, इलीनोइस (शिकागो उ.अ. ४२।० प.रे. ८७।४० अं.मि. ९।२० ऋण। स्प्रींग फिल्ड उ. अ. ३९।५१ प.रे. ८९।४५ अं.मि. १।१० ऋण) इन्डियाना, आयोवा, मीसुरी, केन्सास उ.अ. ३९।५ प.रे. ९४।३५ अं. मि. १८।२० धन । पू. नोब्रास्का, डाकोटा, केन्टुकी, ओकलाहोमा, टेनीसी, आरकांसास, टेकसास, लुइसीयाना (न्यू ओर्लियन्स उ.अ.३०।० प.रे. ९०।१ अं.मि. ०।४ धन मीनी सोटा मीसीसीपी, बीस्कोन्सीन, ग्वाटेमाला, डाकोटा, (उत्तर तथा दक्षिण का पूर्व भाग) मेक्सीको (दक्षिण लोअर, कैलिफॉर्निया को छोड़कर शेष भाग) मेक्सीको उ.अ. १९।२७ प.रे. ९९।१५ अं.मि. ३७।० धन। ब्रिटिश

होन्डुरास, साल्वाडोर कोस्टारिका, निकारागुआ, इक्वडोद्वीप।

७।० केनेडा का पर्वत प्रदेश (उत्तर पश्चिम टेरीटरीज पश्चिम रेखांश १०२ से १२०) आल्बर्टा अग्नि कोण के अतिरिक्त प्रदेश, सास्का, चेबान, संयुक्त राज्य अमेरिका के पर्वत प्रदेश, कोलोरेडो, इडाहो, मान्टेना, एरिजोना, न्यू मेक्सीको, मेक्सीको (६ घण्टे मे दर्शित के अतिरिक्त) सोनोरा, सीनो लोआ, नायारिट, यूटा, व्योमींग ।

८।० केनेडा (ब्रिटिश कोलंबिया, उत्तर पश्चिम टेरीटरीज पश्चिम रेखांश १२० के पश्चिम), ओरीगोन, वोशिंग्टन, क्रोश साउंड डगलास, जूनो, कोट चीकोन, पीटर्सबर्ग, लोअर कैलिफोर्निया (लोसएंजलीस उ.अ. ३४।३ प.रे. ११८।१७ अं.मि. ६।५२ ऋ।) सानफ्रान्सीस्को उ.अ. ३७।४८ प.रे. १२२।२५ अं.मि. ९।४० धन ।

९।० यूक्रेन, अलास्का का उत्तर किनारा ।

१०।० अलास्का (प.रेखांश १४१ से १६२ तक) प्रिंस विलियम साउंड, हवाईनद्वीप (होनोलुलु उ.अ. २१।२७ प.रे. १५८।० अं.मि. ३२ धन), सोसायीटी, क्रिस्टमस तथा फेनींगद्वीप ।

१०।३० दक्षिण पेसिफिक द्वीपें ।

११।० अलास्का का दक्षिण पश्चिम तट, पश्चिम पेसिफिक द्वीपें ।

११।२० नीयू (सेवेज) द्वीपें ।

विश्व के विभिन्न देशों के समय परिवर्तन का परिचय

१— जब तक नवीन परिवर्तन नही होता तब तक ग्रेट ब्रिटिश तथा आस-पास के टापुआ में ता० २० अप्रैल की मध्यरात्रि से ३ अक्टूबर की रात के दो बजे तक ग्रीनवीच के समय से घड़ी का समय एक घण्टा आगे रहेगा ।

२— सोवियत (रूस) यूनियन ने ता० १६—६—१९३० से रावेत के समय से घड़ियों का समय एक घण्टा आगे रखा है ।

३— केनिया युगान्डा में निम्नलिखित दिनों में ग्रीनवीच के समय से अपना समय कितना बदला उसका विवरण निम्नलिखित है :—

ता० ४—१२—१९०७ से ता० ३१—१२—३६ तक में + घं० २ मि० ३०

ता० १—१—१९३७ से ता० ३१—७—४२ तक में + घं २ मि० ४५

ता० १—८—१९४२ से अभी तक + घं० ३ मि००

४— इसी तरह टांगानिका में :—

ता० ४—१२—१९०७ से ता० १४—५—१९२५ तक में + घं २।३०

ता० १५—५—१९२५ से ता० ३१—१२—१९३६ तक में + घं ३।०

ता० १—१—१९३७ से ता० ३१—७—१९४२ तक में + घं २।४५

ता० १—८—१९४२ से अभी तक + घं. ३।२

५— झाँझी बार (जंगबार)

ता० ४—१२—१९०७ से ता० ३१—१२—३६ तक में + घं २।३०

ता० १—१—१९३७ से ता० ३१—७—४२ तक में + घं २।४५

ता० १—८—१९४२ से ता० ३१—१—१९४६ तक में + घं ३।०

ता० १—२—१९४६ से ता० ३१—१२—४७ तक में + घं-२।४५

ता० १—१—१९४८ से अभी तक + घं ३।०

६— बेलजियम— लक्षमबर्ग मे निर्णय के अनुसार एप्रील से अक्टूबर तक एक घण्टा घड़ी आगे चलती है। सामान्य व्यवहार में ग्रीनवीच समय काम में लेते हैं ।

७— फ्रान्स कोर्सिका इत्यादि युरोप के टापुओं में मार्च के अन्तिम शनिवार से अथवा वह इस्टर के पहले आता हो तो इस्टर के बाद के शनिवार से अक्टूबर के पहले शनिवार तक घड़ी एक घण्टा आगे रखी जाती है । व्यवहार में ग्रीनवीच समय लिया जाता है।

८— केनेडा तथा पूर्व (यू.एस.ए.), चीन, फार्मोसा, इन्डोचायना, कोरिया मड़ागास्कर, फिलीपाइन, पश्चिम अफ्रिका इत्यादि प्रदेशों में समय समय की तारीख प्रतिवर्ष निश्चित की जाती है।

९— गोल्ड कोस्ट (धाना रिपब्लिक) कालोनी में १ सितम्बर से ३१ दिसम्बर तक + घं २ मि० २०।

१०— सीयेरालीयोन में ता० ३१ मई से ३१ अगस्त तक + घं. १।०

१०– सीयेरालीयोन में ता० ३१ मई से ३१ अगस्त तक + घं. १।०

११– न्यू फाउन्डलेन्ड में मई के दूसरे रविवार की मध्यरात्रि से अक्टूबर के प्रथम रविवार की मध्य रात्रि तक में-घं० २ मि० ३०

१२– फ्रान्स और गियाना में सितम्बर के तीसरे रविवार से मार्च के तीसरे रविवार तक में -घं० ३ मि० ०

१३– क्यूबा मे जून के प्रथम शनिवार की मध्यरात्रि से सितम्बर के प्रथम शनिवार की मध्यरात्रि तक में- घं ४ मि.०।

१४– आर्जेन्टाइना, बारबेडोझ, वरमूडा, आस्ट्रेलिया, साइप्रस, आइसलैण्ड आदि में तारीखें वर्ष भर के लिये नियत की जाती हैं।

भारत के स्टॉन्डर्ड टाईम के परिवर्तन

द्वितीय महायुद्ध के समय सरकार ने वर्तमान स्टॉ.टा. को एक घंटा ता० १-९-४२ से ता० १४-१०-१९४५ तक आगे रखा था । अर्थात ग्रीनवीच से ५।३० की जगह ६।३० घंटा अधिक माना गया था। जिससे प्रत्येक घड़ी एक घंटा फास्ट रहती थी । उसके बाद से पूर्ववत समय चल रहा है ।

उसी समय कलकत्ता में (पूरे बंगाल में) ता० १-१०-४१ से ता० १५-५-४२ तक तथा १-९-४२ से ता० १-९-४७ तक एक घंटा आगे समय रक्खा गया था। कलकत्ता के लिय ग्रीनवीच से ५।३० के जगह ६।३० घंटे अधिक माने गये थे । जिससे प्रत्येक घड़ी एक घंटा फास्ट चलती थी। बीच में ता० १५-५-४२ से ता० १-९-४२ तक केवल ३।। मास के लिये समय पुराना माना गया था और उसके बाद पश्चिम बंगाल में पुराना समय (५।३०) ही चल रहा है।

बिहार तथा आसाम के समय में भी परिवर्तन किया गया था। वह इस प्रकार हैं –

आसाम में ता० १-११-४१ तथा बिहार में ता० १-१२-४१ से ता० १५-५-४२ तक और ता० १-९-४२ से ता० १५-१०-४५ तक एक घंटा अधिक माना गया था। जिससे घड़ी एक घंटा फास्ट चलती थी और ग्रीनवीच से ५।३० की जगह ६।३० घंटा अधिक था ।

पाकिस्तान

भारत विभाजन के बाद पश्चिम पाकिस्तान ने ता० १-१०-५१ से ५।३० की जगह ४।३० (रेखांश ६७।३०) मान कर एक घंटा घड़ी का टाईम कम रखा था ।

परन्तु उसको बदलकर ता० १–५–५४ से ४।३० की जगह ५ (रेखांश ७५) माना है।

जिससे इसके पूर्व समय से घड़ी आधा घंटा आगे चलती है।

पूर्वी पाकिस्तान ने ता० १–१०–५१ से ५।३० की जगह ६ घण्टे (रेखांश ९०) माना है। जिससे भारत की घड़ी आधा घण्टा आगे चलती है।

इन देशों का इष्ट काल बनाते समय पूरा ध्यान रखना होगा अन्यथा इष्टकाल अशुद्ध होगा।

कभी दो देशों के स्टॉ.टॉ. बदलते रहते हैं अत: इसका भी ध्यान रखना चाहिये। स्टॉ. टॉ. बदलने की सूचना उन दोनों देशों के वेधशाला अथवा सरकार देती है।

स्थानिक समय:— सूर्य जब मध्याकाश में आता है, तब दिन में १२ बजते हैं। उससे दिनार्ध काल पहले सूर्योदय होता है और दिनार्ध काल बाद सूर्यास्त होता है। सूर्योदय तथा सूर्यास्त का साधन दिनमान से किया जाता है। दिनमान में ५ का भाग देने से स्थानिक सूर्यास्त घंटे तथा मिनट में आता है और उस अस्त काल को १२ में घटाने से स्थानिक सूर्योदय काल बनता है। जैसे काशी का दिनमान घ्टयादि २७।५७ है। उसमें ५ का भाग देने से घंटा ५ मिनिट ३५ यह काशी का स्थानिक सूर्यास्त हुआ। इसे १२ में घटाने से ६।३५ स्थानिक सूर्योदय समय हुआ। अभी भी बहुत से पञ्चागों में स्थानिक समय का व्यवहार किया जाता है। इसी को लोकल टाईम भी कहते हैं। यह प्रत्येक स्थान का भिन्न–भिन्न रहता है।

स्टॉंडर्ड टाईम :— कार्य की सरलता के लिये स्टॉंडर्ड टाइम नियत किया गया है। किसी एक स्थान के रेखांश का स्थानिक समय उस प्रदेश में सर्वत्र काम में लानें पर उसे उस प्रदेश का स्टॉडर्ड टाईम कहा जाता है। जैसे ८२।३० रेखांश का स्थानिक समय सारे भारत के लिये स्टॉंडर्ड टाईम मानकर रेल डाक इत्यादि का व्यवहार किया जाता है।

ऐसा न करने पर रेल डाक इत्यादि का व्यवहार नहीं चल सकता। क्योंकि प्रत्येक स्थान का स्थानिक (लोकल) समय भिन्न–भिन्न रहने से एक स्थान की घड़ी में जब १२ बजते होंगे, तब दूसरे स्थान में १२ से अधिक, कम बजता होगा । ऐसी दशा में १२ बजे मिलने वाली गाड़ी चूक जाने का पूरा अंदेसा रहता है और कार्य में भी बाधा पड़ती है । अत: स्टॉंडर्ड टाईम का प्रारम्भ किया गया है । यह समय ग्रीनवीच से ५।३० घण्टे आगे माना गया है। अधिकतर प्रत्येक देश के मध्य स्थान का स्थानिक समय उस देश का स्टॉडर्ड समय मान लिया जाता है और उसी से सारा व्यवहार किया जाता है।

ग्रीनवीच से ८२।३० रेखांश का स्थानिक समय भारत के लिये स्टॉडर्ड टाईम ता० १–१–१९०६ से मान लिया गया है। इसके पहले मद्रास के स्थानिक समय को भारत के

लिये स्टॉडर्ड टाईम माना गया था, परन्तु इससे विशेष सुविधा न थी। अत: पूर्वोक्त दूसरा स्थान नियत किया गया है।

स्थानिक तथा स्टॉडर्ड टाईम का अन्तर

प्रत्येक स्थान का मध्याह्न स्थानिक समय से १२ बजे होता है। उस समय स्टॉडर्ड टाईम से (रेलवे डाक इत्यादि के समय से) चलने वाली घड़ी में १२ बजने में कुछ अधिक या कम समय होगा। उसी को स्थानिक तथा स्टॉडर्ड टाईम का अन्तर कहते हैं। इसका साधन इस प्रकार करना चाहिये।

इष्ट स्थान के रेखाशं तथा ८२।३० के अन्तर को ४ से गुणा करने पर दोनों समय का **मिनिटादि अन्तर आयेगा। वह इष्ट देश के रेखांश ८२।३० से कम या अधिक रहने पर ऋण या धन माना जाता है। इसका साधन कर अक्षांश रेखांश वाले कोष्ठक में धन-ऋण चिन्ह लगा कर तीसरी पंक्ति में दिया गया है ।** ऋण चिन्ह वाले अन्तर को स्टॉ.टा. में घटाने से तथा धन चिन्ह वाले अन्तर को स्टा.टाईम में जोड़ने से स्थानिक (लोकल) समय होता है। – यह चिन्ह ऋण तथा + यह चिन्ह धन का द्योतक है ।

रेखांश:– प्राचीन काल में भारत वर्ष का मध्य स्थान उज्जयिनी मानकर उसी स्थान से ग्रह गणित के साधन की प्रथा थी। उज्जयिनी और उत्तर एवं दक्षिणी ध्रुव पर जाने वाली दक्षिणोत्तर रेखा को भारत की मध्यरेखा मानते थे और उससे अपना स्थान जितने योजन पूर्व या पश्चिम पड़ता था, उन योजनों पर से देशान्तर संस्कार लाने की विधि ग्रन्थों में मिलती है और प्रमुख नगरों के अन्तर योजन भी लिखे हुए पिलते हैं। परन्तु इस रीति के अनुसार भारत के बाहर के देशों का गणित करने में बाधा पड़ती थी । अत: अन्य मार्ग का सहारा अब लिया जाने लगा है।

इस समय आधुनिक विद्वान दो देशों के पूर्वा पर अन्तर को जानने के लिये रेखांशों का उपयोग करते हैं। इसके लिये ग्रीनवीच को प्रारम्भ स्थान मान कर मानचित्र (नक्से) में खड़ी (दक्षिणोत्तर) रेखाओं का अंकन किया जाता है । ये रेखायें दस दस अंशों के अन्तर पर प्राय: रखी जाती हैं।

इन रेखाओं के द्वारा रेखांश का ज्ञान किया जाता है। भूगोल के दो भाग मानकर ग्रीनवीच से पूर्व में १८० अंश एवं पश्चिम में १८० अंश चित्रित रहते हैं। रेखाशों का

उपयोग गणित के लिए महत्व का है। दो स्थानों के पूर्वापर अन्तर को जानने के लिये उनके रेखांशो का अन्तर करे। उस अंशात्मक अन्तर को चार से गुणा करने पर मिनिटादि समय आता है और अन्शात्मक अन्तर को दश से गुणा करने पर पलादि समय बनता है। गणित एवं व्यवहार की सुविधा के लिये प्रत्येक देश के मध्य स्थान नियत कर दिये हैं। यदि देश अधिक बड़ा (अमेरिका, रूस आदि) है, तब उसके दो-तीन मध्य स्थान माने गए हैं। और ग्रीनवीच से उसका समयान्तर अधिकतर घण्टे मिनिट में दिया जाता है। मैंने पाठकों की सुविधा के लिये उस अन्तर को अंश कला में भी दिया है। ग्रीनवीच से पश्चिम देशों का अन्तर केवल घण्टे मिनिट में दिया है । उसे अंशात्मक बनाना अभीष्ट हो तो उसे १५ से गुणा करने पर अंश कला बन जायेगा । जैसे अपने देश का अन्तर घ. ५।३० है । अत: १५ (५।३०) = ७५।४५० = ८२।३० अंशादि हुआ। इसी प्रकार अंशादि अन्तर को १५ से भाग देने पर घंटा मिनिट बनेंगें।

अक्षांश:— उत्तरी अथवा दक्षिणी ध्रुव से ९० अंश के अन्तर पर निरक्षदेश है । उससे उत्तर तथा दक्षिण स्थान को दिखाने के लिए तिरछी रेखाओं द्वारा अक्षांश का अंकन मानचित्र में किया गया है। अक्षांशों के अन्तर के द्वारा दोनों देशों का दक्षिणोत्तर अन्तर जाना जाता है। निरक्षदेश पर गयी हुई रेखा को विषुवत्त रेखा कहते हैं। उससे उत्तर देशों के अक्षांश उत्तर तथा दक्षिण देशों के अक्षांश दक्षिण रहते हैं।

क्रान्ति सारिणी:— इस सारिणी में बाएँ तरफ अंग्रेजी महीनों के नाम तथा ऊपर तारीख का निर्देश किया गया है। जिस दिन की क्रान्ति जानना हो उस दिन की तारीख तथा मास के सामने वाले कोष्ठक में इष्ट दिन की क्रान्ति रहेगी । जैसे ३-६-५४ के दिन जून मास की ३ तारीख के सामने कोष्ठक में २२।१२ क्रान्ति है। यही इस दिन की क्रान्ति होगी। क्रान्ति दक्षिण तथा उत्तर रहती है । कोष्ठकों में जहाँ से 'द' अक्षर लिखा होगा वहाँ से पुन: 'द' अक्षर तक दक्षिणा क्रान्ति। तथा 'उ' अक्षर से पुन: 'उ' अक्षर तक उत्तरा क्रान्ति रहेगी अर्थात ता० २४ सितम्बर से ता० २१ मार्च तक दक्षिणा क्रान्ति रहेगी तथा ता० २२ मार्च से ता० २३ सितम्बर तक उत्तरा क्रान्ति रहेगी। यह अंशादि रहती है।

चर सारिणी:— दो देशों का दक्षिणोत्तर अन्तर जानने के लिये इसका उपयोग किया जाता है। इसके द्वारा दोनों देशों का चर लाकर उनका अन्तर करने से दोनों देशों का दक्षिणोत्तर अन्तर आता है ।

यह समय मिनिटादि दिया गया है । सारिणी में इष्ट दिन की क्रान्ति ऊपर में तथा बाएँ तरफ अक्षांश दिये गये हैं। इष्ट क्रान्ति तथा अक्षांश के संमुख कोष्टक में उस दिन का मिनिटादि चर प्राप्त होगा । जैसे १२ क्रान्ति के दिन २५ अक्षांश का चर २२।४५ मिनिटादि होगा । इसी प्रकार अन्यत्र भी जानना चाहिये ।

इसके साधन में प्रयास है । क्योंकि अक्षांश तथा क्रान्ति सदा पूरे–पूरे न होकर अधिकतर सावयव रहते हैं। यथा काशी के अक्षांश २५।२० दक्षिणा क्रान्ति १४।४९ (ता० ३।११।५४)।

चर साधन की विस्तृत सोदाहरण रीति विदेश की कुण्डली साधन में देंगे। यहाँ सरलता के लिये संक्षेप में चर साधन दिखाया जाता है ।

२५ अ. १५ क्रां. सं. चर मि. २८।४३
२५ अ. १४ क्रां.स. चर मि. २६।४२
अन्तर मि. = २।१

क्रां.क.
(२।१) ४९ / ६० = ९८।४९ / ६० = १।३९

२५ अ. १४ क्रा. सं. चर मि. २६।४२
अनुपात से प्राप्त फल मि. १।३९
(१) २५ अ. १४।४९ क्रां.सं. चर मि. २८।२१

२६ अ. १५ क्रा. सं. चर मि. ३०।२
" १४ क्रा.सं. चर मि. २७।५६
अन्तर मि. = २।६

(२।६) ४९ / ६० = १०२।२४ / ६० = १।४२

२६ अ. १४क्रां. सं. चर मि. २७।५६
अनुपात से प्राप्त फल मि. १।४२
(२)२६ अ. १४।४९ क्रा.स.चर.मि.२९।३८

(२)२६ अ.१४।४९ क्रां.सं.चर.मि.२९।३८
(१)२५ अ.१४।४९ क्रां.सं.चर.मि.२८।२१
अन्तर मि. =१।१७

अ.क.
(१।१७)२० / ६० = ०।२६= ०

(१)२५ अ.१४।४९ क्रां.सं.चर.मि.२८।२१
अनुपात से प्राप्त फल + ०।२६
२५ अक्षांश १४।४९ क्रान्ति संबंधि चर मि. २८।४७

अर्थात ता० ३।११।५४ के दिन काशी का चर मि. २८।४७ हुआ ।

बेलान्तर सारिणी:– इसके द्वारा मध्यम सूर्योदय से स्पष्ट सूर्योदय बनाया जाता है। सारिणी में ऊपर की ओर तारीखें तथा बाएँ तरफ मासों के नाम दिये गये हैं। इष्ट दिन की तारीख तथा मास के सम्मुख कोष्टक द्वारा इष्ट दिन का बेलान्तर सिद्ध होगा। इसके धन ऋण का संकेत सारिणी में दिया गया है।

इष्ट स्थान के स्पष्ट सूर्योदय साधन के लिये कोष्ठक

उत्तरा क्रान्ति		दक्षिणा क्रान्ति	
उत्तर अक्षांश	दक्षिण अक्षांश	उत्तर अक्षांश	दक्षिण अक्षांश
उदय के लिये चर.मि.—ऋण	उदय के लिये चर.मि.+धन	उदय के लिये चर.मि. + धन	उदय के लिये चर.मि. — ऋण
अस्त के लिये चर.मि.+धन	अस्त के लिये चर.मि. — ऋण	अस्त के लिये चर.मि. — ऋण	अस्त के लिये चर.मि. + धन

६ घंटे में उपरोक्त चर संस्कार करके बेलान्तर संस्कार धन या ऋण हो तो उसमें धन या ऋण करने से स्थानिक स्पष्ट सूर्योदयास्त होगा । उसमें रेखान्तर मिनिट धन हो तो ऋण और ऋण हो तो धन करने से स्पष्ट सूर्योदयास्त का स्टॉ. टाईम होगा ।

उदाहरण:— ता० ३—११—५४ के दिन काशी का स्पष्ट सूर्योदय साधन करना है । उत्तर अक्षांश २५।२० दक्षिणा क्रान्ति १४।४९ चर मिनिट २८।४७। बेलान्तर मिनिट १६।२३ ऋण । रेखान्तर मि० २ धन ।

६+०।२९=६।२९ । ६।२९— ०।१६=६।१३ । ६।१३= यह काशी का स्थानिक स्पष्ट सूर्योदय हुआ । ६।१३—०।२ =६।११ सू० उ० स्टॉ.टा. ६—०।२९= ५।३१।।५।३१—०।१६= ५।१५ यह काशी का स्थानिक स्पष्ट सूर्यास्त हुआ। ५।१५—०।२ = ५।१३ = सू.अ.स्टॉ.टा.। क्रान्ति तथा चरादि सारिणी पर से क्रान्ति तथा चरादि लेने से सूक्ष्मता का ध्यान रखने से सूर्योदयास्त अधिक स्पस्ट आता है। पहले किरण वक्री भवन का संस्कार उदय में २ मिनट ऋण तथा अस्त में २ मिनट धन करते थे। अभी भी कहीं-कहीं यह प्रथा प्रचलित है। २० अक्षांश तक किरणवक्रीभवन मि. २ है ३$\frac{१}{५}$—तक २ , ४०$\frac{३}{४}$तक $\frac{२}{४}$ ५० तक ३$\frac{१}{२}$ ५५ तक ३ तथा ६० तक ४ मिनिट है। इसका संस्कार अभीष्ट हो तो उपरोक्त मिनिट देशानुसार उदयास्त में क्रमं से ऋण धन करें। अर्थात उदय में ऋण एवं अस्त में धन करें ।

बम्बई के स्पष्ट सूर्योदयास्त साधन का उदाहरण:— ता० ३—११—५४। उत्तर अक्षांश १८।५७। द. क्रान्ति १४।४९ चर मिनिट २१।११ बेलान्तर मि. १६।२३ ऋण। रेखान्तर मि. ३९ ऋण।

६+०।२१ =६।२१॥६।२१ — ०।१६ =६।५ स्थानिक स्पष्ट सूर्योदय। ६।५+०।३९ =६।४४ स्टॉ.टा. सू.उ. ।

६—०।२१ =५।३९॥५।३९ — ०।१६ =५।२३ स्थानिक स्पष्ट सूर्यास्त। ५।२३+०।३९ =६।२ =सू.अ.स्टॉ.टॉ.।

कलकत्ते के स्पष्ट सूर्योदयास्त साधन का उदाहरण:— ता० ३—११—५४ उत्तर अक्षांश २२।३४ । द. क्रान्ति १४।४९ चर मि. २४।५२ बेलान्तर मि. १६।२३ ऋण। रेखान्तर मि. २३ धन।

६+०।२५ =६।२५॥६।२५ — ०।१६ =६।९ स्थानिक स्पष्ट सूर्योदय। ६।९—०।२३ =५।४६ सू.उ.स्टॉ.टा.।

६—(०।२५) =५।३५॥५।३५ — ०।१६ =५।१९ स्थानिक स्पष्ट सूर्यास्त। ५।१९—०।२३ =४।५६ सू.अ.स्टॉ.टा.।

रंगून के स्पष्ट सूर्योदयास्त साधन का उदाहरण:— ता० ३—११—५४ उत्तर अक्षांश १६।४८ । द. क्रान्ति १४।४९ चर मि. १७।३६ बेलान्तर मि. १६।२३ ऋण । रेखान्तर मि. ५ ऋण ।

६+०।१७ =६।१७॥६।१७ — ०।१६ =६।१ स्थानिक स्पष्ट सूर्योदय। ६।१+०।५ =६।६ सू.उ.स्टॉ.टा.।

६— ०।१७ =५।४३॥५।४३ — ०।१६ =५।२७ स्थानिक स्पष्ट सूर्यास्त। ५।२७+०।५ =५।३२ सू.अ.स्टॉ.टा.।

डरबन (दक्षिण अफ्रिका) के स्पष्ट सूर्योदयास्त साधन का उदाहरण:— ता० ३—११—५४ दक्षिण अक्षांश २९।५२। द. क्रान्ति १४।४९ चर मि. ३५।३६ बेलान्तर मि. १६।२३ ऋण । रेखान्तर मि. ४ धन।

६—०।३५ =५।२५॥५।२५ — ०।१६ =५।९ स्थानिक स्पष्ट सूर्योदय। ५।९—०।४ =५।५ सू.उ.स्टॉ.टा.।

६+०।३५ =६।३५॥६।३५—०।१६ =६।१९ स्थानिक स्पष्ट सूर्यास्त। ६।१९—०।४ =६।१५ सू.अ.स्टॉ.टा.।

कुछ देशों के रेखांश अक्षांश तथा रेखान्तर मिनट दी गयी हैं। उन सब विदेशों के अक्षांश रेखांश तथा रे.अ.मि. के देने से विशेष विस्तार का भय था। अत: समस्त विश्व के देशों का ग्रीनवीच समयान्तर का कोष्टक दिया गया है। जिसके द्वारा उस देश के प्रदेशों की रेखान्तर मिनिट जानी जा सकेगी। तथा अक्षांश रेखांश मानचित्र (नक्शे) से लेना होगा।

जिस देश के किसी स्थान की रेखान्तर मिनिट का साधन करना हो, उस देश के ग्रीनवीच से दिये गये समय को १५ से गुणा करने पर उस देश के स्टॉ.टा. वाले स्थान के रेखांश होंगे । उन रेखाशों तथा अभीष्ट स्थान के रेखांशों का अन्तर करके ४ से गुणा करने पर पूर्ववत रेखान्तर मिनिट होगी । अर्थात नियत रेखांश अभीष्ट रेखांश से अधिक या कम हो तो क्रमश: रेखान्तर मिनिट धन या ऋण होंगी। उसके बाद उपरोक्त रीति के अनुसार सूर्योदयास्त साधन करना चाहिए।

दिनमान साधन

दिनमान साधन में कोष्ठक द्वारा अधिक सरलता रहेगी । अत: कोष्ठक नीचे दिया जाता है ।

उत्तरा क्रान्ति		दक्षिणा क्रान्ति	
उत्तर अक्षांश	दक्षिण अक्षांश	उत्तर अक्षांश	दक्षिण अक्षांश
क. ६+चरमिनिट =दिनार्ध	क. ६–चरमिनिट =दिनार्ध	क. ६–चरमिनिट =दिनार्ध	क. ६+चरमिनिट =दिनार्ध

कोष्टक द्वारा चर मि. का क. ६ में संस्कार स्पष्ट है । इस संस्कार द्वारा घंटा मिनट में दिनार्ध आयेगा, उसको अढाई से गुणा करने पर घट्यात्मक दिनार्ध होगा। दिनार्ध को ३० में घटाने से रात्र्यर्ध होगा और दिनार्ध तथा रात्र्यर्ध को द्विगुणित करने पर दिनमान तथा रात्रि मान सिद्ध होगा।

उदाहरण:– काशी दक्षिणा क्रान्ति १४।४९। चरमि. २८।४३।।६–०।२९ = ५।३१ दिनार्ध घंटा मिनिट। (५।३१) (२।३०) = १३।४७।३० घट्यादि दिनार्ध हुआ। ३०–(१३।४७।३०) = १६।१२।३० घट्यादि रात्र्यर्ध। (१३।४७।३०)२ = २७।३५ दिनमान। (१६।१२।३०) रात्रिमान।

प्रकारान्तर से दिनमान साधन

जिस देश का दिनमान साधन करना हो उस देश की लग्न सारिणी पर से अभीष्ट दिन के सूर्य की राशि अंश द्वारा कोष्ठकस्थ फल लेकर रख लें तथा सूर्य में ६ राशि मिलाकर उस पर से भी लग्न सारिणी द्वारा कोष्ठकस्थ फल लें। दूसरे फल में पहले फल को घटाने से दिनमान घट्यादि होगा ।

उदाहरण:— काशी अक्षांश २५।२० सूर्य ६।१६। प्रथम फल ३७।२१ द्वितीय फल (५।१)—(३७।२१) = २७।४० दिनमान हुआ ।

दिनमान पर से सूर्योदयास्त साधन

दिनमान पर से सूर्योदयास्त का साधन स्थानिक समय के विवेचन में किया गया है । तथापि अभ्यासी के अभ्यासार्थ लिख रहा हूँ ।

दिनमान में ५ का भाग देने से मध्यम सूर्यास्त समय लब्ध होगा । उसको १२ में घटाने से मध्यम सूर्योदय शेष रहेगा । इसमें बेलान्तर का संस्कार (धन या ऋण) करने से स्पष्ट स्थानिक सूर्यास्तोदय समय होगा । तदन्तर रेखान्तर मिनिट धन हो तो ऋण तथा ऋण हो तो धन करने से सूर्यास्तोदय समय स्टाँ. टा. का होगा ।

काशी दिनमान २७।३५ वेलान्तर १६।२३ ऋण। रेखान्तर मि. २ धन। २७।३५ में ५ से भागने पर ५।३१ मध्यम सूर्यास्त। १२—५।३१ = ६।२९ मध्यम सूर्योदय। ५।३१—०।१६ = ५।१५ स्थानिक स्पष्ट सूर्यास्त। ५।१५—०।२ = ५।१३ सूर्यास्त स्टाँ.टा.।

६।२९—०।१६=६।१३ स्पष्ट स्थानिक सूर्योदय। ६।१३—०।२ = ६।११ सूर्योदय स्टाँ.टा.।

दिनमान पर से सूर्योदयास्त साधन में विशेष प्रपंच नहीं रहता । अत: इसके द्वारा सूर्योदयास्त साधन सुगम होगा ।

देशान्तर साधन:— देशान्तर दो प्रकार का होता है। पूर्वापर तथा दक्षिणोत्तर। पूर्वापर रेखांशों के अन्तर द्वारा लाया जाता है। अभीष्ट तथा अपने नगर के रेखांशों के अन्तर को ४ से गुणने पर मिनिटादि होगा। अपने नगर से अभीष्ट नगर पूर्व रहने से धन तथा पश्चिम रहने से ऋण होता है।

दक्षिणोत्तर अन्तर चर से साधा जाता है। जिस तारीख का जन्म हो उस तारीख पर से क्रांति सारिणी द्वारा क्रान्ति लेनी चाहिए तथा अक्षांश सारिणी पर से अभीष्ट तथा अपने नगर के अक्षांश जानकर चर सारिणी द्वारा अक्षांश तथा क्रान्ति पर से अपने २ नगरों का चर लाकर दोनों का अन्तर चरान्तर होगा। इसका धन-ऋण इस प्रकार होगा ।

(१) अपने नगर के अक्षांश से अभीष्ट नगर के अक्षांश अधिक तथा उत्तरा क्रान्ति हो तो चरान्तर धन अन्यथा ऋण होगा ।

(२) अपने नगर के अक्षांश से अभीष्ट नगर के अक्षांश कम तथा दक्षिण क्रान्ति हो तो धन चरान्तर होगा । अन्यथा ऋण होगा ।

पूर्वापर देशान्तर तथा चरान्तर दोनों धन या ऋण हो तो योग करने पर धन या ऋण स्पष्ट देशान्तर होगा ।

यदि एक धन तथा अन्य ऋण हो तो दोनों का अन्तर करना चाहिये । इस परिस्थिति में धनमान अधिक होगा तो स्पष्ट संस्कार धन होगा तथा ऋण मान अधिक होगा तो स्पष्ट संस्कार ऋण होगा। इसी को स्पष्ट देशान्तर कहते हैं।

उदाहरण :— बम्बई ता० २७—१०—५४ जन्म समय स्टाँ.टा. १० प्रात: अक्षांशा: १८।५७ रेखांशा: ७२।५० दक्षिणा क्रान्ति: १२।३१ चर मिनिट १६।४७।

काशी से बम्बई का स्पष्टदेशान्तर साधन करना है । अत: काशी अक्षांशा: २५।२० रेखांशा: ८३।० चर मिनिट २२।४५।

काशी से बम्बई पश्चिम है । अत: रेखांशान्तर (८३।०)—(७२।५०) = १०।१० को ४ से गुणने पर देशान्तर मिनिट ४०।४० ऋण हुई। पूर्वोक्त नियमानुसार दक्षिणा क्रान्ति होने के कारण तथा काशी के अक्षांश से बम्बई के अक्षांश कम होने से चरान्तर मिनिट (२२।४५)—(१६।४७)=५।५८ धन होगी।

देशान्तर मिनिट ४०।४० ऋण हैं । तथा चरान्तर मिनिट ५।५८ धन है। अत: दोनों का अन्तर (४०।४०)—(५।५८) = ३४।४२ मिनिट ऋण काशी से बम्बई का स्पष्ट देशान्तर हुआ। इसको अढाई से गुणा करने पर (३४।४२)(२।३०) = १।२६।४५ घट्यादि स्पष्ट देशान्तर ऋण हुआ।

स्पष्ट देशान्तर द्वारा अभीष्ट नगर का इष्ट काल साधन:— बम्बई में स्टाँ.टा. १० बजे प्रात: जन्म हुआ है तथा काशी में सूर्योदय समय स्टाँ.टा. ६।७ यह है। अत: जन्म समय तथा सूर्योदय के १०—(६।७) = ३।५३ अन्तर को अढाई से गुणा करने पर घट्यादि ९।४२।३० काशी का इष्टकाल हुआ, इसमें स्पष्टदेशान्तर घटाने से (९।४२।३०)—(१।२६।४५) =८।१५।४५ घट्यादि बम्बई का इष्टकाल हुआ।

उसी दिन काशी से कलकत्ते का स्पष्ट देशान्तर साधन करना अभीष्ट हो तो इस प्रकार करना चाहिये। कलकत्ता अक्षांश २२।३५ रेखांश ८८।२१ चर मिनट १९।४२।

काशी तथा कलकत्ता के रेखांशों के अन्तर (८८।२१)–(८३।०) = ५।२१ को ४ से गुणा करने पर मिनिटादि देशान्तर २१।२४ धन हुआ क्योंकि काशी से कलकत्ता पूर्व में है। दोनों नगरों का चरान्तर (२२।४५)–(१९।४२) = ३।३ मिनिट पूर्वोक्त नियमानुसार धन हुई । देशान्तर के तथा चरान्तर के धन होने से दोनों का योग (२१।२४)+(३।३) = २४।२७ मिनिटादि धन स्पष्ट देशान्तर काशी से कलकत्ते का सिद्ध हुआ। इसको अढाई से गुणा करने पर (२४।२७) (२।३०) = १।१।७।३० घट्यादि स्पष्ट देशान्तर हुआ।

यदि उसी दिन स्टाँ.टा. १० बजे किसी का जन्म हो तो पूर्व साधित काशी के इष्ट में स्पष्ट देशान्तर जोड़ने से (९।४२।३०)+(१।१।७) = (१०।४३।३७) घट्यादि कलकत्ते का इष्ट काल हुआ । इसी प्रकार अन्य देशों का भी साधन करना चाहिये । परन्तु यह इष्टकाल साधन केवल भारत, लंका, नेपाल भूटान सिक्किम के लिये उपयुक्त है । अन्य देशों के लिये भिन्न प्रकार से होगा, क्योंकि अन्य देशों के स्टाँ.टा. भिन्न हैं।

विदेश का देशान्तर साधन

यदि दोनों देश एक ही अक्षांश (उत्तर या दक्षिण[1]) वाले हों तो उपरोक्त नियमानुसार देशान्तर साधन करना चाहिये। यदि दोनों देश भिन्न–भिन्न अक्षांश वाले हों तो दोनों देशों के चर का योग करना चाहिये। वही चरान्तर होगा।

उत्तर अक्षांश वाले देश से दक्षिण अक्षांश वाले देश का देशान्तर लाने के लिये कोष्टक:–

उत्तरा क्रान्ति		दक्षिणा क्रान्ति	
अपने स्थान से पूर्व	अपने स्थान से पश्चिम	अपने स्थान से पूर्व	अपने स्थान से पश्चिम
पूर्वा पर देशान्तर –चर योग ऋण	पूर्वा पर देशान्तर +चर योग धन	पूर्वा पर देशान्तर + चर योग धन	पूर्वा पर देशान्तर – चर योग ऋण

कोष्टक के अनुसार पूर्वापर देशान्तर तथा चर का संस्कार करने से स्पष्ट देशान्तर होगा और उसे (स्पष्ट देशान्तर) अपने स्थान से अभीष्ट स्थान पूर्व हो तो धन तथा पश्चिम हो तो ऋण समझना चाहिये ।

१– दक्षिण अक्षांश–वाले देश में चरान्तर के धन ऋण का क्रम पूर्वोक्त नियम (१), (२) से विपरीत जानना चाहिये।

काशी से डरबन के स्पष्ट देशान्तर का उदाहरण :– ता० ३–११–५४ काशी अक्षांश २५।१८ (उत्तर) रेखांश ८३।० पूर्व चर मिनट २८।४७ द. क्रान्ति १४।४९। डरबन अक्षांश २९।५२ (दक्षिण)। रेखांश ३१ पूर्व। चरमि ३५।३६।

काशी से डरबन पश्चिम है तथा उसके अक्षांश दक्षिण हैं । (८३।०)–(३१।०) = ५२।० रेखांशान्तर। (५२।०)४ = २०८।० = देशान्तर मिनिट। (२८।४७)+ (३५।३६) = ६४।२३ चरयोगमि.। (२०८।०)–(६४।२३) = १४३।३७ = स्पष्ट देशान्तर मि. ऋण । क.२ मि. २३से. ३७ ऋण = स्पष्ट देशान्तर। (२।२३।३७) (२।३०) = ५।५९।२।३० घट्यादि स्पष्ट देशान्तर ऋण।

अपने स्थान से इष्ट स्थान के तिथ्यादि साधन

[१]अपने स्थान के तिथि, नक्षत्र, योगादि की घटियों में स्पष्ट देशान्तर (धन या ऋण) का संस्कार करने से इष्ट स्थान के तिथ्यादि होंगे ।

ग्रह चालन

अभीष्ट देश के भयात, भभोग, सूर्यादि ग्रहों का साधन अपने स्थानीय इष्ट काल तथा ग्रह पंक्ति पर से करना चाहये । इसके लिये देशान्तर की आवश्यकता नहीं है। केवल लग्न तथा दशम लग्न का साधन अभीष्ट देश के इष्ट काल पर से करना चाहिये ।

विदेश की कुण्डली का गणित

विदेश की कुण्डली के निर्माण में अनेक बाधाएँ हैं। वहाँ का पंचाग सूर्योदय सूर्यास्त आदि हमारे पास नहीं रहते हैं। हमें अपने देश–नगर के पंचाग से दूसरे देश की कुण्डली का निर्माण करना है । इसके लिये हमें विदेशीय जन्म स्थान

१– यहाँ अपने स्थान से पंचाग जिस स्थान का है उस स्थान को समझना चाहिये।

के अक्षांश रेखांश रेखान्तर मि. एवं उस देश का ग्रीनवीच से समयान्तर इस पुस्तक के द्वारा जान लेना चाहिये। यदि संयोग से जन्म स्थान के अक्षांश रेखांश इस पुस्तक में न दिये हों तो मानचित्र (नक्से) आदि से जान लेना चाहिये। प्रत्येक देश का ग्रीनवीच से समयान्तर इस पुस्तक में दिया है। इसके बाद जन्म दिन की क्रान्ति पंञ्चाग से अथवा इस पुस्तक में दी हुई क्रान्ति सारिणी से जानकर एकत्र रख लें और बेलान्तर सारिणी से बेलान्तर संस्कार की मिनिट सेकन्ड जान लें। इसके बाद गणित करना प्रारम्भ करें ।

उदाहरण:– ता० ६–३–७१ प्रात: १०।१७ लंदन में किसी का जन्म हुआ। ऊपर लिखे क्रम के अनुसार गणित की सामग्री नीचे दी जाती है।

लंदन अक्षांश ५१।३२ पं. रेखांश ०।५ रेखान्तर मि० ०।२० ऋण, दक्षिणा क्रान्ति ६।३ बेलान्तर मि. ११।३७ धन (पुस्तक के आधार पर)। अब सर्व प्रथम चर का साधन किया जाता है।

लंदन का चर साधन:– अक्षांश तथा क्रान्ति पर से चर साधन त्रैराशिक से करना चाहिये। पहले अक्षांश के अंश तथा क्रान्ति के अंश से कोष्ठकस्य चर मिनिटादि ग्रहण करें। (सारिणी में अक्षांश बायें तरफ और क्रान्ति ऊपर लिखी रहती है। अत: अक्षांश तथा क्रान्ति के सम्मुख कोष्ठक से फल लेना चाहिये।) उसके बाद क्रान्ति के अंश में एक अंश बढ़ाकर उसी अक्षांश के अंश पर से फल चर मिनिटादि लें । इन दोनों फलों का अंतर कर उस अंतर से क्रान्ति कला को गुण दें और गुणनफल में ६० का भाग देकर लब्ध फल को प्रथम प्राप्त चरमिनिटादि में जोड़ दें। ये अक्षांश के केवल अंश तथा पूरी क्रान्ति से प्राप्त चर मिनिट होंगी । इसी प्रकार अक्षांश के अंश में एक मिलाकर उस पर से ऊपर लिखे अनुसार पूरी क्रान्ति पर से चर मिनिट प्राप्त करें। इसके बाद अभीष्ट अक्षांश तथा एक अधिक अभीष्ट अक्षांश से प्राप्त चर मिनिटों का अन्तर कर उससे अक्षांश की कला को गुणा कर ६० का भाग दें। लब्ध फल को प्रथम अक्षांश के फल (चरमिनिट) में जोड़ देने से अभीष्ट अक्षांश कला तथा क्रान्ति से सिद्ध चरमिनिट प्राप्त होंगी।

जैसे अक्षांश ५१।३२ और दक्षिणा क्रान्ति ६। ३ है। इस पर से ऊपर लिखे नियमानुसार चर साधन किया जाता है।

५१ अक्षांश ७ क्रान्ति सम्बंधि चर मिनिट ३४। ५३
५१ अक्षांश ६ क्रान्ति सम्बंधि चर मिनिट २९। ५०
अन्तर मिनिट = ५। ३

$\frac{(५।३) \text{ ३ क्रां. क.}}{६०} = \frac{१५।९}{६०} = ०।१५$

५१ अक्षांश ६ क्रान्ति सम्बधि चरमि. २९। ५०
अनुपात से प्राप्त फल +०। १५
(१) ५१ अक्षांश ६। ३ क्रान्ति सं. चरमि = ३०। ५

५२ अक्षांश ७ क्रान्ति सं चरमि ३६। १०
५२ अक्षांश ६ क्रान्ति सं चरमि—३०। ५४
अन्तर मि. = ५। १६

$\frac{(५।१६) \text{ ३ क्रां. क.}}{६०} = \frac{१५। ४८.}{६०} = ०।१६$

५२ अ. ६ क्रा.स. चरमि. ३०। ५४
अनुपात से प्राप्त फल + ०। १६
(२) ५२ अ.६।३ क्रां.सं.चरमि. ३१। १०

(२) ३१। १० अ.क
(१) ३०। ५
अन्तर १। ५

$\frac{(१।५)\text{३२}}{६०} = \frac{३४। ४०}{६०} = ०।३५$

(१) ५१ अक्षांश ६।३ क्रांति सं.चरमि. ३०। ५
अनुपात से प्राप्त फल + ०। ३५
५१।३२ अक्षांश ६।३ क्रांति सं.चरमि.= ३०।४०

लंदन चरमि. ३४। ४०

सूर्योदय इष्टकाल एवं लग्न साधन

भाग २ पृष्ठ १३५ पर लिखे सूर्योदय साधन के नियमानुसार इष्ट स्थान का सूर्योदय साधन करें।

६
+।३०।४० चरमिनिट
६।३०।४०
+ ११।३७ बेलान्तर
६।४२।१७
+ ०।२० रेखान्तर मि.
६।४२।३७ स्टॉ.सा.सू.उ.

इष्ट स्थान का स्टॉ.टा सूर्योदय घं. ६।४२।३७ पर हुआ। इस पर से जन्म समय का इष्टकाल का साधन भाग—१ पृष्ठ १६ पर दिये हुए नियमानुसार करने पर इष्ट घटी ८।१३।२७।३० प्राप्त हुई। भाग २ पृष्ठ १ पर लिखी हुई रीति के अनुसार ५२ अक्षांश की सारिणी से इष्ट ८।१३।२७ सूर्य १०।२१ द्वारा लग्न सिद्ध हुआ इसके बाद जो ग्रह जिस राशि पर है। उसे उस राशि पर रखने से जन्मांग चक्र बन जायेगा।

स्पष्ट देशान्तर

देशान्तर दो प्रकार का होता है। यह पहले भाग—२ पृष्ठ १३८ पर लिखा जा चुका है। इसमें पंचांग जिस देश—नगर का है उस स्थान का चर साधन आवश्यक होता है। अत: इसका साधन ऊपर लिखी रीति के अनुसार किया जाता है। यदि पंचांग काशी का है तब अक्षांश २५।२० एवं पूर्व दर्शित दक्षिणा क्रान्ति ६। ३ पर से चरसाधन किया जाता है।

काशी का चर साधन

२५ अ. ७ क्रान्ति सं. चरमि. १३।८
२५ अ. ६ क्रान्ति सं. चरमि. ११।१४

अन्तर मि. = १।५४

$$\frac{(१।५४)\ ३\ \text{क्रां.क}}{६०} = \frac{३।१६२}{६०} = \frac{५।४२}{६०} = ०।६$$

२५ अक्षांश ६ क्रान्ति सं. चरमि. ११।१४
अनुपात से प्राप्त फल + ०।६

(१) २५ अक्षांश ६।३ क्रान्ति सं.चर मि. = ११।२०

२६ अ. ७ क्रान्ति सं. चरमि. १३।४४
२६ अ. ६ क्रान्ति सं. चरमि. ११।४५

अन्तर मि. = १।५९

$$\frac{(१।५९)\ ३\ \text{क्रा.क.}}{६०} = \frac{५।५७}{६०} = ०।६$$

२६ अ.६ क्रां.सं. चरमि. ११।४५
अनुपात से प्राप्त फल + ०।६

(२) २६ अ. ६।३ क्रा.सं. चरमि. ११।५१

(२) २६ अक्षांश ६।३ क्रान्ति सं.चर मि. ११।५१
(१) २५ अक्षांश ६।३ क्रान्ति सं. चर मि. ११।२०

अन्तर मि. ०।३१

$$\frac{(०।३१)\ २०}{६०} = ०।१०$$

(१) २५ अक्षांश ६।३ क्रांन्ति सं. चर मि. ११।२०
अनुपात में प्राप्त फल मि. + ०।१०

२५।२० अ. ६।३ क्रान्ति सं. चर मि. ११।३०
काशी चर मि. ११।३०

दक्षिणोत्तर संस्कार साधन— दोनों स्थान उत्तर अक्षांश के हैं। अतः दोनों देशों का चरान्तर करना चाहिये। यथा (३०।४०)–(११।३०)=१९।१० चरान्तर भाग–२ पृष्ठ १३८ पर दिये हुए नियमानुसार ऋण हुआ। यह दक्षिणोत्तर संस्कार कहलाता है।

पूर्वापर देशान्तर संस्कार का साधन— इसके साधन में सावधानी रखनी चाहिये। यदि दोनों स्थानों के रेखांश ग्रीनवीच से पूर्व अथवा पश्चिम हों तो अन्तर और एक ग्रीनवीच से पूर्व तथा अन्य के ग्रीनवीच से पश्चिम हों तो योग करना चाहिये। यहाँ लंडन ग्रीनवीच से पश्चिम हैं और काशी पूर्व में है। अतः दोनों ग्रीनवीच से भिन्न दिशा के रहने के कारण रेखांशो का योग करना चाहिये और उस अन्तर को १० से गुणने पर देशान्तर पल होंगे। यथा काशी पू. रेखांश ८३।० + लंडन पश्चिम रेखांश ०।५=८३।५ रेखांशयोग। १०(८३।५) = पल ८३०।५०=घटी १३।५०।५०। यह काशी से लंडन पश्चिम रहने से ऋण रहेगा।

स्पष्ट देशान्तर साधन— चरान्तर मि० १९।१० के पल ४७।५५ भी ऋण हैं। अतः पूर्वापर देशान्तर तथा चरान्तर का योग स्पष्ट देशान्तर घटी = (१३।५०।५०) + (०।४७।५५)= घटी १४।३८।४५ ऋणात्मिका हुई। इसके संस्कार का नियम भाग–२ पृष्ठ १४० पर देखें। अर्थात उस दिन काशी के सूर्योदय के बाद घ. १४।३८।४५ इतनी घटी पर लंडन में सूर्योदय हुआ। इस घटी पल के संस्कार को घण्टे मिनिट में

भी जान सकते है। रेखांश योग ८३।५ में १५ का भाग देने से घं० ५।३२।२० हुए। इनमें चरान्तर मि० जोड़ने से (घं ५।३२।२०)+(०।१९।१०)=घं ५।५१।३० स्पष्ट देशान्तर हुआ।

पंचांग साधनः— ता० ६—३—७१ के दिन काशी पंञ्चाग में संवत् २०२७ शक १८९२ फाल्गुन शुक्ल १० शनिवार घ० ४३।४६ आर्दा ३३।५६ (पूर्व दिन मृगशिर घ० ३२।३१ आयु २५।४४ तैत्तिल १३।४३ स्पष्ट सूर्य १०।२१।१९।४७ स्प. ग. ६०।९ चन्द्र मिथुन राशि भाग २ पृष्ठ १४१ पर दिये हुए नियमानुसार काशी के तिथ्यादि घटी पल में स्पष्ट देशान्तर के ऋण रहने से उसे घटाने पर लंदन के तिथ्यादि की घटी पल बनेगी। जैसे तिथि (घ० ४३।४६)(घ० १४।३९)=१० तिथि घ० २९।७। आर्द्रा (घ० ३३।५६)—(१४।३९)=आर्द्रा घ० १९।१७। आयु. योग (घ० २५।४४)—(१४।३९)=आयु. योग घ. ११।५। तैत्तिल करण की घ० १३।४३ से स्पष्ट देशान्तर अधिक है। अतः जातक के जन्म समय में तैत्तिल करण समाप्त होकर गर करण का आरंभ हो चुका था। इस तरह लंदन का पंचांग बनाना चाहिये।

भयात—भभोग साधन :— इसके साधन में ध्यान रखना चाहिये । अर्थात जैसे आर्द्रा की घटीपल में स्पष्ट देशान्तर घटाया है। वैसे ही गत नक्षत्र मृगशिर की घटी पल में भी स्पष्ट देशान्तर घटीपल घटाकर भयात भभोग बनाने के नियमानुसार जातक के जन्मकालिन भयात भभोग बना लेना चाहिये। यथा मृगशिर (घ० ३२।३१)— घ. (१४।३९) = मृगशिर घ० १७।५२ लंदन का उक्त नक्षत्रमान हुआ। इस पर से पूर्व दर्शित नियमानुसार भभोग ६०—(१७।५२)=४२।८ इसमें आर्द्रा का मान जोड़ने से आर्द्रा भभोग=(४२।८)+(१९।१७)= ६१।२५। भयात = (४२।८)+(इष्ट घ. ८।१३)= ५०।२१ हुआ। अथवा लंदन के इष्टकाल में स्पष्ट देशान्तर का विपरीत संस्कार करने से काशी का इष्टकाल होगा। उस पर से काशी के नक्षत्रमान द्वारा भयात भभोग साधन करना चाहिये। जैसे लंदन इष्टकाल (घ. ८।१३)+ (स्प. देशान्तर अं.घ. १४।३९) = घ. २२।५२ यह काशी के सूर्योदय से इष्टकाल हुआ। यहाँ यह ध्यान रखना चाहिये कि काशी में सूर्योदय पहले हुआ है और लंदन में बाद में हुआ। अतः काशी के सूर्योदय से जन्म समय तक का इष्टकाल लंडन के सूर्योदय की दृष्टि से अधिक है।

ग्रह साधनः— काशी के सूर्योदय से लाये गये इष्टकाल पर से पंञ्चागस्थ ग्रह पंक्ति द्वारा ग्रह स्पष्ट करना चाहिये। अर्थात् पंञ्चाग जिस नगर का हो उस नगर के सूर्योदय से बने इष्ट काल द्वारा भयात—भयोग ग्रह स्पष्ट करना चाहिये। इनके लिये जन्म स्थान के सूर्योदय से बने इष्टकाल की आवश्यकता नहीं है। जन्म भूमि के इष्टकाल से लग्न दशम लग्न का साधन करना चाहिये।

ता० ६—३—७१ शनिवार के दिन लंडन के स्टॉ.टा. १०।१७ समयानुसार बने इष्टकाल आदि नीचे दिये जाते हैं।

अथ जन्माङ्गम्   इष्टकाल, लग्न तथा सूर्यादि स्पष्ट ग्रह

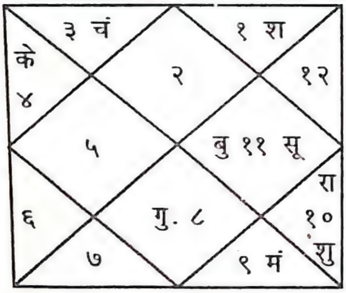

इष्ट	ल	सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
८	१	१०	२	८	१०	७	९	०	९
१३	२१	२१	१७	१	२५	१४	९	२४	२८
२७	४३	४२	३९	१४	६	४६	५२	३	५९

विदेश की कुण्डली साधन का दूसरा उदाहरण

ता० ९—३—७१ मंगलवार के दिन रात्रि ९।३० पर डरबन में जन्म। डरबन (दक्षिण अफ्रिका) दक्षिण अक्षांश २९।५२ पूर्व रेखांश ३१।० रेखान्तर मि० ४।० धन। दक्षिणा क्रान्ति ४।५३। बेलान्तर मि० १०।५५ धन। गणित करने का क्रम पूर्ववत् समझें।

डरबन चर साधन :—

२९ अक्षांश ५ क्रान्ति सम्बन्धि चर मि. ११।७
२९ अक्षांश ४ क्रान्ति सम्बन्धि चर मि. ८।५३
अन्तर मि. = २।१४

क्रां क.
$\frac{(२।१४)\ ५३}{६०} = \frac{११८।२२}{६०} = १।५८$

२९ अक्षांश ४ क्रान्ति सम्बन्धि चर मि. ८।५३
अनुपात से प्राप्त फल + १।५८
(१)२९ अक्षांश ४।५३ क्रान्ति सं चरमि. १०।५१

३० अक्षांश ५ क्रान्ति स. चर मि. ११।३५
३० अक्षांश ४ क्रान्ति स. चर मि. ९।१५
अन्तर मि. = २।२०

क्रां क.
$\frac{(२।२०)\ ५३}{६०} = \frac{१२३।४०}{६०} = २।४$

३० अक्षांश ४ क्रान्ति स. चर मि. ९।१५
अनुपात से प्राप्त फल + २।४
(२)३० अक्षांश ४।५३ क्रान्ति सं चरमि. ११।१९

(२) ११।१९
(१) १०।५१
अन्तर ०।२८

$\frac{(०।२८)\ ५२\ अ.क.}{६०} = \frac{२४।१६}{६०} = ०।२४$

(१)२९ अक्षांश ४।५३ क्रान्ति सं चरमि. १०।५१
अनुपात से प्राप्त फल मि. + ०।२४
२९।५२अक्षांश ४।५३ क्रांति सं. चरमि=११।१५

डरबन चर मि. ११।१५

सूर्योदय इष्टकाल एवं लग्न साधन

भाग २ पृष्ठ १३५ पर लिखे सूर्योदय साधन के नियमानुसार इष्ट स्थान का सूर्योदय साधन करें।

६
— ११। १५ चर मि.
५। ४८। ४५
+ १०। ५५ बेलान्तर
५। ५९। ४०
— ४। ० रेखान्तर
५। ५५। ४० स्टॉ.टा.सू.उ.

डरबन में ता० ९—३—७१ के दिन सूर्योदय स्टॉ.टा ५। ५५। ४० पर हुआ। इस पर से भाग १ पृष्ठ १६ पर लिखे नियमानुसार रात में ९.३० समय का इष्टकाल घ. ३८।५५।५० हुआ। उक्त दिन सूर्य १०।२५ है। अत: ३० अक्षांश की सारणी द्वारा भाग १ पृष्ठ ९९ पर दिये दक्षिण अक्षांश के लग्न साधन के नियमानुसार लग्न ७।० वृश्चिक प्राप्त हुआ। पूर्ववत जन्माङ्ग चक्र में ग्रहों का न्यास करने से जातक की जन्म कुण्डली बन जायेगी।

स्पष्ट देशान्तर साधन के लिये काशी का चर साधन

२५ अ. ५ क्रान्ति स. चरमि. ९। २१
२५ अ. ४ क्रान्ति स. चरमि. —१। ५३
अन्तर मि. = १। ५३

$$\frac{(१।५३)\ ५३\ \text{क्रां.क.}}{६०} = \frac{९९।४९}{६०} = १।४०$$

२५ अ. ४ क्रान्ति स. चरमि. ७। २८
अनुपात से प्राप्त फल मि. + १। ४०
(१)२५ अक्षांश ४। ५३ क्रान्ति चरमि. ९। ८

२६ अ. ५ क्रान्ति स. चरमि. ९। ३७
२६ अ. ४ क्रान्ति स. चरमि. ७। ४९
अन्तर मि. = १। ४८

$$\frac{(१।४८)\ ५३\ \text{क्रां.क.}}{६०} = \frac{११५।२४}{६०} = १।५५$$

२६ अ. ४ क्रान्ति स. चरमि. ७। ४९
अनुपात से प्राप्त फल मि. + १। ५५
(२) २६ अ. ४। ५३ क्रान्ति सं चरमि. ९। ४४

(२) ९।४४
(१) ९।८
अन्तर ०।३६

$$\frac{(०।३६)२०\ \text{अ.क.}}{६०} = \frac{१२}{६०} = ०।१२$$

(१) २५ अ. ४। ५३ क्रान्ति चरमि. ९। ८
अनुपात से प्राप्त फल मि. + ०। १२
२५। २० अ ४। ५३ क्रां.सं. चरमि. ९। २०

काशी चर मि. ९। २०

दक्षिणोत्तर संस्कार साधन:— डरबन के दक्षिण अक्षांश हैं। और काशी के उत्तर अक्षाशं है। अत: भाग २ पृष्ठ १४० पर लिखे नियमानुसार दोनों देशों के चर का योग = (११।१५)+(९।२०)= मि. २०। ३५ यह दक्षिणोत्तर (चरयोग) संस्कार कहलाता है।

पूर्वापर देशान्तर साधन:— यहाँ दोनों नगर पूर्व रेखाशं के हैं। अत: दोनों नगरों के रेखांशों का अन्तर करना चाहिये। काशी रेखांश (८३।०)—डरबन रेखांश (३१।०)= ५२।० रेखांशान्तर।

$$\frac{(५२।०)\ १०}{} = \text{पल } ५२० = \text{घ. } ८।४० = \text{पूर्वापर देशान्तर घटी। अथवा}$$

$$\frac{(५२।०)}{१५} = \text{घं } ३ \text{ मि. } २८ = \text{पूर्वापर देशांतर के घंटे मिनिट।}$$

स्पष्ट देशान्तर साधन:– इसके साधन के लिये भाग–२ पृष्ठ १४९ पर दिये गये कोष्टक का उपयोग करना चाहिये। कोष्ठकानुसार स्पष्ट देशान्तर = घं. ३ मि. २८ पूर्वापर दे.अं.–घं ०।२०।३५ चरयोग = घं. ३।७।२५ ऋण। स्पष्टदेशान्तर घटी पल ७।४८।३२।३० ऋण।

डरबन की इष्ट घटी ३८।५५।५० इसमें स्पष्ट देशान्तर घटी ७।४८।३२।३० जोड़ने से काशी के सूर्योदय से इष्टकाल घ. ४६।४४।४२।३०।

पंचाङ्ग साधन:– ता. ९–३–७१ के दिन काशी के पंचाङ्ग में संवत २०२७ शक १८९२ फाल्गुन शुक्ल १३ मंगल घटी ५१।३७ आश्लेषा घ. ४५।३४ अतिगंड घ. २२।२२ कौलव १९।४३ चन्द्र सिंह ४५।३४ उपरान्त। दूसरे दिन मघा. घ. ५१।२६ यहाँ पर भी स्पष्ट देशान्तर घटी पल घटाने से डरबन का पंचाङ्ग–फा. शु. १३ मंगल घ. ४३।४८ आश्लेषा घ. ३७।४५ अतिग घ. १४।३३ तात्कालिक तैतिलकरण चन्द्र सिंह राशि–

भयात भभोग साधन:– काशी इष्ट घ. ४६।४५– आश्लेषा घ. ४५।३४=१। ११ मघा भयात। ६०–(४५।३४)= १४।२६ इसमें मघा का मान जोड़ने से मघा भभोग घ. ६५।५२। ग्रह स्पष्ट भी काशी के इष्टकाल एवं काशी के पंचाङ्ग की पंक्ति द्वारा करना चाहिये।

विशेष:– कभी ऐसी भी परिस्थिति आती है कि स्पष्ट देशान्तर के घटी पल से अपने पंचाङ्ग में तिथ्यादि के घटी पल कम रहें, तब विषम परिस्थिति उत्पन्न हो जाती है। उस समय विवेक से काम करना चाहिये। इसके लिये एक कल्पित उदाहरण देकर विचार किया जाता है। कल्पना किया कि जातक का जन्म लंदन में हुआ। और स्पष्ट देशान्तर घटी १५ ऋण है। एवं जन्म दिन भाग–१ पृष्ठ १३ पर दिए हुए पंचाङ्ग में श्रावण कृष्ण ५ शुक्रवार का है। इस दिन तिथि तथा नक्षत्र का मान स्पष्ट देशान्तर से कम है। इस मान में स्पष्ट देशान्तर नहीं घट सकेगा। इस स्थिति में सर्वप्रथम उदय काल मे जो तिथि आदि है उनसे आगे की तिथि नक्षत्रादि का भोग मान लाना चाहिये। उस भोग मान में उदयकालिक तिथि नक्षत्रादि का मान जोड़ कर योगफल में स्पष्ट देशान्तर घटाने से शेष घटी पल सूर्योदय कालिक तिथि नक्षत्रादि के मान होंगे। जैसे ५ शुक्रवार घटी ६। २ है। अत: षष्ठी का भोग मान साधना है। ६०–(६।२)=५३।५८ इसमें षष्ठी घ. १।२५ मिलाने से षष्ठी भोग घ. ५५।२३ हुई। षष्ठी भोग (घ. ५५।२३)+पंचमी (घ. ६।२)=योग घटी ६१।२५। योग (घ. ६१।२५)–(स्प. दे. अँ. घ. १५।०) षष्ठी घ. ४६।२५।

अर्थात जातक के जन्म दिन लंदन में षष्ठी घ. ४६।२१ शुक्रवार रहेगा। यह स्मरण रहे कि तिथि बदल गयी परन्तु वार शुक्र ही रहेगा। ५ शुक्रवार के दिन पूर्वाभद्रपद घ. १४।२५ है। यह स्पष्ट देशान्तर घ. १५ से कम है। अत: उत्तराभाद्रपद का भोग जानना है। ६०–(१४।२५) = ४५।३५ इसमें उत्तराभाद्रपद के मान घ. ११।४१ को मिलाने से उ. भा. भोग घ. ५७।१६ हुआ। इसमें पूर्वाभाद्रपद का मान घ. १४।२५ मिलाकर योग घ. ७१।४१ में स्पष्ट देशान्तर घ. १५ घटाने से उ.भा.घ. ५६।४१ षष्ठी शुक्र के दिन लंदन में रहेगा।

उस दिन शोभन योग घ. २१। २० है। इसमें स्प. दे.अं.घ. १५ घटाने से शोभन योग घ. ६। २० लंदन में रहेगी।

तात्कालिक करण इष्टकाल के अनुसार जानना चाहिये। इसके जानने के लिये भाग–१ पृष्ठ ३ पर विवरण दिया है। प्रकृत कल्पित उदाहरण में यदि इष्ट षष्ठी के पूर्वार्ध में पड़ता है तो गर करण और उत्तरार्घ में पड़ने से वणिज करण रहेगा। भयात भभोग का साधन तो पंचाङ्ग जिस नगर का है उस नगर के इष्ट काल से लाया जा सकता है और इसका साधन ऊपर में दिखाया गया है।

इस प्रकार की अनेक परिस्थितियाँ गणित करते समय आ सकती हैं। वहाँ अभ्यासी सुज्ञजन तदनुकूल कार्य करेंगें।

जन्म पत्रिका लिखने का क्रम

श्री गणेशाय नम:।। स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् वासरमणिरिव तमसां राशीन्नाशयतु विध्नानाम् ।।१।। स्वस्ति श्रीमन्नृपति–विक्रमार्कराज्यसमयातीत संवत् १९७६ वर्षे श्री मद्भूपतिशालिवाहनकृतशाके १८४१ प्रवर्तमाने प्रजापतिनामसंवत्सरे दक्षिणायनगते श्री सूर्ये वर्षतौ महामाङ्गल्यफलप्रदे मासोत्तमे श्रावणे मासे कृष्णे पक्षे १२ तिथौ घट्य: २४।४१ गुरुवासरे मृगशिरसि नक्षत्रे घट्य: ४७।५ ध्रुवयोगे घट्य: २९।१२ तात्कालिके तैतिलकरणे वृषभराशि: स्थिते चन्द्रे राशिनवमांशे मकराद्ये कन्याख्ये बुधदैवत्ये शुक्रराश्यधिपतौ सर्पयोनौ देवगणे वैश्यवर्णे मृगवर्गे पूर्वभागयुञ्जायां भूमिहंसके मध्यानाडीस्थिते श्रीफणीश्वरचक्रे

कर्कसङ्क्रान्तैर्गतांशाः ७ क. १९ वि. ३५ श्रीमन्मार्तण्डमण्डलार्घोदयाद्गतघट्यः १६ पलानि ३० एतत्समये तुलालग्नवहमानायां शुभवेलायां विप्रज्ञातौ श्रीयुतशेठ शिवलालात्मजपरमानन्दबोरा इत्येषां गृहे अखण्डसौभाग्यवतीभार्यायाः अञ्जुदेव्याः कुक्षौ पुत्ररत्नजन्म। तदभिधानं मृगशिरोनक्षत्रस्य २ चरणानुगर्त वकाराक्षरे ओस्वरोपरि जन्मनाम। परं मातृपित्रोरुल्लापने यथारुचि (वृद्धिशंकर) देयम्। घाताख्यं मार्गशीर्षमासः ५।१०।१५ तिथयः शनिवासरः हस्तनक्षत्रं सुकर्मायोगः शकुनिकरणम् ४ प्रहरः ५ चन्द्र इति। शुभं भवतु। कल्याणमस्तु।

इसके बाद नीचे यदि ग्रह स्पष्ट किये हों तो उन्हें गति आदि के साथ लिखें और बाद में जन्माङ्ग चक्र एवं राशिचक्र (देखो पृ. ३७) रखना चाहिये। ग्रह स्पष्ट न किये हों तो जन्माङ्गचक्र तथा राशिचक्र लिखें। यदि जन्मपत्रिका बड़ी हो तो उदाहरण क्रम में जैसे जैसे चक्रादि कोष्ठक दिये हैं वैसे ही क्रमशः लिखने चाहिये।

---===00000===---

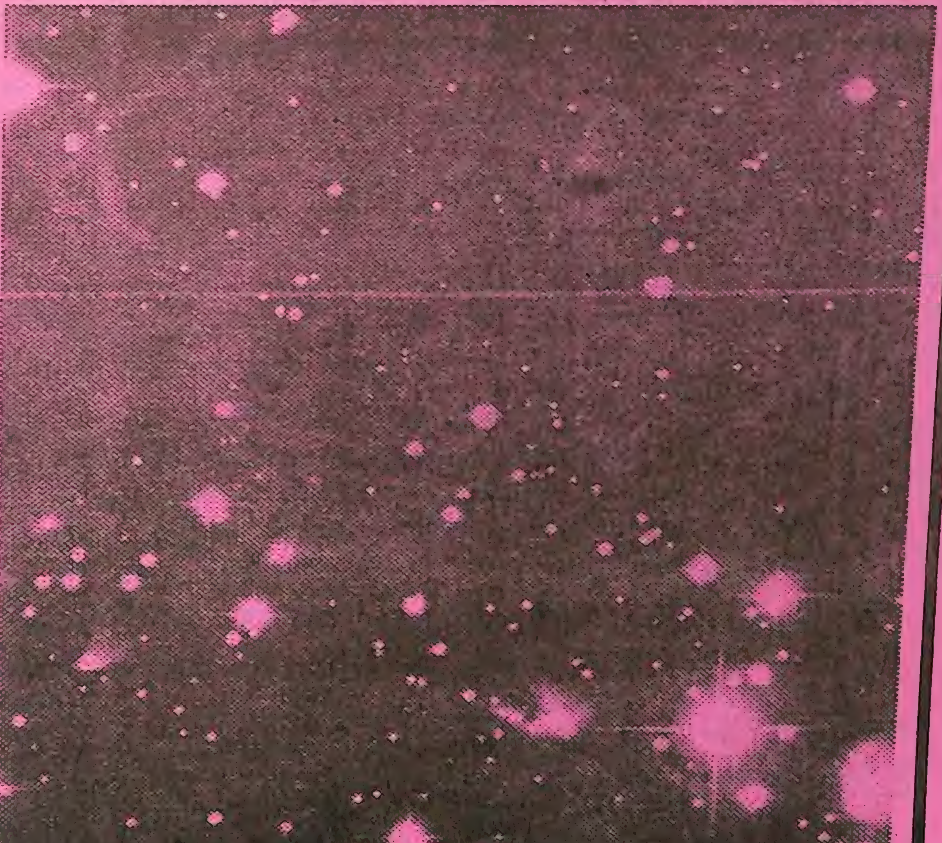

॥ श्री ॥

भारतीय कुण्डली विज्ञान

भाग - ३

मूल्य १८०-००

भारतीय कुंडली विज्ञान, भाग - ३

वर्ष गणित साधन प्रकरण

अथ वर्ष प्रवेश गणित :-

जातक के जन्म समय में सूर्य जिस राशि अंश कलादि पर होगा उसी राशि अंश कलादि पर पुन: जब सूर्य आता है तब जन्म से एक सौर वर्ष पूर्ण होता है। इसी प्रकार जब-जब सूर्य भ्रमण द्वारा जन्म के सूर्य की राश्यादि के समान होगा तब-तब उसके आयुष्य का एक-एक वर्ष पूर्ण होता जायेगा। उस समय के लग्न तथा ग्रह पर से निर्मित कुंडली द्वारा मनुष्य के वर्तमान वर्ष का शुभारम्भ देखा जाता है। इस पद्धति को ताजक कहते हैं। इस पद्धति का प्रारम्भ यवन राज्य में शक १२०० के अनन्तर हुआ है ऐसा विद्वानों का मत है। ताजक शब्द के असंस्कृत होने के कारण इस पद्धति पर विदेशी प्रभाव पड़ा है, यह निर्विवाद है। कुछ विद्वानों ने ताजक को तार्तीयक रूप में संस्कृत किया है। ताजक को तार्जीक भी कहते हैं।

वर्ष प्रवेश गणित के लिये ताजिक[१] भूषण पद्धति, दैवज्ञा[२] लंकृति, ताजिक[३] तंत्रसार, ताजिक[४] नीलकंठी प्रभृति अनेक ग्रन्थ बने हैं। तथापि ताजिकनीलकंठी का प्रचार विशेष है। इसमें सौर वर्ष का मान ३६५। १५। ३१। ३० ग्रहण किया गया है। यह प्राचीन सूर्य सिद्धांत का है। वर्तमान सूर्य सिद्धांत का इससे भिन्न ३६५। १५। ३१। ३१। २४ यह मान[५] है।

१– पार्थपुर ग्रामस्य ढुंढिरामात्मज गणेश कृत। शक १४८०। २– तेजसिंह कृत सन् १३००। ३– समरसिंह कृत, शक १३५६ के आसन्न। ४– नीलकंठ दैवज्ञकृत, शक १५०९। ५– पाश्चात्य मत से वर्षमान ३६५।१५।२२।५७।३० यह है। अत: यहाँ के कतिपय विद्वान इस मान के अनुसार निर्मित सारिणी द्वारा वर्ष प्रवेश का साधन करते हैं। नवीन सारिणी पर से वर्ष प्रवेश अभीष्ट हो तो नवीन सारिणी नीचे दी जाती है।

	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	४	२	१	६	५	३	२	१
घटी	१५	३०	४६	१	१६	३२	४७	३	१८	३३	७	४१	१५	४९	२२	५६	३०	४
पल	२२	४५	८	३१	५४	१७	४०	३	२६	४९	३९	२८	१८	७	५७	४७	३६	२६
दि.	५७॥	५५	५२॥	५०	४७॥	४५	४२॥	४०	३७॥	३५	१०	४५	२०	५५	३०	५	४०	१५

वर्ष प्रवेश साधनः— एक वर्ष के मान (३६५।१५।३१।३०) को गत वर्ष संख्या से गुणा करने पर गतवर्ष के दिनादि होंगे। दिन संख्या में ७ से भागने पर शेष वारादि होगा। परन्तु ३६५ में ७ का भाग देकर शेष १ तथा १५। ३१।३० को गतवर्ष से गुणा करने पर सरलता रहती है। अतः इसी (१। १५। ३१। ३०) को गत वर्ष से गुणा करने की प्रथा प्रचलित है। तदनुसार गुणन के परिश्रम को दूर करने के लिये सारिणी दी गयी है। उसमें से गत वर्ष संबंधि वारादि सरलता से मिल जाते हैं। उनमें जन्म समय के वार तथा इष्ट घटी पल मिलाने से वर्ष प्रवेश समय के वार तथा इष्ट घटी पल होंगे। इस इष्ट तथा जन्म के सूर्य से साधित लग्न वर्ष प्रवेश का लग्न होगा।

दूसरी विधि

गताः समाः पादयुताः प्रकृतिघ्नसमागणात्
स्ववेदाप्तघटीयुक्ता जन्मवारादिसंयुताः।
अब्दप्रवेशे वारादिसप्ततष्टेऽत्र निर्दिशेत्।।

गतवर्ष संख्या में अपना चतुर्थांश मिलाने से वारादि फल होगा तथा गतवर्ष संख्या को २१ से गुणा कर ४० का भाग देने से लब्ध फल घट्यादि होगा। इन दोनों के योग में जन्म वारादि* (वार. इष्ट घटी पल) मिलाने से वर्ष प्रवेश के वारादि होंगे।

उदाहरणः— जन्म संवत् १९६५ शक १८३० श्रावण शुक्ल १५ बुधवार। इष्ट घ० ४५। १५ सूर्य : ३। २६। ४४। ४० लग्न १। ६।

प्रथम रीति द्वारा। २०११—१९६५ = ४६ गतवर्ष। (१।१५।३१।३०) × ४६= ४६।६९०।१४२६।१३८० = ५७।५४।९। वार में ७ से भागने पर शेष १।५४। ९ वारादि हुआ। १।५४।९ वारादि में जन्म के वार तथा इष्ट घटी पल ४।४५।१५ मिलाने से वर्ष प्रवेश वारादि* ६।३९।२४।

दूसरी रीति द्वारा। गतवर्ष ४६ इसका चतुर्थांश ११।३०।

* वार की संख्या रविवार से गिननी चाहिये। रविवार से १, सोम से २ इत्यादि।

वर्ष प्रवेश सारिणी

गतवर्ष	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४	०	६	१	२	३	४	६
घटी	१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९	३५	५०	६	२१	३७	५२	८
पल	३१	३	३४	६	३७	०	४०	१२	४३	१५	४६	२८	४९	२१	५२	२४
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
गतवर्ष	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२
वा.	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	०	०	१	२	४	५
घ.	२३	३९	५४	१०	२६	४१	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५	१	१६
प.	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८
वि.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
गतवर्ष	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८
वा.	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४
घ.	३२	४७	३	१८	३४	४९	५	२१	३६	५२	७	२३	३८	५४	९	२५
प.	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२
वि.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
गतवर्ष	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४
वा.	५	६	१	२	३	४	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३
घ.	४०	५६	११	२७	४२	५८	१३	२९	४४	०	१५	३१	४७	२	१८	३३
प.	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६
वि.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
गतवर्ष	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वा.	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२
घ.	४९	४	२०	३५	५१	६	२२	३७	५३	८	२४	३९	५५	१०	२६	४२
प.	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०
वि.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
गतवर्ष	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६
वा.	३	५	६	०	१	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१
घ.	५७	१३	२८	४४	५९	१५	३०	४६	१	१७	३२	४८	३	१९	३४	५०
प.	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४
वि.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०

४६+ ११।३० = ५७।३० वारादि फल। ४६x२१=९६६ इसमें ४० का भाग देने पर २४।९ घट्यादि फल। (५७।३०)+(०।२४।९) = ५७।५४।९ वारादि।

५७ इसमें ७ का भाग देने पर शेष १।५४।९ वारादि (१।५४।९)+ (४।४५।१५)= ६।३९।२४ वर्ष प्रवेश वारादि।

वार ६ से शुक्रवार हुआ। यथा ३९।२४ वर्ष प्रवेश की इष्ट घटी पल हुई। इस इष्ट (३९।२४) तथा जन्म के सूर्य ३।२६ द्वारा साधित लग्न ११।२२ वर्ष प्रवेश लग्न हुआ।

वर्ष प्रवेश तिथि साधन

शिवघ्नोऽब्दः स्वखाद्रीन्दुलवाख्यः रवाग्नि शेषितः।
जन्मतिथ्यन्वितस्तत्र तिथावब्दप्रवेशनम्।।

गत वर्ष संख्या को ११ से गुणा कर १७० से भागने पर लब्ध फल को ११ से गुणित गत वर्ष में मिला दें। और योग फल में ३० से भाग देकर शेष में जन्म तिथि (शुक्र प्रतिपदा से गिनकर) संख्या मिला देनी चाहिये। यदि योग ३० से अधिक हो तो ३० का भाग देकर शेष तिथि (शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से गिनकर) वर्ष प्रवेश की तिथि होगी।

उदाहरण:— गत वर्ष ४६।।४६×११=५०६ में १७० का भाग देने पर लब्ध २।५८।।५०६+२।५८=५०८।५८।।५०८ इसमें ३० का भाग देने पर शेष २८।५८ इसमें जन्म तिथि १५ मिलाने पर २८।५८+१५=४३।५८।।४३ यह ३० से अधिक है, अतः ३० से भागने पर शेष १३।५८ यह वर्ष प्रवेश तिथि हुई। अर्थात् शुक्ल १४ के दिन वर्ष प्रवेश हुआ। इस प्रकार वर्ष प्रवेश की तिथि सर्वत्र नहीं मिलती। कभी-कभी एक दो तिथि का अन्तर पड़ जाता है। यह अन्तर तिथि के क्षय वृद्धि के कारण पड़ता है। अतः जन्म के सूर्य के राशि अंशादि जिस दिन मिलेंगे वही वर्ष प्रवेश की तिथि मानी जायेगी। इसी प्रकार कभी-कभी वर्ष प्रवेश वार में भी एक वार के अन्तर का सम्भव रहता है। अतः यहाँ पर भी सूर्य ही प्रधान मानना चाहिये। वार न मिले तो एक वार घटा बढ़ा देना चाहिये।

इस प्रकार उदाहृत जातक का वर्ष प्रवेश संवत २०११ शक १८७६ श्रावण शुक्ल १४ शुक्रवार से दिन इष्ट ३९।२४ पर हुआ। अर्थात इस दिन ४७ वें वर्ष का प्रारम्भ हुआ तथा ४६ वर्ष गत हुए।

जन्म लग्न वर्ष लग्न

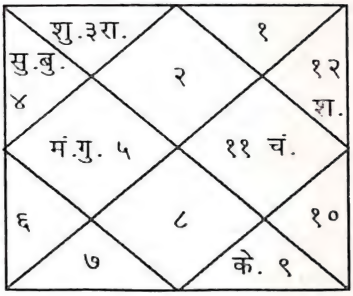

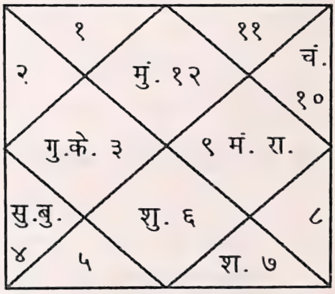

जातक का जन्म अमदाबाद (गुजरात) का है। अत: ग्रह तथा लग्नादि साधन उसी स्थान के संबंध से किया गया है। ग्रह तथा लग्नादि भाव जन्म की तरह स्पष्ट करने चाहिये।

वर्ष प्रवेश कालिक स्पष्ट ग्रह

र.	च	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.
३	९	८	३	२	५	६	८
२६	१७	११	१९	२६	११	१२	१९
४४	१५	१७	४७	२६	३१	९	३४
२२	३९	१०	४४	१५	४३	५२	२७

वर्ष में भी चलित नवमांश आदि का साधन करना चाहिए। यहाँ पर विस्तार के भय से द्वादश भाव चलित तथा नवमांशादि नहीं दिये हैं।

मुंथा विचार

स्वजन्मलग्नात्प्रतिवर्षमेकैकराशिभोगान्मुवहाव्रमोऽत:।
स्वजन्मलग्नं रवितष्टयातं गताब्दयुक्तं भमुखेथिहा स्यात्।।

मुंथहा को जन्मलग्न माना जा सकता है। अर्थात जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथहा होती है और प्रति वर्ष एक-एक राशि बढ़ती है। अत: गत वर्ष संख्या में जन्मलग्न जोड़ने से मुंथहा की वर्तमान राशि होगी। यदि १२ से अधिक हो तो १२ का भाग देकर शेष मुंथहा की राशि होगी। मुंथहा जिस राशि में हो उसी राशि में ग्रहों की तरह वर्ष लग्न चक्र में रखनी चाहिये। इससे भी फल विचार किया जाता है।

उदाहरण:— गत वर्ष ४६ जन्म लग्न १।६।।४६+१।६=४७।६।।४७ यह १२ से अधिक है, अत: १२ से भागने पर शेष ११।६ मुंथहा हुई। अर्थात मुंथहा मीन राशि पर है। यह वर्षारंभ की मुंथहा होगी। मुंथहा की दैनिक गति ५ कला है।

तथा मासिक गति २ अंश ३० कला रहती है। अत: मासिक कुंडली के लिये २/३० अंशादि गति प्रति मास में बढ़ाने से प्रति मास की मुंथहा होगी।

ग्रहों का बल विचार

ग्रहों का हर्ष बल, पंचवर्गी बल तथा वृहद्द्वादशवर्गी बल निकाला जाता है। यहाँ पर हर्ष बल तथा पंचवर्गी बल का साधन दिखाया जायेगा।

हर्ष बल

मंदत्रिषड्लग्नभवर्क्षपुत्रा व्यया इनाद्धर्षपदं स्वमोच्चे।
त्रिभं त्रिभं लग्नभत: क्रमेश स्त्रीणां नृणां रात्रिदिने च तेषाम्।

हर्ष बल ५ माना जाता है। अत: जो ग्रह हर्षित होगा उसका ५ बल मिलेगा, हर्षस्थान चार हैं।

प्रथम हर्षस्थान:— वर्ष कुंडली में लग्न से ९ स्थान में सूर्य, ३ में चन्द्र, ६ में मंगल, १ में बुध, ११ में गुरु, ५ में शुक्र तथा १२ में शनि हर्षित होते हैं।

द्वितीय हर्षस्थान:— प्रत्येक ग्रह अपनी राशि तथा उच्च राशि में हर्षित होते हैं।

तृतीय हर्षस्थान:— लग्न से तृतीय (१ से ३) तथा सप्तम से नवम (७ से ९) स्थान में स्त्री ग्रह हर्षित होते हैं और चतुर्थ से षष्ठ (४ से ६) तथा दशम से द्वादश (१० से १२) स्थान में पुरुष ग्रह हर्षित होते हैं। चन्द्र, बुध, शुक्र तथा शनि स्त्री ग्रह हैं और सूर्य, मंगल तथा गुरु पुरुष ग्रह हैं।

चतुर्थ हर्षस्थान:— दिन में वर्ष प्रवेश हो तो पुरुष ग्रह तथा रात्रि में वर्ष प्रवेश हो तो स्त्री ग्रह हर्षित होते हैं।

इन चार स्थानों में प्राप्त बल के योग को हर्ष बल कहते हैं।

उदाहरण:— सूर्य वर्ष लग्न से ९ में नहीं है, अत: प्रथम बल नहीं मिला। सूर्य स्वराशि या उच्च राशि में नहीं हैं, अत: दूसरा बल नहीं मिला। सूर्य ५ में है। अत: तीसरा बल मिला और रात्रि में वर्ष प्रवेश होने के कारण पुरुष ग्रह सूर्य को बल नहीं मिला, यहाँ सूर्य को चार स्थानों में केवल एक स्थान का ही बल मिला। अत: सूर्य का हर्ष बल ५ हुआ। इस प्रकार अन्य ग्रहों का भी समझना चाहिये। पूर्वोक्त नियमानुसार प्राप्त हर्ष बल नीचे कोष्ठक में दिया जाता है।

अथ हर्षबलम्

र.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	ग्र.
०	०	०	०	०	०	०	१
०	०	०	०	०	०	५	२
५	०	५	०	५	५	५	३
०	५	०	५	०	५	५	४
५	५	५	५	५	१०	१५	यो.

ग्रहमैत्री

ताजिक मैत्री जातक मैत्री से भिन्न होती है। इसमें तात्कालिक परिस्थितवंश मित्रामित्र बदलते रहते हैं। अपने से ३।५।९।११ इन स्थानों में रहने वाला दूसरा ग्रह मित्र होता है। अपने स्थान से २।६।८।१२ इन स्थानों में रहने वाला अन्यग्रह सम तथा १।४।७।१० इन स्थानों में रहने वाला शत्रु होता है।

उदाहरण:– सूर्य से ३ शुक्र है। अत: शुक्र सूर्य का मित्र होगा। सूर्य से ६ में मंगल तथा १२ में गुरु है। अत: मंगल तथा गुरु सूर्य के सम है और सूर्य के साथ रहने वाला बुध, चतुर्थ शनि तथा सप्तम चंद्र ये सूर्य के शत्रु हैं। इस प्रकार अन्य ग्रहों को भी समझना चाहिए।

मैत्री चक्र

मित्र	सम	शत्रु
३	२	१
५	६	४
९	८	७
११	१२	१०

प्रकृत उदाहरण के अनुसार मित्रामित्र का चक्र

र.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	ग्र.
शु.	श.	श.	शु.	श.	चं. र. बु.	मं. वृ.	मित्र
मं. वृ.	मं. वृ.	चं. र. बु.	मं. वृ.	र. बु. च.	श.	शु.	सम
बु. श. चं.	र. बु. श.	वृ. शु.	बु. श. चं.	श. मं.	मं. वृ.	र. बु. चं.	शत्रु

पंच वर्गीबल

गृह बल, उच्चबल, हद्दाबल, द्रेष्काणबल तथा नवमांशबल के संयोग से पञ्चवर्गी बल बनता है। उसका पृथक पृथक साधन किया जाता है।

गृहबल– वर्ष कुण्डली में जो ग्रह अपनी राशि में होगा उसका ३०।० बल मित्र राशि में २२। ३० समराशि में १५। ० तथा शत्रुराशि में ७।३० बल मिलता है।

पंचवर्गी बल कोष्ठक

	स्व.गृह बल	हद्‌दा बल	द्रेष्काण बल	नवमांश बल
अपने घर में	३०।०	१५।०	१०।०	५।०
मित्र घर में	२२।३०	११।५५	७।३०	३।४५
सम घर में	१५।०	७।३०	५।०	२।३०
शत्रु घर में	७।३०	३।४५	२।३०	१।१५

उदाहरण:– सूर्य वर्ष कुण्डली में चन्द्र के घर में है। चन्द्र सूर्य का शत्रु है। अत: शत्रु घर में सूर्य को ७।३० बल मिला।

उच्च बल:– जिस ग्रह का उच्चबल लाना हो उस ग्रह में उसकी नीच राशि तथा अंश घटा देना चाहिए। यदि शेष ६ से अधिक हो तो उसे १२ में घटाकर शेष राशि अंश के अंश बनाकर उसमें ९ का भाग देने से उच्च बल आता है।

उदाहरण:– सूर्य ३।२६।४४।२२ में उसका नीच ६।१० घटाने से शेष ९।१६।४४।२२ यह हुआ। सूर्य का शेष ६ राशि से अधिक है उसे १२ में घटाने से १२–(९।१६।४४।२२) = २।१३।१५।३८ अंशादि ७३।१५।३८ में ९ का भाग देने से लब्ध ८।८।२४ फल सूर्य का उच्च बल हुआ। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी साधना चाहिये।

ग्रहों का उच्च-नीच चक्र

सू.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	
०	१	९	५	३	११	६	उच्च
१०	३	२८	१५	५	२७	२०	
६	७	३	११	९	५	०	नीच
१०	३	२८	१५	५	२७	२०	

हद्दाबल:– प्रत्येक राशि के ५ भाग माने गये हैं, परन्तु वे एक समान नहीं हैं और वे खंड १२ राशियों के भिन्न हैं। उनका स्पष्टीकरण कोष्टक में किया गया है।

अथात्र हद्दाचक्रमिदम्।

मे.	वृ.	मि.	क.	सिं	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मो.	रा.
६ वृ	८ शु.	६ बु.	७ मं.	६ वृ.	७ बु.	६ श.	७ मं.	१२ वृ.	७ बु.	७ शु.	१२ शु.	अं. स्वा.
६ शु.	६ बु.	६ शु.	६ शु.	५ शु.	१० शु.	८ बु.	४ शु.	५ शु.	७ वृ.	६ बु.	४ वृ.	अं. स्वा.
८ बु.	८ वृ.	५ वृ.	६ बु.	७ श.	४ शु.	७ वृ.	८ बु.	४ बु.	८ शु.	७ वृ.	३ बु.	अ. स्वा.
५ मं.	५ श.	७ मं.	७ वृ.	६ बु.	७ मं.	७ शु.	५ गु.	५ मं.	४ श.	५ मं.	९ मं.	अं. स्वा.
५ श.	३ मं.	६ श.	४ श.	६ मं.	२ श.	२ मं.	६ श.	४ श.	४ मं.	५ श.	२ श.	अ. स्वा.

कोष्ठक में मेष राशि के पाँच खण्ड ६,६,८,५,५ यें हैं। इनमें पहले खण्ड के ६ अंश का स्वामी गुरु, दूसरे खण्ड के ६ अंश का स्वामी शुक्र, तीसरे खण्ड के ८ अंश का स्वामी बुध, चौथे खण्ड के ५ अंश का स्वामी मंगल तथा छठवें खण्ड के ५ अंश का स्वामी शनि हैं। इसी प्रकार अन्य राशि के खण्डों के स्वामी समझ लेने चाहिये।

उदाहरण:— सूर्य ३।२६।४४।२२ है। यह कर्क राशि के पाँचवे खण्ड में है। इसका स्वामी शनि है। अत: सूर्य शनि की हद्दा में शत्रु क्षेत्री हुआ। इसका बल ३।४५ यह है। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी समझें।

द्रेष्काण बल

आद्या: कुजाद्या रवितोऽपि मध्यमा:।
सितात्तृतीया: क्रियतो दृक्काणपा:।।

जन्म के षड्वर्ग के अन्तर्गत द्रेष्काण से यह द्रेष्काण भिन्न है। अर्थात एक राशि के तीसरे भाग को द्रेष्काण कहते हैं, परन्तु उनके खण्ड स्वामी जन्म के द्रेष्काण से भिन्न होते हैं। यहाँ पर मेषादि १२ राशियों के प्रथम खण्ड (१–१० अंश) के स्वामी मंगल प्रभृति ग्रह होंगे। दूसरे खण्ड (११–२० अंश) के स्वामी रवि प्रभृति ग्रह होंगे तथा मेषादि राशियों के तीसरे खण्ड (२१–३० अंश) के स्वामी शुक्र प्रभृति ग्रह होंगे। इसका स्पष्टीकरण कोष्ठक में दिया गया है।

द्रेष्काणमिदम्

राशयः	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
प्र.द्रे. स्वा. १—१०	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	र.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.
द्वि.द्रे.स्वा. ११—२०	र.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	र.	चं.	मं.	बु.	वृ.
तृ.द्रे.स्वा. २१—३०	शु.	श.	र.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	र.	चं.	मं.

सूर्य ३२६।४४।२२। यह कर्क के तीसरे खण्ड में चन्द्र के द्रेष्काण में पड़ा। चन्द्र सूर्य का शत्रु स्थान है। अतः सूर्य का द्रेष्काण बल २३० हुआ। द्रेष्काण को ही दृक्काण कहते हैं। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी समझना चाहिए।

नवमांश बल:— नवमांश की गणना जन्म की तरह ही होती है। इसके बल का विवेचन कोष्ठक में पहले दिया गया है।

उदाहरण:— सूर्य ३।२६।४४।२२ है। यह कर्क के अन्तिम नवमांश मीन eale{k= dkg& अतः सूर्य का नवमांश बल २।३० प्राप्त हुआ। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी समझना चाहिये।

प्रकृत उदाहरण के अनुसार पंचवर्गी बल बोधक चक्र दिया जाता है। उससे इस विषय का ज्ञान सरलता से हो जायेगा। ५ स्थानों से प्राप्त बल के योग में ४ का भाग देने से विंशोपक बल होता है। उसमें ५ विंशोपक बल से अल्प बल वाला ग्रह हीन वीर्य, ५ से अधिक बल वाला मध्य वीर्य तथा १० से अधिक बल वाला ग्रह बली कहलाता है।

पंचवर्गी बल बोधक चक्र

	सूर्य			चंद्र			मंगल			बुध			गुरु			शुक्र			शनि		
गृहबल	७	३०		७	३०		७	३०		७	३०		२५	०		२२	३०		१५	०	
उच्चबल	८	८	२४	८	१५	४	१४	४८	३४	१३	५१	५८	१९	२	५५	१	४३	८	१९	७	४५
हद्दाबल	३	४५		११	५५		३	४५		७	३०		११	५५		१५	०		११	५५	
द्रेष्काणबल	२	३०		५	०		५	०		१०	०		५	०		१०	०		१०	०	
नवांशबल	२	३०		१	१५		२	३०		२	३०		२	३०		१	१५		५	०	
सर्वबल	२४	२३	२४	३३	५५	४	३३	३३	३४	४१	२१	५८	५३	२७	५५	५०	२८	८	६१	२	४५
४सेमाजि॰	६	५	५१	८	२८	४६	८	२३	२३	१०	२०	३०	१३	२१	५९	१२	३७	२	१५	१५	४१
बल भेद	मध्वबली			मध्वबली			मध्वबली			बली			बली			बली			बली		

दृष्टि साधन:— अपने स्थान से ९।५ स्थान पर प्रत्यक्ष स्नेह देने वाली ४५ कलात्मक दृष्टि रहती है। यह सर्वकार्य को साधने वाली मेलापक दृष्टि कहलाती है। अपनी राशि से ३।११ वीं राशि पर गुप्त स्नेह वाली तथा कार्य को सिद्ध करने वाली दृष्टि रहती है। यह दृष्टि ३री राशि पर ४० कला तथा ११वीं राशि पर १० कला की रहती है। अपनी राशि से ४।१० वीं राशि पर गुप्त शत्रु भाव वाली १५ कला की दृष्टि रहती है। एक दूसरे से सप्तम राशि पर तथा एक साथ रहने वाले ग्रह की पूर्ण ६० कला की प्रत्यक्ष बैर वाली दृष्टि रहती है। ये अन्तिम की तीन दृष्टियाँ क्षुत् दृष्टियाँ कहलाती हैं तथा कार्य का नाश करने वाली एवं कलहादि को उत्पन्न करती हैं, परन्तु दोनों ग्रहों का अन्तर १२ अंश से अल्प रहने पर दृष्टि का फलाफल होता है। अन्यथा कम प्रभाव पड़ता है।

दोनों ग्रहों के राश्यन्तर पर से दृष्टि जानने के लिये चक्र दिया गया है। अपने से ९ वा ५ स्थान पर ४५ कला की दृष्टि रहती है। अपने से ९ वीं वा ५ वीं राशि का अन्तर ८ वा ४ होगा। अत: ८ तथा ४ राशि के नीचे ४५ कला दृष्टि लिखी गयी है। इसी प्रकार अन्य भी दृष्टियां समझनी चाहिये।

दृष्टि चक्र

राशि शेष संख्या	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
दृष्टि कला	०	४०	१५	४५	०	६०	०	४५	१५	१०	०	६०

प्रकृत उदाहरण के अनुसार ग्रहों का दृष्टि चक्र

र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
०	०	०	०	०	०	०
४५	४०	१५	४५	१५	६०	०

त्रिराशि पति

त्रिराशिपा: सूर्यसितार्किशुक्रा दिने निशीज्येन्दुबुधक्षमाजा:।
मेषाश्चतुर्णा हरिभाद्विलोमं नित्यं परेष्वार्किकुजेज्यचन्द्रा:।।

दिन में वर्ष प्रवेश हो तो मेषादि लग्नों के स्वामी तथा रात्रि में वर्ष प्रवेश हो तो मेषादि लग्नों के स्वामी कोष्ठक में दिये गये हैं।

त्रिराशि पति का कोष्टक

राशि	मे. १	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	मी. १२
दिवा पति	र.	शु.	श.	शु.	वृ.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	वृ.	च.
रात्रि पति	वृ.	चं.	बु.	मं.	र.	शु.	श.	शु.	श.	मं.	वृ.	चं.

प्रकृत उदाहरण में वर्ष लग्न १२ है तथा वर्ष प्रवेश रात में हुआ है। अत: त्रिराशिपति चन्द्र हुआ।

इस कोष्ठक में धनु से चार राशियों के त्रिराशिपति पति समान हैं। मेष राशि का दिन में सूर्य रात्रि में गुरु है। वृषभ राशि का दिन में शुक्र राशि में चन्द्र है। इसी प्रकार अन्य राशियों का भी त्रिराशिपति समझना चाहिये।

पंचेश विचार

जन्मलग्नपतिरब्दलग्नपो मुंथहाधिप इतस्त्रिराशिप:।
सूर्यराशिपतिरह्नि चन्दभांधीश्वरो निशि विमृश्य पञ्चकम्।।

पंचाधिकारी पाँच होते हैं। जन्म लग्न स्वामी, वर्ष लग्न स्वामी, मुंथहा स्वामी, त्रिराशिपति दिन में जन्म हो, तो सूर्य जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी और रात्रि में जन्म हो तो चन्द्र जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी। ये पांच ग्रह पंचाधिकारी माने जाते हैं।

प्रकृत उदाहरण में जन्म लग्न पति शुक्र, वर्ष लग्न पति गुरु, मुंथहाधिपति गुरु, त्रिराशिपति पूर्वसाधित चन्द्र, रात्रि में वर्ष प्रवेश है। अत: चन्द्र राशिपति शनि ये पांच पंचाधिकारी।

प्रकृत उदाहरण के अनुसार पंचाधिकारी

जन्म लग्न पति	वर्ष लं. पति	मुंथेश	त्रिराशि पति	रात्रि पति
शुक्र	गुरु	गुरु	चन्द्र	शनि

वर्षेश निर्णय

बलीय एषां तनुमीक्षमाणस्य वर्षपो लग्नमनीक्षमाण:।
नैवाब्दपो दृष्ट्यतिरेकत: स्याद्बलस्य साम्ये विदुरेवमाद्या:।।
दृगादिसाम्येऽप्यथ निर्बलत्वे वर्षाधिप: स्यान्मुथहेश्वरस्तु।
पंचापि नो चेत्तनुमीक्षमाणा वीर्याधिकोऽब्दस्य विमुर्विचिन्त्य।।

उपरोक्त पंचाधिकारियों में जो सब से अधिक बलवान होकर लग्न को देखता हो, वह वर्षेश कहलाता है। यदि बली होने पर भी लग्न को न देखता हो तो वर्षेश नहीं होगा। समान बली ग्रहों मे जो लग्न को अधिक दृष्टि से देखता हो वह वर्षेश होगा। लग्न को देखने वाले ग्रहों का बल अल्प हो तो मुंथेश (मुंथा की राशि का स्वामी) वर्षेश होगा। यदि पंचाधिकारी में कोई भी ग्रह लग्न को न देखता हो तो जो ग्रह सब से बली होगा, वही वर्षेश माना जायेगा।

वर्षेश निर्णय में दूसरा मत:— बल की समता रहने पर दिन में रवि राशि पति तथा रात्रि में चन्द्र राशि पति वर्षेश किसी के मत से होते हैं। अथवा पूर्वोक्त नियमानुसार यदि चन्द्र वर्षेश हुआ और वह पंचाधिकारियों में से किसी से इत्थशाल करता हो तो जिससे इत्थशाल किया हो वह वर्षेश होगा। यदि इत्थशाल नहीं करता हो तो चन्द्र राशि स्वामी वर्षेश होगा।

प्रकृत उदाहरण में पंचाधिकारियों में शनि विशेष बलवान है, परन्तु उसकी दृष्टि लग्न पर नहीं है। अत: वर्षेश नहीं होगा। तदनन्तर गुरु बलवान है। अत: गुरु वर्षेश होगा।

दीप्तांश विचार

सूर्यादि ग्रह अपने नियत अंश के अन्दर रहने वाले ग्रह को अपना तेज देते हैं। इसी को दीप्तांश कहते हैं। जैसे सूर्य अपने से अधिष्ठित अंश से आगे १५ अंश के भीतर रहने वाले ग्रह को अपना तेज देता है, वैसे अन्य ग्रह भी। इसका स्पष्टीकरण कोष्ठक में दिया गया है।

दीप्तांश चक्र

र.	चं.	मं.	बु.	वृ.	शु.	श.	ग्रह
१५	१२	८	७	९	७	९	दीप्तांश

इत्थशाल योग

शीघ्र गति ग्रह से मन्द गति ग्रह आगे हो, दोनों के अंशान्तर १२ से कम या दीप्तांश के अन्दर हो और परस्पर देखते हों तो इत्थशाल योग होता है। यह एक राशि में स्थित दोनों से अथवा भिन्न राशि स्थित ग्रहों से भी होता है। केवल ऊपर निर्दिष्ट स्थिति रहनी चाहिये। इत्थशाल को ही मुथशिल योग कहते हैं। यह शुभ है।

मूसरिफ योग

इत्थशाल योग की विपरीत स्थिति को मूसरिफ योग कहते हैं। अर्थात मन्दगति ग्रह से शीघ्रगति ग्रह आगे हो तथा अन्य स्थिति सब इत्थशाल की हो तो मूसरिफ योग होता है। यह अशुभ है। इसी को ईशराफ भी कहते हैं।

नक्त योग

यदि लग्नाधीश तथा कार्याधीश में दृष्टि संबंध न हो। ऐसी दशा में कोई अन्य शीघ्रगति ग्रह लग्नाधीश एवं कार्याधीश से दृष्टि संबंध करता हो तो वह शीघ्र गति ग्रह अल्पांश वाले का तेज अधिकांश वाले को देता है। इस तरह अन्य ग्रह द्वारा संबंध कराने पर नक्त योग बनता है।

नक्त योग के स्पष्टीकरण के लिये उदाहरण

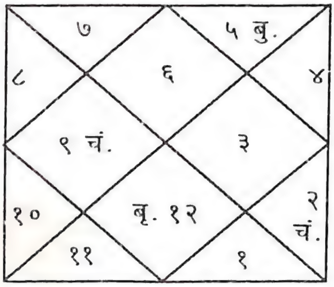

स्त्री लाभ का प्रश्न है। लग्नेश बुध तथा सप्तमेश गुरु का दृष्टि संबंध नहीं है, परन्तु चन्द्र से दोनों का दृष्टि संबंध है। अतः चन्द्र द्वारा लग्नाधीश कार्याधीश का संबंध होने से नक्त योग हुआ। अतः स्त्री की प्राप्ति अन्य द्वारा होगी। चन्द्र ८।८ वा १।८ बुध ४।२० गुरु ११।१२ इस योग में दीप्तांश का ध्यान रखना चाहिये तथा अन्य ग्रह लग्नाधीश से शीघ्र गति वाला होना चाहिये।

सहम विचार

पृच्छक (प्रश्नकर्ता) अपने जीवन के संबंध में अनेक प्रकार के प्रश्न करते हैं। उनका उत्तर देने में विचार करना पड़ता है। अतः शास्त्रकारों ने ऐसे विचित्र प्रश्नों का उत्तर सरलता एवं उपयुक्त रीति से देने के लिये एक नया मार्ग प्रशस्त कर दिया है। जिससे बिना किसी संशय के प्रश्नकर्ता के प्रश्न का समुचित उत्तर मिल जाता है। वह है सहम । इसी मार्ग का पाश्चात्यों ने भी कुछ अंशों में अनुसरण किया है। उन्होंने

भाग्य नामक (The star of fortune) एक अन्य ग्रह का साधन कर फल विचार किया है। यह हमारे यहाँ पुण्य सहम से प्रसिद्ध है। सहम संख्या के विषय में हमारे यहाँ अनेक मत हैं। किसी के मत से ३२ वा ३६ है। यवनाचार्य के मत से ५०, समर सिंह के मत से ४८ तथा अन्य आचार्य इससे भी अधिक मानते है। अस्तु। यहाँ पर कुछ उपयोगी सहमों का साधन प्रकार दिया जाता है।

पुण्य सहमः— दिन में वर्ष प्रवेश हो तो स्पष्ट चन्द्र में स्पष्ट सूर्य को घटा कर उसमें स्पष्ट लग्न जोड़ने से राश्यात्मक पुण्य सहम होगा।

जिसमें घटाया जाता है वह वियोज्य तथा जिसको घटाया जाता है, वह वियोजक कहलाता है। यदि लग्न वियोजक की राशि से वियोज्य की राशि के अन्तर्गत आ पड़े, तो एक अंक को वियोज्य वियोजक के अन्तर में नहीं जोड़ना चाहिये। यदि न पड़े तो अन्तर में एक अंक जोड़ना चाहिये। यही प्रकार सर्वत्र अन्तर में जोड़ने के विषय में समझना चाहिये।

सहम साधन की सरलता के लिये कोष्टक दिया जाता है। सहम साधन में दिन तथा रात्रि के संबंध में भेद है। वह भी अलग अलग दिया गया है।

सहम कोष्टक

सहम	दिन में	रात्रि में	सहम	दिन में	रात्रि में
पुण्य	चं—सू+ल	सू—चं+ल	संतान	गु—बु+ल	बु—गु+ल
गुरु	सू—चं+ल	चं—सू+ल	व्यापार	मं—बु+ल	मं—बु+ल
यश	गु—पु+ल	पु—गु+ल	शत्रु	मं—श+ल	श—मं+ल
भ्राता	गु—श+ल	गु—श+ल	बन्धन	पु—श+ल	श—पु+ल
विवाह	शु—श+ल	शु—श+ल	गौरव	गु—चं+सू	गु—चं+सू
कार्य.सि.	श—सू+सूप	श—चं+चं.प	तात	श—सू+ल	सू—श+ल
माता जल	चं—शु+ल	शु—चं+ल	धन	द्वि—द्विप+ल	द्वि—द्विप+ल
पुत्र	गु—चं+ल	गु—चं+ल	अन्य स्त्री	शु—सू+ल	शु—सू+ल
विदेश	धर्म—धप+ल	धर्म—धप+ल	मृत्यु	अष्टम—चं+श	अष्टम—चं+श

उदाहरण:– वर्ष प्रवेश रात्रि में है। अत: रात्रि में पुण्य सहम साधन करने के लिये सू–चं+ल करना चाहिये। तदनुसार (३।२६।४४।२२)–(९।१७।१५।३९) + (११।२२।३३।५७) = ६।९।२८।४३ + ११।२२।३३।५७ = ६।२।२।४० यहाँ चन्द्र से सूर्य तक के अन्तर में लग्न पड़ता है। अत: एक अंक नहीं जोड़ा जायेगा। इसलिये पुण्य सहम ६।२।२।४० राश्यादि हुआ। इसी प्रकार अन्य सहम का भी साधन करना चाहिए। सहम की जो राशि हो उसी राशि में सहम वर्ष कुण्डली में ग्रह की तरह रखकर फलाफल विचार किया जाता है।

त्रिपताकि चक्र

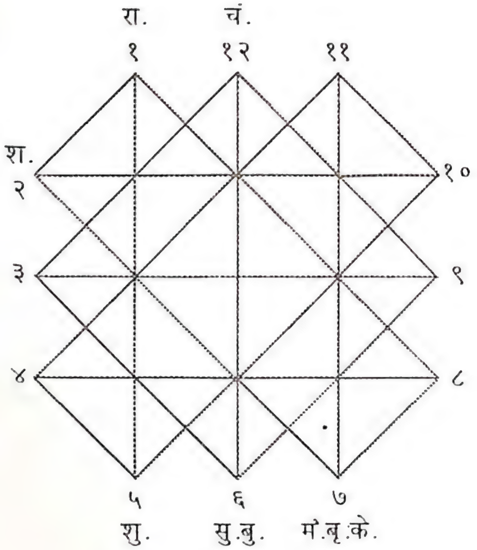

अभीष्ट वर्ष में शारीरिक अरिष्ट जानने के लिये इस चक्र की कल्पना की गयी है। इस चक्र की रचना इस प्रकार की जाती है। खड़ी तथा तिरछी तीन २ रेखाएँ खींच कर खड़ी तथा तिरछी रेखाओं के अग्र को मिलाने वाली अन्य रेखा खींचनें से निर्दिष्ट चक्र बनता है। इसमें मध्य रेखा के उर्ध्व भाग पर वर्ष लग्न को रखकर अन्य रेखाओं के अग्र पर अन्य राशियों को क्रम से रखनी चाहिये। तदनन्तर गत वर्ष संख्या में एक जोड़कर ९ से भाग देने पर शेष राशि तुल्य स्थान अपनी राशि से जन्म के चन्द्र को आगे बढ़ा कर त्रिपताकि चक्र में रखना चाहिये। इसी प्रकार एकाधिक गतवर्ष संख्या में ४ का भाग देने से शेष संख्यातुल्य स्थान अपनी राशि (जन्म कुण्डली में जिस राशि में जो ग्रह है उस राशि) से जन्म के ग्रह आगे बढ़ा कर त्रिपताकि चक्र में रखने चाहिये। इस प्रकार जन्म के ग्रह इस चक्र में रखने से त्रिपताकि चक्र बनता है। राहु केतु को आगे न बढ़ाकर पीछे हटाना चाहिये।

उदाहरण:– गत वर्ष ४६ में एक मिलाया तब ४७ हुये। उसमें ९ का भाग देने पर शेष २ प्राप्त हुआ। जन्म कुण्डली में चन्द्र ११ पर है उसे अपने स्थान

२ स्थान आगे बढ़ाया तब १२ का चन्द्र हुआ और ४७ को ४ से भाग देने पर शेष ३ रहा। चन्द्र को छोड़ और ग्रहों को ३ स्थान आगे बढ़ाने से जन्म के ४ राशि के सूर्य बुध ६ राशि में ३ राशि का शुक्र ५ राशि में, ३ राशि का राहु १ राशि में, ५ राशि के मंगल गुरु ७ राशि में, १२ राशि का शनि २ राशि में तथा ९ राशि का केतु ७ राशि में त्रिपताकि चक्र में रखने चाहिये।

त्रिपताकि चक्र का उपयोगः— इस चक्र में चन्द्र बिन रेखाओं के अग्र में है उन रेखाओं के दूसरे अग्र में रहने वाले ग्रह से उसका वेध होता है। यहाँ पर चन्द्र का वेध सूर्य, बुध से हो रहा है। वेध कर्ता शुभाशुभ ग्रहों के अनुसार फल का विचार किया गया है।

मुद्दादशा

जन्म की तरह वर्ष में भी दशा का विचार किया जाता है। यह वार्षिकी दशा वर्ष में ही समाप्त हो जाती है। इसको मुद्दादशा कहते हैं। इसका साधन इस प्रकार करना चाहिये। जन्म की अश्चिन्यादि से गत संख्या को गत वर्ष में जोड़ कर तथा २ घटा कर ९ से भागने पर शेष संख्यक दशा आ,चं, कु, रा, जी, श, बु, के, शु, (सूर्य, चन्द्र, मंगल, राहु, गुरु, शनि, बुध, केतु, शुक्र) के क्रम से समझनी चाहिये और उसके गत गम्य काल का साधन वर्षारम्भ कालिक भयात भभोग पर से करना चाहिये। तदनन्तर जन्म की विंशोत्तरी दशा की तरह इसका भी संकलन करना चाहिये। मुद्दादशा के सूर्य प्रवृति ग्रहों के मासादि का कोष्ठक दिया जाता है। उससे उनका भोग काल स्पष्ट हो जायेगा।

मुद्दादशा चक्र

रं.	चं.	मं.	रा.	वृ.	श.	बु.	के.	शु.	ग्र.
०	१	०	१	१	१	१	०	२	मा.
१८	०	२१	२४	१८	२७	२१	२१	०	दि.

उदाहरणः— गतवर्ष ४६। जन्म नक्षत्र धनिष्ठा अश्विनी से २३ वा है। ४६+२३ - ६९। ६९—२ = ६७।। ६७ में ९ का भाग देने पर शेष ४ है। सूर्य से चौथी दशा राहु की है। अतः वर्षारम्भ में प्रथम राहु की दशा रहेगी।

दशा का भुक्त भोग्य काल साधन:– वर्ष प्रवेश कालिक श्रवण नक्षत्र का भयात घ. ३५।४७ भभोग घ. ६०।८ भयात के पल २१४७ को दशा के दिन ५४ से गुणा करने पर ११५९३८ में भभोग के पल ३६०८ का भाग देने से लब्ध दिनादि ३२।८ अर्थात मासादि १।२।८ राहु का भुक्त हुआ। इसको मासादि १।२४ में घटाने से ०।२१।५२ मासादि राहु का भोग्य हुआ।

प्राचीन लोग मुद्दादशा का भुक्त भोग्य नहीं लाते थे, परन्तु यह प्रकार स्थूल माना जायेगा। सूक्ष्म के लिये पूर्वोक्त प्रकार से मुद्दादशा का भुक्त भोग्य लाना चाहिये। वास्तव में यह भी स्थूल है। क्योंकि एक वर्ष के दिनादि ३६५।१५।३१ इत्यादि होते हैं। परन्तु मुद्दादशा में एक वर्ष ३६० दिन का मान कर दशा का साधन किया जाता है। अतः सूक्ष्मार्थी सूक्ष्म मार्ग का अनुसरण करें।

मुद्दादशा का संकलन

रा.	भो.	गु.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा.	भु.
	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	व.
	०	१	१	१	०	२	०	१	०	१	मा.
	२१	१८	२७	२१	२१	०	१८	०	२१	२	दि.
—	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	८	घ.
२०१४						२०१४				२०१४	
३	४	६	८	९	१०	०	१	२	२	३	
२६	१८	६	३	२४	१५	१५	३	३	२४	२६	
४४	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३६	४४	
२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	

पात्यायिनी दशा

यह दशा मुद्दादशा से सूक्ष्म तथा फलादेश के लिये विशेष महत्व की है। इसका साधन भी कुछ कठिन है। इसमें सूर्यादि सात ग्रह तथा लग्न की दशा रहती है। इसके साधन के लिये सर्वप्रथम कम अंश (राशि छोड़ कर केवल अंश) तदनन्तर

उत्तरोत्तर अधिक अंश वाले ग्रह को रखना चाहिए। इस क्रम को हीनांश कहते हैं। और प्रथम अंशादि के नीचे वर्तमान कोष्टक के उन्हीं अंशादि को रखना चाहिए। उसके बाद पहले के अंशादि को दूसरे के अंशादि में घटा कर शेष को दूसरे के नीचे रखना चाहिए। दूसरे के अंशादि तीसरे के अंशादि में घटा कर शेष अंशादि को तीसरे के नीचे रखना चाहिए। इस प्रकार अन्त तक करना चाहिये। इसे पात्यंश कहते हैं। इन सब का योग अन्तिम हीनांश के बराबर होगा। यदि नहीं होता तो गणित अशुद्ध माना जाता है। अन्तिम हीनांश की विकला से वर्ष के दिनादि ३६५।१५।३१।३० की विकला ७८८९५८९० में भाग देना चाहिए। फल घट्यात्मक होगा उसके दिनादि बनाकर उससे प्रत्येक ग्रह के पात्यंश को गुणा करने से तत्तद् ग्रहों के दशा दिनादि होंगे।

पात्यायिनी दशा

मं.	शु.	श.	चं.	बु.	ल.	वृ.	र.	ग्र.
११ १७ १०	११ ३१ ४३	१२ ९ ५२	१७ १५ ३९	१९ ४७ ४४	२२ ३३ ५७	२६ २६ १५	२६ ४४ २२	हीनांशाः
११ १७ १०	० १४ ३३	० ३८ ९	५ ५ ४७	२ ३२ ५	२ ४६ १३	३ ५२ १८	० १८ ७	पात्यंशाः
१५४ १४ ३६ ४०	३ १८ ५१ ०	८ ४१ २६ ०	६९ ३९ २ २०	३४ ३८ २८ २०	३७ ५१ ३७ ४०	५२ ५४ ४६ ०	४ ७ ३५ ४०	दि. घ. प. वि.
ता. १४–१–५५ घ. ५४।०।४०	ता. १८–१–५५ घ. १२।५१।४०	ता. २६–१–५५ घ. ५४।१४।४०	ता. ६–४–५५ घ. ३३।१७।०	ता. ११–५–५५ घ. ११।४५।२०	ता. १८–६–५५ घ. ३।२३।०	ता. ९–८–५५ घ. ५८।९।०	ता. १४–८–५५ घ. ५।४४।४०	तारीख घटी, पल, विपल

उदाहरण:– सूर्यादि स्पष्ट ग्रह तथा लग्न में सब से अल्प को प्रथम रख कर तदनन्तर उत्तरोत्तर अधिक अंशों का विन्यास किया जाता है। सबसे अल्पांश मंगल है। उसके बाद उससे उत्तरोत्तर अधिक अंश वाले ग्रहों का क्रम दशा कोष्टक में दिया है। ये हीनांश हुए। हीनांश दशा कोष्टक के प्रथम खण्ड में रखे हैं। दूसरे खण्ड में पात्यंशा मंगल के नीचे मंगल के हीनांश रखे। शुक्र के नीचे मंगल के हीनांश ११। १७। १० को शुक्र के हीनांश ११। ३१। ४३ में घटा कर शेष ०। १४। ३३ रक्खा। इस तरह आगे भी सब पात्यंशों का योग अन्तिम सूर्य के हीनांश २६। ४४। २२

के बराबर है। इसकी विकला ९६२६२ हुई। इनका वर्ष के दिनादि के विपल ७८८९५८९० में भाग देने से लब्ध फल ८२० घट्यात्मक हुआ। इसके दिनादि १३।४० (यहाँ गणित की सरलता के लिए भाग में घटी लेकर आगे भाग नहीं दिया गया है। सूक्ष्मार्थी पलात्मक भी अवयव ला सकता है) हुआ। इससे प्रत्येक के पात्यंश को गुणा करने से उस उस ग्रह के दशा दिनादि होंगे। यथा—

```
     ११।१७।१०
     X  १३।४०
 ----------------
 १४३।२२१।१३०
     ।४४०।६८०।४००
 --------------------
 १४३ ।६६१।८१०।४००.
```

इसमें ६० से भाग देकर ऊपर चढ़ाने से दिनादि १५४।१४।३६।४० इस प्रकार अन्य ग्रहों की भी दशा दिनादि गणित द्वारा लानी चाहिए। दशा जोड़ने में तारीख का हिसाब अनुकूल रहेगा। क्योंकि एक वर्ष में तारीख से भी उतने ही करीब दिन होते हैं और सूर्य से ३६० ही दिन होंगे। अत: तारीख के अनुसार जोड़ा जाता है।

तारीख के हिसाब से जोड़ने में प्रत्येक महीने की तारीख संख्या ध्यान में रखनी चाहिए। महीनों की तारीख समान नहीं रहती। जनवरी, मार्च, मई, जुलाई, अगस्त, अक्टूबर, दिसम्बर ३१ दिन के एप्रिल, जून, सितंबर, नवंबर ३० दिन के फरवरी २८ दिन की रहती है। इसका विशेष विवरण प्रथम भाग में दिया गया है। वर्षारम्भ की तारीख़ १३—८—१९५४ तथा इष्ट घटी ३९। २४ में मंगल की दशा के दिन घटी पलादि जोड़कर दिन संख्या में मासारम्भ के मास की पहली तारीख से जितने मास घट सके घटाकर शेष तारीख अशुद्ध मास (जो मास पूरा नही घटा है वह) की होगी। अर्थात उस तारीख दिन मंगल की दशा उतर कर शुक्र की दशा प्रारंभ योग से आई हुई घटी पल पर होगा। जैसे वर्षारम्भ की तारीख तथा घट्यादि =

ता० १३–८–५४	घ. ३९। २४
+ १५४	+ घ. १४। ३६।४०
ता० १६७	घ. ५४। ०। ४०

१६७ में वर्षारम्भ मास अगस्त से दिसम्बर तक की तारीख १५३ घटाने से शेष १४ जनवरी की तारीख हई। अर्थात ता० १४–१–५५ के दिन घ. ५४ प. ० वि. ४० पर मंगल की दशा उतर कर शुक्र की दशा का प्रारम्भ हुआ। इसमें शुक्र के दशा दिनादि जोड़ने से शुक्र दशा की समाप्ति की तारीख आयेगी। यथा

ता० १४–१–५५।	घ. ५४। ०। ४०
+ ३	+ घ. १८। ५१। ०
ता० १७–१–५५	घ. ७२। ५१। ४०

यहाँ घटी ७२ है। इनमें ६० का भाग देकर लब्धि १ को तारीख १७ में मिलाने से ता. १८–१–५५ । घ. १२। ५१। ४० तक शुक्र रहेगा। उसके बाद इसी तरह दशादिनादि मिलाने से प्रत्येक की समाप्ति की तारीख आती जायेगी।

मास प्रवेश

एक वर्ष में १२ मास के प्रवेश कालीन १२ कुंडलियाँ बनती हैं। उन पर से तत्तत् मास के फल विचार किया जाता है। उनमें प्रथम मास की कुंडली वर्षारम्भ की ही कुण्डली रहती है। इसके बाद द्वितीयादि मास की कुण्डली साधन के लिये वर्षारम्भ कालीन सूर्य में एक–एक राशि बढ़ाकर उसे मासारम्भ कालिक सूर्य समझना चाहिए। मासारंभ कालिक सूर्य के अंश पंचांगस्थ सूर्य के अंश के समान जिस दिन रहेंगे उस दिन उस मास का प्रारम्भ होगा। पंचांगस्थ प्रातः कालीन सूर्य की कला मासारंभ कालीन सूर्य की कला से अल्प हो तो उस दिन सूर्योदय के बाद मास प्रवेश होगा। यदि अधिक हो तो सूर्योदय के पहले मासारंभ होगा। इन दोनों सूर्यों की अन्तर विकला को ६० से गुणा कर दैनिक सूर्य गति की विकला का भाग देने से घट्यात्मक फल आयेगा। यह फल इष्ट घटी होगी। मासारंभ कालिक सूर्य पंचांगस्थ सूर्य से अधिक है तब तो यही इष्ट

रहेगा। यदि अल्प है तो इस इष्ट को ६० में घटाकर शेष को पिछले दिन का इष्ट मानना चाहिये। नूतन साधित इष्ट तथा मासारंभ कालिक सूर्य पर से लग्न सारिणी द्वारा साधिंत लग्न मास प्रवेश लग्न होगा। उसकी कुण्डली में उस दिन के ग्रहों का विन्यास करने पर मास प्रवेश की कुण्डली बनती है।

उदाहरण:– वर्ष प्रवेश कालिक सूर्य ३।२६।४४।२२ इसमें १ राशि मिलाने से द्वितीय मासारंभ कालिक सूर्य ४।२६।४४।२२ पंचांग में आश्विन कृष्ण प्रतिपदा के दिन प्रातः कालिक स्पष्ट सूर्य ४।२६।१।४ दोनों सूर्यो का अन्तर ४३।१८ कलात्मक हुआ। इसकी २५९८ विकला को ६० से गुणा करने पर गुणनफल १५५८८० में स्पष्टा गति ५८।२० की विकला ३५०० का भाग देने से घट्यात्मक फल ४४। ३२ इष्ट घटी हुई। मासारंभ कालिक सूर्य प्रातः कालिक सूर्य से अधिक है। अतः लब्ध घटी ही इष्ट घटी हुई। इस इष्ट ४४। ३२ तथा मासारंभ कालिक सूर्य ४।२६।४४।२२ पर से अहमदाबाद की लग्न सारिणी द्वारा लग्न २।३ मास प्रवेश का हुआ। तदनुसार मास प्रवेश कुण्डली इस प्रकार की होगी। इसी तरह अन्य मासों की कुण्डली बनानी चाहिये।

२ मास

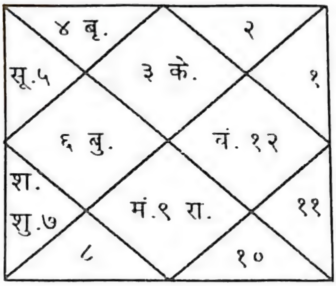

दिन प्रवेश

मासारंभ की तरह दिन प्रवेश भी निकाला जाता है। सूर्य में एक २ अंश मिला कर मासारंभ की तरह गणित करने पर दिनारंभ की कुण्डली बनेगी।

।। शम्।।

=====000=====

॥ श्री ॥

पुराणमित्येव न साधु सर्वम्।
ना चापि साध्यं नवमित्यवद्यम् ॥

भारतीय कुण्डली विज्ञान

भाग - ४

मूल्य १८०-००

श्रीः

पुराणमित्येव न साधु सर्वम्।
न चापि साध्यं नवमित्यवद्यम्।।

भारतीय कुण्डली विज्ञान

भाग - ४

निरयन दशम लग्न सारिणी (अयनांश २३।।) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
० मेष	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	घं.
	२६	३०	३४	३८	४२	४५	४९	५३	५७	१	५	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	मि.
	५९	४५	३३	२०	७	५५	४४	३३	२२	१४	१	५६	४८	११	३४	२९	२४	२०	१६	१२	१०	८	८	८	८	९	११	१४	१७	२२	से.
१ वृषभ	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	घं.
	२४	२८	३२	३६	४०	४५	४९	५३	५७	१	५	१०	१४	१८	२२	२७	३१	३५	३९	४४	४८	५२	५७	१	५	९	१४	१८	२२	२७	मि.
	२७	३२	३८	४७	५४	२	११	२१	३२	४३	५३	७	२०	३४	४८	३	१९	३५	५१	८	२५	४४	१	१९	४०	५९	१९	३९	५९	२०	से.
२ मिथुन	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	घं.
	३१	३६	४०	४४	४९	५३	५७	२	६	१०	१५	१९	२३	२८	३२	३७	४१	४५	५०	५४	५७	२	७	११	१५	२०	२४	२८	३२	३७	मि.
	४१	२	२३	४५	६	२७	४९	११	३२	५४	१५	३६	५८	१९	४०	१	२१	४१	१	२१	४०	५९	१७	३६	५३	१०	२५	४१	५७	१२	से.
३ कर्क	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	घ.
	४१	४५	४९	५४	५८	२	६	१०	१४	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	१४	१९	२३	२७	३१	३५	३९	मि.
	२५	३९	५२	६	१७	२८	३८	४९	५८	६	१४	२१	२८	३५	३८	४२	४६	५०	५०	५१	५२	५२	५१	५१	४८	४४	४०	३६	३१	२६	से.
४ सिंह	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	घं.
	४३	४७	५१	५४	५८	२	६	१०	१४	१७	२१	२५	२९	३३	३६	४०	४४	४८	५१	५५	५९	२	६	१०	१४	१७	२१	२५	२८	३२	मि.
	१९	१२	४	५६	४७	३७	२७	१६	५	५३	४२	२८	१५	१	४६	३१	१६	१	४४	२८	११	५४	३६	१८	०	४२	२४	१	४६	२८	से.
५ कन्या	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	घं.
	३६	३९	४३	४७	५०	५४	५८	१	५	९	१२	१६	२०	२३	२७	३१	३४	३८	४२	४५	४९	५३	५७	०	४	८	१२	१५	१९	२३	मि.
	८	४८	२९	४	४१	३०	१०	५०	३०	१०	५१	३१	११	५२	३३	१४	५५	३६	१७	५९	४१	२३	५	४९	३२	१६	०	४६	३२	१३	से.

निरयन दशम लग्न सारिणी (अयनांश २३ ।।) उपकरण सांपातिककाल

अंश		०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
६ तुला	घं.	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५
	मि.	२७	३०	३४	३८	४२	४५	४९	५३	५७	१	५	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	२०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०
	से.	०	४५	३३	२०	७	५५	४४	३३	२२	१३	५	५६	४८	४२	३४	२८	२४	२०	१६	१२	१०	८	७	८	८	९	११	१४	१८	२२
७ वृश्चिक	घं.	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	२६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७
	मि.	२४	२८	३२	३६	४०	४५	४९	५३	५७	१	५	१०	१४	१८	२२	७	३१	३५	३९	४४	४८	५२	५७	१	५	९	१४	१८	२२	२७
	से.	२७	३२	३८	४५	५३	२	११	२२	३२	४२	५५	७	२०	३४	४८	३	१९	३५	५१	८	२५	४३	१	२१	४०	५९	१८	३९	५९	२०
८ धनु	घं.	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९
	मि.	३१	३६	४०	४४	४९	५३	५७	२	६	९	१५	१९	२३	२८	३२	३७	४१	५	५०	५४	५८	२	७	११	१५	२०	२४	२८	३२	३७
	से.	४१	२	२३	४५	६	२७	४९	११	३२	५४	१५	३६	५८	१९	४०	०	२१	४१	१	२१	४०	५९	२७	३५	५२	९	२५	४१	५७	१२
९ मकर	घं.	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१
	मि.	४१	४५	४९	५४	५८	२	६	१०	१४	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५८	३	७	११	१५	१९	२२	२७	३१	३५	३९
	से.	२४	३८	५१	३	१६	२८	३८	४८	५८	६	१४	२१	२८	३४	३८	४२	४६	४३	४०	५१	५२	५२	५१	४९	४७	४४	४०	३५	३१	२६
१० कुम्भ	घं.	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३
	मि.	४३	४७	५१	५४	५८	२	६	१०	१४	१७	२१	२५	२९	३३	३६	४०	४४	४८	५१	५५	५९	१	६	१०	१४	१७	२१	२५	२८	३२
	से.	१८	१२	४	२६	४७	३६	२७	१५	५	४३	४१	२८	१५	६	५७	३२	१६	०	४४	२८	११	५४	३७	१९	१	४२	२४	५	४६	२८
११ मीन	घं.	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१
	मि.	३६	३९	४३	४७	५०	५४	५८	१	५	९	१२	१६	२०	२४	२७	३१	३४	३८	४२	४६	४९	५३	५७	०	४	८	१२	१५	१९	२३
	से.	८	४८	२६	९	४९	३०	१०	५०	३०	१०	५१	३१	११	५२	३३	१४	५५	३६	१७	०	४२	२३	९	४९	३२	१६	०	४४	२८	१३

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश १९ (अयनांश ३१।) उपकरण सांपातिककाल

अंश	.०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
० मेष	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	घं.
	१४	१७	२०	२४	२७	३०	३३	३७	४०	४३	४७	५०	५४	५७	०	४	७	११	१४	१८	२१	२५	२८	३२	३५	३९	४३	४६	५०	५४	मि.
	१८	३३	४८	४	२१	३८	५६	१६	३६	५६	१७	३९	३	२७	५१	१७	४४	१२	४०	९	३९	१२	४४	१८	५३	२९	६	४५	२३	३	से.
१ वृषभ	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	घं.
	५७	१	५	८	१२	१६	२०	२४	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	१५	१९	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४९	५३	मि.
	४५	२७	११	५६	४२	३०	१९	९	५९	५२	४५	३९	३६	३०	३१	३०	३१	३३	३६	४०	४५	५२	७	८	१७	२८	४०	५२	५	२०	से.
२ मिथुन	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	घं.
	५७	१	६	१०	१४	१९	२३	२७	३२	३६	४०	४५	४९	५४	५८	३	७	१२	१६	२०	२५	२९	३४	३८	४३	४७	५२	५६	१	५	मि.
	३६	५२	९	२८	४७	२०	२८	४०	१२	३६	५९	२३	४८	१४	४०	७	३३	१	२९	५६	२५	४४	२४	५४	२३	५३	२२	५३	२४	५४	से.
३ कर्क	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	घं.
	१०	१४	१९	२३	२८	३२	३७	४१	४६	५०	५५	५९	४	८	१३	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४४	४८	५२	५७	२	६	१०	१५	१९	मि.
	२४	५५	२५	५५	२५	५४	२६	५३	२४	५३	२२	५१	२०	४०	२०	४७	१५	४४	१०	३६	३	२८	५४	४९	४४	८	३१	५५	१९	४२	से.
४ सिंह	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	घं.
	२४	२८	३२	३७	४१	४५	५०	५४	५८	३	७	११	१६	२०	२४	२८	३३	३७	४१	४५	५०	५४	५८	२	७	११	१५	१९	२४	२८	मि.
	५	२६	४७	८	२९	४०	१०	२७	४४	७	२६	४४	२	१९	३६	५३	१०	२६	४२	५७	१३	२८	४३	५७	११	२४	३९	५३	१०	२०	से.
५ कन्या	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	घं.
	३२	३६	४१	४५	४९	५३	५७	२	६	१०	१४	१८	२३	२७	३१	३५	४०	४४	४८	५२	५७	१	५	९	१४	१८	२२	२६	३१	३५	मि.
	३४	४७	१	१४	२७	४०	५३	६	१९	३२	४६	५९	१२	२५	३९	५२	६	२०	३४	४८	२	१७	३२	४७	३	१८	३३	४८	७	२३	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश १९ (अयनांश २३।।) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
६ तुला	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	घं.
	३९	४३	४८	५२	५६	१	५	९	१४	१८	२२	२७	३१	३५	४०	४४	४९	५३	५७	२	६	११	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४२	४६	मि.
	४०	५८	१६	३४	५२	१२	३१	५०	१०	३०	५१	१२	३३	५४	१९	४१	४	२७	५२	१६	४१	६	३१	५६	२४	५१	१८	४५	१३	४१	से.
७ वृश्चिक	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२	घं.
	५१	५५	०	४	९	१३	१८	२२	२७	३१	३६	४०	४५	४९	५४	५८	३	७	१२	१६	२१	२५	३०	३४	३९	४३	४७	५२	५६	१	मि.
	९	३७	६	३५	४	३४	३	३३	३	३३	३	३४	४	३४	५	३५	६	३७	६	३६	६	३५	५	३४	२	३१	५९	२७	५४	२१	से.
८ धनु	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	घं.
	५	१०	१४	१९	२३	२७	३२	३६	४०	४५	४९	५३	५८	२	६	१०	१५	१९	२३	२७	३१	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	मि.
	४७	११	३६	१	२५	४८	११	३४	५५	१३	३२	५०	८	२६	४०	५५	९	२२	३३	४४	५३	१	८	१५	२०	२४	२८	३२	३०	२९	से.
९ मकर	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	घं.
	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३५	३९	४३	४७	५१	५४	५८	२	५	९	१३	१६	२०	२४	२७	३१	३४	३८	४१	४५	४८	५२	५५	५९	मि.
	२८	२४	२०	१६	८	२	५२	४२	३०	१८	५	४८	३२	१६	५६	३७	१६	५९	३१	७	४२	१६	४९	२२	५०	२०	४९	११	४२	८	से.
१० कुम्भ	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	घं.
	२	५	९	१२	१६	१९	२२	२६	२९	३२	३५	३९	४२	४५	४८	५२	५५	५८	१	४	८	११	१४	१७	२०	२३	२७	३०	३३	३६	मि.
	३३	५७	२०	४३	४	२४	४४	४	२२	३८	५५	११	२७	४३	५५	९	२२	३४	४७	५९	१०	२१	३१	४२	५०	५९	८	१७	२५	३३	से.
११ मीन	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	घं.
	३९	४२	४५	४९	५२	५५	५८	१	४	७	१०	१४	१७	२०	२३	२६	२९	३२	३६	३९	४२	४५	४८	५१	५५	५८	१	४	७	११	मि.
	४२	४९	५५	१	१२	१९	२७	३५	४१	४८	५७	०	११	२२	२७	३५	४३	५१	०	१०	१९	२९	४०	५१	१	१३	२५	३७	५०	४	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २१ (अयनांश २३11) उपकरण सांपातिककाल

अंश		०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	घं.	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०
	मि.	१२	१६	१९	२२	२५	२८	३२	३५	३८	४१	४५	४८	५१	५५	५८	१	५	८	१२	१५	१९	२२	२६	२९	३३	३६	४१	४४	४७	५१
	से.	५१	२	१४	२६	३९	५३	७	२१	४०	५६	१४	३३	५३	१३	३४	५७	२१	४५	१०	३६	३	३३	२	३१	५	५८	११	२५	२४	१
१ वृषभ	घं.	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२
	मि.	५४	५८	२	५	९	१३	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४५	४९
	से.	३९	२०	१५	५६	२७	१२	५८	४४	३५	२४	१६	९	२	५५	५४	५१	४९	४७	५२	५५	५८	३	८	१३	२५	३४	४४	५४	१०	२३
२ मिथुन	घं.	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१
	मि.	५३	५७	२	६	१०	१५	१९	२३	२८	३२	३७	४१	४५	५०	५४	५९	३	६	१२	१७	२१	२६	३०	३५	३९	४४	४८	५३	५७	२
	से.	३९	५५	१२	२९	४९	९	२९	४९	१४	३७	१	२५	५०	१५	४४	११	७	३८	३६	५	३५	५	३५	५	३८	१०	४१	१२	४०	१७
३ कर्क	घं.	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३
	मि.	६	११	१५	२०	२४	२९	३४	३८	४३	४७	५२	५६	१	५	१०	१४	१९	२३	२८	३२	३७	४१	४६	५०	५५	५९	४	८	१२	१७
	से.	४९	२२	५४	२६	५९	३१	४	३७	८	४०	१२	४४	१५	४६	१७	४७	१८	४९	१८	४७	१७	४६	१५	४४	११	३९	६	३३	५९	२५
४ सिंह	घं.	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५
	मि.	२१	२६	३०	३४	३९	४३	४८	५२	५७	१	५	१०	१४	१८	२३	२७	३१	३६	४०	४४	४९	५३	५७	२	६	१०	१५	१९	२३	२७
	से.	५१	१६	४१	६	३०	५४	१८	४२	३	२५	४७	९	३०	५१	१२	३३	५३	१३	३२	५२	११	२९	४७	५	२४	४२	०	१८	३५	५२
५ कन्या	घं.	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७
	मि.	३२	३६	४०	४५	४९	५३	५७	२	६	१०	१४	१९	२३	२७	३२	३६	४०	४५	४९	५३	५७	२	६	१०	१५	१९	२३	२८	३२	३६
	से.	१०	२७	४४	१	१८	३५	५१	७	२५	४२	५९	१६	३३	५०	७	२४	४२	०	१७	३५	५३	१२	३१	५०	९	२८	४७	६	२७	४७

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २९ (अयनांश २३।।) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	
६ तुला	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	घं.
	४१	४५	४९	५४	५८	२	७	११	१६	२०	२४	२९	३३	३८	४२	मि.
	८	२९	५०	११	३४	५६	१८	४०	६	३०	५४	१८	४३	८	३४	से.
७ वृश्चिक	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	घं.
	५४	५८	३	७	१२	१६	२१	२५	३०	३५	३९	४४	४८	५३	५७	मि.
	१४	४५	१७	४९	२०	५२	२४	५६	२८	१	३३	४	३८	१२	४३	से.
८ धनु	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	घं.
	९	१४	१८	२२	२७	३१	३६	४०	४४	४९	५३	५७	२	६	१०	मि.
	४३	८	२४	४०	२३	४७	८	२९	५१	११	३०	४८	५	२२	३६	से.
९ मकर	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	घं.
	१६	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४४	४६	५०	५४	५७	१	५	८	मि.
	२	५८	५२	४८	३५	२६	१५	४	४७	३२	१६	५८	३९	२०	५८	से.
१० कुम्भ	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	घं.
	४	८	११	१४	१८	२१	२४	२७	३१	३४	३७	४०	४३	४७	५०	मि.
	४६	७	२७	४७	३	२०	३६	५२	६	२०	३३	४६	५८	१०	१९	से.
११ मीन	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	घं.
	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५८	१	४	७	१०	१३	१६	१९	२२	मि.
	६	१०	१४	१८	२१	२५	२८	३१	३५	३९	४३	४६	५०	५४	५८	से.

अंश	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
६ तुला	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	घं.
	४७	५१	५५	०	४	९	१३	१८	२२	२७	३१	३६	४०	४५	४९	मि.
	०	२६	५२	२०	४९	१७	४५	१४	४३	११	४१	११	४१	१२	४३	से.
७ वृश्चिक	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	घं.
	२	६	११	१५	२०	२४	२९	३३	३८	४२	४७	५१	५६	०	५	मि.
	५	४७	१९	५१	२२	५३	२४	५५	२६	५४	२३	५३	२३	४९	१७	से.
८ धनु	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	घं.
	१४	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४८	५२	५६	०	४	८	१२	मि.
	५१	४	१७	२५	३५	४४	५१	५८	५	६	९	९	९	८	६	से.
९ मकर	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	घं.
	१२	१६	१९	२३	२६	३०	३३	३७	४०	४४	४७	५१	५४	५८	१	मि.
	३६	१३	५०	२२	५५	२७	५७	२७	५७	२३	५०	१५	४१	२	२४	से.
१० कुम्भ	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	घं.
	५३	५६	५९	२	६	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३७	मि.
	२९	३९	४९	५६	४	१२	१९	२६	३३	३७	४२	४७	५४	५७	२	से.
११ मीन	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	घं.
	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५७	०	३	६	९	मि.
	३	७	११	१७	२३	२९	३५	४२	४९	५६	४	१२	२०	२९	४०	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २२ (अयनांश २३।।) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
० मेष	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	घं.
	१२	१५	१८	२१	२४	२८	३१	३४	३७	४०	४४	४७	५०	५४	५७	०	४	७	१०	१४	१७	२१	२४	२८	३१	३५	३८	४२	४५	४९	मि.
	७	१७	२७	३८	४८	०	१२	२५	४०	५६	१२	२९	४६	६	२६	४६	७	३१	५४	९	३५	१२	४०	१०	४०	११	४३	१७	५२	२८	से.
१ वृषभ	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	घं.
	५३	५६	०	४	७	११	१५	१९	२२	२६	३०	३४	३८	४२	४६	४९	५३	५७	१	५	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३८	४३	४७	मि.
	५	४५	२४	६	४८	३२	१६	३	५०	३९	२९	२१	१३	८	३	५९	५७	५७	५७	५९	१	६	११	१९	२६	३५	४५	५७	९	२३	से.
२ मिथुन	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	घं.
	५१	५५	०	४	८	१३	१७	२१	२६	३०	३५	३९	४३	४८	५२	५७	१	६	१०	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४२	४६	५१	५५	०	मि.
	४७	५४	१०	२८	४७	७	२७	४९	१२	३६	१०	२४	४९	१६	४३	११	३९	७	३७	७	३७	८	३९	११	४२	१४	४७	२०	५३	२६	से.
३ कर्क	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	घं..
	४	९	१४	१८	२३	२७	३२	३६	४१	४५	५०	५५	५९	४	८	१३	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४४	४९	५३	५८	२	७	११	१६	मि.
	५९	३३	६	३९	१३	४६	१९	५२	२५	५८	३१	६	३९	१२	४५	१७	४८	१९	५०	२१	५४	२४	५४	२४	५३	२२	५१	२०	४८	१६	से.
४ सिंह	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	घं.
	२०	२५	२९	३३	३८	४२	४७	५१	५६	०	४	९	१३	१८	२२	२६	३१	३५	३९	४४	४८	५३	५७	१	६	१०	१४	१८	२३	२७	मि.
	४४	१	२७	५३	१९	५३	१८	४२	१०	३४	५८	२१	४४	७	२९	५१	१३	३५	५६	१७	३९	०	२०	४०	१	२०	४०	५९	१८	३७	से.
५ कन्या	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	घं.
	३१	३५	३९	४३	४९	५३	५७	२	६	१०	१५	१९	२३	२८	२३	३६	४१	४५	४९	५४	५८	२	७	११	१५	२०	२४	२८	३३	३७	मि.
	५८	१४	३३	५२	१३	३२	५१	१०	२९	४८	६	२५	२४	६	२२	४१	१	२१	४१	०	२०	४०	१	२२	४३	४	२५	४	९	३२	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २२ (अयनांश २३॥) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
६ तुला	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	घं.
	४१	४६	५०	५५	५९	३	८	१२	१७	२१	२५	३०	३४	३९	४३	४८	५२	५७	१	६	१०	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४२	४६	५१	मि.
	५२	१५	३८	२	२६	५१	१६	४१	५	३०	५६	२३	५०	१८	४६	१२	४०	९	३७	६	३६	६	३७	८	३८	९	४०	११	४२	१४	से.
७ वृश्चिक	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	घं.
	५५	०	४	९	१३	१८	२३	२७	३२	३६	४१	४५	५०	५५	५९	४	८	१३	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४४	४९	५३	५८	२	७	मि.
	४८	२१	५३	२५	५९	३२	५	३८	११	४५	१८	५२	२६	०	३४	७	४०	१२	४४	१६	४८	१९	५२	२३	५२	२१	५१	२२	५०	१७	से.
८ धनु	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	घं.
	११	१६	२०	२५	२९	३३	३८	४२	४६	५१	५५	५९	४	८	१२	१६	२१	२५	२९	३३	३७	४१	४५	४९	५४	५८	२	६	९	१३	मि.
	४४	११	३७	१	२३	४५	७	२९	४९	८	२६	४९	७	२४	३८	५०	३	१६	२६	३४	४२	४८	५३	५८	०	२	३	०	५७	५२	से.
९ मकर	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	घं.
	१७	२१	२५	२९	३३	३७	४०	४४	४८	५२	५५	५९	३	६	१०	१३	१७	२१	२४	२८	३१	३५	३८	४२	४५	४८	५२	५५	५९	२	मि.
	४८	४३	३६	२९	१९	६	५३	३७	२०	१	४२	२३	४	४५	२१	५९	३४	९	४१	११	४१	८	३५	२	३०	५४	१८	३९	०	२०	से.
१० कुम्भ	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	घं.
	५	९	१२	१५	१९	२२	२५	२८	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५१	५४	५७	०	३	६	९	१२	१५	१८	२२	२५	२८	३१	३४	३७	मि.
	५४	१३	३२	४८	४	२०	३४	४८	०	१२	२४	३५	४५	५५	४	११	१८	२४	३०	३६	४३	५०	५५	५९	३	६	८	१०	१२	१५	से.
११ मीन	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	घं.
	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५८	१	४	७	१०	१३	१६	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५६	५९	२	५	८	मि.
	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३६	३७	३९	४२	४४	४६	४८	५०	५३	५६	०	४	९	१४	१९	२५	२८	३४	४२	५०	५९	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २३ (अयनांश २३।।) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
० मेष	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	घं.
	११	१४	१७	२०	२३	२७	३०	३३	३६	३९	४३	४६	४९	५२	५६	५९	२	५	९	१२	१६	१९	२३	२६	३०	३३	३७	४०	४४	४७	मि.
	२१	२९	३६	४३	५४	५	१५	२५	३९	५३	८	२३	३९	५५	१५	३४	५४	८	३७	५९	२४	५०	१६	२९	१२	४२	१२	४२	३९	५४	से.
१ वृषभ	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	घं.
	५१	५५	५८	२	६	९	१३	१८	२१	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४१	४५	मि.
	३०	७	४५	२३	६	४९	३३	१७	४	५२	४१	३२	२३	१४	११	६	३	०	१	२	५	८	१२	१६	२६	३४	४४	५४	७	२०	से.
२ मिथुन	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	घं.
	४९	५३	५८	२	६	११	१५	१९	२४	२८	३२	३७	४१	४६	५०	५५	५९	४	८	१३	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४४	४९	५३	५८	मि.
	३४	५०	७	२४	४३	३	२३	४३	८	३१	५५	२०	४६	८	४०	८	३७	६	३६	६	३७	९	४१	१३	४६	१८	५२	२६	५९	३५	से.
३ कर्क	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	घं.
	३	७	१२	१६	२१	२६	३०	३५	३९	४४	४८	५३	५८	२	७	११	१६	२०	२५	२९	३४	३९	४३	४८	५२	५७	१	६	१०	१५	मि.
	७	४३	१७	५१	२६	१	३६	११	४४	१८	५३	२७	१	३५	१०	४३	१७	५१	२३	४४	२८	०	३२	४	३५	६	३५	४	३५	५	से.
४ सिंह	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	घं.
	१९	२४	२८	३३	३७	४१	४६	५०	५५	५९	४	८	१२	१७	२१	२६	३०	३४	३९	४३	४८	५२	५	१	५	९	१४	१८	२३	२७	मि.
	३४	३	३२	१	२८	५५	२२	४९	१५	४१	६	३२	५७	२२	४६	१०	३४	५८	१९	४५	७	३०	५२	१४	२६	५८	१९	४०	२	२३	से.
५ कन्या	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	घं.
	३१	३६	४०	४४	४९	५३	५७	२	६	१०	१५	१९	२३	२९	३२	३६	४१	४६	५०	५४	५८	३	७	११	१६	२०	२५	२९	३३	३८	मि.
	४४	५	२६	४७	९	२९	४९	९	३१	५२	१२	३३	५४	४२	३६	५७	१८	३९	२	२३	४५	८	३१	५४	१६	३९	२	२५	५०	१४	से.

अक्षांश : १४ पलभा २।५९।२८ उदयमानानि २४९।२७६।३१४।३३२।३२२।३०७

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	०
	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	११	२१	३२	४३	५४	४	१५	२६	३८	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	२	१३	२४	३५	४५	५६	७	१०
	३१	४५	५९	१३	२७	४१	५५	९	५३	३७	२१	५	४९	३३	१७	१	४५	२९	१३	५७	४१	२५	९	५३	३७	२१	५	४९	३३	१७	४४
७ वृश्चिक	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	०
	१८	२८	३९	५०	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१०	२५	३९	११
	१	४५	२९	१३	५७	४१	२५	९	१३	१७	२१	२५	२९	३३	३७	४१	४५	४९	५३	५७	१	५	९	१३	१७	२१	२५	२९	३३	३७	४
८ धनु	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	०
	४७	५८	९	२०	३१	४३	५४	५	१५	२६	३६	४७	५७	७	८	२८	३९	४९	०	१०	२१	३१	४२	५२	२	१३	२४	३४	४४	५५	१०
	४१	४५	४९	५३	५७	१	५	९	३७	५	३३	१	२९	५७	२५	५३	२१	४९	१७	४५	१३	४१	९	३७	५	३३	१	२९	५७	२५	२८
९ मकर	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	०
	५	१	२६	३७	४७	५८	८	१९	२८	३७	४६	५५	५	१४	२३	३२	४१	५१	०	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	९
	५३	२१	४९	१७	४५	१३	४१	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	१२
१० कुम्भ	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	५०	५९	९	१८	२७	३६	४५	५५	३	११	२०	२८	३६	४४	५३	१	९	१८	२६	३४	४३	५१	५९	७	१६	२४	३२	४१	४९	५७	८
	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२७	४५	३	२१	३९	५७	१५	३३	५१	९	२७	४५	३	२१	३९	५७	१५	३३	५१	९	२७	४५	१८
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	०
	६	१४	२२	३०	३९	४७	५५	४	१२	२०	२९	३७	४५	५३	२	१०	१८	२७	३५	४३	५२	०	८	१६	२५	३३	४१	५०	५८	६	८
	३	२१	३९	५७	१५	३३	५१	९	२७	४५	३	२१	३९	५७	१५	३३	५१	९	२७	४५	३	२१	३९	५७	१५	३३	५१	९	२७	४५	१८

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २५ (अयनांश २३।।) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
० मेष	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	घं.
	९	१२	१५	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४४	४७	५०	५३	५७	०	३	६	१०	१३	१७	२०	२३	२७	३०	३४	३७	४१	४४	मि.
	४८	५२	५६	०	६	१३	२०	२७	३८	४७	५९	९	२१	३५	४९	६	२२	३८	५९	१८	३९	१	२५	४९	१४	४०	८	३६	२९	४०	से.
१ वृषभ	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	घं.
	४८	५१	५५	५८	२	६	१०	१३	१७	२१	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४७	५१	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४३	मि.
	१३	४५	२३	५१	३९	१९	०	४१	१६	१	४९	३६	२६	१६	९	३	५७	५१	३	२	२	५	८	११	१९	२६	३३	४०	५६	९	से.
२ मिथुन	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	घं.
	४५	४९	५३	५८	२	६	११	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४१	४६	५०	५५	५९	४	९	१३	१८	२२	२७	३१	३६	४०	४५	५०	५४	मि.
	२२	३८	५३	८	३०	४१	९	२९	५४	२७	४१	७	३३	५९	२९	५७	२५	५३	२९	०	३२	४	३७	१०	४६	२१	५६	३१	७	४३	से.
३ कर्क	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	घं.
	५९	३	८	१३	१७	२२	२७	३१	३६	४०	४५	५०	५४	५९	३	८	१३	१७	२२	२६	३१	३६	४०	४५	४९	५४	५९	३	८	१२	मि.
	१९	५५	३२	९	४६	२३	०	३७	१४	५१	२८	५	४२	१९	५६	३०	९	४८	२२	५७	३३	९	४४	१९	५३	२७	२	३७	८	४१	से.
४ सिंह	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	घं.
	१७	२१	२६	३०	३५	३९	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१५	२०	२४	२९	३४	३८	४२	४७	५१	५५	०	४	९	१३	१८	२२	२६	मि.
	१२	४६	१८	५०	२१	५२	२३	५४	२३	५३	१२	५२	२०	४८	१७	४५	१३	४१	८	३५	२	२८	५४	२०	४६	१२	३७	२	२८	५३	से.
५ कन्या	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	घं.
	३१	३५	४०	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४१	४६	५०	५५	५९	४	८	१२	१७	२१	२६	३०	३५	३९	मि.
	१८	४३	८	२३	५६	२३	४७	११	३९	२	२६	५१	१६	४१	६	३१	५७	२५	४७	१३	३९	५	३१	५७	२३	५२	२०	४८	१५	४३	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २५ (अयनांश २३।।) उपकरण सांपातिककाल																															
अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
६ तुला	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	घं.
	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१५	२०	२४	२९	३३	३८	४२	४७	५१	५६	०	५	१०	१४	१९	२३	२८	३३	३७	४२	४६	५१	५६	मि.
	११	३३	८	३०	६	३६	६	३६	८	३९	१०	४२	१४	४६	१९	५२	२५	५८	३३	७	४०	२६	५१	१६	३	३६	१४	४७	२७	४	से.
७ वृश्चिक	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	घं.
	०	५	९	१४	१९	२३	२८	३३	३७	४२	४६	५१	५६	०	५	९	१४	१९	२३	२८	३२	३७	४१	४६	५१	५५	०	४	९	१३	मि.
	४०	१७	५४	३१	८	४५	२३	२	३७	१४	५१	२८	४	४०	१७	५३	२९	५	४०	१५	४९	२२	५५	२८	०	३२	३	३४	३	३१	से.
८ धनु	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	घं.
	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४४	४८	५३	५७	१	६	१०	१४	१८	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	१२	१५	१९	मि.
	५९	२८	५४	२०	४३	७	३०	५३	११	३१	५०	६	४२	२०	५१	४	१५	२६	३३	४१	४८	५२	५५	५८	५८	५७	५६	५५	४६	४०	से.
९ मकर	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	घं.
	२३	२७	३१	३५	३८	४२	४६	५०	५३	५७	१	४	८	११	१५	१८	२२	२५	२९	३२	३६	३९	४२	४६	४९	५३	५६	५९	२	६	मि.
	३३	२४	१३	२	४८	३३	१८	३	४१	२२	०	३६	१२	४८	२०	५२	२१	५०	१९	४४	११	३६	५९	२२	४२	२	२१	४०	५४	१०	से.
१० कुम्भ	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	घं.
	९	१२	१५	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४४	४७	५१	५३	५६	५९	२	५	८	११	१४	१७	२०	२३	२६	२९	३२	३५	३८	मि.
	२५	३७	५०	३	१२	२२	३१	४०	४६	५२	५८	४	८	१२	१५	१७	२९	२१	२१	२१	२१	२०	१९	१८	१५	१३	१०	७	४	०	से.
११ मीन	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	घं.
	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५८	१	४	७	१०	१३	१६	१९	२१	२४	२७	३०	३३	३६	३९	४२	४५	४८	५०	५४	५७	५८	३	६	मि.
	५७	५३	४९	४५	४१	३७	३२	२७	२४	१९	१५	११	७	३	५९	५६	५३	५०	४७	४४	४२	४१	३९	३७	३९	३९	४०	३९	४३	४६	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २६ (अयनांश २३।।) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
० मेष	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	घं.
	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३६	३९	४३	४६	४९	५२	५५	५९	२	५	८	१२	१५	१८	२२	२५	२९	३२	३६	३९	४३	मि.
	०	३	५	८	१२	१६	२१	२८	३५	४३	५१	१	११	२३	३६	५०	५	२२	३९	५६	१५	३४	५६	२०	४३	८	३४	२	३०	१	से.
१ वृषभ	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	घं.
	४६	५०	५३	५७	०	४	८	११	१५	१९	२३	२६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५७	१	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३९	मि.
	३३	५	३९	१५	५२	३१	११	५३	३५	१९	४	५२	४०	३०	२१	१३	७	५	४	५९	५९	०	२	७	१२	१९	२७	३७	४८	०	से.
२ मिथुन	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	घं.
	४३	४७	५१	५६	०	४	८	१३	१७	२२	२६	३०	३४	३९	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१५	२०	२५	२९	३५	३८	४३	४९	५२	मि.
	१३	२७	४३	०	१८	३८	५८	२१	४३	७	३१	५७	२३	५१	१९	४८	१८	४९	२१	५३	२४	५९	३४	८	४३	१८	५४	३०	७	४४	से.
३ कर्क	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	घं.
	५७	१	६	११	१५	२०	२५	२९	३४	३९	४३	४८	५२	५७	२	६	११	१६	२०	२५	३०	३४	३९	४३	४८	५३	५७	२	६	११	मि.
	२१	५९	३७	१५	५३	३२	१२	४९	२७	६	४२	२१	५९	३८	१७	५५	३३	१०	४८	२६	३	४०	१७	५४	३०	६	४२	१७	५२	२७	से.
४ सिंह	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	घं.
	१६	२०	२५	२९	३४	३८	४३	४७	५२	५६	१	६	१०	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४१	४६	५०	५५	५९	४	८	१३	१७	२२	२६	मि.
	२	३५	९	४३	१६	४९	२२	५४	२५	५८	३०	१	३१	२	३२	२	३१	२	३०	५९	२९	५७	२५	५३	२१	४९	१७	४४	११	३९	से.
५ कन्या	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	७	घं.
	३१	३५	४०	४४	४८	५३	५९	१	६	११	१५	२०	२४	२८	३३	३७	४२	४६	५१	५५	०	४	९	१३	१८	२२	२६	३१	३५	४०	मि.
	६	३३	०	२७	५३	२०	४७	४४	४०	७	३४	१	२८	५५	२२	४९	१७	४४	११	३९	७	३५	३	३१	०	२९	५९	२९	५८	२८	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २६ (अयनांश २३।।) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
६ तुला	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	घं.
	४४	४९	५३	५८	३	७	१२	१६	२१	२५	३०	३४	३९	४३	४८	५३	५७	२	६	११	१६	२०	२५	२९	३४	३९	४३	४८	५३	५७	मि.
	५८	२८	५९	३०	२	३४	६	४१	११	४४	१७	५०	२४	५८	३३	८	४३	३८	५४	३०	६	४२	१९	५६	३४	११	४९	२६	४	४३	से.
७ वृश्चिक	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	घं.
	२	६	११	१६	२०	२५	३०	३४	३९	४४	४८	५३	५८	२	७	११	१६	२१	२५	३०	३४	३९	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१५	मि.
	२२	५९	३७	१६	५५	३३	११	४९	२८	५	४६	२३	१	३८	१६	५३	२९	५	४२	१८	५२	२६	०	३४	७	३९	११	४१	११	४२	से.
८ धनु	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	घं.
	२०	२४	२९	३३	३७	४२	४६	५१	५५	५९	४	८	१२	१६	२१	२५	२९	३३	३७	४१	४५	४९	५४	५८	२	५	९	१३	१७	२१	मि.
	९	३७	३	२७	५१	१७	४०	१	२२	४१	०	१६	३२	४६	०	१३	२४	३२	४१	४८	५३	५७	०	०	१	५९	५७	५२	४६	३९	से.
९ मकर	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	घं.
	२५	२९	३३	३६	४०	४४	४८	५१	५५	५९	२	६	९	१३	१६	२०	२३	२७	३०	३४	३७	४१	४४	४७	५१	५४	५७	०	४	७	मि.
	३१	२०	९	५५	४१	२५	८	५३	३९	७	४४	२०	४५	१७	४८	२८	४०	१५	४२	१७	४१	३	२५	४५	४	२२	३९	५४	१०	२३	से.
१० कुम्भ	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	घं.
	१०	१३	१६	२०	२३	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५४	५७	०	२	५	८	११	१४	१७	२०	२३	२६	२९	३२	३५	३८	मि.
	३६	४८	५९	८	१७	२५	३३	३८	४४	४८	५२	५५	५६	५७	०	१	१	५९	५८	५६	५४	५१	४८	४४	४१	३७	३२	२७	२१	१५	से.
११ मीन	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	घं.
	४१	४४	४६	४९	५२	५५	५८	१	४	७	१०	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३६	३९	४२	४५	४८	५१	५४	५७	५९	२	६	मि.
	१	५	५८	५२	४५	३९	३३	२७	२०	१४	७	१	५५	५०	४४	३८	३४	२९	२४	१९	१५	१२	९	६	३	२	१	५८	५९	०	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २७ (उपकरण २३।।) सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
० मेष	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	घं.
	८	११	१४	१७	२०	२३	२६	३९	३२	३५	३८	४१	४५	४८	५१	५४	५७	१	४	७	१०	१४	१७	२०	२४	२७	३०	३४	३७	४१	मि.
	१३	१२	१२	१३	१५	१८	२०	२५	३१	३७	४४	५२	०	१०	२१	३३	४५	०	१५	३१	४८	८	२७	४९	१०	३३	५८	५५	५१	२०	से.
१ वृषभ	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	घं.
	४४	४८	५१	५५	५९	२	६	१०	१३	१७	२१	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५१	५५	५९	३	७	११	१६	२०	२४	२८	३२	३६	मि.
	४९	२०	५४	२९	४	४१	२१	१	४१	२४	८	५४	४१	२०	२०	१२	४	१	५७	५३	५२	५३	५४	५८	३	१०	१७	२७	३७	४८	से.
२ मिथुन	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	घं.
	४१	४५	४९	५३	५८	२	६	११	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४२	४६	५१	५५	०	४	९	१३	१८	२३	२७	३२	३६	४१	४६	५०	मि.
	१	१६	३१	४८	६	२४	४५	७	३०	५४	१८	४४	१०	३८	७	३७	७	४१	११	४४	१७	५१	२५	१	३७	१३	५०	२७	४	४३	से.
३ कर्क	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	घं.
	५५	०	४	९	१३	१८	२३	२७	३२	३७	४१	४६	५१	५५	०	५	९	१४	१९	२३	२८	३३	३७	४२	४६	५१	५६	०	५	१०	मि.
	२०	१	३८	१८	५८	३६	१७	५७	३७	१६	५७	३६	१६	५६	३६	१६	५५	३५	१४	५३	३२	९	४८	२३	५९	३	२०	५७	३५	११	से.
४ सिंह	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	घं.
	१४	१९	२४	२८	३३	३७	४२	४६	५१	५६	०	५	९	१४	१८	२३	२७	३२	३६	४१	४५	५०	५४	५९	३	८	१२	१७	२१	२६	मि.
	४८	२४	०	३५	१०	४५	२०	५४	२८	१	३५	८	४१	१३	४	१८	४९	२०	५२	२३	५४	१७	५४	२४	५५	२४	५४	२४	५३	२२	से.
५ कन्या	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	७	घं.
	३०	३४	३९	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१५	२०	२४	२९	३३	३८	४२	४७	५१	५६	०	५	९	१४	१८	२३	२७	३२	३६	४१	मि.
	५२	२१	५०	१९	४८	१७	४५	१४	४३	१२	४१	१०	३९	८	३७	६	३६	६	३५	५	३५	५	३५	६	३७	८	३९	११	४२	१४	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २७ (उपकरण २३।।) सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
६	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	घं.
तुला	४५	५०	५४	५९	३	८	१३	१८	२२	२६	३१	३६	४०	४५	४९	५४	५९	३	८	१२	१७	२२	२६	३१	३६	४०	४५	५०	५४	५९	मि.
	४६	११	५२	२५	५८	३२	५	४०	१५	५०	२५	०	३६	१०	४८	२५	२	३९	१७	५४	३२	११	४९	२७	६	४५	२६	०	३४	२३	से.
७	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	घं.
वृश्चिक	४	८	१३	१८	२२	२७	३२	३६	४१	४६	५०	५५	०	४	९	१३	१८	२३	२७	३२	३६	४१	४६	५०	५५	५९	४	८	१३	१७	मि.
	४	४४	२४	४	४४	२३	३	४३	२२	२	४२	२१	०	३८	१६	५४	३२	९	४७	२३	५९	३४	९	४३	१६	५९	२१	५१	२२	५२	से.
८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	घं.
धनु	२२	२६	३१	३५	४०	४४	४८	५३	५७	१	६	१०	१४	१८	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१५	१९	२३	मि.
	२१	४१	१६	४१	६	३०	५३	१४	३५	५४	१३	३०	४५	५८	१२	२४	३५	४३	५१	५८	२	५	७	६	६	४	०	५४	४८	४०	से.
९	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	घं.
मकर	२७	३१	३५	३८	४२	४६	५०	५३	५७	०	४	८	११	१५	१८	२२	२५	२९	३२	३५	३९	४२	४५	४९	५२	५५	५९	२	५	८	मि.
	३१	११	६	५१	३६	१९	०	३९	१८	५६	३२	५	३८	९	४०	५९	३६	१	२७	५०	१२	३३	५३	११	२९	४५	१	१४	२७	३९	से.
१०	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	घं.
कुम्भ	११	१४	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३६	३९	४२	४५	४८	५१	५४	५७	०	३	६	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	२९	३३	३५	३८	मि.
	५०	५९	८	१५	२३	३०	३५	३८	४२	४४	४७	४७	४८	४७	४६	४४	४२	३९	३६	३३	२९	२४	१९	१३	७	१	५४	४६	३९	३१	से.
११	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	घं.
मीन	४१	४४	४७	५०	५२	५५	५८	१	४	७	१०	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५६	५९	२	५	मि.
	२४	१६	८	०	५१	४३	३४	२६	१७	९	१	५२	४४	३६	२८	२१	१३	६	५९	५३	४७	४१	३७	३२	२७	२३	२०	१७	१५	१४	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २८ (अयनांश २३।।) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
० मेष	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	घं.
	७	१०	१३	१६	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४३	४६	५०	५३	५६	५९	२	६	९	१२	१५	१९	२२	२५	२९	३२	३६	३९	मि.
	२३	२०	१९	१९	१८	१९	२०	२३	२६	२९	३४	४१	४८	५५	२	११	२४	३७	५०	४	२०	३७	५५	१५	३५	५६	२०	४५	१०	३७	से.
१ वृषभ	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	घं.
	४३	४६	५०	५३	५७	०	४	८	११	१५	१९	२२	२६	३०	३४	३८	४१	४५	४९	५३	५७	१	५	९	१३	१७	२२	२६	३०	३४	मि.
	५	३५	७	३७	१६	४९	२८	६	४५	२६	१०	५४	३९	२८	१७	८	५९	५४	४९	४५	४३	४३	४४	४७	५१	५७	४	१२	२३	३४	से.
२ मिथुन	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	घं.
	३८	४३	४७	५१	५५	०	४	८	१३	१७	२२	२६	३०	३५	३९	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१६	४०	२५	३०	३४	३९	४४	४८	मि.
	४६	०	१६	३३	५०	८	३०	५२	१४	३८	३	२९	५४	२४	५३	२३	५३	२५	५८	३२	६	४१	१६	४९	२९	६	४४	२२	०	३९	से.
३ कर्क	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	घं.
	५३	५७	२	७	१२	१६	२१	२६	३०	३५	४०	४४	४९	५४	५८	३	८	१२	१७	२२	२६	३१	३६	४०	४५	५०	५४	५९	४	८	मि.
	१८	५९	३९	१९	०	४१	२२	४	४५	२६	७	४७	२९	११	५३	३४	१५	५१	३७	१८	५९	३९	१९	५९	३९	१९	५८	३७	१६	५५	से.
४ सिंह	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	घं.
	१३	१८	२२	२७	३२	३६	४१	४५	५०	५४	५९	३	८	१२	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४४	४९	५४	५८	५	७	१२	१६	२१	२५	मि.
	३२	१०	४८	३४	३	४०	१७	५३	२९	२६	२	३९	१४	५१	२७	२	३७	१२	४७	२२	५१	२९	३	३६	१०	४४	१७	५०	२३	५६	से.
५ कन्या	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	७	घं.
	३०	३४	३९	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१५	२०	२४	२९	३४	३८	४३	४७	५२	५६	१	५	१०	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४२	मि.
	२९	१	३४	७	३९	११	४४	१६	४९	२१	५३	२५	५७	३०	४	३७	९	४३	१६	४९	२२	५६	३०	४	३९	१४	४८	२२	५६	३४	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २८ (अयनांश २३।) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
६ तुला	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	१०	घं.
	४६	५१	५५	०	४	९	१४	१८	२३	२७	३२	३७	४१	४६	५१	५५	०	५	९	१४	१९	२३	२८	३३	३७	४२	४७	५१	५६	१	मि.
	३५	११	४६	२१	२२	३१	७	४३	१९	५५	३४	१०	४८	२६	४	४३	२३	७	४१	२१	१	४१	२१	१	४१	२२	३	४४	२५	६	से.
७ वृश्चिक	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	घं.
	५	१०	१५	१९	२४	२९	३३	३८	४३	४७	५२	५७	२	६	११	१६	२०	२५	२९	३४	३९	४३	४८	५२	५७	२	६	११	१५	२	मि.
	४९	३१	१२	५३	३४	१५	५६	३७	१८	५९	४०	२१	१	४१	२१	०	३७	१५	५३	३१	८	४४	१९	५४	२७	१	३४	७	३७	६	से.
८ धनु	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	घं.
	२४	२९	३३	३७	४२	४६	५१	५५	५९	४	८	१२	१७	२१	५	२९	३३	३७	४२	४६	५०	५४	५८	२	३	१०	१४	१८	२१	२४	मि.
	३५	४	३१	५८	२५	४६	९	३२	५१	१०	२७	४४	०	१७	३४	३८	४७	५५	३	८	१३	१५	१७	१५	१४	१०	७	४	५३	५४	से.
९ मकर	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	घं.
	२९	३३	३७	४०	४४	४८	५१	५५	५९	२	६	९	१३	१६	२०	२३	२७	३०	३४	३७	४०	४४	४७	५०	५३	५७	०	३	६	९	मि.
	३२	२०	८	५५	३८	१५	५५	३३	११	४६	२१	५३	२५	५४	२३	५०	१७	४०	३	२५	४५	५	२२	३८	५५	९	२३	३४	४५	५५	से.
१० कुम्भ	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	घं.
	१३	१६	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५८	१	४	७	१०	१३	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३५	३८	मि.
	५	१३	२०	२५	३०	३४	३८	४०	४१	४२	४२	४१	४०	३७	३४	३०	२६	२१	१५	९	३	५६	४९	४१	३३	२५	१६	६	५७	४८	से.
११ मीन	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	घं.
	४१	४४	४७	५०	५२	५५	५८	१	४	७	९	१२	१५	१८	२१	२४	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४६	४९	५२	५५	५८	१	४	मि.
	३८	२७	१४	७	५६	४६	३५	२५	१४	३	५२	४२	३२	२२	१२	२	५४	४५	३६	२७	१९	११	४	५७	५०	४४	३८	३४	३०	२६	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २९ (अयनांश २३।।) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
० मेष	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	घं.
	६	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३६	३९	४२	४६	४९	५२	५५	५८	१	५	८	११	१४	१८	२१	२४	२८	३१	३५	३८	मि.
	५०	४६	४३	४०	४०	३९	३९	३९	४१	४४	४८	५२	५७	२	१२	२१	३०	३९	५२	६	२१	३७	५३	९	३१	५१	१३	३५	१	२७	से.
१ वृषभ	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	घं.
	४१	४५	४८	५२	५५	५९	३	६	१०	१४	१७	२१	२५	२९	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३३	मि.
	५४	२३	५३	२३	५८	३२	९	४६	२६	७	४८	३३	१८	३	५३	४४	३५	२६	२२	१८	१६	१५	१६	१७	२२	२७	३३	३९	५२	४	से.
२ मिथुन	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	घं.
	३७	४१	४५	४९	५४	५८	२	७	११	१६	२०	२४	२९	३३	३८	४२	४७	५१	५६	०	५	१०	१४	१९	२४	२८	३३	३७	४२	४७	मि.
	१५	२८	४३	५८	१८	३७	५८	१९	४२	६	३१	५७	२४	५१	२२	५२	२३	५४	२८	२	३७	१२	४८	२४	२	३९	१८	५७	३७	१७	से.
३ कर्क	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	घं.
	५१	५६	१	५	१०	१५	२०	२४	२९	३४	३८	४३	४८	५२	५७	२	७	११	१६	२१	२५	३०	३५	३९	४४	४९	५४	५८	३	८	मि.
	५६	३७	१८	५९	४०	२२	४	४६	२९	१२	५३	३५	१७	५९	४३	२५	७	४२	३२	१३	५५	३७	१८	५९	४१	२२	२	४२	२३	३	से.
४ सिंह	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	घं.
	१२	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४५	४९	५४	५९	३	८	१२	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४४	४९	५४	५८	३	७	१२	१६	२१	२५	मि.
	४२	२२	१	४०	१७	५५	३३	१५	४८	२७	२	३९	१५	५१	२७	२	३७	१२	४७	२२	५६	२९	३	३७	१०	४४	१७	५०	२३	५६	से.
५ कन्या	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	७	घं.
	३०	३५	३९	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१५	२०	२४	२९	३४	३८	४३	४७	५२	५६	१	५	१०	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४२	मि.
	२९	१	३४	९	३९	११	४४	१७	४	२१	५३	२६	५८	३०	४	३७	९	४१	१६	४९	२२	५६	३०	४	३८	१३	४७	२१	५८	३४	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २९ (अयनांश २३।।) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
६ तुला	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	१०	घं.
	४७	५१	५६	०	५	१०	१४	१९	२४	२८	३३	३८	४२	४६	५१	५६	१	५	१०	१५	२०	२४	२९	३४	३८	४३	४८	५२	५७	२	मि.
	९	४५	२१	५७	३६	११	४८	२५	४	४२	२१	०	३९	३९	५७	३७	१७	५७	३८	१९	०	४१	२२	३	४६	२८	१०	५२	३४	१७	से.
७ वृश्चिक	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	घं.
	७	११	१६	२१	२५	३०	३५	३९	४४	४९	५४	५८	३	८	१२	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४५	४९	५४	५८	३	८	१२	१७	२१	मि.
	०	४२	२५	८	४९	३२	१४	५६	३७	१९	०	४२	२२	२	४३	२३	३	४३	१९	५७	३५	१२	४८	२४	५७	३२	५	३८	७	३७	से.
८ धनु	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	घं.
	२६	३०	३५	३९	४३	४८	५२	५७	१	५	९	१४	१८	२२	२६	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	१५	१९	२३	२७	मि.
	७	२७	३	४१	५४	१८	४१	४	२३	४२	५७	१६	३२	४८	५८	८	१८	२८	३२	३८	४२	४४	४५	४६	४१	३८	३३	२८	१६	६	से.
९ मकर	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	घं.
	३०	३४	३८	४२	५५	४९	५३	५६	०	४	७	११	१४	१८	२१	२४	२८	३१	३५	३८	४१	४५	४८	५१	५४	५८	१	४	७	१०	मि.
	५५	४२	२८	१४	५३	३४	१३	५२	२६	१	३४	६	३७	८	३२	५८	२३	४८	९	१९	४१	६	२३	४०	५३	६	१९	३२	३९	४८	से.
१० कुम्भ	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	घं.
	१३	१७	२०	२३	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५६	५९	१	४	७	१०	१३	१६	१९	२२	२४	२७	३०	३३	३६	३८	मि.
	५६	३	८	१३	१६	१८	२०	२२	२२	२१	१९	१६	१४	१२	६	०	५५	५०	४२	३४	२७	१९	१०	२	५०	४०	३०	२०	९	५८	से.
११ मीन	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	घं.
	४१	४४	४७	५०	५३	५५	५८	१	४	७	९	१२	१५	१८	२१	२३	२६	२९	३२	३५	३७	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५८	१	३	मि.
	४७	३५	२४	१३	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२५	१४	२	५१	४०	२९	१९	९	५९	५१	४२	३३	२५	१८	११	४	०	५५	से.

(घण्टे अथवा अंश) लघुरित्थ कोष्ठक

मि.क.	०	१	२	३	४	५	६	७
००		१.३८०२	१.०७९२	९०३	७७८१	६८१२	६०२१	५३५१
१	३.१५८४	१.३७३०	१.०७५६	९००७	७७६३	६७९८	६००९	५३४१
२	२.८५७३	१.३६६०	१.०७२०	८९८३	७७४५	६७८४	५९९७	५३३०
३	२.६८१२	१.३५९०	१.०६८५	८९५९	७७२८	६७६९	५९८५	५३२०
४	२.५५६३	१.३५२२	१.०६४९	८९३५	७७१०	६७५५	५९७३	५३१०
५	२.४५९४	१.३४५४	१.०६१४	८९१२	७६९२	६७४१	५९६१	५३००
६	२.३८०२	१.३३८८	१.०५८०	८८८८	७६७४	६७२६	५९४९	५२८६
७	२.३१३३	१.३३२३	१.०५४६	८८६५	७६५७	६७१२	५९३७	५२७९
८	२.२५५३	१.३२५८	१.०५११	८८४२	७६३९	६६९८	५९२५	५२६९
९	२.२०४१	१.३१९५	१.०४७८	८८१९	७६२२	६६८४	५९१३	५२५९
१०	२.१५८४	१.३१३३	१.०४४४	८७९६	७६०४	६६७०	५९०२	५२४९
११	२.११७०	१.३०७१	१.०४११	८७७३	७५८७	६६५१	५८९०	५२३९
१२	२.०७९२	१.३०१०	१.०३७८	८७५१	७५७०	६६४२	५८७८	५२२९
१३	२.०४४४	१.२९५०	१.०३४५	८७२८	७५५२	६६२८	५८६६	५३१९
१४	२.०१२२	१.२८६१	१.०३१३	८७०६	७५३५	६६१४	५८५५	५२०९
१५	१.९८२३	१.२८३३	१.०२८०	८६८३	७५१८	६६००	५८४३	५१९९
१६	१.९५४२	१.२७७५	१.०२४८	८६६१	७५०१	६५८७	५८३२	५१८९
१७	१.९२७९	१.२७१९	१.०२१६	८६३९	७४८४	६५७३	५८२०	५१७९
१८	१.९०३१	१.२६६३	१.०१८५	८६१७	७४६७	६५५९	५८०९	५१६९
१९	१.८७९६	१.२६०७	१.०१५३	८५९५	७४५१	६५४६	५७९७	५१५९
२०	१.८५७३	१.२५५३	१.०१२२	८५७३	७४३४	६५३२	५७८६	५१४९
२१	१.८३६१	१.२४९९	१.००९१	८५५२	७४१७	६५१९	५७७४	५१३९
२२	१.८१५९	१.२४४५	१.००६१	८५३०	७४०१	६५०५	५७६३	५१२९
२३	१.७९६६	१.२३९३	१.००३०	८५०९	७३८४	६४९२	५७५२	५१२०
२४	१.७७८१	१.२३४१	१.००००	८४८७	७३६८	६४७८	५७४०	५११०
२५	१.७६०४	१.२२८९	०.९९७०	८४६६	७३५१	६४६५	५७२९	५१००
२६	१.७४३४	१.२२३९	०.९९४०	८४४५	७३३५	६४५१	५७१८	५०९०
२७	१.७२७०	१.२१८८	०.९९१०	८४२४	७३५८	६४३८	५७०६	५०८१
२८	१.७११२	१.२१३९	०.९८८१	८४०३	७३०२	६४२५	५६९५	५०७१
२९	१.६९६०	१.२०९०	०.९८५२	८३८२	७२८६	६४१२	५६८४	५०६१
३०	१.६८१२	१.२०४१	०.९८२३	८३६१	७२७०	६३९८	५६७३	५०५१
३१	१.६६७०	१.१९९३	०.९७९४	८३४१	७२५४	६३८५	५६२२	५०४२
३२	१.६५३२	१.१९४६	०.९७६५	८३२०	७२३८	६३७२	५६५१	५०३२
३३	१.६३९८	१.१८९९	०.९७३७	८३००	७२२२	६३५९	५६४०	५०२३
३४	१.६२६९	१.१८५२	०.९७०८	८२७९	७२०६	६३४६	५६२९	५०१३
३५	१.६१४३	१.१८०६	०.९६८०	८२५९	७१९०	६३३३	५६१८	५००३

३—७ कोष्ठकों में सभी संख्या दशमलव मे समझें। जैसे .९०३१ इत्यादि।

(घण्टे अथवा अंश) लघुरित्थ कोष्ठक								
मि.क.	०	१	२	३	४	५	६	७
३६	१.६०२१	१.१७६१	०.९६५२	८२३९	७१७४	६३२०	५६०७	४९९४
३७	१.५९०२	१.१७१६	०.९६२५	८२११	७१५१	६३०७	५५९६	४९८४
३८	१.५७८६	१.१६७१	०.९५९७	८१९९	७१४३	६२९४	५५८५	४९७५
३९	१.५६७३	१.१६२७	०.९५७०	८१७९	७१२८	६२८२	५५७४	४९६५
४०	१.५५६३	१.१५८४	०.९५४२	८१५९	७११२	६२६९	५५६३	४९५६
४१	१.५४५६	१.१५४०	०.९५१५	८१४०	७०९७	६२५६	५५५२	४९४७
४२	१.५३५१	१.१४९८	०.९४८८	८१२०	७०८१	६२४३	५५४१	४९३७
४३	१.५२४९	१.१४५५	०.९४६२	८१०१	७०६६	६२३१	५५३१	४९२८
४४	१.५१४९	१.१४१३	०.९४३५	८०८१	७०५०	६२१८	५५२०	४९१८
४५	१.५०५१	१.१३७२	०.९४०९	८०६२	७०३५	६२०५	५५०९	४९०४
४६	१.४९५६	१.१३३१	०.९३८३	८०४३	७०२०	६१९३	५४९८	४९००
४७	१.४८६३	१.१२९०	०.९३५६	८०२३	७००५	६१८०	५४८८	४८९०
४८	१.४७७१	१.१२४९	०.९३३०	८००४	६९९०	६१६८	५४७७	४८८१
४९	१.४६८२	१.१२०९	०.९३०५	७९८५	६९७५	६१५५	५४६६	४८७२
५०	१.४५९४	१.११७०	०.९२७९	७९६६	६९६०	६१४३	५४५६	४८६३
५१	१.४५०८	१.११३०	०.९२५४	७९४७	६९४५	६१३१	५४४५	४८५३
५२	१.४४२४	१.१०९१	०.९२२८	७९२९	६९३०	६११८	५४३५	४८४४
५३	१.४३४१	१.१०५३	०.९२०३	७९१०	६९१५	६१०६	५४२४	४८३५
५४	१.४२६०	१.१०१५	०.९१७८	७८९१	६९००	६०९४	५४१४	४८२६
५५	१.४१८०	१.०९७७	०.९१५३	७८७३	६८८५	६०८१	५४०३	४८१७
५६	१.४१०२	१.०९३९	०.९१२८	७८५४	६८७१	६०६९	५३९३	४८०८
५७	१.४०२५	१.०९०२	०.९१०४	७८३६	६८५६	६०५७	५३८२	४७९८
५८	१.३९४९	१.०८६५	०.९०७९	७८१८	६८४१	६०४५	५३७२	४७८९
५९	१.३८७५	१.०८२८	०.९०५५	७८००	६८२७	६०३३	५३६१	४७८०

यहाँ ३ से आगे के कोष्ठकों में सभी संख्या दशमलव में समझें। .८२३९ इत्यादि।

(घण्टे अथवा अंश) लघुरित्थ कोष्ठक

मि.क.	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
००	४७७१	४२६०	३८०२	३३८८	३०१०	२६६३	२३४१	२०४१	१७६१
१	४७६२	४२५२	३७९५	३३८२	३००४	२६५७	२३३६	२०३६	१७५६
२	४७५३	४२४४	३७८८	३३७५	२९९८	२६५२	२३३०	२०३२	१७५२
३	४७४४	४२३६	३७८०	३३६८	२९९२	२६४६	२३२५	२०२७	१७४७
४	४७३५	४२२८	३७७३	३३६२	२९८६	२६४०	२३२०	२०२२	१७४३
५	४७२६	४२२०	३७६६	३३५५	२९८०	२६३५	२३१५	२०१७	१७३८
६	४७१७	४२१२	३७५९	३३४९	२९७४	२६२९	२३१०	२०१२	१७३४
७	४७०८	४२०४	३७५२	३३४२	२९६८	२६२४	२३०५	२००८	१७२९
८	४६९९	४१९६	३७४५	३३३६	२९६२	२६१८	२३००	२००३	१७२५
९	४६९०	४१८८	३७३७	३३२९	२९५६	२६१३	२२९५	१९९८	१७२०
१०	४६८२	४१८०	३७३०	३३२३	२९५०	२६०७	२२८९	१९९३	१७१६
११	४६७३	४१७२	३७२३	३३१६	२९४४	२६०२	२२८४	१९८८	१७११
१२	४६६४	४१६४	३७१६	३३१०	२९३८	२५९६	२२७९	१९८४	१७०७
१३	४६५५	४१५६	३७०९	३३०३	२९३३	२५९१	२२७४	१९७९	१७०२
१४	४६४६	४१४८	३७०२	३२९७	२९२७	२५८५	२२६९	१९७४	१६९८
१५	४६३८	४१४१	३६९५	३२९१	२९२१	२५८०	२२६४	१९६९	१६९४
१६	४६२९	४१३३	३६८८	३२८४	२९१५	२५७४	२२५९	१९६५	१६८९
१७	४६२०	४१२५	३६८१	३२७८	२९०९	२५६९	२२५४	१९६०	१६८५
१८	४६११	४११७	३६७४	३२७१	२९०३	२५६४	२२४९	२०५५	१६८०
१९	४६०३	४१०९	३६६७	३२६५	२८९७	२५५८	२२४४	१९५०	१६७६
२०	४५९४	४१०२	३६६०	३२५८	२८९१	२५५३	२२३९	१९४६	१६७१
२१	४५८५	४०९४	३६५३	३२५२	२८८५	२५४७	२२३४	१९४१	१६६७
२२	४५७७	४०८६	३६४६	३२४६	२८८०	२५४२	२२२९	१९३६	१६६३
२३	४५६८	४०७९	३६३९	३२३९	२८७४	२५३६	२२२३	१९३२	१६५८
२४	४५५९	४०७१	३६३२	३२३३	२८६८	२५३१	२२१८	१९२७	१६५४
२५	४५५१	४०६३	३६२५	३२२७	२८६२	२५२६	२२१३	१९२२	१६४९
२६	४५४२	४०५५	३६१८	३२२०	२८५६	२५२०	२२०८	१९१७	१६४५
२७	४५३४	४०४८	३६११	३२१४	२८५०	२५१५	२२०३	१९१३	१६४०
२८	४५२५	४०४०	३६०४	३२०८	२८४५	२५०९	२१९८	१९०८	१६३६
२९	४५१६	४०३२	३५९७	३२०१	२८३९	२५०४	२१९३	१९०३	१६३२
३०	४५०८	४०२५	३५९०	३१९५	२८३३	२४९९	२१८८	१८९९	१६२७
३१	४४९९	४०१७	३५८३	३१८९	२८२७	२४९३	२१८३	१८९४	१६२३
३२	४४९१	४०१०	३५७६	३१८३	२८२१	२४८८	२१७८	१८८९	१६१९
३३	४४८२	४००२	३५७०	३१७६	२८१६	२४८३	२१७३	१८८५	१६१४
३४	४४७४	३९९४	३५६३	३१७०	२८१०	२४७७	२१६८	१८८०	१६१५
३५	४४६६	३९८७	३५५६	३१६४	२८०४	२४७२	२१६४	१८७५	१६०५

इस कोष्ठक में सभी संख्या दशमलव में समझें। जैसे .४७७१ इत्यादि।

(घण्टे अथवा अंश) लघुरित्थ कोष्ठक

मि.क.	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
३६	४४५७	३९७९	३५४९	३१५७	२७९८	२४६७	२१५९	१८७१	१६०१
३७	४४४९	३९७२	३५४२	३१५१	२७९३	२४६१	२१५४	१८६६	१५९७
३८	४४४०	३९६४	३५३५	३१४५	३७८७	२४५६	२१४९	१८६२	१५९२
३९	४४३२	३९५७	३५२९	३१३९	२७८१	२४५१	२१४४	१८५७	१५८८
४०	४४२४	३९४९	३५२२	३१३३	२७७५	२४४५	२१३९	१८५२	१५८४
४१	४४१५	३९४२	३५१५	३१२६	२७७०	२४४०	२१३४	१८४८	१५७९
४२	४४०७	३९३४	३५०८	३१२०	२७६४	२४३५	२१२९	१८४३	१५७५
४३	४३९९	३९२७	३५०१	३११४	२७५८	२४३०	२१२४	१८३८	१५७१
४४	४३९०	३९१९	३४९५	३१०८	२७५३	२४२४	२११९	१८३४	१५६६
४५	४३८२	३९१२	३४८८	३१०२	२७४७	२४१९	२११४	१८२९	१५६२
४६	४३७४	३९०५	३४८१	३०९६	२७४१	२४१४	२१०९	१८२५	१५५८
४७	४३६५	३८९७	३४७५	३०८९	२७३६	२४०९	२१०४	१८२०	१५५३
४८	४३५७	३८९०	३४६८	३०८३	२७३०	२४०३	२०९९	१८१६	१५४९
४९	४३४९	३८८२	३४६१	३०७७	२७२४	२३९८	२०९५	१८११	१५४५
५०	४३४१	३८७५	३४५४	३०७१	२७१९	२३९३	२०९०	१८०६	१५४०
५१	४३३३	३८६८	३४४८	३०६५	२७१३	२३८८	२०८८	१८०२	१५३६
५२	४३२४	३८६०	३४४१	३३५९	२७०७	२३८२	२०८०	१७९७	१५३२
५३	४३१६	३८५३	३४३४	३०५३	२७०२	२३७७	२०७५	१७९३	१५२८
५४	४३०८	३८४६	३४२८	३०४७	२६९६	२३७२	२०७०	१७८८	१५२३
५५	४३००	३८३८	३४२१	३०४१	२६९१	२३६७	२०६५	१७८४	१५१९
५६	४२९२	३८३१	३४१५	३०३४	२६८५	२३६२	२०६१	१७७९	१५१५
५७	४२८४	३८२४	३४०८	३०२८	२६७९	२३५६	२०५६	१७७४	१५१०
५८	४२७६	३८१७	३४०१	३०२२	२६७४	२३५१	२०५१	१७७०	१५०६
५९	४२६८	३८०९	३३९५	३०१६	२६६८	२३४६	२०४६	१७६५	१५०२

इस कोष्ठक में सभी संख्या दशमलव में समझें। जैसे .४४५७ इत्यादि।

(घण्टे अथवा अंश) लघुरित्थ कोष्ठक

मि.क.	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३
००	१४९८	१२४९	१०१५	०७९२	०५८०	०३७८	०१८५
१	१४९३	१२४५	१०११	०७८८	०५७७	०३७५	०१८२
२	१४८९	१२४१	१००७	०७८५	०५७३	०३७१	०१७९
३	१४८५	१२३७	१००३	०७८१	०५७०	०३६८	०१७५
४	१४८१	१२३३	०९९९	०७७७	०५६६	०३६५	०१७२
५	१४७६	१२२९	०९९६	०७७४	०५६३	०३६१	०१६९
६	१४७२	१२२५	०९९२	०७७०	०५५९	०३५८	०१६६
७	१४६८	१२२१	०९८८	०७६६	०५५६	०३५५	०१६३
८	१४६४	१२१७	०९८४	०७६३	०५५२	०३५२	०१६०
९	१४६०	१२१३	०९८०	०७५९	०५४९	०३४८	०१५७
१०	१४५५	१२०९	०९७७	०७५६	०५४६	०३४५	३१५३
११	१४५१	१२०५	०९७३	०७५२	०५४२	०३४२	०१५०
१२	१४४७	१२०१	०९६९	०७४९	०५३९	०३३९	०१४७
१३	१४४३	११९७	०९६५	०७४५	०५३५	०३३५	०१४४
१४	१४३८	११९३	०९६२	०७४२	०५३२	०३३२	०१४१
१५	१४३४	११८९	०९५८	०७३८	०५२९	०३२९	०१३८
१६	१४३०	११८५	०९५४	०७३४	०५२५	०३२६	०१३५
१७	१४२६	११८२	०९५०	०७३१	०५२२	०३२२	०१३२
१८	१४२२	११७८	०९४७	०७२७	०५१८	०३१९	०१२९
१९	१४१७	११७४	०९४३	०७२४	०५१५	०३१६	०१२५
२०	१४१३	११७०	०९३९	०७२०	०५११	०३१३	०१२२
२१	१४०९	११६६	०९३५	०७१७	०५०८	०३०९	०११९
२२	१४०५	११६२	०९३२	०७१३	०५०५	०३०६	०११६
२३	१४०१	११५८	०९२८	०७०९	०५०१	०३०३	०११३
२४	१३९७	११५४	०९२४	०७०६	०४९८	०३००	०११०
२५	१३९३	११५०	०९२०	०७०२	०४९५	०२९६	०१०७
२६	१३८८	११४६	०९१७	०६९९	०४९१	०२९३	०१०४
२७	१३८४	११४२	०९१३	०६९५	०४८८	०२९०	०१०१
२८	१३८०	११३८	०९०९	०६९२	०४८५	०२८७	००९८
२९	१३७६	११३४	०९०५	०६८८	०४८१	०२८३	००९४
३०	१३७२	११३०	०९०२	०६८५	०४७८	०२८०	००९१
३१	१३६८	११२६	०८९८	०६८१	०४७४	०२७७	००८८
३२	१३६३	११२३	०८९४	०६७८	०४७१	०२७४	००८५
३३	१३५९	११११	०८९१	०६७४	०४६८	०२७१	००८२
३४	१३५५	१११५	०८८७	०६७०	०४६४	०२६७	००७९
३५	१३५१	११११	०८८३	०६६७	०४६१	०२६४	००७६

इस कोष्ठक में सभी संख्या दशमलव में समझें। जैसे .१४९८ इत्यादि।

(घण्टे अथवा अंश) लघुरित्थ कोष्ठक

मि.क.	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३
३६	१३४७	११०७	०८८०	०६६४	०४५८	०२६१	००७३
३७	१३४३	११०३	०८७६	०६६०	०४५४	०२५८	००७०
३८	१३३९	१०९९	०८७२	०६५६	०४५१	०२५५	००६७
३९	१३३५	१०९५	०८६८	०६५३	०४४८	०२५१	००६४
४०	१३३१	१०९२	०८६५	०६४९	०४४४	०२४८	००६१
४१	१३२७	१०८८	०८६१	०६४६	०४४१	०२४५	००५८
४२	१३२२	१०८४	०८५७	०६४२	०४३७	०२४२	००५५
४३	१३१८	१०८०	०८५४	०६३९	०४३४	०२३९	००५२
४४	१३१४	१०७६	०८५०	०६३५	०४३१	०२३५	००४८
४५	१३१०	१०७२	०८४६	०६३२	०४२८	०२३२	००४५
४६	१३०६	१०६८	०८४३	०६२९	०४२४	०२२९	००४२
४७	१३०२	१०६४	०८३९	०६२५	०४२१	०२२६	००३९
४८	१२९८	१०६१	०८३५	०६२२	०४१८	०२२३	००३६
४९	१२९४	१०५७	०८३२	०६१८	०४१४	०२२०	००३३
५०	१२९०	१०५३	०८२८	०६१४	०४११	०२१६	००३०
५१	१२८६	१०४९	०८२४	०६११	०४०८	०२१३	००२७
५२	१२८२	१०४५	०८२१	०६०८	०४०४	०२१०	००२४
५३	१२७८	१०४१	०८१७	०६०४	०४०१	०२०७	००२१
५४	१२७४	१०३७	०८१४	०६०१	०३९८	०२०४	००१८
५५	१२७०	१०३४	०८१०	०५९७	०३९४	०२०१	००१५
५६	१२६६	१०३०	०८०६	०५९४	०३९१	०१९७	००१२
५७	१२६१	१०२६	०८०३	०५९०	०३८८	०१९४	०००९
५८	१२५७	१०२२	०७९९	०५८७	०३८४	०१९१	०००६
५९	१२५३	१०१८	०७९५	०५८३	०३८१	०१८८	०००३

इस कोष्ठक में सभी संख्या दशमलव में समझें। जैसे .१३४७ इत्यादि।

विदेश में गणित का विकास होता जा रहा है। दिन प्रति दिन गणित सम्बंधी भी नये-नये आविष्कार होते जा रहे हैं। ज्योतिष शास्त्र के गणित की सरलता के लिए अनेक सरल साधन तैयार किये गये हैं। इस दिशा में राफेल **(Raphael)** का कार्य प्रशंसनीय है। ग्रह साधन तथा लग्नादि द्वाद्वश भाव साधन नयी पद्धति से दिखाया जायेगा। ग्रह साधन के लिए लघुरित्थ कोष्ठक की आवश्यकता रहती है। इसलिए उसका कोष्ठक दिया गया है। उसमें ऊपर की ओर अंश अथवा घण्टे रहते हैं और बाई तरफ कला वा मिनिट रहती है। पञ्चांग में जिस समय के ग्रह स्पष्ट हों, उस समय से इष्ट समय तक के घंटे मिनिट पर से लघुरित्थ कोष्ठक द्वारा अंक लेना चाहिये तथा ग्रह की दैनिक गति के अंश कला पर से भी कोष्ठक द्वारा अंक लेकर दोनों का योग लघुरित्थ कोष्ठक के संमुख के अंश कला ग्रह का चालन होगा। यह चालन पंक्तिस्थ ग्रह (पंञ्चाग के ग्रह) में धन या ऋण करने से इष्टकाल के ग्रह स्पष्ट होंगे । चालन का नियम ग्रह स्पष्टीकरण में दिया गया है।

उदाहरण :– ता० १३ ११–५४ के दिन स्टॉ टा. १।३० मध्याहन का सूर्य स्पष्ट करना है। काशी के स्पष्ट ग्रह सूर्योदय कालिक हैं। सूर्योदय स्टाँ. टा. ६।१७ है। सूर्योदय से इष्टकाल तक का अन्तर घं ७ मि १३ है । लघुरित्थ कोष्ठक में ७ घण्टे १३ मिनट के सम्मुख कोष्ठक में .५२१९ अंक है। सूर्य की स्पष्टा गति १ अंश ३८ विकला है। उस पर से १.३८०२ यह है। दोनों अंकों का योग १.९०२१ यह हुआ । इस योग के सम्मुख ० अंश १८ कला फल मिला। इस फल को प्रात: स्पष्ट सूर्य। ६।२६।३२।१ में मिलाया तब इष्टकालिन स्पष्ट सूर्य ६।२६।५०।१ सिद्ध हुआ। कोष्ठक पर से विकला संम्बन्धि फल अनुपात से लेने पर और सूक्ष्म स्पष्ट ग्रह होगा । इस प्रकार और ग्रह भी स्पष्ट करने चाहिये ।

लग्न साधन की आधुनिक रीति

क्रांति वृत्त (राशि वृत्त) और क्षितिज वृत्त के संपात को लग्न कहते हैं। यह संपात बदलता रहता है और २४ घण्टे अर्थात ६० घटी में १२ राशि का भ्रमण हो जाता है। अत: एक दिन में १२ लग्न उदय लेते हैं। सूर्योदय में सूर्य ही लग्न माना जाता है और उसके बाद जैसे-जैसे समय बढ़ता जाता है, वैसे-वैसे लग्न बदलता जाता है। प्राचीन काल से अब तक ज्योतिषी विद्वान इसका साधन सूर्योदय से जन्म समय तक की साधित इष्ट घटी तथा तात्कालिक (जन्म समय के) स्पष्ट सूर्य पर से करते आये हैं। परन्तु अब आधुनिक विद्वान

सूर्योदय से साधित इष्ट घटी न लेकर जन्म समय पर से ही लग्न का साधन करते हैं। इसके लिये सांपातिक काल की आवश्यकता रहती है।

सांपातिक काल:— विषुवृत्त तथा राशि वृत्त के संपात को वसंत (मेष) संपात कहते हैं। संपात से जन्मकालिक स्पष्ट सूर्य से साधित विषुवकाल को इष्टसांपातिक काल कहते हैं। यह नक्षत्र काल कहलाता है। इसको जानने के लिए प्रति ईस्वी वर्ष के प्रारंम्भ में ग्रीनविच की मध्यरात्रि का सांपातिक काल गणित से लाकर रखा रहता है। इसमें पूर्वापर रेखांश द्वारा संस्कार देकर अपने देश की मध्य रात्रि का बना दिया जाता है। वर्षारम्भ के सांपातिक काल में इष्ट अंग्रेजी मास तथा तारीख संबन्धि सांपातिक काल जोड़ने से अभीष्ट तारीख के प्रारम्भ का अर्थात मध्य रात्रि का सांपातिक काल होगा। इसमें मध्य रात्रि से जन्म समय तक का स्थानिक समय (लोकल समय अर्थात स्टाँडर्ड समय में रेखान्तर मिनिट धन हो तो जोड़ कर तथा ऋण हो तो घटा कर जो समय बनता है, उसे स्थानिक समय कहते हैं।) जोड़ने से इष्ट सांपातिक काल होता है। इसके द्वारा लग्न साधन किया जाता है।

लग्न साधन:— जिस स्थान का लग्न साधन करना अभीष्ट हो उस स्थान के अक्षांश की लग्न सारिणी में इष्ट सांपातिक काल जिस कोष्ठक में मिले उसके संमुख के राशि अंश अभीष्ट लग्न के होंगे। इष्ट सांपातिक काल से कम काल वाले कोष्ठक को इष्ट सांपातिक काल में घटा कर शेष मिनिट सेकेन्ड की सेकेन्ड बना कर उन्हें ६० से गुणा कर दें। उसके बाद इष्ट सांपातिक काल से कम तथा अधिक काल वाले कोष्ठको के अन्तर की मिनिट सेकन्ड की सेकेन्ड बना कर उनका गुणन फल में भाग दें । फल कला होंगी। शेष को ६० से गुणा कर अन्तर सेकेन्ड का भाग देने से फल विकला होगी । इन कला विकला को पूर्व साधित राशि अंश में जोड़ने से स्पष्ट लग्न की राशि अंश कला एवं विकला होंगी।

दशम लग्न साधन:— दशम लग्न सारिणी में इष्ट सांपातिक काल जिस कोष्ठक पर मिले उस कोष्ठक के सन्मुख में दशम लग्न के राशि अंश मिलेंगे। लग्न की तरह अनुपात द्वारा कला विकला का साधन करना चाहिए।

सांपातिक काल द्वारा लग्न साधन की कुछ सारिणियाँ दी गयी हैं। दशम लग्न साधन के लिए एक पृथक सारिणी है। इनका उपयोग केवल सांपातिक काल द्वारा ही किया जा सकता है।

विशेष:– भारतीय तथा आधुनिक लग्न सारिणियाँ २३।। अयनांश संबंधी हैं। अत: इष्ट समय के अयनांश २३।। अंश से कम अधिक भी हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में इष्ट समय के अयनांश २३।। अंश से जितने कम हों उतना अन्तर सारिणी से साधित लग्न में जोड़ दें और यदि इष्ट समय के अयनांश २३।। अंश से अधिक हो तो जितने अधिक हो उतना अन्तर लग्न सारिणी द्वारा साधित लग्न से घटा देना चाहिए। इससे लग्न की स्पष्टता अधिक सूक्ष्म होगी।

उदाहरण:– ता० २२–२–७१ के दिन कलकत्ते में बालक का जन्म प्रात: स्टॉ० टा० ११/१ समय पर हुआ। कलकत्ता अक्षांश २२।३२ पूर्व रेखांश ८८।२१ रेखान्तर मि० २३।२४।

पूर्व दर्शित नियमानुसार प्रथम इष्ट सांपातिक काल का साधन करना है।

इष्ट सांपातिक काल एवं लग्न साधन

घं ६।३९।५६ सन् १९७१ कोष्ठक (१)
–५८ रेखांश संस्कार को (२)
घं ६।३८।५८
२।२।१३ फरवरी मास को (३)
अनुपात
१।२२।४८ तारीख २२ को (४)
११।२४।२४ स्थानिक जन्म समय
१।४८।२४ घंटा संस्कार को (५)
३।५६ मिनिट संस्कार को (६)
२१।३०।१५।२० इष्ट सांपातिक काल
२१।२८।४१ अक्षांश २३ सारिणी से प्राप्त राशि १ अंश १०
१।३४ शेष
९४ शेष सेकेन्ड
X ६०
२३१)५६४०(२४ कला
४६२
१०२०
९२४
९६
X ६०
५७६०

(८८।२१) २ = से ५८।५४ = से. ५९
३
गणित से रेखांश संस्कार से ५९ आता है। एवं कोष्ठक द्वारा से. ५८ प्राप्त होता है।
११।१ जन्म समय स्टॉ ० टा०
+२३।२४ रेखान्तर मि०
११।२४।२४ स्थानिक जन्म समय

२१।३२।३२ राशि १ अंश ११
२१।२८।४१ राशि १ अंश १०
०।३ ।५१ अन्तर
२३१ अन्तर सेकन्ड

२३१)५७६०(२५
४६२
११४०
११५५

स्पष्ट लग्न १।१०।२४।२५

दशम लग्न साधन

२१।३०।१५।२० इष्ट सांपातिक काल

२१।२७।४० दशम लग्न सारिणी से प्राप्त राशि ९ अंश २६

२।३५ शेष

१५५ शेष सेकेन्ड

+६०

२३५)९३००(३९

७०५

२२५०

२११५

१३५

१३५

+६०

२३५)८१००(३४

७०५

१०५०

९४०

११०

२१।३१।३५ राशि ९ अंश २७

२१।२७।४० राशि ९ अंश २६

०। ३ ।५५ अंतर

२३५ अन्तर सेकेन्ड

स्पष्ट दशम लग्न ९।२६।३९।३४

लग्न एवं दशम लग्न के द्वारा भाव साधन पूर्व दर्शित नियमानुसार करना चाहिए।

दक्षिण गोलार्ध का लग्न साधन

यदि जन्म स्थान दक्षिण गोलार्ध में हो तो इष्ट सांपातिक काल में १२ घण्टे जोड़कर उसे इष्ट सांपातिक काल मानें और उस पर से साधित स्पष्ट लग्न में ६ राशि जोड़ने से अभीष्ट लग्न होगा।

ग्रीनवीच की मध्य रात्रि में वर्षारंभ का सांपातिक काल कोष्ठक (१)

सन्	घं.	मि.	से.	सन्	घं.	मि.	से.	सन्	घं.	मि.	से.	सन्	घं.	मि.	से.
१८८१	६	४३	५	१९११	६	३८	५	१९४१	६	४१	०	१९७१	६	३९	५६
८२	६	४२	८	१२	६	३७	७	४२	६	४०	३	७२	६	३८	५८
८३	६	४१	१०	१३	६	४०	६	४३	६	३९	६	७३	६	४२	०
८४	६	४०	१३	१४	६	३९	९	४४	६	३८	८	७४	६	४१	३
८५	६	४३	१२	१५	६	३८	१२	४५	६	४१	७	७५	६	४०	६
८६	६	४२	१५	१६	६	३७	१४	४६	६	४०	१०	७६	६	३९	८
८७	६	४१	१८	१७	६	४०	१३	४७	६	३९	१२	७७	६	४२	७
८८	६	४०	२१	१८	६	३९	१६	४८	६	३८	१५	७८	६	४१	१०
८९	६	४३	१९	१९	६	३८	१९	४९	६	४१	१४	७९	९	४०	१३
१८९०	६	४२	२१	१९२०	६	३७	२१	१९५०	६	४०	१७	१९८०	६	३९	१५
९१	६	४१	२४	२१	६	४०	२१	५१	६	३९	२०	८१	६	४२	१४
९२	६	४०	२७	२२	६	३९	२४	५२	६	३८	२२	८२	६	४१	१७
९३	६	४३	२७	२३	६	३८	२७	५३	६	४१	२१	८३	६	४०	२०
९४	६	४२	३०	२४	६	३७	२९	५४	६	४०	२४	८४	६	३९	२२
९५	६	४१	३३	२५	६	४०	२८	५५	६	३९	२७	८५	६	४२	२१
९६	६	४०	३५	२६	६	३९	३१	५६	६	३८	२९	८६	३	४१	२४
९७	६	४३	३४	२७	६	३८	३४	५७	६	४१	२८	८७	६	४०	२७
९८	६	४२	३७	२८	६	३७	३६	५८	६	४०	३१	८८	६	३९	२९
९९	६	४१	४०	२९	६	४०	३६	५९	६	३९	३४	८९	६	४२	२८
१९००	६	४०	४२	१९३०	६	३९	३९	१९६०	६	३८	३६	१९९०	६	४१	३१
१	६	३९	४५	३१	६	३८	४२	६१	६	४१	३५	९१	६	४०	३४
२	६	३८	४८	३२	६	३७	४४	६२	६	४०	३८	९२	६	३९	३६
३	६	३७	५१	३३	६	४०	४४	६३	६	३९	४१	९३	६	४२	३६
४	६	३६	५३	३४	६	३९	४७	६४	६	३८	४३	९४	६	४१	३९
५	६	३९	५२	३५	६	३८	५०	६५	६	४१	४२	९५	६	४०	४२
६	६	३८	५५	३६	६	३७	५२	६६	६	४०	४५	९६	६	३९	४४
७	६	३७	५८	३७	६	४०	५१	६७	६	३९	४८	९७	६	४१	४३
८	६	३७	०	३८	६	३९	५४	६८	६	३८	५०	९८	६	४०	४६
९	६	३९	५९	३९	६	३८	५७	६९	६	४१	५०	९९	६	३९	४९
१९१०	६	३९	२	१९४०	६	३७	५९	१९७०	६	४०	५३	२०००	६	३८	५२

इसमें प्रति १ वर्ष में से० ५७.३८१ घटती रहती है। और प्रति चार वर्ष के बाद से० ७.०३६ बढ़ती रहती है।

रेखांश संस्कार कोष्ठक (२)

पूर्व रेखांश के लिए ऋण तथा पश्चिम रेखांश के लिए धन

रे.	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०	१००
से.	०	१	२	३	३	४	५	५	६	७	१३	२०	२६	३३	३९	४६	५३	५९	६६

रेखांश संस्कार साधन का एक सामान्य नियम यह है कि रेखांश को दो से गुणा कर तान से भाग देने पर संस्कार फल आ जाता है। सूक्ष्म फल अभीष्ट हो तो एक रेखाश के संस्कार फल प्र. से. ३९.४२६ को अभीष्ट रेखांश से गुणने पर अभीष्ट संस्कार फल प्राप्त होगा।

मास संस्कार कोष्ठक (३)

मास	ज.	फ.	मा.	अ.	मई	जून	जु.	अ.	सि.	अ.	न.	दि
घं	०	२	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१
मि.	०	२	५२	५४	५३	५५	५३	५५	५८	५६	५८	५६
से.	०	१३	३७	५०	७	२१	३८	५०	४	२१	३४	५०

दिन संस्कार (तारीख) कोष्ठक (४)

तारीख	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
घ.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मि	०	३	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९
से.	०	५७	५३	५०	४६	४३	३९	३६	३२	३०	२६	२३	१९	१६	१२	९
तारीख	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	
घं.	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२
मि.	३	७	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२
सै.	५	२	५८	५५	५१	४८	४४	४१	३७	३४	३०	२७	२४	२१	१७	१४

प्रतिदिन की सांपातिक गति मि. ३ से ५६.५६ मानी जाती है। इस एक दिन की गति को अभीष्ट दिन से गुणा करने पर अभीष्ट दिन संबंधी सांपातिक

गति होगी। सरलता के लिए कोष्ठक दिया गया है। जिस वर्ष लीप इयर हो अर्थात सन् की संख्या में ४ का भाग देने पर यदि नि:शेष हो जाये तो उस वर्ष फरवरी की २८ तारीख के बाद किसी अभीष्ट तारीख का सांपातिक काल बनाने के लिये उस तारीख तक लाये गये सांपातिक काल में मि. ३ से. ५६ प्र. से. ३४ और मिला देना चाहिए।

घंटा संस्कार कोष्ठक (५)

घं	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
मि.	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१
से.	९	१९	२९	३९	४९	५९	८	१८	२८	३८	४८	५८
प्र.से.	५९	४२	३४	२५	१६	८	५९	५०	४२	३३	२४	१६
घं	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
मि.	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३
से.	८	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२६	३६	४६	५६
प्र.से.	७	५८	४९	४१	३२	२३	१५	६	५७	४९	४१	३३

मिनिट संस्कार कोष्ठक (६)

मि.	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२०	३०	४०	५०
से.	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	३	४	६	८
प्र. से.	१०	२०	३०	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	१७	५६	३४	१३

सारिणी द्वारा विंशोत्तरी दशा साधन

गणित के प्रयास से बचने के लिए सारिणी का प्रयोग किया जाता है। प्रथम भाग में गणित द्वारा दशा साधन दिखाया गया है। यहाँ सरलता से दशा साधन का क्रम दिखाया जायेगा। दशा साधन में स्पष्ट चन्द्र की आवश्यकता रहती है। सारिणी (१) में ऊपर राशि तथा बांये तरफ अंश दिये हैं, अभीष्ट स्पष्ट चन्द्र की राशि अंश के सम्मुख कोष्ठक में लग्न फल दशा का भुक्त वर्षादि होगा।

जो दशा दो अंशों के भीतर समाप्त होती है। उस दशा के दो मान एक कोष्ठक में ही दिये हैं। मेष राशि के १३ अंश २० कला पर केतु की दशा समाप्त होती है। अत: १३ अंश सम्बन्धी फल ६—९—२७ तथा उस दशा के समाप्ति के वर्ष ७ एक ही कोष्ठक में दिये हैं। इसका ध्यान दशा साधन में रखना चाहिए।

इस दूसरे संस्करण में कला-विकला सम्बन्धि दशा फल के लिए एक विस्तृत सारिणी (२) दी है। इसमें प्रति कला-विकला सम्बन्धि फल अनायास प्राप्त हो जाता है। इन सब फलों का योग दशा का भुक्तमान बन जाता है। इसे दशा वर्ष में घटाने से दशा का भोग्यमान प्राप्त होगा।

उदाहरण:— स्पष्ट चन्द्र १।२९।२५।४१ पर से दशा साधन ऊपर लिखे नियमानुसार सारिणी द्वारा किया जाता है। जातक का जन्म भौम दशा में हुआ है।

व. मा. दि. घ. प.

२।११।२१।०। ० राशि १ अंश २९ सम्बन्धि फल

२।१८।४५।० कला २५ सं फल

२।९।९ विकला ४१ सं. फल

३। २।११।५४।९ भौम भुक्त दशा वर्षादि

इसे भौम के दशा वर्ष सात (७) में घटाने से भोग्य दशा वर्षादि ३।९।१८।५।५१ प्राप्त हुए। इसी प्रकार अन्य उदाहरणों का साधन करना चाहिए।

सारिणी द्वारा अष्टोत्तरी दशा साधन

सारिणी द्वारा अष्टोत्तरी दशा का साधन विंशोत्तरी दशा की तरह किया जाता है। केवल शनि की दशा में ध्यान रखना चाहिये । शनि की दशा में पूर्वाषाढा, उत्तराषाढा, अभिजित् तथा श्रवण ये ४ नक्षत्र हैं। शनि की दशा में उक्त नक्षात्रांत कालिनचन्द्र दशासाधने के अवसर पर दिया गया है। उस पर से शनि दशा में नक्षत्र को जान कर उस नक्षत्र की कला-विकला की सारिणी पर से कला-विकला सम्बन्धि फल लेना चाहिये और सब फलों का योग शनि दशा का भुक्त होगा।

उदाहरण:– चन्द्र १।२९।२५।४१ सारिणी में वृषभ राशि के २९ अंश सम्बन्धि शुक्रदशा का वर्षादि १६।११।२१ फल। २० कला तथा ५ कला का क्रमश: फल मासादि २।३।० तथा ०।१५।४५। इनका योग मासादि २।१८।४५ और ४१ विकला सम्बन्धी दिनादिफल (२।६०)+(०।३।९) = २।९।९ सब का योग शुक्र दशा का भुक्त वर्षादि १७।२।११।५४।९। दशा वर्ष मान २१ में घटाने से भोग्य वर्षादि ३।९।१८।५।५१।

अष्टोत्तरी शनि दशा साधन :– चन्द्र ९।११।२१।५७। अभिजित दशा साधन कोष्टक में ९।१०।५३।२० तक अभिजित की दशा रहती है। इसके बाद श्रवण की दशा लगती है। अत: अभीष्ट चन्द्र तथा अभिजित के अन्त कालिन के चन्द्र की अन्तर कला ०।०।२८।३७ सम्बन्धी फल श्रवण के कोष्टक पर से लेना चाहिए। तदनुसार २८ कला सम्बन्धि फल मासादि (०।२४।६।२५) + (०।९।३८।३४) = १।३।४४।५९। तथा ३७ विकला सम्बन्धी फल दिनादि (०।३६।९) + (०।८।२६) = ०।४४।३५ दोनों फलों का योग १।३।४४।५९ + ०।०।४४।३५ = १।४।२९।३४ मासादि फल अभिजित के अन्तकालिन दशा वर्षादि ७।६ में जोड़ने से शनि भुक्त ७।७।४।२९।३४। इसको दशा वर्ष १० में घटाने से भोग्य वर्षादि २।४।२५।३०।२६ प्राप्त हुआ।

विंशोत्तरी दशा सारिणी (१)

अं.		मे. सिं. ध.				वृ. क. म.				मि. तु. कु.				क. वृ. मी.		
		व.	मा.	दि.		व.	मा.	दि.		व.	मा.	दि.		व.	मा.	दि.
०		०	०	०		१	६	०		३	६	०		१२	०	०
१	के.	०	६	९	सू.	१	११	१२	मं.	४	०	९	वृ.	१३	२	१२
२		१	०	१८		२	४	२४		४	६	१८		१४	४	२४
३		१	६	२७		२	१०	६		५	०	२७		१५	७	६
३।२०														१६	०	०
४		२	१	६		३	३	१८		५	७	६	श.	०	११	१२
५		२	७	१५		३	९	०		६	१	१५		२	४	१५
६		३	१	२४		४	२	१२		६	७	२४		३	९	१८
६।४०										७	०	०				
७		३	८	९		४	७	२४	रा.	०	५	१२		५	२	२१
८		४	२	१२		५	१	६		१	९	१८		६	७	२४
९		४	८	२१		५	६	१८		३	१	२४		८	०	२७
१०		५	३	०		६	०	०		४	६	०		९	६	०
११		५	९	९	चं.	०	९	०		५	१०	६		१०	११	३
१२		६	३	१८		१	६	०		७	२	१२		१२	४	६
१३		६	९	२७		२	३	०		८	६	१८		१३	९	९
१३।२०		७	०	०												
१४	शु.	१	०	०		३	०	०		९	१०	२४		१५	२	१२
१५		२	६	०		३	९	०		११	३	०		१६	७	१५
१६		४	०	०		४	६	०		१२	७	६		१८	०	१८
१६।४०														१९	०	०
१७		५	६	०		५	३	०		१३	११	१२	बु.	०	५	३
१८		७	०	०		६	०	०		१५	३	१८		१	८	१२
१९		८	६	०		६	९	०		१६	७	२४		२	११	२१
२०		१०	०	०		७	६	०		१८	०	०		४	३	०
२१		११	६	०		८	३	०	वृ.	१	२	१२		५	६	९
२२		१३	०	०		९	०	०		२	४	२४		६	९	१८
२३		१४	६	०		९	९	०		३	७	६		८	०	२७
२३।२०						१०	०	०								
२४		१६	०	०	मं.	०	४	६		४	९	१८		९	४	६
२५		१७	६	०		०	१०	१५		६	०	०		१०	७	१५
२६		१९	०	०		१	४	२४		७	२	१२		११	१०	२४
२६।४०		२०	०	०												
२७	सू.	०	१	२४		१	११	३		८	४	२४		१३	२	३
२८		०	७	६		२	५	१२		९	७	६		१४	५	१२
२९		१	०	१८		२	११	२१		१०	९	१८		१५	८	२१
३०	सू.	१	६	०	मं.	३	६	०	वृ.	१२	०	०	बु.	१७	०	०

विंशोत्तरी दशा कला–विकला सारिणी

	सूर्य						चन्द्र						मंगल–केतु					
	कला			विकला			कला			विकला			कला			विकला		
	मा.	दि.	घं.	दि.	घं.	प.	मा.	दि.	घं.	दि.	घं.	प.	मा.	दि.	घं.	दि.	घं.	प.
१	०	२	४२	०	२	४२	०	४	३०	०	४	३०	०	३	९	०	३	९
२	०	५	२४	०	५	२४	०	९	०	०	९	०	०	६	१८	०	६	१८
३	०	८	६	०	८	६	०	१३	३०	०	१३	३०	०	९	२७	०	९	२७
४	०	१०	४८	०	१०	४८	०	१८	०	०	१८	०	०	१२	३६	०	१२	३६
५	०	१३	३०	०	१३	३०	०	२२	३०	०	२२	३०	०	१५	४५	०	१५	४५
६	०	१६	१२	०	१६	१२	०	२७	०	०	२७	०	०	१८	५४	०	१८	५४
७	०	१८	५४	०	१८	५४	१	१	३०	०	३१	३०	०	२२	३	०	२२	३
८	०	२१	३६	०	२१	३६	१	६	०	०	३६	०	०	२५	१२	०	२५	१२
९	०	२४	१८	०	२४	१८	१	१०	३०	०	४०	३०	०	२८	२१	०	२८	२१
१०	०	२७	०	०	२७	०	१	१५	०	०	४५	०	१	१	३०	०	३१	३०
११	०	२९	४२	०	२९	४२	१	१९	३०	०	४९	३०	१	४	३९	०	३४	३९
१२	१	२	२४	०	३२	२४	१	२४	०	०	५४	०	१	७	४८	०	३७	४८
१३	१	५	६	०	३५	६	१	२८	३०	०	५८	३०	१	१०	५७	०	४०	५७
१४	१	७	४८	०	३७	४८	२	३	०	१	३	०	१	१४	६	०	४४	६
१५	१	१०	३०	०	४०	३०	२	७	३०	१	७	३०	१	१७	१५	०	४७	१५
१६	१	१३	३२	०	४३	३२	२	१२	०	१	१२	०	१	२०	२४	०	५०	२४
१७	१	१५	५४	०	४५	५४	२	१६	३०	१	१६	३०	१	२३	३३	०	५३	३३
१८	१	१८	३६	०	४८	३६	२	२१	०	१	२१	०	१	२६	४२	०	५६	४२
१९	१	२१	१८	०	५१	१८	२	२५	३०	१	२५	३०	१	२९	५१	०	५९	५१
२०	१	२४	०	०	५४	०	३	०	०	१	३०	०	२	३	०	१	३	०
२१	१	२६	४२	०	५६	४२	३	४	३०	१	३४	३०	२	६	९	१	६	९
२२	१	२९	२४	०	५९	२४	३	९	०	१	३९	०	२	९	१८	१	९	१८
२३	२	२	६	१	२	६	३	१३	३०	१	४३	३०	२	१२	२७	१	१२	२७
२४	२	४	४८	१	४	४८	३	१८	०	१	४८	०	२	१५	३६	१	१५	३६
२५	२	७	३०	१	७	३०	३	२२	३०	१	५२	३०	२	१८	४५	१	१८	४५
२६	२	१०	१२	१	१०	१२	३	२७	०	१	५७	०	२	२१	५४	१	२१	५४
२७	२	१२	५४	१	१२	५४	४	१	३०	२	१	३०	२	२५	३	१	२५	३
२८	२	१५	३६	१	१५	३६	४	६	०	२	६	०	२	२८	१२	१	२८	१२
२९	२	१८	१८	१	१८	१८	४	१०	३०	२	१०	३०	३	१	२१	१	३१	२१
३०	२	२१	०	१	२१	०	४	१५	०	२	१५	०	३	४	३०	१	३४	३०

विंशोत्तरी दशा कला–विकला सारिणी

	सूर्य		चन्द्र		मंगल–केतु	
	कला	विकला	कला	विकला	कला	विकला
	मा. दि. घं.	दि. घं. प.	मा. दि. घं.	दि. घं. प.	मा. दि. घं.	दि. घं. प.
३१	२ २३ ४२	१ २३ ४२	४ १९ ३०	२ १९ ३०	३ ७ ३९	१ ३७ ३९
३२	२ २६ २४	१ २६ २४	४ २४ ०	२ २४ ०	३ १० ४८	१ ४० ४८
३३	२ २९ ६	१ २९ ६	४ २८ ३०	२ २८ ३०	३ १३ ५७	१ ४३ ५७
३४	३ १ ४८	१ ३१ ४८	५ ३ ०	२ ३३ ०	३ १७ ६	१ ४७ ६
३५	३ ४ ३०	१ ३४ ३०	५ ७ ३०	२ ३७ ३०	३ २० १५	१ ५० १५
३६	३ ७ १२	१ ३७ १२	५ १२ ०	२ ४२ ०	३ २३ २४	१ ५३ २४
३७	३ ९ ५४	१ ३९ ५४	५ १६ ३०	२ ४६ ३०	३ २६ ३३	१ ५६ ३३
३८	३ १२ ३६	१ ४२ ३६	५ २१ ०	२ ५१ ०	३ २९ ४२	१ ५९ ४२
३९	३ १५ १८	१ ४५ १८	५ २५ ३०	२ ५५ ३०	४ २ ५१	२ २ ५१
४०	३ १८ ०	१ ४८ ०	६ ० ०	३ ० ०	४ ६ ०	२ ६ ०
४१	३ २० ४२	१ ५० ४२	६ ४ ३०	३ ४ ३०	४ ९ ९	२ ९ ९
४२	३ २३ २४	१ ५३ २४	६ ९ ०	३ ९ ०	४ १२ १८	२ १२ १८
४३	३ २६ ६	१ ५६ ९	६ १३ ३०	३ १३ ३०	४ १५ २७	२ १५ २७
४४	३ २८ ४८	१ ५८ ४८	६ १८ ०	३ १८ ०	४ १८ ३६	२ १८ ३६
४५	४ १ ३०	२ १ ३०	६ २२ ३०	३ २२ ३०	४ २१ ४५	२ २१ ४५
४६	४ ४ १२	२ ४ १२	६ २७ ०	३ २७ ०	४ २४ ५४	२ २४ ५४
४७	४ ६ ५४	२ ६ ५४	७ १ ३०	३ ३१ ३०	४ २८ ३	२ २८ ३
४८	४ ९ ३६	२ ९ ३६	७ ६ ०	३ ३६ ०	५ १ १२	२ ३१ १२
४९	४ १२ १८	२ १२ १८	७ १० ३०	३ ४० ३०	५ ४ २१	२ ३४ २१
५०	४ १५ ०	२ १५ ०	७ १५ ०	३ ४५ ०	५ ७ ३०	२ ३७ ३०
५१	४ १७ ४२	२ १७ ४२	७ १९ ३०	३ ४९ ३०	५ १० ३९	२ ४० ३९
५२	४ २० २४	२ २० २४	७ २४ ०	३ ५४ ०	५ १३ ४८	२ ४३ ४८
५३	४ २३ ६	२ २३ ६	७ २८ ३०	३ ५८ ३०	५ १६ ५७	२ ४६ ५७
५४	४ २५ ४८	२ २५ ४८	८ ३ ०	४ ३ ०	५ २० ६	२ ५० ६
५५	४ २८ ३०	२ २८ ३०	८ ७ ३०	४ ७ ३०	५ २३ १५	२ ५३ १५
५६	५ १ १२	२ ३१ १२	८ १२ ०	४ १२ ०	५ २६ २४	२ ५६ २४
५७	५ ३ ५४	२ ३३ ५४	८ १६ ३०	४ १६ ३०	५ २९ ३३	२ ५९ ३३
५८	५ ६ ३६	२ ३६ ३६	८ २१ ०	४ २१ ०	६ २ ४२	३ २ ४२
५९	५ ९ १८	२ ३९ १८	८ २५ ३०	४ २५ ३०	६ ५ ५१	३ ५ ५१

विंशोत्तरी दशा कला–विकला सारिणी

	राहु						गुरु						शनि					
	कला			विकला			कला			विकला			कला			विकला		
	मा.	दि.	घं.	दि.	घं.	प.	मा.	दि.	घं.	दि.	घं.	प.	मा.	दि.	घं.	दि.	घं.	प.
१	०	८	६	०	८	६	०	७	१२	०	७	१२	०	८	३३	०	८	३३
२	०	१६	१२	०	१६	१२	०	१४	२४	०	१४	२४	०	१७	६	०	१७	६
३	०	२४	१८	०	२४	१८	०	२१	३६	०	२१	३६	०	२५	३९	०	२५	३९
४	१	२	२४	०	३२	२४	०	२८	४८	०	२८	४८	१	४	१२	०	३४	१२
५	१	१०	३०	०	४०	३०	१	६	०	०	३६	०	१	१२	४५	०	४२	४५
६	१	१८	३६	०	४८	३६	१	१३	१२	०	४३	१२	१	२१	१८	०	५१	१८
७	१	२६	४२	०	५६	४२	१	२०	२४	०	५०	२४	१	२९	५१	०	५९	[illegible]
८	२	४	४८	१	४	४८	१	२७	३६	०	५७	३६	२	८	२४	१	८	२४
९	२	१२	५४	१	१२	५४	२	४	४८	१	४	४८	२	१६	५७	१	१६	५७
१०	२	२१	०	१	२१	०	२	१२	०	१	१२	०	२	२५	३०	१	२५	३०
११	२	२९	६	१	२९	६	२	१९	१२	२	१९	१२	३	४	३	१	३४	३
१२	३	७	१२	१	३७	१२	२	२६	२४	१	२६	२४	३	१२	३६	१	४२	३६
१३	३	१५	१८	१	४५	१८	३	३	३६	१	३३	३६	३	२१	९	१	५१	९
१४	३	२३	२४	१	५३	२४	३	१०	४८	१	४०	४८	३	२९	४२	१	५९	४२
१५	४	१	३०	२	१	३०	३	१८	०	१	४८	०	४	८	१५	२	८	१५
१६	४	९	३६	२	९	३६	३	२५	१२	१	५५	१२	४	१६	४८	२	१६	४८
१७	४	१७	४२	२	१७	४२	४	२	२४	२	२	२४	४	२५	२१	२	२५	२१
१८	४	२५	४८	२	२५	४८	४	९	३६	२	९	३६	५	३	५४	२	३३	५४
१९	५	३	५४	२	३३	५४	४	१६	४८	२	१६	४८	५	१२	२७	२	४२	२७
२०	५	१२	०	२	४२	०	४	२४	०	२	२४	०	५	२१	०	२	५१	०
२१	५	२०	६	२	५०	६	५	१	१२	२	३१	१२	५	२९	३३	२	५९	३३
२२	५	२८	१२	२	५८	१२	५	८	२४	२	३८	२४	६	८	६	३	८	६
२३	६	६	१८	३	६	१८	५	१५	३६	२	४५	३६	६	१६	३९	३	१६	३९
२४	६	१४	२४	३	१४	२४	५	२२	४८	२	५२	४८	६	२५	१२	३	२५	१२
२५	६	२२	३०	३	२२	३०	६	०	०	३	०	०	७	३	४५	३	३३	४५
२६	७	०	३६	३	३०	३६	६	७	१२	३	७	१२	७	१२	१८	३	४२	१८
२७	७	८	४२	३	३८	४२	६	१४	२४	३	१४	२४	७	२०	५१	३	५०	५१
२८	७	१६	४८	३	४६	४८	६	२१	३६	३	२१	३६	७	२९	२४	३	५९	२४
२९	७	२४	५४	३	५४	५४	६	२८	४८	३	२८	४८	८	७	५७	४	७	५७
३०	८	३	०	४	३	०	७	६	०	३	३६	०	८	१६	३०	४	१६	३०

विंशोत्तरी दशा कला–विकला सारिणी

	राहु						गुरु						शनि					
	कला			विकला			कला			विकला			कला			विकला		
	मा.	दि.	घं.	दि.	घं.	प.	मा.	दि.	घं.	दि.	घं.	प.	मा.	दि.	घं.	दि.	घं.	प.
३१	८	११	६	४	११	६	७	१३	१२	३	४३	१२	८	२५	३	४	२५	३
३२	८	१९	१२	४	१९	१२	७	२०	२४	३	५०	२४	९	३	३६	४	३३	३६
३३	८	२७	१८	४	२७	१८	७	२७	३६	३	५७	३६	९	१२	९	४	४२	९
३४	९	५	२४	४	३५	२४	८	४	४८	४	४	४८	९	२०	४२	४	५०	४२
३५	९	१३	३०	४	४३	३०	८	१२	०	४	१२	०	९	२९	१५	४	५९	१५
३६	९	२१	३६	४	५१	३६	८	१९	१२	४	१९	१२	१०	७	४८	५	७	४८
३७	९	२९	४२	४	५९	४२	८	२६	२४	४	२६	२४	१०	१६	२१	५	१६	२१
३८	१०	७	४८	५	७	४८	९	३	३६	४	३३	३६	१०	२४	५४	५	२४	५४
३९	१०	१५	५४	५	१५	५४	९	१०	४८	४	४०	४८	११	३	२७	५	३३	२७
४०	१०	२४	०	५	२४	०	९	१८	०	४	४८	०	११	१२	०	५	४२	०
४१	११	२	६	५	३२	६	९	२५	१२	४	४५	१२	११	२०	३३	५	५०	३३
४२	११	१०	१२	५	४०	१२	१०	२	२४	५	२	२४	११	२९	६	५	५९	६
४३	११	१८	१८	५	४८	१८	१०	९	३६	५	९	३६	१२	७	३९	६	७	३९
४४	११	२६	२४	५	५६	२४	१०	१६	४८	५	१६	४८	१२	१६	१२	६	१६	१२
४५	१२	४	३०	६	४	३०	१०	२४	०	५	२४	०	१२	२४	४५	६	२४	४५
४६	१२	१२	३६	६	१२	३६	११	१	१२	५	३१	१२	१३	३	१८	६	३३	१८
४७	१२	२०	४२	६	२०	४२	११	८	२४	५	३८	२४	१३	११	५१	६	४१	५१
४८	१२	२८	४८	६	२८	४८	११	१५	३६	५	४५	३६	१३	२०	२४	६	५०	२४
४९	१३	६	५४	६	३६	५४	११	२२	४८	५	५२	४८	१३	२८	५७	६	५८	५७
५०	१३	१५	०	६	४५	०	१२	०	०	६	०	०	१४	७	३०	७	७	३०
५१	१३	२३	६	६	५३	६	१२	७	१२	६	७	१२	१४	१६	३	७	१६	३
५२	१४	१	१२	७	१	१२	१२	१४	२४	६	१४	२४	१४	२४	३६	७	२४	३६
५३	१४	९	१८	७	९	१८	१२	२१	३६	६	२१	३६	१५	३	९	७	३३	९
५४	१४	१७	२४	७	१७	२४	१२	२८	४८	६	२८	४८	१५	११	४२	७	४१	४२
५५	१४	२५	३०	७	२५	३०	१३	६	०	६	३६	०	१५	२०	१५	७	५०	१५
५६	१५	३	३६	७	३३	३६	१३	१३	१२	६	४३	१२	१५	२८	४८	७	५८	४८
५७	१५	११	४२	७	४१	४२	१३	२०	२४	६	५०	२४	१६	७	२१	८	७	२१
५८	१५	१९	४८	७	४९	४८	१३	२७	३६	६	५७	३६	१६	१५	५४	८	१५	५४
५९	१५	२७	५४	७	५७	५४	१४	४	४८	७	४	४८	१६	२४	२७	८	२४	२७

विंशोत्तरी दशा कला–विकला सारिणी

	बुध		शुक्र			बुध		शुक्र	
	कला	विकला	कला	विकला		कला	विकला	कला	विकला
	मा. दि. घ.	दि. घ. प.	मा. दि.	दि. घ.		मा. दि. घ.	दि. घ. प.	मा. दि.	दि. घ.
१	० ७ ३९	० ७ ३९	० ९	० ९					
२	० १५ १८	० १५ १८	० १८	० १८	३१	७ २७ ९	३ ५७ ९	९ ९	४ ३९
३	० २२ ५७	० २२ ५७	० २७	० २७	३२	८ ४ ४८	४ ४ ४८	९ १८	४ ४८
४	१ ० ३६	० ३० ३६	१ ६	० ३६	३३	८ १२ २७	४ १२ २७	९ २७	४ ५७
५	१ ८ १५	० ३८ १५	१ १५	० ४५	३४	८ २० ६	४ २० ६	१० ६	५ ६
६	१ १५ ५४	० ४५ ५४	१ २४	० ५४	३५	८ २७ ४५	४ २७ ४५	१० १५	५ १५
७	१ २३ ३३	० ५३ ३३	२ ३	१ ३	३६	९ ५ २४	४ ३५ २४	१० २४	५ २४
८	२ १ १२	१ १ १२	२ १२	१ १२	३७	९ १३ ३	४ ४३ ३	११ ३	५ ३३
९	२ ८ ५१	१ ८ ५१	२ २१	१ २१	३८	९ २० ४२	४ ५० ४२	११ १२	५ ४२
१०	२ १६ ३०	१ १६ ३०	३ ०	१ ३०	३९	९ २८ २१	४ ५८ २१	११ २१	५ ५१
११	२ २४ ९	१ २४ ९	३ ९	१ ३९	४०	१० ६ ०	५ ६ ०	१२ ०	६ ०
१२	३ १ ४८	१ ३१ ४८	३ १८	१ ४८	४१	१० १३ ३९	५ १३ ३९	१२ ९	६ ९
१३	३ ९ २७	१ ३९ २७	३ २७	१ ५७	४२	१० २१ १८	५ २१ १८	१२ १८	६ १८
१४	३ १७ ६	१ ४७ ६	४ ६	२ ६	४३	१० २८ ५७	५ २८ ५७	१२ २७	६ २७
१५	३ २४ ४५	१ ५४ ४५	४ १५	२ १५	४४	११ ६ ३६	५ ३६ ३६	१३ ६	६ ३६
१६	४ २ २४	२ २ २४	४ २४	२ २४	४५	११ १४ १५	५ ४४ १५	१३ १५	६ ४५
१७	४ १० ३	२ १० ३	५ ३	२ ३३	४६	११ २१ ५४	५ ५१ ५४	१३ २४	६ ५४
१८	४ १७ ४२	२ १७ ४२	५ १२	२ ४२	४७	११ २९ ३३	५ ५९ ३३	१४ ३	७ ३
१९	४ २५ २१	२ २५ २१	५ २१	२ ५१	४८	१२ ७ १२	६ ७ १२	१४ १२	७ १२
२०	५ ३ ०	२ ३३ ०	६ ०	३ ०	४९	१२ १४ ५१	६ १४ ५१	१४ २१	७ २१
२१	५ १० ३९	२ ४० ३९	६ ९	३ ९	५०	१२ २२ ३०	६ २२ ३०	१५ ०	७ ३०
२२	५ १८ १८	२ ४८ १८	६ १८	३ १८	५१	१३ ० ९	६ ३० ९	१५ ९	७ ३९
२३	५ २५ ५७	२ ५५ ५७	६ २७	३ २७	५२	१३ ७ ४८	६ ३७ ४८	१५ १८	७ ४८
२४	६ ३ ३६	३ ३ ३६	७ ६	३ ३६	५३	१३ १५ २७	६ ४५ २७	१५ २७	७ ५७
२५	६ ११ १५	३ ११ १५	७ १५	३ ४५	५४	१३ २३ ६	६ ५३ ६	१६ ६	८ ६
२६	६ १८ ५४	३ १८ ५४	७ २४	३ ५४	५५	१४ ० ४५	७ ० ४५	१६ १५	८ १५
२७	६ २६ ३३	३ २६ ३३	८ ३	४ ३	५६	१४ ८ २४	७ ८ २४	१६ २४	८ २४
२८	७ ४ १२	३ ३४ १२	८ १२	४ १२	५७	१४ १६ ३	७ १६ ३	१७ ३	८ ३३
२९	७ ११ ५१	३ ४१ ५१	८ २१	४ २१	५८	१४ २३ ४२	७ २३ ४२	१७ १२	८ ४२
३०	७ १९ ३०	३ ४९ ३०	९ ०	४ ३०	५९	१५ १ २१	७ ३१ २१	१७ २१	८ ५१

अष्टोत्तरी दशा सारिणी

अं.	मेष				वृषभ				मिथुन				कर्क			
	व.	मा.	दि.	घ.	व.	मा.	दि.	घ.	व.	मा.	दि.	घ.	व.	मा.	दि.	घ.
०	रा. ६	०	०	०	शु. १	९	०	०	शु. १७	६	०	०	र. २	७	१५	०
१	६	२	२१	०	२	३	९	०	१८	०	९	०	२	८	२५	३०
२	६	५	१२	०	२	९	१८	०	१८	६	१८	०	२	१०	६	०
३	६	८	३	०	३	३	२७	०	१९	०	२७	०	२	११	१६	३०
४	६	१०	२४	०	३	१०	६	०	१९	७	६	०	३	०	२७	०
५	७	१	१५	०	४	४	१५	०	२०	१	१५	०	३	२	७	३०
६	७	४	६	०	४	१०	२४	०	२०	७	२४	०	३	३	१८	०
६/४०									२१	०	०	०				
७	७	६	२७	०	५	५	३	०	र. ०	०	१३	३०	३	४	२८	३०
८	७	९	१८	०	५	११	१२	०	०	१	२४	०	३	६	९	०
९	८	०	९	०	६	५	२१	०	०	३	४	३०	३	७	१९	३०
१०	८	३	०	०	७	०	०	०	०	४	१५	०	३	९	०	०
११	८	५	२१	०	७	६	९	०	०	५	२५	३०	३	१०	१०	३०
१२	८	८	१२	०	८	०	१८	०	०	७	६	०	३	११	२१	०
१३	८	११	३	०	८	६	२७	०	०	८	१६	३०	४	१	१	३०
१४	९	१	२४	०	९	१	६	०	०	९	२७	०	४	२	१२	०
१५	९	४	१५	०	९	७	१५	०	०	११	७	३०	४	३	२२	३०
१६	९	७	६	०	१०	१	२४	०	१	०	१८	०	४	५	३	०
१७	९	९	२७	०	१०	८	३	०	१	१	२८	३०	४	६	१३	३०
१८	१०	०	१८	०	११	२	१२	०	१	३	९	०	४	७	२४	०
१९	१०	३	९	०	११	८	२१	०	१	४	१९	३०	४	९	४	३०
२०	१०	६	०	०	१२	३	०	०	१	६	०	०	४	१०	१५	०
२१	१०	८	२१	०	१२	९	९	०	१	७	१०	३०	४	११	२५	३०
२२	१०	११	१२	०	१३	३	१८	०	१	८	२१	०	५	१	६	०
२३	११	२	३	०	१३	९	२७	०	१	१०	१	३०	५	२	१६	३०
२४	११	४	२४	०	१४	४	६	०	१	११	१२	०	५	३	२७	०
२५	११	७	१५	०	१४	१०	१५	०	२	०	२२	३०	५	५	७	३०
२६	११	१०	६	०	१५	४	२४	०	२	२	३	०	५	६	१८	०
२६/४०	१२	०	०	०												
२७	शु. ०	२	३	०	१५	११	३	०	२	३	१३	३०	५	७	२८	३०
२८	०	८	१२	०	१६	५	१२	०	२	४	२४	०	५	९	९	०
२९	१	२	२१	०	१६	११	२१	०	२	६	४	३०	५	१०	१९	३०
३०	शु. १	९	०	०	शु. १७	६	०	०	र. २	७	१५	०	र. ६	०	०	०

अष्टोत्तरी दशा सारिणी

अं.	सिंह					कन्या					तुला					वृश्चिक				
		व.	मा.	दि.	घ.		व.	मा.	दि.	घ.		व.	मा.	दि.	घ.		व.	मा.	दि.	घ.
०		०	०	०	०		११	३	०	०		३	०	०	०		७	६	०	०
१	चं	०	४	१५	०	चं.	११	७	१५	०	मं.	३	१	२४	०	मं.	७	७	२४	०
२		०	९	०	०		१२	०	०	०		३	३	१८	०		७	९	१८	०
३		१	१	१५	·०		१२	४	१५	०		३	५	१२	०		७	११	१२	०
३/२०																	८	०	०	०
४		१	६	०	०		१२	९	०	०		३	७	६	०	बु.	०	३	१२	०
५		१	१०	१५	०		१३	१	१५	०		३	९	०	०		०	८	१५	०
६		२	३	०	०		१३	६	०	०		३	१०	२४	०		१	१	१८	०
७		२	७	१५	०		१३	१०	१५	०		४	०	१८	०		१	६	२१	०
८		३	०	०	०		१४	३	०	०		४	२	१२	०		१	११	२४	०
९		३	४	१५	०		१४	७	१५	०		४	४	६	०		२	४	२७	०
१०		३	९	०	०		१५	०	०	०		४	६	०	०		२	१०	०	०
११		४	१	१५	०	मं.	०	१	२४	०		४	७	२४	०		३	३	३	०
१२		४	६	०	०		०	३	१८	०		४	९	१८	०		३	८	६	०
१३		४	१०	१५	०		०	५	१२	०		४	११	१२	०		४	१	९	०
१४		५	३	०	०		०	७	६	०		५	१	६	०		४	६	१२	०
१५		५	७	१५	०		०	९	०	०		५	३	०	०		४	११	१५	०
१६		६	०	०	०		०	१०	२४	०		५	४	२४	०		५	४	१८	०
१७		६	४	१५	०		१	०	१८	०		५	६	१८	०		५	९	२१	०
१८		६	९	०	०		१	२	१२	०		५	८	१२	०		६	२	२४	०
१९		७	१	१५	०		१	४	६	०		५	१०	६	०		६	७	२७	०
२०		७	६	०	०		१	६	०	०		६	०	०	०		७	१	०	०
२१		७	१०	१५	०		१	७	२४	०		६	१	२४	०		७	६	३	०
२२		८	३	०	०		१	९	१८	०		६	३	१८	०		७	११	६	०
२३		८	७	१५	०		१	११	१२	०		६	५	१२	०		८	४	९	०
२४		९	०	०	०		२	१	६	०		६	७	६	०		८	९	१२	०
२५		९	४	१५	०		२	३	०	०		६	९	०	०		९	२	१५	०
२६		९	९	०	०		२	४	२४	०		६	१०	२४	०		९	७	१८	०
२७		१०	१	१५	०		२	६	१८	०		७	०	१८	०		१०	०	२१	०
२८		१०	६	०	०		२	८	१२	०		७	२	१२	०		१०	५	२४	०
२९		१०	१०	१५	०		२	१०	६	०		७	४	६	०		१०	१०	२७	०
३०	चं.	११	३	०	०	मं.	३	०	०	०	मं.	७	६	०	०	बु.	११	४	०	०

अष्टोत्तरी दशा सारिणी

अं.	धनु				मकर					कुम्भ			मीन		
	व.	मा.	दि.	घ.	व.	मा.	घ.	प.	वि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.
०	बु. ११	४	०	०	श. ३	४	०	०	०	बृ. ३	२	०	वृ १७	५	०
१	११	९	३	०	३	७	०	०	०	३	७	२१	१७	१०	२१
२	१२	२	६	०	३	१०	०	०	०	४	१	१२	१८	४	१२
३	१२	७	९	०	४	१	०	०	०	४	७	३	१८	१०	३
३/२०													१९	०	०
४	१३	०	१२	०	४	४	०	०	०	५	०	२४	रा. ०	१	२४
५	१३	५	१५	०	४	७	०	०	०	५	६	१५	०	४	१५
६	१३	१०	१८	०	४/५	१०/०	०/०	०/०	०/०	६	०	६	०	७	६
७	१४	३	२१	०	५	२	११	३	९	६	५	२७	०	९	२७
८	१४	८	२४	०	५	९	१४	१२	३७	६	११	१८	१	०	१८
९	१५	१	२७	०	६	४	१७	२२	५	७	५	९	१	३	९
१०	१५	७	०	०	६	११	२०	३१	३३	७	११	०	१	६	०
११	१६	०	३	०	७/७	६/६	०/८	०/२	०/७	८	४	२१	१	८	२१
१२	१६	५	६	०	७	८	२०	२१	२४	८	१०	१२	१	११	१२
१३	१६	१०	९	०	७	११	२	४०	४१	९	४	३	२	२	३
३/२०	१७	०	०	०											
१४	श. ०	१	१५	०	८	१	१४	५९	५८	९	९	२४	२	४	२४
१५	०	३	२२	३०	८	३	२७	१९	१५	१०	३	१५	२	७	१५
१६	०	६	०	०	८	६	९	३८	३२	१०	९	६	२	१०	६
१७	०	८	७	३०	८	८	२१	५७	४९	११	२	२७	३	०	२७
१८	०	१०	१५	०	८	११	४	१७	६	११	८	१८	३	३	१८
१९	१	०	२२	३०	९	१	१६	३६	२३	१२	२	९	३	६	९
२०	१	३	०	०	९	३	२८	५५	४०	१२	८	०	३	९	०
२१	१	५	७	३०	९	६	११	१४	५७	१३	१	२१	३	११	२१
२२	१	७	१५	०	९	८	२३	३४	१४	१३	७	१२	४	२	१२
२३	१	९	२२	३०	९	११	५	५३	३५	१४	१	३	४	५	३
२३/२०					१०	०	०	०	०						
२४	२	०	०	०	वृ. ०	३	२४	०	०	१४	६	२४	४	७	२४
२५	२	२	७	३०	०	९	१५	०	०	१५	०	१५	४	१०	१५
२६	२	४	१५	०	१	३	६	०	०	१५	६	६	६	१	६
२६/४०	२	६	०	०											
२७	२	७	०	३०	१	८	२७	०	०	१५	११	२७	५	३	२७
२८	२	१०	०	०	२	२	१८	०	०	१६	५	१८	५	६	१८
२९	३	१	०	०	२	८	९	०	०	१६	११	९	५	९	९
३०	श. २	४	०	०	वृ. ३	२	०	०	०	वृ. १७	५	०	रा. ६	०	०

अष्टोत्तरी दशा कला सारिणी

	सूर्य				चन्द्र			मंगल			बुध			शनि पू.षा.				शनि उ.षा.			शनि अभि.				शनि श्रवण				गुरु			राहु			शुक्र		
कला	मा.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	मा.	दि.	घ.	मा.	दि.	घ.	मा	दि.	घ.	प.	मा	दि.	घ.	मा.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	प.	मा	दि.	घ.	मा	दि.	घ.	मा	दि.	घ.
१	०	०	४०	३०	०	२	१५	०	०	५४	०	२	३३	०	१	७	३०	०	१	३०	०	३	३३	९	०	१	१२	१९	०	२	५१	०	१	२१	०	३	९
२	०	१	२१	०	०	४	३०	०	१	४८	०	५	६	०	२	१५	०	०	३	०	०	७	६	१८	०	२	२४	३८	०	५	४२	०	२	४२	०	६	१८
३	०	२	१	३०	०	६	४५	०	२	४२	०	७	९	०	३	२२	३०	०	४	३०	०	१०	३९	२८	०	३	३६	५७	०	८	३३	०	४	३	०	९	२७
४	०	२	४२	०	०	९	०	०	३	३६	०	१०	१२	०	४	३०	०	०	६	०	०	१४	१२	३७	०	४	४९	१७	०	११	२४	०	५	२४	०	१२	३६
५	०	३	२२	३०	०	११	१५	०	४	३०	०	१२	४५	०	५	३७	३०	०	७	३०	०	१७	४५	४७	०	६	१	३६	०	१४	१५	०	६	४५	०	१५	४५
६	०	४	३	०	०	१३	३०	०	५	२४	०	१५	१८	०	६	४५	०	०	९	०	०	२१	१८	५६	०	७	१३	५५	०	१७	६	०	८	६	०	१८	५४
७	०	४	४३	३०	०	१५	४५	०	६	१८	०	१७	५१	०	७	५२	३०	०	१०	३०	०	२४	५२	६	०	८	२६	१५	०	१९	५७	०	९	२७	०	२२	३
८	०	५	२४	०	०	१८	०	०	७	१२	०	२०	२४	०	९	०	०	०	१२	०	०	२८	२५	१५	०	९	३८	३४	०	२२	४८	०	१०	४८	०	२५	१२
९	०	६	४	३०	०	२०	१५	०	८	६	०	२२	५७	०	१०	७	३०	०	१३	३०	१	१	५८	२५	०	१०	५०	५३	०	२५	३९	०	१२	९	०	२८	२१
१०	०	६	४५	०	०	२२	३०	०	९	०	०	२५	३०	०	११	१५	०	०	१५	०	१	५	३१	३४	०	१२	३	१२	०	२८	३०	०	१३	३०	१	१	३०
२०	०	१३	३०	०	१	१५	०	०	१८	०	१	२१	०	०	२२	३०	०	१	०	०	२	११	३	९	०	२४	६	२५	१	२७	०	०	२७	०	२	३	०
३०	०	२०	१५	०	२	७	३०	०	२७	०	२	१६	३०	१	३	४५	०	१	१५	०	३	१६	३४	४४	१	६	९	३८	२	२५	३०	१	१०	३०	३	४	३०
४०	०	२७	०	०	३	०	०	१	६	०	३	१२	०	१	१५	०	०	२	०	०	४	२२	६	१८	१	१८	१२	५१	३	२४	०	१	२४	०	४	६	०
५०	१	३	४५	०	३	२२	३०	१	१५	०	४	७	३०	१	२६	१५	०	२	१५	०	५	२७	३७	५३	२	०	१६	४	४	२२	३०	२	७	३०	५	७	३०
६०	१	१०	३०	०	४	१५	०	१	२४	०	५	३	०	२	७	३०	०	३	०	०	७	३	९	२८	२	१२	१९	१७	५	२१	०	२	२१	०	६	९	०
७०	१	१७	१५	०	५	७	३०	२	३	०	५	२८	३०	२	१८	४५	०	३	१५	०	८	८	४१	३	२	२४	२२	३०	६	१९	३०	३	४	३०	७	१०	३०

अष्टोत्तरी दशा विकला सारिणी

	सूर्य		चन्द्र			मंगल		बुध			शनि पू० षा०			शनि उ० षा०			शनि अभि०			शनि श्रवण			गुरु			राहु			शुक्र		
विकला	घ.	प.	दि	घ.	प.	घ.	प.	दि	घ.	प.	दि	घ.	प.	दि	घ.	प.	दि	घ.	प.	दि	घ.	प.	दि	घ.	प.	दि	घ.	प.	दि	घ.	प.
१	०	४०	०	२	१५	०	५४	०	२	३३	०	१	७	०	१	३०	०	३	३३	०	१	१२	०	२	५१	०	१	२१	०	३	९
२	१	२१	०	४	३०	१	४८	०	५	६	०	२	१५	०	३	०	०	७	६	०	२	२४	०	५	४२	०	२	४२	०	६	१८
३	२	१	०	६	०५	२	४२	०	७	३९	०	३	२२	०	४	३०	०	१०	३९	०	३	३६	०	८	३३	०	४	३	०	९	२७
४	२	४२	०	९	०	३	३६	०	१०	१२	०	४	३०	०	६	०	०	१४	१२	०	४	४९	०	११	२४	०	५	२४	०	१२	३६
५	३	२२	०	११	१५	४	३०	०	१२	४५	०	५	३७	०	७	३०	०	१७	४५	०	६	१	०	१४	१५	०	६	४५	०	१५	४५
६	४	३	०	१३	३०	५	२४	०	१५	१८	०	६	४५	०	९	०	०	२१	१८	०	७	१३	०	१७	६	०	८	६	०	१८	५४
७	४	४३	०	१५	४५	६	१८	०	१७	५१	०	७	५२	०	१०	३०	०	२४	५२	०	८	२६	०	१९	५९	०	९	२७	०	२२	३
८	५	२४	०	१८	०	७	१२	०	२०	२४	०	९	०	०	१२	०	०	२८	२५	०	९	३८	०	२२	४८	०	१०	४८	०	२५	१२
९	६	४	०	२०	१५	८	६	०	२२	५७	०	१०	७	०	१३	३०	०	३१	५८	०	१०	५०	०	२५	३९	०	१२	९	०	१८	२१
१०	६	४५	०	२२	३०	९	०	०	२५	३०	०	१५	१५	०	१५	०	०	३५	३१	०	१२	३	०	२८	३०	०	१३	३०	०	३१	३०
२०	१३	३०	०	४५	०	१८	०	०	५१	०	०	२२	३०	०	३०	०	१	११	३	०	२४	६	०	५७	०	०	२७	०	१	३	०
३०	२०	१५	१	७	३०	२७	०	१	१६	३०	०	३३	४५	०	४५	०	१	४६	३४	०	३६	९	१	२५	३०	०	४०	३०	१	३४	३०
४०	२७	०	१	३०	०	३६	०	१	४२	०	०	४५	०	१	०	०	२	२२	६	०	४८	१२	१	५४	०	०	५४	०	२	६	०
५०	३३	४५	१	५२	३०	४५	०	२	७	३०	०	५६	१५	१	१५	०	२	५७	३७	१	०	१६	२	२२	३०	१	७	३०	२	३७	३०
६०	४०	३०	२	१५	०	५४	०	२	३३	०	१	७	३०	१	३०	०	३	३३	९	१	१२	१९	२	५९	०	१	२१	०	३	९	०

पाश्चात्य मत में दशा तथा वर्ष विचार

पाश्चात्यों ने ग्रह भ्रमण पद्धति (Celestial period) द्वारा भूत, वर्तमान तथा भविष्य का विचार किया है। यह भ्रमण प्रचलित ग्रह भ्रमण से भिन्न है। इसमें प्रत्येक ग्रह के १२ राशि भोग के वर्ष नियत किये हैं। तदनुसार ग्रह को चला कर फलाफल का विचार किया जाता है। उनका मत है कि जन्म में जो ग्रह जिस ग्रह से शुभ सम्बन्ध करता है, वह जब–जब भ्रमण द्वारा उससे शुभ सम्बन्ध करेगा, तब–तब अपने अनुरूप फल देता है। वैसे ही जन्म समय में जिससे अशुभ सम्बन्ध करता है, उस ग्रह से भ्रमण द्वारा जब अशुभ सम्बन्ध करेगा तब, अशुभ होते रहने की सम्भावना है। इनके मत से तृतीय (अंशान्तर ६०) तथा पंचम (अंशान्तर १२०) दृष्टि अतिशुभ मानी जाती है। इस दृष्टि का विशेष शुभ फल नियत अंशो के अन्तर पर ही अच्छा मिलता है। चतुर्थ (अंशान्तर ९०) तथा सप्तम (अंशान्तर १८०) दृष्टि अशुभ मानी जाती है। इस दृष्टि के सम्बन्ध से ग्रह अशुभ फल देता है। ग्रहों का परिभ्रमण काल नीचे दिया जाता है।

ग्रह	रवि	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	हर्षल	नेपच्युन
१२ राशि भ्रमणकाल	१९	४	१९	१०	१२	८	३०	१८	८४	१६८
वार्षिक गति	१९°	३ राशि	१९°	३६°	३०°	५°	१२°	२०°	४°/१७'	२°/९'
मासिक गति	१°/३५'	७°/३०'	१°/३५'	३°	२°/३०'	३°/४५'	१°	१°/४०'	२१'/३५"	१०'/४५"

जिस वर्ष का शुभाशुभ देखना हो उस वर्ष की कुण्डली बनानी चाहिए। उसमें लग्न स्थान में जन्म लग्न ही रहेगा और ग्रहों को परिभ्रमण रीति से गत वर्ष संख्या सम्बन्धि चालम द्वारा चलाकर रखने चाहिये। इस तरह वर्तमान वर्ष की कुण्डली बनेगी।

और उसमें मासिक गति का चालन देने से प्रतिमास की कुण्डली बनती जायेगी। उस पर से फल विचार करना चाहिए।

गुरु जव पूर्वोक्त भ्रमण पद्धति द्वारा जन्म लग्न वा जन्म राशि से ५,९,११ इन स्थानों में मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, तुला, धनु, कुम्भ तथा मीन राशि में रहे तब भाग्योदय, पदोन्नति, नये उद्योग का प्रारम्भ अथवा नये उद्योग की खोज, व्यापारियों के साथ व्यवहार, गरम कपड़े का काम करना, आरोग्य के लिये यात्रा करना, धर्माचार्य तथा शिक्षितों के साथ सम्बन्ध, मान प्रतिष्ठा की वृद्धि, ऐश्वर्य की प्राप्ति इत्यादि शुभ फल होते हैं।

जब गुरु ४,६,८,१२ इन स्थानों में आता है तब समय अच्छा नहीं रहता। इनसे अतिरिक्त स्थानों में मध्यम फल समझना चाहिये।

इस शुभाशुभ योग के अवसर पर चन्द्र का विशेष ध्यान रखा जाता है। शुभ समय के प्रसंग में जब–जब चन्द्र गुरु से शुभ सम्बन्ध करता है, तब–तब शुभफल की प्राप्ति होती है। इसी प्रकार अशुभ फल के प्रसंग में जब–जब चन्द्र से गुरु का अशुभ सम्बन्ध होगा, तब–तब अशुभ फ़ल अनुभव में आता है।

इसी प्रकार जब शनि जन्म राशि या जन्म लग्न से भ्रमण पद्धति द्वारा ३,५,६,७,९,१०,११ इन स्थानों में वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, धनु, कुम्भ या मीन राशि का रहता है तब अभ्युदय होता है और उस समय खेती में, खनिज पदार्थ में, भूमि खरीदने में, घर बनवाने में, कूप निर्माण आदि कार्यों में अनुकूलता रहती है।

इस ग्रह भ्रमण पद्धति द्वारा अभीष्ट (भूत, वर्तमान, भविष्य) समय की कुण्डली बनाकर उस पर से ग्रह स्थिति के अनुसार फल विचार करने में अच्छी सहायता मिलती है।

॥ शम् ॥

=====000=====

अथ परिशिष्टे स्पष्टायुर्विचार:

निसर्गपैण्ड्यांशकरश्मिचक्रन क्षत्रदायाष्टकवर्गजानि।
पराशराद्यै: कथितानि यानि संगृह्य तानि क्रमश: प्रवाच्म।।

स्पष्टायुर्दाय का साधन प्रथम भाग में कर दिया है। उसी के सम्बन्ध में यहाँ विचार करना है। जातक पारिजात में ग्रन्थकार ने स्वयं लिखा है कि पराशर प्रभृति आचार्यों ने १ निसर्ग, २ पिण्ड, ३ अंशक, ४ रश्मि, ५ चक्र, ६ नक्षत्र, ७ दायज तथा ८ अष्टक वर्ग इन आयुर्दायों का साधन दिखाना है, उन्हें मैं लिख रहा हूँ। तदनुसार इन भेदों का विवेचन करते हुए लिखते हैं कि–

विलग्नपे बलोपेते शुभदृष्टेंऽशसंभवम्।
रवौ पिण्डोद्भवं कुर्याच्चन्द्रे नैसर्गिकं क्रमात्।।

लग्नेश बलवान हो और उसे शुभग्रह देखते हों तो अंशायु का साधन करना चाहिये। सूर्य बलवान हो तो पिण्डायु एवं चन्द्र बलवान हो तो निसर्गज आयुर्दाय का साधन करना चाहिये। इन दोनों योगों में भी शुभ ग्रह की दृष्टि का होना आवश्यक है।

इन सब का विचार करने के बाद आचार्यों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि "सत्योपदेशो वरमत्र" सत्याचार्य के मतानुसार आयुर्दाय का साधन करना अच्छा होगा और यही क्रम इस समय चल रहा है। आठ प्रकार के आयुर्दाय के विवेचन को पाठक गण जातक पारिजात आदि ग्रन्थों में देखें। यहाँ विस्तार के भय से नहीं दिया जा रहा है। यहाँ बहुसम्मत सत्याचार्य के मतानुसार अंशायु का विचार किया जायेगा। श्री भट्टोत्पल्पल ने बृहजातक के आयुर्दायाध्याय श्लो. १३ की व्याख्या के अन्त में अस्माकं सत्याचार्य मतमभिमतमिति लिखकर स्पष्ट कर दिया है कि सत्याचार्य मतानुसार आयुर्दाय का साधन करना चाहिए।

मध्यमायुर्दाय साधन तक तो कोई मतभेद नहीं है, परन्तु मध्यमायु को स्पष्ट करने मे संशय उत्पन्न होता है क्योंकि श्री बराहमिहिराचार्य ने लघुजातक में पहले ग्रहों के आयुर्दाय में वृद्धि का क्रम लिखकर बाद में ह्रास दिखाया है। महोत्पल ने आयुर्दायाध्याय (बृ. जा.) के १३ श्लोक की व्याख्या में मध्यमायु को स्पष्ट करने का क्रम सप्रमाण स्पष्ट कर दिया है। उक्त श्लोक की व्याख्या

में लिखा है कि '' यत्रापहानि: प्राप्ता तत्र सकृदेवापहानिं कृत्वा सकृदपि गुणना कार्या। कित्वपहानौ कर्तव्यायां चक्रपातापहानिं कृत्वा ततः शत्रुक्षेत्रस्य स्यापहानिः सकृदेव कर्तव्या ततः सकृदेव गुणाना कार्या। अत्र च भगवान् गार्गिः।

राशितुल्यांशसंख्यानि ग्रहोऽब्दानि प्रयच्छति।
लग्नश्च सवलोऽन्यानि भुक्तराशिसमानि तु ॥१॥

मासाद्यानयनं कार्यमनुपातादतः परम्।
सर्वार्धत्रिचतुर्थांशान् वामं पञ्च चतुःसंमित् ॥२॥

हरन्ति पापाः स्वाद्दायात्तदर्धमितरे ग्रहाः।
व्ययाश्चक्रापहानिस्तु कथितेयं तथा ॥३॥

एकस्त्वेकर्क्षगेष्वेव करोति बलवान्
शत्रुक्षेत्रगतस्त्र्यंशं नीचेऽर्द्धं सूर्यगस्तथा ॥४॥

हन्ति स्वाद्दायाद्रविगौ न सितादित्यनन्दनौ।
न चावनिसुतश्चांशं शत्रुक्षेत्रगतस्तथा ॥५॥

ध्रवापहानिः कर्तव्या ततोऽन्यासु बहुष्वपि।
प्राप्तास्वेकैव कर्तव्या या स्यात्तासु महत्तरा ॥६॥

ततोऽपि गुणना कार्याऽप्येकैव महती सकृत्।
द्वाभ्यां वर्गोत्तमे स्वांशे स्वद्रेष्काणे स्वके गृहे ॥७॥

त्रिभिर्वक्रगतस्याथ स्वोच्चराशिगतस्य च।
ग्रहदायो भवत्येवं शोध्यक्षेपकृतस्तु यः ॥८॥

सारांश यह है कि प्रत्येक ग्रह अपने नवमांश राशि तुल्य वर्ष मध्यमायु में देता है। यदि लग्न सबल हो, तो भुक्त राशि संख्यक और भी वर्ष देता है। और अंशों द्वारा अनुपात से मासादिमान लाना चाहिये। लग्न के अंशों को ६० से गुणा कर उसमें लग्न की कला जोड़ दें। इस कलादि लग्न के भुक्त मान को अर्थात लग्न के अंश कला—विकला के कला—विकला दो खण्ड बनाकर इनको १२ से गुणा कर १८०० से भाग दें । लब्ध फल मास होंगे। शेष को ३० से गुणा कर और उसमें विकला जोड़कर १८०० का भाग देने से लब्ध फल दिन होंगे। पुनः शेष को ६० से गुणा कर १८०० से भागने पर लब्ध फल घटी होगी। इस प्रकार पल भी शेष को ६० से गुणा कर १८०० का भाग देकर ले आयें।

इस लब्ध मास, ... एल फल को पूर्व साधित लग्न के आयु में जोड़ने से लग्न का स्पष्ट ...गा।

लग्न और ग्रहों ... बलवान होने की परिभाषा प्रथम भाग में कर दी है। ग्रहों के आयुर्दाय के ... का क्रम यह है। पहले चक्रार्धहानि, उसके बाद ग्रह शत्रु क्षेत्रगत ... यांश हानि, परन्तु मंगल शत्रुक्षेत्री होने पर भी तृतीयांश हानि नहीं करता ... चराशिगत एवं अस्तंगत हो तो अर्धांश हानि, परन्तु शुक्र शनि अस्तंगत ... भी अर्धांश हानि नहीं करते। यहाँ यह ध्यान रखें चक्रार्ध हानि ... में अनेक ग्रहो के रहने पर केवल बलवान एक ही ग्रह के आयुर्दाय ...नुसार ...ती ... एवं एक ग्रह के लिए अनेक हानि प्राप्त हो तो जो अधि... वि... ही ...क हानि करें। सब हानि नहीं करनी चाहिए। इसके बाद यदि ग्रह वर्गोत्तमी, स्वनवमांश स्वद्रेष्काण अथवा स्वराशि में हो तो निर्दिष्ट क्रम से साधित आयुर्दाय को द्विगुण करें। और यदि ग्रह वक्री या उच्चराशि का हो तो निर्दिष्ट क्रम से साधित आयु को त्रिगुणित करें। यहाँ पर यदि एक ही ग्रह को द्विगुण एवं त्रिगुण प्राप्त हो तो केवल त्रिगुण ही करें।

यहाँ पर मैंने मध्यमायु को स्पष्ट करने का क्रम मात्र दिखाया है। इसके गणित का क्रम आदि प्रथम भाग में स्पष्ट रूप से लिखा है। इसे वहीं देखें। और प्रथम भाग में साधित स्पष्टायु के साधन का क्रम इसके विपरीत है। अतः उस क्रम को गौण मानकर इसी को समुचित एवं सिद्धान्त रूप में समझें। अर्थात् मध्यमायु के स्पष्टीकरण में पहले क्रम प्राप्त हानि करनी चाहिये। उसके बाद यदि क्रमप्राप्त वृद्धि हो तो उसे करें। प्रथम भाग में लघुजातक में दर्शित क्रमानुसार पहले वृद्धि कर के बाद में ह्रास किया गया है वह गौण है।

॥ शुभम् ॥

---

१. अथवा लग्न के भुक्त अंशों की कला बनाकर कला में जोड़ दें प्रकार साधित लग्न की भुक्त कला–विकला में केवल १५० का भाग देने से प्रथम फल मास होंगे। शेष को ३० से गुणा कर १५० से भागने पर दिन होंगे। इस प्रकार आगे भी गणित करने से मासादि फल प्राप्त होगा।

अयनांश सारिणी

शक १८०० में निरयन मेष संक्रांति कालिक अयनांश २२°।८'।३३" थे। इस अयनांश में इष्ट गताब्दगुणित वार्षिक अमन गति का योग करने पर इष्टशक के निरयन मेष संक्रमण कालिक अयनांश होंगे। इसमें चैत्रशुक्ल प्रतिपदा से निरयण मेष संक्रान्ति तक के दिनों को दैनिक अयन गति से गुणा कर गुणनफल को इष्टशकीय निरयन मेष संक्रमण कालिक अयनांश में घटा देने पर इष्ट शक के चैत्र शुल्क प्रतिपदा का अयनांश होगा। इसमें कालान्तर संस्कार हेतु इष्ट गताब्द को १२ विकला से गुणाकर २०० से भाग देकर जो लब्धी प्राप्त होगी उसको इष्ट अयनांश में जोड़ने पर तथा ५५" विकला चित्रा चालन जोड़ने पर स्फुट अयनांश होगा।

अयनांश की वार्षिक गति ५०".२३५ विकला तथा ८"'.२५२०१ प्रतिविकला दैनिक गति है। अयनांश साधन हेतु सारणी निम्नवत की जा रही है।

वर्ष संख्या (गताब्द)	वर्ष गति	वर्ष संख्या (गताब्द)	वर्ष गति	समयांशान्तर सारिणि शक	समयान्तर संस्कार
१	०°।०'।५०".२	२००	२°४७'।२७"	१८००	+ ०'।०"
२	०।१।४०	३००	४।११।११	२०००	,, ०।१२
३	०।२।३१	४००	५।३४।५४	२२००	,, ०।३६
४	०।३।२१	५००	६।५८।३८	२४००	,, १।०
५	०।४।११	६००	७।२२।२१	२६००	,, १।४२
६	०।५।१	७००	९।४६।५	२८००	,, २।३०
७	०।५।५१	८००	११।९।४८	३०००	,, ३।०
८	०।६।४२	९००	१२।३३।३२		
९	०।७।३२	१०००	१३।५७।१६		
१०	०।८।२२	२०००	२७।५४।३१		
२०	०।१६।४४	३०००	४१।५१।४७		
३०	०।२५।७				
४०	०।३३।२९				
५०	०।४१।५२				
६०	०।५०।१४				
७०	०।५८।३६				
८०	१।६।५९				
९०	१।१५।२१				
१००	१।२३।४३				

सूर्यक्रांति और बेलान्तर-कोष्ठक

इन कोष्ठकों में प्रत्येक अंग्रेजी तारीख के लिये प्रात: ५।। बजे की सूर्य-क्रान्ति अंश, कला और उसके दशमांश में दी गयी है जिसके आमे+या ऋण – चिन्ह भी लगा है। उत्तर-क्रांति के लिये धन चिन्ह और दक्षिण-क्रांति के लिये ऋण चिन्ह लगाया गया है। बगल में क्रांति की होरा-गति कला और उसके शतांश में दी गयी है। अग्रिम खाने में बेलान्तर मि. और उसके दशमांश में दिया गया है एवं बेलांतर की होरा-गति सेकेड और उसके शतांश में दी गयी है। किसी दिन क्रांति और बेलांतर १ घंटे में जितना घटते या बढ़ते हैं, वही उनकी होरा-गति कही जाती है जिसका संयोजन कोष्ठक में इस तौर पर किया गया है कि सन् १९७० ई० से पीछे और आगे के अनेकश: वर्षों के लिये सूर्योदयादि-गणित में यह कोष्ठक पर्याप्त सूक्ष्मतापूर्वक काम देगा। क्रांति और बेलांतर को उनकी होरागति के सहारे सूर्योदयास्त, मध्यान्ह या अन्य किसी भी क्षण के लिए आप (ग्रहस्पष्ट की भाँति) स्पष्ट कर उनका सूक्ष्म मान ज्ञात कर सकते तथा उनके द्वारा अभीष्ट दिन के सूर्योदयास्त आदि का यथेष्ट सही समय सिद्ध कर सकते हैं। प्रतिदिन के बेलान्तर के साथ जो धन या ऋण का चिन्ह लगाया गया है, वह सूर्यघड़ी के (स्पष्ट) काल को यंत्रघड़ी के (मध्यम) काल में बदलने के लिये है। मध्यमकाल से स्पष्टकाल बनाने के लिये धन चिन्ह को ऋण चिन्ह और ऋण को धन चिन्ह के रूप में प्रयोग करना चाहिए।

प्रत्येक अंग्रेजी तारीख को स्टै.टा. से घं.५ मि.३० बजे की सूर्यक्रांति, होरा-गति तथा बेलांतर ‡, होरा-गति

	जनवरी				फरवरी			
ता.	सूर्य-क्रांति	होरा गति	बेलांतर मि.	हो.ग. से.	सूर्य-क्रांति	होरा गति	बेलांतर मि.	हो.ग. से.
१	−२३° ०३′.४	०′.२०	+ ३.३	१.१८	−१७° १६′.७	०′.७१	+ १३.५	०.३४
२	−२२ ५८.५	०.२२	+ ३.७	१.१७	−१६ ५९.७	०.७२	+ १३.७	०.३०
३	−२२ ५३.२	०.२४	+ ४.२	१.१५	−१६ ४२.३	०.७३	+ १३.८	०.२७
४	−२२ ४७.४	०.२६	+ ४.७	१.१३	−१६ २४.७	०.७५	+ १३.९	०.२३
५	−२२ ४१.१	०.२८	+ ५.१	१.१२	−१६ ०६.८	०.७६	+ १४.०	०.२०
६	−२२ ३४.४	०.३०	+ ५.६	१.१०	−१५ ४८.६	०.७७	+ १४.१	०.१७
७	−२२ २७.२	०.३१	+ ६.०	१.०८	−१५ ३०.१	०.७८	+ १४.२	०.१३
८	−२२ १९.६	०.३३	+ ६.४	१.०६	−१५ ११.४	०.७९	+ १४.२	०.१०
९	−२२ ११.६	०.३५	+ ६.९	१.०४	−१४ ५२.४	०.८०	+ १४.३	०.०७
१०	−२२ ०३.१	०.३७	+ ७.३	१.०१	−१४ ३३.२	०.८१	+ १४.३	०.०४
११	−२१ ५४.२	०.३९	+ ७.६	०.९९	−१४ १३.७	०.८२	+ १४.३	०.०१
१२	−२१ ४४.९	०.४०	+ ८.१	०.९७	−१३ ५४.०	०.८३	+ १४.३	०.०२
१३	−२१ ३५.१	०.४२	+ ८.५	०.९४	−१३ ३४.०	०.८४	+ १४.३	०.०६
१४	−२१ २४.९	०.४४	+ ८.९	०.९१	−१३ १३.९	०.८५	+ १४.३	०.०९
१५	−२१ १४.३	०.४६	+ ९.२	०.८९	−१२ ५३.५	०.८५	+ १४.२	०.१२
१६	−२१ ०२.३	०.४७	+ ९.६	०.८६	−१२ ३२.९	०.८७	+ १४.२	०.१५
१७	−२१ ५२.०	०.४९	+ ९.९	०.८३	−१२ १२.१	०.८८	+ १४.१	०.१८
१८	−२० ४०.२	०.५०	+ १०.२	०.८०	−११ ५१.२	०.८८	+ १४.१	०.२०
१९	−२० २८.०	०.५२	+ १०.६	०.७७	−११ ३०.०	०.८९	+ १४.०	०.२३
२०	−२० १५.४	०.५४	+ १०.९	०.७४	−११ ०८.७	०.९०	+ १३.९	०.२६
२१	−२० ०२.५	०.५५	+ ११.२	०.७१	−१० ४७.०	०.९०	+ १३.८	०.२९
२२	−१९ ४९.२	०.५७	+ ११.४	०.६८	−१० २५.५	०.९१	+ १३.७	०.३१
२३	−१९ ३५.५	०.५९	+ ११.७	०.६५	−१० ०३.६	०.९२	+ १३.५	०.३४
२४	−१९ २१.४	०.६०	+ १२.०	०.६१	−९ ४१.७	०.९२	+ १३.४	०.३७
२५	−१९ ०७.०	०.६१	+ १२.२	०.५८	−९ १९.५	०.९३	+ १३.२	०.३९
२६	−१८ ५२.३	०.६३	+ १२.४	०.५५	−८ ५७.२	०.९४	+ १३.१	०.४२
२७	−१८ ३७.२	०.६५	+ १२.७	०.५१	−८ ३४.८	०.९४	+ १२.९	०.४४
२८	−१८ २१.८	०.६५	+ १२.९	०.४८	−८ १२.९	०.९५	१२.७	०.४६
२९	−१८ ०६.०	०.६७	+ १३.०	०.४४	*−७ ४९.६	०.९५	*−१२.७	०.४७
३०	−१७ ४९.९	०.६८	+ १३.२	०.४१	*प्लुत वर्ष		*प्लुत वर्ष	
३१	−१७ ३३.४	०.७०	+ १३.४	०.३७	(लीप ईयर में)		(लीप ईयर में)	

*(सूर्यघड़ी के) स्पष्टकाल से (यंत्रघड़ी के) मध्यमकाल का अंतर

प्रत्येक अंग्रेजी तारीख को स्टै.टा. से घं.५ मि.३० बजे की सूर्यक्रांति, होरा-गति तथा बेलांतर ☩, होरा-गति

	मार्च				अप्रैल			
ता.	सूर्य-क्रांति	होरा गति	बेलांतर मि.	हो.ग. से.	सूर्य-क्रांति	होरा गति	बेलांतर मि.	हो.ग. से.
१	−७° ४९′.६	०′.९५	+ १२.५	०.४८	+४° १७′.७	०′.९७	+ ४.१	०.७५
२	−७ २६.८	०.९५	+ १२.४	०.५१	+४ ४०.९	०.९६	+ ३.८	०.७५
३	−७ ०३.९	०.९६	+ १२.२	०.५३	+५ ०३.९	०.९६	+ ३.५	०.७४
४	−६ ४०.९	०.९६	+ ११.९	०.५५	+५ २६.९	०.९६	+ ३.२	०.७४
५	−६ १७.८	०.९६	+ ११.७	०.५७	+५ ४९.८	०.९५	+ २.९	०.७३
६	−५ ५४.६	०.९७	+ ११.५	०.५८	+६ १२.६	०.९५	+ २.७	०.७२
७	−५ ३१.४	०.९७	+ ११.३	०.६०	+६ ३५.३	०.९५	+ २.४	०.७१
८	−५ ८.०	०.९७	+ ११.०	०.६२	+६ ५७.९	०.९४	+ २.१	०.७०
९	−४ ४४.६	०.९७	+ १०.८	०.६३	+७ २०.५	०.९४	+ १.८	०.६९
१०	−४ २१.२	०.९८	+ १०.५	०.६५	+७ ४२.७	०.९३	+ १.५	०.६८
११	−३ ५७.७	०.९८	+ १०.३	०.६६	+८ ०४.९	०.९३	+ १.३	०.६७
१२	−३ ३४.०	०.९८	+ १०.०	०.६७	+८ २७.०	०.९२	+ १.०	०.६५
१३	−३ १०.५	०.९८	+ ९.८	०.६८	+८ ४८.९	०.९१	+ ०.७	०.६४
१४	−२ ४६.८	०.९८	+ ९.५	०.६९	+९ १०.७	०.९१	+ ०.५	०.६३
१५	−२ २३.२	०.९९	+ ९.२	०.७०	+९ ३२.३	०.९०	+ ०.२	०.६१
१६	−१ ५९.५	०.९९	+ ८.९	०.७१	+९ ५३.८	०.९०	— ०.०	०.६०
१७	−१ ३५.८	०.९९	+ ८.६	०.७२	+१० १५.१	०.८९	— ०.२	०.५८
१८	−१ १२.०	०.९९	+ ८.३	०.७३	+१० ३६.२	०.८८	— ०.५	०.५६
१९	−० ४८.४	०.९९	+ ८.०	०.७३	+१० ५७.२	०.८७	— ०.७	०.५५
२०	−० २४.६	०.९९	+ ७.८	०.७४	+११ १७.९	०.८७	— ०.९	०.५३
२१	−० ०.९	०.९९	+ ७.५	०.७४	+११ ३८.५	०.८६	— १.१	०.५१
२२	+ ० २२.८	०.९९	+ ७.२	०.७५	+११ ५८.९	०.८५	— १.३	०.४९
२३	+ ० ४६.४	०.९९	+ ६.९	०.७५	+१२ १९.१	०.८४	— १.५	०.४७
२४	+ १ १०.०	०.९९	+ ६.६	०.७५	+१२ ३९.१	०.८३	— १.७	०.४६
२५	+ १ ३३.७	०.९८	+ ६.३	०.७६	+१२ ५८.९	०.८२	— १.९	०.४४
२६	+ १ ५७.३	०.९८	+ ५.९	०.७६	+१३ १८.५	०.८२	— २.१	०.४२
२७	+ २ २०.८	०.९८	+ ५.७	०.७६	+१३ ३७.८	०.८१	— २.३	०.४०
२८	+ २ ४४.३	०.९८	+ ५.३	०.७६	+१३ ५७.०	०.८०	— २.४	०.३८
२९	+ ३ ०७.७	०.९७	+ ५.०	०.७६	+१४ १५.९	०.७९	— २.६	०.३६
३०	+ ३ ३१.१	०.९७	+ ४.७	०.७६	+१४ ३४.६	०.७८	— २.७	०.३३
३१	+ ३ ५४.४	०.९७	+ ४.४	०.७५	× ×	×	×	×

☩ (सूर्य-घड़ी के) स्पष्टकाल से (यंत्र-घडी के) मध्यम काल का अंतर

प्रत्येक अंग्रेजी तारीख को स्टै.टा. से घं.५ मि.३० बजे की सूर्यक्रांति, होरा-गति तथा बेलांतर ‡, होरा-गति

	मई				जून			
ता.	सूर्य-क्रांति	होरा गति	बेलांतर मि.	हो.ग. से.	सूर्य-क्रांति	होरा गति	बेलांतर मि.	हो.ग. से.
१	+ १४° ५३′.०	०′.७७	— २.८	०.३१	+ २१° ५८′.१	०′.३६	— २.४	०.३७
२	+ १५ ११.२	०.७६	— ३.०	०.२९	+ २२ ०६.३	०.३४	— २.२	०.३९
३	+ १५ २९.१	०.७५	— ३.१	०.२७	+ २२ १४.२	०.३३	— २.१	०.४०
४	+ १५ ४६.८	०.७४	— ३.२	०.२५	+ २२ २१.६	०.३१	— १.९	०.४२
५	+ १६ ०४.३	०.७२	— ३.३	०.२२	+ २२ २८.६	०.३०	— १.८	०.४३
६	+ १६ २१.४	०.७२	— ३.४	०.२०	+ २२ ३५.३	०.२७	— १.६	०.४५
७	+ १६ ३८.३	०.७०	— ३.५	०.१८	+ २२ ४१.६	०.२६	— १.४	०.४६
८	+ १६ ५४.९	०.६९	— ३.५	०.१५	+ २२ ४७.४	०.२५	— १.२	०.४७
९	+ १७ ११.३	०.६८	— ३.६	०.१३	+ २२ ५२.९	०.२३	— १.०	०.४८
१०	+ १७ २७.३	०.६७	— ३.६	०.१०	+ २२ ५७.९	०.२१	— ०.८	०.४९
११	+ १७ ४३.०	०.६६	— ३.७	०.०८	+ २३ ०२.६	०.२०	— ०.६	०.५०
१२	+ १७ ५८.५	०.६४	— ३.७	०.०५	+ २३ ०६.८	०.१७	— ०.४	०.५१
१३	+ १८ १३.६	०.६३	— ३.७	०.०३	+ २३ १०.७	०.१६	— ०.२	०.५२
१४	+ १८ २८.५	०.६२	— ३.७	०.००	+ २३ १४.१	०.१४	— ०.०	०.५३
१५	+ १८ ४३.०	०.६१	— ३.७	०.०२	+ २३ १७.१	०.१३	+ ०.२	०.५४
१६	+ १८ ५७.२	०.५९	— ३.७	०.०४	+ २३ १९.७	०.११	+ ०.४	०.५४
१७	+ १९ ११.१	०.५८	— ३.७	०.०७	+ २३ २१.९	०.०९	+ ०.६	०.५४
१८	+ १९ २४.७	०.५७	— ३.७	०.०९	+ २३ २३.७	०.०७	+ ०.८	०.५५
१९	+ १९ ३७.९	०.५५	— ३.६	०.१२	+ २३ २५.०	०.०६	+ १.०	०.५५
२०	+ १९ ५०.८	०.५४	— ३.६	०.१४	+ २३ २६.०	०.०४	+ १.३	०.५५
२१	+ २० ०३.३	०.५२	— ३.५	०.१६	+ २३ २६.६	०.०२	+ १.५	०.५५
२२	+ २० १५.६	०.५१	— ३.५	०.१८	+ २३ २६.७	०.००	+ १.७	०.५५
२३	+ २० २७.४	०.५०	— ३.४	०.२०	+ २३ २६.४	०.०१	+ १.९	०.५४
२४	+ २० ३८.९	०.४८	— ३.३	०.२२	+ २३ २५.७	०.०२	+ २.१	०.५४
२५	+ २० ५०.१	०.४७	— ३.२	०.२४	+ २३ २४.६	०.०५	+ २.३	०.५३
२६	+ २१ ००.९	०.४५	— ३.१	०.२६	+ २३ २३.१	०.०६	+ २.५	०.५३
२७	+ २१ ११.४	०.४४	— ३.०	०.२८	+ २३ २१.२	०.०८	+ २.८	०.५२
२८	+ २१ २१.५	०.४२	— ३.९	०.३०	+ २३ १८.८	०.१०	+ ३.०	०.५१
२९	+ २१ ३१.२	०.४०	— २.८	०.३२	+ २३ १६.१	०.११	+ ३.२	०.५०
३०	+ २१ ४०.६	०.३९	— २.७	०.३४	+ २३ १२.९	०.१३	+ ३.४	०.४९
३१	+ २१ ४९.५	०.३८	— २.५	०.३६	× ×	×	× ×	

*(सूर्यघड़ी के) स्पष्टकाल से (यंत्रघड़ी के) मध्यमकाल का अंतर

प्रत्येक अंग्रेजी तारीख को स्टै.टा. से घं.५ मि.३० बजे की सूर्यक्रांति, होरा-गति तथा बेलांतर ☐, होरा-गति

	जुलाई				अगस्त			
ता.	सूर्य-क्रांति	होरा गति	बेलांतर मि.	हो.ग. से.	सूर्य-क्रांति	होरा गति	बेलांतर मि.	हो.ग. से.
१	+ २३° ०९'.४	०'.१५	+ ३.६	०.४८	+ १८° ११'.१	०'.६१	+ ६.३	०.१५
२	+ २३ ०५.४	०.१७	+ ३.८	०.४७	+ १७ ५६.०	०.६३	+ ६.२	०.१७
३	+ २३ ०१.०	०.१८	+ ४.०	०.४६	+ १७ ४०.६	०.६४	+ ६.२	०.२०
४	+ २२ ५६.२	०.२०	+ ८.१	०.४५	+ १७ २४.९	०.६५	+ ६.१	०.२२
५	+ २२ ५१.१	०.२१	+ ४.३	०.४३	+ १७ ०९.१	०.६७	+ ६.०	०.२५
६	+ २२ ४५.५	०.२३	+ ४.५	०.४२	+ १६ ५२.८	०.६७	+ ५.९	०.२७
७	+ २२ ३९.५	०.२५	+ ४.७	०.४१	+ १६ ३६.४	०.६९	+ ५.८	०.३०
८	+ २२ ३३.१	०.२६	+ ४.८	०.३९	+ १६ १९.३	०.७०	+ ५.७	०.३२
९	+ २२ २६.४	०.२८	+ ५.०	०.३७	+ १६ ०२.६	०.७१	+ ५.६	०.३४
१०	+ २२ १९.२	०.३०	+ ५.१	०.३६	+ १५ ४५.४	०.७२	+ ५.४	०.३७
११	+ २२ ११.७	०.३१	+ ५.३	०.३४	+ १५ २७.९	०.७३	+ ५.३	०.३९
१२	+ २२ ०३.८	०.३३	+ ५.४	०.३२	+ १५ १०.१	०.७४	+ ५.१	०.४१
१३	+ २१ ५५.५	०.३४	+ ५.५	०.३०	+ १४ ५२.१	०.७५	+ ४.९	०.४३
१४	+ २१ ४६.९	०.३६	+ ५.७	०.२८	+ १४ ३३.९	०.७६	+ ४.८	०.४६
१५	+ २१ ३७.८	०.३८	+ ५.८	०.२६	+ १४ १५.४	०.७७	+ ४.६	०.४८
१६	+ २१ २८.४	०.३९	+ ५.९	०.२४	+ १३ ५६.७	०.७८	+ ४.४	०.५०
१७	+ २१ १८.७	०.४०	+ ६.०	०.२२	+ १३ ३७.८	०.७९	+ ४.२	०.५२
१८	+ २१ ०८.६	०.४२	+ ६.१	०.२०	+ १३ १८.७	०.८०	+ ४.०	०.५४
१९	+ २० ५८.१	०.४३	+ ६.१	०.१८	+ १२ ५९.३	०.८०	+ ३.८	०.५७
२०	+ २० ४७.२	०.४५	+ ६.२	०.१५	+ १२ ३९.८	०.८२	+ ३.५	०.५९
२१	+ २० ३६.०	०.४६	+ ६.३	०.१३	+ १२ २०.१	०.८२	+ ३.३	०.६१
२२	+ २० २४.५	०.४८	+ ६.३	०.११	+ १२ ००.१	०.८३	+ ३.०	०.६३
२३	+ २० १२.७	०.४९	+ ६.३	०.०८	+ ११ ३९.९	०.८४	+ २.८	०.६५
२४	+ २० ००.५	०.५१	+ ६.४	०.०६	+ ११ १९.७	०.८५	+ २.५	०.६७
२५	+ १९ ४७.९	०.५२	+ ६.४	०.०३	+ १० ५९.१	०.८६	+ २.३	०.६८
२६	+ १९ ३५.०	०.५४	+ ६.४	०.०१	+ १० ३८.५	०.८६	+ २.०	०.७०
२७	+ १९ २१.८	०.५५	+ ६.४	०.०२	+ १० १७.६	०.८७	+ १.७	०.७२
२८	+ १९ ०८.३	०.५६	+ ६.४	०.०५	+ ९ ५६.६	०.८८	+ १.४	०.७३
२९	+ १८ ५४.४	०.५७	+ ६.४	०.०७	+ ९ ३५.४	०.८८	+ १.१	०.७५
३०	+ १८ ४०.३	०.५९	+ ६.४	०.१०	+ ९ १४.१	०.८९	+ ०.८	०.७६
३१	+ १८ २५.८	०.६०	+ ६.३	०.१२	+ ८ ५२.६	०.९०	+ ०.५	०.७८

☐ (सूर्य-घड़ी के) स्पष्टकाल से (यंत्र-घड़ी के) मध्यम काल का अंतर

प्रत्येक अंग्रेजी तारीख को स्टै.टा. से घं.५ मि.३० बजे की सूर्यक्रांति, होरा-गति तथा बेलांतर $, होरा-गति

	सितम्बर				अक्टूबर			
ता.	सूर्य-क्रांति	होरा गति	बेलांतर मि.	हो.ग. से.	सूर्य-क्रांति	होरा गति	बेलांतर मि.	हो.ग. से.
१	+ ८° ३१'.०	०'.९०	+ ०.२	०.७९	— २° ५६'.३	०'.९७	— १०.१	०.८१
२	+ ८ ०९.२	०.९०	— ०.१	०.८०	— ३ १९.६	०.९७	— १०.४	०.८०
३	+ ७ ४७.४	०.९१	— ०.४	०.८१	— ३ ४२.८	०.९७	— १०.७	०.७८
४	+ ७ २५.३	०.९१	— ०.७	०.८२	— ४ ०६.०	०.९७	— ११.०	०.७७
५	+ ७ ०३.२	०.९३	— १.४	०.८३	— ४ २९.२	०.९६	— ११.३	०.७५
६	+ ६ ४१.०	०.९३	— १.४	०.८४	— ४ ५२.३	०.९६	— ११.६	०.७४
७	+ ६ १८.६	०.९३	— १.७	०.८५	— ५ १५.४	०.९६	— ११.९	०.७२
८	+ ५ ५६.२	०.९४	— २.१	०.८६	— ५ ३८.४	०.९६	— १२.२	०.७०
९	+ ५ ३३.६	०.९४	— २.४	०.८६	— ६ ०१.३	०.९५	— १२.५	०.६८
१०	+ ५ ११.०	०.९५	— २.७	०.८७	— ६ २४.१	०.९५	— १२.८	०.६६
११	+ ४ ४८.२	०.९५	— ३.१	०.८७	— ६ ४६.८	०.९५	— १३.०	०.६४
१२	+ ४ २५.४	०.९५	— ३.४	०.८८	— ७ ०९.५	०.९५	— १३.३	०.६२
१३	+ ४ ०२.६	०.९५	— ३.८	०.८८	— ७ ३२.०	०.९४	— १३.५	०.६०
१४	+ ३ ३९.६	०.९६	— ४.१	०.८८	— ७ ५४.५	०.९४	— १३.८	०.५८
१५	+ ३ १६.६	०.९६	— ४.५	०.८८	— ८ १६.८	०.९३	— १४.०	०.५६
१६	+ २ ५३.५	०.९६	— ४.९	०.८९	— ८ ३९.०	०.९३	— १४.२	०.५३
१७	+ २ ३०.४	०.९७	— ५.२	०.८९	— ९ ०१.१	०.९२	— १४.४	०.५१
१८	+ २ ०७.२	०.९७	— ५.६	०.८९	— ९ २३.१	०.९२	— १४.७	०.४९
१९	+ १ ४३.९	०.९७	— ५.९	०.८९	— ९ ४४.९	०.९१	— १४.९	०.४६
२०	+ १ २०.७	०.९७	— ६.३	०.८९	—१० ०६.९	०.९०	— १५.०	०.४४
२१	+ ० ५७.४	०.९७	— ६.७	०.८८	—१० २८.२	०.८९	— १५.२	०.४१
२२	+ ० ३४.१	०.९७	— ७.०	०.८८	—१० ४९.६	०.८९	— १५.४	०.३८
२३	+ ० १०.७	०.९७	— ७.३	०.८८	—११ १०.८	०.८९	— १५.५	०.३५
२४	— ० १२.६	०.९८	— ७.७	०.८७	—११ ३१.९	०.८८	— १५.७	०.३३
२५	— ० ३६.०	०.९८	— ८.१	०.८७	—११ ५२.८	०.८७	— १५.८	०.३०
२६	— ० ५९.४	०.९८	— ८.४	०.८६	—१२ १३.५	०.८५	— १५.९	०.२७
२७	— १ २२.८	०.९८	— ८.७	०.८५	—१२ ३४.१	०.८५	— १६.०	०.२४
२८	— १ ४६.२	०.९७	— ९.१	०.८४	—१२ ५४.४	०.८५	— १६.१	०.२१
२९	— २ ०९.६	०.९७	— ९.४	०.८३	—१३ १४.५	०.८४	— १६.२	०.१७
३०	— २ ३२.९	०.९७	— ९.७	०.८२	—१३ ३४.५	०.८३	— १६.२	०.१४
३१	× ×	×	×	×	—१३ ५४.२	०.८२	— १६.३	०.११

*(सूर्यघड़ी के) स्पष्टकाल से (यंत्रघड़ी के) मध्यमकाल का अंतर

प्रत्येक अंग्रेजी तारीख को स्टै.टा. से घं.५ मि.३० बजे की सूर्यक्रांति, होरा-गति तथा बेलांतर ⊐, होरा-गति

	नवम्बर				दिसम्बर			
ता.	सूर्य-क्रांति	होरा गति	बेलांतर मि.	हो.ग. से.	सूर्य-क्रांति	होरा गति	बेलांतर मि.	हो.ग. से.
१	— १४° १३'.७	०'.८१	— १६.३	०.०८	— २१° ४२'.५	०'.४९	— ११.२	०.९३
२	— १४ ३२.९	०.८०	— १६.४	०.०४	— २१ ५१.८	०.३९	— १०.८	०.९५
३	— १४ ५२.०	०.७९	— १६.४	०.०१	— २२ ००.८	०.३८	— १०.५	०.९८
४	— १५ १०.८	०.७८	— १६.४	०.०३	— २२ ०९.४	०.३५	— १०.१	१.००
५	— १५ २९.३	०.७७	— १६.४	०.०६	— २२ १७.५	०.३४	— ९.७	१.०३
६	— १५ ४७.६	०.७६	— १६.३	०.१०	— २२ २५.२	०.३२	— ९.२	१.०५
७	— १६ ०५.६	०.७५	— १६.३	०.१३	— २२ ३२.४	०.३०	— ८.८	१.०७
८	— १६ २३.४	०.७४	— १६.३	०.१७	— २२ ३९.२	०.२९	— ८.४	१.१०
९	— १६ ४०.८	०.७३	— १६.२	०.२१	— २२ ४५.६	०.२७	— ८ ०	१.१२
१०	— १६ ५८.०	०.७२	— १६.१	०.२४	— २२ ५१.५	०.२५	— ७.५	१.१४
११	— १७ १४.९	०.७०	— १६.०	०.२८	— २२ ५७.०	०२३	— ७.१	१.१५
१२	— १७ ३१.५	०.६९	— १५.९	०.३१	— २३ ०२.०	०.२१	— ६.६	१.१७
१३	— १७ ४७.८	०.६८	- १५.८	०.३५	— २३ ०६.५	०.१९	— ६.१	१.१८
१४	— १८ ०३.८	०. ७	— १५.६	०.३८	— २३ १०.६	०.१७	— ५.७	१.१९
१५	— १८ १९.५	०.६५	— १५.५	०.४२	— २३ १४.३	०.१५	— ५:२	१.२१
१६	— १८ ३४.८	०.६४	— १५.३	०.४५	— २३ १७.४	०.१३	— ४.७	१.२२
१७	— १८ ४९.९	०.६३	— १५.१	०.४९	— २३ २०.१	०.११	— ४.२	१.२२
१८	— १९ ०४.६	०.६१	— १५.०	०.५२	— २३ २२.४	०.१०	— ३.८	१.२३
१९	— १९ १८.९	०.६०	— १४.८	०.५५	— २३ २४.२	०.०७	— ३.२	१.२४
२०	— १९ ३२.९	०.५८	— १४.५	०.५९	— २३ २५.५	०.०६	— २.८	१.२४
२१	— १९ ४६.६	०.५७	— १४.३	०.६२	— २३ २६.३	०.०३	— २.३	१.२४
२२	— १९ ५९.९	०.५५	— १४.०	०.६५	— २३ २६.७	०.०२	— १.८	१.२४
२३	— २० १२.८	०.५४	— १३.८	०.६९	— २३ २६.६	०.००	— १.३	१.२४
२४	— २० २५.४	०.५२	— १३.५	०.७२	— २३ २६.०	०.०३	— ०.८	१.२४
२५	— २० २७.६	०.५१	— १३.२	०.७५	— २३ २४.९	०.०४	— ०.३	१.२४
२६	— २० ४९.४	०.४९	— १२.९	०.७८	— २३ २३.४	०.०६	+ ०२	१.२३
२७	— २१ ००.८	०.४८	— १२.६	०.८१	— २३ .२१.४	०.०८	+ ०.७	१.२३
२८	— २१ ११.८	०.४६	— १२.३	०.८४	— २३ १९.०	०.१०	+ १.२	१.२२
२९	— २१ २२.४	०.४५	— ११.९	०.८७	— २३ १६.०	०.१२	+ १.७	१.२१
३०	— २१ २३.७	०.४२	— ११.६	०९०	— २३ १२.७	०.१४	+ २.२	१.२१
३१	× ×	×	×	×	— २३ ०८.८	०.१६	+ २.७	१.१९

⊐ (सूर्य-घड़ी के) स्पष्टकाल से (यंत्र-घड़ी के) मध्यम काल का अंतर

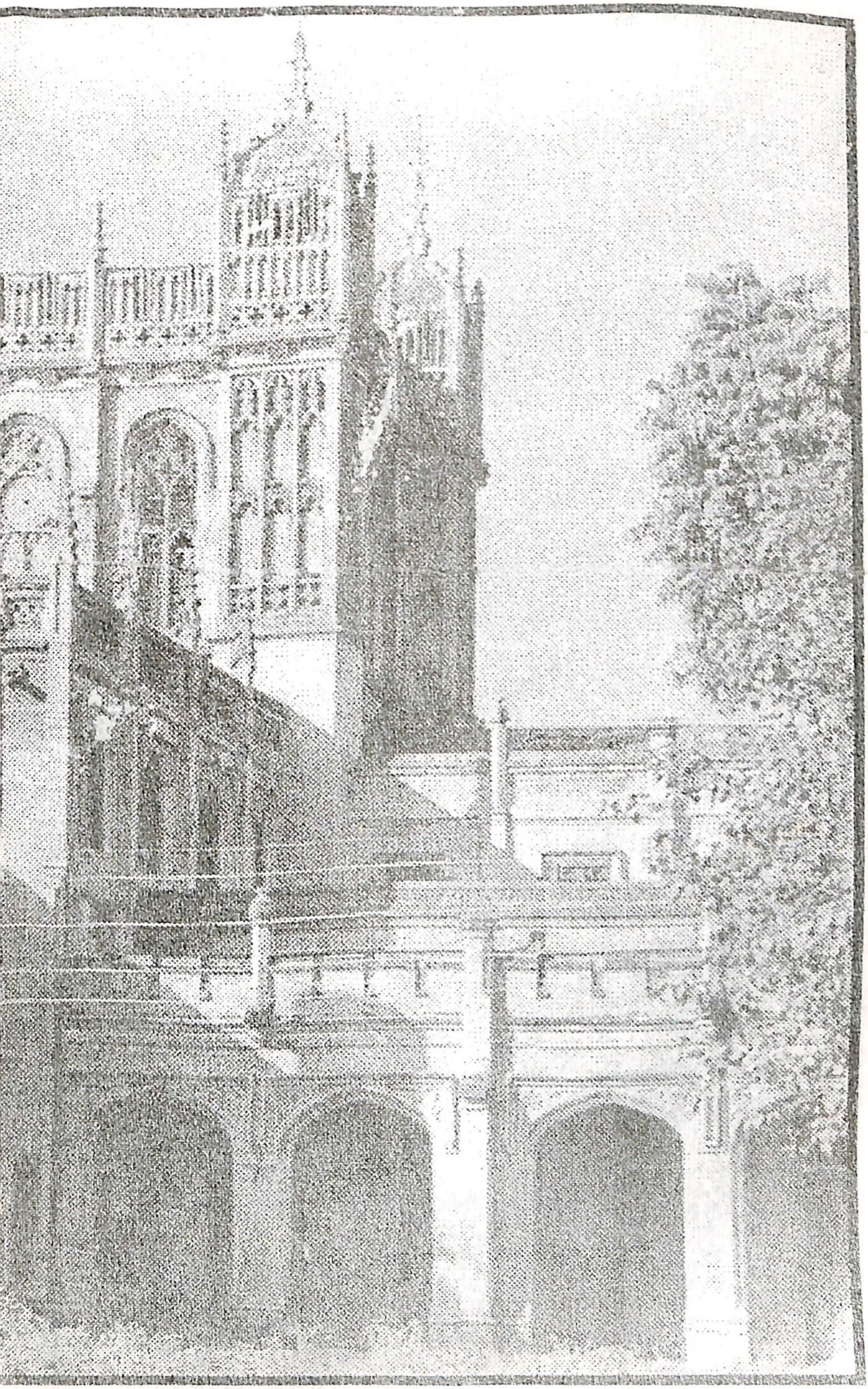

॥ श्री ॥

"भारतीय कुण्डली विज्ञान"

(परिशिष्ट सहित)

कुण्डली निर्माण विज्ञान पर प्रमाणित हिन्दी ज्योतिषशास्त्र

रचयिता : स्व० मीठालाल हिंमतराम ओझा

इसकी उपयोगिता का सबल प्रमाण यह है कि यह पुस्तक सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी, (वा. सं. वि., वाराणसी) हिन्दी साहित्य सम्मेलन–प्रयाग, लालबहादुर संस्कृत विद्यापीठ–दिल्ली, बड़ौदा विश्वविद्यालय–बड़ौदा, बाम्बे ऐस्ट्रोलॉजिकल सोसायटी भारतीय विद्या भवन–मुम्बई, त्रिभुवन विश्वविद्यालय–नेपाल, प्रभूति संस्थाओं ने आचार्य आदि परीक्षाओं में पाठ्य पुस्तकादि के रूप में निर्धारित की है। अन्य परीक्षाओं में भी निकट भविष्य में समाविष्ट होने की आशा है। जनता की लोकप्रियता के कारण इसका द्वादश संस्करण संशोधन के साथ प्रकाशित किया गया है। इस पुस्तक के द्वारा बिना लम्बे गणित के सरलता से सारणी कोष्टक आदि द्वारा छोटी और बड़ी जन्म पत्रिका, वर्ष पत्रिका आदि का निर्माण किया जा सकता है। साथ ही विश्व के किसी भी प्रदेश में जन्म लेने वाले बालक की जन्म कुण्डली बनाने के साधन एवं सुगम प्रकार के उदाहरण द्वारा स्पष्ट दिखाये गये हैं। इतना ही नहीं पाश्चात्य पद्धति से लग्न साधन, ग्रह स्पष्टीकरण एवं ग्रह परिभ्रमण पद्धति, सूक्ष्मदशा और प्राणदशा के साधन का प्रचार आदि भी इसकी प्राचीनता के साध आधुनिकता का परिचय देती है। फलित ज्यौतिष के इष्टकाल शोधनादि अनेक विषयों का समावेश कर गागर में सागर भरने की दिशा में अग्रसर होने का लेखक ने प्रयास किया है। यह एक पुस्तक ज्यौतिष सम्बन्धी गणित के लिए पर्याप्त सिद्ध हुई है। ज्यौतिष के आरंभिक अध्यन से विशिष्ट अध्ययन की योग्यता प्राप्त करने की सम्पूर्ण सामग्री इसमें शास्त्रानुसार पर्याप्त मात्रा में संकलित है।

प्राप्ति स्थान :

वाराणसी के प्रमुख पुस्तक विक्रेता एवं प्रकाशक

"देवर्षि प्रकाशन"

डी. ३/४०, मीरघाट, वाराणसी–२२१००१ (उ.प्र.)